

राजस्थान के जैन शास्त्र भण्डारों

की

★ ग्रन्थ-सूची ★

(भाग २)

[जयपुर के श्री दि० जैन मन्दिर पं० लूणकरणजी पांड्या एवं दि० जैन मन्दिर बडा तेरहपंधियों

के

शास्त्र-भण्डारों की सविवरण सूची]



सम्पादक :—

श्री कस्तूरचन्द कासलीवाल

एम. ए., शास्त्री,



प्रकाशक :—

पद्मीचन्द गंगवाल

मन्त्री :—

प्रबन्ध-कारिणी कमेटी

श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्रीमहावीरजी

महावीर पार्क रोड, जयपुर

पुस्तक-प्राप्ति-स्थानः—

१. मंत्री श्री० दि० जैन अ० क्षेत्र श्रीमहावीरजी

महावीर पार्क रोड, जयपुर (राजस्थान)

२. मैनेजर श्री दि० जैन अ० क्षेत्र श्रीमहावीरजी

श्रीमहावीरजी (राजस्थान)

३. वीर पुस्तक मण्डार

श्री वीर प्रेस, जयपुर (राजस्थान)

४. वीर पुस्तक मंदिर

श्रीमहावीरजी (राजस्थान)

प्रथम संस्करण

वीर निर्वाण संवत् २४८०

वि० सं० २०१०

जनवरी १९५४

मूल्य

८)

मुद्रकः—

भंवरलाल न्यायतीर्थ

श्री वीर प्रेस, जयपुर ।

★ विषय-सूची ★

	पृष्ठ संख्या
१. प्रकाशकीय	अ
२. सम्पादकीय	इ
३. महत्त्वपूर्ण एवं अप्रकाशित ग्रन्थों के नाम	क
४. शुद्धाशुद्धिपत्र	ग
५. ग्रन्थसूची:—	

विषय प० लूणकरणजी के मन्दिर के ग्रन्थ

बड़े मन्दिर के ग्रन्थ

पृष्ठ

पृष्ठ

सिद्धान्त एवं चर्चा	१-६	१२५-१४८
धर्म एवं आचार शास्त्र	६-६	१४८-१७५
अध्यात्म	१०-१२	१७५-१६२
न्याय एवं दर्शन	१२-१३	१६३-२०१
प्रतिष्ठा एवं अन्य विधान	१३-१४	२०१-२०२
योगशास्त्र	१५	२०२-२०८
पुराण	१५-१७	२०८-२१६
चरित्र	१७-२०	२२०-२३४
कथा साहित्य	२०-२४	२३५-२४४
काव्य	२४-२६	२४४-२५५
इतिहास	२६	२५५
नाटक	२७	२५६
व्याकरण	२७-२६	२५६-२६५
कोश	२६-३०	२६५-२६८
आयुर्वेद	३१-३५	२६८-२६६
व्योतिषादि निमित्त-ज्ञान	३५-३८	२६६-२७४
साहित्य		
मंत्र तंत्रादि	३८-४१	२७५-२७६
छन्दशास्त्र	४१-४२	२७६-२७७

विषय पं० लूणकरणजी के मन्दिर के ग्रन्थ

बड़े मन्दिर के ग्रन्थ

पृष्ठ

पृष्ठ

रस एवं अलंकार	४२
गणितशास्त्र	—
कामशास्त्र	४३
लोकविज्ञान	४३
सुभाषित	४३-४४
नीतिशास्त्र	४५
स्तोत्र	४६-५४
पूजा साहित्य	५५-७०
प्राचीन लेख संग्रह	—
संगीत एवं नृत्यकला	—
लक्षण एवं समीक्षा साहित्य	७०-७१
स्फुट एवं अवशिष्ट साहित्य	७१-७२
संग्रह (गुटके)	७३-१२४

२७८-२८०
२८१-२८२
२८२
२८२-२८५
२८६-२८९
२८२-२८३
२८३-३०७
३०७-३१६
३१६-३२०
३२०
३२१-३२२
३२२-३२७
३२८-३६६

६. ग्रन्थकार सूची

पृष्ठ ३६७-४२८



❧ प्रकाशकीय ❧

राजस्थान जैनो का मुख्य केन्द्र रहा है और अब भी है। सबसे अधिक संख्या में यहीं जैन रहते हैं। यहां के मन्दिर एवं उनमें स्थित शास्त्र भण्डार भारत भर में प्रसिद्ध हैं। यहां के गांव २ और नगर २ में जैन साहित्य बिखरा पड़ा है जिसे एकत्रित करके प्रकाश में लाने की अत्यधिक आवश्यकता है। मेरा तो दृढ़ विश्वास है कि राजस्थान के शास्त्र भण्डारों में उपलब्ध होने वाला साहित्य जैन इतिहास ही नहीं किन्तु भारतीय इतिहास तैयार करने के लिये भी अमूल्य निधि है जिसका विद्वानों को अवश्य उपयोग करना चाहिये।

राजस्थान के इस बिखरे हुये साहित्य की खोज एवं छानबीन के विषय में सर्व प्रथम हमें श्री ९० चैनसुखदासजी साहब न्यायतीर्थ जयपुर से प्रेरणा मिली और उन्हीं की प्रेरणा से दि० जैन अ० क्षेत्र श्री महावीरजी की प्रबन्ध कारिणी कमेटी ने साहित्य सेवा का यह पुनीत कार्य अपने हाथ में लिया। सबसे पहिले राजस्थान के शास्त्रभण्डारों में उपलब्ध ग्रन्थों की एक सूची तैयार करवाने का निश्चय किया जिससे उनमें उपलब्ध साहित्य के विषय में विद्वानों को जानकारी प्राप्त हो सके। इसी निश्चय के फल स्वरूप सबसे पहिले आमेर शास्त्र भण्डार व जयपुर शहर के मन्दिरों के भण्डारों की छानबीन एवं सूची तैयार करने का कार्य प्रारम्भ किया गया। क्योंकि अकेले जयपुर के शास्त्र भण्डारों में २०-२५ हजार तक ग्रन्थ मिलने का अनुमान किया जाता है। अब तक शहर के ६ भण्डारों के दस हजार ग्रन्थों की सूची तैयार हो चुकी है। जिनमें प्रथम और इस द्वितीय भाग में मिला कर ६ हजार से अधिक ग्रन्थों की सूची प्रकाशित हो चुकी है। ग्रन्थ सूची का तीसरा भाग भी प्रायः तैयार सा ही है और उसे भी प्रकाशन के लिए शीघ्र ही प्रेस में दे दिया जावेगा।

ग्रन्थ सूची तैयार करना बड़ा कठिन कार्य है। जैनो के शास्त्र भण्डारों की प्रायः अच्छी हालत नहीं है। ये शास्त्र भण्डार व्यवस्थित तो होते ही नहीं हैं किन्तु उनकी दशा भी शोचनीय रहती है। इसलिये जिस भण्डार की सूची बनाने का कार्य प्रारम्भ किया जाता है तो वहां के भण्डार को भी पूर्ण व्यवस्थित बनाना पड़ता है। शास्त्रों को जो अब तक एक २ वेष्टन में कितनी ही संख्या में पाये जाते थे उन्हें पृथक् २ एक २ वेष्टन में लगाया जाता है तथा उन्हें फिर अकारादिक्रम से रखा जाता है। प्रत्येक शास्त्र के ऊपर एक कार्ड लगा दिया जाता है जिसमें शास्त्र का संक्षिप्त परिचय दे दिया जाता है। इस प्रकार ग्रन्थ सूची बनाने के साथ २ शास्त्र भण्डार को भी पूर्ण रूप से व्यवस्थित बनाना पड़ता है। इस कार्य में पैसा तो अधिक खर्च होता ही है किन्तु समय भी काफी खर्च हो जाता है। फिर भी हमें तो अत्यधिक

प्रसन्नता है कि शास्त्रों की सूची तो तैयार होती ही है साथ ही साथ भण्डारों की अवस्था भी एक दम बढ़ जाती है और वे दर्शनीय भी बन जाते हैं।

ग्रन्थ सूची के अतिरिक्त क्षेत्र की ओर से राजस्थान के महत्त्वपूर्ण मूर्तिलेखों चित्र-लेखों एवं शिलालेखों को उतरवाकर उन्हें प्रकाशित करने का भी विचार चल रहा है। किसी योग्य व्यक्ति के मिलते ही यह कार्य भी प्रारम्भ कर दिया जावेगा।

इसी प्रकार प्राचीन साहित्य के प्रकाशन के साथ २ नवीन साहित्य के निर्माण का भी क्षेत्र के अनुसन्धान विभाग की ओर से बराबर कार्य चल रहा है। जैनदर्शन का तुलनात्मक अध्ययन, समन्त-भद्राचार्य कृत युक्त्यनुशासन एवं आप्तमीमांसा पर विस्तृत हिन्दी टीकाएँ भी प्रायः तैयार हैं।

क्षेत्र कमेटी के सामने साहित्य प्रकाशन का काफी बड़ा कार्य-क्रम है। राजस्थान के शास्त्र भण्डारों में जो महत्त्वपूर्ण अपभ्रंश साहित्य उपलब्ध हुआ है उसके मुख्य २ ग्रन्थों को प्रकाशित करने की हमारी इच्छा है। लेकिन क्षेत्र की आय पहिले से दिनोंदिन कमती होने के कारण इन योजनाओं के कार्यान्वित होने में काफी समय लग जावेगा।

इसके अतिरिक्त दानी सज्जनों का भी कर्तव्य है कि वे अपने दान की दिशा बदलें। अगर हम मन्दिरों के द्रव्य का साहित्य प्रकाशन के पवित्र कार्य में सदुपयोग करें तो इस विषय में पैसे की समस्या हल हो सकती है। मन्दिरों के अधिकारियों से भी मैं यह निवेदन करना अपना कर्तव्य समझता हूँ कि वे अपने २ मन्दिरों के लिये क्षेत्र के प्रकाशन को त्वरीदकर हमें पैसे की समस्या को हल करने में मदद दें।

बधीचन्द गंगवाल

जयपुर

ता० ४-१-५४

जानरेरी मंत्री:—प्रबन्धकारिणी कमेटी

श्री दि० जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी



★ प्रस्तावना ★

जैनधर्म में स्वाध्याय-अध्ययन-श्रावकों के दैनिक कर्मों में से एक प्रमुख कर्म है। प्रत्येक श्रावक के लिये शास्त्र-स्वाध्याय करना आवश्यक माना गया है। इतना ही नहीं किन्तु, स्वाध्याय को एक उत्तम तप भी बतलाया गया है। इसलिये जैनों के प्रत्येक धार्मिक स्थानों—मन्दिर एवं चैत्यालयों में छोटा अथवा बड़ा ग्रन्थ भण्डार का होना आवश्यक है, जिससे प्रत्येक स्त्री पुरुष वहीं बैठ कर शास्त्र-स्वाध्याय कर सकें। इस शास्त्र-स्वाध्याय के लिये श्रावकों को नये २ ग्रन्थों की आवश्यकता होती रहती है और उनकी इस आवश्यकता की पूर्ति करने के लिये नये नये ग्रन्थों की रचना, अथवा प्रतिलिपि हुआ करती है। इसके उदाहरण हमें ग्रन्थों की लेखक प्रशस्तियों एवं ग्रन्थ-प्रशस्तियों में देखने को मिल सकते हैं। इस प्रकार स्वाध्याय प्रेमियों की इस आवश्यकता ने विशाल जैन साहित्य को जन्म दिया। यही नहीं किन्तु इसने जैनाचार्यों एवं अन्य विद्वानों की मेधा शक्ति का भी खूब विकास किया जिससे उन्होंने अपने जीवन के अमूल्य समय को साहित्य के सर्जन तथा अध्ययन अध्यापन में लगाया। उनके महान् परिश्रम का फल यह हुआ कि आज साहित्य का ऐसा कोई अंग नहीं बचा जिस पर जैनाचार्यों ने अपनी लेखनी न चलायी हो।

श्रावकों ने भी साहित्य वृद्धि में अत्यधिक योग दिया। उन्होंने एक २ ग्रन्थ की कितनी ही प्रतियां करवा कर शास्त्रभण्डारों में विराजमान की तथा स्वाध्याय प्रेमियों को निःशुल्क वितरण की। आचार्यों एवं श्रावकों के रस साहित्यानुराग का यह फल हुआ कि आज हमें भारत के प्रत्येक महत्वपूर्ण स्थान पर जैन शास्त्र-भण्डार उपलब्ध होते हैं।

राजस्थान जैन-धर्म एवं जैन-संस्कृति का एक सुदीर्घकाल से केन्द्र रहा है। इस प्रदेश पर सदा क्षत्रिय राजाओं का राज्य रहा है। भारत पर मुसलमानों के आक्रमण के समय में भी सारा राजस्थान राजपूत सरदारों के अधीन था। प्रायः सारे देश में जब मुसलमानों और इसके बाद जब अंग्रेजों का शासन हो गया तब भी इस प्रदेश पर तो सीधे रूप से राजाओं का ही राज्य रहा है। यही कारण है कि राजस्थान भारत के अन्य प्रान्तों की अपेक्षा आक्रमणों आदि के भय से अधिक सुरक्षित रहा। इसके अतिरिक्त यहां के राजा महाराजाओं ने भी विशुद्ध भारतीय संस्कृति से सम्बन्धित तत्वों को आश्रय प्रदान किया तथा उन्हें सुरक्षित रखने का बहुत कुछ श्रेय भी प्राप्त किया। जैनों ने भी यहां के राजा महाराजाओं के शासन को सुचारु रूप से चलाने में उल्लेखनीय एवं स्मरणीय सहयोग प्रदान किया। जयपुर, जोधपुर, उदयपुर, कोटा, बूंदी, भालावाड, सिरोही आदि भूतपूर्व रियासतों में प्राचीन काल में शताब्दियों तक जैनों ने दीवान, मन्त्री, कोषाध्यक्ष आदि प्रतिष्ठित एवं विश्वस्त पदों पर कार्य किया जिससे उन पर वहां के शासकों की श्रद्धा एवं आदर भाव बना रहा। यही कारण है कि आज हमें

राजस्थान में जैन संस्कृति के स्थान २ पर दर्शन होते हैं। आबू के देलवाडा के जैन मन्दिर, जयपुर और सांगानेर के विशाल जैन मन्दिर आदि जैन संस्कृति से सम्बन्धित कृतियाँ इस बात की साक्षी हैं कि प्राचीन काल में राजस्थान जैन धर्म के प्रधान अभ्युदय का केन्द्र था। यहाँ के शासक यद्यपि जैन धर्मावलम्बी तो नहीं थे किन्तु वे समय समय पर जैन धर्म की प्रभावना के लिये काफी सहयोग दिया करते थे।

राजस्थान में सबसे अधिक शास्त्र-भण्डारों का मिलना इस बात का प्रमाण है कि यहाँ के लोग बड़े श्रद्धालु और सरस्वती भक्त थे। जहाँ कहीं भी जैन मन्दिर है वहाँ छोटा मोटा शास्त्र भण्डार अवश्य है। आमेर, जयपुर, नागौर, जैसलमेर, पाटन, दौसा, भोजमाबाद, दांता, कुचामन, सीकर, मारोठ, जाधपुर, बीकानेर आदि स्थानों के शास्त्र भण्डारों में प्राप्त ग्रन्थों की संख्या की जावे तो सम्भवतः वह एक लाख से अधिक पहुँच सकती है। अकेले नागौर के भट्टारकीय शास्त्र भण्डार में १२-१३ हजार से भी अधिक ग्रन्थ उपलब्ध होते हैं। इन भण्डारों में केवल जैन साहित्य अथवा जैनाचार्यों द्वारा लिखा हुआ साहित्य ही नहीं है किन्तु अजैन विद्वानों द्वारा लिखे हुए ग्रन्थ भी हजारों की संख्या में मिलते हैं। उनमें बहुत से ग्रन्थ तो ऐसे भी हैं जिनकी प्रतियाँ केवल जैन भण्डारों में ही उपलब्ध हुई हैं। साहित्य के इस महान् संचय में जैनों को असाम्प्रदायिकता सदैव प्रशंसनीय रहेगी।

राजस्थान के इन ग्रन्थालयों की सुरक्षा का वास्तविक श्रेय भट्टारकों, यतियों, विद्वानों एवं श्रावकों को है जिन्होंने साहित्य को नष्ट होने से बचा कर साहित्य एवं देश की सबसे बड़ी सेवा की। उनके इस कठिन प्रयत्न स्वरूप ही आज हमें प्राचीन शास्त्रों के दर्शन होते हैं। लेकिन यह भी कम दुःख का विषय नहीं है कि हमने शास्त्रों की सुरक्षा की ओर तो ध्यान रखा किन्तु जब उनके प्रचार का समय आया तो ग्रन्थों को ताले में बन्द करके हम गहरी मोहनिद्रा में सोते रहे और जगाने पर भी नहीं जागे। इस स्थितिपालकता से हमारी जो हानि हुई, उसका अंदाजा लगाना कठिन है। उन्हें बाहरी आक्रमण से तो किसी तरह बचाया, किन्तु भण्डार के भीतर रहने वाले ग्रन्थों के महान् शत्रु चूहे, दीमक एवं सीम आदि को ग्रन्थों पर प्रहार करने की पूर्ण स्वतन्त्रता दे दी, जिससे उन्होंने हजारों ग्रन्थों का सफाया कर दिया। फिर भी हमारा अहोभाग्य है कि जो कुछ हमें विरासत में मिला है वह भी कम नहीं है।

जैसा कि पहिले कहा जा चुका है कि राजस्थान में जितना जैन साहित्य मिलता है उतना भारत के अन्य प्रान्तों में नहीं मिलता। फिर भी इन भण्डारों में उपलब्ध साहित्य के विषय में परिचय प्रकट करने का समाज की ओर से कोई विशेष प्रयत्न नहीं किया गया। जैसलमेर, पाटन, आमेर आदि कुछ भण्डारों को छोड़कर शेष भण्डारों की अभी तक कोई पूरी छानबीन भी नहीं हुई है जिससे यह जाना जा सके कि अमुक भण्डार में कौन कौनसे ग्रन्थ हैं। ग्रन्थालयों का निरीक्षण एवं उनकी सूची आदि के प्रकाशन के कार्य में श्वेताम्बर समाज का प्रयत्न तो अवश्य ही प्रशंसनीय है। लेकिन दिगम्बर-जैन समाज का अभी इस ओर कुछ भी ध्यान नहीं गया है। इसलिये मैं सभी दिगम्बर जैन मंदिरों एवं शास्त्र-

भण्डारों के प्रबन्धकों से निवेदन करूंगा कि वे अपने यहाँ के भण्डारों की समुचित व्यवस्था कर उन्हें वास्तविक उपयोग के योग्य बनायें। क्योंकि आज समय की सबसे बड़ी मांग साहित्य-प्रचार ही है।

हर्ष की बात है कि श्री दि० जैन अ० क्षेत्र श्रीमहावीरजी के मन्त्री महोदय एवं प्रबन्ध कारिणी के अन्य सदस्यों ने समय की मांग के अनुसार आज के करीब ५ वर्ष पहले एक छोटे से रूपमें अनुसन्धान विभाग की स्थापना की और ग्रन्थभण्डारों की छानबीन तथा प्राचीन एवं नवीन साहित्य के निर्माण के कार्य को अपने हाथ में लिया। तब से आज तक इस विभाग के अधीन बराबर कार्य चल रहा है। अब तक यहाँ से आमेर शास्त्र भण्डार की ग्रन्थ सूची, प्रशस्तिसंग्रह, तामिल भाषा का जैन साहित्य, Jainism, key to true Happiness तथा सर्वार्थसिद्धि नामक पुस्तकों का प्रकाशन हो चुका है। आमेर शास्त्र भण्डार की ग्रन्थ सूची एवं प्रशस्ति-संग्रह के प्रकाशित हो जाने से अपभ्रंश भाषा के विशाल साहित्य का परिचय विद्वानों को मिला। जिससे अपभ्रंश साहित्य की लोकप्रियता का विस्तार एवं उसकी विशेषतायें विद्वानों को मालूम हुई। हिन्दी भाषा के आचार्य डा० हजारीप्रसादजी द्विवेदी ने प्रशस्ति-संग्रह पढ़ने के पश्चात् अपने "हिन्दी साहित्य का आदिकाल" नामक ग्रन्थ में जो शब्द लिखे हैं उन्हें पाठकों की जानकारी के लिये नीचे दिया जाता है—

“सन् १६५० में.....आमेर शास्त्र भण्डार (जयपुर) के ग्रन्थों का एक प्रशस्ति-संग्रह प्रकाशित हुआ है जिसमें लगभग ५० अपभ्रंश ग्रन्थों की प्रशस्तियाँ संग्रहीत हैं। इनमें से कुछ का तो विद्वानों को पहिले भी पता था, कुछ नहीं हैं। इनमें स्वयम्भू, पुष्पदन्त, पद्मकीर्ति, वीर, नयनन्दि, श्रीधर, श्रीचन्द, हरिषेण, अमरकीर्ति, यशःकीर्ति, धनपाल, श्रुतकीर्ति, माणिक्यराज, रङ्गू आदि की कृतियाँ हैं। अधिकांश रचनायें १३ वीं शताब्दी के बाद की बतायी गयी हैं। पर उसके बाद भी १६ वीं शताब्दी तक अपभ्रंश में रचनायें होती रही हैं। इस प्रशस्ति संग्रह में रङ्गू, यशःकीर्ति, धनपाल, श्रुतकीर्ति, और माणिक्यराज चौदहवीं और उसके बाद के कवि हैं।

ये ग्रन्थ अधिकतर जैन ग्रन्थभण्डारों से ही प्राप्त हुये हैं और अधिकांश जैन कवियों के लिखे हुये हैं। स्वभावतः इनमें जैनधर्म की महिमा गायी गयी है और उस धर्म के स्वीकृत सिद्धान्तों के आधार पर ही जीवन बिताने का उपदेश दिया गया है। परन्तु इस कारण से इन पुस्तकों का महत्त्व कम नहीं हो जाता। परवर्ती हिन्दी साहित्य के काव्य रूप के अध्ययन में ये पुस्तकें बहुत सहायक हैं।”

वर्तमान में क्षेत्र की ओर से राजस्थान के जैन शास्त्र भण्डारों की वृहद् सूची बनाने का कार्य चालू है। सबसे पहिले जयपुर शहर के शास्त्र भण्डारों की सूची बनाने का कार्य प्रारम्भ किया गया। और अब तक करीब ५ शास्त्र भण्डारों के ७ हजार ग्रन्थों की सूची प्रायः तैयार हो चुकी है। प्रस्तुत ग्रन्थ सूची में जयपुर के प्रसिद्ध दो शास्त्र भण्डारों के ग्रन्थों को ही लिया गया है।

शास्त्र भण्डार पं० लूणकरणजी पांड्या जयपुर—

श्री० पं० लूणकरणजी का मंदिर जयपुर के प्रसिद्ध एवं प्राचीन मन्दिरों में से एक है। यह लूणा पांड्या के मन्दिर के नाम से अधिक प्रसिद्ध है। पं० लूणकरणजी जैन यति थे, जो पांड्या कहलाते थे। उनका जन्म कब और कहाँ हुआ तथा वे कब यति बने आदि विषयों के सम्बन्ध में यहाँ के शास्त्र भण्डार में कोई उल्लेख नहीं मिलता। किन्तु इसी भण्डार में यशोधर चरित्र की एक सचित्र प्रति की लेखक-प्रशस्ति में एक उल्लेख मिला है। :-

इस प्रशस्ति में पं० लूणकरणजी को यशोधर की प्रति भेंट देना लिखा है। यदि ये ही पं० लूणकरणजी हैं तो इनका समय १८-१६ वीं शताब्दी का होना चाहिये। यह भी हो सकता है कि ये पहिले कहीं अन्य स्थान में रहते हों और बाद में जयपुर आकर रहने लगे हों और इसी मन्दिर को अपना केन्द्र स्थान बनाया हो।

इसी भण्डार में पं० लूणकरणजी का एक चित्र भी मिला है जिसमें भगवान के एक ओर पं० लूणकरणजी बैठे हुये हैं तो दूसरी ओर रायचन्दजी खड़े हुये हैं। रायचन्दजी नाम उक्त प्रशस्ति में भी आया है और उनके द्वारा यशोधर की सचित्र प्रति पं० लूणकरणजी को भेंट देना लिखा है। इसलिये इन दोनों के आधार पर इनका समय १८-१६ वीं शताब्दी ही निश्चित होता है। ये भट्टारक जगत्कीर्ति के शिष्य एवं पं० खीवसीजी के शिष्य थे।

जनश्रुति के अनुसार वे इसी मन्दिर में रहा करते थे और अपना अधिकांश समय साहित्य एवं जन सेवा में ही व्यतीत किया करते थे। उनके कितने ही शिष्य थे। उनमें पं० स्वरूपचंदजी प्रमुख थे। पं० स्वरूपचंदजी भी जयपुर के अच्छे साहित्यकारों में से थे। आयुर्वेद, ज्योतिष एवं मन्त्रशास्त्र आदि के साहित्य से उनकी विशेष रुचि थी। वे स्वयं भी इन विषयों के विद्वान् थे। यही कारण है कि इस शास्त्र भण्डार में मन्त्रशास्त्र, ज्योतिष एवं आयुर्वेद आदि विषयों का जयपुर के अन्य शास्त्र भण्डारों की अपेक्षा अधिक साहित्य है। यह ग्रन्थ भण्डार उन्हीं का संग्रह किया हुआ है। अपने जीवन में १ हजार से अधिक हस्तलिखित ग्रन्थों का संग्रह करके उन्होंने साहित्य प्रेम का उज्ज्वल उदाहरण समाज के समक्ष उपस्थित किया।

इस शास्त्र भण्डार में ८०० हस्तलिखित ग्रन्थ एवं २२५ गुटके हैं। सबसे प्राचीन प्रति इस भण्डार में परमात्मप्रकाश की है जो संवत् १४०७ में लिखी गयी थी। भण्डार में कई सचित्र प्रतियां हैं इन सब में भट्टारक सकलकीर्ति कृत यशोधर चरित्र उल्लेखनीय है। इसमें लगभग ३५ चित्र हैं जो सभी

:- संवत् १७८८ आसोज मासे शुक्लपक्षे दशम्यां तिथौ बुधवासरे वृन्दावत्यां नगर्यां.....खंडेलवालान्वये अजमेरा गांवें.....एतेषां मध्ये चिरंजीवि श्री रायचन्दजी तेनेदं यशोधरचरित्रं निजज्ञानावर्णिकर्मद्वयार्थं भट्टारक श्री जगत्कीर्ति तत् शिष्य विद्वन्मंडलोमंडित पंडितजी श्री खीवसीजी तत् शिष्य पं० लूणकरणाय धरापितं।

कथा के आधार पर तैयार किये हुये हैं। चित्र सुन्दर एवं कलापूर्ण हैं। चित्रों पर मुगलकालीन कला की छाप स्पष्ट झलकती है। इस पुस्तक के अतिरिक्त जितनी भी सचित्र प्रतियां हैं वे प्रायः सभी मंत्र शास्त्र एवं विधि विधानों की हैं। ज्वालामालिनी, भैरव, पद्मावती, महासृत्युञ्जय यंत्र आदि के चित्र उल्लेखनीय हैं। कुछ चित्र देवी देवताओं के हैं जिनमें पद्मप्रभ, कालिकादेवी, नृसिंहावतार, पद्मावतीदेवी, गरुडेशजी, धरणीदेवी पद्मावती, सोलहस्वप्न आदि के चित्र आकर्षक हैं। २० से भी अधिक प्रतीकों के जयहठों के एवं ६० के करीब मन्त्रों के चित्र हैं। कलिकुण्डपार्श्वनाथयंत्र, सूर्यप्रतापयंत्र, तीजापौहृतयंत्र, वज्रपंजरयंत्र, चतुःषष्टियोगिनी आदि के चित्र भी हैं।

शास्त्रभण्डार श्री दि० जैन मन्दिर बड़ा तेरहपंथियों का जयपुर—

जयपुर नगर बसने के कुछ समय बाद ही इस मन्दिर का निर्माण हुआ। मन्दिर के नाम के पूर्व जो 'बड़ा' शब्द लगाया गया है, वह तेरह पंथ आम्नाय की दृष्टि से है। तेरह पन्थ आम्नाय वाले मन्दिरों में यह मन्दिर सबसे प्रमुख है। इसके अतिरिक्त यह एक पद्मावती मन्दिर भी है। प्रारम्भ से ही इस मन्दिर को साहित्यिक एवं धार्मिक क्षेत्र में केन्द्रस्थान होने का सौभाग्य मिला है। जयपुर में होने वाले प्रतिष्ठित साहित्यिकों का भी इस मन्दिर से अत्यधिक सम्पर्क रहा है तथा उनमें से कितने ही विद्वानों को तो इसी मन्दिर में बैठकर ग्रन्थ रचना करने का अवसर भी मिला था। इन विद्वानों में महापंडित टोडरमलजी, पं० जयचन्दजी झाबडा, पं० सदासुखजी कासलीवाल, बाबा दुलीचन्दजी के नाम उल्लेखनीय हैं।

इस मन्दिर में स्थित शास्त्र भण्डार जयपुर के अन्य शास्त्र भण्डारों की अपेक्षा उत्तम एवं वृहद् है। यहाँ दो शास्त्र भण्डार हैं। एक स्वयं बड़े मन्दिर का शास्त्र भण्डार तथा दूसरा बाबा दुलीचन्दजी द्वारा स्थापित शास्त्र भण्डार। प्रस्तुत पुस्तक में बड़े मन्दिर के शास्त्र भण्डार के ग्रन्थों की ही सूची दी गयी है। बाबा दुलीचन्द के भण्डार की सूची भी तैयार हो गयी है किन्तु उसे अगले भाग में प्रकाशित की जावेगी।

सूची बनाने से पूर्व शास्त्र भण्डार की अवस्था कोई अच्छी नहीं थी। शास्त्र भण्डार में कुल कितने ग्रन्थ हैं और वे कौन कौनसे हैं इसका पूर्ण परिचय मिलना कठिन था। क्योंकि सैकड़ों ऐसे ग्रन्थ निकले हैं जिनके विषय में कोई भी उल्लेख नहीं था। इसके अतिरिक्त कोई सूचीपत्र न होने के कारण किसी ग्रन्थ को बाहर स्वाध्याय के लिये निकालना कठिन था। सभी ग्रन्थ अव्यवस्थित रूपमें रखे हुये थे। एक २ वेष्टन में दस दस शास्त्र तक बंधे हुये थे। तथा बहुत से ग्रन्थ तो बिना वेष्टन ही विराजमान थे। सभी गुटके एक आल्मारी में बिना वेष्टन ही रखे हुये थे। पता नहीं कितने वर्षों से वे इसी रूपमें आल्मारी की शोभा बढ़ा रहे थे। जिनवाणी माता की यह अवस्था देखकर बहुत दुःख हुआ लेकिन कहा किससे जावे। जिससे भी कहा जावे उसका यही उत्तर होता है कि हमतो इन शास्त्रों के विषय में समझते

नहीं हैं जो उन्हें संभाल कर रखें। मन्दिरों में सोना जड़ाने वाले और उसे थोड़े वैभव से अलंकृत करने वाले इस अमूल्य साहित्य का क्या मूल्य जानें। उनके लिये तो शास्त्र भण्डार एक श्रद्धा की वस्तु है जिसकी वे पूजा कर सकते हैं, रक्षा नहीं। चूहे और दीमकों की भेंट चढ़ा सकते हैं लेकिन ग्रन्थ को पढ़ने के लिये शास्त्र भण्डार से बाहर निकाल कर किसी को दे नहीं सकते।

इसी मन्दिर में कुछ ग्रन्थ वोरियों में भरे थे। यह हमारा उस लापरवाही का परिणाम है जिसके अनुसार हम शास्त्रों के पन्ने पढ़ने के लिये घर ले जाया करते थे। लेकिन उन्हें कभी वापिस लौटाने का प्रयत्न नहीं करते थे। मेरे लिये यह तो संभव नहीं था कि सारे अपूर्ण ग्रन्थों के पन्नों को ढूँढ कर पूर्ण कर देता फिर भी एक लंबे अर्से के प्रयत्न अथवा ध्यानवान के बाद इनमें से कुछ ग्रन्थों को तो पूर्ण कर लिया गया और कुछ अपूर्ण ग्रन्थों के पन्नों का संकलन भी हो सका। हर्ष की बात है कि इन विकीर्ण पन्नों में कुछ ऐसे भी ग्रन्थ मिले जो अभी तक किसी भी शास्त्र भण्डार में उपलब्ध नहीं हुये थे। इन ग्रन्थों में महाकवि स्वयम्भू कृत पद्मचरित्य एवं महाकवि वीर कृत जम्बूत्वामी चरित्य का संस्कृत विष्णु है। इन्हीं वोरियों में से करीब ४०० अपूर्ण एवं फुटकर ग्रन्थों का संकलन किया गया। इनमें से कुछ तो इसी सूची में आगये हैं और शेष ग्रन्थों को एक इन अपूर्ण होने से छोड़ दिया गया है।

इस भण्डार में सब मिला कर २६२६ ग्रन्थ हैं इनमें ३२४ गुटके भी सम्मिलित हैं। इन गुटकों में भिन्न २ छोटे २ पाठों के संग्रह के अतिरिक्त छोटे २ ग्रन्थों का भी संग्रह है। यदि इनमें उपलब्ध साहित्य को देखा जावे तो बहुत से गुटके तो ऐसे मिलेंगे जो एक ही कई ग्रन्थों के बराबर हैं। इस शास्त्र भण्डार में ग्रन्थों का संग्रह प्राचीनता, श्रेष्ठता एवं अन्य सभी दृष्टियों से महत्त्वपूर्ण है। भाषाओं में संस्कृत, प्राकृत, अपभ्रंश एवं हिन्दी इन ४ भाषाओं की रचनाओं का यहाँ संग्रह है। विषय सूची को देखकर पाठकगण जान सकेंगे कि ऐसा कोई उल्लेखनीय विषय नहीं छूटा है जिसके साहित्य का इस भण्डार में संग्रह नहीं किया गया हो। लौकिक एवं पारलौकिक दोनों ही तन्वों से सम्बन्धित साहित्य का उत्तम संग्रह आपको इस भण्डार में मिल सकता है।

इस भण्डार में जैन विद्वानों द्वारा लिखे हुये साहित्य का ही संग्रह नहीं है किन्तु जैनेतर विद्वानों द्वारा लिखित ग्रन्थों का भी यहाँ उत्तम संग्रह है। इन ग्रन्थों में व्याकरण, काव्य, कथा, आयुर्वेद, ज्योतिष, संगीत आदि विषयों से सम्बन्धित साहित्य विशेष उल्लेखनीय है। साहित्य संग्रह में जैनों का हमेशा ही उदार दृष्टिकोण रहा है। उन्होंने, जहाँ कहीं भी उत्तम साहित्य मिला उसीका बिना किसी भेद भाव के संग्रह करके अपने शास्त्र भण्डारों की शोभा को बढ़ाया है। साम्प्रदायिकता की हवा साहित्य संग्रह की नीति में उन्हें बू भी नहीं गयी है।

जैसा कि पहले कहा जा चुका है इस भण्डार में संस्कृत, अपभ्रंश एवं हिन्दी आदि सभी भाषाओं के साहित्य का उत्तम संग्रह है। संस्कृत साहित्य के उपलब्ध ग्रन्थों में अष्टसहस्री, उत्तर-

पुराण की टीका, तत्त्वार्थसूत्र टीका, नागकुमार चरित्र, भरटकद्वात्रिंशिका, राजवंशवर्णन, आदिपुराण की सचित्र प्रति उल्लेखनीय हैं। अष्टसहस्री की संवत् १४६० की एक प्राचीन प्रति भण्डार में प्राप्त हुई है। प्रति शुद्ध एवं सुन्दर है तथा सम्पादन करनेवालों के लिये काफी महत्त्व की है। आचार्य गुणभद्र कृत उत्तरपुराण का एक संस्कृत टिप्पण भी प्राप्त हुआ है जिससे पुराण के गूढ़ अर्थ को समझने में काफी सहायता मिल सकती है। उत्तर पुराण पर मिलने वाला यह पहिला टिप्पण है। जितसेनाचार्य कृत आदिपुराण की भी एक सचित्र प्रति इसी भण्डार में है। यद्यपि चित्र उतने सुन्दर नहीं हैं फिर भी प्रति दर्शनीय है। भरटकद्वात्रिंशिका में छोटी छोटी ३२ कथाओं का संग्रह है जो छोटे बच्चों के लिये काफी उपयोगी सिद्ध हो सकती हैं। 'राजवंशवर्णन' एक छोटा सा ग्रन्थ है जिनमें भारत में होने वाले प्रायः सभी राजवंशों तथा उनमें होने वाले राजाओं का नाम, उनका शासनकाल आदि दिया हुआ है। इसी प्रकार तत्त्वार्थ सूत्र की टीका एवं नागकुमार चरित्र (धमेधर कृत) ये दोनों ही रचनाएँ नवीन हैं और उत्तम हैं।

भण्डार में उपलब्ध अपभ्रंश साहित्य तो और भी महत्त्वपूर्ण है। अपभ्रंश एवं प्राकृत के ग्रन्थों की प्राचीन प्रतियों के अतिरिक्त कुछ ऐसी भी रचनाएँ हैं जो केवल इसी भण्डार में सर्व प्रथम उपलब्ध हुई हैं। प्राचीन प्रतियों में कुन्दकुन्दाचार्य कृत पञ्चास्तिकाय की संवत् १३२६ की प्रति मिली है जो भण्डार में उपलब्ध प्रतियों में सबसे प्राचीन प्रति है। इसके अतिरिक्त जितनी भी अन्य प्रतियाँ हैं वे अधिकांश १४ वीं शताब्दी से १६ वीं शताब्दी तक की हैं। महाकवि पुष्पदन्त विरचित आदिपुराण की यहाँ एक सचित्र प्रति भी उपलब्ध हुई है। यह प्रति संवत् १५६७ की है। इसमें ५०० से भी अधिक रंगीन चित्र हैं। सभी चित्र भगवान् आदिनाथ एवं अन्य महापुरुषों के जीवन से सम्बन्ध रखने वाले हैं। चित्र उत्तम एवं कलापूर्ण हैं। नवीन उपलब्ध साहित्य में महाकवि स्वयम्भू कृत पञ्चमचरिय का टिप्पण, महाकवि वीर कृत जम्बूस्वामी पर संस्कृत टिप्पण, आचार्य श्रुतकीर्ति कृत योगसार (योगशास्त्र), चारकसूरी दोहा, दामोदर कृत रोमिणाह चरित्र तथा तेजपाल कृत संभवणाह चरित्र उल्लेखनीय हैं। महाकवि धवल के हरिवंशपुराण की एक प्राचीन एवं सुन्दर प्रति भी मिली है। हरिवंशपुराण की एक या दो प्रतियाँ ही भारतवर्ष में उपलब्ध हैं ऐसा पढ़ने में आया है। इसी प्रकार स्वयम्भू के पञ्चमचरिय एवं वीर के जम्बूस्वामी चरित्र की भी सुन्दर प्रतियाँ उपलब्ध हुई हैं। इन ग्रन्थों की प्रतियाँ भी अन्य भण्डारों में बहुत कम संख्या में मिलती हैं।

हिन्दी भाषा की भी कितनी ही नवीन रचनाओं का पता लगा है। इसके अतिरिक्त जैन विद्वानों द्वारा लिखित हिन्दी जैन साहित्य का उत्तम संग्रह है। कवि देल्ह कृत 'चउबी' हिन्दी की प्राचीन रचना मिली है। इसकी रचना संवत् १३७१ में समाप्त हुई थी। श्री दशरथ निगोत्या द्वारा संवत् १७१८ में विरचित धर्मपरीक्षा की हिन्दी गद्य टीका एवं ब्रह्मनेमिदत्त विरचित नेमिनाथ पुराण की टब्बा टीका हिन्दी गद्य साहित्य की उल्लेखनीय रचनाएँ हैं। श्री जोधराज गोदीका कृत पद्मनन्दि-पंचविंशति

की भाषा टीका भी उपलब्ध हुई है। इसकी रचना संवत् १७२२ में हुई थी। पं० दौलतरामजी कृत अध्यात्म वारहखड़ी की एक ऐसी प्रति मिली है जिसमें ४८२६ पद्य हैं। अब तक प्राप्त अध्यात्म वारहखड़ी की प्रतियों में यह सबसे महत्त्वपूर्ण एवं बृहद् प्रति है। इनके अतिरिक्त अन्य कितनी ही रचनाएँ हैं जो अनेक दृष्टियों से महत्त्वपूर्ण हैं। इस प्रकार भण्डार में १४ वीं शताब्दी से लेकर २० वीं शताब्दी तक हिन्दी का उत्तम साहित्य मिलता है।

भण्डार में गुटकों की संख्या ३२४ है। प्राचीन काल में गुटकों में महत्त्वपूर्ण सामग्री के संग्रह करने की काफी रुचि थी। इन गुटकों में दैनिक काम आने वाले पाठों के अतिरिक्त महत्त्वपूर्ण साहित्य का भी संग्रह कर लिया करते थे। भण्डार में उपलब्ध आधिकांश गुटके स्वयं संग्रहकर्ता के हाथ से लिखे हुये हैं। कभी कभी आवक गण विद्वानों से भी उत्तम पाठ संग्रह करा लिया करते थे। इस भण्डार में उपलब्ध अनेक गुटके बहुत ही महत्त्व के हैं। संवत् १३७१ की जो हिन्दी की रचना मिली है वह भी गुटके में ही संग्रहीत थी। इन गुटकों में पूजा, स्तोत्र, भजन, आयुर्वेद के नुस्खे, मंत्र तंत्र ऐतिहासिक तथ्य आदि का उत्तम संग्रह मिला है। सभी जैन कवियों के पद व भजन संग्रह के अतिरिक्त नानक, गोपीचन्द, कबीर, मीराँ आदि के भी कितने ही पद इन गुटकों में लिखे हुये हैं। २५७ वें गुटके में पाठक गण देखेंगे कि कितने कवियों के सबद लिखे हुये हैं। वास्तव में यदि इन गुटकों के अध्ययन में थोड़ा समय दिया जावे तो काफी महत्त्वपूर्ण सामग्री की प्राप्ति हो सकती है।

जैसा कि पहिले कहा जा चुका है, बड़ा मन्दिर सदा ही जयपुर के विद्वानों का केन्द्रस्थान रहा है। इसी कारण इस भण्डार में निम्न विद्वानों के ग्रन्थ उनके स्वयं के हाथ से लिखे हुये भी हैं। स्वयं ग्रन्थ निर्माता के हाथ से लिखे हुये ग्रन्थ की उपलब्धि होना अत्यन्त महत्त्वपूर्ण है। ऐसे ग्रन्थों का ज्यों ज्यों समय बीतता जाता है वैसे ही उनका मूल्य भी बड़ता चला जाता है। इसलिये ऐसी प्रतियाँ देश एवं समाज की निधि हैं जिन्हें काफी सतर्कता से सुरक्षित रखने का प्रयत्न करते रहना चाहिये। भण्डार में निम्न विद्वानों के स्वयं अपने हाथ से लिखे ग्रन्थ मिलते हैं—

१. श्री जोधराज गोदीका

२. पं० जयचन्द्रजी व्यावढा

पद्मनन्दिपञ्चविंशतिभाषा

१. प्रमेयरत्नमाला भाषा

२. द्रव्यसंग्रह भाषा

३. स्वामिकार्तिकेयानुप्रेक्षा भाषा

४. सर्वार्थसिद्धि भाषा

५. अष्टपाहुड भाषा

६. समयसार भाषा

७. ज्ञानार्णव भाषा

पं० सदासुखजी कासलीवाल

१. तत्त्वार्थसूत्र टीका

२. रत्नकरण्डश्रावकाचार भाषा

समाप्ति—

शास्त्र भण्डारों की छानबीन करने, ग्रन्थ सूची बनाने आदि का काम कितना परिश्रम साध्य तथा इसमें कितना समय लगता है इसे तो वे ही जान सकते हैं जिन्हें कभी इसका अनुभव हुआ हो। हमारे शास्त्र भण्डारों की अवस्था एवं वहाँ के व्यवस्थापकों का व्यवहार इस कार्य में कितना सहयोगी बनता है इसे यहाँ लिखने की आवश्यकता नहीं, क्योंकि साहित्यिक क्षेत्र में काम करने वालों से यह छुपा हुआ नहीं है। लेकिन फिर भी हमें यदि कुछ साहित्य सेवा करनी है तो इन सब बातों की ओर से उपेक्षा वृत्ति ही धारण करनी पड़ेगी।

प्रस्तुत ग्रन्थ सूची विद्वानों के साथ २ साधारण पाठकों के लिये भी उपयोगी बन सके इसके लिये काफी प्रयत्न किया गया है। जहाँ तक हो सका वहाँ तक ग्रन्थकर्ता, भाषा, रचनाकाल, लेखनकाल, शुद्ध एवं अशुद्ध आदि की जानकारी देने में काफी प्रयत्न किया गया है, फिर भी यदि कहीं गलती रह गयी हो तथा ग्रन्थ सूची तैयार करने की रीति में कहीं सुधार की आवश्यकता हो तो पाठकगण मुझे सूचित करने का कष्ट करें जिससे भविष्य में प्रकाशित होने वाली ग्रन्थ सूचियों में उन्हें दूर किया जा सके।

धन्यवाद समर्पण—

सबसे पहिले मैं श्री दि० जैन अ० क्षेत्र श्री महावीरजी के मन्त्री महोदय श्रीमान् सेठ बधीचन्दजी गंगवाल एवं अन्य सदस्यों को धन्यवाद देता हूँ जिन्होंने क्षेत्र की आय का एक भाग साहित्य सेवा में लगाने का निश्चय किया है, तथा राजस्थान के सभी शास्त्र भण्डारों की छानबीन करने तथा उनकी सूची आदि प्रकाशित कराने का सक्रिय एवं प्रशंसनीय कदम उठाया है। उनका यह प्रयास समाज की अन्य क्षेत्र संस्थाओं के लिये अनुकरणीय है।

पं० लूणकरजी के मन्दिर के प्रबन्धक बाबू मिलापचन्दजी बागायतवालों को धन्यवाद दिये बिना नहीं रह सकता जिन्होंने अपने शास्त्र भण्डार की सूची बनाने में सक्रिय सहयोग दिया। वास्तव में आप जैसे युवक यदि अन्य शास्त्र भण्डारों की सूची आदि बनाने में सहयोग दें तो यह कार्य काफी शीघ्रता से किया जा सकता है।

श्री दि० जैन मन्दिर बड़ा तेरह पंथियों के प्रमुख प्रबन्धक स्व० श्री केशरलालजी पापड़ीवाल भी धन्यवाद के पात्र हैं। आपको शीघ्र ही शास्त्र भण्डार को व्यवस्थित एवं उसकी प्रकाशित सूची को देखने की तीव्र इच्छा थी, लेकिन दुःख है कि आप एकाएक चल बसे। आपको हमेशा मन्दिर के प्रबन्ध एवं उसकी व्यवस्था की चिन्ता रहती थी। इसलिये आप अपना अधिकांश समय इसी कार्य में व्यतीत किया करते थे।

मेरे मित्र एवं सहयोगी श्री अनूपचन्द्रजी न्यायतीर्थ भी धन्यवाद के पात्र हैं जिन्होंने सूची के प्रूफ रीडिंग एवं लेखक सूची बनाने में पूरा सहयोग दिया है। इस अवसर पर मैं मेरे आदरणीय विद्यादाता एवं पथप्रदर्शक श्री पं० पैनसुखदासजी साहू के प्रति भी कृतज्ञाञ्जलियों प्रकट किये बिना नहीं रह सकता जो मुझे इस पुनीत कार्य में समय २ पर प्रेरणा देते रहे हैं और मेरा पथ प्रदर्शन करते रहे हैं।
उन्हींकी सजीव प्रेरणा से मुझसे यह साहित्यिक सेवा सम्पन्न हो रही है।

जयपुर

ता० १-१-५४

कस्तूरचन्द कासलीवाल



कतिपय महत्त्वपूर्ण एवं अप्रकाशित ग्रन्थों के नाम—

ग्रन्थ सं०	ग्रन्थ का नाम	कर्त्ता का नाम	विषय	भाषा	ग्रन्थ-सूची पत्र
२४४	शुकराजहंसराज कथा	माणवयसूरि	कथा	संस्कृत	२३
२४८	सिद्धचक्र कथा	नरसेनदेव	"	अपभ्रंश	२३
२७८	जयपुर के शासकों की वंशावलि —		इतिहास	हिन्दी	२६
४४४	विद्यानुवाद	मल्लिषेण	मंत्र शास्त्र	संस्कृत	४१
२०७	पञ्चास्तिकाय भाषा	हीरानन्द	सिद्धान्त	हिन्दी	१४४
२४६	सिद्धान्तार्थसार	रङ्गधू	"	अपभ्रंश	१४७
३७३	पद्मानन्दिपञ्चविंशति	जोधराज गोदीका	"	"	१४८
४७२	रत्नकरण्ड शास्त्र	श्रीचन्द्र	"	अपभ्रंश	१६७
५६४	अध्यात्मवारहस्यो	दौलतरामजी	अध्यात्म	हिन्दी	१७५
६११	योगसार	श्रुतकीर्ति	योगशास्त्र	अपभ्रंश	२०५
६८०	आदिपुराण भाषा	अजयराज	पुराण	हिन्दी	२११
६६७	उत्तरपुराण टिप्पण	—	"	संस्कृत	२१३
१००२	नेमिनाथपुराण टब्बा टीका	—	"	हिन्दी	२१४
१०२६	पासणाहपुराण	रङ्गधू	"	अपभ्रंश	२१६
१०४५	हरिवंशपुराण	धवल	"	"	२१७
१०४६	"	यशःकीर्ति	"	"	"
१०८३	रोमिणाहचरित्र	दामोदर	चरित्र	"	२२१
११०५	नागकुमारचरित्र	पं० धर्मधर	"	संस्कृत	२२३
१११८	प्रद्युम्नचरित्र	महाकवि सिंह	"	अपभ्रंश	२२४
११५२	मेघेश्वरचरित्र	पं० रङ्गधू	"	"	२२७
११८५	श्रीपालचरित्र	पं० रङ्गधू	"	"	२३२
१२१६	संभवनाथचरित्र	तेजपाल	"	"	२३३
१२२३	सुकुमालचरित्र	श्रीधर	"	"	"
१२६२	भरतकद्वारिणिका	—	कथा	संस्कृत	२३६
१३७५	जम्बूस्वामी चरित्र	महाकवि वीर	काव्य	अपभ्रंश	२४६
१३६८	पद्मचरिय	" स्वयम्भू	"	"	२४८
१३७३	चन्द्रप्रभचरित्र	यशःकीर्ति	"	"	२४६
१४५७	वर्द्धमानकाव्य	जयमित्रहल	"	"	२५३

ग्रन्थ सं०	ग्रन्थ का नाम	कर्त्ता का नाम	विषय	भाषा	ग्रन्थ-सूची पत्र
१४७१	पट्कर्मोपदेशरत्नमाला	अमरकीर्त्ति	काव्य	अपभ्रंश	२५५
१४७४	राजवंशवर्णन	—	इतिहास	संस्कृत	२५५
१६२६	जगसुन्दरीप्रयोगमाला	यशःकीर्त्ति	आयुर्वेद	अपभ्रंश	२६८
१७१४	सौभाग्यरत्नाकर	विद्यानंदनाथ	मंत्रशास्त्र	संस्कृत	२७६
१७३२	अमरकशतक	अमरक	अलंकार शास्त्र	—	२७८
१७३४	कविमुखमंडन	ज्ञानमेरुमुनि	—	—	२८
१८२५	वारकखरी दोहा	महचन्द	सुभाषित	अपभ्रंश	२८७
२०१८	शांतिनाथस्तवन	पद्मसुन्दर	स्तोत्र	संस्कृत	३०३
२२२६	संगीतशास्त्रसार	दामोदर	संगीत शास्त्र	—	३२०
२५६२	गुटका नं० २५६	—	संग्रह	हिन्दी	३८०



★ शुद्धाशुद्धि-पत्र ★

अशुद्ध	शुद्ध	पृष्ठ तथा पंक्ति
दर्शनसार	दर्शनसार ३	४-१३
सिद्धचक्रकथा	सिद्धचक्रकथा	२३-२३
शकुनाणव	शकुनाणव	३८-१२
सूर्यप्रतापयन्त्र	सूर्यप्रतापयन्त्र	४१-१४
पंचमसचतुर्दशीव्रत पूजा	पंचमासचतुर्दशी व्रत पूजा	६४-१२
१७६२	१७००	७०-२५
१६६१	१६६३	७५-६
पत्न्यविधान	पत्न्यविधान	८१-४
शनिचक्र	शनिचक्र	१०४-१३
कुन्दकुन्दाचार्य	कुन्दकुन्दाचार्य	१०८-२४
हेमचन्द्र	हेमराज	११०-२७
विषभूषण	विश्वभूषण	११२-५
छा०	आ०	११५-१६
शंकराचार्य	शंकराचार्य	१२०-२८
श्रपणासार	क्षपणासार	१३२-३
सिद्धान्तवचूरि	सिद्धान्तावचूरि	१३७-२१
हीरानन्द	हीरानन्द	१४४-३
भावत्रिभंगी	भावत्रिभंगी	१४४-२८
श्लोकावार्तिक	श्लोकवार्तिक	१४५-२२
टोडरमलजी	जयचन्दजी	१४६-२२
भंडारी	भंडारी	१४७-१८
५४८	५६३	१४८-६
टीका	टीका	१४८-१२
श्रीमच्छामुंड	श्रीमच्छामुंड	१५२-१८
सोलंकी	सोलंकी	१५२-२८
वासवा	वासवा	१५४-१

अशुद्ध	शुद्ध	पृष्ठ तथा पंक्ति
नेभिदत्त	नेभिदत्त	१५६-२१
ध्यान	धर्म	१६०-११
नभर	नगर	१६३-१८
अन्तिम	अन्तिम	१६४-२१
वहेरकाचार्य	वहेरकाचार्य	१६६-५
वर्णाश्रमप्रकाशिका	वर्णाश्रमप्रकाशिका	१७०-२३
३००	५००	२०६-५
उमास्वाति	—	३७१-२८
दशलक्षणाविद्यालय	दशलक्षणाविधान	३७३-२
कुन्दकुन्द	योगीन्द्रदेव	३७४-२१
सुवनकीर्त्ति	सुवनकीर्त्ति	३७६-२



ग्रन्थ सूची (भाग १)

[illegible]

आदिनाह
श्रीपदवाह

भगवान् आदिनाथ अपनी दोनों पुत्रियों को पढ़ा रहे हैं ।

[महाकवि पुष्पदन्त कृत आदिपुराण की एक सचित्र प्रति जयपुर के श्री दिगम्बर जैन मन्दिर बड़ा तेरहपंथियों के शास्त्र भण्डार में उपलब्ध हुई है। यह प्रति संवत् १५६७ की है। इसमें ५०० से अधिक चित्र हैं। सभी चित्र सुन्दर एवं कलापूर्ण हैं।]

4



भगवान् आदिनाथ के सामने अस्त्रायें नृत्य कर रही हैं ।

सामयिगमनुदावेदितणु उदिसकरयलुणसिमुविजणु धरेतुदुरसुपियङ्गेणायउ पङ्कजस
उवसुतजयसो सामय्युकाकिमुसगणउ साजायउकुसवसपदाणउ हरिदस्किउकहकिहिरिवा



आदिनाथ
प्रत्यमन

मत्त कउडुरमिमुपुमिमुपससत्त कसउमयउजणापिणुयामिउ क्कावसुमिह्वययामिउ अक्क
अक्कमणुमिरिहसमणिउ पाहवससापडिउजणिउ भउदमलकुसययियनैयणु मरुणवमिणणा

अथ

भगवान् आदिनाथ के राज्याभिषेक का एक दृश्य ।



किणारतामसणइणरणाहउरोसिउ सातवसउवसनेउदिउ एयहणयिदिदणुसकविउ

सम्राट् भरत को सेनायें दिग्विजय के लिये प्रस्थान कर रही हैं ।

अमरुसअसिंधु रणसरधुअरणुयिहवंधु सविगसविगसिणिदिययधेणु सुपसिहमरुस
कामधेणु काणाणदीणपरिउरियाह जसपमारयसास्थिरसादिसासु परमालियमरुसुहस
उषयमइसुयणुहणदीधु युसयणपयपणवियउरियासिदिदिविजयगहु उवयउअणउरणा
अतणुसकपसहुइउिवदणुअवियदीहउरु मरुसवसययसुहकिमरुकायम मरुस
मरीह उवसणसीहसंसायसरडाणविया एउिदिगमणसरकमिउअउयहमदिस
उणयणसणदिउ सुकउकउताणुजाणा इमोयमगणससिउउतिहयणसजउ



महामन्त्री भरत और महाकवि पुष्पदन्त की प्रथम भेंट ।

राजस्थान के जैन शास्त्र भण्डारों

की

ग्रन्थसूची

श्री दि० जैन मन्दिर लूणकरणजी पांड्या (जयपुर) के

ग्रन्थ

विषय-सिद्धान्त एवं चर्चा

ग्रन्थ संख्या-५६

१ अनन्तकाय वनस्पति भेद..... । पत्र संख्या-४ । साइज-११×४ इंच । भाषा-प्राकृत । विषय-वनस्पति-काय के जीवों का वर्णन । रचना काल-X । लेखन काल-X । पूर्ण । दशा-सामान्य एवं शुद्ध । वेष्टन नं०-१५ ।

विशेष-गाथाओं का हिन्दी में संचिप्त अर्थ दिया हुआ है । इसमें प्राकृत भाषा में त्रिषष्टिशलाका पुरुष वर्णन तथा हिन्दी में तेरह काठिया वर्णन भी है । काठिया का लक्षण निम्न प्रकार से किया है—

जेवटपारे वाट में करहिं उपद्रव जोर ।

तिनहिं देस गुजरात में कहहिं काठिया चीर ॥

२ अष्टकर्मप्रकृति..... । पत्र संख्या-५ । साइज-१२×६ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-आठ कर्मों की प्रकृतियों का वर्णन । रचनाकाल-X । लेखनकाल-X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं०-१६ ।

३ आस्रवत्रिभंगी..... । पत्र सं०-५४ । साइज-११×५ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-सिद्धान्त । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण-एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं०-१५६ ।

४ प्रति नं०-२ । पत्र सं०-४६ । साइज-१०×४ इंच । लेखनकाल-X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं०-१५६ ।

५ उत्तराध्ययन टीका-टीकाकार-कमलसंयमोपाध्याय । पत्र सं०-३०७ । साइज-१० इंच×४ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-आगम । टीकाकाल सं० १५५४-X । लेखनकाल-X । अपूर्ण-आरम्भ के २१ तथा २१२ से १४७ तक के पत्र नहीं हैं । सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं०-२६० ।

६ कर्मकाण्ड-आचार्य नेमिचन्द्र । पत्र सं०-५३ । साइज-११×५ इंच । भाषा-प्राकृत । विषय-कर्मों का विस्तृत विवेचन । रचनाकाल-X । लेखनकाल-सं० १८७२ पौष सुदी १४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं०..... ।

७ कर्मप्रकृति-आचार्य नेमिचन्द्र । पत्र सं०-२२ । साइज ११×५ इञ्च । भाषा-प्राकृत । विषय-कर्मों की प्रकृतियों का वर्णन । रचनाकाल-× । लेखनकाल-× । पूर्ण । दशा-सामान्य । वेष्टन नं०-२६ ।

विशेष-संस्कृत में कठिन शब्दों के पर्यायवाची शब्द दिये हुए हैं ।

८ प्रति नं०-२ । पत्र सं०-१५ । साइज-१०×६ इञ्च । लेखनकाल-× । पूर्ण । दशा-सामान्य । वेष्टन नं०-२६ । विशेष-संस्कृत में शब्दार्थ दिया हुआ है ।

९ चतुर्दशगुणस्थानचर्चा..... । पत्र सं०-१२ । साइज-१२×५ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-गुणस्थान चर्चा । रचनाकाल-× । लेखनकाल-× । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं०-४४ ।

१० चर्चासमाधान-कवि मूधरदास । पत्र सं०-१२६ । साइज-९½×६ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-प्रश्नोत्तर के रूप में धार्मिक एवं सैद्धान्तिक प्रश्नों का समाधान । रचनाकाल-सं० १८०६ । लेखनकाल-सं० १८३० श्रावण सुदी ११ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं०-४१ ।

११ चर्चासमाधान टीका..... । पत्र सं०-१० । साइज-९½×६ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-चर्चा । रचनाकाल-× । लेखनकाल-× । पूर्ण । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ४१ ।

विशेष-१२२ चर्चाओं का समाधान है तथा मुख्यतः ज्ञानावरणीय और दर्शनावरणीय कर्मों पर चर्चाएँ हैं ।

१२ चौदहगुणस्थानचर्चा-श्री दीपचन्द्र कासलीवाल । पत्र सं०-२६ । साइज-५×२½ इञ्च । भाषा-हिन्दी गद्य । विषय-गुणस्थानों का वर्णन । रचनाकाल × । लेखनकाल × पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ४२ ।

१३ चौदहगुणस्थानचर्चा..... । पत्र सं०-३१ । साइज ६×४½ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-गुण-स्थानों का वर्णन । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ४२ ।

विशेष-साधारण चर्चाएँ हैं ।

१४ जीवसमास-श्री हेमराज । पत्र सं०-१८ । साइज-६×४½ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-जीव तत्त्व-का वर्णन । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ५० ।

विशेष-गोम्भटसार जीवकांड की १४७ गाथाओं के आधार पर जीवों का वर्णन किया गया है ।

१५ तत्त्वज्ञानतरंगिणी-भ० ज्ञानभूषण । पत्र सं०-१७ । साइज १०×५½ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-सिद्धान्त । रचनाकाल-सं०-१५६० । लेखनकाल × । पूर्ण तथा शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ५६ ।

१६ तत्त्वार्थसूत्र-आचार्य उमास्वाति । पत्र सं०-१८ । साइज-७½×५½ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-सिद्धान्त । रचनाकाल-× । लेखनकाल-× । पूर्ण तथा शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं०-६२ ।

१७ प्रति नं०-२ । पत्र सं०-१५ । साइज ८×५½ इञ्च । लेखनकाल-× । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं०-६२ ।

१८ प्रति नं०-३ । पत्र संख्या-११ । साइज-११×५ इञ्च । लेखनकाल-× । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं०-६२ ।

१६ प्रति नं०-४ । पत्र संख्या-१० । साइज-१२×६ इञ्च । लेखनकाल-X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण ।
वेष्टन नं०-६२ ।

२० प्रति नं०-५ । पत्र संख्या १५ । साइज $६\frac{1}{2} \times २\frac{3}{4}$ इञ्च । लेखनकाल-X । अपूर्ण-प्रथम पत्र नहीं है । शुद्ध ।
दशा-सामान्य । वेष्टन नं०-२६७ ।

२१ प्रति नं०-६ । पत्र संख्या-१६ । साइज-१०×५ इञ्च । लेखनकाल-X । अपूर्ण एवं शुद्ध-अन्तिम पत्र नहीं
है । दशा-सामान्य । वेष्टन नं०-२६७ ।

विशेष-प्रथम दो अध्याय टीका सहित हैं ।

२२ तत्त्वार्थ सूत्र टब्बा टीका । टीकाकार-पं० दौलतरामजी । पत्र सं०-४५ । साइज-११×५ $\frac{1}{2}$ इञ्च ।
भाषा-संस्कृत-हिन्दी । विषय-सिद्धान्त । रचनाकाल-X । लेखन काल-X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं०-६५ ।

विशेष-प्रति प्राचीन है ।

२३ तत्त्वार्थ सूत्र भाषा-भाषाकार श्री कनककीर्ति । पत्र सं०-२७४ । साइज- $८\frac{1}{2} \times ४$ इञ्च । भाषा-हिन्दी ।
विषय-सिद्धान्त । रचनाकाल-X । लेखनकाल-०-१-२४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं०-६४ ।

२४ प्रति नं० २ । पत्र संख्या १४३ । साइज-१० $\frac{1}{2} \times ४\frac{1}{2}$ इञ्च । लेखनकाल-सं० १=६५ । पूर्ण तथा शुद्ध ।
दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६४ ।

२५ प्रति नं०-३ । पत्र सं० ६४ । साइज-११×५ इञ्च । लेखनकाल-X । अपूर्ण तथा शुद्ध । दशा-सामान्य ।
वेष्टन नं० ६४ ।

२६ प्रति नं०-४ । पत्र सं० ६४ । साइज-११×५ इञ्च । लेखनकाल-X । अपूर्ण-प्रथम अध्याय तक ही है । शुद्ध ।
दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६४ ।

२७ प्रति नं०-५ । पत्र सं०-१०० । साइज-११×५ $\frac{1}{2}$ इञ्च । लेखनकाल-X । पूर्ण तथा शुद्ध । दशा-उत्तम ।
वेष्टन नं०-६६ ।

२८ तत्त्वार्थसूत्र टीका-टीकाकार-श्रीश्रुतसागर । पत्र सं० ४७० । साइज १२×५ इञ्च । भाषा-संस्कृत ।
विषय-सिद्धान्त । टीकाकाल-X । लेखनकाल X । पूर्ण तथा शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० ६३ ।

२९ तत्त्वार्थसूत्र सटीक..... । पत्र सं० २२ । साइज १२×४ $\frac{1}{2}$ इञ्च । भाषा-संस्कृत-हिन्दी । विषय-
सिद्धान्त । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण तथा शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६५ ।

विशेष-प्रति प्राचीन है ।

३० द्रव्यसंग्रह-आचार्य नेमिचंद्र । पत्र सं०-५ । साइज-११×५ इञ्च । भाषा-प्राकृत । विषय-द्रव्यों का वर्णन ।
रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १=१० कार्तिक सुदी १५ । पूर्ण तथा शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ७१ ।

विशेष-पर्यायवाची शब्दों के अतिरिक्त संस्कृत में टीका भी दी हुई है । सयाई जयपुर में संघी जिनदास ने ग्रन्थ
की प्रतिलिपि की थी ।

३१ प्रति नं० २ । पत्र सं०—२ । साइज—११×११ इंच । लेखनकाल—सं० १७=३ आश्विन सुदी ६ । पूर्ण तथा सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ७१ ।

विशेष—संस्कृत में पर्यायवाची शब्द दिये हुये हैं ।

३२ प्रति नं० ३ । पत्र सं०—४ । साइज—१०×४ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण तथा शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ७१ ।

३३ प्रति नं० ४ । पत्र सं०—५ । साइज—१०×४ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण तथा शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ७१ ।

विशेष—प्रति सटीक है ।

३४ प्रति नं० ५ । पत्र सं०—५ । साइज—१० इंच × ४ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण तथा शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ७१ ।

३५ दर्शनप्राभृत—आचार्य कुन्दकुन्द । पत्र सं०—५ । साइज १२×४ इंच । भाषा—प्राकृत । विषय—सिद्धान्त । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण तथा सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ७३ ।

३६ दशनसार—श्री देवसेन । पत्र सं०—५ । साइज १२×५ इंच । भाषा—प्राकृत । विषय—सिद्धान्त । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण तथा शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ७४ ।

विशेष—संस्कृत में पर्यायवाची शब्द दिये हुये हैं ।

३७ प्रति नं० ६ । पत्र सं०—६ । साइज—११×५ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण तथा सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ७४ ।

३८ नयचक्रभाषा—श्री हेमराज । पत्र सं०—१७ । साइज—११×५ इंच । भाषा—हिन्दी । विषय—नयों का विवेचन । रचनाकाल—सं० १७२६ । लेखनकाल—सं० १७३० । पूर्ण एवं अशुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ८३ ।

३९ नवतत्त्ववृत्ति । पत्र सं०—२५ । साइज—११ इंच × ५ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—तत्त्व चर्चा । रचनाकाल—सं० १८५० । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—उत्तम । वेष्टन नं० ८७ ।

विशेष—टीकाकार श्री विनयसागर हैं ।

४० प्रति नं० २ । पत्र सं०—६ । साइज—१०×५ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ८७ ।

४१ प्रति नं० ३ । पत्र सं०—२८ । साइज ६×४ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ८७ ।

४२ नियमसार—आचार्य कुन्दकुन्द । पत्र सं०—८३ । साइज—११ इंच × ५ इंच । भाषा—प्राकृत । विषय—सिद्धान्त । रचनाकाल X । लेखनकाल—सं० १७६४ कार्तिक सुदी १० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ८८ ।

विशेष—पञ्चप्रममलधारिदेव कृत संस्कृत टीका भी है ।

४३ पञ्चारितकाय-आचार्य कुन्दकुन्द । पत्र सं०-११ । साइज $१० \times ४\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा-प्राकृत । विषय-सिद्धान्त । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण-४= से ५१ तक के पत्र नहीं हैं । शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १२६ ।

४४ भावत्रिभंगी-आचार्य नेमिचन्द्र । पत्र सं० १४४ । साइज $१०\frac{१}{२} \times ४\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा-प्राकृत । विषय-सिद्धान्त । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १४२ ।

४५ भावसंग्रह-श्रुतपुनि । पत्र सं० ६२ । साइज $१२ \times ४\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा-प्राकृत । विषय-सिद्धान्त । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १७=४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १४२ ।

४६ प्रति नं० २ । पत्र सं० १६ । साइज $१०\frac{१}{२} \times ४\frac{१}{२}$ इञ्च । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १४२ ।

४७ लिंगपाहुड-आचार्य कुन्दकुन्द । पत्र सं० ४ । साइज १२×४ इञ्च । भाषा-प्राकृत । विषय-सिद्धान्त । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १७६ ।

विशेष-इसमें शीलपाहुड भी है ।

४८ विशेषसत्तात्रिभंगी । पत्र सं० १७ । साइज ११×४ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-सिद्धान्त । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १७७६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १७६ ।

४९ विशेषसत्तात्रिभंगी । पत्र सं० ४६ । साइज $१२ \times ४\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-सिद्धान्त । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १=०७ भाद्रवा सुदी १३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १७६ ।

विशेष-प्राग्भ में आसत्रत्रिभंगी नाम दिया हुआ है ।

५० प्रति नं० २ । पत्र सं० ४६ । साइज ६×४ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १७६ ।

५१ विशेषसत्तात्रिभंगी । पत्र सं० ४६ । साइज $६\frac{१}{२} \times ४$ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-सिद्धान्त । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६३ ।

५२ षट्कर्मोपदेशरत्नमाला-पं० लालचन्द । पत्र सं० १३७ । साइज १२×४ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-सिद्धान्त । रचनाकाल सं० १=१= । लेखनकाल X । अपूर्ण-प्राग्भ के १०० पत्र नहीं हैं । शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २०५ ।

५३ प्रति नं० २ । पत्र सं० १०६ । साइज १२×७ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण-८ से ५१ तक के पत्र नहीं हैं । शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २०५ ।

५४ प्रति नं०-३ । पत्र सं० १५५ । साइज- $११\frac{१}{२} \times ४\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल-सं० १=२१ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० २०५ ।

५५ सर्वार्थसिद्धि-गुण्यपाद । पत्र सं० १=६ । साइज १०×६ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-सिद्धान्त । रचनाकाल X । लेखनकाल-X । अपूर्ण-१६=, १=५ से १=८ तक के पत्र नहीं हैं । सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं०-२६७ ।

विशेष-तत्त्वार्थसूत्र की टीका है ।

५६ सूत्रप्राभृत-आचार्य कुन्दकुन्द । पत्र सं० ३ । साइज १२×५ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा-प्राकृत । विषय-सिद्धान्त रचनाकाल X । लेखनकाल-X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं०-२३५ ।
विशेष-संस्कृत में पर्यायवाची शब्द दिये हुये हैं ।

विषय-धर्म तथा आचारशास्त्र

ग्रन्थ संख्या-४२

५७ चारित्रप्राभृत-आचार्य कुन्दकुन्द । पत्र सं०-५ । साइज-१२×५ इञ्च । भाषा-प्राकृत । विषय-सम्यग्दर्शनादि का वर्णन । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २३४ ।

५८ चारित्रसार-श्री चाण्डिकाशाय । पत्र सं०-६४ । साइज-१० $\frac{३}{४}$ ×५ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-धर्म रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ४५ ।
विशेष-संस्कृत में संक्षिप्त टीका दी हुई है ।

५९ चौदहवील । पत्र सं०-२६ । साइज ६×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-गुणस्थानचर्चा रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ४५ ।

६० चौबीसठाणा चर्चा-नेमिचन्द्राचार्य । पत्र सं०-३० । साइज-११×६ इञ्च । भाषा-प्राकृत । विषय-सिद्धा रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० ४३ ।

६१ प्रति नं० २ । पत्र सं०-४८ । साइज-११×५ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य वेष्टन नं० ४३ ।

६२ प्रति नं० ३ । पत्र सं०-५० । साइज-११ $\frac{१}{२}$ ×६ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ४३ ।

६३ प्रति नं० ४ । पत्र सं०-२६ । साइज-११×६ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य वेष्टन नं० ४३ ।

विशेष-संस्कृत में कहीं २ टीका दी हुई है ।

६४ प्रति नं० ५ । पत्र सं०-५७ । साइज-१० $\frac{३}{४}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २६४ ।

विशेष-संस्कृत में संक्षिप्त टीका दी हुई है ।

६५ प्रति नं० ६ । पत्र सं०-५३ । साइज-१० $\frac{३}{४}$ ×५ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २६४ ।

६६ चौबीसदण्डक-पं० दौलतरामजी । पत्र सं०-३ । साइज १० $\frac{१}{२}$ ×६ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-धर्म । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण तथा सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २६४ ।

६७ त्रिवर्णाचार-भ० सोमसेन । पत्र सं०-१२३ । साइज ११×५ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-तीन वर्णों के आचार धर्म का वर्णन । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १=७१ वैशाख बुदी ६ । पूर्ण तथा सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६० ।

विशेष-लिपिस्थान-जयनगर (जयपुर)

६८ प्रति नं० २ । पत्र सं०-८८ । साइज-११×५ इञ्च । लेखनकाल सं० १=३३ अषाढ सुदी ६ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६० ।

६९ त्रेपनक्रिया-ब्रह्म गुलाल । पत्र सं०-३ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-५३ क्रियाओं का वर्णन । रचनाकाल-सं० १६६५ । लेखनकाल सं० १७२२ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं०-५८ ।

७० त्रेपनक्रियाकोश-किशनसिंह । पत्र सं०-११४ । भाषा-हिन्दी । विषय-क्रियाओं का वर्णन । रचनाकाल-सं० १७८४ । लेखनकाल-सं० १=२६ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं०-५८ ।

विशेष-ग्रन्थ में कोश की विषय सूची दी हुई है ।

७१ प्रति नं० २ । पत्र सं०-३३ । साइज-८ $\frac{१}{२}$ ×५ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं०-२६१ ।

७२ दशलक्षणस्वरूप । पत्र सं०-३७ । साइज-१२ $\frac{१}{२}$ ×७ इञ्च । भाषा-हिन्दी गद्य । विषय-दश धर्मों का विवेचन । रचनाकाल X । लेखनकाल-X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं०-७० ।

७३ प्रति नं०-२ । पत्र सं०-३५ । साइज-१२ $\frac{१}{२}$ ×७ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं०-७० ।

७४ द्वादशांगपाठ । पत्र सं०-३२ । साइज-६×६ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-धर्म । रचनाकाल सं० १६१८ । लेखनकाल-सं० १६५५ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ७४ ।

विशेष-२० वें पत्र के आगे हिन्दी पदों का संग्रह है ।

७५ धर्मरसायन-आचार्य पद्मनन्दि । पत्र सं० १३ । साइज ११×५ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा-प्राकृत । विषय-धर्म । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १=७७ श्रावण बुदी ५ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । वेष्टन नं० ७५ ।

विशेष-लिपिस्थान-जयनगर (जयपुर)

७६ प्रति नं० २ । पत्र सं० ६ । साइज ८ $\frac{१}{२}$ ×३ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २६१ ।

७७ धर्मसंग्रहश्रावकाचार-पं० मेधावी । पत्र सं० ८५ । साइज १० $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-श्रावक धर्म वर्णन । रचनाकाल सं० १५४१ । लेखनकाल सं० १६४२ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ७७ ।

७८ धर्मोपदेशश्रावकाचार—ब्रह्म नेमिदत्त । पत्र सं० २३ । साइज १२×२१ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—श्रावक धर्म वर्णन । रचनाकाल × । लेखनकाल—सं० १७५८ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ७७ ।

७९ धर्मोपदेशसंग्रह—सेवाराजसाह । पत्र सं० २३७ । साइज ११×३१ इंच । भाषा—हिन्दी । विषय—धर्म । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—उत्तम । वेष्टन नं० ७६ ।

विशेष—कवि प्रशस्ति दी हुई है ।

८० पद्मनदि श्रावकाचार—मुनि पद्मनदि । पत्र सं० ३८ । साइज १३×५ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—श्रावक धर्म वर्णन । रचनाकाल × । लेखनकाल—सं० १५८० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १०४ ।

८१ पुरुषार्थसिद्धयुपाय—अमृतचन्द्र सूरि । पत्र सं० २७ । साइज १२×११ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—धर्म । रचनाकाल × । लेखनकाल—सं० १८१७ असीज बुदी ३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १०७ ।

विशेष—प्रति सटीक है । टीका संस्कृत में है ।

८२ प्रश्नोत्तरोपासकाचार—श्री बुलाकीदास । पत्र सं० १४५ । साइज १२×५ इंच । भाषा—हिन्दी । विषय—श्रावक धर्म वर्णन । रचनाकाल—सं० १७४७ । लेखनकाल—सं० १६४१ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १०८ ।

विशेष—नासरीदा ग्राम में दीवान अमकृन्वरजी तैरापन्धी ने प्रतिलिपि करवायी थी ।

८३ प्रश्नोत्तरभाषकाचार—महाराज सकलकीर्ति । पत्र सं० ५५ । साइज १२×६ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—श्रावक धर्म वर्णन । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २६६ ।

८४ प्रति नं० २ । पत्र सं० ७१ । साइज ११×४ इंच । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २६६ ।

८५ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ६१ । साइज १२×६ इंच । लेखनकाल—सं० १७६५ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १०८ ।

विषय—नेणसागर ने जयपुर में महाराजा सवाई जयसिंहजी के शासनकाल में ग्रन्थ की प्रतिलिपि की थी ।

८६ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ५४ । साइज ११×४ इंच । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० ७७ ।

८७ मूलाचार—शिवकीर्ति । पत्र सं०—३७ । साइज १०½×५ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—श्रावक धर्म वर्णन । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १५३ ।

८८ मिथ्यात्वमतखंडन—श्री वसंतराम । पत्र सं० ६७ । साइज ८×६½ इंच । भाषा—तेरहपंडियों के मत का खण्डन । रचनाकाल—सं० १८७० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—उत्तम । वेष्टन नं० १४६ ।

८९ मोक्षयोगप्रकाश—पं० टीडरमलजी । पत्र सं० २३६ । साइज १२×११ इंच । भाषा—हिन्दी । विषय—धर्म । रचनाकाल । लेखनकाल—सं० १६६५ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—उत्तम । वेष्टन नं० १४६ ।

विशेष—पत्र १४४ से आगे का भाग सं० १६६५ में पूर्ण करवाया गया था ।

६० लाटीसंहिता (श्रावकाचार)—पांडे राजमल । पत्र सं० ३५ । साइज १०×५ इञ्च । भाषा—संस्कृत ।

विषय—श्रावक धर्म वर्णन । रचनाकाल—सं० १६४१ । लेखनकाल—सं० १८६६ अषाढ सुदी ६ मंगलवार । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—उत्तम । वेष्टन नं० १७५ ।

विशेष—प्रशस्ति विस्तृत है । लेखक—दयाचन्द । लेखनस्थान—जयपुर ।

६१ त्रतोद्योतनश्रावकाचार—अप्रदेव । पत्र सं० ३५ । साइज १०^१/_२×४ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—श्रावकों के

धर्मों का वर्णन । रचनाकाल X । लेखनकाल सं० १८७७ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । पत्र सं० ५३० । वेष्टन नं० २१ ।

६२ श्रावकाचार । पत्र सं० २-१६८ । साइज १०×४^१/_२ इञ्च । भाषा—गुजराती । लिपि—हिन्दी ।

विषय—श्रावक धर्म वर्णन । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २७६ ।

६३ श्रावकप्रतिक्रमण । पत्र सं० १५ । साइज ११×५ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—श्रावक धर्म वर्णन

रचनाकाल X । लेखनकाल—सं० १८१४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २०४ ।

६४ षोडशकारणभाषना । पत्र सं० ४६ । साइज १२×७ इञ्च । भाषा—हिन्दी । विषय—१६ भावनाओं

का विवेचन । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २०७ ।

६५ श्वेताम्बर मत के ८४ भेद—श्री हेमराज । पत्र सं० ३ । साइज १२×५ इञ्च । भाषा—हिन्दी । विषय—धर्म ।

रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २०० ।

विशेष—श्वेताम्बर सम्प्रदाय की उत्पत्ति एवं उसकी मान्यताओं पर प्रकाश डाला गया है ।

६६ सच्चित्तवस्तुवर्णनचर्चा । पत्र सं० १० । साइज १२×६^१/_२ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—सच्चित्त

पदार्थों पर धार्मिक दृष्टिकोण से चर्चा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २३३ ।

६७ सागारधर्माभूत—महार्पणित आशाधर । पत्र सं० ६४ । साइज ६^१/_२×४^१/_२ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—श्रावक

धर्म वर्णन । रचनाकाल सं० १२८५ । लेखनकाल—सं० १६०० आसोज सुदी १२ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २३१ ।

विशेष—कुमुदचन्द्रिका दीक्षा सहित है ।

६८ साधुअतिचार । पत्र सं० ४ । साइज ८×४ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—साधु धर्म का वर्णन ।

रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २३२ ।

विषय-अध्यात्म

ग्रन्थ संख्या-३०

१९९ अध्यात्मवृत्तीसी-महाकवि बनारसीदास । पत्र सं० २ । साइज ११×४ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-अध्यात्म । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६ ।

१०० आत्मानुशासन-आचार्य गुणभद्र । भाषाकार पं दीनमल्लजी । पत्र सं० १०० । साइज १० $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा-संस्कृत हिन्दी । विषय-अध्यात्म । रचनाकाल X । लेखनकाल सं० १०० वैशाख सुदी १ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १ ।

विशेष—ग्रन्थ को पंडित लूणकरजी ने आचार्य गुणकीर्ति को भेंट किया था ।

१०१ जैनशतक-सुधरदास । पत्र सं० १७ । साइज ८ $\frac{१}{२}$ ×६ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-वैराग्य । रचनाकाल-सं० १७=१ । लेखनकाल-सं० १=३=८ । पूर्ण एवं अशुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १४ ।

१०२ द्वादशानुप्रेक्षा-स्वामीकुमार । पत्र सं० २२ । साइज १२×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा-प्राकृत । विषय-अध्यात्म । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १६=३१ अषाढ सुदी ६ । अपूर्ण-प्रारम्भ के दो पत्र नहीं हैं । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २६=८ ।

विशेष—प्रतिलिपिकार श्री पांडे सर्पणदास हैं ।

१०३ धर्मविलास-द्यानतराय । पत्र सं०-१६ । साइज-११×६ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-अध्यात्म । रचनाकाल-सं० १७५=८ । लेखनकाल X । पूर्ण-उपदेश शतक तक । शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं०-७६ ।

विशेष—अन्त में कवि प्रशस्ति है । ग्रन्थ की लिपि कराने में ॥१॥ व्यय हुये ऐसा भी उल्लेख है ।

१०४ परमात्मप्रकाश-योगीन्द्रदेव । पत्र सं०-२० । साइज १०×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा-अपभ्रंश । विषय-अध्यात्म । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं०-१०५ ।

विशेष—संस्कृत में पर्यायवाची शब्द दिये हुये हैं ।

१०५ प्रति नं० २ । पत्र सं०-६४ । साइज-१२×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल सं०-१७=६ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं०-१०५ ।

विशेष—प्रति सटीक है ।

१०६ प्रति नं०-३ । पत्र सं०-३६ । साइज-१०×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल-X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं०-१०६ ।

१०७ प्रति नं० ४ । पत्र सं०-१२० । साइज-१०×४ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं०-१०६ ।

विशेष—प्रति सटीक है ।

१०८ प्रति नं० ५ । पत्र सं०-३० । साइज-११×४ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य ।
वेष्टन नं० १०५ ।

विशेष—योगसार दोहा भी है ।

१०९ पदसंग्रह..... । पत्र सं० २० । साइज ४×४ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-भक्ति व वैराग्य ।
रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २८३ ।

११० प्रति नं० २ । पत्र सं० १०७ । साइज ५½×४ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण-३२ पत्र नहीं है । शुद्ध ।
दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २८३ ।

१११ प्रवचनसार भाषा-हेमराज । पत्र सं० २६६ । साइज १२×४½ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-मुख्यतः
शुद्धात्मा का वर्णन । रचनाकाल सं० १७०६ । लेखनकाल सं० १७४२ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १०४ ।

विशेष—सांगानेर में साह लोहट ने प्रतिलिपि करवायी थी ।

११२ ब्रह्मविलास-भैया भगवतीदास । पत्र सं०-१७६ । साइज-१०½×२½ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-
अध्यात्म । रचनाकाल सं० १७७५ । लेखनकाल सं० १७६२ । अपूर्ण-१०४ का पत्र नहीं है । शुद्ध । दशा-सामान्य ।
वेष्टन नं० १३० ।

११३ प्रति नं० २ । पत्र सं०-४० । साइज ११×४ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण-अन्तिम पत्र नहीं
है । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १३० ।

११४ बनारसी संग्रह-बनारसीदास । पत्र सं०-११२ । साइज-१०½×४ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-
अध्यात्म । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १३३ ।

विशेष—हेमराज कृत चौरासी बोल भी है ।

११५ बारहखड़ी-श्री सूरत । पत्र सं०-८ । साइज-१०½×४ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-अध्यात्म । रचनाकाल × ।
लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १३२ ।

११६ विवेकविलास-दीनतरामजी । पत्र सं०-४२ । साइज-८½×४ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-अध्यात्म ।
रचनाकाल × । लेखनकाल सं० १८२७ पौष सुदी ३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६१ ।

विशेष—पद्य संख्या १६२ ।

११७ वैराग्यजखड़ी-धानतराय । पत्र सं०-१ । साइज-१५×७ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-वैराग्य ।
रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १६० ।

११८ प्रति नं० २ । पत्र सं०-१ । साइज-१५×७ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य ।
वेष्टन नं० १६० ।

११९ समयसार-महाकवि बनारसीदास । पत्र सं०-४३ । साइज-१०½×४ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-मुख्यतः
शुद्धात्मा का वर्णन । रचनाकाल-सं० १६६३ । लेखनकाल-सं० १७१६ ज्येष्ठ सुदी १ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य ।

वेष्टन नं० २६४ :

१२० समयसार भाषा—पाणि राजमल्ल । पत्र सं०—११४ । साइज ११×१२ इंच । भाषा—हिन्दी गद्य । विषय—सुख्यतः शुद्धता का वर्णन । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० २६४ ।

१२१ प्रति नं० २ । पत्र सं०—२१ । साइज १२×१२ इंच । लेखनकाल—सं० १९२६ अषाढ़ सुदी १ । अपूर्ण एवं जीर्ण । वेष्टन नं० २६४ ।

विशेष—लिपि संवत् पीछे का लिखा हुआ मालूम पड़ता है ।

१२२ समाविशतक—पूज्यपाद । पत्र सं०—२६ । साइज—१० $\frac{1}{2}$ ×१२ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—अध्यात्म । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—उत्तम । वेष्टन नं० २६० ।

विशेष—प्रभाचन्द्र द्वारा रचित संस्कृत टीका भी है ।

१२३ सामायिकपाठ..... । पत्र सं० ७ । साइज ६×३ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—आत्म निरीक्षण । रचनाकाल X । लेखनकाल—X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं०—२४० ।

१२४ प्रति नं० २ । पत्र सं०—३ । साइज—१० $\frac{1}{2}$ ×१२ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २४० ।

१२५ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १ । साइज १० $\frac{1}{2}$ ×१२ इंच । लेखनकाल—सं० १=५१ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २४० ।

१२६ प्रति नं० ४ । पत्र सं० १ । साइज ११×१२ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २४० ।

१२७ प्रति नं० ५ । पत्र सं०—४ । साइज ७×१२ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २४१ ।

विशेष—हिन्दी अर्थ भी है ।

१२८ प्रति नं० ६ । पत्र सं० ३ । साइज १०×१२ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २४१ ।

विषय—न्याय एवं दर्शन

ग्रन्थ संख्या—७

१२९ आलापपद्धति—आचार्य देवसेन । पत्र सं० ३ । साइज १०×४ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—न्याय । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ७ ।

१३० प्रति नं० २ । पत्र सं०—११ । साइज १०×४ इंच । लेखनकाल—सं० १७२४ चैत्र सुदी १ । वेष्टन नं० ७ ।

विशेष — लेखनस्थान — मालपुरा (जयपुर) । प्रतिलिपिकार—पंडित रायमल है ।

१३१ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १० । साइज १०×५ इञ्च । लेखनकाल—सं० १७=१ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—उत्तम । वेष्टन नं० २५७ ।

१३२ देवागमस्तोत्र—आचार्य समंतमद्र । पत्र सं० ७ । साइज १०×५ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—न्याय । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ७२ ।

१३३ द्विजवदनचपेटा—श्री अश्वघोष । पत्र सं० ६ । साइज १२×५ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—न्याय । रचनाकाल × । लेखनकाल सं० १=०३ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ७३ ।

१३४ षड्दर्शनसमुच्चय—इतिभद्रसूरि । पत्र सं० ६ । साइज ११½×५ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—दर्शन । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २०६ ।

१३५ प्रति नं०—२ । पत्र सं० ३२ । साइज १२½×३½ इञ्च । लेखनकाल—सं० १४२१ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २०६ ।

विशेष—प्रति सटीक है । प्रतिलिपिकार—श्रीपूर्णचन्द्र सूरि है ।

विषय—प्रतिष्ठा एवं विधान

ग्रन्थ संख्या—१६

१३६ अंकुरारोपणविधि—महापंडित आशाधर । पत्र सं० ५ । साइज १२×४½ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—प्रतिष्ठा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १७ ।

विशेष—गणधरचलयपूजा भी इसमें है ।

१३७ प्रति नं० २ । पत्र सं० ६ । साइज १०½×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १८ ।

विशेष—प्रति सचित्र है ।

१३८ कलशविधि—श्री विश्वभूषण । पत्र सं० ८ । साइज ११×५ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—प्रतिष्ठा । रचनाकाल × । लेखनकाल—सं० १=८६ भाष सुदी १२ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २३ ।

१३९ जलयात्रापाठ..... । पत्र सं० २ । साइज १३×५½ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—प्रतिष्ठा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—उत्तम । वेष्टन नं० ५२ ।

१४० प्रति नं० २ । पत्र सं० २ । साइज १२×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ५२ ।

१४१ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १ । साइज-१३×५ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ५२ ।

१४२ जिनसंहिता-भ० एकसंधि । पत्र सं० १३२ । साइज १३×५ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-प्रतिष्ठा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं०-५२ ।

विशेष—१३२ से आगे के पत्र नहीं हैं ।

१४३ दीपक-प्रशस्तिविधि..... । पत्र सं० १ । साइज १० $\frac{१}{२}$ ×५ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-विधि विधान । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ७३ ।

१४४ प्रतिष्ठाविधि..... । पत्र सं० २० । साइज ११×५ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-प्रतिष्ठा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १३२ ।

विशेष—प्रारम्भ में प्रतिष्ठा में काम आने वाली सामग्री की सूची दी हुई है तथा अन्य विधियों के नाम भी दिये हैं । २० पत्र भी हैं ।

१४५ प्रायश्चित्तविधि.....भ० एकसंधि । पत्र सं० १ । साइज ११×५ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-प्रायश्चित्त । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १०६ ।

विशेष—प्रतिष्ठासारसंग्रह का एक अंश है ।

१४६ प्रायश्चित्तविनिश्चयवृत्ति-श्री नंदियुरु । पत्र सं० ८५ । साइज १२×६ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-प्रायश्चित्त । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १०६ ।

१४७ प्रायश्चित्तशास्त्र-मुनि बीसेन । पत्र सं० ६ । साइज ११×५ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-प्रायश्चित्त । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १०६ ।

१४८ विवाहविधि..... । पत्र सं० ६ । साइज १०×५ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-विधि विधान । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १८८ ।

१४९ प्रति नं० २ । पत्र सं० २६ । लेखनकाल-सं० १६७६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १८८ ।

१५० व्रतसंख्या सूची..... । पत्र सं० ३ । साइज १०×५ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-व्रत विधान । रचनाकाल X । लेखनकाल X । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १८१ ।

विशेष—१५१ व्रतों के नाम दिये हुये हैं ।

१५१ स्नपन सटीक-टीकाकार भावशर्मा । पत्र सं० २५ । साइज १० $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-प्रतिष्ठा । रचनाकाल-सं० १५६० । लेखनकाल X । अपूर्ण-प्रारम्भ के १४ पत्र नहीं हैं । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २३७ ।



विषय—योगशास्त्र

ग्रन्थ संख्या—२

१५२ ज्ञानार्णव—आचार्य शुभचंद्र । पत्र सं० ८७ । साइज ११×२ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—योग । रचनाकाल × । लेखनकाल—सं० १७७३ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २६५ ।

१५३ योगसार—पञ्चलाल चौधरी । पत्र सं० ३३ । साइज १२×१½ इंच । भाषा—हिन्दी । विषय—योग । रचनाकाल सं०—१९३२ । लेखनकाल—सं० १९४० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—उत्तम । वेष्टन नं० १५८ ।

विषय—पुराण

ग्रन्थ संख्या—२२

१५४ आदिपुराण—आचार्य जिनसेन और गुणभद्र । पत्र सं० ४६३ । साइज ११½×५ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—पुराण । रचनाकाल × । लेखनकाल सं०—१७३३ वैशाख सुदी १३ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १ ।

विशेष—क्लिष्ट शब्दों के संस्कृत में पर्यायवाची शब्द दिये हुये हैं ।

१५५ आदिपुराण—म० सकलकीर्ति । पत्र सं०—१५७ । साइज ११×५ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—पुराण । रचनाकाल × । लेखनकाल—सं० १७६० भाद्रपद सुदी १४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—उत्तम । वेष्टन नं० २ ।

विशेष—मल्लकचंद्रजी तथा उनकी स्त्री मलकादे ने पंचपरमेष्ठी मतोपासन के अवसर पर ग्रन्थ की प्रतिलिपि करवायी थी ।

१५६ आदिपुराण—पंडित दौलतरामजी । पत्र सं० ६६६ । साइज १२×१½ इंच । भाषा—हिन्दी गद्य । विषय—पुराण । रचनाकाल—सं० १८२४ असोज सुदी १२ । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ३ ।

विशेष—तीन प्रकार की लिपियों का सम्मिश्रण है । प्रथम पांच पत्रों का विषय तीन पत्रों में ही लिखा हुआ है ।

१५७ उत्तरपुराण—श्री लुशलचन्द्र काला । पत्र सं० १३६ । साइज १२×५ इंच । भाषा—हिन्दी । विषय—पुराण । रचनाकाल—सं० १७६६ असोज सुदी १० । लेखनकाल × । अपूर्ण । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २० ।

१५८ नेमिनाथपुराण—ब्रह्मनेमिदत्त । पत्र सं०—१७५ । साइज—११×५ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—पुराण । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण—प्रारम्भ के ५५ पत्र नहीं हैं । सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं०—१७५ ।

१५९ पद्मपुराण—आचार्य रविषेण । पत्र सं०—४३६ । साइज १२×१½ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—पुराण । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं०—६५ ।

विशेष—दो प्रतियों का सम्मिश्रण है ।

१६० पद्मपुराण—भट्टारक सोमसेन । पत्र सं०—२७६ । साइज—११×६ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—पुराण ।

रचनाकाल सं० १६५६ । लेखनकाल-सं० १=२७ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं०-६६ ।

१६१ पद्मपुराण-खुशालचन्द कला । पत्र सं०-२४६ । साइज- $22 \times 15 \frac{1}{2}$ इञ्च । भाषा-हिन्दी छंदोबद्ध । विषय-पुराण । रचनाकाल-सं० १७२३ आमोज शुक्ला १० । लेखनकाल-सं० १७६३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं०-६७ ।

१६२ प्रति नं० २ । पत्र सं०-३६७ । साइज- $22 \times 15 \frac{1}{2}$ इञ्च । लेखनकाल-सं० १=२७ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं०-६७ ।

१६३ प्रति नं० ३ । पत्र सं०-३३ । साइज- 12×6 इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १२३ ।

विशेष—३३ वें पत्र से आगे नहीं है ।

१६४ पद्मपुराण-पं० दीक्षितरामजी । पत्र सं०-५७१ । साइज- $20 \frac{1}{2} \times 13 \frac{1}{2}$ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-पुराण । रचनाकाल-सं० १=२३ । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६९ ।

विशेष—८ पतियों का सम्मिश्रण है ।

१६५ प्रति नं० २ । पत्र सं०-४६३ । साइज- $11 \frac{1}{2} \times 2$ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६९ ।

१६६ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ३६ । साइज $14 \times 6 \frac{1}{2}$ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १२३ ।

१६७ प्रति नं० ४ । पत्र सं०-६०० । साइज 13×6 इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं अशुद्ध । वेष्टन नं० १२३ ।

१६८ पाण्डवपुराण-महाराज शुभचन्द्र । पत्र सं०-२२३ । साइज- $11 \frac{1}{2} \times 6 \frac{1}{2}$ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय पुराण । रचनाकाल-सं० १६०० । लेखनकाल-सं० १७२१ फागुण वृदी ३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६८ ।

विशेष—महाराणा राजसिंहजी के राज्य में खेपुर में बाई मरंगा ने प्रतिलिपि करवायी थी ।

१६९ पार्श्वपुराण-भ० सकलकीर्ति । पत्र सं०-१२२ । साइज- 21×12 इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-भगवान् पार्श्वनाथ के जीवन का वर्णन । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १७१४ आषाढ सुदी १३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १०१ ।

१७१ प्रति नं० २ । पत्र सं०-२७ । साइज $12 \times 15 \frac{1}{2}$ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १२६ ।

१७१ मलिननाथपुराण-भ० सकलकीर्ति । पत्र सं०-४८ । साइज- $10 \frac{1}{2} \times 8 \frac{1}{2}$ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-भगवान् मलिननाथ के जीवन का वर्णन । रचनाकाल X । लेखनकाल शक सं० १६५३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १४८ ।

विशेष—प्रतिलिपिकार ब्रह्म रत्नसागर है ।

१७२ प्रति नं० २ । पत्र सं० ३६ । साइज १२×५ इंच । लेखनकाल-सं० १८२३ । पूर्ण एवं शुद्ध ।

दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १४८ ।

विशेष—जयपुर नगर में पं० लूणकरणजी के मन्दिर में थावक केवलराम ने प्रतिलिपि करवायी थी ।

१७३ मुनिसुव्रतपुराण—ब्रह्मकृष्णदास । पत्र सं०—१६३ । साइज—११×५ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—

मुनिसुव्रतनाथ के जीवन का वर्णन । रचनाकाल-सं० १६८१ । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—उत्तम । वेष्टन नं० १४८ ।

१७४ हरिवंशपुराण—पं० दौलतरामजी । पत्र सं० १६३ । साइज १०½×७ इंच । भाषा—हिन्दी गद्य ।

विषय—पुराण । रचनाकाल सं० १८२६ । लेखनकाल सं० १८६१ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २५२ ।

१७५ हरिवंशपुराण—बुशालचन्द काला । पत्र सं०—२१६ । साइज—१२×५½ इंच । भाषा—हिन्दी ।

(खन्दोबद्ध) । विषय—पुराण । रचनाकाल सं० १७८० । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—उत्तम । वेष्टन नं० २५१ ।

विषय-चरित्र

ग्रन्थ संख्या—३२

१७६ कृपणरासो..... पत्र सं० ३ । साइज १०×४½ इंच । भाषा—हिन्दी । विषय—चरित्र । रचनाकाल X ।

लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २६ ।

विशेष—१४ पद्य हैं ।

१७७ गौतमचरित्र—मंडलाचार्य धर्मचन्द्र । पत्र सं० ३६ । साइज १२×६ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—

गौतमस्वामी का जीवन चरित्र । रचनाकाल सं० १७२६ । लेखनकाल—सं० १८६२ थावण बुदो ७ । पूर्ण एवं शुद्ध ।

दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ३२ ।

१७८ चेतनकर्मचरित्र—मैया भगवतीदास । पत्र सं० २६ । साइज १०½×५ इंच । भाषा—हिन्दी । विषय—चरित्र ।

रचनाकाल—सं० १७३६ । लेखनकाल—सं० १७६६ । पूर्ण तथा शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २३२ ।

१७९ चित्रसैनपद्मावतीचरित्र—गुणकीर्ति । पत्र सं० १८ । साइज ११×५½ इंच । भाषा—संस्कृत ।

विषय—चरित्र । रचनाकाल X । लेखनकाल—सं० १६५६ । अपूर्ण—प्रथम पत्र नहीं है । सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २६४ ।

१८० जम्बूस्वामीचरित्र—पांडे जिनदास । पत्र सं० २४ । साइज ११×७ इंच । भाषा—हिन्दी ।

विषय—जम्बूस्वामी का जीवन चरित्र । रचनाकाल—सं० १६४२ । लेखनकाल—सं० १७५० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—उत्तम ।

वेष्टन नं० ५४ ।

१८१ धन्यकुमारचरित्र-भ० सकलकीर्ति । पत्र सं०-३० । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-चरित्र । रचनाकाल X । लेखनकाल सं०-१८३८ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ७८ ।

१८२ प्रति नं० २ । पत्र सं०-४७ । साइज १० $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ७८ ।

१८३ धन्यकुमारचरित्र-खुशालचन्द काला । पत्र सं० ३३ । साइज १०×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-चरित्र । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १८२१ आश्विन सुदी ३ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं०-७८ ।

१८४ प्रति नं० २ । पत्र सं०-६८ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×४ इञ्च । लेखनकाल-सं० १६०६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० ७८ ।

१८५ नागकुमारचरित्र-मल्लिकार्जुन । पत्र सं० २२ । साइज ११×४ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-चरित्र । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १६०६ पौष सुदी १२ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८६ ।

१८६ प्रति नं० २ । पत्र सं० २६ । साइज १०×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल-सं० १६०४ फाल्गुण सुदी ११ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८६ ।

विशेष—सांख्य (जयपुर) में सलेमसाहि (जहांगीर) के राज्य में प्रतिलिपि की गयी थी ।

१८७ पार्श्वविलास-पारसदास । पत्र सं० ३२ । साइज ६ $\frac{१}{२}$ ×३ $\frac{१}{२}$ इञ्च । रचनाकाल X । लेखनकाल सं० १६१५ । भाषा-हिन्दी छन्दोबद्ध । विषय-चरित्र । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १०२ ।

विशेष—अन्त में सरस्वती पूजन आ है ।

१८८ भद्रबाहुचरित्र-श्री रत्नानंद । पत्र सं० १८ । साइज १०×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-चरित्र । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १७४६ वैशाख सुदी ७ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १३६ ।

१८९ भविष्यदत्तचरित्र-ब्रह्म रायमल्ल । पत्र सं० १६ । साइज ६ $\frac{१}{२}$ ×४ इञ्च । भाषा-हिन्दी छन्दोबद्ध । विषय-चरित्र । रचनाकाल-सं० १६३३ । लेखनकाल-सं० १६३४ । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १४३ ।

विशेष—प्रारम्भ के ६ पत्र नहीं हैं ।

१९० यशोधरचरित्र-भ० ज्ञानकीर्ति । पत्र सं० ५४ । साइज ११×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-चरित्र । रचनाकाल सं० १६५६ माघ सुदी ५ । लेखनकाल-सं० १६६० । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १५८ ।

विशेष—प्रारम्भ के २ तथा अन्तिम पत्र नहीं हैं ।

१९१ यशोधरचरित्र-भ० सकलकीर्ति । पत्र सं० ४५ । साइज ११×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-चरित्र । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १७८८ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १५८ ।

विशेष—प्रति सचित्र एवं सुन्दर है ।

१९२ शान्तिनाथचरित्र-भ० सकलकीर्ति । पत्र सं० ३६० । साइज १०×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-चरित्र । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १६८१ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १६७ ।

१६३ प्रति नं० २ । पत्र सं० २६७ । साइज ११×५ इञ्च । लेखनकाल-सं० १६८१ । पूर्ण एवं शुद्ध ।

दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६७ ।

विशेष—हरियाणा देश स्थित रुहिलग दुर्ग (रोहतक) में जहांगीर के शासन काल में प्रतिलिपि हुई थी ।

१६४ सीताचरित्र..... । पत्र सं०-४२ । साइज-२४ इञ्च । भाषा-हिन्दी पद्य । विषय-चरित्र ।

रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं अशुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं०-२२६ ।

१६५ सुकुमालचरित्र-भ० सकलकीर्ति । पत्र सं०-२६ । साइज-११×५ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-

चरित्र । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १७८० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं०-२३० ।

विशेष—ढाका नगर (पाकिस्तान) में पं० नन्दराम ने प्रतिलिपि की थी

१६६ सुखनिधान-श्री जगन्नाथ । पत्र सं०-५० । साइज-११×५ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-चरित्र ।

रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १८८७ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० २३० ।

१६७ श्रीपालचरित्र-भ० सकलकीर्ति । पत्र सं०-५४ । साइज-१०×४½ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-चरित्र

रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १८६० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २७० ।

१६८ प्रति नं० २ । पत्र सं०-४० । साइज-११×५ इञ्च । लेखनकाल सं० १८६४ । पूर्ण एवं शुद्ध ।

दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २७० ।

१६९ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ५६ । साइज १२×७½ इञ्च । लेखनकाल-सं० १८१७ । पूर्ण एवं शुद्ध ।

दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २७० ।

२०० श्रीपालचरित्र-परिमल । पत्र सं०-११२ । साइज-१०½×५ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-चरित्र ।

रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २७१ ।

विशेष—अन्तिम पत्र नहीं है ।

२०१ श्रीपालचरित्र..... । पत्र सं०-२१ । साइज-१०½×५½ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-चरित्र ।

रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २७१ ।

२०२ श्रीपालचरित्र-बहनेमिदत्त । पत्र सं० ५४ । साइज १२×५½ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-चरित्र ।

रचनाकाल-सं० १५८२ आषाढ सुदी ६ । लेखनकाल-सं० १८६० पौष बुदी २ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २७१ ।

२०३ श्रेणिकचरित्र-भट्टारक शुभचन्द्र । पत्र सं० १२६ । साइज १०½×४½ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-

चरित्र । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १६२६ काल्युन सुदी १२ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २०४ ।

विशेष—बगहनगर (जयपुर) में राजा भारमल के छोटे भाई सतुर्भुज के शासन में प्रतिलिपि की गई थी ।

२०४ प्रति नं० २ । पत्र सं० ६५ । साइज ११½×४½ इञ्च । लेखनकाल-सं० १६४६ चैत्र बुदी २ ।

पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २०४ ।

विशेष—नाहलुर (मालपुरा) में महाराजकुमार मानसिंह के शासनकाल में प्रतिलिपि की गयी थी ।

२०५ हनुमच्चरित्र-ब्रह्मजित । पत्र सं० ११४ । साइज ११ $\frac{१}{२}$ ×२ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-चरित्र । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १६१२ । पूर्ण एवं अशुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २५० ।

२०६ प्रति नं० २ । पत्र सं. ११३ । साइज १० $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं अशुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २५० ।

२०७ होलिकाचरित्र-पांडे श्रीजिनदास । पत्र सं. ४८ । साइज १० $\frac{१}{२}$ ×२ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-चरित्र । रचनाकाल-सं. १६०० । लेखनकाल-सं. १८८३ । अधूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० २४८ ।

विशेष—प्रतिलिपिकार श्री संपतिराम हैं ।

विषय-कथा साहित्य

ग्रन्थ संख्या-४४

२०८ अनन्तव्रतकथा-श्रुतसागर । पत्र सं० ५ । साइज ८ $\frac{१}{२}$ ×५ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-कथा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १३ ।

२०९ प्रति नं० २ । पत्र सं० ४ । साइज १०×२ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १३ ।

२१० प्रति नं० ३ । पत्र सं०-५ । साइज १०×४ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १३ ।

२११ अष्टाह्निकाकथा-शुभचन्द्र । पत्र सं० ६ । साइज ८ $\frac{१}{२}$ ×४ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-कथा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य जीर्ण । वेष्टन नं० २५६ ।

२१२ प्रति नं०-२ । पत्र सं० ७ । साइज ८ $\frac{१}{२}$ ×५ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं अशुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २५६ ।

२१३ अष्टाह्निकाकथा-श्री नयमल । पत्र सं० १६ । साइज १०×२ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-कथा । रचनाकाल-सं० १९२२ । लेखनकाल सं०-१९३१ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० २५६ ।

विशेष—लेखक-गणेशलाल पांड्या । मोतीलाल मंघी ने लिखवायी थी ।

२१४ अष्टाह्निकाकथा-म० सुरेन्द्रकीर्ति । पत्र सं०-६ । साइज १० $\frac{१}{२}$ ×२ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-कथा । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १८६६ । मंसिर बुद्धी ५ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० २५६ ।

विशेष—सवाई जयनगर (जयपुर) में पं० अमीचन्द ने प्रतिलिपि करवाई थी ।

२१५ ऋषिमंडलफलप्राप्तिकथा..... पत्र सं० ८ । साइज ११×१ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—कथा ।

रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २१ ।

२१६ कथाकोश—ब्रह्मनेमिदत्त । पत्र सं० २२७ । साइज ११×४ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—कथा ।

रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ३० ।

२१७ करकण्डू कथा..... पत्र सं०—१६ । साइज ६×६ इञ्च । भाषा—हिन्दी गद्य । विषय—कथा ।

रचनाकाल X । लेखनकाल—सं० १८४४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ३१ ।

२१८ कांजीव्रत कथा..... पत्र सं०—२२ । साइज—१२ $\frac{1}{2}$ ×५ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—कथा ।

रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—उत्तम । वेष्टन नं० २६१ ।

२१९ चन्दनषष्टिकथा—सं० देवेन्द्रकीर्ति । पत्र सं०—३ । साइज—१० $\frac{1}{2}$ ×५ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—

कथा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ४० ।

२२० ज्येष्ठजिनवरत्रतकथा—खुशालचन्द्र । पत्र सं० १६ । साइज—१२×५ $\frac{1}{2}$ इञ्च । भाषा—हिन्दी । विषय—

कथा । रचनाकाल—सं० १७८२ । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १० ।

विशेष—आदित्यवारत्रतकथा भी दी हुई है ।

२२१ एमोकारसंत्रफलकथा..... पत्र सं० ३ । साइज ८ $\frac{1}{2}$ ×६ $\frac{1}{2}$ इञ्च । भाषा—हिन्दी । विषय—कथा ।

रचनाकाल X । लेखनकाल—सं० १९११ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं०—५६ ।

२२२ नैवेद्यपूजाकथा..... पत्र सं० ४ । साइज ६×५ इञ्च । भाषा—हिन्दी । विषय—कथा । रचनाकाल X ।

लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ८६ ।

२२३ पुण्याश्रवकथाकोश..... पत्र सं० २० । साइज ११×७ इञ्च । भाषा—हिन्दी । विषय—कथा ।

रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १२८ ।

२२४ पुण्याश्रवकथाकोश—पंडित दौलतरामजी । पत्र सं० २७४ । साइज १२×७ इञ्च । भाषा—हिन्दी ।

विषय—कथा । सं० १७७७ । रचनाकाल । लेखनकाल—सं० १९२८ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—उत्तम । वेष्टन नं० ६६ ।

विशेष—पांडे जिनदास द्वारा रचित पुण्याश्रव—कथाकोश के आधार पर उक्त ग्रन्थ की रचना की गयी ऐसा उल्लेख मिलता है ।

२२५ पुण्याश्रवकथाकोश—पंडित दौलतरामजी । पत्र सं० १७६ । साइज १३×६ इञ्च । भाषा—हिन्दी ।

विषय—कथा । रचनाकाल सं०—१७७७ । लेखनकाल X । अपूर्ण—१ से १४ तथा २८६ से आगे के पत्र नहीं हैं । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १२१ ।

२२६ पुण्याश्रवकथाकोश..... पत्र सं०—१४६ । साइज—११×५ $\frac{1}{2}$ इञ्च । भाषा—संस्कृत । रचनाकाल X ।

लेखनकाल—सं० १४७३ । अपूर्ण—प्रारम्भ के ५२ पत्र नहीं हैं । दशा—सामान्य एवं शुद्ध । वेष्टन नं०—१२५ ।

२२७ भक्तामरस्तोत्रकथा—विनोदीलाल । पत्र सं०—११३ । साइज ११×५ इञ्च । भाषा—हिन्दी । विषय—कथा ।

रचनाकाल—सं० १७३३ । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं०—१३७ ।

२२८ भावनापंचविंशतिव्रतकथा-भ० सकलकीर्ति । पत्र सं० २ । साइज १२×१३ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-कथा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १३६ । विशेष—पद्य संख्या ३४ है ।

२२९ महीपालकथा..... पत्र सं० ३६ । साइज १३×१३ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-कथा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६३ ।

२३० महीपालकथा-वीर देवगणी । पत्र सं० ४० । साइज १०^३/_४×१ इंच । भाषा-अपभ्रंश । विषय-कथा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १४६ ।

विशेष—देवगणी मुनिचन्द्र के शिष्य वं । कद्वनगणि के शिष्य मेवतिलकगणि ने प्रतिलिपि की थी ।

२३१ रविव्रतकथा-श्री केशव । पत्र सं० ३ । साइज ११×१ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-कथा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १६१ ।

२३२ राजुलवत्तीसी..... पत्र सं० ४ । साइज ११×१ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-कथा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ७४ ।

विशेष—प्रथम पत्र पर दर्शन पाठ है ।

२३३ रोहिणीव्रतकथा..... पत्र सं० ७ । साइज १०^३/_४×१ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-कथा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६४ ।

२३४ वीरमदे की यात-कुवर्धनसिंह । पत्र सं० ४१ । साइज १०^३/_४×४^३/_४ इंच । भाषा-हिन्दी गद्य । विषय-कथा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६१ ।

२३५ वेतालपंचविंशति-शिवदास । पत्र सं० १०६-११६ । साइज-८^३/_४×६ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-कथा । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १७८१ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । वेष्टन नं० १६१ ।

विशेष—बुहम्मदशाह के शासनकाल में ताजहानाबाद में संघी स्वरूपचन्द ने प्रतिलिपि की थी ।

२३६ व्रतकथाकोश-भ० देवेंद्रकीर्ति । पत्र सं० ८० । साइज १२^३/_४×६ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-कथा । रचनाकाल X । लेखनकाल सं० १८५३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १८० ।

विशेष—यह प्रति चूरु से जयपुर में पढ़ने के लिये सं. १८८७ में सावाई भानसिंहजी के शासनकाल में आयी थी ।

२३७ व्रतकथाकोश..... पत्र सं०-४३ । साइज-१२^३/_४×४^३/_४ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-कथा । रचनाकाल सं० १७१२ । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १८१ ।

विशेष—शुद्ध साइज में है ।

२३८ व्रतकथाकोश-खुरालचन्द । पत्र सं० ८२ । साइज १२×१३ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-कथा । रचनाकाल सं० १७८३ । लेखनकाल सं० १८११ । अपूर्ण-आरम्भ के ४६ पत्र नहीं हैं । शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १८१ ।

२३६ अंतकथाकोश-श्रुतसागर । पत्र सं० ६५ । साइज ११ $\frac{१}{२}$ ×११ $\frac{१}{२}$ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-कथा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १८० ।

२४० शनिवारकथा..... । पत्र सं० ४० । साइज १०×४ $\frac{१}{२}$ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-कथा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २८८ ।

२४१ शीलतरंगिणी-अखयराम लुहाडिया । पत्र सं० ६६ । साइज १२×१२ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-ब्रह्मचर्य अत की कथायें । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १७८२ । पूर्ण एवं अशुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६८ ।

विशेष—लिपिकार-दयाराम ।

२४२ प्रति नं० २ । पत्र सं० १५२ । साइज ८×५ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण-अन्तिम पत्र नहीं है । सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६८ ।

२४३ शीलरास-विजयदेवतूरि । पत्र सं० ७ । साइज १०×४ $\frac{१}{२}$ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-कथा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६६ ।

२४४ शुकराजहंसराजकथा-माणक्यतूरि । पत्र सं० ६ । साइज १०×४ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-कथा । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १६१६ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २५६ ।

२४५ सप्तपरमस्थानव्रतकथा..... । पत्र सं० ६ । साइज १२×११ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-कथा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण-अन्तिम पत्र नहीं है । शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २२८ ।

२४६ सम्यक्त्वकौमुदी-जोधराज गोदीका । पत्र सं० ७१ । साइज १०×६ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-कथा । रचनाकाल-सं० १७१४ । लेखनकाल X । अपूर्ण तथा शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८१ ।

२४७ सम्यक्त्वकौमुदी..... । पत्र सं०-१४२ । साइज १०×४ $\frac{१}{२}$ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-कथा । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १८६७ । अपूर्ण-प्रारम्भ के ३२ पत्र नहीं है । सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २२६ ।

विशेष—लेखनस्थान-जयपुर ।

२४८ सिद्धचंद्रकथा-नरसेनदेव । पत्र सं० ३५ । साइज १० $\frac{१}{२}$ ×५ इंच । भाषा-अपभ्रंश । विषय-कथा । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १६३५ मंगसिर सुदी ३ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१३ ।

२४९ सिंहासनद्वित्रिशिका..... । पत्र सं० ४८ । साइज ११ $\frac{१}{२}$ ×११ $\frac{१}{२}$ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-कथा । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १७८३ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २३१ ।

२५० हनुमंतकथा-बल्लरायमल्ल । पत्र सं० ४८ । साइज ८ $\frac{१}{२}$ ×८ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-चरित्र । रचनाकाल-सं० १६१६ । लेखनकाल-सं० १७८८ । अपूर्ण-प्रारम्भ के ४ पत्र नहीं है । शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २५१ ।

२५१ होलीकथा..... पत्र सं० ४ । साइज १० $\frac{१}{२}$ X ४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—कथा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं अशुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० २४८ ।

२५२ होलीपर्वकथा—पुण्यराजगणि..... पत्र सं० ३ । साइज १० X ४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—कथा । रचनाकाल सं० १४८५ । लेखनकाल X । पूर्ण एवं अशुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २४८ ।

विषय—काव्य

ग्रन्थ संख्या—२२

२५३ किरातार्जुनीय—महाकवि भारवि । पत्र सं० १०६ । साइज ११ X ४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—काव्य । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण—२६, ८६ से ६० तक के पत्र नहीं हैं । शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २६१ ।

२५४ प्रति नं० २ । पत्र सं० ३४ । साइज १२ X ५ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २६ ।

२५५ कुमारसंभव—महाकवि कालिदास । पत्र सं० ४४ । साइज १२ $\frac{१}{२}$ X ४ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—काव्य । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण—सप्तम सर्ग पर्यन्त । शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २६ ।

२५६ नेमिनिर्वाणकाव्य—महाकवि वागभट्ट । पत्र सं०—५८ । साइज—१२ X ५ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—२२वें तीर्थंकर श्रीनेमिनाथ के जीवन का वर्णन । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ८८ ।

२५७ पार्श्वपुराण—कवि भूधरदास । पत्र सं०—११७ । साइज—६ $\frac{१}{२}$ X ५ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा—हिन्दी । विषय—पार्श्वनाथ के जीवन का वर्णन । रचनाकाल—सं० १७८६ । लेखनकाल—सं० १८४१ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १०० । विशेष—दीवान चखतराम ने प्रतिलिपि करवायी थी ।

२५८ प्रति नं० २ । पत्र सं० १११ । साइज ६ X ४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० १०० ।

२५९ प्रति नं० ३ । पत्र सं०—१०१ । साइज ११ X ५ $\frac{१}{२}$ इञ्च । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० १०२ ।

२६० प्रति नं० ४ । पत्र सं० ७० । साइज ११ $\frac{१}{२}$ X ७ $\frac{१}{२}$ इञ्च । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १०२ ।

विशेष—२४ पत्र किसी अन्य प्राचीन प्रति के हैं ।

२६१ प्रति नं० ५ । पत्र सं० १८६ । साइज ११ X ५ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १२४ ।

२६२ बिहारीसतसई—महाकवि बिहारीलाल । पत्र सं० ४३ । साइज ११×५ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा—हिन्दी । विषय—भृंगारस । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २४७ ।

२६३ मदनपराजय—जिनदेव । पत्र सं० ४२ । साइज ११×५ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—काव्य । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—उत्तम । वेष्टन नं० १४६ । ।

२६४ मेघदूत—महाकवि कालिदास । पत्र सं० । साइज ११×५ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—काव्य । रचनाकाल X । लेखनकाल—सं० १७६५ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १४६ ।

२६५ प्रति नं० २ । पत्र सं० १६ । साइज १०×५ इंच । लेखनकाल—सं० १७८६ । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १५३ ।

विशेष—मोहम्मदशाह के शासनकाल में अजमेर में प्रतिलिपि की गयी थी ।

२६६ रघुवंश—महाकवि कालिदास । पत्र सं० २३० । साइज १०×४ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—काव्य । रचनाकाल X । लेखनकाल—सं० १८५१ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १६६ ।

विशेष—३ वें सर्ग के ६४ वें पद्य तक प्रति सटीक है ।

२६७ प्रति नं० २ । पत्र सं०—१२ । साइज—११×५ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल—सं० १८६५ । दो सर्ग पर्यन्त पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० १६६ ।

२६८ प्रति नं० ३ । पत्र सं०—५७ । साइज—१२×५ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । ११ वें सर्ग पर्यन्त पूर्ण । शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १६७ ।

२६९ प्रति नं० ४ । पत्र सं०—३६ । साइज—८ $\frac{1}{2}$ ×६ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । अष्टम सर्ग पर्यन्त पूर्ण । शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं०—१६७ ।

२७० प्रति नं० ५ । पत्र सं० ५६ । साइज १२×६ इंच । लेखनकाल X । ६ सर्ग तक । शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १६७ ।

विशेष—प्रति सटीक है । टीकाकार—सुमतिकीर्ति है ।

२७१ रामचन्द्रिका—केशवमिश्र । पत्र सं० १६० । साइज ११ $\frac{1}{2}$ ×६ इंच । भाषा—हिन्दी । विषय—काव्य । रचनाकाल X । लेखनकाल सं० १८११ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १६८ ।

विशेष—मोतीरामजी ने जयपुर में प्रतिलिपि की थी ।

२७२ शिशुपालवध—महाकवि माघ । पत्र सं०—५४ । साइज—१०×४ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—काव्य । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अष्टमसर्ग पर्यन्त । शुद्ध । दशा—उत्तम । वेष्टन नं०—१६५ ।

२७३ प्रति नं० २ । पत्र सं० २३२ । साइज १२×५ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल—सं० १८४६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १६५ ।

विशेष—प्रति सटीक है । टीकाकार—श्री बल्लभ है ।

२७४ शृंगारशतक-मनूहरि । पत्र सं० १४ । साइज १२×७ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-काव्य ।
(शृंगार) । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २७६ ।

विषय-इतिहास

ग्रन्थसंख्या =

२७५ गुर्वावलि..... । पत्र सं०-१० । साइज ६×४½ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-इतिहास ।
रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २६३ ।

२७६ गुर्वावलि..... । पत्र सं०-२ । साइज ११×२ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-इतिहास ।
रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३३ ।

२७७ चौबीसतीर्थकरपरिचय..... । पत्र सं०-१२ । साइज ११×२ इंच । भाषा-हिन्दी ।
विषय-इतिहास । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २८२ ।

२७८ जयपुर के शासकों की वंशावलि..... । पत्र सं०-३२ । साइज ६×४½ इंच । भाषा-हिन्दी ।
विषय-इतिहास । रचनाकाल सं० १=६१ । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २८४ ।

विशेष-संवत् १०२३ क्रैतिक सुदी ३ से लेकर सं० १८३१ भाद्र सुदी ६ तक होने वाले शासकों का विस्तृत
परिचय दिया हुआ है ।

२७९ जैनचट्टी देश की पत्रिका..... । पत्र सं०-१० । साइज ६×४½ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-
इतिहास । रचनाकाल-सं० १=२० । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ५५ ।

यात्रा का वर्णन है । हैदराबाद से मजलसराय ने पानीपत की पत्र लिखा था ।

२८० पट्टावलि..... । पत्र सं० ४ । साइज ७×२ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-इतिहास । रचनाकाल X ।
लेखनकाल सं० १=५६ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २८३ ।

२८१ यात्रासमुच्चय..... । पत्र सं० ३ । साइज १०×४½ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-इतिहास ।
रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १५८ ।

२८२ श्रुतावतार-यं० अधर । पत्र सं० ६ । साइज १०½×४½ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-इतिहास ।
रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २७२ ।

विषय-नाटक

ग्रन्थसंख्या-२

२८३ ज्ञानसूर्योदय-वादिचन्द्र । पत्र सं० ४१ । साइज ११×५ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-नाटक ।
रचनाकाल-सं० १६४८ । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६० ।

२८४ पार्थपराक्रमव्यायोग-गुवराज प्रल्हाद । पत्र सं० १८ । साइज १३×३½ इंच । भाषा-संस्कृत ।
विषय-नाटक । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १२२ ।

विशेष—सुमट कवि विरचित दूतांगद नामका नाटक भी इसी में है ।

विषय-व्याकरण

ग्रन्थ संख्या-२६

२८५ अनिट्कारिका..... । पत्र सं० १ । साइज १०½×४½ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-व्याकरण ।
रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११ ।

२८६ प्रति नं० २ । पत्र सं० २ । साइज ११×५ इंच । लेखनकाल-सं० १८४६ पौष सुदी १६ ।
वेष्टन नं० ११ ।

विशेष—लेखक-पं० दयाचन्द्र ।

२८७ अव्ययप्रकरण..... । पत्र सं० ५ । साइज १०×२ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-व्याकरण ।
रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १५ ।

२८८ जैनेन्द्रव्याकरण-पृथ्वीपाद । पत्र सं० २२ । साइज ७½×४½ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-व्याकरण ।
रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण-केवल प्रथम संधि है । शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ५५ ।

२८९ धातुपाठ-हर्षकीर्ति । पत्र सं० १४ । साइज १०½×४½ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-व्याकरण ।
रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २६६ ।

विशेष—धातुओं के रूप लिखे हुये हैं ।

२९० प्रति नं० २ । पत्र सं० ६ । साइज १०½×५ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण तथा सामान्य शुद्ध ।
दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ७५ ।

२९१ धातुपाठ-काशीनाथ । पत्र सं० ४५ । साइज ११×५ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-व्याकरण ।
रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १६०० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ७५ ।

२९२ धातुपाठ..... । पत्र सं० ३३ । साइज ११×५½ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-व्याकरण ।
रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २६० ।

२६३ पंचसंधि..... । पत्र सं० ११ । साइज १२×१६ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—व्याकरण । रचना-काल X । लेखनकाल X । अपूर्ण, १, २, ३, ५ पत्र नहीं हैं । सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १२५ ।

विशेष—शब्द और धातुओं के रूप दिये हुये हैं ।

२६४ विपरीतग्रहणप्रकरण..... । पत्र सं० ४ । साइज ११×१५ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—व्याकरण । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १२६ ।

विशेष—लिपिकार—स्वरूपचंद ।

२६५ षोढासमास-वररुचि । पत्र सं० ४ । साइज १०½×४½ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—व्याकरण । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २०६ ।

२६६ शब्दानुशासन—आचार्य हेमचन्द्र । पत्र सं० ४७ । साइज ११×१५ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—व्याकरण । रचनाकाल X । लेखनकाल—सं० १८६० । अष्टम अध्याय के चतुर्थ पाद तक । शुद्ध । दशा—उत्तम । वेष्टन नं० २२१ ।

२६७ प्रति नं० २ । पत्र सं० ४७ । साइज ११×१५ इंच । लेखनकाल—सं० १८६० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २७३ ।

२६८ सारस्वतसूत्र—अनुभूतिस्वरूपानार्य । पत्र सं०—१० । साइज १०×४ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—व्याकरण । रचनाकाल X । लेखनकाल—सं० १८८३ कार्तिक सुदी ७ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २३८ । विशेष—केवल सूत्रों का संग्रह है ।

२६९ प्रति नं० २ । पत्र सं० ८ । साइज—१०½×४½ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २३८ ।

३०० सारस्वतप्रक्रिया—अनुभूतिस्वरूपानार्य । पत्र सं० ६१ । साइज—१०×४ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—व्याकरण । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं अशुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० २४२ ।

३०१ प्रति नं० २ । पत्र सं० २४ । साइज ११½×४ इंच । लेखनकाल—सं० १७६६ अषाढ सुदी १३ । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । वेष्टन नं० २४३ ।

३०२ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ५६ । साइज—११½×४ इंच । लेखनकाल—सं० १७४२ । तद्धित प्रक्रिया तक । सामान्य शुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० २४३ ।

३०३ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ८८ । साइज—११½×४½ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० २४३ ।

३०४ प्रति नं० ५ । पत्र सं० ५० । साइज ११½×४½ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण—अन्त के पत्र नहीं हैं । शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २४४ ।

३०५ प्रति नं० ६ । पत्र सं० ७२ । साइज—१२×४ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण—प्रारम्भ के १६ पत्र नहीं हैं । सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २४४ ।

३०६ प्रति नं० ७ । पत्र सं० ५५ । साइज-६X५ इंच । लेखनकाल-सं० १८७५ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २४४ ।

३०७ प्रति नं० ८ । पत्र सं० ११ । साइज-६X५ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल X । पंच संधि तक पूर्ण । सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४४ ।

३०८ प्रति नं० ९ । पत्र सं० १२ । साइज-१०X४ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण-केवल धातुपाठ है । शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४२ ।

३०९ प्रति नं० १० । पत्र सं० २२ । साइज-१०X४ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४२ ।

३१० सिद्धान्तचन्द्रिका-रामचन्द्रशर्मा । पत्र सं० १११ । साइज-११ $\frac{१}{२}$ X५ इंच । रचनाकाल X । लेखन-काल X । भाषा-संस्कृत । विषय-व्याकरण । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २२५ ।

विशेष-सारस्वत सूत्रों पर टीका है ।

३११ प्रति नं० २ । पत्र सं० ५६ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ X५ इंच । लेखनकाल X । उत्तरार्द्ध भाग है । शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० २२५ ।

३१२ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ४७ । साइज १० $\frac{१}{२}$ X५ इंच । लेखनकाल X । पूर्वार्द्ध भाग है । शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २२५ ।

३१३ प्रति नं० ४ । पत्र सं० २७ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ X४ इंच । लेखनकाल-सं० १८१४ चैत्र शुक्ला १३ । अदन्त प्रकरण है । शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २२५ ।

विशेष-भिलाय में मिश्रराम ने प्रतिलिपि की थी ।

३१४ सिद्धान्तचन्द्रिका वृत्ति-सदानंद । पत्र सं० ८६ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ X५ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-व्याकरण । रचनाकाल X । लेखनकाल X । उत्तरार्द्ध भाग है । शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० २२६ ।

विषय-कोश

ग्रन्थ संख्या-१६

३१५ अनेकार्थमञ्जरी-नन्ददास । पत्र सं० ६ । साइज १० $\frac{१}{२}$ X५ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-कोश । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । वेष्टन नं० ११ ।

विशेष-पद्य संख्या ११६ ।

३१६ प्रति नं० २ । पत्र सं० ६ । साइज ११X५ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल-सं० १८०६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११ ।

३१७ अभिधानचिंतामणिनाममाला—आचार्य हेमचन्द्र । पत्र सं० ८१ । साइज ११×५ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—कोश । रचनाकाल X । लेखनकाल—सं १७५७ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १० ।

विशेष—‘कावधा’ में श्री सगरगणि ने ग्रन्थ की प्रतिलिपि करके आमेर में पं० वृद्धिचन्द गणि को पढ़ने के लिए दिया था ।

३१८ प्रति नं० २ । पत्र सं० २६ । साइज १०×४ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २५७ ।

३१९ अक्षरकोश—प्रवर्तित । पत्र सं० ८ । साइज १२×५ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—कोश । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ८ ।

३२० प्रति नं० २ । पत्र सं०—२६ । साइज—१० $\frac{१}{२}$ ×५ इञ्च । लेखनकाल सं० १८६२ आषाढ बुदी ६ गुरुवार । शुद्ध । अपूर्ण—प्रथमकांड पर्यन्त । वेष्टन नं० ८ ।

३२१ प्रति नं० ३ । पत्र सं० २१ । साइज—११×५ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल सं० १८५३ पौष शुक्ला ६ । अपूर्ण—प्रथमकांड पर्यन्त । शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ८ ।

३२२ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ६६ । साइज—११×५ इञ्च । लेखनकाल—सं० १८५३ चैत्र बुदी ३ । अपूर्ण—द्वितीय कांड पर्यन्त । शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ८ ।

३२३ प्रति नं० ५ । पत्र सं० २८ । साइज ११×५ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण—प्रथमकांड पर्यन्त । शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ८ ।

३२४ प्रति नं० ६ । पत्र सं० ४५ । साइज ६×५ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—उत्तम । वेष्टन नं० २५७ ।

३२५ प्रति नं० ७ । पत्र सं० १३५ । साइज १२×५ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण—६० से पूर्व के पत्र नहीं हैं । सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २५६ ।

३२६ एकाक्षरीनाममाला..... । पत्र सं० ३ । साइज ११×५ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—कोश । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २६ ।

३२७ प्रति नं० २ । पत्र सं० २ । साइज १२×५ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २२ ।

३२८ नाममाला—धनंजय । पत्र सं० ६ । साइज ११×५ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—कोश । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ७६ ।

३२९ बीजकोश..... । पत्र सं० ७ । साइज—६×५ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—कोश । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १३२ ।

३३० प्रति नं० २ । पत्र सं० ८ । साइज ८×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १३२ ।

विषय-आयुर्वेद

ग्रन्थ संख्या-५३

३३१ अद्भुतसागर-ऋषि भारद्वाज । पत्र सं० १०७ । साइज १२ $\frac{३}{४}$ ×४ $\frac{३}{४}$ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-आयुर्वेद । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १८६० आवण बुदी ७ । पूर्ण तथा शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० ६ ।

विशेष—हिन्दी गद्य में मूल पाठ का अनुवाद भी दिया हुआ है । अनुवादक का नामोल्लेख नहीं किया गया है ।

३३२ अमृतमञ्जरी-काशीराज । पत्र सं० ३ । साइज १३×२ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-आयुर्वेद । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११ ।

३३३ प्रति नं० २ । पत्र सं० १० । साइज १२×२ इञ्च । पूर्ण । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११ ।

विशेष—हिन्दी में पर्यायवाची शब्द दिये हुये हैं । लेखक-पं० सवाईराम है ।

३३४ आयुर्वेदसंग्रह..... । पत्र सं०-२६ । साइज ६×२ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-आयुर्वेद । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २७६ ।

३३५ कालज्ञान..... । पत्र सं० ११ । साइज-१० $\frac{३}{४}$ ×२ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-आयुर्वेद । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २६ ।

विशेष—हिन्दी में अर्थ दिया हुआ है ।

३३६ प्रति नं० २ । पत्र सं० १७ । साइज १० $\frac{३}{४}$ ×४ $\frac{३}{४}$ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २६ ।

३३७ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १४ । साइज ६ $\frac{३}{४}$ ×४ $\frac{३}{४}$ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २६ ।

३३८ चिकित्सासार-धीर्यराम । पत्र सं०-११६ । साइज ८×२ $\frac{३}{४}$ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-आयुर्वेद । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १७३६ । पूर्ण तथा सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ४६ ।

विशेष—८८१ पद्य हैं ।

३३९ ज्वरतिमिरभास्कर-श्री चामुंडराय । पत्र सं० ५७ । साइज-१२×६ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-आयुर्वेद । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १७४३ । पूर्ण तथा सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण शीर्ण । वेष्टन नं० ५३ ।

३४० ज्वरत्रिशती-शार्ङ्गधर । पत्र सं० २१ । साइज १० $\frac{३}{४}$ ×२ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-आयुर्वेद । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं०-६० ।

३४१ द्रव्यगुणरत्नमाला..... । पत्र सं० ६ । साइज १२×४ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-आयुर्वेद । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ७३ ।

विशेष—हिन्दी में संकेत दिये हुये हैं ।

३४२ द्रव्यगुणशतश्लोक-निमलक । पत्र सं० १२ । साइज १० $\frac{३}{४}$ ×२ $\frac{३}{४}$ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-आयुर्वेद ।

रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १७३६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ७३ ।

३४३ नाडीपरीक्षा । पत्र सं० ३ । साइज १५X० $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-आयुर्वेद ।
रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८७ ।

३४४ प्रति नं० २ । पत्र सं० ३ । साइज २१ $\frac{१}{२}$ X५ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य ।
वेष्टन नं० ८७ ।

३४५ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ४ । साइज ६X४ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य ।
वेष्टन नं० ८७ ।

३४६ निबन्धसंग्रह । पत्र सं० ५४ । साइज १०X४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-आयुर्वेद ।
रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १७६८ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८८ ।
विशेष-लेखक-श्री सुखानंद है ।

३४७ पञ्चनिर्णय । पत्र सं०-४३ । साइज ८ $\frac{१}{२}$ X४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-आयुर्वेद ।
रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११२ ।
विशेष-हिन्दी में अर्थ भी दिया हुआ है ।

३४८ पञ्चापञ्चविधि । पत्र सं०-२५ । साइज-११X५ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-आयुर्वेद ।
रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० ११२ ।
विशेष-अन्त में विषय सूची दी हुई है । ५२ विधियों का वर्णन है ।

३४९ बालतन्त्र-कल्याण । पत्र सं० २६ । साइज १०X२ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-आयुर्वेद । रचनाकाल X ।
लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १३१ ।
विशेष-ग्रन्थकार ने लिखा है कि उसने बालतन्त्र को अनेक शरीर सम्बन्धी ग्रन्थों के अध्ययन के पश्चात् लिखा है ।

३५० माधवनिदान-माधवाचार्य । पत्र सं०-१२६ । साइज-१३X६ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-आयुर्वेद ।
रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं०-१५० ।
विशेष-हिन्दी टीका भी है ।

३५१ योगचिंतामणि-हर्षकीर्ति । पत्र सं०-११८ । साइज १२ $\frac{१}{२}$ X६ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-आयुर्वेद ।
रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १८२७ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं०-१५५ ।
विशेष-हिन्दी अर्थ भी दिया हुआ है । लेखक-जयचन्दजी झाबडा है ।

३५२ प्रति नं० २ । पत्र सं० १६३ । साइज १३ $\frac{१}{२}$ X६ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल-सं० १८६३ मंगसिर शुक्ला ४ ।
पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १५६ ।

विशेष-ढोडारायसिंह निवासी साहजी सालिगराम कोठ्यारी ने गिरधारी न्यास से प्रतिलिपि करवायी थी । हिन्दी अर्थ भी दिया हुआ है । प्रथम प्रति से इसकी टीका भिन्न है ।

३५३ योगरत्नावलि-द्विजनाथ । पत्र सं० ७२ । साइज ११ $\frac{१}{२}$ ×५ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-आयुर्वेद । रचनाकाल × । लेखनकाल सं० १८७५ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १५५ ।

३५४ योगशतक-अमृतप्रमसूरि । पत्र सं० ३१ । साइज ६×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-आयुर्वेद । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १५७ ।
विशेष—हिन्दी अर्थ भी है ।

३५५ प्रति नं० २ । पत्र सं० १२ । साइज ११ $\frac{१}{२}$ ×५ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं अशुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १५७ ।

३५६ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १२ । साइज १२×५ इञ्च । लेखनकाल सं० १७६८ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १५७ ।

विशेष—हिन्दी अर्थ सहित है । आचार्य चंद्रकीर्ति के शिष्य पांडे आसकर्ण, वासीराम, मोदसी के पठनार्थ प्रतिलिपि की गयी थी ।

३५७ प्रति नं० ४ । पत्र सं० २१ । साइज ११ $\frac{१}{२}$ ×६ इञ्च । लेखनकाल-सं० १७५६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १५७ ।

विशेष—प्रति सटीक है । टीकाकाल-सं० १६६२ । भ० नरेन्द्रकीर्ति के प्रशिष्य आसाकरण ने प्रतिलिपि की थी ।

३५८ रसमञ्जरी-वैद्य शालिनाथ । पत्र सं० २२ । साइज १२×६ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-आयुर्वेद । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १७१ ।

३५९ रसरत्नाकर-नित्यनाथसिद्ध । पत्र सं० ३६ । साइज-१३ $\frac{१}{२}$ ×५ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-आयुर्वेद । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अष्टम सर्ग पर्यन्त । शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६६ ।

३६० प्रति नं० २ । पत्र सं० १३० । साइज-११ $\frac{१}{२}$ ×६ इञ्च । लेखनकाल × । सप्तमीपदेश पर्यन्त । शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १६६ ।

३६१ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १८ । साइज ११×५ इञ्च । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६६ ।

३६२ रामविनोदभाषा-धीरामचन्द्र । पत्र सं० १६३ । साइज १० $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-आयुर्वेद । रचनाकाल-सं० १६२० । लेखनकाल-१८४२ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६८ ।

विशेष—रचनास्थान-मेहरा नगर (पंजाब) है ।

३६३ प्रति नं० २ । पत्र सं० २१ । साइज १०×५ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं अशुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १६८ ।

३६४ रुद्रंतीकल्प..... । पत्र सं० २ । साइज-६×४ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-आयुर्वेद । रचना-काल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १७० ।

३६५ वैद्यकसारसंग्रह—(रामविनोद) रामचंद्र । पत्र सं० १३६ । साइज—१२×६ इंच । भाषा—हिन्दी । विषय—आयुर्वेद । रचनाकाल—१६२० । लेखनकाल—सं० १=३४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—उत्तम । वेष्टन नं० १=२ ।

विशेष—ग्रन्थ का दूसरा नाम रामविनोद भाषा भी है । रामचन्द्र जिनसिंह सूरि के प्रशिष्य थे ।

३६६ वैद्यकसारसंग्रह—नाणपति व्यास । पत्र सं० २५ । साइज—११ $\frac{१}{२}$ ×४ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—आयुर्वेद । रचनाकाल × । लेखनकाल—सं० १७४० । पूर्ण—प्रथम पत्र नहीं है । शुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० १=६ ।

३६७ प्रति नं० २ । पत्र सं० ३२ । साइज—११ $\frac{१}{२}$ ×५ इंच । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १=५ ।

३६८ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १६ । साइज—११×५ इंच । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० १=५ ।

३६९ वैद्यकसारसंग्रह..... । पत्र सं० २८ । साइज—१२×४ $\frac{१}{२}$ इंच । भाषा—हिन्दी । विषय—आयुर्वेद । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १=५ ।

३७० वैद्यजीवन—लोलिम्बराज । पत्र सं० ३० । साइज—८×४ $\frac{१}{२}$ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—आयुर्वेद । रचनाकाल × । लेखनकाल—सं० १८४८ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १=४ ।

विशेष—लेखनस्थान—भाघोपुर है ।

३७१ प्रति नं० २ । पत्र सं० २७ । साइज १० $\frac{१}{२}$ ×५ इंच । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १=४ ।

विशेष—हिन्दी टीका भी है ।

३७२ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ५७ । साइज—१० $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ । लेखनकाल—सं० १=२० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १=४ ।

विशेष—हिन्दी भाषा भी है । भाषाकार श्री हरिनाथ हैं । लेखन स्थान—जयपुर ।

३७३ वैद्यमनोत्सव—नयनसुख । पत्र सं० २३ । साइज—८×४ इंच । भाषा—हिन्दी । विषय—आयुर्वेद । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १=३ ।

३७४ वैद्यरत्न—शिवानन्द भट्ट । पत्र सं० ४८ । साइज १२ $\frac{१}{२}$ ×५ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—आयुर्वेद । रचनाकाल × । लेखनकाल—सं० १=४६ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १=३ ।

विशेष—ईसरदा (जयपुर) में प्रतिलिपि की गयी भी ।

३७५ वैद्यवल्लभ..... । पत्र सं० २६ । साइज १०×४ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—आयुर्वेद । रचनाकाल × । । लेखनकाल—सं० १७६७ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १=३ ।

विशेष—हिन्दी में शब्दार्थ भी दिया हुआ है ।

३७६ वैद्यविनोद.....अनन्तभट्टात्मज भट्ट शंकर । पत्र सं० ११० । साइज १० $\frac{१}{२}$ ×५ $\frac{१}{२}$ इंच । भाषा—संस्कृत ।

विषय—आयुर्वेद । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १=२ ।

विशेष—महाराजा रामसिंह के पढ़ने के लिये ग्रन्थ निर्माण किया गया था ।

३७७ राज्ञीधर संहिता—राज्ञीधर । पत्र सं० १०१ । साइज ११X५ $\frac{१}{२}$ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—

आयुर्वेद । रचनाकाल X । लेखनकाल—सं० १७२४ माह सुदी १३ । उत्तरखण्ड तक । सामान्य शुद्ध । वेष्टन नं० २७३ ।

विशेष—सांगानेर में प्रतिलिपि हुई थी ।

३७८ प्रति नं० २ । पत्र सं० ४५ । साइज—११ $\frac{३}{४}$ X५ इंच । लेखनकाल—सं० १=५५ । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २७३ ।

३७९ प्रति नं० ३ । पत्र सं०—३०६ । साइज—१३X६ इंच । लेखनकाल सं० १७८७ । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २०१ ।

३८० प्रति नं० ४ । पत्र सं०—१०३ । साइज—१२X५ इंच । लेखनकाल सं०—१७४१ । पूर्ण एवं सामान्य सामान्य शुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० २०१ ।

विशेष—रामसिंहजी के शासनकाल में आमेर निवासी प्रभाचन्द्र वैद्य ने सांगानेर में प्रतिलिपि की थी ।

३८१ सन्निपातकलिका—अश्वनिकुमार । पत्र सं० ७ । साइज ११X५ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—आयुर्वेद । रचनाकाल X । लेखनकाल—सं० १=६३ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं०—२३१ ।

३८२ सप्तधातुविधि..... । पत्र सं० १५ । साइज—८ $\frac{३}{४}$ X६ $\frac{३}{४}$ इंच । भाषा—हिन्दी । विषय—आयुर्वेद । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २३२ ।

३८३ सालिहोत्र—पं० नकुल । पत्र सं० २३ । साइज १०X४ $\frac{१}{२}$ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—घोड़ों की चिकित्सा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २३१ ।

विशेष—हिन्दी अर्थ सहित है ।

विषय—ज्योतिषादि निमित्तज्ञान साहित्य

ग्रन्थ संख्या—३३

३८४ अन्नजदकेवली..... । पत्र सं० ६ । साइज—१० $\frac{३}{४}$ X५ $\frac{१}{२}$ इंच । भाषा—हिन्दी । विषय—ज्योतिष । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १५ ।

३८५ अष्टवर्गफल..... । पत्र सं० १० । साइज १०X८ $\frac{३}{४}$ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—राशिफल । मृदुफल, मीतानफल, तिथिफल आदि । ज्योतिष के विषय । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २५८ ।

विशेष—हिन्दी में अर्थ दिया हुआ है ।

३८६ प्रति नं० २ । पत्र सं० ६ । साइज $= \frac{1}{2} \times \frac{1}{2}$ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २५८ ।

विशेष—हिन्दी अर्थ सहित है ।

३८७ गर्गसंहिता-गर्ग ऋषि । पत्र सं० १७ । साइज $10 \frac{1}{2} \times 2$ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-ज्योतिष रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २६३ ।

३८८ गौतमकेवली..... । पत्र सं० १ । साइज $11 \times 2 \frac{1}{2}$ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-ज्योतिष रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३२ ।

३८९ गृह लाघव-गणेशदेव । पत्र सं० १२ । साइज 11×2 इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-ज्योतिष रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० ३३ ।

विशेष—हिन्दी में भी अर्थ दिया हुआ है ।

३९० चन्द्रगुप्त के खेतिह रत्न..... । पत्र सं० २ । साइज- 11×4 इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-खेतिह रत्नों का वर्णन । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण तथा सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ४६ ।

३९१ चमत्कारचितामणी-राजकन्य मठ । पत्र सं० ८ । साइज- 12×2 इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-ज्योतिष । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १७६५ । पूर्ण तथा सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ४४ ।

विशेष—ग्रहों के फल का वर्णन है ।

३९२ ज्योतिषशास्त्र-मुंजादित्य । पत्र सं० ६४ । साइज- 11×2 इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-ज्योतिष रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १८०४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० ४४ ।

३९३ ज्योतिषसार-हर्षकीर्ति । पत्र सं० १०३ । साइज- 11×2 इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-ज्योतिष रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० ५१ ।

विशेष—विषय को समझाने के लिये रेखाचित्र भी दिये हुये हैं ।

३९४ ज्ञातकेवली..... । पत्र सं० ३ । साइज- 11×2 इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-शकुनशास्त्र (ज्योतिष रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३२ ।

३९५ ज्ञानस्वरोदय-चरनदास । पत्र सं० २७ । साइज- $= \frac{1}{2} \times 4$ इञ्च । भाषा-हिन्दी इन्दोबद्ध । विषय-शकुनशास्त्र । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १८६५ । अपूर्ण-प्रथम पत्र नहीं है । सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २६५ ।

विशेष—श्वरों का विस्तृत विवेचन दिया हुआ है ।

३९६ प्रश्नचूडामणि..... । पत्र सं० ४ । साइज $11 \times 2 \frac{1}{2}$ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-ज्योतिष रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १२५ ।

३९७ प्रश्नावलि-श्री हयग्रीव । पत्र सं० २३ । साइज- 11×2 इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-ज्योतिष

रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १८११ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १२६ ।

विशेष—२४ प्रकार के प्रश्नों का उत्तर दिया गया है । विधि-संहित है । प्रत्येक प्रश्न का यंत्र भी है ।

३६८ प्रश्नरत्नावलि..... । पत्र सं० १५ । साइज-६X६ इंच । भाषा-X । विषय-शकुनशास्त्र । रचना-काल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११० ।

विशेष—२७ प्रश्नों के २७ यंत्र हैं । यंत्र में केवल वर्णमाला के अक्षर हैं । उत्तर प्राप्त करने की विधि भी लिखी हुई है ।

३६६ पातिसाह के नाम की शकुनावली..... । पत्र सं० ३ । साइज-६X७ १/२ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-शकुन शास्त्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११० ।

विशेष—रेखाचित्र भी दिया हुआ है । १५ बादशाहों के नामों पर शकुन फल दिया हुआ है ।

“ओं ह्रीं श्री महमदापीग बुलबुल बुलबुल दरदर अयिमंत्र” इस प्रकार संज्ञा प्रारम्भ होता है ।

४०० प्रति नं० २ । पत्र सं० ४ । साइज-१० १/२ X २ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११० ।

विशेष—यंत्र सहित है ।

४०१ पाशाकेवली..... । पत्र सं० २८ । साइज-५ १/२ X ५ १/२ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-ज्योतिष । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण-प्रारम्भ के ६ पत्र नहीं हैं । सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २८३ ।

४०२ पंचाङ्ग..... । पत्र सं० १६ । साइज-६X४ १/२ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-ज्योतिष । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १६१७ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २६० ।

संवत् १६१७ का महाराजा तरुतसिंह के समय का पंचाङ्ग है ।

४०३ पथराहुचक्र..... । पत्र सं० १ । साइज-११X५ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-ज्योतिष । रचना-काल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११० ।

४०४ बसंतराजशकुनावली-बसन्तराज । पत्र सं० ७० । साइज-१२X४ १/२ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-शकुन शास्त्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १३२ ।

विशेष—हिन्दी टीका भी दी हुई है । ५, ६ तथा ७० से आगे के पत्र नहीं हैं ।

४०५ मुहूर्तमुक्तावलि-परमहंस परिव्राजकाचार्य । पत्र सं० १५ । साइज-११X५ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-ज्योतिष । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १५४ ।

४०६ मेघमाला..... । पत्र सं० १६ । साइज-१०X४ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-ज्योतिष । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १४६ ।

विशेष—महादेव पार्वती-संवाद का एक अंश है ।

४०७ योगिनीदशा.....। पत्र सं० ३। साइज-६×४½ इंच। भाषा-संस्कृत। विषय-ज्योतिष।
रचनाकाल X। लेखनकाल-सं० १८०२। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-जीर्ण। वेष्टन नं० १५६।

विशेष—लिपिकार श्री खुशालचंद हैं।

४०८ रमलशास्त्र.....। पत्र सं० १४। साइज-६×४½ इंच। भाषा-संस्कृत। विषय-ज्योतिष।
रचनाकाल X। लेखनकाल-सं० १८२४। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २७२।

४०९ शकुनावलि.....। पत्र सं० ८। साइज १०×४ इंच। भाषा-हिन्दी। विषय-शकुनशास्त्र। रचना-
काल X। लेखनकाल X। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २००।

४१० शकुनावलि-महामुनि गर्ग। पत्र सं०-१०। साइज-११×४ इंच। भाषा-संस्कृत। विषय-शकुन-
शास्त्र। रचनाकाल X। लेखनकाल-सं० १८६७। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २००।

४११ प्रति नं० २। पत्र सं० ६। साइज ११×४ इंच। लेखनकाल X। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य।
वेष्टन नं० २००।

४१२ शकुनाणव.....। पत्र सं० २। साइज १०×४½ इंच। भाषा-संस्कृत। विषय-शकुनशास्त्र। रचना-
काल X। लेखनकाल X। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २००।

४१३ शलाकानिक्षेपणनिकाशनविधि.....। पत्र सं० ४। साइज-१०½×५ इंच। भाषा-संस्कृत।
विषय-शकुन शास्त्र। रचनाकाल X। लेखनकाल X। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० १६१।

विशेष—शकुनों का वर्णन दिया हुआ है।

४१४ शीघ्रबोध-काशीनाथ। पत्र सं० १७। साइज ७½×४ इंच। भाषा-संस्कृत। विषय-ज्योतिष।
रचनाकाल X। लेखनकाल X। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २०१।

४१५ प्रति नं० २। पत्र सं० १४। साइज ६½×४ इंच। लेखनकाल X। पूर्ण-विवाह प्रकरण तक।
शुद्ध। दशा-उत्तम। वेष्टन नं० २०१।

४१६ स्त्रीपुरुषलक्षण.....। पत्र सं० १८। साइज ७½×३½ इंच। भाषा-हिन्दी। विषय-ज्योतिष।
रचनाकाल X। लेखनकाल X। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-जीर्ण। वेष्टन नं० २२६।

विषय-मन्त्र तन्त्रादि

ग्रन्थसंख्या-३५

४१७ कार्तवीर्यकवच-चन्द्रमौलि। पत्र सं० १३। साइज-८½×५ इंच। भाषा-संस्कृत। विषय-भक्त-
शास्त्र। रचनाकाल X। लेखनकाल X। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २८।

मन्त्रतन्त्रादि]

४१६ नौगन्धी तंत्र..... पत्र सं०..... साइज २१×५ इंच । भाषा—हिन्दी । विषय—तन्त्रशास्त्र ।
रचनाकाल X । लेखनकाल—सं० १८३३ । पूर्ण तथा सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ४४ ।

४१६ ज्वालामालिनी यंत्र..... पत्र सं० १ । साइज १२×६ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—मंत्र शास्त्र ।
रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण तथा सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ५३ ।
विशेष—मंत्र सहित चित्र है ।

४२० ज्वालामालिनीस्तोत्र..... पत्र सं० ३ । साइज १२×६ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—मंत्र शास्त्र ।
रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—जीर्ण शीर्षा । वेष्टन नं० ५३ ।

४२१ एमोकारकल्प..... पत्र सं० ५ । साइज—८×६½ इंच । भाषा—हिन्दी । विषय—मंत्रशास्त्र ।
रचनाकाल X । लेखनकाल—सं० १६६५ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ५६ ।

४२२ प्रति नं० २ । पत्र सं० ४ । साइज ८×६½ इंच । लेखनकाल—सं० १६६४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ५६ ।

४२३ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ५ । साइज—८×६½ इंच । लेखनकाल—सं० १६३७ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० ५६ ।

४२४ त्रिपुरार्णव..... पत्र सं० २२ । साइज ६×४ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—मन्त्र शास्त्र । रचना—
काल X । लेखनकाल X । अपूर्ण—अन्तिम पत्र नहीं है । शुद्ध । दशा—उत्तम । वेष्टन नं० २६७ ।

४२५ पद्मावती यंत्र..... पत्र सं० १ । साइज—११×६ इंच । भाषा—हिन्दी । विषय—मन्त्र शास्त्र ।
रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १२१ ।

विशेष—यंत्र, मंत्र तथा विधि तीनों ही दी हुई हैं ।

४२६ प्रत्यंगिरासिद्धिमन्त्रोद्धार..... पत्र सं० ६ । साइज—७½×४ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—मंत्र
शास्त्र । रचनाकाल X । लेखनकाल—सं० १८३६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १११ ।

विशेष—यं० हर्षचन्द्र ने जयपुर में प्रतिलिपि की थी ।

४२७ प्रभावतीकल्प..... पत्र सं० ३ । साइज—१०×५ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—मन्त्रशास्त्र ।
रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ११२ ।

४२८ पुण्याहवाचना..... पत्र सं० ६ । साइज—१०½×५ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—मन्त्र शास्त्र ।
रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १११ ।

४२९ प्रति नं० २ । पत्र सं० ६ । साइज १०½×५ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—उत्तम ।
वेष्टन नं० १११ ।

विशेष—“पुण्याह वाचना का पाठ ग्वालियर में भट्टारक पट्ट स्थापित करने के अवसर पर सकलकीर्ति ने किया था।”

ऐसा उल्लेख किया हुआ है ।

४३० प्रति नं० ३ । पत्र सं० ६ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×५ $\frac{३}{४}$ इञ्च । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १११ ।

४३१ वगुलामुखीपद्धति..... । पत्र सं०-११ । साइज-१२×६ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-मन्त्रशास्त्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ४३२ ।

४३२ भक्तामरचक्रद्विमन्त्रविधि..... । पत्र सं० ८ । साइज १०×५ इञ्च । भाषा-हिन्दी संस्कृत । विषय-मन्त्र शास्त्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १३५ ।

विशेष—मन्त्र और विधि दोनों ही दी हुई हैं ।

४३३ भक्तामरस्तोत्रचक्रद्विमन्त्र..... । पत्र सं० ४८ । साइज ११×६ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-स्तोत्र एवं मन्त्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं०-१३५ ।

विशेष—मन्त्र तथा यन्त्र दोनों दिये हुये हैं । हिन्दी भाषा में प्रत्येक पद्य के मन्त्र सिद्धि से फल को बतलाया गया है ।

४३४ भैरवपद्मावलीकल्प-मल्लिषेयाचार्य । पत्र सं० २६ । साइज १२×५ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-मन्त्रशास्त्र । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १८२६ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १४० ।

विशेष—प्रति सचित्र है ।

४३५ प्रति नं० २ । पत्र सं० ४८ । साइज-११×६ $\frac{३}{४}$ इञ्च । लेखनकाल-सं० १८७६ पौष सुदी ३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १४० ।

४३६ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १५ । साइज-१२×६ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १४० ।

४३७ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ६४ । साइज-६×४ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-साधारण । वेष्टन नं० १४१ ।

विशेष—दो तरह की प्रतियों का सम्मिश्रण है ।

४३८ महामृत्युंजय यन्त्र..... । पत्र सं० १ । साइज १३×५ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-मन्त्रशास्त्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १५० ।

४३९ मायाबीजविधि..... । पत्र सं० २ । साइज-१३×५ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-मन्त्र शास्त्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १५० ।

४४० मन्त्रशास्त्रसंग्रह..... । पत्र सं०..... । साइज-७ $\frac{३}{४}$ ×४ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-मन्त्र शास्त्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ।

४४१ यक्षिणीकल्प..... । पत्र सं० ७० । साइज-६×५ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-मन्त्रशास्त्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६० ।

४४२ योगिनीसाधन..... । पत्र सं० ६ । साइज ८×५ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-मन्त्रशास्त्र ।

रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १५६ ।

४४३ विजयपताकार्यन्त्र..... । पत्र सं० १ । साइज १० $\frac{१}{२}$ X६ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-मंत्र शास्त्र ।

रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६० ।

४४४ विद्यानुवाद-आचार्य मल्लिषेय । पत्र सं० २३= । साइज ११X७ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-

मंत्र शास्त्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । २४ अध्याय तक पूर्ण । शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १७८ ।

विशेष—प्रति सचित्र है ।

४४५ सकलीकरणविधान..... । पत्र सं० ३ । साइज ६ $\frac{१}{२}$ X४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-मन्त्र

शास्त्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २३७ ।

विशेष—जल, नभ, अग्नि और वायु मंडल के चित्र हैं ।

४४६ प्रति नं० २ । पत्र सं० ५३ । साइज-१०X४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य ।

वेष्टन नं० २३७ ।

४४७ सिद्धचक्रमंत्र..... । पत्र सं० ३ । साइज-११X५ इञ्च । ११X५ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-

मन्त्रशास्त्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१३ ।

४४८ सूर्यप्रतापयन्त्र..... । पत्र सं० १ । साइज-१२X६ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-मन्त्रशास्त्र ।

रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २३६ ।

विशेष—मन्त्र तथा होम विधि दोनों की हुई है । मंत्र सचित्र है ।

४४९ हनुमतकवच..... । पत्र सं० ३ । साइज-८X४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-मन्त्र शास्त्र ।

रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४६ ।

४५० प्रति नं० २ । पत्र सं० ६१ । साइज-८X४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल-सं० १=३= । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-

सामान्य । वेष्टन नं० २४६ ।

४५१ हनुमतपटलविधि..... । पत्र सं० ४ । साइज-८X४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-मन्त्रशास्त्र ।

रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । वेष्टन नं० २४६ ।

विषय-छंदशास्त्र

ग्रन्थ संख्या—=

४५२ प्राकृतछन्दकोश..... । पत्र सं० ६ । साइज-१२X६ इञ्च । भाषा-प्राकृत । विषय-छन्दशास्त्र ।

रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण तथा शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ४= ।

विशेष—गाथा संख्या-७७ ।

४५३ वृत्तरत्नाकर-भट्ट केदार । पत्र सं० १४ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-छन्द-शास्त्र । रचनाकाल × । लेखनकाल-सं० १५४१ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १=६ ।

विशेष—प्रति सटीक है । श्री सारंग ज्योतिषी ने प्रतिलिपि की थी ।

४५४ श्रुतबोध-कालिदास । पत्र सं० ११ । साइज-११×४ इंच । विषय-छन्दशास्त्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २७५ ।

४५५ प्रति नं० २ । पत्र सं० १० । साइज-१०×४ इंच । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २७५ ।

४५६ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ६ । साइज-१०×४ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २७५ ।

४५७ प्रति नं० ४ । पत्र सं० १० । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० २७५ ।

४५८ प्रति नं० ५ । पत्र सं० ६ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २७५ ।

४५९ प्रति नं० ६ । पत्र सं० ८ । साइज-११×६ इंच । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २७५ ।

विशेष—प्रति सटीक है ।

विषय-रस एवं अलंकार

ग्रन्थसंख्या-२

४६० वाग्भट्टालंकार-वाग्भट्ट । पत्र सं० १७ । साइज-१०×४ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-अलंकार शास्त्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पंचमपरिच्छेद तक । सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १=६ ।

४६१ रसपीयूष-सोमनाथ । पत्र सं० १२४ । साइज-१०×४ $\frac{१}{२}$ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-अलंकार शास्त्र । रचनाकाल × । लेखनकाल-सं० १८५५ । अपूर्ण-२८ से ३४ एवं १२३ का पत्र नहीं है । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १७० ।

विशेष—महाराजकुमार प्रतापसिंह के लिये ग्रन्थ रचना की गयी थी । भरतपुर में प्रतिलिपि की गयी थी ।

विषय—कामशास्त्र

ग्रन्थसंख्या—१

४६२ कोकशास्त्र..... पत्र सं० ७६ । साइज—७×६ इंच । भाषा—हिन्दी । विषय—कामशास्त्र । रचना—

काल X । लेखनकाल X । पूर्ण तथा अशुद्ध एवं अस्पष्ट । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ३१ ।

विषय—लोकविज्ञान

ग्रन्थसंख्या—४

४६३ त्रिलोकदर्पणकथा—खड्गसेन । पत्र सं० १०१ । साइज—१२×६½ इंच । भाषा—हिन्दी । विषय—

लोक विज्ञान । रचनाकाल सं० १७१३ । लेखनकाल X । पूर्ण तथा शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ५३ ।

४६४ तीनलोक वर्णन..... पत्र सं० ७१ । साइज—१३×५½ इंच । भाषा—हिन्दी । विषय—लोक विज्ञान ।

रचनाकाल—सं० १६८३ । लेखनकाल X । पूर्ण—अशुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० ६१ ।

४६५ तीनलोक रचना..... पत्र सं० २१६ । साइज—६½×५½ इंच । भाषा—हिन्दी । विषय—लोक विज्ञान ।

रचनाकाल—सं० १७७६ । लेखनकाल—सं० १७७६ । पूर्ण—सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ६१ ।

४६६ त्रिलोकसार—आचार्य नेमिचन्द्र । पत्र सं० ७१ । साइज—१२×६ इंच । भाषा—प्राकृत । विषय—लोक

विज्ञान । रचनाकाल X । लेखनकाल—सं० १६१७ अषाढ सुदी ५ । पूर्ण तथा शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ५६ ।

विशेष—सुमतिकीर्ति के शिष्य आचार्य रत्नभूषण ने प्रतिलिपि करवायी थी ।

विषय—सुभाषित

ग्रन्थसंख्या—१४

४६७ कङ्ककार्पेतीसी—गुलाबचन्द । पत्र सं० ५ । साइज—६½×५½ इंच । भाषा—हिन्दी । विषय—सुभाषित ।

रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण तथा सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ५५ ।

४६८ सुष्यदोहा—सुप्रभाचार्य । पत्र सं० २२ । साइज—६×४ इंच । भाषा—प्राकृत । विषय—सुभाषित ।

रचनाकाल X । लेखनकाल—सं० १७८४ आसोज सुदी १ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २६८ ।

विशेष—प्रति सटीक है । संस्कृत में टीका है ।

४६६ चारहखड़ी..... पत्र सं० ६ । साइज— $15 \times 2\frac{1}{2}$ इंच । भाषा—हिन्दी । विषय—सुभाषित । रचना-काल $\times$ । लेखनकाल—सं० १८११ माह वृदी ७ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १३३ ।

४७० प्रति नं० २ । पत्र सं० ३ । साइज— $10\frac{1}{2} \times 2\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल $\times$ । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १३३ ।

४७१ सभोतरंग..... पत्र सं० ३५ । साइज— $11\frac{1}{2} \times 2$ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—सुभाषित । रचनाकाल $\times$ । लेखनकाल $\times$ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २२७ ।

४७२ सिन्दूरप्रकरण—कौसाल बनारसीदास । पत्र सं० ४३ । साइज— $12\frac{1}{2} \times 4\frac{1}{2}$ इंच । भाषा—हिन्दी । विषय—सुभाषित । रचनाकाल सं० १६६१ । लेखनकाल $\times$ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २३६ ।

४७३ सूक्तिमुचतावलि—सोमप्रभ । पत्र सं० १४ । साइज— 10×4 इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—सुभाषित । रचनाकाल $\times$ । लेखनकाल $\times$ । पूर्ण—पद्य सं० १०० । शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २६५ ।

विशेष—प्रति सटीक है टीकाकर—हर्षकीर्ति है ।

४७४ प्रति नं० २ । पत्र सं० ११ । साइज— $10\frac{1}{2} \times 4$ इंच । लेखनकाल $\times$ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २३६ ।

४७५ प्रति नं० ३ । पत्र सं० २८ । साइज— $10 \times 4\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल $\times$ । अपूर्ण—४४ पद्य तक हो है । जीर्ण । वेष्टन नं० २३६ ।

विशेष — प्रति सटीक है ।

४७६ प्रति नं० ४ । पत्र सं० १४ । साइज— 11×4 इंच । लेखनकाल $\times$ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २७३ ।

४७७ सुभाषितार्णव—स० शुभचंद्र । पत्र सं० ७० । साइज $10\frac{1}{2} \times 2\frac{1}{2}$ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—सुभाषित । रचनाकाल $\times$ । लेखनकाल $\times$ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २३० ।

४७८ सुभाषितावली—सकलकीर्ति । पत्र सं० २५ । साइज— $11 \times 2\frac{1}{2}$ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—सुभाषित । रचनाकाल $\times$ । लेखनकाल—सं० १७६५ माघ शुक्ला १ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २२७ ।

विशेष—पं० खुशालचंद ने महाराष्ट्र में प्रतिलिपि की थी ।

४७९ प्रति नं० २ । पत्र सं० २७ । साइज $10\frac{1}{2} \times 4$ इंच । लेखनकाल—सं० १६१८ कार्तिक सुदी २ । अपूर्ण—प्राग्भ के २० पत्र नहीं हैं । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २२७ ।

विशेष—हिसार में साधु महसेन ने प्रतिलिपि बनायी थी ।

४८० सूरतकीचारहखड़ी..... पत्र सं० १ । साइज $9\frac{1}{2} \times 2\frac{1}{2}$ इंच । भाषा—हिन्दी । विषय—सुभाषित । रचनाकाल $\times$ । लेखनकाल—सं० १६५८ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २३४ ।

विषय-नीति

ग्रन्थसंख्या-१०

४८१ नीतिशतक—मर्तुहरि । पत्र सं० २६ । साइज—६×६ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—नीति । रचना—काल × । लेखनकाल—सं० १८१० । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ८६ ।

४८२ प्रति नं० २ । पत्र सं० १८ । साइज—६×६ इंच । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ८६ ।

४८३ नीतिशास्त्र—चाणक्य । पत्र सं० १८ । साइज—१० $\frac{१}{२}$ ×१ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—नीति शास्त्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण तथा शुद्ध । दशा—उत्तम । वेष्टन नं० ४७ ।

४८४ प्रति नं० २ । पत्र सं० ५ । साइज—१०×४ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल—सं० १८६८ । अपूर्ण तथा सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ४७ ।

४८५ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १३ । साइज—१०×४ इंच । लेखनकाल × । पूर्ण तथा सामान्य शुद्ध । दशा—उत्तम । वेष्टन नं० ४७ ।

४८६ प्रति नं० ४ । पत्र सं० २२ । साइज—१० $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल × । अपूर्ण तथा सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ४७ ।

विशेष—संस्कृत पद्यों का हिन्दी में अर्थ दिया हुआ है ।

४८७ प्रति नं० ५ । पत्र सं० १४ । साइज—६ $\frac{१}{२}$ ×४ इंच । लेखनकाल—सं० १७८२ फागुण सुदी ६ । अपूर्ण—१, २, ४ पत्र नहीं है । सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ८६ ।

विशेष—१० पत्र तक हिन्दी में टिप्पणी दे रखी है ।

४८८ पंचतंत्र..... । पत्र सं० १३४ । साइज—६×८ इंच । भाषा—हिन्दी । विषय—नीति शास्त्र । रचना—काल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २६० ।

४८९ पंचोपाख्यान—विष्णुशर्मा । पत्र सं० ३८ । साइज—१३×५ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—राजनीति । रचनाकाल × । लेखनकाल—सं० १८४१ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १०४ ।

विशेष—महारक सुरेन्द्रकीर्ति ने कोटा नगर में प्रतिलिपि की थी ।

४९० हितोपदेश भाषा..... । पत्र सं० ३७ । साइज—१२ $\frac{१}{२}$ ×५ $\frac{१}{२}$ इंच । भाषा—हिन्दी गद्य । विषय—नीति शास्त्र । रचनाकाल × । लेखनकाल सं० १८२८ माघ सुदी १३ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २४६ ।



विषय-स्तोत्र

ग्रन्थ संख्या-१०४

४६१ अजितशांतिस्तवन-नन्दिषेख । पत्र सं. ४ । साइज १०×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा-प्राकृत । विषय-स्तोत्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६ ।

विशेष—प्राकृत से संस्कृत में पर्यायवाची शब्द दिये हुये हैं ।

४६२ अजितस्तवन-जीवराज । पत्र सं० १ । साइज १०×५ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-स्तोत्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १७ ।

४६३ आराधनाप्रतिबोधसार-भ० सकलकीर्ति । पत्र सं० ५ । साइज-१२×६ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-स्तवन । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६ ।

४६४ उपसर्गहरणस्तोत्र-पूर्णचन्द्राचार्य । पत्र सं० ६ । साइज-११×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-स्तोत्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २० ।

विशेष—ग्रन्थित पत्र पर धर्मनंदि कृत प्राकृत भाषा में चतुषष्टियोगिनी स्तोत्र भी है ।

४६५ ऋषिमंडलस्तोत्र-गीतमस्वामी । पत्र सं० ८ । साइज-१३×५ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-स्तोत्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण-पद्य-सं० ८४ । शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २३ ।

विशेष—हिन्दी टीका भी दी हुई है । लेखक जिनदास मालावत हैं ।

४६६ प्रति नं० २ । पत्र सं० १३ । साइज ११×५ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१ ।

४६७ एकीभावस्तोत्रभाषा-भूधरदास । पत्र सं० ५ । साइज-१०×३ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-स्तोत्र । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १६५६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २२ ।

४६८ एकीभावस्तोत्र-वादिराज । पत्र सं० १० । साइज-११×६ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-स्तोत्र । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १८०६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २२ ।

विशेष—अखयराज कृत हिन्दी टीका भी साथ में दी हुई है ।

४६९ प्रति नं० २ । पत्र सं० ६ । साइज-११×५ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २२ ।

विशेष—संस्कृत में शब्दार्थ दिये हुये हैं ।

५०० प्रति नं० ३ । पत्र सं०-४ । साइज-१२×६ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २२ ।

५०१ कल्याणमन्दिरस्तोत्र-कुमुदचंद्र । पत्र सं० ११ । साइज १०×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-स्तोत्र । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १५६० कागुण बुद्धो ६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २७ ।

विशेष—मुनि चरित्रवर्धन कृत संस्कृत टीका है। टीका सुन्दर है। लेखनस्थान—ज्वालियर।

५०२ प्रति नं० २। पत्र सं० ५। साइज-१०×४ $\frac{1}{2}$ इंच। लेखनकाल X। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २७।

५०३ प्रति नं० ३। पत्र सं० १२। साइज-१२ $\frac{1}{2}$ ×३ इंच। लेखनकाल सं०-१८०६ कायूर बुदी १० पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २७।

विशेष—अखयराज कृत हिन्दी भाषा भी दी हुई है।

५०४ प्रति नं० ४। पत्र सं० ६। साइज-८×२ $\frac{1}{2}$ इंच। लेखनकाल X। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-उत्तम। वेष्टन नं० २७।

५०५ प्रति नं० ५। पत्र सं० ६। साइज १२×६ इंच। लेखनकाल X। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २७।

५०६ प्रति नं० ६। पत्र सं० ८। साइज-६×४ $\frac{1}{2}$ इंच। लेखनकाल सं० १६४३ पैष शुक्ला १३। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २८।

विशेष—प्रति सटीक है। टीका संस्कृत में है।

५०७ प्रति नं० ७। पत्र सं० ४। साइज-८ $\frac{1}{2}$ ×२ इंच। लेखनकाल X। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २८।

५०८ प्रति नं० ८। पत्र सं० ६। साइज-१२×२ $\frac{1}{2}$ इंच। लेखनकाल X। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २८।

५०९ क्षेत्रपालस्तोत्र.....। पत्र सं० २। साइज-७ $\frac{1}{2}$ ×२ इंच। भाषा-संस्कृत। विषय-स्तोत्र। रचना-काल X। लेखनकाल X। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २६१।

५१० क्षेत्रपालस्तोत्र.....। पत्र सं० १३। साइज ११×२ $\frac{1}{2}$ इंच। भाषा-संस्कृत। विषय-स्तोत्र। रचनाकाल X। लेखनकाल X। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २६२।

५११ चतुर्विंशतिजिनस्तुति-भावनेदि। पत्र सं० ३। साइज-११×२ इंच। भाषा-संस्कृत। विषय-स्तोत्र। रचनाकाल X। लेखनकाल X। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २८३।

विशेष—पद्य संख्या २५।

५१२ जिनअष्टोत्तरशतनाम.....। पत्र सं० २। साइज-८×६ इंच। भाषा-संस्कृत। विषय-स्तोत्र। रचनाकाल X। लेखनकाल X। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ५४।

५१३ जिनपञ्जरस्तोत्र-कमलप्रभसूरि। पत्र सं० २। साइज-१० $\frac{1}{2}$ ×४ $\frac{1}{2}$ इंच। भाषा-संस्कृत। विषय-स्तोत्र। रचनाकाल X। लेखनकाल X। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ५०।

५१४ जिनसहस्रनाम-जिनसेनाचार्य। पत्र सं० ८३। साइज-११×२ $\frac{1}{2}$ इंच। भाषा-संस्कृत। विषय-

स्तोत्र । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १=०२ । अपूर्ण एवं अशुद्ध-प्रारम्भ के ५० पत्र नहीं हैं । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २६५ ।

विशेष—प्रति सटीक है ।

५१५ प्रति नं० २ । पत्र सं० १२ । साइज =X२ इञ्च । लेखनकाल सं० १६६= । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जर्ण । वेष्टन नं० २६५ ।

५१६ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १७ । साइज ६ $\frac{1}{2}$ X४ $\frac{1}{2}$ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ५३ ।

५१७ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ७ । साइज १० $\frac{1}{2}$ X२ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ५३ ।

५१८ दधिपत्रेशस्तोत्र..... । पत्र सं० १ । साइज-१०X४ $\frac{1}{2}$ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-स्तोत्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ७२ ।

विशेष—३ पद्यों का संस्कृत में जिनप्रभाचार्य का सरस्वती स्तोत्र भी है ।

५१९ दर्शनपाठ..... । पत्र सं० २ । साइज-११X५ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-स्तवन । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ७४ ।

५२० दोषापहारस्तोत्र-जिनप्रभमूरि । पत्र सं० ४ । साइज १० $\frac{1}{2}$ X४ $\frac{1}{2}$ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-स्तोत्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ७२ ।

विशेष—इस प्रति में नवग्रह स्तोत्र भी है ।

५२१ धर्मचाह..... । पत्र सं० २ । साइज-2X४ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-स्तुति । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण तथा शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ७६ ।

५२२ निर्वाणकाण्डभाषा-भैरव्या मगवतीदास । पत्र सं० ६ । साइज-४ $\frac{1}{2}$ X३ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-स्तवन । रचनाकाल-सं० १७४१ । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८८ ।

५२३ प्रति नं० २ । पत्र सं० ६ । साइज-2 $\frac{1}{2}$ X४ इञ्च । लेखनकाल-सं० १७५४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८६ ।

५२४ पद्मावतीस्तोत्र..... । पत्र सं० ११ । साइज-११X४ $\frac{1}{2}$ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-स्तोत्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १२० ।

५२५ पद्मावतीस्तोत्र..... । पत्र सं० ४ । साइज-११X५ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-स्तोत्र । रचना-काल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १२० ।

विशेष—पद्य संख्या २७ ।

५२६ पद्मावतीस्तोत्र..... । पत्र सं० ४ । साइज-७ $\frac{1}{2}$ X५ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-स्तोत्र । रचना-

स्तोत्र]

काल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १२१ ।

५२७ प्रति नं० २ । पत्र सं० ४ । साइज-११X५ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण ।

वेष्टन नं० १२१ ।

५२८ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ४ । साइज-१२X५ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण ।

वेष्टन नं० १२१ ।

५२९ पार्श्वनाथस्तोत्र..... । पत्र सं० २ । साइज-११X५ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-स्तोत्र ।

रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १२८ ।

५३० पार्श्वनाथस्तोत्र..... । पत्र सं० ८ । साइज-६X४ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-स्तोत्र । रचना-

काल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २६० ।

५३१ पार्श्वनाथस्तोत्र..... । पत्र सं० २ । साइज-११X५ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-स्तोत्र ।

रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १०२ ।

विशेष—पद्य संख्या ३३ ।

५३२ पार्श्वनाथस्तोत्र..... । पत्र सं० २ । साइज ११X५ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-स्तोत्र ।

रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १८४८ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १०२ ।

विशेष—यमकबंध स्तोत्र है । संस्कृत में टीका दी हुई है । भट्टारक महेन्द्रकीर्ति ने स्तोत्र की प्रतिलिपि की थी ।

५३३ पार्श्वनाथस्तोत्र-द्यानतराय । पत्र सं०-१ । साइज-१०X४ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-स्तोत्र ।

रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १२० ।

५३४ पंचस्तोत्र सटीक । टीकाकार-नागचंद्रसूरि । पत्र सं० १०८ । साइज १२X६ इञ्च । भाषा-संस्कृत ।

विषय-स्तोत्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १०६ ।

५३५ प्रति नं० २ । पत्र सं० २० । साइज-११X५ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य ।

वेष्टन नं० १०६ ।

विशेष—ग्रन्थ में सहस्रनाम स्तोत्र भी है लेकिन वह अपूर्ण है ।

५३६ भक्तामरस्तोत्रभाषा-हेमराज । पत्र सं० ११ । साइज ५X४ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-स्तोत्र ।

रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १६६६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १३५ ।

५३७ भक्तामरस्तोत्रसटीक..... । पत्र सं० ४२ । साइज ७ इञ्च X५ इञ्च । भाषा-संस्कृत-हिन्दी । रचनाकाल X ।

लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १३५ ।

५३८ भक्तामरस्तोत्र-मानवुंगाचार्य । पत्र सं० ४२ । साइज १२X६ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-स्तोत्र ।

रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १३८ ।

विशेष—हिन्दी टीका सहित है ।

५३६ भक्तामरस्तोत्र-मानवुंगाचार्य । पत्र सं० १० । साइज =X४ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-स्तोत्र
रचनाकाल-X । लेखनकाल-सं० १=०३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १३६ ।

विशेष—हिन्दी अर्थ सहित है ।

५४० प्रति नं० २ । पत्र सं० ११ । साइज-११X५ इञ्च । लेखनकाल-सं० १६११ ईश्व बुदी ११ । अपूर्ण
एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १३६ ।

५४१ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ३१ । साइज-१०X४ इञ्च । लेखनकाल सं० १७५१ । पूर्ण एवं शुद्ध ।
दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १३६ ।

विशेष—प्रति सटीक है । टीकाकार श्री मेघदिजयप्रभ है ।

५४२ भक्तामरस्तोत्र-मानवुंगाचार्य । पत्र सं० २४ । साइज-१०^१/_२X७ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-स्तोत्र ।
रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १३४ ।

विशेष—सुनहरी अक्षरों में लिखी हुई है ।

५४३ प्रति नं० २ । पत्र सं० ६ । साइज-८X४ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य ।
वेष्टन नं० १३४ ।

५४४ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ५ । साइज ८X५^१/_२ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य ।
वेष्टन नं० १३४ ।

५४५ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ३ । साइज =X= इञ्च । लेखनकाल X । दशा-सामान्य । पूर्ण एवं शुद्ध ।
वेष्टन नं० १३४ ।

५४६ प्रति नं० ५ । पत्र सं० ५ । साइज १२X८ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य ।
वेष्टन नं० १३४ ।

५४७ प्रति नं० ६ । पत्र सं० १० । साइज-११X५ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य ।
वेष्टन नं० १३४ ।

५४८ प्रति नं० ७ । पत्र सं० ४ । साइज-१२^१/_२X५^१/_२ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य ।
वेष्टन नं० १३४ ।

विशेष—प्रति सटीक है ।

५४९ प्रति नं० ८ । पत्र सं० ८ । साइज-११X=^१/_२ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य ।
वेष्टन नं० १३४ ।

५५० भक्तामरस्तोत्रटीका-समयसुन्दरोपाध्याय । पत्र सं० १३ । साइज-११X५ इञ्च । भाषा-संस्कृत ।
विषय-स्तोत्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १३६ ।

५५१ भक्तामरस्तोत्रटीका-ब्रह्म रायमल्ल । पत्र सं० ३६ । साइज १२X५ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-

स्तोत्र । टीकाकाल सं० १६६७ । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १३७ ।

५५२ प्रति नं० २ । पत्र सं० ५० । साइज १२X५ इंच । लेखनकाल-सं० १७८२ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १३८ ।

५५३ भयहरस्तोत्र..... । पत्र सं० १४ । साइज-१०^३/_४X५ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-स्तोत्र । रचना-काल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १४१ ।

विशेष—आचार्य गोविन्द कृत अजितशक्ति स्तोत्र भी है ।

५५४ भूपालचतुर्विंशतिस्तोत्र-भूपाल कवि । पत्र सं० ३ । साइज १२X४^३/_४ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-स्तोत्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १३६ ।

५५५ प्रति नं० २ । पत्र सं० ५ । साइज-१२X५ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १३६ ।

विशेष—प्रति सटीक है ।

५५६ भैरवाष्टक..... । पत्र सं० १ । साइज-१०X४^३/_४ इंच । भाषा- संस्कृत । विषय-स्तोत्र । रचना-काल X । लेखनकाल-सं० १८२४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १४१ ।

५५७ महावीरपार्श्वनाथस्तवन..... । पत्र सं० २ । साइज-८X६^३/_४ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-स्तवन । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १४७ ।

विशेष—हिन्दी अर्थ सहित है ।

५५८ रोगापहारस्तोत्र..... । पत्र सं० २ । साइज-६X४ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-स्तोत्र । रचना-काल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १७० ।

५५९ लक्ष्मीस्तोत्र-पद्मप्रभदेव । पत्र सं० १ । साइज १०^३/_४X५ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-स्तोत्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १७५ ।

५६० प्रति नं० २ । पत्र सं० १ । साइज १२X५^३/_४ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १७५ ।

विशेष—प्रति सटीक है । टीकाकार श्री मुनिभूषण है ।

५६१ लक्ष्मीस्तोत्र भाषा..... । पत्र सं० ३ । साइज-१०^३/_४X५^३/_४ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-स्तोत्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १७५ ।

५६२ वसुधारास्तोत्र..... । पत्र सं० ८ । साइज-६X५ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-स्तोत्र । रचना-काल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १८७ ।

५६३ विषापहारस्तोत्र-धनंजय । पत्र सं० १३ । साइज-१०^३/_४X४^३/_४ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-स्तोत्र । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १८०६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १८६ ।

विशेष—प्रति सटीक है। टीका संस्कृत में है।

५६४ प्रति नं० २। पत्र सं० १०। साइज—१२×१५ इंच। लेखनकाल—सं० १८०५ कागुण सुदी ६। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—जीर्ण। वेष्टन नं० १८६।

विशेष—अक्षयराज श्रीमाल कृत हिन्दी टीका सहित है।

५६५ प्रति नं० ३। पत्र सं० १६। साइज—१२×१५ इंच। लेखनकाल—सं० १८०५ कागुण सुदी ६। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० २८६।

विशेष—अक्षयराज श्रीमाल कृत हिन्दी टीका सहित है।

५६६ त्रिपापहारस्तोत्र भाषा—आचार्य अचलकीर्ति। पत्र सं० ६। साइज—८×१२ इंच। भाषा—हिन्दी। विषय—स्तोत्र। रचनाकाल—सं० १७१५। लेखनकाल—सं० १७१५। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० १८७।

विशेष—नारनौल शहर में स्तोत्र की भाषा की गयी थी।

५६७ प्रति नं० २। पत्र सं० ३। साइज—८×१२ इंच। पूर्ण एवं अशुद्ध। दशा—जीर्ण। वेष्टन नं० १८७।

५६८ त्रिपापहारस्तोत्र भाषा—कवि शांतिदास। पत्र सं० ६। साइज—८×१२ इंच। भाषा—हिन्दी। विषय—स्तोत्र। रचनाकाल—सं० १७१५। लेखनकाल—सं० १७१५। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—उत्तम। वेष्टन नं० १८७।

५६९ वंदना जगन्नी—बुधजन। पत्र सं० ४। साइज—१२×१२ इंच। भाषा—हिन्दी। विषय—स्तुति। रचनाकाल—सं० १८०५। लेखनकाल—सं० १८०५। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० १८७।

५७० शान्तिस्तोत्र (लघु) पत्र सं० १४। साइज—१०×१२ इंच। भाषा—संस्कृत। विषय—स्तोत्र। रचनाकाल—सं० १८०५। लेखनकाल—सं० १८०५। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—उत्तम। वेष्टन नं० २०२।

विशेष—पं० स्वरूपचन्द्रजी ने अपने शिष्य सदाशिव के पढ़ने के लिये की प्रतिलिपि थी।

५७१ शान्तिस्तोत्र पत्र सं० ३। साइज—१२×१२ इंच। भाषा—संस्कृत। विषय—स्तोत्र। रचनाकाल—सं० १८०५। लेखनकाल—सं० १८०५। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० २०२।

५७२ शिखरविलास—भागचंद। पत्र सं० ७। साइज—१२×१२ इंच। भाषा—हिन्दी। विषय—स्तोत्र। रचनाकाल—सं० १८०५। लेखनकाल—सं० १८०५। पूर्ण—पद्य—संख्या ११८। सामान्य शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० ३६।

५७३ समवसरणस्तोत्र—विष्णुसेन। पत्र सं० ७। साइज—१२×१२ इंच। भाषा—संस्कृत। विषय—स्तोत्र। रचनाकाल—सं० १८०५। लेखनकाल—सं० १८०५। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० २१६।

विशेष—हिन्दी में अर्घ दिया हुआ है।

५७४ सरस्वतीस्तोत्र पत्र सं० १। साइज—१२×१२ इंच। भाषा—संस्कृत। विषय—स्तोत्र। रचनाकाल—सं० १८०५। लेखनकाल—सं० १८०५। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० २३८।

विशेष—स्तोत्र मंत्र सहित है। गायत्री पाठ भी इसमें है।

५७५ सरस्वतीस्तोत्र पत्र सं० १। साइज—१०×१२ इंच। भाषा—संस्कृत। विषय—स्तोत्र। रचनाकाल—सं० १८०५। लेखनकाल—सं० १८०५। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० २३८।

काल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २३७ ।

विशेष—पार्श्वनाथस्तोत्र तथा वृद्धस्पति स्तोत्र भी है ।

५७६ प्रति नं० २ । पत्र सं० २ । साइज— $1\frac{1}{2} \times 2\frac{1}{2}$ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य ।

वेष्टन नं० २३७ ।

विशेष—पद्य सं० १३ । स्तोत्र संज्ञा गमित है ।

५७७ सहस्रनामस्तोत्र..... । पत्र सं० १३ । साइज— $1\frac{1}{2} \times 2\frac{1}{2}$ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—स्तोत्र ।

रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं अशुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० २३४ ।

५७८ स्वयंभूस्तोत्र—समंतभद्राचार्य । पत्र सं० १४ । साइज— $1\frac{1}{2} \times 2$ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—स्तोत्र ।

रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २३५ ।

विशेष—प्रति सटीक है । टीका संस्कृत में है ।

५७९ प्रति नं० २ । पत्र सं० १८ । साइज $1\frac{1}{2} \times 2$ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—जीर्ण ।

वेष्टन नं० २३६ ।

विशेष—प्रति सटीक है । टीका संस्कृत में है ।

५८० प्रति नं० ३ । पत्र सं० १६ । साइज $1\frac{1}{2} \times 2$ इञ्च । लेखनकाल—सं० १८६० आषाढ मृदी ७ ।

पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—उत्तम । वेष्टन नं० २३५ ।

५८१ सामायिकपाठ—बहुमुनि । पत्र सं० १६ । साइज— $1\frac{1}{2} \times 2\frac{1}{2}$ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—स्तोत्र ।

रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण तथा सामान्य शुद्ध । दशा—उत्तम । वेष्टन नं० २४१ ।

५८२ प्रति नं० २ । पत्र सं० ११ । साइज— $1\frac{1}{2} \times 2$ इञ्च । लेखनकाल—सं० १८३६ । पूर्ण एवं शुद्ध ।

दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २४१ ।

५८३ सिद्धप्रियस्तोत्र—देवनदि । पत्र सं० ४ । साइज— $1\frac{1}{2} \times 2$ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—स्तोत्र । रचना—

काल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २३६ ।

५८४ प्रति नं० २ । पत्र सं० १३ । साइज— $1\frac{1}{2} \times 2\frac{1}{2}$ इञ्च । लेखनकाल—सं० १८०६ फागुण मृदी ५ ।

पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—उत्तम । वेष्टन नं० २३६ ।

विशेष—ऋषिराज कृत हिन्दी टीका भी है । जयपुर में श्री गुलाबचंद मौसा ने प्रतिलिपि की थी ।

५८५ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ६ । साइज— $1\frac{1}{2} \times 2$ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य

वेष्टन नं० २३६ ।

विशेष—हिन्दी में कहीं २ शब्दार्थ दिया हुआ है । इस प्रति में २६ पद्य हैं जबकि उक्त दोनों में २५ पद्य हैं ।

५८६ सिद्धस्तवन—चन्द्रकोटि । पत्र संख्या २ । साइज— $1\frac{1}{2} \times 2\frac{1}{2}$ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—स्तोत्र ।

रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—उत्तम । वेष्टन नं० २१४ ।

५८७ स्तुतिपाठ..... पत्र सं० २ । साइज-११ $\frac{1}{2}$ X ५ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-स्तोत्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६१ ।

५८८ स्तोत्रसंग्रह..... पत्र सं० ८ । साइज-८ $\frac{1}{2}$ X ५ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-स्तोत्र । रचना-काल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४५ ।

विशेष—सर्वचैत्यवर्द्धन ज्वालामालिनीस्तोत्र, पार्श्वनाथस्तोत्र एवं जेठपलस्तोत्र हैं ।

५८९ स्तोत्रसंग्रह-संग्रहकर्ता-फतेहराम लुहाडिया । पत्र सं० ११० । साइज १० $\frac{1}{2}$ X ५ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-स्तोत्र । रचनाकाल X । लेखनकाल सं०-१८५१ माघ शुक्ला १४ । पूर्ण एवं शुद्ध । वेष्टन नं० २५४ ।

विशेष—जयपुर में सवाईराम ने प्रतिलिपि करवाई थी ।

५९० स्तोत्रसंग्रह..... पत्र सं० ५ । साइज-८ $\frac{1}{2}$ X ४ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-स्तोत्र । रचना-काल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २३३ ।

विशेष—पद्मावती स्तोत्र एवं भारती स्तोत्र हैं ।

५९१ प्रति नं० २ । पत्र सं० २० । साइज-१२ X ५ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २३३ ।

विशेष—५ स्तोत्रों का संग्रह है ।

५९२ हनुमतसहस्रनाम..... पत्र सं० ६ । साइज-८ X ४ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-स्तोत्र । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १८३० । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४६ ।

विशेष—जयपुर में महाराजा प्रतापसिंह के शासनकाल में श्री हर्षचन्द्र दायडा ने प्रतिलिपि की थी ।

५९३ हनुमतस्तोत्र..... पत्र सं० १ । साइज १२ X ५ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-स्तोत्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २५० ।

विशेष—हनुमानजी का चित्र बना कर उनके अंगोंपांज पर मंत्र लिखा हुआ है । मन्त्रसिद्धि तथा फल भी लिखा हुआ है ।

५९४ हनुमतस्तोत्र..... पत्र सं० ६ । साइज ८ X ४ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-स्तोत्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४६ ।

विशेष—स्तोत्र ब्रह्मांडपुराण में से लिखा गया है ।



विषय-पूजा साहित्य

ग्रन्थसंख्या १६२

५६५ अनन्तचतुर्दशीपूजा..... पत्र सं० १३ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×२ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण-अन्तिम पत्र नहीं है । शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १३ ।

५६६ अनन्तनाथपूजा-श्री मूषण । पत्र सं० १ । साइज-११×५ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १४ ।

५६७ प्रति नं० २ । पत्र सं० १ । साइज-११×४ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १४ ।

५६८ अनन्तव्रतोद्यापनपूजा-आचार्य मूषण । पत्र सं० २२ । साइज-११×४ $\frac{१}{२}$ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १८१६ । अपूर्ण-२१ का पत्र नहीं है । शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १२ ।

५६९ प्रति नं० २ । पत्र सं० = । साइज-११×६ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १३ ।

६०० अनन्तव्रतोद्यापनपूजा-भट्टारक गुणभट्ट । पत्र सं० ४४ । साइज १५×५ $\frac{१}{२}$ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १८७१ आसोज बुदी १० । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १२ ।

विशेष—दो प्रकार की प्रतियों का सम्मिश्रण है ।

६०१ प्रति नं० २ । पत्र सं० २६ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×५ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल-सं० १८८६ भाद्रपद बुदी ६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १२ ।

६०२ प्रति नं० ३ । पत्र सं०-२६ । साइज-१२×५ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १२ ।

६०३ अभिषेकविधि-(बृहद्) श्री अर्हद्देव । पत्र सं० ६३ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण-प्रथम २ पत्र नहीं है । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६ ।

विशेष—१० पत्र तक जिनसहस्रनाम स्तवन है दो प्रकार की लिपियां हैं । कहीं २ संस्कृत में पर्यायवाची शब्द दिये हुये हैं ।

६०४ अभिषेकविधि-अभयनन्दि । पत्र सं० ७ । साइज ११×५ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० २५७ ।

६०५ अभिषेकविधि..... पत्र सं० २ । साइज-१०×४ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६ ।

६०६ अभिषेकविधि—(बृहद्) आशाधर । पत्र सं० १५ । साइज—११×४½ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ६ ।

६०७ अभिषेकविधि..... । पत्र सं० ८ । साइज—१०½×४½ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल—सं० १=१३ अषाढ सुदी १५ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ६ ।

विशेष—पं. संपत्तिराम ने प्रतिलिपि की थी ।

६०८ अभिषेकसामग्री..... । पत्र सं० ३ । साइज—१०½×१ इंच । भाषा—हिन्दी । विषय—अभिषेक में काम आने वाली सामग्री का वर्णन । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १५७ ।

६०९ अष्टाह्निकापूजा..... । पत्र सं० ८ । साइज—११×४ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १८ ।

विशेष—श्री पं. नन्ददास ने बादशाह फत्तकशाह के शासनकाल में मकमुदाबाद में प्रतिलिपि की थी ।

६१० अष्टाह्निकापूजा..... । पत्र सं० ८ । साइज—१२×६ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १८ ।

विशेष—उत्तर दिशा के ११ चैत्याख्यों की पूजा है ।

६११ अष्टाह्निकापूजा—धानतराय । पत्र सं० ३ । साइज—११×१ इंच । भाषा—हिन्दी । विषय—पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १८ ।

६१२ प्रति सं० २ । पत्र सं० ३ । साइज—११×१ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १८ ।

६१३ अष्टाह्निकापूजा—कनककीर्ति । पत्र सं० ८ । साइज—१८×१ इंच । भाषा—प्राकृत । विषय—पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—उत्तम । वेष्टन नं० २८ ।

६१४ प्रति नं० २ । पत्र सं० ५ । साइज—६×४ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० १८ ।

६१५ अष्टाह्निकात्रतोद्यापनपूजा—कनककीर्ति । पत्र सं० ११ । साइज—२×४½ इंच । भाषा—प्राकृत । विषय—पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल—सं० १=१३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १४ ।

६१६ अष्टाह्निकात्रतोद्यापनपूजा..... । पत्र सं० १७ । साइज—१०½×४½ इंच । भाषा—प्राकृत—संस्कृत । विषय—पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल—X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १४ ।

विशेष—अन्तिम पत्र पर हिन्दी में नन्दीश्वर द्वीप का वृत्तान्त दे रखा है ।

६१७ अक्षयदशमीपूजा..... । पत्र सं० १५ । साइज—१०×१ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १७ ।

विशेष—अनन्तव्रतकथा तथा व्येष्टजिनवरकथा भी है।

६१८ इन्द्रध्वजपूजा—भट्टारक विश्वभूषण । पत्र सं० ८० । साइज-११×५^३/_४ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—उत्तम । वेष्टन नं० १७ ।

६१९ ऋषिहंशलपूजा—ज्ञानभूषण । पत्र सं० १५ । साइज-११×५^३/_४ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १७ ।

६२० कंजिकात्रतोद्यापनपूजा—मुनि ललितकीर्ति । पत्र सं० ६ । साइज-१०^३/_४×५ इञ्च । भाषा—प्राकृत । विषय—पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल—सं० १७५१ चैत्र सुदी ८ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २५ ।

विशेष—यह प्रति जयकीर्ति को भेंट दी गयी थी ।

६२१ कवलचंद्राद्यापूजा—श्री देवेन्द्रकीर्ति । पत्र सं० ४ । साइज-१२×५^३/_४ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २५ ।

६२२ कर्मचूरत्रतोद्यापन—भट्टारक लक्ष्मीसेन । पत्र सं० ६ । साइज-११×५ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—उत्तम । वेष्टन नं० २३ ।

६२३ कर्मदहनपूजा—भ० सोमदत्त । पत्र सं० १२ । साइज-१२×४^३/_४ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल—सं० १८१८ भाद्रवा सुदी १ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २३ ।

विशेष—लेखनस्थान—जयपुर ।

६२४ प्रति नं० २ । पत्र सं० २६ । साइज-११^३/_४×५ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २३ ।

६२५ कल्याणगुणमाला—भ० शुभचन्द्र । पत्र सं० १७ । साइज-११×४^३/_४ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—पूजा । रचनाकाल । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २३ ।

६२६ कल्याणमन्दिर पूजा—सुरेन्द्रकीर्ति । पत्र सं० ७ । साइज-१०^३/_४×५ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—पूजा । रचनाकाल—सं० १८४२ । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—उत्तम । वेष्टन नं० २५ ।

६२७ कलिकुंडपूजा—भ० प्रभाचन्द्र । पत्र सं० ६ । साइज-११×५ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २४ ।

६२८ प्रति नं० २ । पत्र सं० ५ । साइज-११×५ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २४ ।

विशेष—कलिकुंड यंत्र विधान भी है ।

६२९ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ३ । साइज-८^३/_४×४^३/_४ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २४ ।

६३० प्रति नं० ४ । पत्र सं० ५ । साइज-११×५ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य ।
वेष्टन नं० २४ ।

६३१ प्रति नं० ५ । पत्र सं० ५ । साइज- 2×4 इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य ।
वेष्टन नं० २४ ।

६३२ कांजीचौसठपूजा-शिवकुमार । पत्र सं० १३ । साइज- $10 \frac{1}{2} \times 6 \frac{1}{2}$ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-
पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १०३३ जेठ बुदी = । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । वेष्टन नं० २५ ।
विशेष—वृन्दावन में प्रतिलिपि की गयी थी ।

६३३ क्षेत्रपाल पूजा..... । पत्र सं० ४ । साइज- 11×5 इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचना-
काल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २६२ ।

६३४ क्षेत्रपालपूजा-विश्वसेन । पत्र सं० १३ । साइज- 11×5 इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा ।
रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २६२ ।

६३५ गणधरबलयपूजा-महाराज प्रभाचन्द्र । पत्र सं० ८३ । साइज- 8×5 इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-
पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण—प्राग्भ के ७ पत्र नहीं हैं । शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २६३ ।

६३६ गणधरबलयपूजा..... । पत्र सं० ६ । साइज- 11×5 इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा ।
रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २३ ।

६३७ गुरुपूजा-ब० जिनदास । पत्र सं० ४ । साइज- 2×4 इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-पूजा ।
रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४ ।

६३८ चतुर्विंशतिजिनपूजा..... । पत्र सं० ५३ । साइज- $10 \times 8 \frac{1}{2}$ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा ।
रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३८ ।

६३९ चतुर्विंशतिजिनपूजा..... । पत्र सं० ४३ । साइज- 11×5 इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा ।
रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १८=६ माघ सुदी १३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३८ ।

६४० चतुर्विंशतिजिनपूजा..... । पत्र सं० ३० । साइज- 10×6 इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा ।
रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण—अन्तिम एक पत्र नहीं है । सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य ।
विशेष—पूजाओं की जयमाला प्राकृत में है ।

६४१ चतुर्विंशतितीर्थंकरपूजा..... । पत्र सं० ५० । साइज 10×5 इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा ।
रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २८२ ।

६४२ चन्दनषष्टिब्रतोद्यापन-शर्मदेव । पत्र सं० ५ । साइज- 10×5 इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा ।
रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० ४० ।

६४३ चन्दनषष्टिब्रतोद्यापन..... । पत्र सं० १० । साइज $11 \times 8 \frac{1}{2}$ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा ।

रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ४० ।

६४४ चन्दनषष्टित्रतोद्यापनपूजा-श्री विजयकीर्ति । पत्र सं० ६ । साइज-१०X४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १=३= आषाढ बुदी ५ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ४० ।

विशेष—चन्दनषष्टित्रत के मंडल का चित्र भी दिया हुआ है । चित्र सुन्दर है ।

६४५ चौबीसतीर्थकरपूजा-रामचन्द्र । पत्र सं० ६३ । साइज ११X५ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३७ ।

६४६ प्रति नं० २ । पत्र सं० ७८ । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३७ ।

६४७ चौबीसतीर्थकरपूजा-श्री कृन्दावन । पत्र सं० ६१ । साइज-११X७ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३६ ।

६४८ प्रति नं० २ । पत्र सं० ६७ । साइज-१२X८ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३६ ।

६४९ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ६६ । साइज-११ $\frac{१}{२}$ X८ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३६ ।

६५० चौबीसतीर्थकरपूजा-सेवाराज । पत्र सं० ५५ । साइज ६X६ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-पूजा । रचनाकाल सं० १=२४ मंगसिर बुदी ८ । लेखनकाल सं० १=६६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० ३७ ।

६५१ चौसठ्छट्पूजा-स्वरूपचन्द्र । पत्र सं० २३ । साइज-११X८ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-पूजा । रचनाकाल-सं० १६१० । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० ३६ ।

विशेष—अन्तिम पत्र पर मंडल विधि दी हुई है ।

६५२ प्रति नं० २ । पत्र सं० २६ । साइज-११X८ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३६ ।

६५३ जम्बूद्वीपपूजा-बल्लभ जिनदास । पत्र सं० २३ । साइज-१२X५ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १=१८ भाद्रवा सुदी ४ । पूर्ण तथा शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ४६ ।

६५४ जिनशासनदेशपूजा-म० विश्वसेन । पत्र सं० २७ । साइज-११ $\frac{१}{२}$ X५ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण तथा सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ४६ ।

विशेष—तीन प्रतियों के पत्र मिलाकर एक प्रति की गयी है ।

६५५ जिनसंपत्तिव्रतपूजा-म० देवेन्द्रकीर्ति । पत्र सं० ३ । साइज-११X५ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण तथा सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ४६ ।

६५६ ज्येष्ठजिनवरव्रतपूजा..... । पत्र सं० ७ । साइज-६ $\frac{१}{२}$ X५ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण तथा सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ४६ ।

६५७ एमोकारपैतृसीपूजा..... पत्र सं० ५ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×२ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ५६ ।

६५८ गुमोकारपैतृसीपूजा..... पत्र सं० ४ । साइज-१२×६ इंच । भाषा-प्राकृत । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ५६ ।

६५९ एमोकारपंचविशतिकापूजा..... पत्र सं० ४ । साइज ११ $\frac{१}{२}$ ×२ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २६६ ।

६६० दशलक्षजयमाल..... पत्र सं०-६ । साइज-१०×२ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० २६८ ।

६६१ दशलक्ष पूजा..... पत्र सं० ६ । साइज १२×६ इंच । भाषा-प्राकृत-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण तथा सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६९ ।

६६२ प्रति नं० २ । पत्र सं० ५ । साइज-६×४ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण तथा शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६९ ।

६६३ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १ । साइज-११×२ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण तथा शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६९ ।

विशेष—प्राकृत से संस्कृत में पर्यायवाची शब्द दिये हुये हैं ।

६६४ दशलक्षपूजा-पं० रघु । पत्र सं० ४ । साइज-११×२ $\frac{१}{२}$ इंच । भाषा-अपभ्रंश । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण तथा शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० ६९ ।

विशेष—अपभ्रंश से संस्कृत में पर्यायवाची शब्द दिये हुये हैं । लेखनस्थान-जयपुर ।

६६५ दशलक्षव्रतोद्यापन पूजा-सुमत्तिसागर । पत्र सं० १० । साइज-१२×२ $\frac{१}{२}$ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण-अन्तिम पत्र नहीं है । शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६८ ।

६६६ प्रति नं० २ । पत्र सं० १३ । साइज-१२×२ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण-अन्तिम पत्र नहीं है । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६८ ।

६६७ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ६१ । साइज-१०×४ इंच । पूर्ण तथा अशुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६८ ।

६६८ दशलक्षव्रतोद्यापन पूजा..... पत्र सं० ३१ । साइज-१२×६ $\frac{१}{२}$ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १६५३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० ६८ ।

विशेष—जयपुर में पं० लूणकरणजी के मन्दिर में शास्त्र की प्रतिलिपि हुई थी ।

६६९ प्रति नं० २ । पत्र सं० ४६ । साइज-११×२ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल-सं० १६४६ । पूर्ण तथा सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६८ ।

विशेष—लेखनस्थान जगपुर ।

६७० देवपूजा..... पत्र सं० १ । साइज—११×५ इंच । भाषा—प्राकृत । विषय—पूजा । रचनाकाल × ।

लेखनकाल × । पूर्ण तथा शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ७० ।

विशेष—पर्यायवाची शब्दों के अतिरिक्त संस्कृत में टीका भी दी हुई है । २४ तीर्थंकरों की केवल जगमाला ही है ।

६७१ प्रति नं० २ । पत्र सं० ४ । साइज १०×४½ इंच । लेखनकाल × । पूर्ण तथा शुद्ध । दशा—सामान्य ।

वेष्टन नं० ७० ।

विशेष—पूजा का दूसरा नाम चतुर्विंशतितीर्थंकर पूजा भी है । पूजा के अन्त में चैत्यालय बंदना का पाठ और है ।

६७२ धर्मचक्रपूजा—यशोनंदि । पत्र सं० २२ । साइज १२×२½ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—पूजा ।

रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण तथा सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ७५ ।

६७३ नवग्रहपूजा..... पत्र सं० ६ । साइज—११×५ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—पूजा । रचना—

काल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ८५ ।

विशेष—अन्तिम पत्र पर नवग्रहमंडल के तीन चित्र दिये हुये हैं ।

६७४ नवग्रहपूजा..... पत्र सं० १ । साइज—११×४½ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—पूजा । रचना—

काल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ८५ ।

विशेष—भद्रबाहु कृत नवग्रह पाठ भी दिया हुआ है ।

६७५ प्रति नं० २ । पत्र सं० १ । साइज—१०×५ इंच । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य ।

वेष्टन नं० ८५ ।

६७६ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १ । साइज १०×५ इंच । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य ।

वेष्टन नं० ८५ ।

६७७ नवग्रहपूजा..... पत्र सं० १० । साइज—११½×५ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—पूजा । रचना—

काल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ८४ ।

विशेष—भद्रबाहु मुनि कृत नवग्रह स्तोत्र तथा ग्रह विसर्जन मंत्र भी है ।

६७८ प्रति नं० २ । पत्र सं० ४ । साइज ११×४½ इंच । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य ।

वेष्टन नं० ८४ ।

६७९ नवग्रहपूजा..... पत्र सं० ६ । साइज ११×६ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—पूजा । रचनाकाल × ।

लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ८४ ।

विशेष—अन्त में पूजा विधि तथा नवग्रहों के चित्र भी हैं ।

६८० प्रति नं० २ । पत्र सं० ६ । साइज—११×५ इंच । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य ।

वेष्टन नं० ८४ ।

विशेष—नवग्रह मंडल का चित्र भी है ।

६८१ नित्यानियमपूजासंग्रह..... पत्र सं० १३ । साइज-११×४ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा-संस्कृत-हिन्दी । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० ८२ ।

विशेष—इस प्रति को पं० भोलीलालजी सेठी (जयपुर) ने मन्दिर में भेंट की थी ।

६८२ प्रति नं० १ । पत्र सं० १० । साइज-११×५ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण तथा शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० ८२ ।

६८३ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १५ । साइज-८×५ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण तथा शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० ८२ ।

६८४ प्रति नं० ४ । पत्र सं० १६ । साइज-६ $\frac{1}{2}$ ×५ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण तथा शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० ८२ ।

६८५ निर्दोषसप्तमीव्रतपूजा..... पत्र सं० १० । साइज-११×८ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० ६० ।

६८६ निर्वाणकाण्डपूजा..... पत्र सं० ८ । साइज-११×५ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-पूजा । रचनाकाल-सं० १८७१ । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८३ ।

६८७ नेमिनाथपूजा-भ० सुरेन्द्रकीर्ति । पत्र सं० २ । साइज-११×५ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल-सं० १८२४ । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८३ ।

६८८ प्रति नं० २ । पत्र सं० २ । साइज-११×५ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८३ ।

६८९ प्रतिमासांतचतुर्दशीव्रतोद्यापनपूजा-अखयराम । पत्र सं० १४ । साइज-१० $\frac{1}{2}$ ×५ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १८५७ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११६ ।

६९० पर्यवधानपूजा-रत्ननदी । पत्र सं० १० । साइज-१० $\frac{1}{2}$ ×८ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १७३० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११८ ।

विशेष—रामसेनान्वय भ० भुवनकीर्ति के शिष्य पं० नारायणदास ने प्रतिलिपि की थी ।

६९१ पार्श्वनाथपूजा-अभयचंद्र । पत्र सं० ६ । साइज-११×५ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १२० ।

विशेष—पंचमेरू की पूजा भी है ।

६९२ पुरंदरव्रतपूजा-भ० सुरेन्द्रकीर्ति । पत्र सं० ३ । साइज-११×६ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल-सं० १८३७ । लेखनकाल-सं० १८८७ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १२६ ।

६९३ पुरंदरव्रतोद्यापनपूजा-सोमसेन । पत्र सं० ११ । साइज-६ $\frac{1}{2}$ ×४ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १२६ ।

६६४ पुष्पांजलिघृतनोद्यापनपूजा.....। पत्र सं० १५ । साइज-११×५ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १६०१ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११५ ।

६६५ पुष्पांजलिघृतपूजा-पं० गंगादास । पत्र सं० ७ । साइज-१२×६ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११५ ।

६६६ प्रति नं० २ । पत्र सं० ७ । साइज-१२×५ इञ्च । लेखनकाल-सं० १६०१ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११५ ।

६६७ पूजा संग्रह.....। पत्र सं० २२ । साइज-११×८ इञ्च । भाषा-प्राकृत-संस्कृत-हिन्दी । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १६५० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११८ ।

विशेष—सोलहकारण, पंचमेरू, आदि की पूजायें हैं ।

६६८ प्रति नं० २ । पत्र सं० १४ । साइज-११×५ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११८ ।

विशेष—संग्रह में सननंदि कृत पत्न्यविधानपूजा देवेन्द्रकीर्ति कृत त्रेपनक्रियाविधान आदि हैं ।

६६९ पूजा संग्रह.....। पत्र सं० २४ । साइज-१०×४ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचना-काल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४४ ।

विशेष—१३ पूजाओं का संग्रह है ।

७०० पूजा संग्रह.....। पत्र सं० ३१-४० । साइज-११×५ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २६४ ।

विशेष—पूजाओं का संग्रह है ।

७०१ पंचकल्याणकपूजा-त्रिश्वभूषण । पत्र सं० २२ । साइज-११×५ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११७ ।

७०२ पंचकल्याणपूजा-ब्रह्म गोपाल । पत्र सं० १२ । साइज ११×४ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १६६२ वैशाख सुदी ३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११७ ।

विशेष—त्रादिभूषण के उपदेश से ब्रह्म अरिउ के पठनार्थ साहराम ने पूजा की प्रतिलिपि की थी ।

७०३ पंचकल्याणपूजा.....। पत्र सं० १० । साइज-१०×५ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११७ ।

विशेष—मंगलाचरण और समाप्ति के पद्यों में अकलंक, गुणभद्र समंतभद्र, जिनचंद्र, विद्यानंदि तथा सुमतिसागर आदि आचार्यों को नमस्कार किया गया है ।

७०४ पंचकल्याणपूजा-सुरेन्द्रकीर्ति । पत्र सं० २० । साइज-११×५ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल सं०-१८५१ भाद्रपद सुदी ११ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११७ ।

विशेष—स्वरूपचंद्रजी के शिष्य पं० सदासुखजी ने लिपि करवायी तथा संग्रह ने प्रतिलिपि की थी।

७०४ पंचपरमेष्ठिपूजा-टेकचंद । पत्र सं० ३१ । साइज-१३×१३ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १६२६ आश्विन सुदी ७ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११३ ।

विशेष—श्री दानतरायजी कृष्ण विदेह क्षेत्र पूजा भी है । लालसोट (जयपुर) में प्रतिलिपि की गयी थी ।

७०६ प्रति नं० २ । पत्र सं० १६ । साइज-११×१२ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११३ ।

७०७ पंचपरमेष्ठिपूजा-शुभचन्द्र । पत्र सं० २६ । साइज ११×१२ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११३ ।

७०८ पंचपरमेष्ठिपूजा-यशोवन्दि । पत्र सं० ३३ । साइज-१०×१२ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल सं० १६५६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११३ ।

विशेष—जयपुर नगर में प्रतिलिपि की गयी थी । दो प्रतिवों का सम्मिश्रण है ।

७०९ पंचम सच्चिदानन्दपूजा-मन्दकीर्ति । पत्र सं० ५ । साइज-११×१२ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १६३२ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११६ ।

७१० पंचमावतोद्यापनपूजा-पं० हर्षचन्द्र । पत्र सं० ७ । साइज-११×१२ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १६०६ सादवा सुदी १३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११६ ।

७११ पंचमेरुपूजा-दानतराय । पत्र सं० ३ । साइज-१०×१२ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११४ ।

७१२ प्रति नं० २ । पत्र सं० ३ । साइज-१०×१२ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११४ ।

७१३ पंचमेरुपूजा-भट्टारक रत्नचन्द्र । पत्र सं० ८ । साइज-१०×१२ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११४ ।

विशेष—पुष्पांजलिघन पूजा भी दी हुई है ।

७१४ भक्तामरपूजा..... । पत्र सं० १२ । साइज-१०×१२ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १३० ।

७१५ भुवनेश्वरीपूजा..... । पत्र सं० ६ । साइज-१३×६ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १३६ ।

७१६ मानुषोत्तरचैत्यालयपूजा-विश्वभूषण । पत्र सं० ७ । साइज-१३×६ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १५१ ।

७१७ मुक्तावलीघतोद्यापनपूजा..... । पत्र सं० १२ । साइज-११×१२ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-

पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १५२ ।

७१८ प्रति नं० २ । पत्र सं० ३ । साइज—१० $\frac{१}{२}$ X५ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—उत्तम । वेष्टन नं० १५२ ।

७१९ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ३ । साइज—११X५ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १५२ ।

७२० प्रति नं० ४ । पत्र सं० २ । साइज—११ $\frac{१}{२}$ X८ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १५२ ।

७२१ मेघमालापूजा..... । पत्र सं० ३ । साइज—११X५ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—जीर्ण शीर्ण । वेष्टन नं० १५१ ।

७२२ मेघमालाव्रतोद्यापन..... । पत्र सं० १४ । साइज—११X५ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १५१ ।

७२३ मौनिव्रतउद्यापनपूजा—विश्वमूषण । पत्र सं० १८ । साइज—११X५ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १५१ ।

विशेष—मंडल का चित्र भी दिया हुआ है ।

७२४ रक्षाबंधनपूजा—श्री रघु । पत्र सं० ३ । साइज—७ $\frac{१}{२}$ X६ इंच । भाषा—हिन्दी । विषय—पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १५१ ।

७२५ रत्नत्रयपूजा—कनककीर्ति । पत्र सं० ४ । साइज—११X५ इंच । भाषा—प्राकृत । विषय—पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल—सं० १६०६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १६२ ।

विशेष—हिन्दी में अर्थ दिया हुआ है ।

७२६ प्रति नं० २ । पत्र सं० ४ । साइज—११X५ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल—सं० १८८८ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १६२ ।

७२७ रत्नत्रयपूजा..... । पत्र सं० ५५ । साइज—११X५ इंच । भाषा—हिन्दी । विषय—पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल—सं० १६२१ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—उत्तम । वेष्टन नं० १६२ ।

विशेष—मंडल की पूजा है ।

७२८ रत्नत्रयपूजा..... । पत्र सं० १५ । साइज—१० $\frac{१}{२}$ X४ $\frac{१}{२}$ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १६३ ।

७२९ प्रति नं० २ । पत्र सं० ७ । साइज—८ $\frac{१}{२}$ X७ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १६३ ।

७३० रत्नत्रयपूजा..... । पत्र सं० ६ । साइज ११X५ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—पूजा । रचनाकाल X ।

लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—उत्तम । वेष्टन नं० १६३ ।

७३१ प्रति नं० २ । पत्र सं० १२ । साइज—१२X५ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १६३ ।

७३२ रत्नावलीव्रतोद्यापन—वज्रकीर्ति । पत्र सं० २१ । साइज—११X४ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १७२ ।

विशेष—१५ वें पत्र से भद्रार्क सुरेन्द्रकीर्ति विरचित ज्ञानपञ्चविंशतिव्रतोद्यापन भी है ।

७३३ रविम्रतकरणाविधान । पत्र सं० १ । साइज—१०X४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १६१ ।

विशेष—नवरत्न जटित नवग्रहों का भी वर्णन है ।

७३४ रविम्रतपूजा—भ० देवेन्द्रकीर्ति । पत्र सं० ७ । साइज—८X६ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल—सं० १८७८ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १६१ ।

विशेष—सांगानेर में चंपाराम झाबड़ा ने पाँडे चोखचंदजी की प्रति से इस पूजा की प्रतिलिपि की थी ।

७३५ रविम्रतोद्यापन । पत्र सं० ७ । साइज—१२X५ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल—सं० १७७८ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १६१ ।

७३६ रोहिणीव्रतपूजा—केशवसेन । पत्र सं० ७ । साइज—१० $\frac{३}{४}$ X४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १६५ ।

७३७ प्रति नं० २ । पत्र सं० १० । साइज—११X५ इञ्च । लेखनकाल—सं० १७४० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १६५ ।

७३८ रोहिणीव्रतोद्यापन—केशवसेन । पत्र सं० १४ । साइज—११X५ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १६४ ।

७३९ प्रति नं० २ । पत्र सं० १६ । साइज—११X५ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—उत्तम । वेष्टन नं० १६४ ।

७४० प्रति नं० ३ । पत्र सं० १३ । साइज—१० $\frac{३}{४}$ X४ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—उत्तम । वेष्टन नं० १६४ ।

७४१ लब्धिविधानउद्यापन—देवनदि । पत्र सं० ८ । साइज—११X५ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १७६ ।

विशेष—लब्धिविधानमंडल की विधि भी लिखी हुई है ।

७४२ प्रति नं० २ । पत्र सं० ८ । साइज—१३X७ इञ्च । लेखनकाल—सं० १६७० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १७६ ।

विशेष—सूजमलजी पाटनी मारोठ वालों ने लब्धिविधान की पूजा मन्दिर में चढ़ाई थी ।

७४३ लब्धिविधानपूजा.....। पत्र सं० २ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×१ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा ।

रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १७६ ।

७४४ बृहद्शान्तिपूजा.....। पत्र सं० ४२ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×१ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा ।

रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १८६० । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २०२ ।

७४५ वास्तुपूजाविधि.....। पत्र सं० १० । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×१ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा ।

रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १८८ ।

७४६ षोडशकारणजयमाला.....। पत्र सं० ३३ । साइज १२×१ इञ्च । भाषा-प्राकृत । विषय-पूजा ।

रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० २०७ ।

७४७ षोडशकारणपूजा.....। पत्र सं० २ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×१ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा ।

रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० २०८ ।

७४८ षोडशकारणपूजा.....। पत्र सं० १० । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×१ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा ।

रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १७७४ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २०८ ।

विशेष—जयमाला प्राकृत में है ।

७४९ षोडशकारणव्रतोद्यापन.....। पत्र सं० १४ । साइज-१२×६ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा ।

रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २०७ ।

७५० षोडशकारणव्रतोद्यापन-केशवसेन । पत्र सं० १६ । साइज-१२×१ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-

पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २०७ ।

७५१ षोडशकारणव्रतोद्यापनपूजा.....। पत्र सं० १६ । साइज-११×१ इञ्च । भाषा-संस्कृत ।

विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २०८ ।

७५२ शान्तिकसमस्तविधि-धामा । पत्र सं० ४ । साइज-८×७ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा ।

रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २०२ ।

७५३ शान्तिधारापाठ.....। पत्र सं० २ । साइज-११×१ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचना-

काल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २०२ ।

७५४ शान्तिनाथपूजा-कृन्दावन । पत्र सं० ३ । साइज-७ $\frac{१}{२}$ ×४ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-पूजा । रचना-

काल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २०३ ।

७५५ शास्त्रपूजा.....। पत्र सं० १ । साइज-१२×६ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-पूजा । रचनाकाल X ।

लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २०१ ।

७५६ श्रुतज्ञानपूजा.....। पत्र सं० २० । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×१ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा ।

रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २७४ ।

७५७ प्रति नं० २ । पत्र सं० १५ । साइज-११X१ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २७४ ।

७५८ श्रुतपूजा..... । पत्र सं० ६ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ X१ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २७४ ।

विशेष—गुरु पूजा भी है ।

७५९ श्रुतपंचमीपूजा..... । पत्र सं० ६ । साइज-११ $\frac{१}{२}$ X१ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २७४ ।

७६० प्रति नं० २ । पत्र सं० ६ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ X१ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २७४ ।

७६१ श्रुतस्कंधपूजा..... । पत्र सं० २ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ X१ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २७४ ।

७६२ प्रति नं० २ । पत्र सं० ६ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ X१ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २७४ ।

७६३ सप्तपरमस्थानव्रतपूजा..... । पत्र सं० ५ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ X१ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २७७ ।

७६४ सप्तर्षिपूजा-लक्ष्मीसेन । पत्र सं० ६ । साइज-११X१ इञ्च । भाषा-संस्कृत-हिन्दी । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० २१४ ।

विशेष—ज्योमाला हिन्दी में है ।

७६५ सप्तर्षिपूजा-विश्वभूषण । पत्र सं० ११ । साइज-६ $\frac{१}{२}$ X१ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० २१४ ।

७६६ समवशरणपूजा-पं० रूपचन्द्र । पत्र सं० २८ । साइज-१२ $\frac{१}{२}$ X१ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १७५५ कागुण सुदी ६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० २१६ ।

७६७ समवसृतिपूजा..... । पत्र सं० ३७ । साइज-११X१ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १८०३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० २१६ ।

७६८ प्रति नं० २ । पत्र सं० ३३ । साइज-८X६ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१६ ।

७६९ सम्मेदाचलपूजा-पं० गंगादास । पत्र सं० १२ । साइज-११X१ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० २१७ ।

७७० सहस्रगुणितपूजा—शुभचन्द्र । पत्र सं० ३२ । साइज—११×५ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—पूजा ।

रचनाकाल X । लेखनकाल—सं० १६५७ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २१० ।

विशेष—सिद्धचक्र यंत्र की सहस्रगुणित पूजा है ।

७७१ सहस्रनामपूजा—धर्मभूषण । पत्र सं० ६६ । साइज—२१ $\frac{३}{४}$ ×११ $\frac{३}{४}$ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—पूजा ।

रचनाकाल X । लेखनकाल—सं० १८८१ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—उत्तम । वेष्टन नं० २१० ।

विशेष—पंडित स्वरूपचंदजी ने जयपुर में महात्मा शंभुराम के द्वारा प्रतिलिपि करवायी थी ।

७७२ सार्द्धद्वयद्वीपपूजा..... । पत्र सं० ११८ । साइज—१२×५ $\frac{३}{४}$ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—पूजा ।

रचनाकाल X । लेखनकाल—सं० १८५१ भाद्रपद बुदी ११ । पूर्ण, शुद्ध एवं सुन्दर । दशा—उत्तम । वेष्टन नं० २१५ ।

विशेष—सवाईराम गोधा ने प० चंपारामजी के पढ़ने के लिये पूजा की प्रतिलिपि की थी ।

७७३ प्रति नं० २ । पत्र सं० ६३ । साइज—७ $\frac{३}{४}$ ×४ इञ्च । लेखनकाल—सं० १८५१ श्रावण सुदी ७ ।

पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—उत्तम । वेष्टन नं० २१५ ।

विशेष—लेखनस्थान—सवाई माधोपुर (जयपुर) ।

७७४ सार्द्धद्वयद्वीपपूजा..... । पत्र सं० ११८ । साइज—११×५ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—पूजा ।

रचनाकाल X । लेखनकाल—सं० १८८१ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २१५ ।

विशेष—पंडित चंपाराम ने सवाईराम गोधा से प्रतिलिपि करवायी थी ।

७७५ प्रति नं० २ । पत्र सं० ६३ । साइज—१२×६ इञ्च । लेखनकाल—सं० १८५१ । पूर्ण एवं शुद्ध ।

दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २१५ ।

विशेष—सवाई माधोपुर में प्रतिलिपि की गयी थी । सवाई प्रतापसिंहजी का शासनकाल था ।

७७६ सिद्धपूजा—स्वरूपचंद । पत्र सं० ४६ । साइज—११×५ इञ्च । भाषा—हिन्दी । विषय—पूजा । रचना-

काल—सं० १६१६ । लेखनकाल—सं० १६३८ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—उत्तम । वेष्टन नं० २११ ।

७७७ प्रति नं० २ । पत्र सं० २७ । साइज—११×६ $\frac{३}{४}$ इञ्च । लेखनकाल—सं० १६४४ । पूर्ण एवं शुद्ध ।

दशा—उत्तम । वेष्टन नं० २११ ।

७७८ प्रति नं० ३ । पत्र सं० २६ । साइज—१२×८ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—

सामान्य । वेष्टन नं० २११ ।

७७९ सिद्धकूटपूजा—महारक विश्वभूषण । पत्र सं० १३ । साइज—११ $\frac{३}{४}$ ×५ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—

पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल—सं० १८८६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—उत्तम । वेष्टन नं० २१४ ।

७८० सिद्धचक्रपूजा—(बृहद)—प्रभाचंद्र । पत्र सं० ७ । साइज—११×५ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—पूजा ।

रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—उत्तम । वेष्टन नं० २१३ ।

७८१ सिद्धचक्रपूजा—आशाधर । पत्र सं० ४ । साइज—११×५ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—पूजा । रचना—

काल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१३ ।

७८२ प्रति नं० २ । पत्र सं० ३ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ X४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१३ ।

विशेष—षोडशकारण पूजा भी है ।

७८३ सुगन्धदशमीव्रतोद्यापन..... । पत्र सं० ८ । साइज-८ $\frac{१}{२}$ X३ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१० ।

७८४ सुगन्धदशमीव्रतपूजा..... । पत्र सं० ९ । साइज-११X५ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१० ।

७८५ सुगन्धदशमीव्रतपूजा..... । पत्र सं० ३ । साइज-५ $\frac{१}{२}$ X५ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१० ।

७८६ सौख्यकारणव्रतोद्यापन मंडलविधान-अक्षयराम । पत्र सं० २२ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ X५ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १८=४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१७ ।

विषय-लक्षण एवं समीक्षा साहित्य

ग्रन्थ संख्या-७

७८७ चौसठऋद्धि स्वरूप..... । पत्र सं० ७ । साइज-११X५ इञ्च । भाषा-प्राकृत । विषय-ऋद्धियों का वर्णन । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३६ ।

७८८ धर्मपरीक्षा-अमितगति । पत्र सं० १०८ । साइज-१२X५ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-समीक्षा । रचनाकाल-सं० १०७० । लेखनकाल X । पूर्ण तथा सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८० ।

७८९ प्रति नं० २ । पत्र सं० ७३ । साइज-१२X५ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण तथा शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८० ।

७९० धर्मपरीक्षा-सुमतिकीर्ति । पत्र सं० १३३ । साइज-११X३ इञ्च । भाषा-हिन्दी (गुजराती मिश्रित) । विषय-समीक्षा । रचनाकाल-सं० १६२५ । लेखनकाल-सं० १७२१ । पूर्ण तथा सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । अन्तिम दो पत्र जीर्ण हो चुके हैं । वेष्टन नं० ७६ ।

७९१ धर्मपरीक्षा भाषा-मनोहरदास । पत्र सं० ७६ । साइज-१२X५ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-समीक्षा । रचनाकाल-सं० १७६२ । लेखनकाल X । पूर्ण तथा शुद्ध । दशा-जीर्ण शीर्ण । वेष्टन नं० ८० ।

७९२ प्रति नं० २ । पत्र सं० १२० । साइज-१०X६ इञ्च । लेखनकाल-सं० १८०४ वैशाख बुदी ३ । पूर्ण तथा शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८१ ।

७६३ रत्नपरीक्षा..... पत्र सं० ४ । साइज-१२×४ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-परीक्षा । रचना-काल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १७१ ।

विशेष—लेखक-जयचंदजी बान्ना । रत्नदीपिका में से विषय लिया गया है । साह दामोदर के पुत्र धारीमल के लिये ग्रन्थ लिखा गया था ।

विषय-स्फुट

ग्रन्थसंख्या-१५

७६४ कुंडलियां-किशोरमोपाल । पत्र सं० १ । साइज-१०×५ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-स्फुट । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २६ ।

विशेष—इसी में शकुनावली यंत्र का फल दे रखा है । यंत्र सचित्र है ।

७६५ छटकपर्प काव्य..... पत्र सं० ३ । साइज-११×५ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-काव्य । रचना-काल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३२ ।

विशेष—सुधावबोधिनी टीका सहित है ।

७६६ दुर्गेतिवाचनी..... पत्र सं० ३ । साइज-१६×६ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-दुर्गति में जाने के कारणों पर प्रकाश । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण-सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २६८ ।

विशेष—अन्तिम २ पद्य नहीं हैं ।

७६७ पट्टी पहाडे..... पत्र सं० ८ । साइज-१०×४ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-गणित । लेखन-काल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १११ ।

विशेष—पट्टी पहाडे पहिले अंकों में और पीछे शब्दों में लिखे गये हैं ।

७६८ पद्मनंदिपंचविंशति-पद्मनंदि । पत्र सं० ७२ । साइज-११×५ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-धर्म । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १०३ ।

७६९ प्रति नं० २ । पत्र सं० २१३ । साइज-१२×५ इंच । लेखनकाल-सं० १७१६ वैशाख बुदी १० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १०३ ।

विशेष—प्रति सटीक है । टीका संस्कृत में है ।

८०० प्रति नं० ३ । पत्र सं० १२२ । साइज-१३×५ इंच । लेखनकाल-सं० १७१७ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १०३ ।

विशेष—संस्कृत में पर्यायवाची शब्द दिये हुये हैं ।

८०१ पंचपात्रवर्णन..... पत्र सं० ४ । साइज-११×६ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-स्फुट । रचना-काल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० ११६ ।

८०२ बुद्धिविलास-बख्शराम । पत्र सं० ३३ । साइज-८X१२ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-धर्म । रचना-काल-सं० १८२७ । लेखनकाल-सं० १८२८ भादवा सुदी ३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १३१ ।

८०३ राजसूयपञ्चमी-लालचंद विमोदीलाल । पत्र सं० ३ । साइज-८X६ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-कथा । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १७६४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १७२ ।

८०४ वज्रसूची उपनिषद् श्रीधराचार्य । पत्र सं० ४ । साइज-१० $\frac{1}{2}$ X५ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-वज्र सूची । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १८२ ।

८०५ संस्कृत मंजरी-अनंत महात्मा । पत्र सं० ५ । साइज-१० $\frac{1}{2}$ X५ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-काव्य । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २३४ ।

८०६ प्रति नं० २ । पत्र सं० १४ । साइज-१२X५ इंच । लेखनकाल-सं० १७८१ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २३४ ।

विशेष—मालपुरा में ऋषि मनोहर ने प्रतिलिपि की थी ।

८०७ सरोदा-महात्मा कबीर । पत्र सं० १८ । साइज-१२X४ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-स्फुट । रचना-काल X । लेखनकाल-सं० १८६५ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २३२ ।

८०८ सुदृष्टितरंगिणी..... । पत्र सं० १०० । साइज-१२X७ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा-प्राकृत । विषय-धर्म । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० २२८ ।

विशेष—गामाओं का हिन्दी में विस्तृत अनुवाद है । अनुवादक श्री टेकचंद हैं ।



विषय-संग्रह

गुटका संख्या २२२

८०६ गुटका नं० १ । पत्र सं० ८० । साइज-१० १/२ X ८ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २६१ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
अध्यात्मज्ञानदर्पण	दीपचन्द कासलीवाल	हिन्दी पद्य	
अनुभवप्रकाश	"	हिन्दी गद्य	
गुणस्थानभेद	—	"	
चिदविलास	दीपचन्द कासलीवाल	"	
अध्यात्मपञ्चीसी	—	हिन्दी पद्य	
जसखडी	—	—	
द्वादशानुप्रेक्षा	—	—	
पद व विनती	—	—	

८१० गुटका नं० २ । पत्र सं० १६६ । साइज-६ X ७ इंच । लेखनकाल-सं० १७८४ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २६२ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
बनारसीविलास	बनारसीदास	हिन्दी	
पंचपरमेष्ठीस्तवन	—	"	५ पद्य
धर्मरासो	—	"	१५४ पद्य
ऋतुर्गतिवेलि	हर्षकीर्ति	"	रचनाकाल सं० १६८३
प्रद्युम्नरासो	नारायणमल	"	१६२८
बंभूस्वामीरासो	पांडे जिनदास	"	१६४२
बोगीरासो	"	"	४२ पद्य
भारहमासा	प्रिनोदीलाल	"	२६ पद्य
धरत की भारहखडी	—	"	१११ पद्य

८११ गुटका नं० ३ । पत्र सं० ३३ । साइज-६ X ६ १/२ इंच । लेखनकाल-सं० १८४४ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २६३ । लेखक-पं० स्वरूपचन्द्र ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
भक्तामर ऋद्धिमंत्र	X	संस्कृत	

पार्श्वनाथस्तोत्र	X	संस्कृत
नवग्रहस्तोत्र	X	"
पद्मावतीस्तोत्र (मंत्र सहित)	X	"
केवलिप्रश्नविचार	X	"

८१२ गुटका नं० ४ । पत्र सं० ३१ । साइज-६X८ इंच । लेखनकाल-सं० १६५१ पोष सुदी १४ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २६४ ।

विशेष—श्री नानुलाल वैद ने मोतीलाल मनोहरपुरा खेड़ी वाले के पुत्र गुलाबचन्द के पेटनार्थ प्रतिलिपि की थी । मुख्य १॥= । तत्त्वार्थपूत्र, भक्तामस्तोत्र तथा पंचमंगल आदि पाठों का संग्रह है ।

८१३ गुटका नं० ५ । पत्र सं० ३६१ । साइज ६X७ इंच । लेखनकाल-सं० १७५० । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २६५ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
श्रीपालरासो	ब्रह्मरायमल्ल	हिन्दी	रचना सं० १६३०
सुदर्शनरासो	"	"	" १६३६
जम्बूत्वासीरासो	पंडे जिनदास	"	" १६४१
श्रव्युन्नरासो	ब्रह्मरायमल्ल	"	" १६४८
पार्श्वनाथरासो	कल्याणकीर्ति	"	" १६४८
भविष्यदत्त चौपई	ब्रह्मरायमल्ल	"	" १६४४
हनुमतकथा	"	"	" १६३३
सन्यस्तकौमुदी	जोधराज गोदीका	"	" १६००
यशोभद्ररासो	—	"	" १७२४
नेमीश्वररासो	ब्रह्मरायमल्ल	"	" १६११

८१४ गुटका नं० ६ । पत्र सं० २०६ । साइज-६X६ इंच । लेखनकाल-सं० १८०४ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २६६ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
सुभाषितावली	भ० सकलकीर्ति	संस्कृत	
प्रवृत्तसंग्रह	आ० नेमिचन्द्र	प्राकृत	
सरस्वतीपूजा	ज्ञानभूषण	संस्कृत	
गुरुपूजा	—	"	
भार्गवाविधान	—	हिन्दी	
विषादहारस्तोत्र भाषा	शचलकीर्ति	"	

निर्वाणकांड भाषा	भैय्या भगवतीदास	हिन्दी	
चतुर्विंशतितीर्थकर पूजा	—	संस्कृत	
जिनसहस्रनाम	आशाधर	"	
ज्ञानचिंतामणि	मनोहरदास	हिन्दी	रचनाकाल सं० १७००
भक्तामरस्तोत्र भाषा	हेमराज	"	
गुणमंजरी	—	"	१७४०
चाईसपरीषद	हृदयसाम	"	१७४६
सिन्दूरप्रकरण	कौरपाल बनारसीदास	"	
समयसार नाटक	बनारसीदास	"	१६६१

८१५ गुटका नं० ७ । पत्र सं० २६१ । साइज-६×६ इंच । लेखनकाल-सं० १६२४ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २६७ ।

विशेष—१६ पूजा एवं विधियों का संग्रह है । तीन गुटकों का सम्मिश्रण है । दूसरा गुटका सं० १७५० तथा तीसरा सं० १७६२ में लिखा गया था ।

८१६ गुटका नं० ८ । पत्र सं० १४७ । साइज-७×६ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २६८ ।

विशेष—३६ पूजा एवं स्तोत्रों का संग्रह है । कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है ।

८१७ गुटका नं० ९ । पत्र सं० १८४ । साइज-८×५ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २६९ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
मित्रद्रोहकथा	—	संस्कृत	
भवितव्यं भवतीति कथा	—	"	
पंचमंगल	रूपचंद	हिन्दी	
राजलपञ्चीसी	विनोदीलाल	"	
शीलसुरंगी चूंदड़ी	—	"	
चतुरवचनोच्चारिणी कथा	—	संस्कृत	
नियमपालन कथा	—	"	
भमना कुमार कथा	—	"	
सोकानुरंजनी कथा	—	"	
सावली कथा	—	संस्कृत	
सुरज बजराल कथा	—	"	

स्फुट दोहा	—	हिन्दी	
बृहन्निलोद	नंदलाल	"	
चंदनमलयगिरी कथा	—	"	
लीलावती कथा	—	"	
गुणपालश्रेष्ठिपुत्रकथा	—	"	पत्र नहीं है।
अमयकुमार गुण परीक्षण कथा	—	"	"
भक्तामरस्तोत्र भाषा	हेमराज	"	"
कल्याणमन्दिरस्तोत्र भाषा	—	हिन्दी	
रविप्रतकथा	—	"	
दंभकथा (अमरसुन्दरी कथा)	लुकीचिंभ	"	
सपत्नीकथा	—	संस्कृत	
शीलवतीकथा	—	"	
विप्रकथा	—	"	
शीलवतीकथा (बुद्धि विषये)	—	"	
सौदीकथा (कलि विषये)	—	"	
गंगदत्त द्विजकथा	—	"	
मुकुन्दपत्नीकथा (स्त्री चरित्रे)	—	"	
अशालकथा (मित्र द्रोहे)	—	"	
काल्मीकीदरकथा (भर्मकथने)	—	"	
धरनृपकथा (सत्य विषये)	—	"	
द्रोपदीकथा (सत्यवचने)	—	"	
भूधरद्विजकथा (कलिकाले)	—	"	
ग्रोष्ठीकथा	—	"	
युधिष्ठिरनृपकथा	—	"	
मित्रद्वयकथा	—	"	
स्वरूपसूरसेन कथा	—	"	
योगीश्वर कथा	—	"	
वररुचिद्विजकथा	—	"	
कामकथा	—	"	
मूर्खकथा	—	हिन्दी	
भुजंगकथा	—	"	
	—	"	

कर्पद्रव्यकथा	—	संस्कृत
'अस्याश्रयो न कर्तव्यो' कथा	—	"
सर्वमित्रकथा	—	"
कूटसाक्षीवर्जनकथा	—	"
परावश्यकर्तव्य कथा	—	"
'मित्रोद्यस्थाने न वास कार्यो' कथा	—	"
'शठं प्रतिशठं कुर्यात्' कथा	—	"
'स्त्रीषु गुह्यं न वाच्यं' कथा	—	"
अन्य कथायें	—	"
बमालि	—	हिन्दी

८१८ गुटका नं० १० । पत्र सं० ८८ । साइज-६X६ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।

रक्षा-सामान्य । वेष्टन नं० ३०० ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
महाराज की पिच्छिका देने का मंत्र	—	संस्कृत	
कलौचना पाठ	—	प्राकृत	
महाशतदीक्षा विधि	—	संस्कृत	
आचार्यपदस्थापन विधि	—	"	
महाराज्यपदस्थापन विधि	—	"	
दीक्षा पटल	—	"	
दीक्षा महाभिषेक	—	"	
संस्कृत पद मंत्र	—	"	
प्राकृत पद मंत्र	—	"	
अनन्तविधि	—	"	
अमर्चनायगुणमाला	—	हिन्दी	स्वनाकाल सं० १७४८
अमर्चनायगुणमाला पूजा	—	"	
अमर्चनायगुणमाला	आ० समन्तभद्र	संस्कृत	
अमर्चनायगुणमाला	—	प्राकृत	
अमर्चनायगुणमाला	—	संस्कृत	
अमर्चनायगुणमाला	—	हिन्दी	
अमर्चनायगुणमाला	—	"	

गुप्त का बारहमासा	विनोदीलाल	हिन्दी
गुरुवों की जयमाला	ब्रह्म जिनदास	"
भजन व पद	—	"

८१६ गुटका नं० ११ । पत्र सं० ६३ । साइज-५×४ इंच । लेखनकाल-सं० १८५६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० ३०१ ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा
कमलवत्तीसी	—	हिन्दी
आनन्दा	आनन्द	" ४२ पत्र,
एकसौ तेतालीस गुणों की हुण्डी	—	प्राकृत
अहमद की वाणी	—	हिन्दी

८२० गुटका नं० १२ । पत्र सं० ३७६ । साइज-८×७ इंच । लेखनकाल-सं० १६६७ । अपूर्ण-६६ २८३ तक पत्र नहीं हैं । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३०२ ।

विशेष—२३ पूजा व स्तोत्रों का संग्रह है । कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है ।

८२१ गुटका नं० १३ । पत्र सं० १३० । साइज-६×५ इंच । लेखनकाल-सं० १७३६ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३०३ ।

विशेष—कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है ।

८२२ गुटका नं० १४ । पत्र सं० ६६ । साइज-८×६ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३०४ ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा
स्वरोदय	मोहनदास	हिन्दी
घोड़ा चोली का प्रयोग	—	"

८२३ गुटका नं० १५ । पत्र सं० २२ । साइज-६×८ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३०५ ।

विशेष—तत्त्वार्थसूत्र एवं पंचमंगल आदि पाठों का संग्रह है ।

८२४ गुटका नं० १६ । पत्र सं० २३ । साइज-७×७ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३०६ ।

विशेष—उल्लेखनीय संग्रह नहीं है ।

८२५ गुटका नं० १७ । पत्र सं० २२ । साइज-७½×६ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण-प्रारम्भ के पत्र नहीं हैं । वेष्टन नं० ३०७ ।

विशेष—उल्लेखनीय संग्रह नहीं है ।

८२६ गुटका नं० १८ । पत्र सं० १२६ । साइज—८×६ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ३०८ । लिपि—विकृत ।

विषय—सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
ज्ञानचिंतामणी	भनोहरदास	हिन्दी	
भावना	धानतराय	"	
नंदीश्वरजयमाल	—	"	
तीन चौबीसी जयमाल	—	"	
स्तुति	—	"	
पंचमेरुजयमाल	—	"	
तीर्थचित्र जयमाल	रत्नभूषण	"	
भजन व लघुमंगल पाठ	रूपचंद	"	
छह लेश्या कवित्त	हर्षकीर्ति	"	
चतुर्गति के चेलि	"	"	
भजन व पद संग्रह	"	"	
भावकाचार	—	"	
पदसंग्रह	—	"	

८२७ गुटका नं० १९ । पत्र सं० ५८ । साइज—६×७ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—
सामान्य । वेष्टन नं० १०६ ।

विशेष — कोई उल्लेखनीय संग्रह नहीं है ।

८२८ गुटका नं० २० । पत्र सं० १० । साइज—६×७ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ३१० ।

८२९ गुटका नं० २१ । पत्र सं० ३५ । साइज—६×७ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ३१० । लिपि—विकृत है ।

विषय—सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
छह डेलवालों के चौरासी गोत्र	—	हिन्दी	
रानीश्वर की कथा	—	"	

८३० गुटका नं० २२ । पत्र सं० २७ । साइज—६×७ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ३१० ।

विशेष—केवल पूजाओं का संग्रह है ।

८३१ गुटका नं० २३ । पत्र सं० ४६ । साइज-१५७ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३११ ।

विशेष—उल्लेखनीय सामग्री नहीं है ।

८३२ गुटका नं० २४ । पत्र सं० ६४ । साइज-७५७ इञ्च । लेखनकाल-सं० १८२४ । पूर्ण एवं सामान्य
शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३११ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
नवग्रहकवित्त	—	हिन्दी	
आयुर्वेदिक नुसखे	—	"	
महाभारतकथा	—	गुजराती	
सुबुद्धि चौबीसी	भगवतीदास	हिन्दी	
अष्टत्रिंशच्चैत्र्यालय जयमाल	—	संस्कृत	
चौदहगुणस्थान	—	हिन्दी	
पंचमंगल	रूपचंद	"	

८३३ गुटका नं० २५ । पत्र सं० ७२ । साइज-८५१ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा-सामान्य जीर्ण । वेष्टन नं० ३१२ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
जिनमरफलावलि	—	प्राकृत	
तीर्थंकरविधान	—	हिन्दी	रचनाकाल सं० १५८०
पार्श्वनाथशकुनसत्तावीसी	ठक्कुरसी	"	" १५७८
सप्तव्यसन	—	"	
पद्मनंदी स्तोत्र	—	"	
अत्रजद केवली	—	"	

८३४ गुटका नं० २६ । पत्र सं० ७३ । साइज-१५१ इञ्च । लेखनकाल-सं० १७६१ । पूर्ण एवं सामान्य
शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३१३ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
तीर्थंकरविधान	—	संस्कृत-हिन्दी	
आलापपद्धति	देवसेन	"	
भावसंग्रह	आ० नेमिचन्द्र	प्राकृत	
कर्मप्रकृतिविधान	धनारसीदास	हिन्दी	
बारहमासना	—	"	

पद्मनदी स्तोत्र	—	११
प्रबज्जद केवली	—	११
रोहा शतक	पं० रूपचंद	११
स्नयविधान	—	११

८३५ गुटका नं० २७ । पत्र सं० १८ । साइज-६×४ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३१४ ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
त्रिलोकसार की कुछ गाथायें	आ० नेमिचन्द्र	प्राकृत	
४८ श्रद्धा विचार कथन	—	संस्कृत	
वीतिशतक	भर्तृहरि	११	

८३६ गुटका नं० २८ । पत्र सं० १९ । साइज-६×४ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३१४ ।

विशेष—पूजा पाठ के अतिरिक्त कुछ आयुर्वेद के नुसखे भी दिये हुये हैं ।

८३७ गुटका नं० २९ । पत्र सं० १८६ । साइज-६×४ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३१५ ।

विशेष—पूजा एवं स्तोत्रों का संग्रह है ।

८३८ गुटका नं० ३० । पत्र सं० १९ । साइज-६×४ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३१६ ।

विशेष—पूजाओं का संग्रह है ।

८३९ गुटका नं० ३१ । पत्र सं० १९२ । साइज-६×४ इञ्च । लेखनकाल-सं० १८५४ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३१५ ।

विशेष—पूजा एवं स्तोत्रों का संग्रह है ।

८४० गुटका नं० ३२ । पत्र सं० २२७ । साइज-७×५ इञ्च । लेखनकाल-सं० १५६६ पौष सुदी २ । पूर्ण । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० ३१७ । लेखक-महिमातिलक गणेश ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
वर्णवि चौपई	—	हिन्दी	
मकराशरण स्तवन	सोमसुन्दर	११	
मकर गाय	—	प्राकृत	
मकरसंज्ञ माहात्म्य सहित	—	११ संस्कृत	

दर्शन पाठ	—	संस्कृत	
सामायिक पाठ	—	प्राकृत	
प्रतिक्रमण सूत्र	—	"	
पार्श्वस्तोत्र	अभयदेव	"	३० गाथा
सक्तामर स्तोत्र	मानतुंगाचार्य	संस्कृत	
जिनस्तुति	—	हिन्दी	
इलापुत्र ऋषि गीत	सागरचन्द्रसूरि	प्राकृत	
सीमंघरस्वामीस्तोत्र	—	"	
शीलेन्द्रदेशमाला	—	"	
गौतमप्रच्छावली	—	"	
नवतत्त्वप्रकरण	—	"	४१ गाथा
रात्रिसंयारा विधि	—	"	
पयुर्षणपर्वस्तुति	—	"	
सिंधुपार्श्वनाथस्तुति	—	"	२७ गाथा
शान्तिनाथस्तवन	—	संस्कृत	
पंचपरमेष्ठी स्तवन	—	प्राकृत	
षष्टिशतप्रकरण	—	"	लिपि सं० १५६६
आराधना कुलक	सोमसूरि	"	७० गाथा
जीवविचार	—	"	
रात्रिपोषध विधि	—	"	
चउवीस जिनस्तवन	—	"	
संनोधसूचरी	—	"	
चर्चा	—	"	४०० गाथा
अजितशान्तिस्तवन	—	"	३६ गाथा
मयहरस्तवन	—	"	२१ गाथा
नंदीश्वरस्तवन	—	"	१२ गाथा
सर्वजिनस्तुति	—	संस्कृत	
पंचमीस्तुति	—	"	
दशव्रतनियमादि पद्य	—	"	लिपि सं० १६७६ आषाढ सुदी ३

साह जिनदास ने लिखा

८४१ गुटका नं० ३३ । पत्र सं० २६० । साइज-६×४½ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० ३१७ ।

विशेष—पूजाओं एवं स्तोत्रों का संग्रह है । कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है ।

८४२ गुटका नं० ३४ । पत्र सं० २६० । साइज-६×४ इंच । लेखनकाल-सं० १७६७ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । दो गुटकों का सम्मिश्रण है । वेष्टन नं० ३१८ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
आचार्य व उपाध्यायों के गुण	—	हिन्दी	
अहिंसे के गुण	—	"	
पंचेन्द्रिय विरोध	—	"	
१८ नातों का चौदाला	साह लोहट	"	
जखड़ी	रूपचंद	"	
जखड़ी	जिनदास	"	
चेतनबत्तीसी	श्वरणपंडित	"	
उपदेशबत्तीसी	—	"	
मेघकुमारगीत	पूनी	"	
मोहविवेककथन	—	"	
तत्त्वार्थसूत्र	उमास्वाति	संस्कृत	
निर्वाणकांडगाथा	—	प्राकृत	
सायुवंदना	चनासीदास	हिन्दी	
दादरातुप्रेक्षा	—	संस्कृत	
भक्तप्रस्तोत्र भाषा	हेमराज	हिन्दी	
पंचमगति की बेलि	हर्षकीर्ति	"	
बोगीरासो	जिनदास	"	
पदसंग्रह	—	"	
शुद्धचाणक्य नीतिशास्त्र	चाणक्य	संस्कृत	
संबोधपंचासिका	—	प्राकृत	

८४३ गुटका नं० ३५ । पत्र सं० २७५ । साइज-७×५ इंच । लेखनकाल-सं० १६५२ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३१९ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
भावनासंग्रह	चाण्डोराय	संस्कृत	
वराहतदानविधि	—	हिन्दी	

उपवासदानविधि	—	हिन्दी
सिद्धस्तुति	—	संस्कृत
चतुर्विंशतिजिनस्तव न	—	"
दर्शनपाठ	—	"
नित्यनियमपूजा	—	"
त्रैलोक्यपूजा	—	"
सिद्धपूजा	—	"
षोडशकारणपूजा	—	"
कलिकुण्डपूजा	—	हिन्दी
अष्टाहिकापूजा	—	"
दशलक्षणपूजा	—	"
स्वयंभूस्तोत्र	आ० समन्तभद्र	संस्कृत
रत्नत्रयपूजा	—	"
शांतिजिनस्तोत्र	—	"
रत्नत्रयपूजा	—	"
शास्त्र पूजा	—	"
पाश्वनाथस्तोत्र	—	"
वर्द्धमानस्तोत्र	—	"
चैत्यवन्दनस्तोत्र	—	"
चौबीसी जिनस्तवने	सार कवि	"
सुप्रभातस्तोत्र	—	हिन्दी
परमानन्दस्तोत्र	—	संस्कृत
अनिरूपचालिका	विभुवनचंद	"
कल्याणमन्दिरस्तोत्र	बनारसीदास	हिन्दी
		"

८४४ गुटका नं० ३६ । पत्र सं० १६६ । साइज-६×४ १/२ इंच । लेखनकाल-सं० १८८८ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । क्रेडन नं० ३११ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
देवपूजा	—	संस्कृत	
चतुर्विंशतिपूजा	—	प्राकृत	
सिद्धपूजा	—	संस्कृत	

सोलहकारणपूजा	—	प्राकृत	
दशलक्षणपूजा	—	"	
रत्नत्रयपूजा	—	संस्कृत	
पंचमेरूपूजा	भूधरदास	हिन्दी	
अष्टाद्विकापूजा	—	प्राकृत	
अनन्तपूजा	—	संस्कृत	
पंचमंशाल	रूपचंद	हिन्दी	
संबोधपंचासिका	धानतराय	हिन्दी	रचनाकाल सं० १७५८
पार्श्वनाथपूजा	---	"	
भक्तामरस्तोत्र	आ० भानुभक्त	संस्कृत	
तत्त्वार्थसूत्र	उमास्वाति	"	
जैनपञ्चीसी	---	हिन्दी	
निर्वाणकाण्ड भाषा	भगवतीदास	"	
शान्तिपाठ	—	संस्कृत	

८४५ गुटका नं० ३७ । पत्र सं० ६० । साइज—७×६ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।

दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ३२० ।

विशेष—पूजाओं का संग्रह है ।

८४६ गुटका नं० ३८ । पत्र सं० १०६ । साइज—५^१/_२×४^३/_४ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य

शुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० ३२० ।

विशेष—पूजाओं का संग्रह है ।

८४७ गुटका नं० ३९ । पत्र सं० १३२ । साइज—७×५ इंच । लेखनकाल—सं० १८२४ । पूर्ण एवं सामान्य

शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ३२० ।

विषय—सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
मनस्मानसंग्राम	सेनाराम	हिन्दी	
उपदेशत्रयं	—	"	अपूर्व
भक्तामरस्तोत्रोत्पत्ति कथा	पं० बुधजन	"	
स्तोत्र महात्म्य	नयमल लालचंद	"	
जैनशतक	भूधरदास	"	
पार्श्वनाथस्तोत्र	धानतराय	"	
बारहमासना	भगवतीदास	"	

भजनसंग्रह	—	"
कलियुग बत्तीसी	—	"
कर्मचरित्र बाईसी	रामचन्द्र	"
पद संग्रह	—	"
सम्प्रेदशिखर कवित्त	—	"
गुरुओं की स्तुति	—	"
सवाई जयपुर के मंदिरों की सूची	—	"

८४८ गुटका नं० ४० । पत्र सं० ३० । साइज—६×३ इंच । लेखनकाल—सं० १९६० । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ३२१ ।

विशेष—चौबीस तीर्थहरों के भिन्न हैं उनके इतिहास कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है ।

८४९ गुटका नं० ४१ । पत्र सं० १० । साइज—६×३ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ३२१ ।

विशेष—पूजा एवं स्तोत्र संग्रह है ।

८५० गुटका नं० ४२ । पत्र सं० २१ । साइज—६×३ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ३२१ ।

विषय—सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
धर्म की बारहखड़ी	—	हिन्दी	
उपदेशबत्तीसी	राज	"	
पद	तिलोकचंद	"	

८५१ गुटका नं० ४३ । पत्र सं० १४ । साइज ७×५ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ३२३ ।

विशेष—एकोभावस्तोत्र एवं बाईसपरीपह पाठ हैं ।

८५२ गुटका नं० ४४ । पत्र सं० ३८ । साइज—७×५ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ३२३ ।

विषय—सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
विषाणहारस्तोत्र भाषा	अचलकीर्ति	हिन्दी	
कल्याणमन्दिरस्तोत्र भाषा	बनारसीदास	"	
पद व भजन	जगत शिरोमणि	"	

८५३ गुटका नं० ४५ । पत्र सं० ८ । साइज—७×५ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं अशुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ३२३ ।

विशेष—कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है ।

८५४ गुटका नं० ४६ । पत्र सं० १३ । साइज—७×५ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।

दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ३२३ ।

विशेष—पूजाओं का संग्रह है ।

८५५ गुटका नं० ४७ । पत्र सं० ६ । साइज—७½×४½ इंच । लेखनकाल—सं० १०६६ । पूर्ण एवं

सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ३२४ ।

विशेष—कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है ।

८५६ गुटका नं० ४८ । पत्र सं० ३८ । साइज—४×३ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।

दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० ३२४ ।

विषय—पूजा	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
देवपूजा	—	संस्कृत	
सिद्धपूजा	—	"	
पार्वतीपूजा	—	"	
नवरात्रकवित्त	नवरात्र	हिन्दी	
पार्वतीपूजास्तोत्र	—	संस्कृत	
कल्याणमन्दिरस्तोत्र	१ बनासीदास	हिन्दी	
सोसहकारपूजा	—	संस्कृत	

८५७ गुटका नं० ४९ । पत्र सं० ६३ । साइज—४×५ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—

सामान्य । वेष्टन नं० ३२६ ।

विषय—पूजा	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
गणेशपूजा	—	संस्कृत	
श्रीगणेश जीर्णकर जयमाल	—	"	
गणेशपूजा	—	हिन्दी	
पद व भजन संग्रह	—	"	

८५८ गुटका नं० ५० । पत्र सं० १० । साइज—७½×४½ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।

दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ३२६ ।

८५९ गुटका नं० ५१ । पत्र सं० २४ । साइज—६×५ इंच । लेखनकाल—सं० १०३० । पूर्ण एवं सामान्य

शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ३२७ ।

विशेष—पूजा पाठ के अतिरिक्त पद एवं भजनों का अष्टा संग्रह है ।

८६० गुटका नं० ५२ । पत्र सं० ४५ । साइज-१५×५ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३२२ ।

विशेष—कोई उल्लेखनीय संग्रह नहीं है ।

८६१ गुटका नं० ५३ । पत्र सं० १६ । साइज-६×२ इंच । लेखनकाल-सं० १८६६ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३२२ ।

विशेष—पंचमंगल एवं इष्टछत्तीसी के पाठों का संग्रह है ।

८६२ गुटका नं० ५४ । पत्र सं० ४० । साइज-१५×४ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३२२ ।

विशेष—स्तत्रय एवं षोडशकारण पूजाओं का संग्रह है ।

८६३ गुटका नं० ५५ । पत्र सं० १०१ । साइज-८×८ इंच । लेखनकाल-सं० १७६८ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३२५ ।

विशेष—पूजा एवं स्तोत्र संग्रह है ।

८६४ गुटका नं० ५६ । पत्र सं० १६ । साइज-६×२ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३२५ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा
पार्श्वजिनस्तुति	—	हिन्दी
आलोचना पाठ	—	"
सामायिकपाठ	—	"
पद व भजन	—	"

८६५ गुटका नं० ५७ । पत्र सं० ३ । साइज-८×७ इंच । लेखनकाल-सं० १८६९ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३२५ ।

विशेष—नित्य अभिषेक विधि एवं क्षेत्रपालाष्टक है ।

८६६ गुटका नं० ५७ (क) । पत्र सं० ३४ । साइज-६×२ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३२६ ।

विशेष—शनीश्वर की कथा एवं भजनों का संग्रह है ।

८६७ गुटका नं० ५८ । पत्र सं० १०१ । साइज-१५×२ इंच । लेखनकाल-सं० १८६६ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३२६ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा
बहदासा	धानतराय	हिन्दी
राहुलपञ्चीसी	विनोदीलाल	"

पदसंग्रह	—	हिन्दी
निर्वाणकाण्ड भाषा	—	"
पद व भजन	भगवतीदास	"
ब्रह्मनामिक्रम भाषा	—	"
पंच परमेश्वरीस्तोत्र	—	"
पूजाष्टक	—	"
सिद्धिप्रियमन्त्रोत्र	—	संस्कृत
पद संग्रह	गुणनन्दि	हिन्दी
ब्राह्मभाषा	—	"
साधु बंदना	—	"
कल्याणमन्दिर भाषा	बनारसीदास	"
ब्राह्म भाषा	—	"

८६८ गुटका नं० ५६ । पत्र सं० १५ । साइज—८X५ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।

दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ३२६ ।

८६९ गुटका नं० ६० । पत्र सं० ८८ । साइज—४X४ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।

दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ३२६ ।

विषय—सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
राजा नल की कथा	—	हिन्दी	
दोहा मारुणी	—	"	
दोहा पतिहारी का तमाशा	—	"	

८७० गुटका नं० ६१ । पत्र सं० ९० । साइज—७X६ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।

दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ३२७ । लिपि—अस्पष्ट ।

विषय—सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
बृहत् भैरवस्तोत्र	—	संस्कृत	
चौरासी जाति वर्णन	—	हिन्दी	
फुटकर दोहा	—	"	
सावित्री अष्टक	—	संस्कृत	
पद संग्रह	—	हिन्दी	

८७१ गुटका नं० ६२ । पत्र सं० २४ । साइज—७X५ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।

दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ३२७ ।

विशेष—स्तोत्र संग्रह है।

८७२ गुटका नं० ६३। पत्र सं० ६। साइज—७×६ इंच। लेखनकाल—सं० १८१२। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० ३२७।

८७३ गुटका नं० ६४। पत्र सं० १२०। साइज—६×६ इंच। लेखनकाल—सं० १७४७ काश्या सुदी ६। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० ३२८।

विषय—सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
आत्मध्यान	—	हिन्दी	
गणधरों की जयमाला	—	"	
पदसंग्रह	—	"	
पंचगति वेलि	हर्षकीर्ति	"	
नेमोश्चर जयमाला	—	"	
सुदर्शनरासो	रायमल्ल	"	रचना संवत् १७४७
होली चरित्र	छीतर डोलिया	"	" १६२६
अष्टाहिका व्रत	—	"	
मुनियों की जयमाला	—	"	
नवरत्नकवित्त	—	"	
सहस्रनामस्तोत्र	—	"	
मट्टारक पट्टावली	—	संस्कृत	
निर्दोषसप्तमी व्रत कथा	—	हिन्दी	६२ मट्टारकों के नाम
बघेरवालों के २२ गोत्र	—	"	
खण्डेलवालों के ८४ गोत्र	—	"	

८७४ गुटका नं० ६५। पत्र सं० ३३। साइज—१०×६ इंच। लेखनकाल—सं० १७६६। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० ३२८।

विशेष—कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है।

८७५ गुटका नं० ६६। पत्र सं० १५१। साइज—६×६ इंच। लेखनकाल—सं० १६६६। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा—जीर्ण। वेष्टन नं० ३२९।

विषय—सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
स्कूट दोहे	—	हिन्दी	
ढोलामारूपी दोहे	—	"	लिपि सं० १६६६ पत्र २१०
स्कूट दोहे	—	"	

पंचसहेली	कवि बीहल्ल	"	६८ दोहे रचना सं० १५७५
दोहापरमार्थ	कवि रूपचंद	"	१०१ पद्य
दशदानविधि	—	"	१४ पद्य
अष्टप्रकार पूजा	—	"	१० पद्य
गोरक्ष दोहावली	गोरखनाथ	"	७ पद्य
चारवर्ष के दोहे	—	"	५ पद्य
प्रतिमा लक्षण	—	"	
फुटकर दोहे	—	"	
बाह्यभावना	—	"	
दोहे	पार्श्वचन्द्र सूरि	"	
कबीर के दोहे	कबीरदास	"	५ दोहे
गुडी पर्वनाथ छन्द	कुशल कवि	"	२० पद्य
शिवपञ्चीसी	बनारसीदास	"	
प्यान बत्तीसी	"	हिन्दी	
बनारसीदोहावली	"	"	
छोटा गीत	—	"	
छन्द	रूपचन्द्र	"	
कबीर के दोहे	कबीरदास	"	
भंगार के दोहे	—	"	
"	—	"	
फुटकर पद्य	—	"	
द्विपंचासिका	सुमार्हत	"	
कंकाली कवित्त	—	"	
अष्ट भाषा	—	"	
फुटकर पद्य	—	"	
अध्यात्म बत्तीसी	बनारसीदास	"	
कर्मबत्तीसी	"	"	
धर्म धमाल	"	"	
अध्यात्म पैडी	"	"	
फुटकर दोहे	—	"	
अभिनन्दनस्तुति	—	"	

जिनगीत संग्रह	—	११
गुरुगीत	पासचन्द्रसूरि	११
प्रभासपुराण	—	११
गीतसंग्रह	—	११
चतुर्विंशति तीर्थंकर गीत	—	११
स्रोत संग्रह	—	११
—	—	११
नेमिकुमार गीत	—	११
दोहा संग्रह	—	११

८७६ गुटका नं० ६७ । पत्र सं० ३० । साइज-६×४ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल-सं० १७३३ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण शीर्ष । वेष्टन नं० ३२६ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
चतुर्दश गुणस्थान पाठिका	—	हिन्दी	
चतुर्विंशति तीर्थंकर पञ्चय	—	११	
अष्टकर्म प्रकृति	—	११	
गुणस्थान चर्चा	—	प्राकृत	
तत्त्वार्थसूत्र	—	संस्कृत	
चौबीस टाण	—	११	
महाभारत काव्य ४	—	११	नवीन काव्य
नंद वत्सीला	—	हिन्दी	
समयसार	बनारसीदास	११	
फुटकर चर्चा	—	११	

८७७ गुटका नं० ६८ । पत्र सं० ६० । साइज-६ $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० ३३० । लिपि-घसीट है ।

विशेष—कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है ।

८७८ गुटका नं० ६९ । पत्र सं० ६८ । साइज-६×४ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल-सं० १८६३ । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३३० ।

विशेष—उल्लेखनीय संग्रह नहीं है ।

८७९ गुटका नं० ७० । पत्र सं० ७० । साइज-७ $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३३० ।

विशेष—उल्लेखनीय संग्रह नहीं है।

न० गुटका नं० ७१ । पत्र सं० १२० । साइज—६×६ इंच । लेखनकाल—सं० १७६८ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ३३१ ।

विषय—सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
सामुद्रिक शास्त्र	—	हिन्दी	
प्रद्युम्नरासो	नवरायणल	"	रचना सं० १६२८
शीलरासो	—	"	
गुरावली	—	"	
आयुर्वेद के तुल्य	—	"	
सालहोत्री अश्वचिकित्सा	—	"	

न० गुटका नं० ७२ । पत्र सं० ८६ । साइज—६×५ इंच । लेखनकाल—सं० १७४२ चैत्र सुदी ४ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० ३३१ ।

विषय—सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
सामुद्रिक (स्त्री पुरुष लक्षण)	—	हिन्दी लिपि	सं० १७४६ आषाढ सुदी १३
पुरुषस्त्रीलक्षण	—	संस्कृत	
नागाडनी जोगमाला	—	हिन्दी	
अद्भुतसप्तानर	—	संस्कृत	

न० गुटका नं० ७३ । पत्र सं० २७ । साइज—६×६ इंच । लेखनकाल—X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ३३१ ।

विशेष—२६= स्फुट दोहों का संग्रह है।

न० गुटका नं० ७४ । पत्र सं० ३८ । साइज—६×५ इंच । लेखनकाल—X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ३३२ ।

विशेष—कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है।

न० गुटका नं० ७५ । पत्र सं० ८० । साइज—५×४ इंच । लेखनकाल—सं० १८६३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० ३३२ । लिपि—विकृत ।

विषय—सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
तीन चौबीसी	—	हिन्दी	
जय पञ्चीसी	नवल	"	
निर्वाणकांड भाषा	मैथ्या भगवतीदास	"	
संकोच अक्षर भाषा	वृधजन	"	

पंचमंगल	रूपचन्द्र	
एकीभास्वस्तोत्र	—	"
बाईसपरीषद्	—	"
भक्तभस्वस्तोत्र भाषा	—	"
कल्याणमन्दिरस्तोत्र भाषा	—	"
विद्यापहासस्तोत्र भाषा	—	"

८८५ गुटका नं० ७६ । पत्र सं० ८२ । साइज ६×४ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३३२ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
चिकित्सा संग्रह	—	हिन्दी	
सर्वकार्यसिद्धि मंत्र	—	संस्कृत	
राजवशीकरण मंत्र	—	"	

८८६ गुटका नं० ७७ । पत्र सं० १७० । साइज-१×४ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० ३३३ ।

विशेष—जिनसहस्रनामस्तोत्र भाषा एवं सिन्दूर प्रकरण आदि पाठों का संग्रह है ।

८८७ गुटका नं० ७८ । पत्र सं० ११० । साइज-१×४ इंच । लेखनकाल-सं० १=४२ भाद्रवा सुदी १२ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३३३ ।

विशेष—स्तोत्रों का संग्रह है ।

८८८ गुटका नं० ८० । पत्र सं० ६६ । साइज-१×३½ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३३४ ।

विशेष—कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है ।

८८९ गुटका नं० ८१ । पत्र सं० १४६ । साइज-१×४ इंच । लेखनकाल-सं० १=०० । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३३४ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
मंगल गीत	जिनहर्षसूरि	हिन्दी	
शमोकारस्तवन	—	"	
दानशीलतपभावना संवाद	समयसुन्दर	"	
इलापुत्र सिञ्जाय	—	"	
समाञ्जसी	समयसुन्दर	"	
स्तवनसंग्रह	—	"	

भक्तामरस्तोत्र	आ० मानतुंग	संस्कृत
नवतत्त्वप्रकरण	—	प्राकृत
पद व स्तुति	—	हिन्दी

८६० गुटका नं० ८२ । पत्र सं० ८० । साइज-५X४ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३३५ ।

विशेष—कलियुग बर्तीसी एवं हिन्दी पदों का संग्रह है ।

८६१ गुटका नं० ८३ । पत्र सं० २७ । साइज-५ $\frac{1}{2}$ X४ इञ्च । लेखनकाल-सं० १७६६ । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । वेष्टन नं० ३३५ ।

विशेष—गुटके को नैणसागर ने लिखवाया तथा बखतराम ने लिखा । स्तोत्रों का संग्रह है ।

८६२ गुटका नं० ८४ । पत्र सं० ५० । साइज-५X४ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३३५ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
पंचमंगल	रूपचंद	हिन्दी	
भक्तामरस्तोत्र	आ० मानतुंग	संस्कृत	
कवित्त	स्योजीराम	हिन्दी	
सहस्रसन्तों की पूजा	—	—	११

८६३ गुटका नं० ८५ । पत्र सं० ४ । साइज-५X४ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३३५ ।

उल्लेखनीय संग्रह नहीं है ।

८६४ गुटका नं० ८६ । पत्र सं० ४ । साइज-५X४ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३३५ ।

८६५ गुटका नं० ८७ । पत्र सं० १७६ । साइज-५ $\frac{1}{2}$ X५ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३३६ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
रविवाच कथा	भाउकवि	हिन्दी	
योगीरासो	पंडि जिनदास	११	
नारद अनुप्रेक्षा	हानमान	११	
पंचमी गीत	कवि जीहल	११	
आदायवत	—	संस्कृत	

विषाणुदास्तोत्र	धनंजय	संस्कृत
संबोधपंचासिका	—	प्राकृत
हंससारगई	—	"
यशोधर जयमाल	—	हिन्दी
सुभाषितावली	—	संस्कृत
परमात्मप्रकाश	योगीन्द्र	प्राकृत
वादिकुंजरस्तोत्र	—	संस्कृत
तत्त्वार्थयूत्र	उमास्वामि	"

८६६ गुटका नं० ८८ । पत्र सं० २५ । साइज-६X५ इंच । लेखनकाल-सं० १८१० । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण शीर्ण । वेष्टन नं० ३३७ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
ज्ञान पद	मनोहर	हिन्दी	
ग्राम नीचू का भग्नाडा	—	"	
बारहमासा	—	"	
स्तुति	—	"	
गोरखनाथजी का सरोवा	—	"	

८६७ गुटका नं० ८९ । पत्र सं० ७० । साइज-५X६ । लेखनकाल-सं० १८४२ । पूर्ण एवं शुद्ध दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३३७ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
पंचकल्याण	रूपचंद	"	
भक्ताभार स्तोत्र	आ० मानतुंग	संस्कृत	
तीन लोक चैत्यालय पूजा	—	हिन्दी	
सिद्ध पूजा	—	"	
स्वयंभू स्तोत्र	आ० समन्तसिद्ध	"	
दर्शन पञ्चीर्ण	—	"	
जयपुर के मन्दिरों का वन्दना	बलराम	"	
पद व कवित्त	—	"	

८६८ गुटका नं० ९० । पत्र सं० २२ । साइज-६X५ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३३७ ।

विशेष—कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है ।

८६६ गुटका नं० ६१ । पत्र सं० १५० । साइज—१२ $\frac{३}{४}$ ×४ $\frac{३}{४}$ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० ३३७ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
भाषीर्वाद	—	संस्कृत	
मुनीश्वर जयमाल	—	हिन्दी	
समस्ततीर्थ जयमाल	सुमतिशार	"	
चतुर्विंशति तीर्थकर जयमाल	—	संस्कृत	
सरस्वतीस्तुति	—	"	
नंदीश्वरपूजा	—	"	
भक्तगिनती	—	"	
प्रोषधपारणा विधि	—	हिन्दी	
श्रेष्ठशालाकापुरुष नाम	—	"	
गुणस्थान वर्णन	—	" (प्राकृत)	
श्वसर्पिणी उत्सर्पिणी काल का चित्र	—	"	
गृहप्रतिक्रमण क्रिया विधि	—	प्राकृत	
राजनीति शास्त्र	चाणक्य	संस्कृत	
पट्टीपहाडे	—	—	
वेदकांडी	—	संस्कृत	
वचनकेवली	—	हिन्दी	
शकुनावली	—	संस्कृत	
पाशा केवली	—	"	
आदिनाथस्तवन	—	"	
सिद्धपूजा	—	"	
कन्याणमन्दिर स्तोत्र	कुमुदचन्द्र	"	
देव दर्शन	—	"	
स्तुति संग्रह	—	हिन्दी	
भट्टारक पट्टावली	—	संस्कृत	
गृहदर्शनपन विधि	—	"	
कलीकुण्डस्तवन	—	"	

६०० गुटका नं० ६२ । पत्र सं० १७० । साइज—६×६ इञ्च । लेखनकाल—सं० १७२३ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ३३७ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
समवशरण स्तोत्र	ब्रह्म गुलाल	हिन्दी	
भक्तामर भाषा	हेमराज	"	
धन सेठ की कथा	—	"	
सती दूती की कथा	—	"	
गीत	रूपचंद	"	पद्य सं० ३१६
शील बत्तीसी	—	"	
गुणवेलि	ठक्कुरसी	"	रचनाकाल सं० १५८५
सिंहासन बत्तीसी	—	"	
मुस्लिम शासकों का राज्यकाल वर्णन	—	"	
जीवकम संवाद	—	"	सं० १२०६ से प्रारम्भ
चन्द्रगुप्त के सोलह स्वपन	—	"	१७१६
पंचपरमेष्ठी रास	—	"	"
सोलहकारणरास	—	"	"
सद्युशील रास	—	"	
बादशाही राज्य के सूबे	—	"	

६०१ गुटका नं० ६३ । पत्र सं० ६० । साइज-७ $\frac{३}{४}$ -X $\frac{३}{४}$ । लेखनकाल X । अपूर्ण-प्रारम्भ के ४१ पत्र नहीं हैं । सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३३८ ।

विशेष—पूजा पाठ संग्रह है ।

६०२ गुटका नं० ६४ । पत्र सं० २४ । साइज-७ $\frac{३}{४}$ -X $\frac{३}{४}$ । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३३८ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
पत्नी रमल	—	हिन्दी	पत्नियों के नाम का यंत्र है ।
स्तुति संग्रह	—	"	

६०३ गुटका नं० ६५ । पत्र सं० २२ । साइज-६ $\frac{३}{४}$ -X $\frac{३}{४}$ । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३३८ ।

विशेष—महारक पट्टावली एवं पूजा पाठ संग्रह है ।

६०४ गुटका नं० ६६ । पत्र सं० ५८ । साइज-७ $\frac{३}{४}$ -X $\frac{३}{४}$ इंच । लेखनकाल-सं० १७८० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० ३३८ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
पद	मन्न दयाल	हिन्दी	
सुनरी	—	"	
नेमीश्वरगीत	—	"	
"	सकलकीर्ति	"	
मल्लिनाथजी की पूजा	—	"	
विनती	दीपचन्द्र	"	
शुद्धिप्रकाश	—	"	
कल्याणमन्दिरस्तोत्र	—	"	
मजन व पद संग्रह	—	"	

६०५ गुटका नं० ६७ । पत्र सं० ४३ । साइज-१०×४ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल-सं० १८४८ । पूर्ण एवं शुद्ध ।

दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३३६ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
पंचमेरुपूजा	सुखानन्द	हिन्दी	
चतुर्विंशतितीर्थकरपूजा	रामचन्द्र	"	

६०६ गुटका नं० ६८ । पत्र सं० ५६ । साइज-६×६ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।

दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३३६ ।

विशेष—उल्लेखनीय संग्रह नहीं है ।

६०७ गुटका नं० ६९ । पत्र सं० ३२ । साइज-८×७ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-

सामान्य । वेष्टन नं० ३३६ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
उपवास और पारणा विधि	—	हिन्दी	
चार मुखों की कथा	—	"	
बीकतमायाचन	—	"	

६०८ गुटका नं० १०० । पत्र सं० १६ । साइज-६×६ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।

दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० ३३६ ।

विशेष—उल्लेखनीय संग्रह नहीं है ।

६०९ गुटका नं० १०१ । पत्र सं० ८ । साइज-८×७ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।

दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३४० ।

६१० गुटका नं० १०५ । पत्र सं० ६६ । साइज-६×६ १/२ इंच । लेखनकाल-सं० १७३० । पूर्ण एवं शुद्ध ।
दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३२५ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
रसिकप्रिया	महाकवि केशवदास	हिन्दी	
पद संग्रह	—		

”

६११ गुटका नं० १०३ । पत्र सं० ७२ । साइज-६×६ १/२ इंच । लेखनकाल X । पत्र एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३४० ।

विशेष—मंत्रों और औषधियों का संग्रह है ।

६१२ गुटका नं० १०४ । पत्र सं० ४० । साइज-४×४ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३४१ ।

विशेष—उल्लेखनीय संग्रह नहीं है ।

६१३ गुटका नं० १०५ । पत्र सं० ४० । साइज-४×४ १/२ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३४१ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
पार्श्वनाथस्तवन	—	हिन्दी	
विषाणहार स्तोत्र	—	”	
शांतिनाथपूजा	—	”	
३४ प्रकृति पाठ	—	”	

६१४ गुटका नं० १०६ । पत्र सं० २२ । साइज-६ १/२×५ १/२ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-
सामान्य । वेष्टन नं० ३४१ ।

विशेष—पूजा पाठ संग्रह है ।

६१५ गुटका नं० १०७ । पत्र सं० ८० । साइज-६×५ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३४१ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
महर्हरि शतक	महर्हरि	संस्कृत	
शृंगार मंजरी	सवाई प्रतापसिंह	हिन्दी	
वैराग्य मंजरी	”	”	

६१६ गुटका नं० १०८ । पत्र सं० १०८ । साइज-६×४ १/२ इंच । लेखनकाल । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३४२ ।

विषय—सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
वैष्णवमनोत्सव	केशवदास नयनसुख	हिन्दी	
त्रिकाल चौबीसी के नाम	—	"	
पाकशास्त्र	—	"	
संघादि संग्रह	—	"	

६१७ गुटका नं० १०६ । पत्र सं० १६ । साइज—६×४ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—जीर्ण ।

वेष्टन नं० ३४२ ।

विशेष—उल्लेखनीय संग्रह नहीं है ।

६१८ गुटका नं० ११० । पत्र सं० ४४ । साइज—६×४ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।

दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ३४२ ।

विषय—सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
संघादि संग्रह	—	हिन्दी	
महादेवपार्वती संवाद	—	"	

६१९ गुटका नं० १११ । पत्र सं० २४१ । साइज—६×४ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा—

सामान्य । वेष्टन नं० ३४३ ।

विषय—सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
छहदासा	पं० धानतराय	हिन्दी	रचनाकाल १७५८
छहदासा	" बुधजन	"	" १८५६
"	" दौलतराम	"	
"	" श्री कृष्ण	"	
बाह्यभावना	मैय्या भगवतीदास	"	
समाधिमरण	पं० धानतराय	"	
स्तुति संग्रह	नवल कवि	"	

६२० गुटका नं० ११२ । पत्र सं० ५-६१ । साइज—७×४ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।

दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ३४३ ।

विशेष—पूजाओं का संग्रह है ।

६२१ गुटका नं० ११३ । पत्र सं० १८ । साइज—६½×४ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।

दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ३४३ ।

विशेष—उल्लेखनीय संग्रह नहीं है ।

६२२ गुटका नं० ११४ । पत्र सं० २० । साइज-६ $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३४० ।

विशेष—आयुर्वेदिक पुस्तकों का संग्रह है ।

६२३ गुटका नं० ११५ । पत्र सं० १६५ । साइज-८×६ इंच । लेखनकाल-सं० १७७६ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० ३४४ ।

विषय—सूत्री	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
तत्त्वार्थसूत्र	उमास्वामि	संस्कृत	
साधु वंदना	—	हिन्दी	
पंचमंगल	रूपचन्द्र	"	
स्तवन	—	"	
समयसार	बनारसीदास	"	
जोगीरासी	० जिनदास	"	

६२४ गुटका नं० ११६ । पत्र सं० ३५ । साइज-७ $\frac{१}{२}$ ×६ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० ३४४ ।

विशेष—पूजा पाठ संग्रह है ।

६२५ गुटका नं० ११७ । पत्र सं० २७ । साइज-६×६ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-
जीर्ण शीर्ण । वेष्टन नं० ३४० ।

विशेष—भक्तमार्गस्तोत्र ऋद्धि मंत्र सहित है ।

६२६ गुटका नं० ११८ । पत्र सं० ७७ । साइज-२ $\frac{१}{२}$ ×५ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३४५ ।

विशेष—मंत्रों का संग्रह है ।

६२७ गुटका नं० ११९ । पत्र सं० १३ । साइज-७ $\frac{१}{२}$ ×२ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० ३४५ ।

विशेष—उल्लेखनीय संग्रह नहीं है ।

६२८ गुटका नं० १२० । पत्र सं० १३-१३५ । साइज-६×५ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० ३४५ ।

विशेष—आयुर्वेदिक पुस्तकों का संग्रह है ।

६२९ गुटका नं० १२१ । पत्र सं० ८ । साइज-२ $\frac{१}{२}$ ×४ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३४५ ।

विशेष—हिन्दी में पार्श्वनाथ के जीवन का वर्णन है ।

गुटके]

६३० गुटका नं० १२२ । पत्र सं० २७ । साइज ६×४ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण—प्रारम्भ का पत्र नहीं है ।

दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० ३४५ ।

विशेष—चरनदास कृत हिन्दी में ज्ञानस्वरोदय है ।

६३१ गुटका नं० १२३ । पत्र सं० २४-३६४ । साइज-३ $\frac{१}{२}$ ×२ $\frac{१}{२}$ । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य

शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ३४६ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
ज्ञानदर्शन	—	संस्कृत	
ब्रह्मकर्मसूत्र	—	"	
नी का बन्ध	विनोदीलाल	हिन्दी	
स्तुति संग्रह	—	"	

६३२ गुटका नं० १२४ । पत्र सं० ३७-५६ । साइज-४×४ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य

शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ३४६ ।

विशेष—हिन्दी के पदों का संग्रह है ।

६३३ गुटका नं० १२५ । पत्र सं० २२ । साइज ४×३ इञ्च । लेखनकाल-सं० १=६५ । पूर्ण एवं शुद्ध ।

दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ३४६ ।

विशेष—हिन्दी के पदों का संग्रह है ।

६३४ गुटका नं० १२६ । पत्र सं० ८५ । साइज-८ $\frac{१}{२}$ ×६ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण—प्रारम्भ के ६ पत्र

नहीं हैं । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ३४७ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
बिहारी सतसई	महाकवि बिहारी	हिन्दी	
सुन्दर शृंगार	सुन्दरदासजी	"	

६३५ गुटका नं० १२७ । पत्र सं० १६ । साइज-८ $\frac{१}{२}$ ×६ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा—

सामान्य । वेष्टन नं० ३४३ ।

विशेष—भट्टहरि कृत वैराग्य शतक है ।

६३६ गुटका नं० १२८ । पत्र सं० ६ । साइज-७×५ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।

दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ३३३ ।

ब्रह्मदेव कृत आदिनाथ से लेकर सुमातिनाथ तक स्तुति संग्रह है ।

६३७ गुटका नं० १२९ । पत्र सं० २२ । साइज-७×५ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।

दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ३३३ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा
पदसंग्रह	पं० भूधरदासजी	हिन्दी
"	" वृधजन	"
पंचमंगल	रूपचन्द	"
पद संग्रह	पं० धानतरायजी	"

६३८ गुटका नं० १३० । पत्र सं० ३७ । साइज ८X६ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३४७ ।

विशेष—उल्लेखनीय संग्रह नहीं है ।

६३९ गुटका नं० १३१ । पत्र सं० ४० । साइज-६X४ इंच । लेखनकाल-सं० १=७३ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३४८ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
कोकशास्त्र	—	हिन्दी	
शनिहर देव की कथा ।	—	"	
जमाल के दोहे	जमाल कवि	"	
निर्वाणकांड भाषा	भैरव भगवतीदास	"	
पद संग्रह	—	"	

६४० गुटका नं० १३२ । पत्र सं० ३६ । साइज-६X४ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं जीर्ण । लिपि-
विकृत । वेष्टन नं० ३४९ ।

विशेष—सहस्रनामस्तोत्र एवं पूजा संग्रह है ।

६४१ गुटका नं० १३३ । पत्र सं० ३४ । साइज-६X४ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-
सामान्य । वेष्टन नं० ३४८ ।

विशेष—उल्लेखनीय संग्रह नहीं है ।

६४२ गुटका नं० १३४ । पत्र सं० ५६ । साइज-६X४ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३४८ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
हनुमान जति (मंत्र)	—	संस्कृत	
बाकिन का चढ़ावा	—	हिन्दी	
भाडा देने का मंत्र	—	"	
पुरुषस्त्रीवशीकरणमंत्र	—	"	
मंत्र संग्रह	—	"	

६४३ गुटका नं० १३५ । पत्र सं० ४२ । साइज-७×५ १/२ इंच । लेखनकाल-सं० १८४७ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३४८ ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
विष्णु वरीका	—	हिन्दी	
विष्णुसारा की विधि	—	"	
विष्णु की विधि	—	"	
विष्णुपूत का मंत्र	—	"	
विष्णु वंदन यंत्र विधि	—	"	
विष्णु वृद्धिमन्त्र	—	संस्कृत	
विष्णु मन्त्र पूजा विधि	—	"	
विष्णु चाण्डालिनी मंत्र	—	"	
विष्णु मंत्र	—	"	
विष्णु मंत्र	—	"	
विष्णु	—	हिन्दी	

६४४ गुटका नं० १३६ । पत्र सं० १५ । साइज-८×५ १/२ इंच । लेखनकाल-सं० १८५४ जेठ सुदि १४ ।

पूर्ण-प्रारम्भ के पत्र नहीं है । शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० ३४६ ।

विशेष—नवल कविकृत सामुद्रिक शास्त्र भाषा है । रचनाकाल सं० १७४५ है ।

६४५ गुटका नं० १३७ । पत्र सं० ३४ । साइज-७×५ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३४७ ।

विशेष—नवलकवि कृत हिन्दी के पदों का संग्रह है ।

६४६ गुटका नं० १३८ । पत्र सं० ६५ । साइज-७ १/२×५ इंच । लेखनकाल-सं० १८४६ । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३४६ ।

विशेष—उल्लेखनीय संग्रह नहीं है । जैनवर्दी देश की चिट्ठी सं० १८८४ की है ।

६४७ गुटका नं० १३९ । पत्र सं० १५ । साइज-६×४ १/२ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३५० ।

विशेष—उल्लेखनीय संग्रह नहीं है ।

६४८ गुटका नं० १४० । पत्र सं० ५७ । साइज-६×४ १/२ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० ३५० ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
बावनी	कवि छीहल	हिन्दी	रचनाकाल सं० १५८४

भावनों

मुनि कल्याणकीर्ति

११

स्फुट पद्य

—

११

६४६ गुटका नं० १४१ । पत्र सं० ६२ । साइज—६ $\frac{1}{2}$ ×४ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । भाषा—हिन्दी । अपूर्ण सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ३५० ।

विषय—नवी

कर्ता का नाम

भाषा

इशकनन्द

—

हिन्दी

कवित्त

पद्माकर कवि

११

छप्पय

गंग कवि

११

छप्पय

—

११

गुदा

—

११

स्फुट पद्य

—

११

६५० गुटका नं० १४२ । पत्र सं० १३५ । साइज—६×२ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ३५० ।

विषय—नवी

कर्ता का नाम

भाषा

चमत्कारवितामणि (ज्योतिष)

—

संस्कृत

गजजिनेशान्तक यमकबद्धस्तुति

—

११

नवग्रहस्तवन

—

११

सुपार्श्वस्तवन

प्रभाचन्द्र

११

शान्तिनाथस्तुति

—

११

पार्श्वनाथस्तवन

राजसेन

११

शिवणपार्श्वनाथस्तवन

प्रभाचन्द्र देव

११

११

—

११

पार्श्वनाथस्तवन

सोमसेन

११

जीरावलि पार्श्वनाथस्तवन

कल्याणकीर्ति

११

नवग्रह स्तवन

११

११

पार्श्वस्तुति

—

११

मंगलाष्टक

—

११

चतुर्विंश संघ वर्णन

—

११

सल्लेखना

—

११

समाधि मरण

—

हिन्दी

८४ जातियों के नाम	—	११
राजवंशों के नाम	—	११
नित्य प्रतिक्रमण विधि	—	प्राकृत
पट्टावलि (बंसात्कार गुरावली)	—	संस्कृत
जिनस्तोत्र	जिनचंद्र	११
भक्तामरस्तोत्र	भानतुंगाचार्य	११
भूपालचतुर्विंशति	भूपाल कवि	११
पूर्वमावस्तोत्र	वादिराज	११
विषाणहार स्तोत्र	धनंजय	११
इष्टोपदेश	—	११
जिनदर्शनस्तवन	—	प्राकृत
भुतदेवतास्तवन	—	संस्कृत
शांतिनामस्तवन	—	११
कुरुषाष्टक	पद्मनंदि	११
क्रियाकाण्डचूलिका	—	—
पुस्तमानना दशक	—	११
परमार्थविंशति	—	११
सज्जनचित्तवल्लभ स्तोत्र	रविषेणाचार्य	११
धकलकाष्टक	—	११
अमकाष्टक	अमरकीर्ति	११
पितृमणि पार्श्वनाथस्तवन	—	११
दुर्लभाभुषेका	—	प्राकृत
अमाचिरातक	पूज्यपाद	संस्कृत
अशीकुमाण	अमरकवि	११
स्तोत्र	—	११
अमर्तनाथ स्तोत्र	—	११
अमावती स्तवन	—	११
अमरविधि	—	११
अमरसमंजन	—	११
अमर व्योतिष	—	११
अमर	—	११

अंतराय चर्चा

षट् मत चर्चा

हिन्दी

२१

६५१ गुटका नं० १४३ । पत्र सं० ४३ । साइज- $2\frac{1}{2} \times 2\frac{1}{2}$ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं अशुद्ध । दशा-
जीर्ण । वेष्टन नं० ३३७ । लिपि-विकृत ।

विषय-सूची

कर्ता का नाम

भाषा

विशेष

पाँपाजी की परचई

पृथ्वीनाथजी की साधुपूछा

ज्ञानचौतीसी

राजा गोपीचन्द के पद (सबदी)

गरीबदासजी के पद

२२

६५२ गुटका नं० १४४ । पत्र सं० ३६० । साइज- $2\frac{1}{2} \times 2\frac{1}{2}$ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३५१ ।

विषय-सूची

कर्ता का नाम

भाषा

विशेष

रोहिणी व्रत विधान

पंडित तुलसी

दक्षिणी अष्टक

स्फुट पद एवं कवित्त

सक्तीकरण विधि

मत्तामर भाषा

नाममाता

आत्मात्म कावनी

कलियुग्म पार्श्वनाथ पूजा

सिद्ध पूजा

बारस अणुपेक्षा

समयसार प्राभृत

परमात्मप्रकाश

फुटकर कवित्त

हिन्दी

६५३ गुटका नं० १४५ । पत्र सं० ३४ । साइज- $2\frac{1}{2} \times 2\frac{1}{2}$ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
सामान्य । वेष्टन नं० ३५२ ।

विशेष-पूजाओं का संग्रह है ।

६५४ गुटका नं० १४६ । पत्र सं० ४८ । साइज- $2\frac{1}{2} \times 2\frac{1}{2}$ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।

गुटके]

दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३५२ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
पद्य संग्रह	—	हिन्दी	
अजितशान्तिस्तवन	—	प्राकृत	
शासनदेवतास्तोत्र	—	"	
शान्तिस्तोत्र	—	संस्कृत	
कल्याणमन्दिर स्तोत्र	कुमुदचंद्र	"	

६५५ गुटका नं० १४७ । पत्र सं० ४१ । साइज-७ १/२ X ७ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं अशुद्ध । दशा-
भाषा । लिपि-विकृत । वेष्टन नं० ३५२ ।

विशेष—मंत्रादि का संग्रह है ।

६५६ गुटका नं० १४८ । पत्र सं० १४ । साइज ६-१/२ X ६ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३५२ ।

विशेष—उल्लेखनीय संग्रह नहीं है ।

६५७ गुटका नं० १४९ । पत्र सं० ३२ । साइज-६ X ६ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३५३ ।

विशेष—स्तोत्र संग्रह है ।

६५८ गुटका नं० १५० । पत्र सं० ४३ । साइज-६ X ४ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं अर्ध । लिपि-
विकृत । वेष्टन नं० ३५३ ।

विशेष—मंत्रादि का संग्रह है ।

६५९ गुटका नं० १५१ । पत्र सं० ८० । साइज-६ X ६ इंच । लेखनकाल-सं० १७७८ । अपूर्ण-प्रारम्भ के
१० पत्र नहीं हैं । वेष्टन नं० ३५३ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
कल्याणमन्दिरस्तोत्र	बनारसीदास	हिन्दी	
मत्तामरस्तोत्र	—	"	
पंचकल्याण	रूपचन्द्र	"	
अम्यातमबत्तीसी	—	"	
राष्ट्र के पद	—	"	
तत्त्वार्थसूत्र	उमास्वाति	संस्कृत	
भोक्त सार	—	"	

६६० गुटका नं० १५२ । पत्र सं० १२ । साइज-६X७ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३५४ ।

विशेष—जिनसेनाचार्य कृत सहरत्रनामस्तोत्र है ।

६६१ गुटका नं० १५३ । पत्र सं० २० । साइज-६X४ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३५४ ।

विशेष—उल्लेखनीय संग्रह नहीं है ।

६६२ गुटका नं० १५४ । पत्र सं० २० । साइज-६X४ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-
सामान्य । वेष्टन नं० ३५४ ।

विशेष—उल्लेखनीय संग्रह नहीं है ।

६६३ गुटका नं० १५५ । पत्र सं० २० । साइज-५X४ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३४४ ।

विशेष—स्तोत्र संग्रह है ।

६६४ गुटका नं० १५६ । पत्र सं० ४० । साइज-५X६ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-
सामान्य । वेष्टन नं० ३५५ ।

विशेष—पूजा एवं स्तोत्र संग्रह है ।

६६५ गुटका नं० १५७ । पत्र सं० २६२ । साइज-६X६ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल-सं० १७=४ । पूर्ण एवं
सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३५५ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
विनती	—	हिन्दी	४० पृष्ठ
एकीभावस्तोत्र	—	"	
साधु वंदना	—	"	
मोक्षपैठी	बनारसीदास	"	
एकीभावस्तोत्र	—	"	
बावनी	मोहन	"	
वैद्य लक्षण	—	"	
महासिंधुचतुर्दशी	बनारसीदास	"	
बावनी	—	"	
चौरासीबोल	हेमचन्द्र	"	सि० १७८४
कल्याणमन्दिरस्तोत्र	—	"	
महाभारतस्तोत्र भाषा	हेमराज	"	

६६६ गुटका नं० १५८ । पत्र सं० २२३ । साइज— $7\frac{1}{2} \times 6$ इञ्च । लेखनकाल—सं० १८३३ आषाढ सुदी १० ।

पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ३५६ । तीन गुटकों को मिलाकर एक गुटका कर दिया गया है ।

विषय—सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
वृन्द सतसई	कवि वृन्द	हिन्दी	रचना सं० १७१२
सापुद्रिक मूल संस्कृत टीका हिन्दी	—	"	ले० १८२२
नाममाला	—	संस्कृत	
गृहज्ञान	—	"	
जातक ताजकसार	सवाई प्रतापसिंह	हिन्दी	
संनौषध	कवि शेखर	संस्कृत	
बादशाही समय के प्रान्तों के नाम	—	हिन्दी	
शकुनसारोद्धार	माणिक्यसूरी	संस्कृत	

६६७ गुटका नं० १५९ । पत्र सं० ७६ । साइज— $6\frac{1}{2} \times 4\frac{1}{2}$ इञ्च । लेखनकाल—सं० १८०३ पूर्ण सं० १८१८ ।

पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ३५६ ।

विशेष—पूजाओं का संग्रह है ।

६६८ गुटका नं० १६० । पत्र सं० २५ । साइज— $6\frac{1}{2} \times 4\frac{1}{2}$ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।

दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ३५७ ।

विशेष—उल्लेखनीय संग्रह नहीं है ।

६६९ गुटका नं० १६१ । पत्र सं० १६६ । साइज— $4\frac{1}{2} \times 4$ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।

दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ३५७ ।

विशेष—दो गुटकों का संग्रह है ।

विषय—सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
वृन्दसतसई	कवि वृन्द	हिन्दी	
श्रीरामचरित (श्वेताम्बर)	—	"	
शकुल शास्त्र	—	"	
मैरू'बी की पाठ गीत	—	"	
कृष्णस्तुति	—	"	
शनिश्चर कथा	—	"	
नवरत्नकविच	—	"	
शामावलीसी	—	"	
कुटुम्बपद संग्रह	—	"	

एकीभावस्तोत्र	—	हिन्दी	
भूषण चौबीसी	—	"	
विषापहारस्तोत्र	—	"	
निर्वाणकाण्ड भाषा	भगवतीदास	"	लि० सं० १८७२
निर्वाणसंगल	विषभूषण	"	
वारहभावना	जगदीश	"	रचना १७२६
पदसंग्रह	—	"	
नेमिनाथस्तुति	—	"	
सुग्रा निषेध छप्पय	—	"	
कुकविनिदा	—	"	
ब्रह्म रस कथा	—	"	
पदराग संग्रह	—	"	
मुनीश्वरों की जयमाला	—	"	
विन्ती संग्रह	—	"	
अनित्यपंचाशिका	त्रिभुवनचन्द्र	"	
स्तुति	—	"	
विषापहारस्तोत्र	जिनदास	"	
भूपालचौबीसी	सूधरदास	"	
महालक्ष्मी स्तोत्र	—	"	
परमानन्द स्तोत्र	—	संस्कृत	
भक्तामरस्तोत्र	आ० मानतुंग	"	
कल्याणमन्दिरस्तोत्र	कुमुदचन्द्र	"	
श्रीषिमंडलस्तोत्र	—	"	
लघु सहस्रनाम	—	"	
सिद्धप्रियस्तोत्र	देवनंदि	"	
एकीभावस्तोत्र	वादिराज	"	
भूपालचतुर्विंशति	भूपाल कवि	"	
विषापहारस्तोत्र	धनंजय	"	
तत्त्वार्थसूत्र	उमास्वाति	"	
कल्याणमन्दिरभाषा	बनारसीदास	"	
भक्तामर भाषा	हेमराज	"	

गुटक]

आदित्यवार की कथा	—	हिन्दी
पदसंग्रह	—	"
कलियुगकथा	—	"
गणेशाष्टक	—	"
सीमधरस्वामी स्तवन	—	"
पार्श्वनाथाष्टक	—	संस्कृत
विजयसेठविजयासतीरास	—	हिन्दी
जीवोत्पत्ति वर्णन	—	"
हीतवार की कथा	—	"
जिनमक्ति	—	"
फुटकर पद संग्रह	—	"

६७० गुटका नं० १६३ । पत्र सं० ४३ । साइज— $६\frac{१}{२} \times ४\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।

दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ३५८ ।

विशेष—हिन्दी के पदों का संग्रह है ।

६७१ गुटका नं० १६४ । पत्र सं० ८२ । साइज— $८\frac{१}{२} \times ६$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।

दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ३५८ ।

विशेष—मैथ्या भगवतीदास की स्फुट रचनाओं का संग्रह है ।

६७२ गुटका नं० १६५ । पत्र सं० १० । साइज— $११\frac{१}{२} \times ३\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध ।

दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ३५८ ।

विशेष—उल्लेखनीय संग्रह नहीं है ।

६७३ गुटका नं० १६६ । पत्र सं० ४४ । साइज— $८\frac{१}{२} \times ६$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—

सामान्य । वेष्टन नं० ३५६ ।

विषय—सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
कलिकुण्डल विधि	—	संस्कृत	
प्रवर रुक्ने का मंत्र	—	"	
हाँडी बंधन मंत्र	—	"	
गायत्री मंत्र	—	"	
हनुमताष्टक	रामचन्द्र	"	
हनुमतकवच	—	"	(महासुपुराण से)
आलामालिनी वज्रपंजर यंत्र	—	"	सचित्र

मंत्र वर	—	संस्कृत
जयपताका मंत्र	—	"
यंत्र पूजा होमविधि	—	"
फुटकर मंत्र संग्रह	—	"

६७४ गुटका नं० १६७ । पत्र सं० १३ । साइज-६×६ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३५६ ।

विशेष—गुणस्थान सम्बन्धी चर्चायें हैं ।

६७५ गुटका नं० १६८ । पत्र सं० १४ । साइज-७×५ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३५६ ।

विशेष—हिन्दी के पदों का संग्रह है ।

६७६ गुटका नं० १६९ । पत्र सं० १४ । साइज-६×५ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-
सामान्य । वेष्टन नं० ३४८ ।

विशेष—गुल्लेखनीय संग्रह नहीं है ।

६७७ गुटका नं० १७० । पत्र सं० १०० । साइज-६×५ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३४८ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
शान्तिनाभस्तोत्र	—	संस्कृत	
भक्तामर भाषा	हेमराज	हिन्दी	
कल्याणमन्दिर स्तोत्र	बनारसीदास	"	
विषाणहारस्तोत्र भाषा	अचलकीर्ति	"	
नेमीश्वर स्तुति	—	"	
तत्त्वार्थसूत्र	उमास्वाति	संस्कृत	
पंचमंगल	रूपचंद	हिन्दी	
वृंद सतसई	वृंद कवि	"	७१० पद्य

६७८ गुटका नं० १७१ । पत्र सं० ३६ । साइज ६×६ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १०० ।

विशेष—मंत्रादि संग्रह है ।

६७९ गुटका नं० १७२ । पत्र सं० ४६ । साइज-६×४ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३६२ ।

६८० गुटका नं० १७३ । पत्र सं० १६२ । साइज-६×४ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३६३ ।

६८१ गुटका नं० १७४ । पत्र सं० ५० । साइज-६×२ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं अशुद्ध । दशा-
जीर्ण । वेष्टन नं० ३६१ ।

विशेष—मंत्रादि का संग्रह एवं आधुनिक नुस्खों का संग्रह है ।

६८२ गुटका नं० १७५ । पत्र सं० ४५ । साइज-६×२ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३६१ ।

विशेष—श्री रामचन्द्र कृत हिन्दी में रामविनोद है ।

६८३ गुटका नं० १७६ । पत्र सं० २७१ । साइज-६×२ इंच । लेखनकाल सं० १७२६ । पूर्ण एवं सामान्य
शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २७८ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
अन्यात्मोपनिषत्तियोग	हेमचन्द्रसूरि	संस्कृत	
एकादशी नाममाला	—	"	
चित्रबन्ध दोहा	जोधराज गोदीका	हिन्दी	
बकेश्वरीस्तोत्र	—	संस्कृत	
आलामालिनी स्तोत्र	—	"	
महालक्ष्मीस्तोत्र	—	"	
प्रश्नोत्तररत्नमाला	—	"	
भुतबोध	कालिदास	"	
शुनीश्वरों की सप्ताई	—	"	
वन्द्यसंग्रह	व्या० नेमिचन्द्र	प्राकृत	
चौतासी अष्टादश	—	"	
सामायिक बत्तीस दोष	—	संस्कृत	
सौमधस्वामी स्तवन	—	"	
मुनिक्रियाकर्म	—	"	
हरहर प्रतिक्रमण	—	प्राकृत	
आचर्य प्रतिक्रमण	—	"	
स्वयंपूस्तोत्र	समन्तभद्र	संस्कृत	
हरावली	—	"	
महावलि	—	"	भ० सीमकीर्षि तक
अष्टमस्तोत्रप्रतिक्रमणपाठ	—	"	
कर्मबन्ध विनाश भावना	—	"	
वत्सार्पण	वत्सास्वति	"	

सामायिकमाठ	—	संस्कृत	
स्थावरजीवों की आयु	—	"	
पृथ्वी के भेद	—	"	
१८ द्रव्य वर्णन	—	"	
सप्ततत्त्ववर्णन	—	"	
त्रैशठशलाका पुरुष वर्णन	—	"	
तीनलोक रचना	—	"	
अष्टकर्म विवरण	—	"	
पंचषष्ठी अतिचार	—	"	
तत्त्वादि वर्णन	—	"	
परमसुखदात्रिशिका	—	"	
परमानन्दश्लोक	—	"	
अष्टप्रकार पूजा	—	"	लिपि सं० १६४०
अध्यात्मस्तवन	—	"	
नामिकमल अध्यात्मप्रकाश	—	"	
दश दृष्टांत काव्य	—	"	
पार्श्वनाथ स्तोत्र	—	"	
वस्तुसंख्या	—	"	
वस्तुविज्ञानरत्नकोश	—	"	
भादशाहों की आयु वर्णन	—	"	लिपि १६६०
सूर्यसहस्रनाम	—	हिन्दी	
पंचस्तवन	—	संस्कृत	
पद्मप्रभुवास्तुपूजस्तवन	—	"	
चन्द्रप्रभस्तवन	—	"	
यंत्रादि सचित्र	—	"	
शातिनामस्तवन	—	"	
सुबुचाणक्य नीतिशास्त्र	चाणक्य	"	
बृहदचाणक्य नीतिशास्त्र	"	"	सं० १६६२

११

६८४ गुटका नं० १७७ । पत्र सं० १६० । साइज—१०×७ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण—प्रारम्भ के पत्र नहीं हैं । सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ३६१ ।

विशेष—पूजा संग्रह एवं बनारसीदास कृत समयसार हैं ।

६८५ गुटका नं० १७८ । पत्र सं० ३० । साइज-१०×७^१/_२ इंच । लेखनकाल-सं० १८८२ । पूर्ण एवं

सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३६१ ।

विशेष—खण्डेसवालों के ८४ रोगों की सूची एवं उनका सामान्य परिचय है ।

६८६ गुटका नं० १७९ । पत्र सं० १८६ । साइज-६×७ इंच । लेखनकाल-सं० १७०४ । पूर्ण एवं सामान्य

शुद्ध । दशा सामान्य । वेष्टन नं० ३६१ ।

विशेष—पूजा पाठ संग्रह है ।

६८७ गुटका नं० १८० । पत्र सं० १२० । साइज-६×७^१/_२ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।

दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २८० ।

विशेष—कितने ही रोगों के नसखे दिये हुये हैं । प्रारम्भ और अन्त में कुछ संज्ञा भी दिये हैं जिनसे भी रोगों की जाति होती है ।

६८८ गुटका नं० १८१ । पत्र सं० ६८ । साइज-६×७ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।

दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २८५ ।

विषय-सूची

कर्त्ता का नाम

भाषा

विशेष

सिकप्रिया

केशवदास

हिन्दी

पञ्चमार्जन

—

"

शृंगार प्रबंध

—

"

६८९ गुटका नं० १८२ । पत्र सं० ३१ । साइज-११×७ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।

दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१५ ।

विशेष—पद संग्रह है ।

६९० गुटका नं० १८३ । पत्र सं० ६६ । साइज-११×१ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।

दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१४ ।

विशेष—उल्लेखनीय संग्रह नहीं है ।

६९१ गुटका नं० १८४ । पत्र सं० ७३ । साइज-११×१ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण-प्रारम्भ के १८

पत्र नहीं हैं । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१४ ।

विशेष—पूजा पाठ संग्रह है ।

६९२ गुटका नं० १८५ । पत्र २७ । साइज ११×१ इंच । लेखनकाल-सं० १८३१ । पूर्ण एवं सामान्य :

शुद्ध दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१४ ।

विषय-सूची

कर्त्ता का नाम

भाषा

विशेष

ज्ञानवितामणि

मनोहरदास

हिन्दी

खंडेलवालजाति उत्पत्ति वर्णन
महारक पट्टावलि

हिन्दी

[गुप्ते

६६३ गुटका नं० १८६ । पत्र सं० २० । साइज-१०×७ । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १४५ ।

विशेष—गुटके में मंत्रादि का संग्रह है ।

६६४ गुटका नं० १८७ । पत्र सं० ७५ । साइज-१२×६ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० ३४७ ।

विशेष—२० प्रकार के साधारण मंत्र हैं कुछ तुलसी भी हैं ।

६६५ गुटका नं० १८८ । पत्र सं० ६० । साइज ७ १/२×७ १/२ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं अशुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३४६ ।

विषय—सूची

कर्ता का नाम

भाषा

विशेष

पद संग्रह

जगताराम

हिन्दी

श्रीषधादि संग्रह

” अलग २ तुलसी दिये हुये हैं ।

६६६ गुटका नं० १८९ । पत्र सं० १७४ । साइज-१२ १/२×४ १/२ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं अशुद्ध । दशा-सामान्य । लिपि-विकृत । वेष्टन नं० १७४ ।

विशेष—मंत्रादि का संग्रह है ।

६६७ गुटका नं० १९० । पत्र सं० १६० । साइज-६×४ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १७४ ।

विषय—सूची

कर्ता का नाम

भाषा

विशेष

श्रावकों के २४ गीत

—

हिन्दी

पद संग्रह

—

मत्तामर भाषा

हेमराज

”

चौबीस ठाणों का गीत

”

नरकों का यंत्र

—

प्राकृत

पद

—

”

खण्डेलवालों के चौबीस गीतों के नाम

—

हिन्दी “मित्र तो घर्म सनेही की ज्य

खण्डेलवालों की उत्पत्ति वर्णन

—

”

पद संग्रह

—

”

चौबीसदण्डक चौपई

दीलतरामजी

”

ब्रह्मा और श्रोता के गुरु

—

हिन्दी

”

गुटके]

पद संग्रह	—	११
वज्रनाभिराजा का वैराग्य	—	११
सहस्रीस्तोत्र	—	११
पद संग्रह	—	११
ताडुलपञ्चीसी	—	११
मन ज्ञान का संग्राम	लालचन्द	११
आयम मंगल	—	११
मेघकुमार की विनती	—	११
पद व मजन संग्रह	—	११

६६८ गुटका नं० १६१ । पत्र सं० १४२ । साइज-६×३½ इंच । भाषा-हिन्दी । लेखनकाल-सं० १८८३ ।

पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १७७ ।

विशेष—गुटके में पूजा और स्तोत्र संग्रह है ।

६६९ गुटका नं० १६२ । पत्र सं० २० । साइज-६×४ इंच । भाषा-हिन्दी । लेखनकाल X । पूर्ण एवं

सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १७७ ।

विशेष—उल्लेखनीय संग्रह नहीं है ।

१००० गुटका नं० १६३ । पत्र सं० ६० । साइज-६×४ इंच । भाषा-हिन्दी । लेखनकाल X । पूर्ण एवं

सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १७७ ।

विशेष—हिन्दी के पदों का संग्रह है ।

१००१ गुटका नं० १६४ । पत्र सं० ६० । साइज-८×४ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । प्रति

नवीन है । वेष्टन नं० २०६ ।

विशेष—पूजा पाठ संग्रह है ।

१००२ गुटका नं० १६५ । पत्र सं० ३ । साइज-८×४ इंच । भाषा-संस्कृत । लेखनकाल X । पूर्ण एवं

शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २०६ ।

१००३ गुटका नं० १६६ । पत्र सं० ५ । साइज-८½×४ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।

दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २०६ ।

१००४ गुटका नं० १६७ । पत्र सं० ६ । साइज-८×५½ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।

दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६४ ।

विशेष—हेमराज कृत हिन्दी में चौरासी बोल है ।

१००५ गुटका नं० १६८ । पत्र सं० ४ । साइज-६×५½ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।

दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६४ ।

१००६ गुटका नं० १६६ । पत्र सं० १० । साइज— $७\frac{1}{2} \times ५$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६४ ।

१००७ गुटका नं० २०० । पत्र सं० १५ । साइज— $७\frac{1}{2} \times ५$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६४ ।

१००८ गुटका नं० २०१ । पत्र सं० २०७ । साइज— ७×५ इंच । लेखनकाल—सं० १६६२ । अपूर्ण—प्रारम्भ के १६२ पत्र नहीं हैं । सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० ३६२ ।

विशेष—गुटके में पूजा एवं स्तोत्र संग्रह है ।

१००९ गुटका नं० २०२ । पत्र सं० २२ । साइज— $६\frac{1}{2} \times ५\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३६२ ।

विशेष—पूजा पाठ संग्रह है ।

१०१० गुटका नं० २०३ । पत्र सं० ३६ । साइज— $५\frac{1}{2} \times ४\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल—सं० १८३२ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३६२ ।

विशेष—उल्लेखनीय पाठ नहीं है ।

१०११ गुटका नं० २०४ । पत्र सं० २४० । साइज— ६×४ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण—प्रारम्भ के १६ पत्र नहीं हैं । सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३६२ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
ब्रह्माण्डपुराण	—	संस्कृत	
मल्लारिकवच	—	"	
मल्लारिहस्वस्तोत्र	—	"	
सुन्दरलहरी	—	"	
महिमाख्य स्तोत्र	—	"	
आनन्दलहरी	—	"	
त्रिप्रपाथ स्तोत्र	शंकराचार्य	"	
पांडवगीता	शंकराचार्य	"	पुनर्दंगचाय
शिवाष्टक	पांडव	"	
हनुमानमाला	—	"	
मंगलाष्टक	—	"	
गंगाष्टक	—	"	
रामचन्द्र स्तुति	शंकराचार्य	"	
प्रश्नोत्तररत्नमाला	—	संस्कृत	
	शंकराचार्य	"	

आत्मनिजतत्त्वप्रकाश

संस्कृत

जीव्यादि संग्रह

२२

१०१२ गुटका नं० २०५ । पत्र सं० ३० । साइज-६×४ इञ्च । लेखनकाल X । भाषा-संस्कृत । अपूर्ण एवं

सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३६३ ।

विशेष—पूजा पाठ संग्रह है ।

१०१३ गुटका नं० २०६ । पत्र सं० ६६ । साइज-६×४ इञ्च । लेखनकाल X । भाषा-हिन्दी । पूर्ण एवं

सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३६३ ।

१०१४ गुटका नं० २०७ । पत्र सं० १४ । साइज-६×६ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।

दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३६३ ।

विशेष—पद संग्रह एवं आयुर्वेदिक नुस्खों का संग्रह है ।

१०१५ गुटका नं० २०८ । पत्र सं० ५८ । साइज-६×४ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।

दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३६३ ।

विशेष—उल्लेखनीय संग्रह नहीं है ।

१०१६ गुटका नं० २०९ । पत्र सं० ३६ । साइज-६×४ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।

दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३६४ ।

१०१७ गुटका नं० २१० । पत्र सं० २५ । साइज-६×४ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।

लिपि-विकृत । वेष्टन नं० ३६५ ।

विशेष—फुटकर पद व लुप्ति संग्रह है ।

१०१८ गुटका नं० २११ । पत्र सं० १५ । साइज-६×४ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।

दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३६५ ।

१०१९ गुटका नं० २१२ । पत्र सं० १८ । साइज-५×५ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।

दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३६५ ।

१०२० गुटका नं० २१३ । पत्र सं० १८ । साइज-६×७ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।

दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३६५ ।

विशेष—उल्लेखनीय संग्रह नहीं है ।

१०२१ गुटका नं० २१४ । पत्र सं० ३७ । साइज-६×७ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण—प्रारम्भ के २ पत्र

नहीं हैं । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० ३६६ ।

विशेष—पूजा संग्रह है ।

१०२२ गुटका नं० २१५ । पत्र सं० ३५ । साइज-५×६ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।

दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३६६ ।

विशेष—भक्तामर स्तोत्र ऋद्धि मंत्र सहित है ।

१०२३ गुटका नं० २१६ । पत्र सं० २७ । साइज—४×६ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ३६६ ।

विशेष—उल्लेखनीय संग्रह नहीं है ।

१०२४ गुटका नं० २१७ । पत्र सं० ३ । साइज—४×६ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—
सामान्य । वेष्टन नं० ३६६ ।

विशेष—अभयनन्दि कृत स्नपनविधि दी हुई है ।

१०२५ गुटका नं० २१८ । पत्र सं० २० । साइज—४×६ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—
सामान्य । वेष्टन नं० ३६७ ।

विशेष—कल्याणमन्दिरस्तोत्र तथा भक्तामरस्तोत्र ऋद्धि मंत्र सहित है ।

१०२६ गुटका नं० २१९ । पत्र सं० १० । साइज—६×६ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ३६७ ।

विशेष—पद व स्तुति संग्रह है ।

१०२७ गुटका नं० २२० । पत्र सं० १०० । साइज—८×५ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० ३६७ ।

विशेष—पूजा संग्रह है ।

१०२८ गुटका नं० २२१ । पत्र सं० २६६ । साइज—८×५ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—
सामान्य । वेष्टन नं० ३६८ ।

विषय—सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
पंचपरमेष्ठी स्तवन	—	प्राकृत	
बौद्ध विचार	—	संस्कृत	
अंगस्पर्श विचार	—	"	
शुभशकुन विचार	—	"	
यात्रा प्रकरण विचार	—	"	
स्वर विचार	—	"	
जिनसहस्रनाम स्तोत्र	—	"	
चक्रेश्वरस्तोत्र	आशाधर	"	
ज्वालामालिनी स्तोत्र	—	"	
वितामणीपार्श्वनाथ स्तोत्र	—	"	
ऋषिमंडलस्तोत्र	—	"	
	गौतम स्वामी	"	

पञ्चवतीस्तोत्र	—	संस्कृत
जिनपञ्जरस्तोत्र	कमलप्रभासूरि	"
षष्टचत्वारिंशत्कृद्धिस्तोत्र	—	"
लघुसहस्रनामस्तोत्र	—	"
स्वयंभूस्तोत्र	आ० समन्तभद्र	"
सिद्धप्रियस्तोत्र	देवनंदि	"
दर्शनप्राप्त	आ० कुन्दकुन्द	प्राकृत
दोहाष्टक	—	हिन्दी
नव्वलकाव्यछान्दस्य	—	"
ब्रह्मगालनविधि	—	संस्कृत
भारतीस्तोत्र	—	"
निरञ्जनस्तोत्र	—	"
भक्तक दीक्षा पटल	—	हिन्दी
भारती अष्टोत्तर शत नाम	—	"
चौरासी जाति की जयमाल	—	"
पंडित जयमाल	—	"
देवागम स्तोत्र	आ० समन्तभद्र	संस्कृत
गायत्री (वैष्णव)	—	संस्कृत
शनिस्तोत्र	—	"
बृहस्पतिस्तोत्र	—	"
पंचपरमेष्ठिस्तोत्र	—	"
सैत्यवन्दना	—	"
प्रायश्चित्त विधि	एकसंधि	"
"	जिनसेनाचार्य	"
जिनमंगलाष्टक	सिंहनंदि	"
सरस्वतीस्तोत्र	—	"
गृहशांतिस्तोत्र	भद्रबाहु	"
बैनरहास्तोत्र	—	"
पदमानाष्टक	—	"
महालक्ष्मीस्तोत्र	—	"
आलापालिनीस्तोत्र	—	"

शांतिनाथाष्टक	—	संस्कृत
नवकारमंत्र अष्टाद्वि मंत्र सहित	—	"
लक्ष्मीस्तोत्र	—	"
महालक्ष्मीप्रभावकस्तोत्र	—	"
जैनस्याद्वाद मत गायत्री मंत्र विधान	—	"
त्रिपुरसुन्दरीस्तोत्र	—	"
अन्नपूर्णास्तोत्र	वेदव्यास	"
गुरावली	—	संस्कृत
स्वस्त्यनविधान	—	"
ज्योतिषसागोद्धार	हर्षकोटि	"
आदित्यस्तोत्र	—	"
चन्द्राष्टक	—	"
मंगलस्तोत्र	—	"
बुधस्तोत्र	—	"
बृहस्पतिस्तोत्र	—	"
शुक्रस्तोत्र	—	"
शनिस्तोत्र	—	"
सूर्यस्तोत्र	—	"
बृहत्स्वयंभूस्तोत्र	—	"
पार्श्वनाथाष्टक	—	"

१०२६ गुटका नं० २२२ । पत्र सं० २५-२७३ । साइज-८ $\frac{1}{2}$ ×४ इंच । लेखनकाल-सं० १=१० ।

पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३६८ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
ज्ञानचिंतामणि	मनोहरदास	हिन्दी	
'प्राणीडा' गीत	प्रेम सोनी	"	रचना सं० १७६०
बावन बचन	—	"	
भट्टारक पट्टावलि	—	"	
पातिस्याही की व्योरा	—	"	सं० १७४ से
आमेर के राजा की वंशावलि	—	"	
चन्द्रगुप्त के सोलहस्वप्न	—	"	
चार मित्रों की कथा	—	"	



शास्त्र--भण्डार

श्री दि० जैन मन्दिर बडा तेरहपंथियों (जयपुर)

के

ग्रन्थ

विषय--सिद्धान्त एवं चर्चा

ग्रन्थ संख्या--२५२

१ आवश्यकचूणि..... पत्र सं० ४-३३८ । साइज-१०×४ इंच । भाषा-प्राकृत । विषय-आगम । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १४२ ।

२ आवश्यकवृहद्वृत्ति..... पत्र सं० २५२-३६६ । साइज-११ $\frac{1}{2}$ ×४ इंच । भाषा-प्राकृत । विषय-आगम । रचनाकाल X । लेखनकाल सं०-१५२३ । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १४३ ।

विशेष--प्रति सटीक है । टीका संस्कृत में है ।

जिनहर्ष सूरि के उपदेश से मंडपदुर्ग निवासी साह संडलिक, साह बड़पा, साह कुरुपाल आदि श्रावकों ने इस ग्रंथ की प्रतिलिपि करवाई थी ।

३ आवश्यकवृहद्वृत्ति..... पत्र सं० ४६० । साइज-१०×४ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा-प्राकृत-संस्कृत । विषय-आगम । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण । सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १३४ ।

४ आवश्यक सूत्र..... पत्र सं० १८-३७ । साइज-१० $\frac{1}{2}$ ×४ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा-प्राकृत । विषय-सिद्धान्त । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १८७४ ज्येष्ठ सुदी ११ । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १४१ ।

विशेष--प्रति प्राचीन है ।

५ आवश्यकार्त्तकारवृत्ति..... पत्र सं० १२६-१७८ । साइज-११ $\frac{1}{2}$ ×४ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-सिद्धान्त । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण । दशा-सामान्य एवं शुद्ध । वेष्टन नं० १४४ ।

६ आश्रवत्रिभंगी-नेमिचन्द्राचार्य । पत्र सं० १५ । साइज-११×५ इंच । भाषा-प्राकृत । विषय-सिद्धान्त । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण । शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १३५ ।

७ उत्तराध्ययनसूत्र..... पत्र सं० २२-६१ । साइज-१०×४ इंच । भाषा-प्राकृत । विषय-आगम । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण । दशा-जीर्ण एवं शुद्ध । वेष्टन नं० १७६ ।

= उद्यद्विभंगी.....। पत्र सं० २७। साइज— $2\frac{1}{2} \times 5$ इञ्च। भाषा—हिन्दी। विषय—सिद्धान्त। रचना-काल X। लेखनकाल X। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० १७७।

६ ओषधिनिर्युक्त्यवचूरि.....। पत्र सं० ३१। साइज— $10\frac{1}{2} \times 8\frac{1}{2}$ इञ्च। भाषा—संस्कृत। विषय—आगम। रचनाकाल X। लेखनकाल X। पूर्ण। दशा—सामान्य एवं शुद्ध। वेष्टन नं० १५६।

१० कर्मकांडटीका—मूलकर्ता आ० नेमिचन्द्र—टीकाकार—सुमतिकीर्ति। पत्र सं० २१। साइज— $21\frac{1}{2} \times 8\frac{1}{2}$ इञ्च। भाषा—प्राकृत—संस्कृत। विषय—सिद्धान्त। टीकाकाल—सं० १६२०। लेखनकाल—सं० १८५४ चैत्र शुदी ६। पूर्ण। शुद्ध। दशा—उत्तम। वेष्टन नं० ३२३।

विशेष—पं० सदासुखजी ने निगोत्यों के मन्दिर (जयपुर) में सं० १८६६ बैशाख शुदी ६ को प्रतिलिपि की थी।

११ प्रति नं० २। पत्र सं० २-४०। साइज— $10\frac{1}{2} \times 8\frac{1}{2}$ इञ्च। लेखनकाल—सं० १७८६ बैशाख शुदी ८। पूर्ण—प्रथम पत्र नहीं है। शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० २२४।

विशेष—“इन्द्रप्रस्थनगरे तन्मध्ये जयसिंहपुरा नाग्नि तत्र पातिसाह मुहम्मदसाह राज्यप्रवर्त्तमाने.....भांवसा गोत्रे, मूल चंपापुरी वास्तव्ये साह विहागीदास.....साह सुखरामजी इदं पुस्तकं लिखाप्य हर्षकीर्तये शिष्य मायाराम सदाराम मनराम पठनाय दत्तः।”

१२ प्रति नं० ३। पत्र सं० ४-३५। साइज— $10 \times 8\frac{1}{2}$ इञ्च। लेखनकाल X। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा—उत्तम। वेष्टन २२५।

१३ प्रति नं० ४। पत्र सं० ६। साइज— $12 \times 5\frac{1}{2}$ इञ्च। लेखनकाल X। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा—जीर्ण। वेष्टन नं० २२६।

१४ कर्मकांड भाषा—हेमराज। पत्र सं० ८२। साइज— 10×6 इञ्च। भाषा—हिन्दी गद्य। विषय—सिद्धान्त। रचनाकाल X। लेखनकाल X। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—उत्तम। वेष्टन नं० २२७।

१५ प्रति नं० २। पत्र सं० ५६। साइज— $11\frac{1}{2} \times 11\frac{1}{2}$ इञ्च। लेखनकाल X। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० २२८।

१६ प्रति नं० ३। पत्र सं० ६७। साइज— $10\frac{1}{2} \times 8\frac{1}{2}$ इञ्च। लेखनकाल—सं० १७२१ कार्तिक सुदी ७। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० २२९।

विशेष—कोटा निवासी श्री समरथ के पुत्र साह महेश ओसवाल ने ग्रंथ की प्रतिलिपि करवाई थी।

१७ कर्मप्रकृति—आचार्य श्री नेमिचन्द्र। पत्र सं० १८। साइज— $8 \times 8\frac{1}{2}$ इञ्च। भाषा—प्राकृत। विषय—सिद्धान्त। रचनाकाल X। लेखनकाल—सं० १७०२ फाल्गुण शुक्ला २। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० २३६।

विशेष—श्री चारुकीर्ति ने जोधा (जोधराज) के पास ग्रंथ की प्रतिलिपि करवायी थी।

१८ प्रति नं० २। पत्र सं० १५। साइज— $11 \times 8\frac{1}{2}$ इञ्च। लेखनकाल X। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—जीर्ण। वेष्टन नं० २३७।

१६ प्रति नं० ३ । पत्र सं० २७ । साइज-११×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य ।

वेष्टन नं० २३८ ।

२० प्रति नं० ४ । पत्र सं० ६ । साइज-११×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य ।

वेष्टन नं० २३९ ।

२१ प्रति नं० ५ । पत्र सं० २४ । साइज-१०×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल-सं० १६५६ चैत्र सुदी १२ । पूर्ण ।

सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २४० ।

२२ प्रति नं० ६ । पत्र सं० १७ । साइज-१०×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य ।

वेष्टन नं० २४१ ।

२३ प्रति नं० ७ । पत्र सं० १४ । साइज-१२×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य ।

वेष्टन नं० २४० ।

२४ प्रति नं० ८ । पत्र सं० २१ । साइज-१०×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल-सं० १६३६ माघ सुदी २ । पूर्ण एवं

सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४० ।

विशेष—कहीं २ संस्कृत में शब्दार्थ दिये हुये हैं ।

२५ प्रति नं० ९ । पत्र सं० ११ । साइज-११×४ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-

सामान्य । वेष्टन नं० २४० ।

२६ प्रति नं० १० । पत्र सं० ११ । साइज-१०×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।

सामान्य । वेष्टन नं० २४१ ।

२७ प्रति नं० ११ । पत्र सं० १४ । साइज-१२×४ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।

दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४१ ।

२८ प्रति नं० १२ । पत्र सं० १३ । साइज-११ $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल-सं० १७५५ ज्येष्ठ सुदी ४ ।

पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४१ ।

२९ प्रति नं० १३ । पत्र सं० ११ । साइज-१२×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल-सं० १=११ माह सुदी १० ।

पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४२ ।

३० प्रति नं० १४ । पत्र सं० ११ । साइज-११×४ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-

सामान्य । वेष्टन नं० २४२ ।

३१ कर्मप्रकृति टीका..... । पत्र सं० ३४ । साइज-११×४ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-सिद्धान्त ।

लेखनकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४३ ।

३२ कल्पसूत्र..... । पत्र सं० ३-५६ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा-प्राकृत । विषय-आगम ।

लेखनकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । जीर्ण । वेष्टन नं० २४६ ।

३३ कल्पसूत्र भाषा.....। पत्र सं० ११७। साइज- $2\frac{1}{2} \times 2\frac{1}{2}$ इंच। भाषा-हिन्दी (गुजराती मिश्रित)। विषय-आगम। रचनाकाल X। लेखनकाल-सं० १८३२। अपूर्ण-आरम्भ के १ पत्र नहीं है। सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २४७।

३४ क्षणसार-आचार्य नेमिचन्द्र। पत्र सं० ११२। साइज- $1\frac{1}{2} \times 2\frac{1}{2}$ इंच। भाषा-प्राकृत। विषय-सिद्धान्त। रचनाकाल X। लेखनकाल X। अपूर्ण-१ से १२ तक के पत्र नहीं हैं। शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २४८। विशेष-साधवचन्द्र वैविद्य कृत संस्कृत टीका सहित है।

३५ प्रति नं० २। पत्र सं० १००। साइज- $1\frac{1}{2} \times 2\frac{1}{2}$ इंच। लेखनकाल X। अपूर्ण। सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २६२ (क)।

३६ प्रति नं० ३। पत्र सं० ६०। साइज- $1\frac{1}{2} \times 2$ इंच। लेखनकाल X। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २६३।

विशेष-शान्तिनाथ कृत संस्कृत टीका सहित है।

३७ खंडवद्विंशिकावृत्त-मूलकर्त्ता.....। वृत्तिकार-श्री रत्नसिंहवर्मा। पत्र सं० ३। साइज- $1 \times 2\frac{1}{2}$ इंच। भाषा-प्राकृत-संस्कृत। विषय-सिद्धान्त। रचनाकाल X। लेखनकाल X। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ३०१।

३८ गोमटसार (जीवकांड)-आ० नेमिचन्द्र। पत्र सं० ४६। साइज- $1\frac{1}{2} \times 1\frac{1}{2}$ इंच। भाषा-प्राकृत। विषय-सिद्धान्त। रचनाकाल X। लेखनकाल X। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा-उत्तम। वेष्टन नं० ३२०।

विशेष-प्रति सटीक है। टीका संस्कृत में है।

३९ प्रति नं० २। पत्र सं० १२। साइज- $1\frac{1}{2} \times 2$ इंच। लेखनकाल X। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ३२०।

४० प्रति नं० ३। पत्र सं० ७२। साइज- $1\frac{1}{2} \times 2$ इंच। लेखनकाल X। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ३२०।

४१ प्रति नं० ४। पत्र सं० ११२-३०३ (फुटकर पत्र)। साइज- $1\frac{1}{2} \times 2\frac{1}{2}$ इंच। लेखनकाल X। अपूर्ण एवं अशुद्ध। दशा-जीर्ण। वेष्टन नं० ३२०।

४२ प्रति नं० ५। पत्र सं० ३६-८८। साइज- 1×2 इंच। भाषा-प्राकृत। विषय-सिद्धान्त। रचनाकाल X। लेखनकाल-सं० १५५४ ज्येष्ठ सुदी २। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-जीर्ण शीर्ण। वेष्टन नं० ३२१।

विशेष-रत्नकीर्ति के शिष्य ब्रह्म रत्न ने ग्रंथ की प्रतिलिपि की थी।

४३ प्रति नं० ६। पत्र सं० १०१। साइज- $1\frac{1}{2} \times 2$ इंच। लेखनकाल-सं० १८८७ पौष सुदी १५। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ३२२।

विशेष-कर्मचन्द साह के पुत्र इन्द्रचन्द्रजी गोधा गांधी ब्रौसवाल ने सवाई जयपुर में ग्रंथ की प्रतिलिपि की थी।

४४ प्रति नं० ७ । पत्र सं० २४-१०३ । साइज-१२×४ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल-सं० १४८३ भाद्रवा सुदी ५ ।

अपूर्ण । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३२१ ।

विशेष—प्रति सटीक है । टीका संस्कृत में है । चंपावती में प्रतिलिपि हुई थी ।

४५ प्रति नं० ८ । पत्र सं० २३४ । साइज-१२×४ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-

सामान्य । वेष्टन नं० ३२६ ।

विशेष—प्रति टीका सहित है । टीका संस्कृत में है ।

४६ प्रति नं० ९ । पत्र सं० १३ । साइज-१२×४ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।

दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३५१ ।

विशेष—फुटकर पत्रों का संग्रह है । हिन्दी अर्थ सहित है ।

४७ प्रति नं० १० । पत्र सं० २७२ । साइज-१२×४ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।

दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३२७ ।

विशेष—प्रति सटीक है । टीकाकार-अभयचन्द्र सूरि हैं ।

४८ प्रति नं० ११ । पत्र सं० १२३ । साइज-१२×४ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-

सामान्य । वेष्टन नं० ३२८ ।

विशेष—संस्कृत में अन्वयार्थ दिया हुआ है ।

४९ प्रति नं० १२ । पत्र सं० ५० । साइज-१०×४ $\frac{१}{२}$ इंच । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य ।

वेष्टन नं० ३२८ ।

५० प्रति नं० १३ । पत्र सं० ७८६ । साइज-१२×४ इंच । लेखनकाल-सं० १५७६ । पूर्ण एवं सामान्य

शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३३० ।

विशेष—प्रति सटीक है । टीकाकार-अभयचन्द्रसूरि हैं । प्रतिलिपि नागपुर नगर में हुई थी । खण्डेलवाल जाति

में उत्पन्न पाशनी गोत्र वाले श्री लूना के पुत्र भरत एवं पौत्रादि जिनदास आदि ने प्रतिलिपि करवाई थी ।

५१ प्रति नं० १४ । पत्र सं० २६१ । साइज-१२×४ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।

दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३३१ ।

विशेष—प्रति सटीक है । टीकाकार श्री सुमतिकीर्ति हैं ।

५२ प्रति नं० १५ । पत्र सं० १२६ । साइज-१२×४ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-

सामान्य । वेष्टन नं० ३३२ ।

विशेष—प्राग्भ के ४ पत्र फिर लगाये गये हैं । प्रति सटीक है ।

५३ गोम्भटसार (कर्मकांड)-आचार्य नेमिचन्द्र । पत्र सं० १२६ । साइज-१२×४ $\frac{१}{२}$ इंच । भाषा-प्राकृत

विषय-सिद्धान्त । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १८८७ महासदी ७ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३२३ ।
विशेष—इन्द्रचन्द्र के पुत्र श्रीश्रीचन्द्र श्रीसकाल ने मकसूदाबाद में ग्रन्थ लिखवाया था ।

५४ प्रति नं० २ । पत्र सं० २२६ । साइज-१०X४ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३२४ ।

विशेष—प्रति सटीक है । टीका-संस्कृत में है । टीका का नाम तत्त्वप्रदीपिका है ।

५५ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १४६-१७६ । साइज-१२X७ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३२५ ।

विशेष—प्रति सटीक है । टीका का नाम तत्त्वप्रदीपिका है ।

५६ गोम्मटसार (कनकचूड़) भाषा..... । पत्र सं० ११३ । साइज-१२X४ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा-हिन्दी ।
विषय-सिद्धान्त । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण-सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३२६ ।

५७ गोम्मटसार भाषा—पत्र सं० टोडरमलजी । पत्र सं० ८६६ । साइज-१२X७ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा-हिन्दी ।
गद्य । विषय-सिद्धान्त । रचनाकाल-सं० १८८८ । लेखनकाल-सं० १८४० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३२७ ।

५८ प्रति नं० २ । पत्र सं० ३१४ । साइज-१३X८ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण-स्तुत पत्रों का संग्रह ।
सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३२८ ।

५९ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ३०६ । साइज-१२X७ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य ।
वेष्टन नं० ३२९ ।

विशेष—जीवकांड की भाषा है ।

६० प्रति नं० ४ । पत्र सं० ३८३ । साइज-१४X७ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम ।
वेष्टन नं० ३३० ।

विशेष—जीवकांड भाषा है ।

६१ प्रति नं० ५ । पत्र सं० ३५६ । साइज-१५X७ इंच । भाषा-हिन्दी । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध ।
दशा-उत्तम । वेष्टन नं० ३३१ ।

६२ गोम्मटसार संहति-महार्पडित टोडरमलजी । पत्र सं० १२६ । साइज-१० $\frac{1}{2}$ X७ इंच । भाषा-हिन्दी ।
गद्य । विषय-सिद्धान्त । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १८८४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३३२ ।

विशेष—श्री नाथूलालजी गोधा ने इस ग्रन्थ को बड़े मन्दिर में चढ़ाया था ।

६३ गोम्मटसार भाषा..... । पत्र सं० १६७ । साइज-१२X६ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा-प्राकृत-हिन्दी । विषय-
सिद्धान्त । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण-आगे के पत्र नहीं हैं । शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३४० ।

विशेष—सम्यग्ज्ञान चन्द्रिका संस्कृत टीका की हिन्दी टीका है ।

६४ गोम्भटसार (कर्मकांड) भाषा—मूलकर्त्ता—श्री नेमिचंद्राचार्य । भाषाकार—पं० हेनराज । पत्र सं० = २ । साइज—१२×५½ इंच । भाषा—हिन्दी (गद्य) । विषय—सिद्धान्त । रचनाकाल X । लेखनकाल—सं० १७१७ आसोज बुदी ११ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० ३४१ ।

विशेष—श्रीकल्याण पहाड्या ने ग्रन्थ को रामपुर में लिखवाया था ।

६५ प्रति नं० २ । पत्र सं० ७० । साइज—१२×५½ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ३४२ ।

६६ चतुर्दश गुणस्थान भाषा—अखयराज । पत्र सं० ५१ । साइज—१२×५½ इंच । भाषा—हिन्दी । विषय—चर्चा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण—प्रारम्भ के २ तथा अन्तिम पत्र नहीं हैं । वेष्टन नं० ३८३ ।

६७ प्रति नं० २ । पत्र सं० ६१ । साइज—१०×६ इंच । लेखनकाल—सं० १७६१ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० ३८४ ।

६८ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ७२ । साइज—१०×६ इंच । लेखनकाल—सं० १७३१ चैत्र सुदी ५ । अपूर्ण—प्रथम पत्र नहीं है । सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ३९७ ।

विशेष—राइमल्ल के पुत्र श्री विहारीदास द्वावडा ने महात्मा हूंगरसी के पास लिखवाया था ।

६९ गुणस्थानचर्चा..... पत्र सं० १०४ । साइज—१४×८ इंच । भाषा—हिन्दी । विषय—चर्चा । रचनाकाल X । लेखनकाल—सं० १८२० माह बुदी २ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ३९८ ।

विशेष—विषय का वर्णन अंकों में किया गया है । सांगानेर में गोदीकों के मन्दिर में प्रतिलिपि हुई थी ।

७० चरचाशतक—धानतराय । पत्र सं० ८७ । साइज—१२½×५½ इंच । भाषा—हिन्दी । विषय—चर्चा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ४०७ ।

विशेष—चरचा शतक के हिन्दी पद्यों का अर्थ श्री हरजोमल पानीपत वाले का दिया हुआ है ।

७१ प्रति नं० २ । पत्र सं० ४१ । साइज—१३×८ इंच । लेखनकाल सं० १६०३ । अपूर्ण—प्रारम्भ के २० पत्र नहीं हैं । शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ४०६ ।

७२ चरचासमाधान । भूधरदासजी । पत्र सं० ६८ । साइज—१२×५½ । भाषा—हिन्दी । विषय—चर्चा । रचनाकाल—सं० १८०६ । लेखनकाल—सं० १८१५ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ४०८ ।

विशेष—सामाप्ति के पश्चात् यह लिखा हुआ है कि भूधरदासजी ने १३८ के प्रश्नों का उत्तर लिखे जिनमें प्रश्न बीस तीस का उत्तर अम्यास के अनुसार है शेष प्रश्नों का उत्तर अम्यास के अनुसार मिलता नहीं । यह बात टोडरमलजी ने निश्चित किया है । अन्त में यह भी लिखा है कि भूधरदासजी से टोडरमल जी शास्त्रों के अधिक ज्ञाता हैं इसलिये उनकी बात पर विश्वास करना चाहिये ।

७३ प्रति नं० २ । पत्र सं० ७८ । साइज—१२×५½ इंच । लेखनकाल—सं० १८२३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० ४०९ ।

७४ चर्चासंग्रह..... पत्र सं० ३६ । साइज- $12 \times 2\frac{1}{2}$ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-चर्चा । रचनाकाल X ।
लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ४१० ।

विशेष—गोमटसार, लब्धिसार, थपलासार आदि ग्रन्थों की कृतियों का संग्रह है ।

७५ चर्चासंग्रह..... पत्र सं० ३७ । साइज- $12 \times 2\frac{1}{2}$ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-चर्चा । रचनाकाल X ।
लेखनकाल-सं० १७२१ । अपूर्ण =, वा १६ वां पत्र नहीं है । सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ४११ ।

विशेष—“संवत् १७२१ वर्ष मार्गशीर्ष शुदी ६ मालपुरे टोडाकावास मध्ये पार्श्वनाथचैत्यालये लिखितो यमाग
विशेषः सं० देवेण ।”

७६ जीतिकल्पसूत्र..... पत्र सं० ४ । साइज- $10\frac{1}{2} \times 6\frac{1}{2}$ इंच । भाषा-प्राकृत । विषय-सिद्धान्त । रचना-
काल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ४६७ ।

७७ ज्ञानाधर्मकथा..... पत्र सं० ६६-६६ । साइज- 12×2 इंच । भाषा-प्राकृत । विषय-आगम ।
रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १७७६ वासीज शुदी ७ । अपूर्ण । सामान्य शुद्ध । दशा-जार्ण । वेष्टन नं० ४६८ ।

७८ तत्त्वज्ञानतरंगिणी-भट्टारक ज्ञानमूर्णः । पत्र सं० ३८ । साइज- $10\frac{1}{2} \times 2$ इंच । भाषा-संस्कृत ।
विषय-सिद्धान्त । रचनाकाल-सं० १५६० । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ४६९ ।

७९ प्रति नं० २ । पत्र सं० ३२ । साइज- $12 \times 2\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य ।
वेष्टन नं० ४७१ ।

८० प्रति नं० ३ । पत्र सं० २६ । साइज- $11\frac{1}{2} \times 2$ इंच । लेखनकाल-सं० १७४१ । पूर्ण एवं शुद्ध ।
दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ४७२ ।

विशेष—श्री सनचन्द्र ने प्रतिलिपि की थी ।

८१ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ३३ । साइज- $12 \times 2\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ४७४ ।

८२ प्रति नं० ५ । पत्र सं० ३ । साइज- 10×2 इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-
सामान्य । वेष्टन नं० ४७२ ।

८३ प्रति नं० ६ । पत्र सं० ३ । साइज- $12 \times 2\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-
सामान्य । वेष्टन नं० ४७२ ।

८४ तत्त्वसार-देवसेन । पत्र सं० ३२ । साइज- $11\frac{1}{2} \times 2\frac{1}{2}$ इंच । भाषा-प्राकृत । विषय-सिद्धान्त ।
रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ४७८ ।

८५ तत्त्वार्थरत्नप्रभाकर-मुनि श्री प्रभाचन्द्र । पत्र सं० ११६ । साइज- $12 \times 2\frac{1}{2}$ इंच । भाषा-संस्कृत ।
विषय-सिद्धान्त । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १७०१ वैश्व शुदी १२ सोमवार । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-
सामान्य । वेष्टन नं० ४७९ ।

८६ प्रति नं० २ । पत्र सं० ८२ । साइज-६ $\frac{1}{2}$ ×४ $\frac{1}{2}$ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण-प्रारम्भ के ३० पत्र नहीं

हैं । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६० ।

८७ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ११८ । साइज-११ $\frac{1}{2}$ ×४ $\frac{1}{2}$ इञ्च । लेखनकाल-सं० १७०० वैशाख सुदी १३ ।

पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ५६२ ।

विशेष—बूंदों में प्रतिलिपि की गयी थी ।

८८ तत्त्वार्थरत्नाकर..... । पत्र सं० ६४ । साइज-१२×७ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-सिद्धान्त । रचना-

काल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ५६१ ।

८९ तत्त्वार्थराजवार्त्तिक-भट्टकलंकदेव । पत्र सं० ४०१ । साइज-११×७ $\frac{1}{2}$ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-

सिद्धान्त । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १८८५ पौष सुदी १२ । अपूर्ण । सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । प्रारम्भ के ११७ पत्र नहीं हैं । वेष्टन नं० ५६३ ।

विशेष—महात्मा रघुनाथ ने जयपुर में प्रतिलिपि की थी ।

९० प्रति नं० २ । पत्र सं० ११ से २१८ । साइज-११×६ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध ।

दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६४ ।

९१ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १-१३१ तक । साइज-११×७ $\frac{1}{2}$ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध ।

दशा-सामान्य । वेष्टन ५९१ ।

९२ प्रति नं० ४ । पत्र सं० २७६-३११ । साइज-११×७ $\frac{1}{2}$ इञ्च । लेखनकाल-सं० १८७७ द्वितीय

ज्येष्ठ सुदी २ । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ५६६ ।

विशेष—यति मणिकचन्द्र ने जयपुर नगर में प्रतिलिपि की थी ।

९३ तत्त्वार्थसार-अमृतचन्द्र । पत्र सं० ३८ । साइज-१०×४ $\frac{1}{2}$ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-सिद्धान्त । रच-

नाकाल X । लेखनकाल-सं० १८६६ मंगसिर सुदी १२ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६८ ।

विशेष—लिपिकर्ता श्री नेमिचन्द्र सोनी हैं ।

९४ प्रति नं० २ । पत्र सं० २८ । साइज-१०×४ $\frac{1}{2}$ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-

सामान्य । वेष्टन नं० १६७ ।

९५ तत्त्वार्थसूत्र-उमास्वाति । पत्र सं० २१ । साइज-१०×७ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-सिद्धान्त ।

रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १८६२ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १६६ ।

विशेष—दीवाण रतनचन्द्र बधीचन्द्र ने प्रतिलिपि करवायी थी ।

९६ प्रति नं० २ । पत्र सं० २० । साइज-६×५ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण ।

वेष्टन नं० १६६ ।

९७ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १० । साइज-८×५ $\frac{1}{2}$ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-

जीर्ण । वेष्टन नं० ६६६ ।

६८ प्रति नं० ४ । पत्र सं० १६ । साइज-६×४ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य ।
वेष्टन नं० ६६६ ।

६९ प्रति नं० ५ । पत्र सं० ६ । साइज-६×४ इंच । लेखनकाल-सं० १००४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-
सामान्य । वेष्टन नं० ६६६ ।

१०० प्रति नं० ६ । पत्र सं० १७ । साइज-६×४ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य ।
वेष्टन नं० ६०० ।

१०१ प्रति नं० ७ । पत्र सं० २२ । साइज-११×४ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य ।
वेष्टन नं० ६०१ ।

विशेष—हिन्दी में अर्थ दिया हुआ है ।

१०२ प्रति नं० ८ । पत्र सं० २३ । साइज-६×४ इंच । लेखनकाल-सं० १६१० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-
सामान्य । वेष्टन नं० ६०२ ।

विशेष—फलटण ग्राम में डूबड़ जातीय साह रामचन्द्र ने ग्रंथ को भेंट दिया था ।

१०३ प्रति नं० ९ । पत्र सं० २२ । साइज-११×४ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण ।
वेष्टन नं० ६०३ ।

विशेष—हिन्दी अर्थ भी दिया हुआ है ।

१०४ प्रति नं० १० । पत्र सं० ३० । साइज-७×४ इंच । लेखनकाल -सं० १०४८ । पूर्ण एवं शुद्ध ।
दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६०४ ।

विशेष—हिन्दी अर्थ भी दिया हुआ है ।

१०५ प्रति नं० ११ । पत्र सं० ३२ । साइज-८×४ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-
सामान्य । वेष्टन नं० ६०५ ।

१०६ प्रति नं० १२ । पत्र सं० ४००-४३२ । साइज-१०×४ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध ।
दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६०६ ।

विशेष—विस्तृत हिन्दी टीका सहित है ।

१०७ प्रति नं० १३ । पत्र सं० १६ । साइज-८×४ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य ।
वेष्टन नं० ६०७ ।

१०८ प्रति नं० १४ । पत्र सं० ३० । साइज-८×४ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य ।
वेष्टन नं० ६०८ ।

विशेष—भक्तारस्तोत्र भी है ।

१०६ प्रति नं० १५ । पत्र सं० १०७ । साइज-११ $\frac{१}{२}$ ×४ इञ्च । लेखनकाल-सं० १=६३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६१७ ।

विशेष—प्रति सटीक है । टीकाकर श्री योगदेव है । टीका संस्कृत में है ।

११० प्रति नं० १६ । पत्र सं० १०८ । साइज-११×५ इञ्च । लेखनकाल सं० १६५६ आसोज सुदी १० मंगलवार । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६१८ ।

विशेष—लेखनस्थान-गढ़ रणधर्मौर (जयपुर) ऋषभदेवजी अग्रवाल ने प्रतिलिपि करवायी थी । प्रति सटीक है । टीका संस्कृत में है ।

१११ प्रति नं० १७ । पत्र सं० २१ । साइज-११×५ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल-सं० १६६० ज्येष्ठ सुदी १४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६२३ ।

विशेष—प्रति सटीक है । टीका संस्कृत में है ।

११२ प्रति नं० १८ । पत्र सं० १७६ । साइज-११×५ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६२२ ।

विशेष—प्रति सटीक है । टीका संस्कृत में है ।

११३ तत्त्वार्थसूत्रटीका-श्रुतसागर । पत्र सं० ३६० । साइज-११×५ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-सिद्धान्त । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १७२० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० ६०८ ।

११४ प्रति नं० २ । पत्र सं० २८१ । साइज-११ $\frac{१}{२}$ ×५ $\frac{१}{२}$ इञ्च । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २०६ ।

११५ प्रति नं० ३ । पत्र सं० २६५ । साइज-१०×५ इञ्च । लेखनकाल । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६१० ।

११६ प्रति नं० ४ । पत्र सं० १४८-२१० । साइज-११×५ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० ६११ ।

११७ तत्त्वार्थसूत्र भाषा..... । पत्र सं० १६७ । साइज-११ $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-सिद्धान्त । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० ६१४ ।

११८ तत्त्वार्थसूत्र भाषा..... । पत्र सं० १६० । साइज-१४×७ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा-हिन्दी-गद्य । विषय-सिद्धान्त । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण-दो प्रतियों का मिश्रण है । सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६१५ ।

११९ तत्त्वार्थसूत्र भाषा-जयचन्द्रजी छात्रदा । पत्र सं० २८६ । साइज-१२×७ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-सिद्धान्त । रचनाकाल-सं० १८५६ । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६१६ ।

१२० तत्त्वार्थसूत्र भाषा-पं० सदासुखजी । पत्र सं० ६१६ । साइज-११×५ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-

विशेष—जैमल ने प्रतिलिपि की थी ।

१३१ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ७० । साइज—१२×४ $\frac{1}{2}$ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ६५२ ।

१३२ प्रति नं० ५ । पत्र सं० ११० । साइज—६×४ इञ्च । लेखनकाल—सं० १६०५ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० ६५३ ।

विशेष—स्मरपुर के महाराज जयसिंह के शासनकाल में प्रतिलिपि की गयी थी ।

१३३ प्रति नं० ६ । पत्र सं० ४४ । साइज—१२ $\frac{1}{2}$ ×४ $\frac{1}{2}$ इञ्च । लेखनकाल—सं० १६६१ फागुण सुदी ७ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० ६५४ ।

विशेष—सागानेर में पं० रतनसी ने प्रतिलिपि की थी ।

१३४ प्रति नं० ७ । पत्र सं० ४६ । साइज—१२×७ $\frac{1}{2}$ इञ्च । लेखनकाल—सं० १७०३ पौष सुदी १४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ६५६ ।

विशेष—कल्याण पहाड्या ने प्रतिलिपि करवाई थी ।

१३५ त्रिभंगीसार—आ० नेमिचन्द्र । पत्र सं० ४२ । साइज—१२ $\frac{1}{2}$ ×५ $\frac{1}{2}$ इञ्च । भाषा—प्राकृत । विषय—सिद्धान्त । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण ३० से ३४ तक के पत्र नहीं हैं । शुद्ध । दशा—उत्तम । वेष्टन नं० ६५७ ।

विशेष—हिन्दी अर्थ सहित है ।

१३६ त्रिभंगीसार—श्रुतमुनि । पत्र सं० ४२ । साइज—८×६ इञ्च । भाषा—प्राकृत । विषय—सिद्धान्त । रचनाकाल × । लेखनकाल—सं० १६०३ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—उत्तम । वेष्टन नं० ६५५ ।

१३७ दशवैकालिक सूत्र..... । पत्र सं० ३६ । साइज—१२×४ इञ्च । भाषा—प्राकृत । विषय—आगम । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण १४ से ३६ तक पत्र हैं । सामान्य शुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० ७११ ।

विशेष—संस्कृत टीका सहित है ।

१३८ दशवैकालिक सिद्धान्तवचुरि..... । पत्र सं० ६४ । साइज—६ $\frac{1}{2}$ ×४ $\frac{1}{2}$ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—आगम । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ७११ ।

१३९ द्रव्यसंग्रह—आचार्य नेमिचन्द्र । पत्र सं० ६ । साइज—१० $\frac{1}{2}$ ×४ $\frac{1}{2}$ इञ्च । भाषा—प्राकृत । विषय—सिद्धान्त । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ७१४ ।

१४० प्रति नं० २ । पत्र सं० ६ । साइज—१२×२ $\frac{1}{2}$ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ७१४ ।

१४१ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ४ । साइज—१० $\frac{1}{2}$ ×२ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ७१४ ।

१४२ प्रति नं० ४ । पत्र सं० १४ । साइज-११×७ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ७१५ ।

विशेष—हिन्दी अर्थ सहित है ।

१४३ प्रति नं० ५ । पत्र सं० १६ । साइज-११×५ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल-सं० १७२= वैशाख सुदी १२ । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ७१६ ।

विशेष—प्रति हिन्दी अर्थ सहित । आ० कनककीर्ति के पढ़ने के लिये पं० काह्जी ने प्रतिलिपि की थी ।

१४४ प्रति नं० ६ । पत्र सं० १६ । साइज-११×५ इंच । लेखनकाल-सं० १७०३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० ७१७ ।

विशेष—प्रति हिन्दी टीका सहित है । पं० गुणराज ने पांडे नेताके पठनार्थ प्रतिलिपि की थी ।

१४५ प्रति नं० ७ । पत्र सं० ३० । साइज-८×७ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० ७१८ ।

विशेष—प्रति सटीक है । टीकाकार पं० बंशीधर जी है । ये पं० टोडरमलजी के गुरु थे ।

१४६ प्रति नं० ८ । पत्र सं० ८४ । साइज-१२ $\frac{1}{2}$ ×६ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ७१९ ।

विशेष—प्रति सटीक है । टीका संस्कृत में है ।

१४७ प्रति नं० ९ । पत्र सं० ७ । साइज-१०×४ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ७२० ।

१४८ प्रति नं० १० । पत्र सं० १०३ । साइज-१० $\frac{1}{2}$ ×४ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० ३२८ ।

१४९ प्रति नं० ११ । पत्र सं० १ । साइज-६×४ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३२९ ।

१५० प्रति नं० १२ । पत्र सं० ६ । साइज-११×५ इंच । लेखनकाल-सं० १७६३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ७२० ।

विशेष—हिन्दी अर्थ दिया हुआ है ।

१५१ प्रति नं० १३ । पत्र सं० ३ । साइज-१०×४ इंच । लेखनकाल-सं० १७२१ भाव सुदी १ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ७२० ।

१५२ प्रति नं० १४ । पत्र सं० ४ । साइज-१० $\frac{1}{2}$ ×५ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ७२० ।

१५३ प्रति नं० १५ । पत्र सं० ४ । साइज-१२ $\frac{1}{2}$ ×५ इंच । लेखनकाल-सं० १८२३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ७२० ।

विशेष—संस्कृत में पर्यायवाची शब्द दिये हुये हैं ।

१५४ प्रति नं० १६ । पत्र सं० ६ । साइज— 2×4 इंच । लेखनकाल $\times$ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ४६ ।

१५५ प्रति नं० १७ । पत्र सं० १४ । साइज— $1 \frac{1}{2} \times 2 \frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल $\times$ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ७२० ।

विशेष—प्रति सटीक है । टीका संस्कृत में है ।

१५६ प्रति नं० १८ । पत्र सं० ३० । साइज— 1×3 इंच । लेखनकाल $\times$ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ७२० ।

विशेष—प्रति सटीक है । टीकाकार प्रभाचन्द्र है ।

१५७ प्रति नं० १९ । पत्र सं० १३ । साइज— 1×6 इंच । लेखनकाल $\times$ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ७२० ।

विशेष—प्रति सटीक है । टीका हिन्दी में है ।

१५८ प्रति नं० २० । पत्र सं० १०२ । साइज— $1 \frac{1}{2} \times 2 \frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल—सं० १६६७ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ७३० ।

विशेष—प्रति सटीक है । टीका संस्कृत में है ।

१५९ प्रति नं० २१ । पत्र सं० ४१ । साइज— 2×6 इंच । लेखनकाल $\times$ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ७३१ ।

विशेष—प्रति सटीक है । टीका हिन्दी में है ।

१६० प्रति नं० २२ । पत्र सं० १६ । साइज— $1 \frac{1}{2} \times 4 \frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल $\times$ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ७३५ ।

विशेष—हिन्दी अर्थ सहित है ।

१६१ प्रति नं० २३ । पत्र सं० ३४ । साइज— 1×2 इंच । लेखनकाल $\times$ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ७३६ ।

विशेष—हिन्दी अर्थ सहित है ।

१६२ प्रति नं० २४ । पत्र सं० २० । साइज $1 \frac{1}{2} \times 3 \frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल $\times$ । लेखनकाल $\times$ । अपूर्ण—आगे के पत्र नहीं हैं । सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ७३७ ।

विशेष—हिन्दी अर्थ सहित है ।

१६३ प्रति नं० २५ । पत्र सं० ६ । साइज— 1×2 इंच । लेखनकाल $\times$ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ७३८ ।

विशेष—हिन्दी अर्थ सहित है। भाषाकार बाबा दुलीचन्दजी हैं।

१६४ प्रति नं० २६। पत्र सं० ३। साइज—१०×१२ इंच। लेखनकाल X। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० ७३५।

विशेष—दूसरे पत्र तक गायार्थों के नीचे संस्कृत में टीका भी दी हुई है।

१६५ प्रति नं० २७। पत्र सं० ६। साइज—१०×४ इंच। लेखनकाल—सं० १७६३। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—उत्तम। वेष्टन नं० ७३५।

विशेष—गायार्थों के ऊपर संस्कृत में टीका दी हुई है।

१६६ प्रति नं० २८। पत्र सं० १३। साइज—१०×४ इंच। लेखनकाल X। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० ७३५।

विशेष—संस्कृत में टीका दी हुई है।

१६७ प्रति नं० २९। पत्र सं० ६। साइज—१०×४ इंच। लेखनकाल—सं० १८११। कामुण सुदी ३। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० ७३५।

विशेष—जयपुर में टेकचन्द ने प्रतिलिपि की थी।

१६८ द्रव्यसंग्रह सटीक—मूलकर्ता—आचार्य नेमिचन्द्र। टीकाकार श्री ब्रह्मदेव। पत्र सं० १३६। साइज—११×१२ इंच। भाषा—प्राकृत—संस्कृत। विषय—सिद्धान्त। रचनाकाल X। लेखनकाल—सं० १६२३। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० ७२२।

१६९ प्रति नं० ३०। पत्र सं० १२१। साइज—११×४ इंच। लेखनकाल—सं० १७१५। मादवा सुदी १। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० ७२३।

१७० प्रति नं० ३१। पत्र सं० १०३। साइज—१२×६ इंच। लेखनकाल—सं० १७१५। कामुण सुदी १०। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० ७२४।

विशेष—श्री कल्याण पहाड्या ने प्रतिलिपि की थी।

१७१ प्रति नं० ३२। पत्र सं० १०५। साइज—११×४ इंच। लेखनकाल—सं० १७६८। अषाढ सुदी २। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० ७२५।

विशेष—राजा बीरभूमदेव के राज्य में गोपाचल दुर्ग पर लिपि हुई थी। अमोतकान्वय साधु नरदेव पुत्री देवसिरी निमज्जानावरणीयत्तयार्थ इदं ग्रन्थं लिखापित। लिखित पं० ७। कोवसी पुत्र धनपाल।

१७२ प्रति नं० ३३। पत्र सं० ७६—१०६। साइज—११×४ इंच। लेखनकाल—सं० १७८४। कार्तिक सुदी ५। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० ७२६।

विशेष—मारणपुर में अमोतकान्वय गौयल गोत्र वाली प्रियवदा ने प्रतिलिपि करवायी थी।

१७३ द्रव्यसंग्रह बृहद् वृत्ति.....। पत्र ६६। साइज—११×५ इंच। भाषा—प्राकृत संस्कृत। विषय—सिद्धान्त। रचनाकाल X। लेखनकाल X। पूर्ण एवं शुद्ध। अन्तिम पत्र नहीं है। सामान्य शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० ७२६।

१७४ प्रति नं० २ । पत्र सं० ११७ । साइज-१२×६ इंच । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । बेष्टन

नं० ७२७ ।

१७५ द्रव्यसंग्रह भाषा-पर्वतधर्मोर्णी । पत्र सं० ४७ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×४ इंच । भाषा-गुजराती । विषय-
सिद्धान्त । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १७६४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । बेष्टन नं० ७३२ ।

विशेष—सांगानेर में प्रतिलिपि की गयी थी ।

१७६ द्रव्यसंग्रह भाषा-प० जयचंदजी छावडा । पत्र सं० २६ । साइज-८ $\frac{१}{२}$ ×६ इंच । भाषा-हिन्दी गद्य ।
विषय-सिद्धान्त । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । बेष्टन नं० ७३३ ।

विशेष—प्रति स्वयं भाषाकार के हाथ से लिखी हुई है ऐसा मालूम पड़ता है ।

१७७ प्रति नं० २ । पत्र सं० २२ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा-उत्तम । बेष्टन नं० ७३४ ।

१७८ नवतत्त्वप्रकरण..... । पत्र सं० ५ । साइज-६×४ $\frac{१}{२}$ इंच । भाषा-प्राकृत । विषय-सिद्धान्त ।
रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । बेष्टन नं० ८५६ ।

विशेष—हिन्दी में अर्थ दिया हुआ है ।

१७९ प्रति नं० २ । पत्र सं० ६ । साइज-१०×४ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य ।
बेष्टन नं० ८६० ।

विशेष—संस्कृत में टीका भी दी हुई है ।

१८० नवतत्त्वसूत्र..... । पत्र सं० ६ । साइज-११×४ इंच । भाषा-प्राकृत । विषय-सिद्धान्त । रचना-
काल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । बेष्टन नं० ८६२ ।

विशेष—प्रति सटीक है । टीका संस्कृत में है ।

१८१ प्रति नं० २ । पत्र सं० १४ । साइज-१०×४ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा-सामान्य । बेष्टन नं० ८६२ ।

विशेष—प्रति सटीक है । टीका संस्कृत में है ।

१८२ पंचसंग्रह-श्री० नेमिचन्द्र । पत्र सं० ६८ । साइज-१२×४ $\frac{१}{२}$ इंच । भाषा-प्राकृत । विषय-सिद्धान्त ।
रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १५२६ कार्तिक सुदी ५ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । बेष्टन नं० १००४ ।

१८३ प्रति नं० २ । पत्र सं० १३६ । साइज-११×४ इंच । लेखनकाल-सं० १७४४ आषाढ सुदी १ ।
पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । बेष्टन नं० १००५ ।

विशेष—सांगानेर में प० बिहारीदासजी के पठनार्थ प्रतिलिपि की गयी थी ।

१८४ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ७८ । साइज-११×४ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा-जीर्ण । बेष्टन नं० १००६ ।

१८५ प्रति नं० ४ । पत्र सं० १२ । साइज-१०×५ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १००७ ।

विशेष—केवल १६ वां अधिकार है । प्रति सटीक है । टीका संस्कृत में है ।

१८६ पंचाध्यायी-राजमल्ल । पत्र सं० १११ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×५ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-सिद्धान्त । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १०१० ।

१८७ प्रति नं० २ । पत्र सं० ६२ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×५ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १०११ ।

१८८ पंचास्तिकाय-आ० कुन्दकुन्द । पत्र सं० ६ । साइज-१०×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा-प्राकृत । विषय-सिद्धान्त । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १०१२ ।

१८९ प्रति नं० २ । पत्र सं० १०४ । साइज-१०×५ $\frac{१}{२}$ इञ्च । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १०१३ ।

विशेष—हेमराज पांडे कृत हिन्दी टीका भी है ।

१९० प्रति नं० ३ । पत्र सं० ६५ । साइज-१२×६ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १०१४ ।

विशेष—आ० अमृतचन्द्र कृत संस्कृत टीका सहित है ।

१९१ प्रति नं० ४ । पत्र सं० १८८ । साइज-६×२ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल-सं० १३२६ चैत्र बुदी १० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १०१५ ।

विशेष—प्रति सटीक है । टीकाकार अमृतचन्द्र सूरि हैं । प्रशस्ति निम्न प्रकार है ।

“संवत् १३२६ चैत्र बुदी दशम्या बुधवासरे अथेह योगिनीपुरे समस्तराजावलिसमानंकृतश्रीगयासदीन राज्ये अवस्थित अमोक्तक परमश्रावक जिरचरनकमल.....”

१९२ प्रति नं० ५ । पत्र सं० १५५ । साइज-११×५ इञ्च । लेखनकाल-सं० १६५३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १०१६ ।

विशेष—प्रति सटीक है । टीकाकार-अमृतचन्द्र सूरि हैं ।

१९३ प्रति नं० ६ । पत्र सं० १७ । साइज-११ $\frac{१}{२}$ ×५ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल-सं० १७७४ फाल्गुण बुदी १३ । पूर्ण एवं शुद्ध । मूल मात्र है । वेष्टन नं० १०१७ ।

१९४ प्रति नं० ७ । पत्र सं० १७ साइज-१२×५ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल-सं० १८६० । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १०१८ ।

विशेष—प्रति सटीक है । टीकाकार अमृतचन्द्र सूरि हैं ।

सिद्धान्त]

१६५ प्रति नं० ७ । पत्र सं० ५२ । साइज-१०×० इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य ।

वेष्टन नं० १०१६ ।

विशेष—अमृतचन्द्र सूरि कृत संस्कृत टीका सहित है ।

१६६ प्रति नं० ८ । पत्र सं० ५२ । साइज-१०×४ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य ।

वेष्टन नं० १०२० ।

विशेष—संस्कृत टीका सहित है ।

१६७ प्रति नं० ९ । पत्र सं० ५५ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण ।

वेष्टन नं० १०२१ ।

विशेष—आ० अमृतचन्द्र कृत संस्कृत टीका सहित है ।

१६८ प्रति नं० १० । पत्र सं० ७० । साइज-११×५ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-

सामान्य । वेष्टन नं० १०२२ ।

विशेष—प्रति सटीक है । टीकाकार अमृतचन्द्र है ।

१६९ प्रति नं० ११ । पत्र सं० ११३ । साइज-१२×५ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण-प्रारम्भ के ३२ तथा

अन्तिम पत्र नहीं है । सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १०२६ ।

२०० पंचास्तिकाय भाषा-पाणि हेमराज । पत्र सं० ८४ । साइज-१२×६ इञ्च । रचनाकाल X । लेखन-

काल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १०२७ ।

२०१ प्रति नं० २ । पत्र सं० २१३ । साइज-११×४ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।

दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १०२८ ।

२०२ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १४६ । साइज-११ $\frac{१}{२}$ ×५ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण-प्रारम्भ के २००

तथा अन्त के पत्र नहीं हैं । सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १०२९ ।

२०३ प्रति नं० ४ । पत्र सं० १२३ । साइज-११ $\frac{१}{२}$ ×५ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल-सं० १७२१ पूर्ण एवं शुद्ध ।

दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १०३० ।

विशेष—साह जोधराज गोदीका ने पढ़ने के लिये आनन्दराय तथा रामचन्द्र महात्मा के पास प्रतिलिपि करवायी थी ।

२०४ प्रति नं० ५ । पत्र सं० १३१ । साइज-१२×५ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-

सामान्य । वेष्टन नं० १०३१ ।

विशेष—लिपि सुन्दर है ।

२०५ प्रति नं० ६ । पत्र सं० २२६ । साइज-११ $\frac{१}{२}$ ×६ इञ्च । लेखनकाल-सं० १८१० । पूर्ण एवं शुद्ध ।

दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १०३४ ।

विशेष—प्रथम दो पत्र फिरसे लिख कर जोड़े गये हैं ।

आचार्य हेमचन्द्र—

शब्दानुशासन २८, २६०

अभिधानचिंतामणि नाममाला २०, २६६

प्रमाण मीमांसा १६८

श्रुतस्वंध २५५

अनेकार्थ संग्रह २६५

त्रिषष्टिशलाका पुरुष चरित्र २२१

हेमाष्टकध्याय ३८७

मुनि हेमचन्द्र—

नेमिकुमार की चूँदड़ी २३७

हेमचन्द्र सूरि—

अध्यात्मोपनिषदियोग

हेमनन्दन—

आनन्दश्रावक संघ ३३१

हेमप्रभ सूरि—

भुवनदीपक २७३

हेमराज—

जायसंश्लेष २

नयचक्रभाषा ४, १६६

श्वेताम्बर मंत्र के ८४ भेद ६

प्रवचनसार भाषा ११, १८३

भवतामरस्तोत्र भाषा ४६, ७५, ८३, ६८, १०८

११०, ११२, ११४, ११८, २६६, ३३०

३४२, ३४५

चौरासी बोल ११०, १५४, ३६०

कर्मकाण्ड भाषा १२६, १३१

पंचास्तिकायभाषा १४३

परमात्म प्रकाश भाषा १८२

हितोपदेश नावनी २६१



२०६ प्रति नं० ७ । पत्र सं० १०१ । साइज-११×७^१/_२ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम ।
वेष्टन नं० १००५ ।

२०७ पंचास्तिकाय भाषा-पं० हीरानंद । पत्र सं० ८३ । साइज १०×७ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-
सिद्धान्त । रचनाकाल-सं० १७०१ । लेखनकाल १८८८ । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १०३१ ।

२०८ प्रति नं० २ । पत्र सं० १०२ । साइज-११^१/_२×७ । लेखनकाल-सं० १७२० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-
सामान्य । वेष्टन नं० १२४२ ।

२०९ प्रभक्त्याकरण..... । पत्र सं० २७ । साइज-१२×२ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-आगम । लेखनकाल-
सं० १६६१ चैत्र बुद्धी ८ । पूर्ण । शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० ११६८ ।

विशेष—आचार्य देवकीर्ति ने प्रतिलिपि करवायी थी ।

२१० प्रति नं० २ । पत्र सं० ६६ । साइज-१२×८ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम ।
वेष्टन नं० ११६६ ।

विशेष—प्रति सटीक है । संस्कृत में टीका है ।

२११ भगवतीसूत्र..... । पत्र सं० ७३० । साइज-१०×४ इंच । भाषा-प्राकृत । विषय-सिद्धान्त ।
रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १२८७ ।

२१२ भगवतीसूत्र..... । पत्र सं० १-४३० । साइज-१०×४ इंच । भाषा-प्राकृत । विषय-आगम ।
रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण सामान्य एवं शुद्ध (स्फुटपत्र) । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १२८६ ।

२१३ भावत्रिभंगी-आचार्य नेमिचन्द्र । पत्र सं० ५४ । साइज-१३×५^१/_२ इंच । भाषा-प्राकृत । रचनाकाल X ।
लेखनकाल-सं० १६०७ भाद्रपद बुद्धी २ । अपूर्ण-प्रारम्भ के १० पत्र नहीं हैं । सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन
नं० १३३३ ।

२१४ प्रति नं० २ । पत्र सं० ४८ । साइज-१३×५^१/_२ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १३३४ ।

२१५ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ३३ । साइज-१२×६ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-
जीर्ण । वेष्टन नं० १३३५ ।

२१६ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ५५ । साइज-११×६ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य ।
वेष्टन नं० ६८ ।

२१७ प्रति नं० ५ । पत्र सं० १६ । साइज १०^१/_२×४^१/_२ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-
सामान्य । वेष्टन नं० १३४० ।

२१८ भावत्रिभंगी-श्रुतमुनि । पत्र सं० ५५ । साइज-११×५^१/_२ इंच । भाषा-प्राकृत । विषय-सिद्धान्त ।
रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १३३६ ।

विशेष—संस्कृत में संक्षिप्त टीका है ।

२१६ लब्धिसार—आचार्य नेमिचन्द्र । पत्र सं० १४१ । साइज—१२×५ इंच । भाषा—प्राकृत । विषय—सिद्धान्त । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १५७२ ।

२२० प्रति नं० २ । पत्र सं० ३६ । साइज—१२×६ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्यशुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १५७३ ।

२२१ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ८६ । साइज—१२×६½ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—उत्तम । वेष्टन नं० १५७४ ।

विशेष—प्रति सटीक है । टीका संस्कृत में है ।

२२२ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ४० । साइज—१६×७ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—उत्तम । वेष्टन नं० १५७५ ।

२२३ लघुसूत्र..... । पत्र सं० ६ । साइज—६×४ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—सिद्धान्त । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १५८८ ।

२२४ वचनकोश—बुलाकीदास । पत्र सं० १५७ । साइज—११×६½ इंच । भाषा—हिन्दी । विषय—सिद्धान्त । रचनाकाल—सं० १७०६ । लेखनकाल—सं० १८६३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १६७० ।

विशेष—ग्रन्थ प्रशस्ति विस्तृत है ।

२२५ विशेषसत्तायंत्र—पंडित रूपचन्द्र । पत्र सं० २३ । साइज—११½×५½ इंच । भाषा—हिन्दी । विषय—सिद्धान्त । रचनाकाल X । लेखनकाल—सं० १७२९ । अपूर्ण—प्रारम्भ के १२ पत्र नहीं हैं । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० १६४१ ।

२२६ विशेषसत्तात्रिभंगी..... । पत्र सं० ५७ । साइज—१२×५ इंच । भाषा—प्राकृत । विषय—सिद्धान्त । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० १६४२ ।

२२७ विशेषसत्तात्रिभंगी..... । पत्र सं० ६४ । साइज—११×५½ इंच । भाषा—प्राकृत । विषय—सिद्धान्त । रचनाकाल X । लेखनकाल—सं० १७१६ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १६४४ ।

२२८ श्लोकार्वात्तिक—आचार्य—विद्यानंदि । पत्र सं० ४७६ । साइज—१३×७ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—सिद्धान्त । रचनाकाल X । लेखनकाल—सं० १७६३ चैत्र सुदी २ मंगलवार । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १७१७ ।

विशेष—४ पत्रों का जीर्णोद्धार किया हुआ है । सूरत में प्रतिलिपि हुई थी । तत्त्वार्थसूत्र की एक टीका है ।

२२९ प्रति नं० २ । पत्र सं० ६४२ । साइज—११×६ इंच । लेखनकाल—सं० १८१८ पौष शुक्ला ७ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—उत्तम । वेष्टन नं० १७१८ ।

२३० प्रति नं० ३ । पत्र सं० ६६ । साइज—१०×५ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं अशुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन १७१९ ।

२३१ शीलप्राभृत-कुन्दकुन्दाचार्य । पत्र सं० ३ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×६ इंच । भाषा-प्राकृत । विषय-सिद्धान्त । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १७७४ ।

२३२ सत्तात्रिभंगी..... । पत्र सं० २० । साइज-१०×५ इंच । भाषा-प्राकृत । विषय-सिद्धान्त । रचनाकाल । लेखनकाल-सं० १७७४ आसोज सुदी ७ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १=१६ ।

२३३ संहृष्टि लब्धिसार क्षपणासार-पं० योङ्गमलजी । पत्र सं० ६० । साइज-१२ $\frac{१}{२}$ ×८ इंच । भाषा-हिन्दी-गद्य । विषय-सिद्धान्त । रचनाकाल-सं० १=१= । लेखनकाल-सं० १=३१ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १=२६ ।

२३४ सर्वार्थसिद्धि-पूज्यपाद । पत्र सं० १=४ । साइज-११×४ $\frac{१}{२}$ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-सिद्धान्त । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १६१० वैशाख सुदी ६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६१७ ।

विशेष—अमरसर ग्राम में कछवाहा सूर्यमल के शासन काल में प्रतिलिपि हुई थी ।

२३५ प्रति नं० २ । पत्र सं० १४४ । साइज-११×५ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६५= ।

विशेष—प्रति का जीर्णोद्धार किया गया है ।

२३६ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ६३ । साइज-११×५ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १६१६ ।

विशेष—तीसरे अध्याय तक है ।

२३७ प्रति नं० ४ । पत्र सं० १०१-१६६ । साइज-११×४ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६५६ ।

२३८ प्रति नं० ५ । पत्र सं० २८२ । साइज-१२×४ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल-सं० १=१४ आसोज सुदी ५ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १६५६ ।

विशेष—सांगानेर में चौधरी दुलीचंद ने प्रतिलिपि की थी ।

२३९ सर्वार्थसिद्धि भाषा-पं० योङ्गमलजी । पत्र सं० ३५३ । साइज-१०×७ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-सिद्धान्त । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १=६६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६६० ।

विशेष—दयाचन्दजी ने जयपुर नगर में ग्रन्थ की प्रतिलिपि की थी ।

२४० सर्वार्थसिद्धि भाषा-पं० जयचन्द्रजी व्यावडा । पत्र सं० २८६ । साइज-११×७ $\frac{१}{२}$ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-सिद्धान्त । रचनाकाल-सं० १=६१ । लेखनकाल-सं० १=७३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १६६१ ।

२४१ प्रति नं० २ । पत्र सं० २७६ । साइज-८ $\frac{१}{२}$ ×६ इंच । लेखनकाल-सं० १=८६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६६२ ।

विशेष—प्रति स्वयं भाषाकार के हाथ की लिखी मालूम होती है ।

२२ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १६१ । साइज-१० $\frac{1}{2}$ ×७ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण-तीन प्रतियों का मिश्रण है । सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १३६३ ।

२४३ सिद्धान्तसार..... । पत्र सं० १२ । साइज-११×६ इंच । भाषा-प्राकृत । विषय-धर्म । रचना-काल X । लेखनकाल-सं० १७१६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २०७६ ।

विशेष—प्रथम तीन पत्रों में त्रिलोकसार की गाथायें हैं विहारीदास जाबड़ा ने लिखवाया था । महात्मा इंगरसी ने लिखा था ।

२४४ सिद्धान्तसार-आचार्य सकलकीर्ति । पत्र सं० १०८-११६ । साइज-१२×६ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-सिद्धान्त । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २०८४ ।

२४५ प्रति नं० २ । पत्र सं० ३१२ । साइज-११×६ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल-सं० १८३५ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २०८७ । नथमल त्रिलाला कृत हिन्दी भाषा है ।

२४६ सिद्धान्तार्थसार-पं० रघू । पत्र सं० १३५ । साइज-१०×८ इंच । भाषा-अपभ्रंश । विषय-सिद्धान्त । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १५६३ वैशाख सुदी १३ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २०८८ ।

लेखक प्रशस्ति विस्तृत है ।

भौमदिने कुरुजांगलदेशे श्री सुवर्णपद्मसुभद्रा पातिसाहि वन्वर मुगलु काविलौ तस्य पुत्र पातिसाहि हुमायूँ तस्य राज्यप्रवर्तमाने काष्ठासंधे माधुरान्तरे पुष्करगणे.....मुनि सेमकीर्ति.....एषा गुरगाम्नाये अमोतकान्तरे गर्गनोत्रे आसिवास योगिनीपुरि वास्तव्यं.....एतेषामध्ये साधु गूजर पुत्री लिखापितं ।

२४७ सिद्धान्तसार-भंडारी नैसिचन्द्र । पत्र सं० २१ । साइज-६×५ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा-प्राकृत । विषय-सिद्धान्त । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १८१६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २०७६ ।

विशेष—संस्कृत में अर्थ दिया हुआ है । पत्र १६ से पीछे लिखे गये हैं ।

इसका दूसरा नाम सिद्धान्तधर्मोपदेशस्तमाला भी है ।

२४८ सिद्धान्तसार..... । पत्र सं० ७ । साइज-११×४ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा-प्राकृत । विषय-सिद्धान्त । रचना-काल X । लेखनकाल-सं० १५२५ ज्येष्ठ सुदी ४ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २०८० ।

विशेष—चाटसू (जयपुर) में खण्डेलवालान्वय साधु पारही ने ग्रंथ की प्रतिलिपि करवायी थी ।

२४९ सिद्धान्तसारदीपक-भ० सकलकीर्ति । पत्र सं० १५६ । साइज-१०×५ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-सिद्धान्त । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १७२६ माघ सुदी ६ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २०८५ ।

२५० प्रति नं० २ । पत्र सं० १५६ । साइज-१२×६ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २०८१ ।

२५१ प्रति नं० ३ । पत्र सं० २३४ । साइज—१२×६ इन्च । लेखनकाल—सं० १=२३ अषाढ बुदी १ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—उत्तम । वेष्टन नं० २०=२ ।

२५२ प्रति नं० ४ । पत्र सं० २३७ । साइज—१२×६ इन्च । लेखनकाल—सं० १७०६ माह बुदी २३ । जीर्ण । वेष्टन नं० २०=३ ।

विशेष—सनोहर के शिष्य तेजपाल ने प्रतिलिपि की थी ।

२५३ सिद्धान्तसारदीपक—नथमलविलास । पत्र सं० २१६ । साइज—११×७ $\frac{1}{2}$ इन्च । भाषा—हिन्दी । विषय—सिद्धान्त । रचनाकाल—सं० १=२४ । लेखनकाल—सं० १=२४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २०=६ ।

विषय—धर्म एवं आचार शास्त्र

ग्रन्थ संख्या—२५४-५४८

२५४ अनंगारधर्मामृत—पं० आशाधर । पत्र सं० ७६ । साइज—१२×६ $\frac{1}{2}$ इन्च । भाषा—संस्कृत । विषय—मृति धर्म वर्णन । रचनाकाल X । लेखनकाल—सं० १५२३ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १२ ।

विशेष—ः ति में सामान्य टंका भी दी हुई है । लेखक प्रशस्ति इस प्रकार है—

संवत् १५२३ वर्षे ज्येष्ठ सुदी १० इषंड जातीय दोसी हेमा भार्या हांसु सुत दोसी, वृचर भार्या लंगी सुत नाचा जीकापुता लेखयित्वा दत्त पुस्तकमिदं मुनिविजयकीर्ति पठनार्थम् ।

२५५ अनुभवप्रकाश—पं० दीपचन्द काशीवाल । पत्र सं० ८२ । साइज—८×६ $\frac{1}{2}$ इन्च । भाषा—हिन्दी । विषय—धर्म । रचनाकाल X । लेखनकाल—सं० १७६४ पौष सुदी ६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १५ ।

विशेष—लेखनस्थान बसवा (जयपुर)

२५६ अरहंतों के गुण..... । पत्र सं० ५ । साइज—८ $\frac{1}{2}$ ×६ $\frac{1}{2}$ इन्च । भाषा—हिन्दी । विषय—अरहंतों के गुणों का वर्णन । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० २६ ।

२५७ आचारसार वृत्ति—आचार्य वसुनदि । पत्र सं० ३४६ । साइज—११×६ इन्च । भाषा—प्राकृत-संस्कृत । विषय—आचार धर्म का वर्णन । रचनाकाल X । लेखनकाल—सं० १६०६ । अपूर्ण—एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य ।

वेष्टन नं० ६४।

विशेष—अन्तिम पत्र नहीं है। इस ग्रन्थ के मूलकर्ता श्री बट्टकेराचार्य हैं।

२५८ आराधनासार-देवसेन। पत्र सं० ७। साइज-१०×४ $\frac{१}{२}$ इंच। भाषा-प्राकृत। विषय-धर्म। रचनाकाल X। लेखनकाल X। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० १२७।

विशेष—संस्कृत में टीका दी हुई है।

२५९ प्रति नं० २। पत्र सं० २०। साइज-१०×४ इंच। लेखनकाल X। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-जीर्ण।

वेष्टन नं० १४०।

विशेष—संस्कृत में टीका दी हुई है। पानी में भीगने से प्रति के पत्र गल गये हैं।

२६० प्रति नं० ३। पत्र सं० ७। साइज-१०×४ $\frac{१}{२}$ इंच। लेखनकाल X। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य।

वेष्टन नं० १४०।

२६१ दृष्टछत्तीसी-पं० कुधजन। पत्र सं० ६। साइज-८×४ इंच। भाषा-हिन्दी। विषय-धर्म। रचना-काल X। लेखनकाल X। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० १४६।

२६२ उपदेशरत्नमाला-पं० सकलधूषण। पत्र सं० ११८। साइज-१२×४ $\frac{१}{२}$ इंच। भाषा-संस्कृत विषय-जन साधारण के लिये कर्मों पर उपदेश। रचनाकाल-सं० १६२७। लेखनकाल-सं० १७४७। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० १७६।

२६३ प्रति नं० २। पत्र सं० ११। साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इंच। लेखनकाल X। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा-जीर्ण। वेष्टन नं० १८०।

२६४ प्रति नं० ३। पत्र सं० १८३। साइज-१०×४ $\frac{१}{२}$ इंच। लेखनकाल X। अपूर्ण-प्राग्भ के १०० पत्र नहीं हैं। सामान्य शुद्ध। दशा-जीर्ण। वेष्टन नं० १८१।

२६५ प्रति नं० ४। पत्र सं० ३६-१३१। साइज-११×४ इंच। लेखनकाल X। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० १८२।

२६६ प्रति नं० ५। पत्र सं० १-७६, १०१-८३ तक। साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इंच। लेखनकाल X। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० १८३।

२६७ प्रति नं० ६। पत्र सं० १७१। साइज-११×४ इंच। लेखनकाल X। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० १८४।

२६८ प्रति नं० ७। पत्र सं० २३०। साइज-११ $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इंच। लेखनकाल-सं० १६८६ भादवा सुदी २। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-जीर्ण शीर्ण। वेष्टन नं० १८५।

२६९ उपदेशरत्नमाला भाषा-.....। पत्र सं० ३६। साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×७ इंच। भाषा-हिन्दी गद्य। विषय-

जनसाधारण के लिये कर्मों पर उपदेश । रचनाकाल-सं० १७७२ । लेखनकाल-सं० १६६४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम ।
वेष्टन नं० १८८ ।

विशेष—लेखक—बाबा दुलीचंद । धर्मदासगणि द्वारा रचित उपदेशरत्नमाला का संक्षिप्त अनुवाद है ।

२७० प्रति नं० २ । पत्र सं० १० । साइज—११ $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १८६ ।

२७१ उपदेशसिद्धान्तरत्नमाला—भागचन्द । पत्र सं० ४१ । साइज—११ $\frac{१}{२}$ ×८ इंच । भाषा—हिन्दी ।
विषय—धर्म । रचनाकाल—सं० १६१२ । लेखनकाल—सं० १६५० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—उत्तम । वेष्टन नं० १८६ ।

२७२ प्रति नं० २ । पत्र सं० ३४ । साइज—१२×६ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा—सामान्य जीर्ण । वेष्टन नं० १८७ ।

२७३ उपदेशरत्नमाला—बाबा दुलीचन्द । पत्र सं० ४ । साइज—८×६ $\frac{१}{२}$ इंच । भाषा—हिन्दी । विषय—
कर्मों पर उपदेश । रचनाकाल—सं० १६६४ । लेखनकाल—सं० १६७४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १६० ।

२७४ उपासकाचार—पूज्यपाद स्वामी । पत्र सं० ६ । साइज—१०×५ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—आचार
धर्म का वर्णन । रचनाकाल X । लेखनकाल—सं० १६३८ चैत्र बुदी १० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ११२

२७५ प्रति नं० २ । पत्र सं० ८ । साइज—१० $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल—सं० १७२५ । पूर्ण एवं शुद्ध ।
दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १६३ ।

विशेष—सांगल्लेर में जोधराज गोदीका ने प्रतिलिपि करवायी थी ।

२७६ प्रति नं० ३ । पत्र सं० २ । साइज—१३×७ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य ।
वेष्टन नं० १६४ ।

२७७ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ४ । साइज—१२×४ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—
सामान्य । वेष्टन नं० १६५ ।

२७८ प्रति नं० ५ । पत्र सं० ७ । साइज—११×६ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य । शुद्ध दशा—
सामान्य । वेष्टन नं० १६६ ।

२७९ उपासकाध्ययन—वसुनंदि । पत्र सं० ३५ । साइज—११×४ $\frac{१}{२}$ इंच । भाषा—भ्राह्मण । विषय—धर्म ।
रचनाकाल X । लेखनकाल—सं० १७०३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १६८ ।

२८० प्रति नं० २ । पत्र सं० ४४ । साइज—१० $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल—सं० १६११ पौष सुदी ११ ।
पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १६९ ।

विशेष—लेखक प्रशास्ति का एक अंश ।

“पौरवारावये चौदहागोत्रे सा माधो तदभार्या मोजी.....एतेषां मध्ये सा० राजा तदभार्या सुहार्द इदं लिखाप्य
मंडलाचार्य श्री चम्पचंद्राय दत्त ।”

२८१ प्रति नं० ३ । पत्र सं० २-२८ । साइज-१०×१२ इंच । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६७ ।

२८२ प्रति नं० ४ । पत्र सं० २८ । साइज-१०×१२ इंच । लेखनकाल-सं० १५७२ फाल्गुण बुदी १ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २०० ।

विशेष—श्री हरिसिंह ने प्रतिलिपि कवायी थी ।

२८३ एकत्वसमिति—श्री पद्मनन्दि । पत्र सं० २१ । साइज-६३/४ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-धर्म । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २०६ ।

विशेष—हिन्दी अर्थ सहित है ।

२८४ कर्मविपाक..... । पत्र सं० ११२ । साइज-१०३/४ इंच । भाषा-हिन्दी पद्य । विषय-कर्मों का वर्णन । लेखनकाल-सं० १८३६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४४ ।

विशेष—गुटके के रूप में है । संग्रह ग्रन्थ है । श्री देवकर्ण ने कर्मविपाक ग्रंथ लिखवाया था ।

२८५ कर्मविपाकसावचूर..... । पत्र सं० ६ । साइज-१०×४ इंच । भाषा-प्राकृत । विषय-धर्म । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४५ ।

विशेष—हिन्द अर्थ भी दिया हुआ है ।

२८६ क्रियाकलाप—प्रभाचन्द्र । पत्र सं० १०२-१२५ । साइज-६३/४ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-धर्म । रचनाकाल × । लेखनकाल-सं० १६४८ अषाढ बुदी ६ । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । प्रारम्भ के १०१ पत्र नहीं हैं । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २७१ ।

विशेष—देवापडि ने प्रतिलिपि की थी ।

२८७ प्रति नं० २ । पत्र सं० ६० । साइज-१०३/४ इंच । लेखनकाल-सं० १७२७ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २७२ ।

२८८ क्रियाकलापवृत्ति..... । पत्र सं० ६० । साइज-१०×४ इंच । भाषा-प्राकृत-संस्कृत । विषय-धर्म । रचनाकाल × । लेखनकाल-सं० १४१८ आषाढ बुदी १३ बुधवार । पूर्ण । शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २७३ ।

विशेष—प्रशस्ति निम्न प्रकार है ।

२८९ क्रियाकोश—किशनसिंह । पत्र सं० १०० । साइज-१०३/४ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-आचार शास्त्र । रचनाकाल-सं० १७८४ । लेखनकाल-सं० १८२० सावन बुदी १४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २७४ ।

विशेष—दौसा राणोली निवासी जीवराजजी पाण्ड्या ने प्रतिलिपि की थी ।

२९० प्रति नं० २ । पत्र सं० १५२ । साइज-११×५ इंच । लेखनकाल-सं० १९३० । अपूर्ण—तीन प्रतियों में मिश्रण है । सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २७५ ।

२६१ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ३६२ । साइज- $5\frac{1}{2} \times 8\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल-सं० १७६६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २७७ ।

विशेष—गुटके में है । ब्रांसखी (जगपुर) निवासी श्री इंग्लैंड के पुत्र सदाराम ने प्रतिलिपि की थी ।

२६२ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ७४ । साइज- 12×8 इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २७८ ।

विशेष—दो प्रतियों का मिश्रण है ।

२६३ क्रियासार..... पत्र सं० २ । साइज- 9×8 इंच । भाषा-प्राकृत । विषय-धर्म । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २७९ ।

विशेष—८० गायार्थें हैं ।

२६४ केवलभुक्तिनिराकरण-पं० जगन्नाथ । पत्र सं० ११ । साइज- 10×8 इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-धर्म । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २८० ।

२६५ गुण वर्णन..... पत्र सं० २ । साइज- 11×8 इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-धर्म । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३१६ ।

विशेष—आत्मा, सिद्ध तथा नरकों के दुःख का वर्णन ।

२६६ चउसरण बालावबोध..... पत्र सं० = । साइज- 10×8 इंच । भाषा-प्राकृत । विषय-धर्म । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १७७५ चैत्र सुदी १ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३६६ ।

विशेष—हिन्दी में गायार्थों का अर्थ दिया हुआ है । पं० इन्द्र सागर ने प्रतिलिपि की थी ।

२६७ चारित्रसार (भावानासार संग्रह)-श्रीमच्छामुड महाराज । पत्र सं० ६० । साइज- $11\frac{1}{2} \times 8$ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-धर्म । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १६२१ वैशाख सुदी १० शनिवार । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ४१३ ।

२६८ प्रति नं० २ । पत्र सं० ३४ । साइज- 12×8 इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ४१३ ।

विशेष—खण्डेलवालान्वय ठोल्या गोत्र में उत्पन्न संघई नान्हा भार्या नागसिरी संघही चाहड की पुत्री ने मुनि जयकीर्ति को यह ग्रन्थ प्रदान किया था ।

२६९ प्रति नं० ३ । पत्र सं० = १ । साइज- 12×8 इंच । लेखनकाल-सं० १५८३ अषाढ सुदी १४ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ४१४ ।

विशेष—लेखक प्रशस्ति का संक्षिप्त अंश—मंडलाचार्य धर्मचन्द्रदेवाम्नाये महाराणा संग्रामदेवराज्ये चंपावती नगरे भोलकी गोत्रे श्री रामचन्द्रप्रतापे खण्डेलवालान्वये ठोल्या गोत्रे सा० रेडा एवं शास्त्र लिखाप्य अजिका बाई पद्मसिरियै दत्त ।

३०० चारित्रसार पंजिका.....। पत्र सं० ६ । साइज-१०×४ $\frac{१}{२}$ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-धर्म । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ४१६ ।

३०१ चारित्रसार भाषा.....। पत्र सं० २०७ । साइज-८×६ $\frac{१}{२}$ इंच । भाषा-हिन्दी गद्य । विषय-आचार शास्त्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । दूसरे अध्याय तक पूर्ण । शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ४१५ ।

विशेष — चामुंडराय कृत चारित्रसार की भाषा है ।

३०२ चारित्रसार भाषा-मन्नालाल । पत्र सं० २०७ । साइज-१०×५ इंच । भाषा-हिन्दी (गद्य) । विषय-चारित्र । रचनाकाल-सं० १७८१ । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० ४१७ ।

विशेष — ग्रन्थ प्रशस्ति विस्तृत है ।

३०३ चिद्विलास-दीपचन्द कासलीवाल । पत्र सं० ४३ । साइज १२×५ इंच । भाषा-हिन्दी गद्य । विषय-धर्म । रचनाकाल-सं० १७७६ । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ४१८ ।

३०४ प्रति नं० २ । पत्र सं० ६८ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×५ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ४१६ ।

३०५ चतुःशरण प्रवृत्ति.....। पत्र सं० ७ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इंच । भाषा-प्राकृत । विषय-धर्म । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं अशुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० ४४० ।

विशेष—हिन्दी में टक्का टीका दी हुई है ।

३०६ चौबीसठाणाचर्चा-आ० नेमिचन्द्र । पत्र सं० ८२ । साइज-११×६ इंच । भाषा-प्राकृत । विषय-धर्म । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १७८२ फागुण शुदी ६ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ४३४ ।

३०७ प्रति नं० २ । पत्र सं० १५ । साइज-१०×५ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ४२५ ।

३०८ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १५ । साइज-१२×५ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ४२७ ।

३०९ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ३२ । साइज-९×६ इंच । लेखनकाल-सं० १७६३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ४२६ ।

३१० प्रति नं० ५ । पत्र सं० १६ । साइज-८ $\frac{१}{२}$ ×५ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ४२८ ।

३११ प्रति नं० ६ । पत्र सं० ३३ । साइज-१२×५ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ४२९ ।

३१२ प्रति नं० ७ । पत्र सं० २९ साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल-सं० १८३२ । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ४३० ।

विशेष—कासबा नगर में चन्द्रप्रभ चैत्यालय में पं० परसराम के पठनार्थ प्रतिलिपि की गयी थी।

३१३ प्रति नं० ८ । पत्र सं० ७ । साइज—११ $\frac{१}{२}$ ×५ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल—सं० १७०२ ज्येष्ठ सुदी १२ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ४३१ ।

३१४ प्रति नं० ९ । पत्र सं० ४२ । साइज—१२×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ४३२ ।

३१५ प्रति नं० १० । पत्र सं० ४४ । साइज—११ $\frac{१}{२}$ ×५ इञ्च । लेखनकाल—सं० १७६८ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ४३३ ।

३१६ प्रति नं० ११ । पत्र सं० २२ । साइज—११×६ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ४३३ ।

३१७ प्रति नं० १२ । पत्र सं० ४३ । साइज—११×५ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ४३३ ।

३१८ चौबीसठाणाचचा..... । पत्र सं० २० । साइज—११×६ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा—हिन्दी । विषय—धर्म । रचनाकाल X । लेखनकाल—सं० १७०४ पौष शुक्ला ८ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० ४३६ । विशेष—सीलोर में जोसी भीपति ने प्रतिलिपि की थी।

३१९ चौबीसदंडक—सदमीवल्लभ गणि । पत्र सं० २४ । साइज—१२×६ इञ्च । भाषा—प्राकृत । विषय—वर्ण । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० ४३५ । विशेष—हिन्दी अर्थ भी दिया हुआ है।

३२० चौरासीबोल—हेमराज । पत्र सं० ६ । साइज—१०×४ इञ्च । भाषा—हिन्दी । विषय—धर्म । रचनाकाल X । लेखनकाल—सं० १७२३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० ४४१ । विशेष—स्वामी बेणीदास ने औरंगाबाद में सं० १७२३ पौष सुदी ५ को इस ग्रन्थ की प्रतिलिपि की थी।

३२१ छहढाला—पं० बुधजन । पत्र सं० ६ । साइज—१० $\frac{१}{२}$ ×५ इञ्च । भाषा—हिन्दी । विषय—धर्म । रचनाकाल—सं० १८५० । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ४५३ ।

३२२ छेद सूत्र..... । पत्र सं० १० । साइज—१०×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा—प्राकृत । विषय—भावकाचार । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ४५४ । विशेष—प्राकृत से संस्कृत में अर्थ दिया हुआ है।

३२३ जीव विचार..... । पत्र सं० ७५ । साइज—१२×५ इञ्च । भाषा—प्राकृत । विषय—सिद्धान्त । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ५०२ । विशेष—गाथाओं का अर्थ पहिले संक्षिप्त रूप से संस्कृत में और फिर विस्तृत रूप से हिन्दी में दिया हुआ है। यह क्रम केवल १० गाथा (१५ पत्र) तक है । फिर स्वतन्त्र रूप से वर्णन है।

३२४ जैनगायत्री..... पत्र सं० १ । साइज-१२×७ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-धर्म । रचनाकाल X ।

लेखनकाल-सं० १६८५ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० ५०४ ।

३२५ जैनमतभाषा..... पत्र सं० ६८ । साइज-१०½×४½ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-धर्म ।

रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १८४६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ५०५ ।

विशेष—सालिगराम भावसा ने पढ़ने के लिये महात्मा गोविन्दराम के द्वारा प्रतिलिपि करवायी थी ।

३२६ जैनागारप्रक्रिया—बाबा दुलीचन्द । पत्र सं० ४८ । साइज-११×७ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-

धर्म । रचनाकाल-सं० १६२५ । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ५१३ ।

३२७ प्रति नं० २ । पत्र सं० २५ । साइज-१३×८ इंच । लेखनकाल-सं० १६६८ । पूर्ण एवं शुद्ध ।

दशा-उत्तम । वेष्टन नं० ५१४ ।

३२८ धर्मोपदेशरत्नमाला—बाबा दुलीचन्द । पत्र सं० १४ । साइज-११×६ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-

धर्म । रचनाकाल-सं० १६६४ । लेखनकाल-सं० १६६४ फागुण बुदी २ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८२३ ।

विशेष—लिपिकार स्वयं बाबा दुलीचन्द हैं । उसका दूसरा नाम उपदेशरत्नमाला भी है ।

३२९ धर्मोपदेशआवकाचार—भ० रत्नभूषण । पत्र सं० ८६ । साइज-१२×६ इंच । भाषा-संस्कृत ।

विषय-धर्म । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १७२० । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८२४ ।

३३० ज्ञानानन्दआवकाचार—पं० टोडरमलजी । पत्र सं० १४४ । साइज-१३×७ इंच । भाषा-हिन्दी गद्य ।

विषय-आचार । रचना सर्वत् X । लेखनकाल-सं० १६६० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० ५६१ ।

विशेष—जयपुर नगर में पालम निवासी श्री गोविन्दराम ने ग्रंथ की प्रतिलिपि की थी ।

३३१ तेरहपंथखंडन—पं० पद्मलाल । पत्र सं० २४ । साइज-११×७ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-धर्म ।

रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६४० ।

३३२ धर्मदास दुलीचन्द का पत्र व्यवहार—दुलीचन्द । पत्र सं० ६ । साइज-११½×४½ इंच । भाषा-

हिन्दी गद्य । विषय-वर्चा । रचनाकाल-सं० १६४६ । लेखनकाल-सं० १६४६ अषाढ सुदी २ रविवार । पूर्ण एवं शुद्ध ।

दशा-उत्तम । वेष्टन नं० ८१४ ।

३३३ त्रिवर्णाचार—महाराज सोमसेन । पत्र सं० १२४ । साइज-१२×५½ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-

धर्म । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १७६७ श्रावण सुदी २ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६८१ ।

विशेष—संग्रामपुरमध्य महाराजाधिराज श्री सवाई जयसिंहजी विजयराज्ये पुस्तक लिखापित ।

३३४ धर्मरत्नाकर..... पत्र सं० ११५ । साइज-१०½×४½ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-धर्म । रचना-

काल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८१० ।

३३५ धर्मरसायन—पद्मानंदि । पत्र सं० १० । साइज-१०×५ इंच । भाषा-प्राकृत । विषय-धर्म । रचना-

काल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८१५ ।

३३६ त्रेपनक्रिया वर्णन..... पत्र सं० ५४ । साइज-१०×४ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-आचार । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण सुन्दर तथा शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६८५ ।

३३७ त्रेपनक्रियाकोश-दौलतरामजी । पत्र सं० १०४ । साइज-११×६ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-आचार शास्त्र । रचनाकाल-सं० १७६५ । लेखनकाल-सं० १८४४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६८७ ।

३३८ प्रति नं० २ । पत्र सं० ५२ । साइज-११ $\frac{1}{2}$ ×४ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण १८ वीं, २१ वीं तथा २३ वें पत्र से आगे नहीं है । १३१ गाथाओं तक है । हिन्दी गद्य में अर्थ दिया हुआ है । बीच २ में अर्थ कटा हुआ भी है । शायद प्रति का पोछे संशोधन किया गया है । लिपि-सामान्य । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० ८११ ।

३३९ धर्मरासो..... पत्र सं० १६ । साइज-११×४ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-धर्म । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण-शीर्ण । वेष्टन नं० ८१२ ।

३४० प्रति नं० २ । पत्र सं० ३१ । साइज-११×७ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६८६ ।

३४१ धर्मरासो..... पत्र सं० ३० । साइज-७ $\frac{1}{2}$ ×४ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-धर्म । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १७८८ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८१३ । विशेष-सांगानेर में दुलीचंदजी आवक ने प्रतिलिपि की थी ।

३४२ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ८६ । साइज-१०×५ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० ६८२ ।

३४३ दशलक्षणधर्म वर्णन..... पत्र सं० ४४ । साइज-१२×७ इंच । भाषा-हिन्दी गद्य । विषय-धर्म । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ७०५ ।

३४४ धर्मसार-पंडित शिरोमणि । पत्र सं० ७५ । साइज-७ $\frac{1}{2}$ ×४ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-धर्म । रचनाकाल-सं० १७३२ । लेखनकाल-सं० १८६६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० ८२१ ।

३४५ धर्मोपदेशपीयूष-भजनेभिदत्त । पत्र सं० २-२६ । साइज-११×४ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-आचार-शास्त्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० ८२२ ।

३४६ धर्मसंग्रह आचकाचार-पं० मेधावी । पत्र सं० ७२ । साइज-१० $\frac{1}{2}$ ×४ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-धर्म । रचनाकाल-सं० १४४० । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० ८१८ ।

३४७ प्रति नं० २ । पत्र सं० ६० । साइज-१३ $\frac{1}{2}$ ×५ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १८६ ।

३४८ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ६३ । साइज-१२×५ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० ८२० ।

३४६ निगोदषट्त्रिंशिका..... पत्र सं० ६ । साइज-१०×४ इंच । भाषा-प्राकृत । विषय-धर्म । रचना-

लेखनकाल-सं० १६५३ कार्तिक सुदी ८ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८२७ ।

३४७ नियमसार-आ० कुन्दकुन्द । पत्र सं० ११२ । साइज-११×४ इंच । भाषा-प्राकृत । विषय-धर्म ।

रचनाकाल X । लेखनकाल- X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन सं० ८०८ ।

विशेष—पद्मप्रभमलधारिदेव कृत संस्कृत टीका भी है ।

३४८ प्रति नं० २ । पत्र सं० १२ । साइज-११×५ इंच । लेखनकाल-सं० १७७८ । माह सुदी १० ।

पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८०९ ।

विशेष—सांगानेर में साहू बगसीराम के पठनार्थ लिखी गयी थी ।

३४९ पद्मनन्दिपंचविंशति-पद्मनन्दि । पत्र सं० १०१ । साइज-११½×५½ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-धर्म ।

रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १६२३ वैशाख सुदी १४ । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८२१ ।

३५० प्रति नं० २ । पत्र सं० १०० । साइज-१०½×४½ इंच । लेखनकाल-सं० १७१० । पूर्ण एवं शुद्ध ।

दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८२२ ।

३५१ प्रति सं० ३ । पत्र सं० ८५ । साइज-११×४½ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य ।

वेष्टन नं० ८२३ ।

३५२ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ८० । साइज-११×४½ इंच । लेखनकाल-सं० १५८० । अपूर्ण एवं सामान्य

शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८५४ ।

३५३ प्रति नं० ५ । पत्र सं० ६१ । साइज-११×५ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य ।

वेष्टन नं० ८५५ ।

३५४ प्रति नं० ६ । पत्र सं० ६४ । साइज-६×४½ इंच । लेखनकाल-सं० १७६० माघ शुक्ला २ बुधवार ।

पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८५६ ।

विशेष—संस्कृत में साधारण टीका भी है । धनराज ने प्रतिलिपि की थी ।

३५५ प्रति नं० ७ । पत्र सं० ३१ । साइज-११×६ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।

दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८५६ ।

३५६ प्रति नं० ८ । पत्र सं० २५ । साइज-१२×५ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।

दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८५७ ।

३५७ प्रति नं० ९ । पत्र सं० २-१३० । साइज-११×५ इंच । लेखनकाल-सं० १५७५ काल्युष सुदी ७ ।

अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८५८ ।

विशेष—बीजापुर में प्रतिलिपि हुई थी । और शिवराम ने आचार्य श्री गुणचंद्र को प्रदान की थी ।

३५८ प्रति नं० १० । पत्र सं० ६४ । साइज-१२×५ इंच । लेखनकाल-सं० १८४५ आसोज सुदी १४

शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० ११०० ।

विशेष—जयपुर में सवाई रामसिंहजी के शासनकाल में प्रतिलिपि हुई थी ।

३८४ पुरुषार्थसिद्धयुपाय भाषा—महापंडित टोडरमलजी । पत्र सं० ८० । साइज—११×७^१/_२ इंच । भाषा—हिन्दी गद्य । विषय—धर्म । रचनाकाल—सं० १=२७ । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ११२८ ।

३८५ पुरुषार्थसिद्धयुपाय भाषा—..... । पत्र सं० ३० । साइज—११×६^१/_२ इंच । भाषा—हिन्दी । विषय—धर्म । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण—आगे के पत्र नहीं हैं । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ११२९ ।

३८६ प्रति नं० २ । पत्र सं० ३२ । साइज—१०×६ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—जोर्ण । वेष्टन नं० ११२९ ।

३८७ प्रतिक्रमण—पं० प्रभाचंद्र । पत्र सं० ४८ । साइज—१०^१/_२×४^१/_२ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—धर्म । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ११४३ ।

३८८ प्रतिक्रमण—..... । पत्र सं० ३४ । साइज—१०×४^१/_२ इंच । भाषा—प्राकृत । विषय—न्याय । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ११४२ ।

३८९ प्रतिक्रमण—..... । पत्र सं० ३३ । साइज—१०×४^१/_२ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—धर्म । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ११४१ ।

३९० प्रतिक्रमण—..... । पत्र सं० १० । साइज—१०×४^१/_२ इंच । भाषा—प्राकृत । विषय—धर्म । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ११४३ (क) ।

विशेष—हिन्दी अर्थ भी हैं ।

३९१ प्रश्नोत्तरोपासकाचार—सकलकीर्ति । पत्र सं० १३९ । साइज—१०^१/_२×४^१/_२ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—आश्रक धर्म वर्णन । रचनाकाल X । लेखनकाल—सं० १६४५ पौष शुक्ला ६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १२०० ।

विशेष—मालवदेश सारंगपुर में प्रतिलिपि हुई थी ।

३९२ प्रति नं० २ । पत्र सं० १०१ । साइज—१०^१/_२×४^१/_२ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण—प्रारम्भ के ६ पत्र नहीं हैं । शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १२१६ ।

३९३ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १३३ । साइज—१०×५ इंच । लेखनकाल—सं० १७१५ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १२०८ ।

विशेष—आमेर में जयसिंहजी के शासनकाल में श्री महेन्द्रकीर्ति ने श्रीधरजोशी के पास प्रतिलिपि करवायी थी ।

३९४ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ६८ । साइज—११^१/_२×४^१/_२ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १२३८ ।

३६५ प्रति नं० ५ । पत्र सं० १०० । साइज-११ $\frac{१}{२}$ ×७ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १२०१ ।

३६६ प्रति नं० ६ । पत्र सं० १२४ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×११ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल-सं० १=१५ मंगसिर बुदी १ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १२११ ।

३६७ प्रति नं० ७ । पत्र सं० ६८ । साइज-११ $\frac{१}{२}$ ×५ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १२०५ ।

३६८ प्रति नं० ८ । पत्र सं० ७१ । साइज-१२×५ इञ्च । लेखनकाल-सं० १६०७ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १२८४ ।

३६९ प्रति नं० ९ । पत्र सं० ७४ । साइज-१२×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल-सं० १८१२ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १२०२ ।

४०० प्रति नं० १० । पत्र सं० ६२ । साइज-१२×६ इञ्च । लेखनकाल-सं० १७८५ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १२०८ ।

विशेष—सोजमानाद जयपुर में प्रतिलिपि हुई थी ।

४०१ प्रति नं० ११ । पत्र सं० १३२ । साइज-११ $\frac{१}{२}$ ×६ इञ्च । लेखनकाल-सं० १७६७ ज्येष्ठ बुदी ७ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १२०३ ।

४०२ प्रति नं० १२ । पत्र सं० ७७ । साइज-११×५ इञ्च । लेखनकाल-सं० १८८६ । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १२०६ ।

४०३ प्रति नं० १३ । पत्र सं० ५७ । साइज-१२×७ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १२०७ ।

४०४ प्रति नं० १४ । पत्र सं० ८२ । साइज-११ $\frac{१}{२}$ ×५ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल-सं० १६०० फागुण बुदी १ । अपूर्ण-२ से ६० तक के पत्र नहीं हैं । सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १२१० ।

विशेष—श्री रत्नसाराज्यप्रवर्तमाने कुंवर श्रीसंग्रामप्रतापे सांगानगरि नाम महापत्तने श्री बद्धमानचैत्यालये सोनी गोत्रे श्री नाम आनिका इदं शास्त्रं लिखाप्य आ० प्रतापश्रियै घटापितं ।

४०५ प्रति नं० १५ । पत्र सं० १५६ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×५ इञ्च । लेखनकाल-सं० १६०० पौष बुदी ४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १२१२ ।

४०६ प्रति नं० १६ । पत्र सं० १३५ । साइज-११×५ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १२१३ ।

विशेष—तीन प्रकार की प्रतियों का सम्मिश्रण है ।

४०७ प्रति नं० १७ । पत्र सं० ६० । साइज— $12 \times 8 \frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १२१४ ।

४०८ प्रति नं० १८ । पत्र सं० २-६० । साइज— $12 \times 8 \frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १२१५ ।

४०९ प्रश्नोत्तरोपासकाचार—कुलाकीदास । पत्र सं० ११६ । साइज— $12 \times 8 \frac{1}{2}$ इंच । भाषा—हिन्दी । विषय—प्रश्नोत्तर के रूप में श्रावक धर्म वर्णन । रचनाकाल—सं० १८८८ । लेखनकाल—सं० १८९५ फागुण बुदी ६ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १२१८ ।

४१० प्रति नं० २ । पत्र सं० ११३ । साइज— $12 \times 8 \frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल—सं० १८५२ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १२१६ ।

४११ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १२६ । साइज— $12 \times 8 \frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल—सं० १८४६ । अपूर्ण—प्राग्भ के ७६ पत्र नहीं हैं । सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १२१७ ।

४१२ प्रति नं० ४ । पत्र सं० १४३ । साइज— $12 \times 8 \frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल—सं० १८८६ । अपूर्ण—प्राग्भ के ७५ पृष्ठ नहीं हैं । सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १२१८ ।

४१३ प्रति नं० ५ । पत्र सं० ११० । साइज— $12 \times 8 \frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण—११० से आगे के पत्र नहीं हैं । सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १२२३ ।

४१४ प्रति नं० ६ । पत्र सं० ११० । साइज— $12 \times 8 \frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल—सं० १८०७ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १२२२ ।

४१५ प्रति नं० ७ । पत्र सं० १३५ । साइज— $12 \times 8 \frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल—सं० १७३३ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १२२२ ।

४१६ प्रति नं० ८ । पत्र सं० १११ । साइज— $12 \times 8 \frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल—सं० १८२० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १२२१ ।

४१७ प्रति नं० ९ । पत्र सं० ११४ । साइज— $12 \times 8 \frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल—सं० १८१३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १२१७ ।

४१८ प्रति नं० १० । पत्र सं० ६६ । साइज— $12 \times 8 \frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल—सं० १८६३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १७३४ ।

४१९ प्रायश्चित्तविनिश्चय वृत्ति—नन्दिगुरु । पत्र सं० ७२ । साइज— $12 \times 8 \frac{1}{2}$ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—धर्म । रचनाकाल X । लेखनकाल—सं० १८५५ चैत्र शुक्ला १२ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १२३३ । विशेष—जयपुर में तेरहपंथियों के चैत्यालय में प्रतिलिपि हुई थी ।

४२० प्रति नं० २ । पत्र सं० २६ । साइज-१२×२३ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-धर्म । रचनाकाल X ।
लेखनकाल-सं० १८२८ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ४२० ।

४२१ प्रति नं० ३ । पत्र सं० २१ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×५ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ४२१ ।

४२२ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ४३ । साइज-८×५ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ४२२ ।

४२३ प्रति नं० ५ । पत्र सं० ३३ । साइज-१२×६ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १२३४ ।

४२४ प्रति नं० ६ । पत्र सं० ४४ । साइज-१२×५ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल-सं० १८२८ भाषण बुदी ३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १२३५ ।

४२५ धार्मिकसम्प्रदाय-बाबा तुलीचन्द । पत्र सं० १२ । साइज-१०×७ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-भक्त्युत्पत्ति के अयोग्य पदार्थों का विवरण । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १९४१ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १२६६ ।

४२६ प्रति नं० २ । पत्र सं० १२ । साइज-८ $\frac{१}{२}$ ×६ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १२६६ ।

४२७ बारहभावना..... । पत्र सं० २-६ । साइज-१०×४ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-धर्म । रचनाकाल सं० १६०७ । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं अशुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १२७२ ।

विशेष—नाथा महात्माने दशोर नगर में लिख था ।

४२८ बारहभावना (सिद्धान्तोद्धारितप्रबंध)..... । पत्र सं० २-६ । साइज १०×४ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-धर्म । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १६०७ चैत्र बुदी १२ । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २०६३ ।

४२९ भगवती आराधना-आ० शिवकोटि । पत्र सं० १३६ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा-प्राकृत । विषय-धर्म । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १२८१ ।

४३० प्रति नं० २ । पत्र सं० ४७-१०२ । साइज-११×५ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १२८२ ।

विशेष—संस्कृत में कहीं २ शब्दार्थ दिया हुआ है ।

४३१ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १-१४६ । साइज-१०×४ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १२८३ ।

विशेष—प्रति सटीक है । टीका संस्कृत में है ।

४३२ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ११२ । साइज-१०×१६ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १२=४ ।

विशेष—संस्कृत में टीका भी है ।

४३३ प्रति नं० ५ । पत्र सं० २२१-४६१ । साइज-११×१६ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १२=५ ।

विशेष—प्रति सटीक है । टीकाकार अपगजितसूरि हैं । टीका संस्कृत में है । टीका का नाम विजयोदया है ।

४३४ भगवती आराधना भाषा-पं० सदासुखजी कासलीवाल । पत्र सं० ८०४ । साइज-११ $\frac{१}{२}$ ×१६ $\frac{१}{२}$ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-धर्म । भाषाकाल-सं० १६०= भादवा सुदी २ । लेखनकाल-सं० १६०८ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १२७६ ।

विशेष—प्रति स्वयं भाषाकार के हाथ की लिखी हुई प्रथम प्रति है ।

४३५ प्रति नं० २ । पत्र सं० ६७४ । साइज-११×८ इंच । लेखनकाल-सं० १६१० । अपूर्ण-प्रारम्भ के ३३१ पत्र नहीं हैं । सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १२७७ ।

४३६ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ४८३ । साइज-१२ $\frac{१}{४}$ ×८ $\frac{१}{४}$ इंच । लेखनकाल-सं० १६०८ । अपूर्ण-१११ से १२० तक के पत्र नहीं हैं । सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १२७८ ।

४३७ प्रति नं० ४ । पत्र सं० २=१ । साइज-११×७ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण-प्रारम्भ के १ से १०० तथा २८१ से आगे के पत्र नहीं हैं । सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १२७९ ।

४३८ प्रति नं० ५ । पत्र सं० ३३१ । साइज-११×८ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण-अन्तिम पत्र नहीं है । सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १२८० ।

४३९ भावदीपक-जोधराज गोदीका । पत्र सं० १५८ । साइज-९×६ इंच । भाषा-हिन्दी-गद्य । विषय-धर्म । रचनाकाल-सं० १=६७ । लेखनकाल-सं० १८६७ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० ११६ ।

४४० प्रति नं० २ । पत्र सं० ४६ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×६ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण-अन्तिम पत्र नहीं है । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १३३६ ।

४४१ भावसंग्रह-वामदेव । पत्र सं० ३६ । साइज-१०×४ $\frac{१}{२}$ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-धर्म । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १३४२ ।

४४२ प्रति नं० २ । पत्र सं० ६ । साइज-८ $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १३४३ ।

४४३ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १६-४३ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण-फुटकर पत्र है । सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १३४४ ।

४४४ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ४३ । साइज-११×५ इंच । लेखनकाल-सं० १६४३ भादवा सुदी ६ ।

पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १३४८ ।

४४५ प्रति नं० ५ । पत्र सं० ४० । साइज—२×४ इंच । लेखनकाल—सं० १७२५ भाद्रपद सुदी ७ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १३४९ ।

४४६ भावसंग्रह—देवसेन । पत्र सं० ४६ । साइज—१० $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इंच । भाषा—प्राकृत । विषय—धर्म । रचना—काल X । लेखनकाल—सं० १५८२ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । लिपि—विकृत । वेष्टन नं० १३४९ ।

विशेष—खंडेला नगर में प्रतिलिपि हुई थी । प्रशस्ति अपूर्ण है ।

४४७ प्रति नं० २ । पत्र सं० ३१ । साइज—११×५ इंच । लेखनकाल—सं० १६६१ कार्तिक सुदी १ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । वेष्टन नं० १३४६ ।

४४८ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ३६ । साइज—११ $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल—सं० १६७१ भाद्रपद सुदी १ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० १३४७ ।

४४९ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ३८ । साइज—१०×५ इंच । लेखनकाल—सं० १६२२ कार्तिक सुदी १ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १३४८ ।

४५० प्रति नं० ५ । पत्र सं० ४६ । साइज—१० $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल—सं० १६१६ आश्विन सुदी २ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १३४९ ।

४५१ प्रति नं० ६ । पत्र सं० ४६ । साइज—११ $\frac{१}{२}$ ×५ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १३४९ ।

४५२ प्रति नं० ७ । पत्र सं० ६७ । साइज—६ $\frac{१}{२}$ ×५ इंच । लेखनकाल—सं० १६२१ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १३५० ।

४५३ भावसंग्रह—श्रुतमुनि । पत्र सं० ६४ । साइज—१० $\frac{१}{२}$ ×५ $\frac{१}{२}$ इंच । भाषा—प्राकृत । विषय—धर्म । रचना—काल X । लेखनकाल—सं० १७१६ भाद्रपद सुदी ६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १३५१ ।

४५४ प्रति नं० २ । पत्र सं० ४६ । साइज—१०×४ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १३५२ ।

४५५ प्रति नं० ३ । पत्र सं० २७ । साइज—१०×४ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल—सं० १६०६ कार्तिक सुदी २ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १३५४ ।

४५६ मिथ्यात्वखंडन—वल्लभराम । पत्र सं० ११० । साइज—११×५ इंच । भाषा—हिन्दी । विषय—धर्म । रचना—काल X । लेखनकाल—सं० १८२१ । लेखनकाल—सं० १८५२ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १३६४ ।

विशेष—सदासुख भावसा ने जयपुर में प्रतिलिपि की थी ।

४५७ मिथ्यात्वनिषेध..... । पत्र सं० २६ । साइज—१२×५ इंच । भाषा—हिन्दी । विषय—धर्म । रचना—काल X । लेखनकाल—सं० १८५२ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—उत्तम । वेष्टन नं० १३६५ ।

४५८ प्रति नं० २ । पत्र सं० ३४ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×६ इंच । लेखनकाल-सं० १=५२ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १३६६ ।

४५९ मूलकर्मप्रकृतिवर्णन..... । पत्र सं० ६ । साइज-१२×५ $\frac{१}{२}$ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-धर्म । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १४०५ ।

४६० मूलाचार-श्रीमद्वहेरकाचार्य । पत्र सं० २४० । साइज-१३×५ इंच । भाषा-प्राकृत । विषय-धर्म । रचनाकाल X । टीकाकाल-सं० १६०५ । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १४०७ ।

विशेष—आ० वसुनन्दि कृत संस्कृत टीका सहित है ।

४६१ प्रति नं० २ । पत्र सं० ११ । साइज-६ $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १४०६ ।

४६२ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १६७ । साइज-११ $\frac{१}{२}$ ×२ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण-अन्तिम पत्र नहीं है । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १४०८ ।

विशेष—आ० वसुनन्दि कृत संस्कृत टीका सहित है ।

४६३ मूलाचारप्रदीप-भ० सकलकीर्ति । पत्र सं० १२० । साइज-१२×५ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-आचार धर्म का वर्णन । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १=२० मंगसिर सुदी ५ । अपूर्ण-प्रारम्भ के २ पत्र नहीं हैं । सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १४०८ ।

विशेष—बसवा (जयपुर) में प्रतिलिपि हुई थी ।

४६४ मोक्षमार्गनिरूपण..... । पत्र सं० ६ । साइज-१२×५ $\frac{१}{२}$ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-धर्म । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १४२४ ।

विशेष—भाषा आलंकारक है ।

४६५ मूलाचार भाषा..... । पत्र सं० ४६४ । साइज-१०×८ इंच । भाषा-प्राकृत-हिन्दी-(गद्य) । विषय-धर्म । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण-५१-१०० तथा ३४६ से ४६४ तक के पत्र नहीं हैं । सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १४१० ।

४६६ मोक्षमार्गप्रकाश-महापंडित टोडरमलजी । पत्र सं० २=३ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×७ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-सिद्धान्त । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १=७३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण प्रथम तथा अन्तिम पत्र कटे हुये हैं । वेष्टन नं० १४२१ ।

विशेष—सवाई जयपुर में लालू महात्मा ने प्रतिलिपि की थी ।

४६७ प्रति नं० २ । पत्र सं० ६० । साइज-१३×६ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १४२२ ।

४६८ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १६६ । साइज-११×५ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण-प्रथम पत्र तथा अन्तिम पत्र नहीं हैं । सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १४२३ ।

४६६ यस्याचार-वसुनन्दि । पत्र सं० ६६ । साइज-१५×६ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा-प्राकृत । विषय-साधु धर्म का वर्णन । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १४३२ ।

विशेष—संस्कृत में टीका है ।

४७० यतिप्रतिकमण-सौतमस्वामी । पत्र सं० ७८ । साइज-६ $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा-प्रकृत । विषय-धर्म । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १७२६ आसोज सुदी ६ । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १४३१ ।

विशेष—संस्कृत में टीका सहित है ।

४७१ याज्ञवल्कीयधर्मशास्त्रग्रंथ-अपरादित्यदेव । पत्र सं० ४५६ । साइज-१३×८ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-धर्म । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण—तीसरे अध्याय तक समाप्त । सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १४६७ ।

४७२ रत्नकरण्डशास्त्र-पं० श्रीचन्द्र । पत्र सं० १३६ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×५ इञ्च । भाषा-अप्रभंश विषय-धर्म । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण-शीर्ण । वेष्टन नं० १४६० ।

४७३ प्रति नं० २ । पत्र सं० १२२ । साइज-११×५ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १४६० ।

४७४ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १४०-२४२ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १४६१ ।

४७५ रत्नकरण्डभावकाचार-आ० समन्तमद्र । पत्र सं० ८ । साइज-१२×५ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-भावक धर्म वर्णन । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १४६२ ।

४७६ प्रति नं० २ । पत्र सं० ६ । साइज-१२×५ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १४६२ ।

४७७ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १-२५ । साइज-१२×५ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १४६३ ।

विशेष—प्रति सटीक है । टीका संस्कृत में है ।

४७८ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ४ । साइज-११×५ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १४६३ ।

४७९ प्रति नं० ५ । पत्र सं० ६६ । साइज-११ $\frac{१}{२}$ ×५ इञ्च । लेखनकाल-सं० १८७६ प्रथम चैत्र सुदी ३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १४६४ ।

विशेष—प्रति सटीक है । टीकाकार प्रभाचन्द्र है । जयपुर में संपतिराम धाबडा ने प्रतिलिपि की थी ।

४८० प्रति नं० ६ । पत्र सं० १५ । साइज-११×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल-सं० १८०७ पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १४६५ ।

४८१ प्रति नं० ७ । पत्र सं० ८ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ X ४ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १४६५ ।

४८२ प्रति नं० ८ । पत्र सं० १४ । साइज-१० X ४ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल-सं० १६५६ । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १४६६ ।

४८३ प्रति नं० ९ । पत्र सं० ४१ । साइज-९ X ७ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन सं० १४६७ ।

विशेष—हिन्दी अर्थ भी दिया हुआ है ।

४८४ प्रति नं० १० । पत्र सं० ७३ । साइज-९ $\frac{१}{२}$ X ५ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १४६८ ।

विशेष—हिन्दी अर्थ सहित है ।

४८५ प्रति नं० ११ । पत्र सं० ७६ । साइज-९ X ५ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १४६९ ।

विशेष—हिन्दी अर्थ सहित है ।

४८६ प्रति नं० १२ । पत्र सं० १२ । साइज-९ X ५ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १४७० ।

४८७ प्रति नं० १३ । पत्र सं० १२ । साइज-९ X ५ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १४७१ ।

४८८ प्रति नं० १४ । पत्र सं० १२ । साइज-९ X ५ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १४७२ ।

४८९ प्रति नं० १५ । पत्र सं० ६३ । साइज-९ X ५ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १४७३ ।

विशेष—हिन्दी अर्थ सहित है ।

४९० प्रति नं० १६ । पत्र सं० ६६ । साइज-९ X ५ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १४७४ ।

विशेष—हिन्दी अर्थ सहित है ।

४९१ प्रति नं० १७ । पत्र सं० ३४ । साइज-१२ X ७ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १५०८ ।

विशेष—हिन्दी अर्थ सहित है ।

४९२ प्रति नं० १८ । पत्र सं० ११ । साइज-११ X ५ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल-सं० १६०६ जेठ सुदी १५ ।

पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—उत्तम । वेष्टन नं० १५०६ ।

४६३ प्रति नं० १६ । पत्र सं० ३१ । साइज—१२×६ इंच । लेखनकाल—सं० १६३४ वैशाख शुदी ४ । पूर्ण

एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १५१० ।

विशेष—हिन्दी अर्थ पञ्चलालजी कृत है । ग्रन्थ की प्रतिलिपि में १॥- खर्च हुई थे ऐसा भी लेख है ।

४६४ प्रति नं० २० । पत्र सं० २२-३१ । साइज—१० $\frac{३}{४}$ ×५ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य

शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १४८६ ।

४६५ प्रति नं० २१ । पत्र सं० ६६ । साइज—६×५ इंच । लेखनकाल—सं० १६२० फाल्गुन शुदी १३ ।

अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—जीर्ण—शीर्ण । वेष्टन नं० १५०० ।

विशेष—प्रभावन्द कृत संस्कृत टीका सहित है ।

४६६ रत्नकरगुह्यकाचार भाषा—पं० सदासुखजी कासलीवाल । पत्र सं० ६१८ । साइज—१२×५ इंच ।

भाषा—हिन्दी । विषय—आवक धर्म वर्णन । रचनाकाल—सं० १६२० । लेखनकाल—सं० १६२० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १५०१ ।

विशेष—प्रति स्वयं भाषाकार के हाथ से लिखी गई है ।

४६७ प्रति नं० २ । पत्र सं० ३७४ । साइज—१२×८ इंच । लेखनकाल—सं० १६३३ । पूर्ण एवं सामान्य

शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १५०२ ।

४६८ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ४५२ । साइज—११ $\frac{३}{४}$ ×५ $\frac{३}{४}$ इंच । लेखनकाल—सं० १६२६ आसोज शुदी १० ।

अपूर्ण—पत्र १=५ से २६२ तथा ३०१ से ३८६ तक के पत्र नहीं हैं । शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १५०४ ।

४६९ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ३२३ । साइज—१२ $\frac{३}{४}$ ×७ $\frac{३}{४}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण—५१ से ८६ तक

के पत्र नहीं हैं । सामान्य शुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० १५०३ ।

विशेष—नीले कागज पर है ।

५०० प्रति नं० ५ । पत्र सं० ५१५ । साइज—११×५ $\frac{३}{४}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण २३६ से ३३३ तक

के पत्र नहीं हैं । शुद्ध सामान्य । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १५०५ ।

५०१ प्रति नं० ६ । पत्र सं० ५२२ । साइज—११×७ $\frac{३}{४}$ इंच । लेखनकाल—सं० १६३५ । पूर्ण एवं शुद्ध ।

दशा—उत्तम । वेष्टन नं० १५०६ ।

५०२ प्रति नं० ७ । पत्र सं० ४३२ । साइज—११×७ $\frac{३}{४}$ इंच । रचनाकाल—सं० १६२० । लेखनकाल—

सं० १६२५ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १५०७ ।

५०३ रचणसार—कुन्दकुन्दाचार्य । पत्र सं० ६ । साइज—१० $\frac{३}{४}$ ×५ इंच । भाषा—प्राकृत । विषय—धर्म ।

रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १५२१ ।

५०४ प्रति नं० २ । पत्र सं० १७ । साइज-११×४ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १५२१ ।

५०५ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ८ । साइज-११×४ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १५२१ ।

५०६ प्रति नं० ४ । पत्र सं० १४ । साइज-७½×४ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १५२२ ।

५०७ प्रति नं० ५ । पत्र सं० ११-(४६-५६) । साइज-६×४ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १५२३ ।

विशेष—हिन्दी अर्थ है । हिन्दी भाषाकाल-सं० १७६ = है ।

५०८ लघुसंग्रहणीसूत्र-मलहरसूरि । पत्र सं० २२ । साइज-१०×४½ इंच । भाषा-प्राकृत । विषय-धर्म । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १५६४ ।

५०९ लब्धिसार क्षणसार भाषा-पं० टोडरमलजी । पत्र सं० २८६ । साइज-१०½×७½ इंच । भाषा-हिन्दी गद्य । विषय-धर्म । रचनाकाल-सं० १८१८ । लेखनकाल-सं० १८५० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १५७१ ।

विशेष—श्री हीरालालजी ने ग्रन्थ की प्रतिलिपि करवायी । तथा संवत् १८८५ में रामरायजी गोधा ने ग्रन्थ को मन्दिर में चढ़ाया । भाषाकार द्वारा अन्त में विलुप्त प्रशस्ति दी हुई है ।

५१० प्रति नं० २ । पत्र सं० ८३१-१०८३ । साइज-१२½×६½ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १४७६ ।

५११ लाटीसंहिता (श्रावकाचार)-राजमल्ल । पत्र सं० १३ । साइज-११×५ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-श्रावक-धर्म-वर्णन । रचनाकाल-सं० १६४१ । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १५७८ ।

५१२ प्रति नं० २ । पत्र सं० ५४ । साइज-१२×५½ इंच । लेखनकाल-सं० १६४१ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १५७६ ।

५१३ वणाश्रमप्रकाशिका-पत्र सं० १८५ । साइज-८×४ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-वर्णाश्रम धर्म का प्रकाश । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १८३२ । पूर्ण एवं अशुद्ध । दशा-सामान्य जीर्ण । वेष्टन नं० १६०६ ।

५१४ वसुनंदिश्रावकाचार-वसुनंदि । पत्र सं० १-२४ । साइज-१०×४½ इंच । भाषा-प्राकृत । विषय-श्रावक धर्म वर्णन । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण-अन्तिम पत्र नहीं है । सामान्य शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १६१८ ।

५१५ प्रति नं० २ । पत्र सं० ११ । साइज-१३×५ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६८० (क) ।

५१६ प्रति नं० ३ । पत्र सं० २० । साइज-१५×६ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १७२० (क) ।

५१७ प्रति नं० ४ । पत्र सं० १२ । साइज-११×४ इंच । लेखनकाल-सं० १५६४ वैशाख सुदी १२ शुक्रवार । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १७२१ ।

५१८ प्रति नं० ५ । पत्र सं० ११ । साइज-११×४ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १७२२ ।

५१९ प्रति नं० ६ । पत्र सं० २-२६ । साइज-१०×४ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १७२३ ।

५२० प्रति नं० ७ । पत्र सं० २५ । साइज-१०×४ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १७२४ ।

५२१ प्रति नं० ८ । पत्र सं० ११ । साइज-१४×५ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १७२५ ।

विशेष—हिन्दी अर्थ दिया हुआ है ।

५२२ प्रति नं० ९ । पत्र सं० २० । साइज-१५×५ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं अशुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १७२६ ।

विशेष—इस प्रति को दीमक ने खा रखा है ।

५२३ प्रति नं० १० । पत्र सं० २० । साइज-१५×५ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १७२७ ।

विशेष—हिन्दी में अर्थ दिया हुआ है ।

५२४ प्रति नं० ११ । पत्र सं० ११ । साइज-१०×५ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १७२८ ।

५२५ प्रति नं० १२ । पत्र सं० २०८ । साइज-११×५ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण-१६५ तक के पत्र नहीं हैं । सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १७२९ ।

५२६ प्रति नं० १३ । पत्र सं० ३४८ । साइज-११×५ इंच । लेखनकाल-सं० १६०५ कार्तिक सुदी ५ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १७३० ।

विशेष—लेखक प्रशस्ति अलग दी हुई है । वह भी संस्कृत में है ।

५२७ प्रति नं० १४ । पत्र सं० १५८ । साइज-१२×६ इंच । लेखनकाल-सं० १८७६ । अपूर्ण-प्राग्भूत तन्ना अस्त के पत्र नहीं हैं । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १७३१ ।

विशेष—मैनपुरी में भूरावल ने प्रतिलिपि की थी । हिन्दी अर्थ सहित है ।

५२८ विचारसत्तरी-महेन्द्रसूरि । पत्र सं० ६ । साइज-१०×४ इंच । भाषा-अपभ्रंश । विषय-गुणस्थान चर्चा । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १७१० वैशाख शुक्ला १ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १६२१ ।

विशेष—हिन्दी में टक्का टीका भी है ।

५२९ बृहद् प्रतिक्रमण..... । पत्र सं० १२६ । साइज-११×५ इंच । भाषा-प्राकृत । विषय-धर्म । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण-७६-१२६ तक पत्र है । सामान्य शुद्ध । वेष्टन नं० १६६५ ।

५३० सुन्दरप्रतिक्रमण-श्री धीतराजदाजी । पत्र सं० ५४ । साइज-१० $\frac{३}{४}$ ×४ $\frac{३}{४}$ इंच । भाषा-प्राकृत । विषय-धर्म । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १५४५ ज्येष्ठ सुदी १२ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६६६ ।

विशेष—प्रति सटीक है । टीकाकार-श्री प्रभाचन्द्र है । प्रति गौणौली ग्राम में हुई थी ।

५३१ व्रतविधानरासो-संगही दौलतराम । पत्र सं० २३ । साइज-१२×५ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-धर्म । रचनाकाल-सं० १७६८ आसोज सुदी १० । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६६९ ।

५३२ व्रत समीक्षा..... । पत्र सं० ७ । साइज-६ $\frac{३}{४}$ ×६ $\frac{३}{४}$ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-आचार । रचनाकाल-सं० १६५६ । लेखनकाल-सं० १६५६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६६९ ।

विशेष—शृंगार बाई ने मंदसौर जनकपुरा में श्री महावीर स्वामी के मन्दिर में जो व्रतों की प्रतिज्ञा की थी उसकी नकल है ।

५३३ श्रावकाचार-पद्मनदि । पत्र सं० १-५० । साइज-११ $\frac{३}{४}$ ×५ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-श्रावक धर्म वर्णन । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १७३२ ।

५३४ श्रावकाचार भाषा । मूलकर्ता-श्री गुणभूषण स्वामी । भाषाकार..... । पत्र सं० ६६ । साइज-१२ $\frac{३}{४}$ ×८ इंच । भाषा-हिन्दी-गद्य । विषय-श्रावक धर्म वर्णन । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १६१४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १७३३ ।

५३५ श्रावकाचार-म० लक्ष्मीसेन । पत्र सं० ५५ । साइज-११ $\frac{३}{४}$ ×४ $\frac{३}{४}$ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-धर्म । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १५४० श्रावण बुदी ७ गुरुवार । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १७३९ ।

विशेष—गिरिपुर में रावल गंगदास के शासनकाल में प्रतिलिपि हुई थी ।

५३६ श्रावक प्रायश्चित्त-अकलेश्वर स्वामी । पत्र सं० ५ । साइज-१० $\frac{३}{४}$ ×५ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-धर्म । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १७२२ ।

५३७ सत्तास्वरूप..... । पत्र सं० २४ । साइज-११×६ इंच । भाषा-हिन्दी गद्य । विषय-धर्म । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १८२० ।

५३८ प्रति नं० २ । पत्र सं० २८ । साइज-११×६ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण-६ से ११ तथा २१ वा पत्र नहीं है । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १८२० ।

५३६ सागरधर्माभूत-आशाधर । पत्र सं० ५८ । साइज-१२×६ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-आवक धर्म वर्णन । रचनाकाल-सं० १२६६ । लेखनकाल-सं० १७२७ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६७७ ।

विशेष—प्रति सटीक है । लेखक प्रशस्ति है । मठारक नरेन्द्रकीर्ति के शिष्य आचार्य कनककीर्ति ने प्रतिलिपि की थी ।

५४० प्रति नं० २ । पत्र सं० ४७ । साइज-१२×५ १/२ इंच । लेखनकाल-सं० १७१३ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १६७७ ।

५४१ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ५० । साइज-१०×४ इंच । लेखनकाल-सं० १६८३ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६७८ ।

विशेष—मंडलाचार्य श्री धर्मचन्द्राम्नाये खण्डेलवालान्वये चंपावतीवास्तव्ये राव श्री रामचन्द्रराज्ये सोलंकीराज्ये पाटणी गोत्रे साह काण्हा इदं शास्त्रं लिखापितं ।

५४२ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ३४ । साइज-१०×४ १/२ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६७६ ।

५४३ प्रति नं० ५ । पत्र सं० २-२१८ । साइज-११ १/२×५ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण-प्रथम पत्र नहीं है । सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६८० ।

५४४ प्रति नं० ६ । पत्र सं० ६७ । साइज-१० १/२×४ १/२ इंच । लेखनकाल-सं० १६१३ आसोज सुदी ११ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६८१ ।

विशेष—अतारा नगर में इस ग्रंथ की प्रतिलिपि हुई थी ।

५४५ प्रति नं० ७ । पत्र सं० ५६ । साइज-११×६ इंच । लेखनकाल-सं० १६३२ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६८२ ।

विशेष—लेखक प्रशस्ति विस्तृत है । “मंडलाचार्य चंद्रकीर्तिदेवाम्नाये खण्डेलवालान्वये वैद गोत्रे साह श्री वृचा तेन इदं ग्रंथं लिखापितं ।”

५४६ प्रति नं० ८ । पत्र सं० २८ । साइज-११×५ इंच । लेखनकाल-सं० १६५४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६८२ ।

विशेष—ब्रह्म स्त ने प्रस्तक की प्रतिलिपि की थी ।

५४७ प्रति नं० ९ । पत्र सं० ४२ । साइज-११ १/२×६ इंच । लेखनकाल-सं० १६६५ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६८२ ।

विशेष—लेखक प्रशस्ति विस्तृत है । “मंडलाचार्य धर्मचन्द्राम्नाये अजमेरवास्तव्ये गोधागोत्रे सं० पारस..... एतेषां मध्ये संघवी काण्हा भार्या फल्हासिरि इदं शास्त्रं लिखापितं धर्मचंद्राय दत्तं ।

५४८ प्रति नं० १० । पत्र सं० ६६ । साइज-११ १/२×६ १/२ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण-२६-७५ तक । सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६८३ ।

५४६ प्रति नं० ११ । पत्र सं० ८३ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×६ इञ्च । लेखनकाल-सं० १७२८ अषाढ जुदी १४ । पूर्ण एवं अशुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १६८४ ।

५५० प्रति नं० १२ । पत्र सं० ३३ । साइज-१०×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं अशुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १६८५ ।

५५१ प्रति नं० १३ । पत्र सं० १२६ । साइज-११×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६८६ (क) ।

५५२ प्रति नं० १४ । पत्र सं० २-७ । साइज-१०×४ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६८६ (क) ।

५५३ प्रति नं० १५ । पत्र सं० ४६ । साइज-११×७ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १६८७ ।

विशेष—संस्कृत टीका सहित है ।

५५४ साधुप्रतिक्रमणसूत्र..... । पत्र सं० ८ । साइज-१०×४ इञ्च । भाषा-प्राकृत । विषय-धर्म । रचनाकाल X । लेखनकाल । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६८६ ।

५५५ सारचौबीसी..... । पत्र सं० ६३ । साइज-१२×८ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-धर्म । रचना-काल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २०२४ ।

विशेष—लिपिकर्ता महात्मा पन्नालाल । लेखनस्थान जयपुर ।

५५६ प्रति नं० २ । पत्र सं० ७५ । साइज-१०×५ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २०२५ ।

५५७ सारचौबीसी..... । पत्र सं० १२ । साइज-१२ $\frac{१}{२}$ ×५ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-धर्म । रचना-काल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २०२६ ।

५५८ सिद्धान्तधर्मोपदेशरत्नमाला-मण्डारी नेमिचन्द्र । पत्र सं० १२ । साइज-१२×५ इञ्च । भाषा-प्राकृत । विषय-धर्म । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २०७४ ।

५५९ प्रति नं० २ । पत्र सं० १२ । साइज-८ $\frac{१}{२}$ ×६ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २०७८ ।

विशेष—७ वें पत्र से परमात्मप्राकाशदीहा है ।

५६० प्रति नं० ३ । पत्र सं० १२ । साइज-१२ $\frac{१}{२}$ ×५ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१६६ ।

५६१ सुदृष्टितरंगिणी..... । पत्र सं० ४१७ । साइज ११×७ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-धर्म । रचना-काल X । लेखनकाल-सं० १८६२ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१०६ ।

५६२ प्रति नं० २ । पत्र सं० १०७ । साइज-१२X७ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य ।
वेष्टन नं० २१०७ ।

५६३ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ५१२ । साइज-११ $\frac{1}{2}$ X६ इञ्च । लेखनकाल-सं० १६५३ । अपूर्ण एवं शुद्ध ।
दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१०८ ।

विशेष—प्रारम्भ के १-१०० पत्र नहीं हैं ।

विषय—अध्यात्म

ग्रन्थ संख्या—५६४-७६४

५६४ अध्यात्मबारहखड़ी-पं० दीनारामजी । पत्र सं० ४३० । साइज-८ $\frac{1}{2}$ X५ $\frac{1}{2}$ इञ्च । भाषा-हिन्दी ।
विषय-अध्यात्म । रचनाकाल-सं० १७६८ । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८ ।

५६५ प्रति नं० २ । पत्र सं० १६७ । साइज-११ $\frac{1}{2}$ X५ $\frac{1}{2}$ इञ्च । लेखनकाल-सं० १८०० मादवा बुदी ३ ।
पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६ ।

विशेष—ग्रन्थ प्रशस्ति विस्तृत है । लेखक श्री मायाराम महात्मा हैं । यह अध्यात्म बारहखड़ी का संक्षिप्त भाग है ।
मुख्य २ पद्यों का ही इसमें संग्रह है ।

५६६ अध्यात्मसंग्रह..... । पत्र सं० ४ । साइज-१०X४ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-अध्यात्म । रचना-
काल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १३६ ।

विशेष—आध्यात्मिक पद्यों का संग्रह है ।

५६७ अध्यात्म पद्य संग्रह..... । पत्र सं० ४ । साइज-११X६ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-अध्यात्म ।
रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११४ ।

५६८ अष्टपाङ्कज-श्री कुन्दकुन्दाचार्य । पत्र सं० ३७ । साइज-१० $\frac{1}{2}$ X५ $\frac{1}{2}$ इञ्च । भाषा-प्राकृत । विषय-
अध्यात्म । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १७६३ पौष बुदी ११ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३३ ।

विशेष—सेठ गिरधारीलाल ने पं० प्रेम से इस ग्रन्थ की प्रतिलिपि करवायी थी ।

५६६ प्रति नं० २ । पत्र सं० ३७ । साइज-१२×४ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३४ ।

विशेष—संस्कृत में सामान्य अर्थ दिया हुआ है ।

५७० प्रति नं० ३ । पत्र सं० ४४ । साइज-१०×५ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल-सं० १८१२ फागुण सुदी १४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० ३५ ।

विशेष—संस्कृत में सामान्य टीका है । लिपिस्थान-जयपुर है ।

५७१ अष्टपाहुड भाषा-पं० जयचन्द्रजी छाबडा । पत्र सं० २२४ । साइज-११×५ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-अध्यात्म । भाषाकाल-सं० १८६७ । लेखनकाल-सं० १८८१ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३७ ।

५७२ प्रति नं० २ । पत्र सं० १०० । साइज-१४×७ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण-प्रारम्भ के ५० पत्र तथा १०० में आगे के पत्र नहीं हैं । वेष्टन नं० ३६ ।

५७३ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १७० । साइज-११×८ इंच । लेखनकाल-सं० १८६४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३८ ।

विशेष—लिपिकर्ता-पं० मन्नालाल छाबडा । लिपिस्थान-जयपुर ।

५७४ प्रति नं० ४ । पत्र सं० १६२ । साइज-८ $\frac{१}{२}$ ×६ इंच । लेखनकाल-सं० १८६७ । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३९ ।

विशेष—प्रति स्वयं भाषाकार के हाथ की लिखी हुई है ।

५७५ प्रति नं० ५ । पत्र सं० २६-८८ । साइज-११×७ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ४० ।

५७६ प्रति नं० ६ । पत्र सं० १८६ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×७ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल-सं० १८८१ आसोज सुदी ११ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ४१ ।

विशेष—तीन प्रतियों का सम्मिश्रण है ।

५७७ आत्मानुशासन-गुणमदाचार्य । पत्र सं० ३६ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×५ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-अध्यात्म । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १५५५ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० ६८ ।

विशेष—बीभा सेठी की भार्या गौरी ने शास्त्र की प्रतिलिपि बाई वीरणि के लिये करवायी थी ।

५७८ प्रति नं० २ । पत्र सं० ४० । साइज-११×५ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० ६९ ।

५७९ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १५२ । साइज-१२ $\frac{१}{२}$ ×६ इंच । लेखनकाल-सं० १७८३ भाद्रपद सुदी १४ । अपूर्ण-प्रारम्भ के ७४ पत्र नहीं हैं । शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ७० ।

विशेष—श्री प्रभाचन्द्र कृत संस्कृत टीका सहित है ।

५८० प्रति नं० ४ । पत्र सं० ४३ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×५ इंच । लेखनकाल-सं० १६०६ । अपूर्ण-प्रारम्भ के २५ पत्र नहीं हैं । शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६७ ।

५८१ प्रति नं० ५ । पत्र सं० ४० । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण २५ पत्र नहीं हैं । सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६७ ।

५८२ प्रति नं० ६ । पत्र सं० १३ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×५ इंच । लेखनकाल-सं० १६०६ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १३६ ।

५८३ प्रति नं० ७ । पत्र सं० ५० । साइज-११ $\frac{१}{२}$ ×५ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १३७ ।

५८४ प्रति नं० ८ । पत्र सं० ११-५८ । साइज-११ $\frac{१}{२}$ ×५ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल-सं० १६१४ मंगसिर सुदी १ । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० ७१ ।

विशेष—लेखक-पं० लाला है । न० शांतिपन्नग्री के लिये प्रतिलिपि की गयी थी ।

५८५ प्रति नं० ९ । पत्र सं० १० । साइज-११×५ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ७२ ।

५८६ प्रति नं० १० । पत्र सं० २६ । साइज-१०×३ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं अशुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ७२ ।

५८७ प्रति नं० ११ । पत्र सं० ७४ । साइज-१२ $\frac{१}{२}$ ×५ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण-आगे के पत्र नहीं हैं । सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ७२ ।

विशेष—प्रभाचंद्र कृत संस्कृत टीका सहित है ।

५८८ प्रति नं० १२ । पत्र सं० ४७-६८ । साइज-१२ $\frac{१}{२}$ ×५ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल-सं० १८६३ । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १३८ ।

विशेष—प्रति सटीक है । टीकाकार महात्मा कालूराम हैं । टीका हिन्दी में है । श्री मोतीरामजी पाटनी ने प्रतिलिपि की थी ।

५८९ आत्मानुशासन भाषा-पं० टोडरमलजी । पत्र सं० १७२ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×५ इंच । भाषा-हिन्दी (गद्य) । विषय-अध्यात्म । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ७४ ।

५९० प्रति नं० २ । पत्र सं० १४० । साइज-११×४ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ७५ ।

५९१ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ६१ । साइज-१३ $\frac{१}{२}$ ×८ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ७६ ।

५९२ प्रति नं० ४ । पत्र सं० १२५ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×७ $\frac{१}{२}$ इंच । अपूर्ण-२६ से १०० तथा आगे के पत्र नहीं

है। शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ७७।

५६३ प्रति नं० ५। पत्र सं० १००। साइज-११X७ $\frac{1}{2}$ इंच। लेखनकाल X। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ७८।

५६४ प्रति नं० ६। पत्र सं० १४६। साइज-१० $\frac{1}{2}$ X१२ $\frac{1}{2}$ इंच। लेखनकाल-सं० १=४४ काशुण सुदी २। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ७९।

विशेष—चंदासी निवासी श्री शंभूराम ने प्रतिलिपि की थी। लेखनस्थान लश्कर (मध्य भारत)।

५६५ प्रति नं० ७। पत्र सं० १३६। साइज-११X६ इंच। लेखनकाल X। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ८०।

विशेष—अन्तिम पत्र फिर लिखा गया है।

५६६ प्रति नं० ८। पत्र सं० ११४। साइज-१२X१२ इंच। लेखनकाल X। अपूर्ण-रुद्ध पत्रों का संग्रह। सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ८१।

५६७ प्रति नं० ९। पत्र सं० १७। साइज-८ $\frac{1}{2}$ X६ $\frac{1}{2}$ इंच। लेखनकाल X। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ८२।

५६८ प्रति नं० १०। पत्र सं० १००। साइज-११ $\frac{1}{2}$ X८ इंच। लेखनकाल-सं० १६१४। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ८३।

५६९ प्रति नं० ११। पत्र सं० ३६। साइज-११X७ $\frac{1}{2}$ इंच। लेखनकाल X। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ८४।

६०० आत्मावलोकन-दीपचन्द कासलीवाल। पत्र सं० २५। साइज-११ $\frac{1}{2}$ X५ इंच। भाषा-हिन्दी गण। विषय-अध्यात्म। रचनाकाल-सं० १७७७। लेखनकाल-सं० १८०२ काशुण सुदी ६। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ८५।

विशेष—साह सुखरामजी पांड्या चाटसू निवासी ने ऋषि दयाराम के पास प्रतिलिपि करवायी थी।

६०१ प्रति नं० २। पत्र सं० ६१। साइज-१२X५ इंच। लेखनकाल X। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ८६।

६०२ आत्मसंबोध काव्य-श्री पं० रङ्गू। पत्र सं० २२। साइज-१०X४ इंच। भाषा-अपभ्रंश। विषय-अध्यात्म। लेखनकाल-सं० १५५२ ज्येष्ठ सुदी १३। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ८७।

६०३ प्रति नं० २। पत्र सं० २५। साइज-१० $\frac{1}{2}$ X४ $\frac{1}{2}$ इंच। लेखनकाल X। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ८८।

६०४ अध्यात्मविन्दु-हर्षवर्धन। पत्र सं० १४-३०। साइज-१२X७ $\frac{1}{2}$ इंच। भाषा-संस्कृत। विषय-अध्यात्म। रचनाकाल X। लेखनकाल-सं० १७८६। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ११२।

६०५ चेतनविलास-जौहरीलाल । पत्र सं० १३६ । साइज-१२×७ $\frac{1}{2}$ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-अध्यात्म । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १६=३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० ४२३ ।

विशेष—इसके अतिरिक्त १५ पत्रों की सूची और दे रखी है । लिपि स्थान-जयपुर

६०६ जैनशतक-पं० भूपरदासजी । पत्र सं० १६ । साइज-७ $\frac{1}{2}$ ×७ $\frac{1}{2}$ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-अध्यात्म । रचनाकाल-सं० १७=१ । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ५११ ।

६०७ प्रति नं० २ । पत्र सं० २१ । साइज-११ $\frac{1}{2}$ ×५ इञ्च । लेखनकाल-सं० १=६५ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ५१२ ।

६०८ प्रति नं० ३ । पत्र सं० २४ । साइज-७ $\frac{1}{2}$ ×७ $\frac{1}{2}$ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं अशुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० ५१० ।

६०९ प्रति नं० ४ । पत्र सं० २२ । साइज-८×५ $\frac{1}{2}$ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ५०६ ।

विशेष—नवरत्न कवित्त एवं गंटाकर्णस्तोत्र, चर्चा शतक आदि रचनाओं का भी कुछ अंश है ।

६१० प्रति नं० ५ । पत्र सं० ३५ । साइज-६×५ इञ्च । लेखनकाल-सं० १=४६ वैशाख सुदी ६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ५०८ ।

६११ ज्ञानचिंतामणि-मनोहरदास । पत्र सं० १२ । साइज-८ $\frac{1}{2}$ ×४ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-अध्यात्म । रचनाकाल-सं० १७२= । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ५३० ।

६१२ ज्ञानदीपक..... । पत्र सं० ३४ । साइज-१२×५ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-अध्यात्म । रचना-काल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ५३१ ।

६१३ ज्ञानप्रकाशविलास-बाबा दुर्गाचन्द । पत्र सं० ८ । साइज-८×६ $\frac{1}{2}$ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-अध्यात्म । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ५३२ ।

६१४ ज्ञानसमुद्र-जोधराज गोदीका । पत्र सं० ३३ । साइज-१०×४ $\frac{1}{2}$ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-अध्यात्म । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १७२२ चैत्र सुदी १० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० ५३३ ।

विशेष—स्वयं जोधराज गोदीका ने सांगानेर में प्रतिलिपि की थी ।

६१५ ज्ञानानन्दपूरितनिर्भरनिज्जरस..... । पत्र सं० ३३ । साइज-१२ $\frac{1}{2}$ ×८ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-अध्यात्म । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ५६० ।

६१६ प्रति नं० २ । पत्र सं० ३४ । साइज-६ $\frac{1}{2}$ ×४ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ५६० ।

६१७ दर्शनभाभृत-आ० कुन्दकुन्द । पत्र सं० २-६ । साइज-११×४ $\frac{1}{2}$ इञ्च । भाषा-प्राकृत । विषय-अध्यात्म । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ७७४ ।

६१८ द्वादशानुप्रेक्षा-लक्ष्मीचन्द । पत्र सं० २ । साइज-११ $\frac{1}{2}$ ×६ इंच । भाषा-अपभ्रंश । विषय-संसार चिन्तन । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १७३६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १४ ।
विशेष—पं० लक्ष्मीदास ने प्रतिलिपि की थी ।

६१९ द्वादशानुप्रेक्षा..... । पत्र सं० ५ । साइज-११×५ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-संसार चिन्तन । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ७४५ ।

६२० द्वादशानुप्रेक्षा..... । पत्र सं० २० । साइज-१२×६ इंच । भाषा-प्राकृत । विषय-संसार चिन्तन । काल X । लेखनकाल-सं० १५-५ चैत्र शुक्ला १० । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० ७४६ ।
विशेष—कासिली नामक ग्राम में प्रतिलिपि हुई थी । खण्डेलवालान्वय भोंसा गोत्र वाले श्री चाहा की पुत्री सीता ने ग्रंथ लिखवाया था ।

६२१ परमहंसचौपई..... । पत्र सं० २-१६ । साइज-१२×५ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-अध्यात्म । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १०३२ ।

६२२ परमार्थ दोहा शतक-रूपचन्द । पत्र सं० ६ । साइज-११ $\frac{1}{2}$ ×६ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-अध्यात्म । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १०३४ ।

६२३ परमार्थविशति..... । पत्र सं० १२ । साइज-११ $\frac{1}{2}$ ×६ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-अध्यात्म । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १५०४ ।
विशेष—इसके अतिरिक्त एकत्रभावना, अनिश्चयपंचाशत आदि भी हैं ।

६२४ परमात्मप्रकाश-योगीन्द्रदेव । पत्र सं० ८८ । साइज-१० $\frac{1}{2}$ ×६ इंच । भाषा-अपभ्रंश । विषय-अध्यात्म । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १८६२ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १०३५ ।
विशेष—संस्कृत के पर्यायवाची शब्द दिये हुये हैं ।

६२५ प्रति नं० २ । पत्र सं० ७८ । साइज-११×५ इंच । लेखनकाल-सं० १८६४ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १०३६ ।

विशेष—संस्कृत में टीका है ।

६२६ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ६६ । साइज-१२×५ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १०३७ ।

विशेष—संस्कृत में टीका है ।

६२७ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ६८ । साइज-११×६ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण १-११, ५८-६३ तक तथा अन्तिम पत्र नहीं है । सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १०३८ ।

६२८ प्रति नं० ५ । पत्र सं० ३६ । साइज-१२×५ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १०३९ ।

विशेष—संस्कृत में पर्यायवाची शब्द दिये हुये हैं ।

६२६ प्रति नं० ६ । पत्र सं० २०६ । साइज—११×५ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल—सं० १७१८ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १०४० ।

विशेष—प्रति सटीक है । टीका संस्कृत में है ।

६३० प्रति नं० ७ । पत्र सं० ११ । साइज—११×६ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १०४१ ।

विशेष—कहीं २ संस्कृत में पर्यायवाची शब्द दिये हुये हैं ।

६३१ प्रति नं० ८ । पत्र सं० ३४ । साइज—१२×५ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १०४२ ।

६३२ प्रति नं० ९ । पत्र सं० २३ । साइज—१२×५ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल—सं० १७२० । पूर्ण एवं अशुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १०४३ ।

६३३ प्रति नं० १० । पत्र सं० १८ । साइज—८×४ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १०४३ ।

६३४ प्रति नं० ११ । पत्र सं० १४४ । साइज—११×४ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल—सं० १७१६ आसोज सुदी १३ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १०४४ ।

विशेष—जैतपुरा में साह श्री सुन्दरदासजी ने लिखाया ।

६३५ प्रति नं० १२ । पत्र सं० २३१ । साइज—१० $\frac{1}{2}$ ×५ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १०४५ ।

विशेष—प्रति सटीक है । टीका संस्कृत में है । प्रलेपक गांधीओं को निकाल कर टीका की गई है । ऐसा टीकाकार का मत है ।

६३६ प्रति नं० १३ । पत्र सं० १६ । साइज—११ $\frac{1}{2}$ ×५ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल—सं० १७१६ मंगसिर सुदी ६ । पूर्ण एवं शुद्ध । केवल मूल प्रति है । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १०४६ ।

विशेष—महात्मा टूंगरसी ने प्रतिलिपि की थी ।

६३७ प्रति नं० १४ । पत्र सं० २५ । साइज—१० $\frac{1}{2}$ ×५ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—पूर्ण । वेष्टन नं० १०४७ ।

६३८ प्रति नं० १५ । पत्र सं० १८ । साइज—६×६ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १०४८ ।

६३९ प्रति नं० १६ । पत्र सं० १००—१५२ । साइज—१३×५ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १०४९ ।

विशेष—श्रुति संस्कृत टीका सहित है।

६४० प्रति नं० १७। पत्र सं० २१८। साइज-११×६ इंच। लेखनकाल-सं० १९०१। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-उत्तम। वेष्टन नं० १०५०।

विशेष—श्री गङ्गादेव कृत संस्कृत टीका तथा दौलतरामजी कृत हिन्दी भाषा सहित है।

६४१ परमात्मप्रकाश भाषा-मूलकर्ता-योगीन्द्रदेव-भाषाकार.....। पत्र सं० १९६। साइज-११×६ इंच। भाषा-प्राकृत-हिन्दी। विषय-अध्यात्म। रचनाकाल X। लेखनकाल X। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० १०५१।

६४२ प्रति नं० २। पत्र सं० १९। साइज-१२×५ १/२ इंच। मूल प्रति है। लेखनकाल-सं० १७१६। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० १०५२।

६४३ परमात्मप्रकाश भाषा-हेमराज। पत्र सं० २६। साइज-१०×५ १/२ इंच। भाषा-हिन्दी। विषय-आध्यात्मिक। रचनाकाल X। लेखनकाल X। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० १०५३।

६४४ प्रवचनसार-आ० कुन्दकुन्द। पत्र सं० १४३। साइज-१०×४ १/२ इंच। भाषा-प्राकृत। विषय-आध्यात्मिक। रचनाकाल X। लेखनकाल X। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-जीर्ण। वेष्टन नं० ११७६।

विशेष—अमृतचन्द्र कृत संस्कृत टीका सहित है।

६४५ प्रति नं० २। पत्र सं० १२७। साइज-११×५ इंच। लेखनकाल X। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ११७८।

विशेष—अमृतचन्द्र कृत संस्कृत टीका सहित है।

६४६ प्रति नं० ३। पत्र सं० २१-८४। साइज-१२×५ १/२ इंच। लेखनकाल-सं० १७६३ वैशाख सुदी ६। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ११८३।

विशेष—अमृतचन्द्र कृत संस्कृत टीका सहित है।

६४७ प्रति नं० ४। पत्र सं० २२। साइज-१२ १/२×५ १/२ इंच। लेखनकाल X। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ११८४।

विशेष—अमृतचन्द्र कृत संस्कृत टीका है। हिन्दी अर्थ भी दिया हुआ है।

६४८ प्रति नं० ५। पत्र सं० १००। साइज-११ १/२×५ इंच। लेखनकाल X। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-जीर्ण। वेष्टन नं० ११७७।

विशेष—अमृतचन्द्र कृत संस्कृत टीका सहित है।

६४९ प्रति नं० ६। पत्र सं० ६१। साइज-११×५ इंच। लेखनकाल-सं० १६१३ फागुण सुदी ७। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ११७९।

विशेष—अमृतचन्द्राचार्य कृत संस्कृत टीका सहित है।

६५० प्रति नं० ७। पत्र सं० २४३। साइज-१० १/२×५ १/२ इंच। लेखनकाल-सं० १७४० अषाढ शुक्ल

तुर्भी । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११८० ।

विशेष—अमृतचंद्राचार्य कृत संस्कृत टीका एवं हेमराज कृत हिन्दी अर्थ सहित है ।

६५१ प्रति नं० ८ । पत्र सं० १६० । साइज-११×७ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल-सं० १८७६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० ११८१ ।

६५२ प्रति नं० ६ । पत्र सं० १३६ । साइज-११×४ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११८२ ।

विशेष—संस्कृत टीका सहित है ।

६५३ प्रति नं० १० । पत्र सं० ६० । साइज-११ $\frac{1}{2}$ ×५ इंच । लेखनकाल-सं० १६६१ आश्विन बुदी १ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११८६ ।

विशेष—श्री-दूलदुर्ग में श्री ठाकुर ने ग्रंथ की प्रतिलिपि की थी । अमृतचंद्राचार्य कृत संस्कृत टीका सहित है ।

६५४ प्रवचनसार-अमितिगति । पत्र सं० ३४ । साइज-१५ $\frac{1}{2}$ ×७ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-आध्यात्मिक रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११८६ ।

६५५ प्रवचनसार भाषा-पांडे हेमराज । पत्र सं० १४७ । साइज-६ $\frac{1}{2}$ ×४ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-धर्म । रचनाकाल-सं० १७०६ । लेखनकाल-सं० १७२६ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११८७ ।

६५६ प्रति नं० २ । पत्र सं० ४७ । साइज-१० $\frac{1}{2}$ ×४ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल-सं० १७४६ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० ११८८ ।

६५७ प्रति नं० २ । पत्र सं० २०० । साइज-८ $\frac{1}{2}$ ×६ इंच । लेखनकाल-सं० १८०६ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११८९ ।

६५८ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १६१ । साइज-११ $\frac{1}{2}$ ×५ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल-सं० १७१७ वैशाख बुदी ७ मंगलवार । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० ११९० ।

६५९ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ६८ । साइज-११ $\frac{1}{2}$ ×५ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११९१ ।

६६० प्रति नं० ५ । पत्र सं० १८३ । साइज-१० $\frac{1}{2}$ ×५ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११९२ ।

६६१ प्रवचनसार भाषा..... । पत्र सं० ७२ । साइज-११×६ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-अध्यात्म । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १८०३ । दर्शनाचार तक । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११९३ ।

६६२ प्रवचनसार-जोधराज गोदीका । पत्र सं० ६० । साइज-६ $\frac{1}{2}$ ×४ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-अध्यात्म । रचनाकाल-सं० १७२६ । लेखनकाल-सं० १७२६ कार्तिक बुदी ११ श्रुगवार । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११९४ ।

विशेष—प्रथम तीन पत्र नहीं हैं।

६६३ प्रवचनसार भाषा—पं० देवीदास । पत्र सं० १०५ । साइज—६×५ इंच । भाषा—हिन्दी । विषय—धर्म । रचनाकाल—सं० १=२४ । लेखनकाल—सं० १=२८ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ११६६ ।

विशेष—“लिखत प्रधान अमानरार स्थान छत्रपुर पठनार्थ भाई मनसाराम पठनार्थ जयपुर वासी ।

६६४ मोहविवेक—वनारसीदास । पत्र सं० १२ । साइज—१०×४ इंच । भाषा—हिन्दी । विषय—अध्यात्म । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १४२६ ।

६६५ प्रति नं० २ । पत्र सं० १२ । साइज—१० $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १४२७ ।

६६६ बीतरागशास्त्र..... । पत्र सं० २ । साइज—१०×४ $\frac{१}{२}$ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—आध्यात्मिक । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० १६४७ ।

६६७ वैराग्यशास्त्र..... । पत्र सं० २ । साइज—१०×४ इंच । भाषा—प्राकृत । विषय—अध्यात्म । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० १६४७ ।

६६८ ब्रह्मानन्द—पं० श्री रामकृष्ण । पत्र सं० २० । साइज—१०×५ $\frac{१}{२}$ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—आध्यात्मिक । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण—विषयानन्द प्रकरण तक । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १६६२ ।

६६९ षट्पादुड—आ० कुन्दकुन्द । पत्र सं० ७६-२०० । साइज—१२×५ $\frac{१}{२}$ इंच । भाषा—प्राकृत । विषय—आध्यात्मिक । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १७६२ ।

विशेष—प्रति सटीक है । टीका संस्कृत में है । टीकाकार श्रुतसागर है ।

६७० प्रति नं० २ । पत्र सं० ५२ । साइज—१० $\frac{१}{२}$ ×५ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल—सं० १=५० फाल्गुण शुक्ला १२ । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १७६३ ।

६७१ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ३५ । साइज—१० $\frac{१}{२}$ ×४ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १७६४ ।

६७२ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ३३ । साइज—६×४ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १७६५ ।

६७३ प्रति नं० ५ । पत्र सं० ३ । साइज—१२×५ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १७६६ ।

विशेष—केवल शील पादुड ही है ।

६७४ प्रति नं० ६ । पत्र सं० ३ । साइज—१० $\frac{१}{२}$ ×६ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १७६६ ।

विशेष—शील पादुड है ।

६७५ प्रति नं० ७ । पत्र सं० ३६ । साइज-१० $\frac{३}{४}$ ×४ $\frac{३}{४}$ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १८११ ।

विशेष—संस्कृत में अर्थ भी दिया हुआ है ।

६७६ प्रति नं० ८ । पत्र सं० ५६ । साइज-१० $\frac{३}{४}$ ×४ $\frac{३}{४}$ इञ्च । लेखनकाल-सं० १७१४ मंगसिर बुदी अमावस । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १७६७ ।

६७७ प्रति नं० ९ । पत्र सं० १३ । साइज-१०×४ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १७८८ ।

६७८ प्रति नं० १० । पत्र सं० ५४ । साइज-१२×६ इञ्च । लेखनकाल-सं० १७१४ फागुण बुदी ११ बुधवार । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १८०१ ।

विशेष—कल्याण पहाड्या ने प्रतिलिपि की थी ।

६७९ प्रति नं० ११ । पत्र सं० ५५ । साइज-१२×६ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १८०२ ।

६८० प्रति नं० १२ । पत्र सं० ७६-२०० । साइज-१२×६ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १८०४ ।

विशेष—श्रुतसागर कृत संस्कृत टीका सहित है ।

६८१ प्रति नं० १३ । पत्र सं० ३७ । साइज-११ $\frac{३}{४}$ ×५ $\frac{३}{४}$ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १८१३ ।

विशेष—श्रुतसागर कृत संस्कृत टीका सहित है । प्रत्येक पृष्ठ पर वह लिखा हुआ है “ या टीका भूँठी छै ” “ गाथा सांची छै ” “ या टीका अप्रमाण भूँठी छै कुमार्गी किया छै ” इत्यादि ।

६८२ प्रति नं० १४ । पत्र सं० १३३-१८२ । साइज-१०×७ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १८१४ ।

विशेष—हिन्दी अर्थ सहित है ।

६८३ प्रति नं० १५ । पत्र सं० ४१ । साइज-११×८ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १८१५ ।

विशेष—हिन्दी टीका सहित है ।

६८४ प्रति नं० १६ । पत्र सं० २-३६ । साइज-१० $\frac{३}{४}$ ×५ $\frac{३}{४}$ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १८१६ (क) ।

विशेष—संस्कृत टीका सहित है ।

६८५ प्रति नं० १७ । पत्र सं० ७४ । साइज-१२×५ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १८०० ।

६८६ प्रति नं० १८ । पत्र सं० ११ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×२ इञ्च । लेखनकाल-सं० १८०१ पौष बुदी ७ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १७६६ ।

विशेष-संस्कृत में टीका सहित है ।

६८७ प्रति नं० १९ । पत्र सं० १० । साइज-१०×४ इञ्च । लेखनकाल-सं० १५४२ ज्येष्ठ बुदी १४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १८०३ ।

विशेष-मूलमात्र है ।

६८८ समयसार-कुन्दकुन्दाचार्य । पत्र सं० २२ । साइज-११×६ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा-प्राकृत । विषय-अध्यात्म । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १७७८ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १८६२ ।

६८९ प्रति नं० २ । पत्र सं० १३३-१५१ । साइज-१३×६ इञ्च । भाषा-प्राकृत । विषय-आध्यात्मिक । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १६३२ पौष बुदी १ । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १८६१ ।

विशेष-ब्रह्मदेव कृत संस्कृत टीका सहित है । प्रतिलिपि मध्यप्रदेश के अमलपुर नगर में हुई थी ।

६९० प्रति नं० ३ । पत्र सं० ११२ । साइज-१२×५ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १८२६ ।

विशेष-अमृतचन्द्र कृत संस्कृत टीका सहित है ।

६९१ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ६४-१३० । साइज-११×५ इञ्च । लेखनकाल-सं० १४४६ वैशाख बुदी १० मङ्गलवार । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १८६० ।

विशेष-अमृतचन्द्र की संस्कृत टीका सहित है । योगिनीपुर में पिरोज साह के राज्य में हुई थी ।

६९२ प्रति नं० ५ । पत्र सं० ६४ । साइज-११×५ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल-सं० १६३३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १८५८ ।

विशेष-संस्कृत में पर्यायवाची शब्द दिये हुये हैं ।

६९३ प्रति नं० ६ । पत्र सं० १७२ । साइज-११ $\frac{१}{२}$ ×१ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १८४७ ।

विशेष-अमृतचन्द्र कृत संस्कृत टीका सहित है ।

६९४ प्रति नं० ७ । पत्र सं० १३१ । साइज-११×५ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १८४८ ।

६९५ प्रति नं० ८ । पत्र सं० ५६ । साइज-१२ $\frac{१}{२}$ ×६ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १८४६ ।

६९६ प्रति नं० ९ । पत्र सं० १७१ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १८४३ ।

६६७ प्रति नं० १० । पत्र सं० ६३ । साइज-११×४ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल-सं० १८०४ ज्येष्ठ बुदी १२ ।

पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १८४४ ।

विशेष—पद्यों का हिन्दी अर्थ भी दिया हुआ है ।

६६८ प्रति नं० ११ । पत्र सं० ५० । साइज-१०×४ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १८४५ ।

६६९ प्रति नं० १२ । पत्र सं० ५८ । साइज-१०×५ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १८४६ ।

७०० प्रति नं० १३ । पत्र सं० १४८ । साइज-८ $\frac{१}{२}$ ×६ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १८५२ ।

७०१ प्रति नं० १४ । पत्र सं० १७८ । साइज-११ $\frac{१}{२}$ ×५ इंच । लेखनकाल-सं० १८२८ पौष सुदी १४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १८५६ ।

७०२ प्रति नं० १५ । पत्र सं० १७६ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल X । प्रारम्भ के १०१ पत्र नहीं हैं । शुद्ध । वेष्टन नं० १८५० ।

७०३ प्रति नं० १६ । पत्र सं० १२३ । साइज-११×५ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १८५३ ।

७०४ प्रति नं० १७ । पत्र सं० ३६ । साइज-१२×५ इंच । लेखनकाल-सं० १७३१ मंगसिर बुदी १४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १८६४ ।

विशेष—काउद मध्ये शीतलनाथ चैत्यालय में प्रतिलिपि हुई थी ।

७०५ प्रति नं० १८ । पत्र सं० २३ । साइज-११×६ इंच । लेखनकाल-सं० १७०८ चत्र सुदी पूर्णिमा । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १८६१ ।

७०६ प्रति नं० १९ । पत्र सं० २-१९ । साइज-११ $\frac{१}{२}$ ×५ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १८६३ ।

७०७ प्रति नं० २० । पत्र सं० ३७५ । साइज-१०×४ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल-सं० १७२२ पौष बुदी ३ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १८४० ।

विशेष—संग्रामपुर में प्रतिलिपि हुई थी ।

७०८ प्रति नं० २१ । पत्र सं० १०१ । साइज-११×४ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १८४१ ।

७०९ प्रति नं० २२ । पत्र सं० १७ । साइज-१०×४ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १८४२ ।

७१० प्रति नं० २३ । पत्र सं० २११ । साइज-११×४ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १=६४ ।

विशेष—कलशों का हिन्दी गद्य अलंकार भी दिख रहा है । प्रति प्राचीन हैं भाषाकार राजमल्ल हैं ।

७११ प्रति नं० २४ । पत्र सं० २७ । साइज-११×४ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १=६३ ।

विशेष—प्रति संस्कृत टीका उद्धृत है ।

७१२ समयसारकलशा टीका-राजमल्लजी । पत्र सं० १६६ । साइज-११ $\frac{1}{2}$ ×५ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-अध्यात्म । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण—प्रथम पृष्ठ तथा १६६ से आगे के पत्र नहीं हैं । सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १=६६ ।

७१३ प्रति नं० २ । पत्र सं० २३७ । साइज-१२×५ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल-सं० १७४६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १=६६ ।

विशेष—बनारसीदास कृत भाषा भी इस में है ।

७१४ प्रति नं० ३ । पत्र सं० २७४ । साइज-१२ $\frac{1}{2}$ ×५ इंच । लेखनकाल-सं० १७६२ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १=६६ ।

७१५ समयसार नाटक-नदाकवि बनारसीदास । पत्र सं० ७४ । साइज-१२×५ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-अध्यात्म । रचनाकाल-सं० १६६३ । लेखनकाल-सं० १=६० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १=७१ ।

७१६ प्रति नं० २ । पत्र सं० ११६ । साइज-१३×८ इंच । लेखनकाल-सं० १६५० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १=७० ।

विशेष—हिन्दी गद्य टीका पंडित रूपचन्दजी कृत है । रूपचन्दजी द्वारा लिखित प्रशस्ति नहीं दी हुई है ।

७१७ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ३६ । साइज-१२ $\frac{1}{2}$ ×५ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १=७२ ।

७१८ प्रति नं० ४ । पत्र सं० १४२ । साइज-१५×६ इंच । लेखनकाल-सं० १=३६ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १=७३ ।

७१९ प्रति नं० ५ । पत्र सं० २०४ । साइज-१२ $\frac{1}{2}$ ×४ । लेखनकाल-सं० १=३० । अपूर्ण—४७ तक पत्र नहीं हैं । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १=७४ ।

७२० प्रति नं० ६ । पत्र सं० २१ । साइज-८×५ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १=७४ ।

७२१ प्रति नं० ७ । पत्र सं० २३ । साइज-१० $\frac{1}{2}$ ×४ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १=७५ ।

[अन्त]

७२२ प्रति नं० ८ । पत्र सं० २-६८ । साइज-१० $\frac{1}{2}$ X ४ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल-सं० १५६३ आसोज सुदी ६ ।

पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १८७६ ।

विशेष—चौधरी बखतराम के पुत्र श्री दुलीचन्द ने प्रतिलिपि की थी ।

७२३ प्रति नं० ९ । पत्र सं० ६६ । साइज-१० X ६ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम ।

वेष्टन नं० १८७७ ।

७२४ प्रति नं० १० । पत्र सं० १२५ । साइज-११ X ७ इंच । लेखनकाल-सं० १७०६ । पूर्ण एवं शुद्ध ।

दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १८७८ ।

विशेष—प्रति का जीर्णोद्धार हो रखा है ।

७२५ प्रति नं० ११ । पत्र सं० १४० । साइज-१० X १ इंच । लेखनकाल-सं० १८२६ । पूर्ण एवं सामान्य

शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १८७९ ।

विशेष—रूपचन्द कृत समयसार की हिन्दी गद्य टीका मी है ।

७२६ प्रति नं० १२ । पत्र सं० ५८ । साइज-१० X १ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।

दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १८८० ।

७२७ प्रति नं० १३ । पत्र सं० १५१ । साइज-१० X १ इंच । लेखनकाल-सं० १८२७ । पूर्ण एवं शुद्ध ।

दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १८८१ ।

७२८ प्रति नं० १४ । पत्र सं० ७५ । साइज-११ X ५ इंच । लेखनकाल-सं० १८०१ । पूर्ण एवं शुद्ध ।

दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १८८२ ।

७२९ प्रति नं० १५ । पत्र सं० ७५ । साइज-११ $\frac{1}{2}$ X ५ इंच । लेखनकाल-सं० १७६७ । पूर्ण एवं सामान्य

शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १८८३ ।

विशेष—बूंदी (राजस्थान) में भावसिंहजी के राज्य में प्रतिलिपि की गयी थी ।

७३० प्रति नं० १६ । पत्र सं० १३२ । साइज-१० X ४ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-

सामान्य । वेष्टन नं० १८८४ ।

विशेष—ब्रह्म रूपजी ने पडसोलानगर में ग्रन्थ की प्रतिलिपि करवायी थी ।

७३१ प्रति नं० १७ । पत्र सं० १८४ । साइज-१२ X ४ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल-सं० १७०५ । पूर्ण एवं सामान्य

शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १८८५ ।

७३२ प्रति नं० १८ । पत्र सं० १६० । साइज-७ $\frac{1}{2}$ X ४ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य

वेष्टन नं० १८८६ ।

७३३ प्रति नं० १९ । पत्र सं० ७५ । साइज-१३ X ८ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-

सामान्य । वेष्टन नं० १८८७ ।

विशेष—रूपचन्द्र कृत हिन्दी गद्य टीका सहित है।

७३४ समयसार भाषा-पं० जयचन्द्रजी आग्रडा। पत्र सं० २४८। साइज-११×६ $\frac{1}{2}$ इंच। भाषा-हिन्दी। विषय-अध्यात्म। रचनाकाल-सं० १८६४। लेखनकाल-सं० १८६६। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० १८६४।

७३५ प्रति नं० २। पत्र सं० २५। साइज-११×७ $\frac{1}{2}$ इंच। लेखनकाल-सं० १८६४। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० १८६५।

७३६ प्रति नं० ३। पत्र सं० ३५२। साइज-१० $\frac{1}{2}$ ×८ इंच। लेखनकाल-सं० १८३८। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-उत्तम। वेष्टन नं० १८८८।

विशेष—बख्तावरलाल आग्रडा ने भीमराजजी की प्रेरणा से प्रतिलिपि की थी।

७३७ प्रति नं० ४। पत्र सं० २८०। साइज-८ $\frac{1}{2}$ ×६ इंच। लेखनकाल-सं० १८६४। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० १८५७।

विशेष—प्रति स्वयं जयचन्द्रजी द्वारा लिखी गयी है। इसलिये स्थान २ पर प्रति संशोधित की हुई है।

७३८ समयसार नाटक भाषा-मूलकर्ता-महाकवि बनारसीदास। भाषाकार-सदासुखजी कासलीवाल। पत्र सं० २८८। साइज-११×७ $\frac{1}{2}$ इंच। भाषा-हिन्दी पद्य-गद्य। विषय-अध्यात्म। रचनाकाल-सं० १८१४। लेखनकाल-सं० १८३३। पद्यगुण वृद्धि ४। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-उत्तम। वेष्टन नं० १८६९।

७३९ समयसार भाषा.....। पत्र सं० १६०। साइज-१३ $\frac{1}{2}$ ×६ $\frac{1}{2}$ इंच। भाषा-हिन्दी। विषय-अध्यात्म। रचनाकाल X। लेखनकाल-सं० १८४२। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० १८८६।

७४० समयसार भाषा.....। पत्र सं० ७६। साइज-६ $\frac{1}{2}$ ×२ $\frac{1}{2}$ इंच। भाषा-हिन्दी गद्य। विषय-अध्यात्म। रचनाकाल X। लेखनकाल X। अपूर्ण एवं अशुद्ध। दशा-जीर्ण। वेष्टन नं० १८६०।

७४१ समयसार भाषा.....। पत्र सं० ६४। साइज-१० $\frac{1}{2}$ ×४ $\frac{1}{2}$ इंच। भाषा-हिन्दी गद्य। विषय-अध्यात्म। रचनाकाल X। लेखनकाल X। जीवाधिकार तक पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० १८६२।

७४२ समयसार भाषा.....। पत्र सं० २००। साइज-११ $\frac{1}{2}$ ×७ $\frac{1}{2}$ इंच। रचनाकाल X। लेखनकाल X। अपूर्ण-प्रथम पत्र तथा अन्तिम पत्र नहीं हैं। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० १८५५।

७४३ संवेनामृतभावना-श्री रत्नसिंह सूरि। पत्र सं० २६। साइज-१०×४ $\frac{1}{2}$ इंच। भाषा-संस्कृत। विषय-अध्यात्म। रचनाकाल X। लेखनकाल X। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० १८५२।

विशेष—पं० तिलकसागर ने बगड़ी नगर में प्रतिलिपि की थी।

७४४ स्वामी कार्तिकेयानुप्रेक्षा-कार्तिकेय। पत्र सं० ४०। साइज-८ $\frac{1}{2}$ ×६ $\frac{1}{2}$ इंच। भाषा-प्राकृत। विषय-अध्यात्म। रचनाकाल X। लेखनकाल X। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २१६६।

७४५ प्रति नं० २। पत्र सं० २६। साइज-११ $\frac{1}{2}$ ×४ $\frac{1}{2}$ इंच। लेखनकाल X। अपूर्ण-आगे के पत्र नहीं हैं। सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २१७०।

७४६ प्रति नं० ३ । पत्र सं० २० । साइज-११×५ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१७१ ।

७४७ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ७०-१०४, २७३-२३० । साइज-१२×५ इंच । लेखनकाल-सं० १८६१ । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१७३ ।

विशेष—भट्टारक शुभचंद्र कृत संस्कृत टीका सहित है ।

७४८ प्रति नं० ५ । पत्र सं० ६७ । साइज-११½×५ इंच । लेखनकाल-सं० १६०७ आसोजशुक्ला १२ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० २१७२ ।

विशेष—संस्कृत में पर्यायवाची शब्द दिये हुये हैं ।

७४९ प्रति नं० ६ । पत्र सं० ६७ । साइज-११½×५ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण—आगे के पत्र नहीं हैं । सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१७४ ।

विशेष—म० शुभचंद्र कृत संस्कृत टीका सहित है ।

७५० प्रति नं० ७ । पत्र सं० ६५ । साइज-१०½×५ इंच । लेखनकाल । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० २१७५ ।

विशेष—संस्कृत में पर्यायवाची शब्द दिये हुये हैं ।

७५१ प्रति नं० ८ । पत्र सं० १६ । साइज-११×४½ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१७६ ।

७५२ प्रति नं० ९ । पत्र सं० २५ । साइज-११½×५ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१७७ ।

७५३ प्रति नं० १० । पत्र सं० २६ । साइज-१२×५ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१७८ ।

७५४ प्रति नं० ११ । पत्र सं० १०१-२१५ । साइज-११½×५ इंच । लेखनकाल-सं० १७६६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१७९ ।

विशेष—म० शुभचंद्र कृत संस्कृत टीका सहित है ।

७५५ प्रति नं० १२ । पत्र सं० ३२ । साइज-१०×४½ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१८० ।

७५६ प्रति नं० १३ । पत्र सं० २१६ । साइज-१०½×७ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१८१ ।

विशेष—म० शुभचंद्र कृत संस्कृत टीका सहित है ।

७५७ प्रति नं० १४ । पत्र सं० २६ । साइज-१०×४ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१८१ ।

७५८ प्रति नं० १५ । पत्र सं० ६६ । साइज-१२×६ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१८२ ।

विशेष—भट्टारक शुभचन्द्र कृत संस्कृत टीका सहित है ।

७५९ प्रति नं० १६ । पत्र सं० २८६ । साइज-१२×६ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१८३ ।

विशेष—म० शुभचन्द्रकृत संस्कृत टीका सहित है ।

७६० स्वामीकार्तिकेयानुप्रेक्षा भाषा-जयचंदजी द्वारा । पत्र सं० १०६ । साइज- $11\frac{1}{2}$ ×६ इंच । भाषा-हिन्दी गद्य । विषय-धर्म । रचनाकाल-सं० १८६३ । लेखनकाल-सं० १८६३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१८४ ।

विशेष—प्रति स्वयं जयचन्द्रजी द्वारा लिखी गई है ।

७६१ प्रति नं० २ । पत्र सं० ७३ । साइज-११×८ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । आगे के पत्र नहीं हैं । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१८५ ।

७६२ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १२७ । साइज-११×८ इंच । लेखनकाल-सं० १९१६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१८६ ।

७६३ प्रति नं० ४ । पत्र सं० १५१ । साइज-१०×४ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१८७ ।

७६४ प्रति नं० ५ । पत्र सं० ३०१ । साइज-११ $\frac{1}{2}$ ×६ इंच । लेखनकाल-सं० १८८८ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१८८ ।



विषय—न्याय एवं दर्शन

ग्रन्थ संख्या—७६५-८७२

७६५ अष्टशती-भट्टाकलंकदेव । पत्र सं० ३८ । साइज-११ $\frac{१}{२}$ ×५ $\frac{१}{२}$ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-न्याय ।

रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ४२ ।

७६६ प्रति नं० २ । पत्र सं० ३४ । साइज-११×८ इंच । लेखनकाल-सं० १८२८ भाष बुदी ६ । पूर्ण एवं

सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ४३ ।

विशेष—जयपुर नगर में महात्मा कालूराम ने प्रतिलिपि की थी ।

७६७ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ४३ । साइज-११×५ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल-सं० १८६८ वैशाख बुदी ७ । पूर्ण

एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ४४ ।

७६८ प्रति नं० ४ । पत्र सं० २४ । साइज-१० $\frac{३}{४}$ ×५ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य ।

वेष्टन नं० ४५ ।

७६९ अष्टसहस्री-विद्यानन्दि । पत्र सं० २३२ । साइज-११ $\frac{१}{२}$ ×५ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-न्याय ।

रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १४२० फाल्गुण सुदी २ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ४७ ।

७७० आप्तपरीक्षा-विद्यानन्दि । पत्र सं० ११० । साइज-१२×५ इंच । लेखनकाल-सं० १५७८ मंगसिर

सुदी ७ । अपूर्ण-प्रारम्भ के २० पत्र नहीं हैं । सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११८ ।

विशेष—अहमदाबाद के समीप राजपुर ग्राम में उपाध्याय अभयचन्द्र के पठनार्थ प्रतिलिपि की गयी थी । हर्षदे जातीय श्री हर्षदे ने ग्रंथ की प्रतिलिपि करवायी थी ।

७७१ प्रति नं० २ । पत्र सं० ५ । साइज-१२×७ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य ।

वेष्टन नं० ११७ ।

७७२ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ७ । साइज-८×५ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य ।

वेष्टन नं० ११६ ।

७७३ आप्तमीमांसा भाषा-पं० जयचन्द्रजी छाबड़ा । पत्र सं० ८६ । साइज-६ $\frac{१}{२}$ ×७ $\frac{१}{२}$ इंच । भाषा-हिन्दी ।

विषय-न्याय । रचनाकाल-सं० १८६७ । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११६ ।

७७४ आप्तमीमांसालंछति..... । पत्र सं० २२५ । साइज-१५×७ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-न्याय ।

रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १२० ।

विशेष—संस्कृत टीका भी है ।

७७५ आलापपद्धति-देवसेन । पत्र सं० ११ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । माधा-संस्कृत । विषय-न्याय । रचना-काल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १३३ ।

७७६ प्रति नं० २ । पत्र सं० २० । साइज-१२×५ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल-सं० १८७७ वैशाख सुदी १२ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १२८ ।

७७७ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल-सं० १८१२ मंगसिर सुदी ४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १२९ ।

७७८ प्रति नं० ४ । पत्र सं० १३ । साइज-११ $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल-सं० १७८४ मंगसिर सुदी ६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १२६ ।

७७९ प्रति नं० ५ । पत्र सं० ११ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल-सं० १८११ फागुण सुदी ६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १२६ ।

७८० प्रति नं० ६ । पत्र सं० ६ । साइज-११ $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १२६ ।

७८१ प्रति नं० ७ । पत्र सं० ६ । साइज-११×४ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १२६ ।

७८२ प्रति नं० ८ । पत्र सं० १२ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १२६ ।

७८३ प्रति नं० ९ । पत्र सं० १२ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १२६ ।

७८४ प्रति नं० १० । पत्र सं० ६ । साइज-११×३ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १२६ ।

७८५ प्रति नं० ११ । पत्र सं० ६ । साइज-१०×४ इञ्च । लेखनकाल-सं० १७८२ चैत्र शुक्ला ११ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १३० ।

विशेष—यह प्रति सांगानेर में साह जोधराज गोदीका के पठनार्थ लिखी गई थी ।

७८६ प्रति नं० १२ । पत्र सं० ११ । साइज-१२×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल-सं० १८०३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १३१ ।

७८७ प्रति नं० १३ । पत्र सं० ११ । साइज-१०×६ इञ्च । लेखनकाल-सं० १८५५ कार्तिक शुक्ला १२ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १३२ ।

७८८ किरणावली प्रकाश-महासहोपाध्याय श्री मंगेश्वरात्मज उपाध्याय श्री बद्धमान । पत्र सं० ५० । साइज-

७०५ इत्यम् । भाषा-संस्कृत । विषय-न्याय । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १=२५ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २६७ ।

७०६ खंडनसूत्र । पत्र सं० ४ । साइज-११X४^१/_२ इत्यम् । भाषा-संस्कृत । विषय-न्याय । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३०३ ।

७०७ खंडसूत्र-श्री हर्ष । पत्र सं० ११६ । साइज-११X६ इत्यम् । भाषा-संस्कृत । विषय-न्याय । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० ३०४ । इसका दूसरा नाम खंडन स्वाद्य भी है ।

७०८ चन्द्रावलोक । पत्र सं० १३ । साइज-१०X४^१/_२ इत्यम् । भाषा-संस्कृत । विषय-दर्शन । रचना-काल X । लेखनकाल-सं० १६६१ भावण कृष्ण ४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ४०१ ।

७०९ जीवास्तित्ववाद । पत्र सं० ८ । साइज-६^१/_२X२ । भाषा-संस्कृत । विषय-दर्शन । रचना-काल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ५०३ ।

७१० तत्त्वबोध । पत्र सं० ६ । साइज-८X५^१/_२ इत्यम् । भाषा-संस्कृत । विषय-न्याय । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६०७ ।

७११ तर्कदीपिका-योगी विश्वनाथ । पत्र सं० ७ । साइज-११X५ इत्यम् । भाषा-संस्कृत । विषय-न्याय । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६२८ ।

७१२ तर्कभाषा-श्री केशवमिश्र । पत्र सं० ३६ । साइज-१०X४ इत्यम् । भाषा-संस्कृत । विषय-न्याय । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १७५७ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६२८ ।

७१३ प्रति नं० २ । पत्र सं० ३३ । साइज-१०^१/_२X४ इत्यम् । लेखनकाल-सं० १६६८ फाल्गुन सुदी १० । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६२६ ।

७१४ तर्कसंग्रह-अन्नमट्ट । पत्र सं० ६ । साइज-१२X५ इत्यम् । भाषा-संस्कृत । विषय-न्याय । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६३० ।

७१५ प्रति नं० २ । पत्र सं० ७ । साइज-११X४ इत्यम् । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६३१ ।

७१६ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ३२ । साइज-१२X५ इत्यम् । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० ६३१ ।

विशेष—प्रति संस्कृत टीका सहित है ।

८०० तृप्तिदीपिका । टीकाकार पं० रामकृष्ण । पत्र सं० २-८४ । साइज-१०X५^१/_२ इत्यम् । भाषा-संस्कृत । विषय-दर्शन । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० ६४१ ।

८०१ दर्शनसार-देवसेन । पत्र सं० ३ । साइज-११^१/_२X५ इत्यम् । भाषा-प्राकृत । विषय-दर्शन । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ७०४ ।

८०२ प्रति नं० २ । पत्र सं० ३ । साइज-११ $\frac{1}{2}$ ×५ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ७०४ ।

८०३ देवागमस्तोत्र-आचार्य सनत्तभद्र । पत्र सं० ५ । साइज-११ $\frac{1}{2}$ ×५ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-न्याय । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ७६४ ।

विशेष—ग्रन्थ का दूसरा नाम आप्तमीमांसा भी है ।

८०४ प्रति नं० २ । पत्र सं० ३२ । साइज-१० $\frac{1}{2}$ ×६ इंच । लेखनकाल-सं० १=६० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० ७६७ ।

विशेष—प्रतिलिपि जयपुर में हुई थी । ग्रन्थ का दूसरा नाम आप्तमीमांसा भी है । प्रति सटीक है । टीकाका वसुन्दि है ।

४०८ देवागमस्तोत्र भाषा-पं० जयचन्द्रजी छाबड़ा । पत्र सं० ४५ । साइज-८×६ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-न्याय । रचनाकाल-सं० १=६६ । लेखनकाल-सं० १=६६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ७६९ ।

विशेष—प्रति स्वयं भाषाकार के हाथ की है ।

८०६ प्रति नं० २ । पत्र सं० ८४ । साइज-१२×७ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० ७६६ ।

८०७ द्वैतविवेकपदयोजना-श्री रामकृष्ण । पत्र सं० १४ । साइज-१०×५ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-न्याय । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ७७३ ।

८०८ नयचक्र-श्री देवसेन । पत्र सं० ३५ । साइज-१० $\frac{1}{2}$ ×५ इंच । भाषा-प्राकृत । विषय-दर्शन शास्त्र । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८४४ ।

८०९ प्रति नं० २ । पत्र सं० २४ । साइज-८ $\frac{1}{2}$ ×४ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल-सं० १=६२ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८४५ ।

८१० प्रति नं० ३ । पत्र सं० २१ । साइज-१२×६ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० ८४६ ।

विशेष—संस्कृत में संक्षिप्त टीका दी हुई है ।

८११ प्रति नं० ४ । पत्र सं० १८ । साइज-९० $\frac{1}{2}$ ×४ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८४६ ।

८१२ प्रति नं० ५ । पत्र सं० ६ । साइज-१०×४ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ९४७ ।

विशेष—हिन्दी अर्थ सहित है ।

८१३ नयचक्र भाषा-हेमराज । पत्र सं० १४ । साइज-१२×५ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-न्याय । रचना

काल-सं० १७२६ । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८४७ ।

८१४ प्रति नं० २ । पत्र सं० २३ । साइज-६ $\frac{१}{२}$ X ६ $\frac{३}{४}$ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८४८ ।

८१५ प्रति नं० ३ । पत्र सं० २१ । साइज-८ X ४ इञ्च । लेखनकाल-सं० १७५६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८४९ ।

विशेष—मालपुरा नगर में साधु हंसमिरी ने कर्मचंद के लिये प्रतिलिपि की थी ।

८१६ नयवर्णन..... । पत्र सं० ५ । साइज-११ X ५ $\frac{३}{४}$ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-दर्शन । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८५० ।

विशेष—तत्त्वार्थ सूत्र के 'नैगमसंग्रह' आदि सूत्र की ही विस्तृत टीका है ।

८१७ नवतत्त्वनिदानोपनिषत्..... । पत्र सं० ७२ । साइज-१२ X ६ $\frac{३}{४}$ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-न्याय । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८५१ ।

८१८ न्यायसंग्रह..... । पत्र सं० १२२ । साइज-१० $\frac{३}{४}$ X ३ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-न्याय । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० ८५७ ।

८१९ न्यायदीपिका-अभिनवधर्मभूषण । पत्र सं० ४१ । साइज-११ X ५ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-न्याय । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८८८ ।

८२० प्रति नं० २ । पत्र सं० २६ । साइज-१० $\frac{३}{४}$ X ५ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८८९ ।

८२१ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ३१ । साइज-१० $\frac{३}{४}$ X ५ इञ्च । लेखनकाल-सं० १८४२ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८९० ।

८२२ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ३८ । साइज-१० X ४ $\frac{३}{४}$ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८९१ ।

८२३ न्यायमञ्जरी..... । पत्र सं० १६ । साइज-११ X ६ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-न्याय । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८९२ ।

८२४ न्यायसार-पं० भावशर्मा । पत्र सं० १० । साइज-१० $\frac{३}{४}$ X ५ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-न्याय । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १९३२ अषाढ सुदी १ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८९३ ।

८२५ न्यायसूत्र-गीतम मुनि । पत्र सं० ८ । साइज-१० X ४ $\frac{३}{४}$ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-न्याय । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १७४१ वैशाख सुदी १० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८९४ ।

८२६ प्रति नं० २ । पत्र सं० १२ । साइज-१० $\frac{३}{४}$ X ४ $\frac{३}{४}$ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८९४ ।

८२७ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १० । साइज-८ $\frac{1}{2}$ ×६ $\frac{1}{2}$ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य ।
वेष्टन नं० ८६४ ।

८२८ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ६ । साइज-११×६ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य ।
वेष्टन नं० ८६५ ।

८२९ प्रति नं० ५ । पत्र सं० ७ । साइज-१२×७ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य ।
वेष्टन नं० ८६६ ।

८३० परीक्षामुख-माणिक्यनांद । पत्र सं० ७ । साइज-१० $\frac{1}{2}$ ×५ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-न्याय ।
रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १०५६ ।

८३१ प्रमाणनिर्णय-वादिराज । पत्र सं० ३८ । साइज-१२×५ $\frac{1}{2}$ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-न्याय ।
रचनाकाल-सं० १७३२ । लेखनकाल-सं० १७६५ अषाढ सुदी ११ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११६५ ।

८३२ प्रमाणनिर्णय-श्री जयसिंह सूरि । पत्र सं० १६१ । साइज-१२×४ $\frac{1}{2}$ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-
न्याय । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १=१२ वैशाख शुक्ला पूर्णिमा । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० ११६४ ।

८३३ प्रमाणपरीक्षा-विधानन्दि । पत्र सं० ४० । साइज-१२×६ $\frac{1}{2}$ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-न्याय ।
रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११६८ ।

८३४ प्रमाणपरीक्षा भाषा-श्री मागचन्द्र । पत्र सं० ४७ । साइज-१४×७ $\frac{1}{2}$ इञ्च । भाषा-हिन्दी गद्य ।
विषय-न्याय । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण-४७ से आगे के पत्र नहीं हैं । सामान्य शुद्ध । वेष्टन नं० ११६७ ।

८३५ प्रमाणप्रमेयकालिका-श्री नरेन्द्रसेन । पत्र सं० २४ । साइज-११ $\frac{1}{2}$ ×४ इञ्च । भाषा-संस्कृत ।
विषय-न्याय । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११६६ ।

८३६ प्रति नं० २ । पत्र सं० २६ । साइज-१० $\frac{1}{2}$ ×४ $\frac{1}{2}$ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-
उत्तम । वेष्टन नं० ११७४ ।

८३७ प्रमाणमीमांसा-हेमचन्द्राचार्य । पत्र सं० ४४ । साइज-१२×५ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-न्याय ।
रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १७६५ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११६६ ।

८३८ प्रमेयकमलमार्तण्ड-आ० प्रभाचन्द्र । पत्र सं० ३५४ । साइज-१० $\frac{1}{2}$ ×६ इञ्च । भाषा-संस्कृत ।
विषय-न्याय । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११७० ।

८३९ प्रति नं० २ । पत्र सं० ३१६ । साइज-११×८ इञ्च । लेखनकाल-सं० १६२५ । पूर्ण एवं शुद्ध ।
दशा-उत्तम । वेष्टन नं० ११७१ ।

८४० प्रमेयरत्नमाला-अनन्तवीर्य । पत्र सं० ७१ । साइज-१२×५ $\frac{1}{2}$ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-न्याय ।
रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १८५६ चैत्र सुदी ५ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११७२ ।
विशेष—जयपुर में नंदलाल ने ग्रंथ की प्रतिलिपि करवायी थी ।

८४१ प्रति नं० २ । पत्र सं० ८० । साइज-११×५ इञ्च । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० ११७३ ।

८४२ प्रमेयरत्नमाला भाषा-पं० जयचन्दजी छाबड़ा । पत्र सं० ६३ । साइज-८½×६ इञ्च । भाषा-हिन्दी

विषय-न्याय । रचनाकाल-सं० १८६३ । लेखनकाल-सं० १८६३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११७४ ।

विशेष—प्रति स्वयं भाषाकार के हाथ की लिखी हुई है ।

८४३ प्रति नं० २ । पत्र सं० १२० । साइज-११×५½ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।

दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १०५७ ।

८४४ भाषापरिच्छेद-पंचानन भट्टाचार्य । पत्र सं० ११ । साइज-६×४ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-दर्शन ।

रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १३५५ ।

८४५ मीमांसाभाष्य-शबर स्वामी । पत्र सं० ४६५ । साइज-१६×६ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-दर्शन ।

रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १८५६ पौष बुदी १३ । पूर्ण-१२ अध्याय । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १३६७ ।

८४६ मीमांसात्राक्तिक-कुमारिल भट्ट । पत्र सं० ३६३ । साइज-१०×४ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-

न्याय । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १३६८ ।

८४७ मुक्तावली..... । पत्र सं० ६१ । साइज-८×४½ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-न्याय । रचनाकाल X

लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १४०२ ।

८४८ प्रति नं० २ । पत्र सं० २७ । साइज-११×४½ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-

सामान्य । वेष्टन नं० १४०० ।

विशेष—प्रति संस्कृत टीका सहित है ।

८४९ रत्नकरावतारिका-रत्नप्रभाचार्य । पत्र सं० २६१ । साइज-१०×४ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-न्याय ।

रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १४८८ ।

विशेष—प्रति प्रमाणनयतत्त्वालोकलंकार की लघु वृत्ति है ।

८५० प्रति नं० २ । पत्र सं० ५० । साइज-१०×४½ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-

सामान्य । वेष्टन नं० १४८९ ।

८५१ वेदान्तसार-परमहंस परित्नाजकाचार्य सदानंद । पत्र सं० १० । साइज-११×६ इञ्च । भाषा-संस्कृत ।

विषय-दर्शन । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं अशुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६५६ ।

८५२ वेदान्तसंग्रह..... । पत्र सं० ३८ । साइज-८½×४½ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-दर्शन । रचना-

काल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६५५ ।

८५३ वृत्तिदीपिका-श्री कृष्ण भट्ट । पत्र सं० ३२ । साइज-१२½×४ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-न्याय ।

रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १८४० । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६६७ ।

८५४ शास्त्रदीपिका..... । पत्र सं० ५६ । साइज-१०×३½ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-न्याय । रचना-

काल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १७७१ ।

विशेष—पत्र १४-१५ नहीं हैं ।

८५५ शारीरिकभाष्य-भगवदानंद । पत्र सं० १७२ । साइज-१२X६ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-न्याय । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १८५४ ज्येष्ठ शुक्ला १३ । प्रथमाध्याय पूर्ण । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १७०१ ।

८५६ शारीरिकमीमांसा-भगवान् शंकर । पत्र सं० २३७ । साइज-१२X४ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-न्याय । रचनाकाल X । लेखनकाल X । तृतीय अध्याय तक । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १७०२ ।

८५७ प्रति नं० २ । पत्र सं० २७६ । साइज-१० $\frac{1}{2}$ X६ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १७०३ ।

८५८ षट्दर्शनसमुच्चयवृत्ति-वृत्तिकार श्री देवसुन्दर सूरि । पत्र सं० १०५ । साइज-१२X२ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-दर्शन । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १७०८ ।

८५९ षट्दर्शनसमुच्चयसूत्र । पत्र सं० २-४ । साइज-१२X४ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-दर्शन । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १=१२ ।

विशेष—जयपुर में तेरहपंथियों के मन्दिर में प्रतिलिपि हुई थी ।

८६० सप्तपदार्थी-श्री दिव्यादित्वाचार्य । पत्र सं० ५ । साइज-१२ $\frac{1}{2}$ X७ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-न्याय । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १=३२ ।

८६१ प्रति नं० २ । पत्र सं० २= । साइज-१२X५ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल-सं० १६३२ भाद्रपद सुदी १४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १=३२ ।

विशेष—बहुद्वयपुर में महीक ने ग्रन्थ की प्रतिलिपि की थी । प्रति संस्कृत टीका सहित है । टीकाकार शिवादित्य है ।

८६२ प्रति नं० ३ । पत्र सं० २६ । साइज-१० $\frac{1}{2}$ X४ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल-सं० १७७५ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १=३१ ।

विशेष—शिवपुरी में पं० विद्याकीर्ति मुनि द्वारा प्रतिलिपि की गयी थी ।

८६३ सन्मतितर्क-सिद्धसेन । पत्र सं० ५७= । साइज-११ $\frac{1}{2}$ X६ इंच । भाषा-प्राकृत । विषय-न्याय । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १=३४ ।

विशेष—प्रति संस्कृत टीका सहित है ।

८६४ सांख्ययन श्रौतसूत्र..... । पत्र सं० १०५ । साइज-११ $\frac{1}{2}$ X४ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-न्याय । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं अशुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६६१ ।

८६५ प्रति नं० २ । पत्र सं० ६६ । साइज-११ $\frac{1}{2}$ X४ इंच । लेखनकाल-सं० १८०५ आसोज सुदी ६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६६२ ।

८६६ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ८० । साइज-१३×८ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १७६० ।

८६७ प्रति नं० ४ । पत्र सं० १८१ । साइज-६×४ इञ्च । लेखनकाल-सं० १८०२ फाल्गुण शुक्ला ६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६६१ ।

विशेष—पुण्डरीक दिवाकर ने प्रतिलिपि की थी । प्रति संस्कृत टीका सहित है ।

८६८ सांख्यतत्त्वकौमुदी-वाचस्पतिमिश्र । पत्र सं० ६७ । साइज-१०½×४½ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-दर्शन । रचना-काल X । लेखनकाल-सं० १८६८ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १६६२ ।

८६९ सांख्य सप्तति..... । पत्र सं० ३ । साइज-६×६½ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-दर्शन । रचना-काल X । लेखनकाल-सं० १८६० । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६६३ ।

८७० सारसंग्रह-वरदराज । पत्र सं० ६१ । साइज-१२×४½ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-दर्शन । रचना-काल X । लेखनकाल-सं० १५६४ श्रावण बुदी ६ । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २०२७ ।

विशेष—प्रथम पत्र नहीं है ।

८७१ स्याद्वादमंजरी-मल्लिकेश । पत्र सं० ६३ । साइज-१०×४½ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-न्याय । रचना-काल X । लेखनकाल X । अपूर्ण । त्रुटित पत्र है । सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१५६ ।

८७२ प्रति नं० २ । पत्र सं० ८६ । साइज-११×६ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं अशुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१६० ।

विषय-प्रतिष्ठा एवं अन्य विधान

ग्रन्थ संख्या—११

८७३ जिनसंहिता-भगवज्जिनसेनाचार्य । पत्र सं० २-३७ । साइज-१०½×४½ इञ्च । भाषा-संस्कृत । रचना-काल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ४६४ ।

८७४ दीक्षापटल-आशाधर । पत्र सं० ८ । साइज-६×५ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-प्रतिष्ठा । रचना-काल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० ७५३ ।

८७५ प्रतिष्ठासार-महार्पणित आशाधर । पत्र सं० ६७ । साइज-१२×६ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-प्रतिष्ठा । रचना-काल-सं० १२८५ । लेखनकाल-सं० १८५० । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११४४ ।

विशेष—इसका दूसरा नाम प्रतिष्ठासारोद्धार एवं जिनयज्ञकल्प है ।

८५६ प्रति सं० २ । पत्र सं० ४२ । साइज- $2\frac{1}{2} \times 1\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण शीर्ण । वेष्टन सं० ११७७ ।

विशेष—स्फुट पत्र है ।

८५७ प्रति सं० ३ । पत्र सं० ६१ । साइज- $2\frac{1}{2} \times 1\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण—आगे के पत्र नहीं है । दशा-सामान्य । वेष्टन सं० ४७७ ।

८५८ प्रति सं० ४ । पत्र सं० ११५-११६ । साइज- $1\frac{1}{2} \times 1\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल-सं० १५३४ कागुण बुदी १ । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन सं० १७८ ।

विशेष—लेखक प्रशस्ति अपूर्ण है ।

८५९ प्रतिष्ठासारसंग्रह-वसुनंदि । पत्र सं० २८ । साइज- $1\frac{1}{2} \times 2$ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-प्रतिष्ठा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण-६ अध्याय तक है । सामान्य शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन सं० ११४५ ।

८६० प्रति सं० २ । पत्र सं० ३१ । साइज- $1\frac{1}{2} \times 2\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल-सं० १७५३ चैत्र शुक्ला प्रतिपदा । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन सं० ११४६ ।

विशेष—सांगानेर में जोशी केशवदास ने वासीराम भावसी के पठनाथ प्रतिलिपि की थी ।

८६१ महाभिषेक-आशाधर । पत्र सं० २२ । साइज- $1\frac{1}{2} \times 2\frac{1}{2}$ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-प्रतिष्ठा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन सं० १३०९ ।

विशेष—ब्रह्म नेमिदत्त के लिये लिपि किया गया था ।

८६२ विवाह पद्धति-वात्रा दुर्लचन्द । पत्र सं० १२ । साइज- $2\frac{1}{2} \times 1\frac{1}{2}$ इंच । भाषा-हिन्दी-संस्कृत । विषय-विधि-विधान । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन सं० ११३३ ।

८६३ प्रति सं० २ । पत्र सं० ११ । साइज- $1\frac{1}{2} \times 2\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन सं० १६३४ ।

विषय—योग शास्त्र

ग्रन्थ संख्या—६५

८६४ ज्ञानार्णव-आचार्य शुभचन्द्र । पत्र सं० १२८ । साइज- $1\frac{1}{2} \times 2\frac{1}{2}$ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-योगशास्त्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन सं० ५३६ ।

८६५ प्रति सं० २ । पत्र सं० १२२ । साइज- $1\frac{1}{2} \times 2\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन सं० ५४० ।

८८६ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १०१ । साइज-११×४ $\frac{1}{2}$ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण-प्रथम पत्र नहीं है । सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ५४० ।

८८७ प्रति नं० ४ । पत्र सं० १०३ । साइज-११×४ $\frac{1}{2}$ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ५४० ।

८८८ प्रति नं० ५ । पत्र सं० १०० । साइज-११×५ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ५४० ।

८८९ प्रति नं० ६ । पत्र सं० १०१ । साइज-१० $\frac{1}{2}$ ×४ $\frac{1}{2}$ इञ्च । लेखनकाल-सं० १६११ भाद्र सुदी २ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य जीर्ण । वेष्टन नं० ५४१ ।

विशेष — तत्काल में महाराजा श्री कल्याण के शासनकाल में छरहेलवाला नवय बाकलीवाल गोत्र वाले सहस्रमल ने शास्त्र लिखवाया था ।

८९० प्रति नं० ७ । पत्र सं० १२१ । साइज-१२×५ इञ्च । लेखनकाल-सं० १७२४ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ५४२ ।

विशेष—लेखक प्रशस्ति पर स्याही फिरी हुई है ।

८९१ प्रति नं० ८ । पत्र सं० १३६ । साइज-११×६ इञ्च । लेखनकाल-सं० १७२२ वैशाख सुदी २ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ५४३ ।

विशेष—रामपुर में सुखदेव पाटनी ने लिखवाया था । सं० १७६८ में हस्तिनापुर से यह ग्रंथ जयपुर भेजा गया ।

८९२ प्रति नं० ९ । पत्र सं० १४६ । साइज-११×५ इञ्च । लेखनकाल-सं० १५६८ कार्तिक सुदी ११ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ५४४ ।

विशेष—हिसार नगर में फिरोजसाह के शासनकाल में प्रतिलिपि की गयी थी ।

८९३ प्रति नं० १० । पत्र सं० १६७ । साइज-१० $\frac{1}{2}$ ×७ $\frac{1}{2}$ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ५४५ ।

८९४ प्रति नं० ११ । पत्र सं० ५१ । साइज-१२×५ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ५४६ ।

८९५ प्रति नं० १२ । पत्र सं० १२१ । साइज-१२×५ इञ्च । लेखनकाल-सं० १५६१ मंगसिर बुदी ३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ५४७ ।

विशेष—इस प्रति को श्री खेमी ने मंडलाचार्य धर्मचन्द्र को भेंट में दी थी ।

८९६ प्रति नं० १३ । पत्र सं० ११२ । साइज-१२×५ इञ्च । लेखनकाल-सं० १६३७ भाद्रवा सुदी ११ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ५४८ ।

८६७ प्रति नं० १४ । पत्र सं० १७६ । साइज-११×४ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल-सं० १६८८ काशुण बुदी ६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० ५४८ ।

८६८ प्रति नं० १५ । पत्र सं० १२६ । साइज-१२×६ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । प्रति प्राचीन है । वेष्टन नं० ५५० ।

८६९ प्रति नं० १६ । पत्र सं० ५५ । साइज-११ $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ५५१ ।

६०० ज्ञानार्णव गद्य टीका-श्रुतसागर । पत्र सं० ६ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-योग । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १६७६ श्रावण शुक्ला त्रयोदशी । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ५५३ ।

६०१ प्रति नं० २ । पत्र सं० ७ । साइज-११×४ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल-सं० १६७८ कार्तिक बुदी ५ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ५५२ ।

विशेष—पं० केशव ने प्रतिलिपि की थी ।

६०२ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ५ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल-सं० १६६० । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० ५५४ ।

६०३ ज्ञानार्णव भाषा-पं० जयचन्द्रजी छाबड़ा । पत्र सं० ४१३ । साइज-११ $\frac{१}{२}$ ×८ इंच । भाषा-संस्कृत हिन्दी । विषय-योग । रचनाकाल-सं० १८६६ । लेखनकाल X । अपूर्ण-प्रारम्भ के ५० पत्र नहीं हैं । शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० ५५५ ।

६०४ प्रति नं० २ । पत्र सं० २८४ । साइज-११ $\frac{१}{२}$ ×८ इंच । लेखनकाल-सं० १६२३ । अपूर्ण-प्रारम्भ के ५ पत्र नहीं हैं । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ५५६ ।

६०५ प्रति नं० ३ । पत्र सं० २५३ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×७ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल-सं० १८७२ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ५५७ ।

विशेष—जयपुर में महात्मा राधाकृष्ण ने प्रतिलिपि की थी ।

६०६ प्रति नं० ४ । पत्र सं० २४८ । साइज-८×६ इंच । लेखनकाल-सं० १८६६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ५५८ ।

विशेष—प्रति स्वयं भाषाकार के हाथ की है ।

६०७ प्रति नं० ६ । पत्र सं० ३१६ । साइज-११×७ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ५५९ ।

६०८ पार्वतजल योगशास्त्र-वेदव्यास । पत्र सं० ८० । साइज-१०×४ $\frac{१}{२}$ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-योग । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १८६८ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १०६८ ।

६०६ प्रति नं० २ । पत्र सं० १८ । साइज-६×६ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-
उत्तम । वेष्टन नं० १४६१ ।

६१० योगनृषि-आचार्य हरिमद्रसूरि : पत्र सं० २७ । साइज-१०×४ $\frac{1}{2}$ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-योग
शास्त्र । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १७२० पौष सुदी ११ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १४६८ ।

६११ योगसार-योगान्द्रदेव । पत्र सं० ६ । साइज-१२×५ इञ्च । भाषा-अपभ्रंश । विषय-योग । रचना-
काल X । लेखनकाल-सं० १८६६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १४५५ ।

६१२ प्रति नं० २ । पत्र सं० १७ । साइज-८ $\frac{1}{2}$ ×५ $\frac{1}{2}$ इञ्च । लेखनकाल-सं० १८३५ । पूर्ण एवं सामान्य
शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १४७१ ।

विशेष—हिन्दी गद्य में गाथाओं का अर्थ दिया हुआ है ।

६१३ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १० । साइज-१० $\frac{1}{2}$ ×४ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १४५८ ।

६१४ प्रति नं० ४ । पत्र सं० १५ । साइज-६×६ इञ्च । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य
शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १४६१ ।

विशेष—हिन्दी अर्थ दिया हुआ है ।

६१५ प्रति नं० ५ । पत्र सं० ८ । साइज-११×४ इञ्च । लेखनकाल-सं० १७१४ । पूर्ण एवं शुद्ध ।
दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १४६४ ।

६१६ योगसार..... । पत्र सं० २० । साइज-११×४ $\frac{1}{2}$ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-योग । रचना-
काल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १४६६ ।

६१७ योगसार-श्री श्रुतकीर्ति । पत्र सं० ६७ । साइज-१२×५ इञ्च । भाषा-अपभ्रंश । विषय-योग ।
रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १५५२ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १४६६ ।

विशेष—लेखक की यह रचना अभी प्रकाश में आयी है ।

६१८ योगीन्द्रसार भाषा-बुधजन । पत्र सं० ८ । साइज-७×५ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-योग ।
रचनाकाल-सं० १८६१ । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १४६३ ।

६१९ प्रति नं० २ । पत्र सं० ७ । साइज-११×५ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य ।
वेष्टन नं० १४६३ ।

६२० प्रति नं० ३ । पत्र सं० ११ । साइज-७×५ $\frac{1}{2}$ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण ।
वेष्टन नं० १४६२ ।

६२१ योगिनीहृदयदीपिका-आनन्दनाथ । पत्र सं० १०४ । साइज-१० $\frac{1}{2}$ ×४ $\frac{1}{2}$ इञ्च । भाषा-संस्कृत ।
विषय-योग शास्त्र । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १६६६ ज्येष्ठ सुदी १४ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य ।
वेष्टन नं० १४७० ।

६२२ समाधितन्त्र-पर्वतधर्माथी । पत्र सं० १६६ । साइज-१०×६ इञ्च । भाषा-गुजगती । विषय-योग । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १८०८ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६११ ।

विशेष—दो तीन प्रतियों का सम्मिश्रण है । प्रारम्भ के ६६ पत्र-फिर जोड़े गये हैं ।

६२३ प्रति नं० २ । पत्र सं० १३३ । साइज-११×४ $\frac{1}{2}$ इञ्च । लेखनकाल-सं० १७३६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६१२ ।

६२४ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १६५ । साइज-१२×६ इञ्च । लेखनकाल-सं० १७१३ फाल्गुन सुदी १ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण-शीर्ष । वेष्टन नं० १६०३ ।

६२५ प्रति नं० ४ । पत्र सं० १४१ । साइज-६×६ इञ्च । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १८७० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६०० ।

६२६ प्रति नं० ५ । पत्र सं० २४३ । साइज-८ $\frac{1}{2}$ ×५ इञ्च । लेखनकाल-सं० १८०५ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६०६ ।

६२७ प्रति नं० ६ । पत्र सं० २०४ । साइज-१०×५ इञ्च । लेखनकाल-सं० १७७२ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६१३ ।

६२८ प्रति नं० ७ । पत्र सं० २०१ । साइज-११×५ $\frac{1}{2}$ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६१४ ।

विशेष—प्रति प्रार्चन है ।

६२९ प्रति नं० ८ । पत्र सं० ३६२ । साइज १०×५ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १६१५ ।

६३० प्रति नं० ९ । पत्र सं० ६० । साइज-१२×६ इञ्च । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १८०८ । अपूर्ण-प्रारम्भ के पत्र नहीं हैं । अशुद्ध । दशा-सामान्य । लिपि-विकृत । वेष्टन नं० १६०६ ।

६३१ प्रति नं० १० । पत्र सं० १४२ । साइज-१२×६ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं अशुद्ध । लिपि-विकृत । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १६०७ ।

६३२ प्रति नं० ११ । पत्र सं० २०२ । साइज-१२×५ $\frac{1}{2}$ इञ्च । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १७२४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६०४ ।

६३३ प्रति नं० १२ । पत्र सं० २३२ । साइज-११×५ इञ्च । लेखनकाल-सं० १७०६ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १६०५ ।

६३४ प्रति नं० १३ । पत्र सं० १७५ । साइज-१२×५ $\frac{1}{2}$ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण-दो प्रतियों का मिश्रण है । सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १६०२ ।

६३५ समाधितन्त्रभाषा..... पत्र सं० ११ । साइज-१२×६ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-योग ।

रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६१७ ।

६३६ समाधितन्त्र भाषा..... । पत्र सं० ४४ । साइज-२X४ इञ्च । रचनाकाल-सं० १७७७ । लेखन-
काल X । अपूर्ण-प्रथम ६ पत्र नहीं हैं । शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६१८ ।

विशेष—इसके पूर्व नेमीचंद भंडारी कृत उपदेश-सिद्धान्तस्नमाल आदि हैं ।

६३७ समाधितन्त्र भाषा..... । पत्र सं० १५१-२०२ । साइज-१० $\frac{1}{2}$ X४ इञ्च । भाषा-हिन्दी मिश्रित
ब्रजभाषा । विषय-योग । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण । सामान्य शुद्ध । वेष्टन नं० १६१९ ।

६३८ समाधिमरणभाषा..... । पत्र सं० २१ । साइज-१० $\frac{1}{2}$ X४ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-योग ।
रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६२० ।

विशेष—श्री मगनलाल लुहाडिया जयपुर लिपिकर्ता हैं ।

६३९ समाधिमरणस्वरूप..... । पत्र सं० १२ । साइज-१०X६ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-योग ।
रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६२१ ।

६४० समाधिमरण स्वरूप..... । पत्र सं० १३ । साइज-१२X६ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-योग ।
रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १६२२ ।

६४१ समाधिमरण स्वरूप..... । पत्र सं० १५ । साइज-१२X७ $\frac{1}{2}$ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-
योग । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १६२३ ।

६४२ समाधिशतक-पूज्यपाद । पत्र सं० ६ । साइज-११X६ $\frac{1}{2}$ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-योग ।
रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६२४ ।

६४३ प्रति नं० २ । पत्र सं० १० । साइज-१२X२ $\frac{1}{2}$ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य ।
वेष्टन नं० १६२५ ।

६४४ प्रति नं० ३ । पत्र सं० २२ । साइज-८X५ $\frac{1}{2}$ इञ्च । लेखनकाल-सं० १७६६ । पूर्ण एवं शुद्ध ।
दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १६२६ ।

विशेष—प्रति हिन्दी अर्थ सहित है । बसवा (जयपुर) में गोरधनदास ने प्रतिलिपि की थी ।

६४५ प्रति नं० ४ । पत्र सं० १० । साइज-११X५ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य ।
वेष्टन नं० १६२७ ।

६४६ प्रति नं० ५ । पत्र सं० ७ । साइज-११X५ इञ्च । लेखनकाल-सं० १६६२ भाषण बुदी १४ । पूर्ण
एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १६२८ ।

विशेष—मुनि प्रभावन्द के पठनार्थ लिखा गया था ।

६४७ प्रति नं० ६ । पत्र सं० ३६ । साइज-११X५ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम ।
वेष्टन नं० १६२९ ।

विशेष—प्रभाचन्द्र हत संस्कृत टीका सहित है ।

६४८ समाधिशातक भाषा—बहुचारी शीतलप्रसादजी । पत्र सं० १६८ । साइज—१२×७ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा—हिन्दी । विषय—योग । रचनाकाल—सं० १६७७ । लेखनकाल—सं० १६८० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—उत्तम । वेष्टन नं० १६३ ।

विषय—पुराण

ग्रन्थ संख्या—११७

६४९ अष्टादशपुराण कथन पत्र सं० २७ । साइज—८×४ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—पुराण । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ४८ ।

विशेष—अठारह पुराणों का संक्षिप्त कथन है ।

६५० आदिपुराण—सहाकवि पुष्पदंत । पत्र सं० १४३ । साइज—१३×५ इंच । भाषा—अपभ्रंश । विषय—पुराण । रचनाकाल × । लेखनकाल—सं० १५३० फाल्गुन सुदी ६ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० ८५ ।

विशेष—संक्षिप्त प्रशस्ति निम्न प्रकार है—

संवत् १५३० फाल्गुन सुदी ६ रविवारे उत्तरा नक्षत्रे मुरत्राण गयासुदीनराज्यप्रवर्त्तमाने टोडागढदुर्गे पाङ्कज चैत्यालये काष्ठासंघे.....अमोक्तकान्तये गोइलगोत्रे मिलिक यशोधर.....शाह ब्राजु इदं शास्त्रं लिखावित । अजिका शक्ति योग्य दत्त ।

६५१ प्रति नं० २ । पत्र सं० २१२ । साइज—११ $\frac{1}{2}$ ×५ इंच । लेखनकाल—सं० १५२६ अषाढ सुदी १३ । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—जीर्ण—शीर्ण । वेष्टन नं० ८६ ।

विशेष—लेखन प्रशस्ति अपूर्ण है । उसका संक्षिप्त भाग इस प्रकार है—

संवत् १५२६ वर्षे अषाढ सुदी १३ गुरी दिने.....भट्टारक श्री सिंहकीर्ति देवान् तस्याम्नाये गोलापूर्वाब्दये श्वर्क-वशसमायुक्त मूलसंधोसमुच्चयः जिनधर्मसदाचारमुद्भूतो उत्तम कुलं

६५२ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १७७ । साइज—१२×५ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल—सं० १६४८ माघ शुक्ला ४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ८७ ।

विशेष—खंडेलवालजाति में उत्पन्न साह धिरपाल के पठनार्थ ग्रन्थ लिखा गया । लेखक—श्वेताम्बर अमरसिंह । सं० १६५१ में धिरपाल ने इस ग्रन्थ को मुनि नेमचंद्र को भेंट किया था ।

६५३ प्रति नं० ४ । पत्र सं० २६५ । साइज—११×५ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल—सं० १६५३ ज्येष्ठ शुक्ला ३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ८८ ।

विशेष—लेखक प्रशस्ति विस्तृत है। संभारपुर में महाराजा मानसिंह के शासनकाल में अग्रवाल जाति में उत्पन्न साह श्री लूणा ने इस ग्रन्थ को लिखवाया था।

६५४ प्रति नं० ५। पत्र सं० ३४४। साइज-११ $\frac{१}{२}$ ×५ इंच। लेखनकाल-सं० १५६७ फागुण सुदी १३। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ८६।

विशेष—प्रति सचित्र है। चित्र सं० ३०० से अधिक हैं। चित्र अच्छे हैं। चित्रों में मुगलकालीन कला न होकर भारतीय कला के दर्शन होते हैं। चित्रों के पास संस्कृत में संक्षिप्त परिचय दिया हुआ है। चौधरी राइमल ने सचित्र प्रतिलिपि करवायी थी। तथा हरिनाथ कायस्थ ने प्रतिलिपि की थी।

६५५ प्रति नं० ६। पत्र सं० २०८। साइज-१०×५ $\frac{१}{२}$ इंच। लेखनकाल-सं० १६०६ माघ बुदी ३ सोमवार। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ६०।

विशेष—बादशाह जहांगीर के शासनकाल में प्रतिलिपि हुई थी।

६५६ प्रति नं० ७। पत्र सं० ३८२। साइज-८ $\frac{१}{२}$ ×४ इंच। लेखनकाल-सं० १८७७ वैशाख बुदी २। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य जीर्ण। वेष्टन नं० ६१।

विशेष—लेखक प्रशस्ति महत्वपूर्ण है। श्री नरेन्द्रकीर्ति ने प्रतिलिपि की थी। संवत् १५६५ में संगही माधो ने पुस्तक छुड़ाकर पं० छीतर को पठनार्थ दी थी।

एक नवीन पत्र पर सं० १६५२ चैत्र बुदी ३ की भी लेखक प्रशस्ति लिखी गई है लेकिन वह अपूर्ण है।

६५७ प्रति नं० ८। पत्र सं० १५१। साइज-११×५ $\frac{१}{२}$ इंच। लेखनकाल X। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ६२।

विशेष—संस्कृत में संकेत दिये हुये हैं।

६५८ आदिपुराण टीका-प्रभाचन्द्र। पत्र सं० ८४। साइज-११×५ $\frac{१}{२}$ इंच। माषा-संस्कृत। रचना-काल X। लेखनकाल-सं० १५६६ माघ सुदी १२। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ६३।

विशेष—ग्रन्थ का एक भाग फटा हुआ है।

६५९ आदिपुराण-जिनसेनाचार्य। पत्र सं० ४६६। साइज-१२×५ इंच। माषा-संस्कृत। विषय-पुराण। रचनाकाल X। लेखनकाल X। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ६४।

विशेष—अन्तिम ४५ पत्र फिर लिखाये गये हैं। अन्तिम ५ अध्याय आ० जिनसेन के शिष्य आ० गुणभद्र के लिखे हुये हैं।

६६० प्रति नं० २। पत्र सं० ५६३। साइज-१३×६ इंच। लेखनकाल-सं० १६६३ चैत्र सुदी ६। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ६४।

विशेष—प्रति सचित्र है। २०० से अधिक चित्र हैं।

महाराजा मानसिंह के शासनकाल में महारक श्री देवेन्द्रकीर्ति तत्प्राता आचार्य खेमचन्द्र के आम्नाय में खण्डेल-

बालान्वय दोसी गोत्रवाले साह श्री लोहट के वंश में—श्री कैसी ने इस पुराण की प्रतिलिपि करवाकर आ० छेमचन्द्र को प्रदान की थी । प्रशस्ति में नाम् संघी का भी उल्लेख आया है । तथा उसके नाम के पूर्व जिनपूजापुरंदरान् संघमारधुरंधरान् यात्रा प्रतिष्ठाकरणकरावणसमर्थान् दानदानेश्वरध्यासावितारान् राजसभाशृंगारहारान् " आदि विशेषण दिये हुये हैं ।

६६१ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ४७५ । साइज—११×५ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल—सं० १७८६ भाद्रपद सुदी १ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ६६ ।

विशेष—चार प्रकार की लिपियां हैं । श्री वासीराम ने सांभर में प्रतिलिपि की थी ।

६६२ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ६७६ । साइज—११×५ इंच । लेखनकाल—सं० १६४२ कार्तिक सुदी १३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ६७ ।

विशेष—आमेर में महाराजा भगवंतदास के राज्य में रेखा अजमेरा की स्त्री राइबदे ने प्रतिलिपि करवायी थी ।

६६३ प्रति नं० ५ । पत्र सं० ३०६ । साइज—१२×५ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण—२=२—३०६ है । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ६८ ।

६६४ प्रति नं० ६ । पत्र सं० ३२७ । साइज—११×५ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १३७७ ।

६६५ प्रति नं० ७ । पत्र सं० २६—२३३ । साइज—१२×५ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १३७८ ।

६६६ आदिपुराण—महाराज सकलकीर्ति । पत्र सं० १८४ । साइज—१३×५ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—पुराण । रचनाकाल X । लेखनकाल—सं० १७०५ वैशाख सुदी २ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ६९ ।

विशेष—सांगानर में गृजरमल पोहोकरण व्यास ने प्रतिलिपि की थी ।

६६७ प्रति नं० ८ । पत्र सं० १५१ । साइज—१२×५ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १०० ।

६६८ प्रति नं० ९ । पत्र सं० १४२ । साइज—१२ $\frac{1}{2}$ ×६ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १०१ ।

६६९ प्रति नं० १० । पत्र सं० २३६ । साइज—१०×५ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण—त्रुटित पत्र हैं । जीर्ण । वेष्टन नं० १०२ ।

६७० आदिपुराण भाषा—पं० दीलतरामजी । पत्र सं० ७३४ । साइज—१० $\frac{1}{2}$ ×६ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा—हिन्दी गद्य । विषय—पुराण । रचनाकाल—सं० १८२४ । लेखनकाल—सं० १८२४ मंगसिर सुदी ४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १०४ ।

विशेष—कामवननगर में सीदूराम छाबड़ा ने प्रतिलिपि करवायी थी तथा मोतीराम सेठी ने प्रतिलिपि की थी । प्रारम्भ के ३२ पृष्ठ दूसरी प्रति में से निकाल कर जोड़े गये हैं ।

६७१ प्रति नं० २ । पत्र सं० ११४ । साइज-१५X८ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण-प्रारम्भ के १०० पत्र नहीं हैं । सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १०३ ।

विशेष—दो प्रतियों का सम्मिश्रण है । ५५म प्रति नं० ४० वां सर्ग अधिक है । -

६७२ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ३८२ । साइज-१० $\frac{1}{2}$ X६ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं अशुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १०४ ।

६७३ प्रति नं० ४ । पत्र सं० २०० । साइज-१२X७ $\frac{1}{2}$ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १०६ ।

६७४ प्रति नं० ५ । पत्र सं० ४२६ । साइज-१४X८ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १०७ ।

६७५ प्रति नं० ६ । पत्र सं० ३६६-४६७ । साइज-१३X९ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १०८ ।

६७६ आदिपुराण भाषा..... । पत्र सं० २३ । साइज-११X६ $\frac{1}{2}$ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-पुराण । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १०९ ।

६७७ प्रति नं० २ । पत्र सं० १६ । साइज-१२X९ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११० ।

६७८ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ३३ से ६३ तक । साइज-११X६ $\frac{1}{2}$ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १११ ।

६७९ आदिपुराण भाषा..... । पत्र सं० ४४-२६६ । साइज-११ $\frac{1}{2}$ X४ $\frac{1}{2}$ इञ्च । रचनाकाल X । लेखन-काल-सं० १७६७ । अपूर्ण-प्रारम्भ के ४३ पत्र नहीं हैं । शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११२ ।

विशेष—२४ सर्ग तक ही है ।

६८० आदिपुराण भाषा (पद्य)-अजयराज । पत्र सं० २२५ । साइज-८X६ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-पुराण । रचनाकाल-सं० १७६७ । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११३ ।

६८१ आदिपुराण की संक्षिप्त कथा..... । पत्र सं० २७ । साइज-११X७ $\frac{1}{2}$ इञ्च । भाषा-हिन्दी-गद्य । विषय-कथा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११४ ।

६८२ उत्तरपुराण-महाकवि पुष्पदन्त । पत्र सं० ४४३ । साइज-१० $\frac{1}{2}$ X५ इञ्च । भाषा-अपभ्रंश । विषय-पुराण । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १६४१ चैत्र बुदी ११ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११७ ।

विशेष—संक्षिप्त प्रशस्ति इस प्रकार है—

संवत् १६४१ वर्षे चैत्र बुदी एकादशी ११ भौमवासरे श्रीमत्काष्ठासंघे माधुरगच्छे पुष्करगणे लोहाचार्यान्वये

महाराज श्री मलयकीर्ति देवा.....महाराज श्री कुमारसेखि तदाम्नाये अमोक्तकान्वये वासिलगोत्रे साह चांदा तद् भार्या साधां जिणदासही साधु श्री तिलोकचंद इदं उत्तरपुराणशास्त्रं लिखापितं कर्मक्षयनिमित्तं ।

६८३ प्रति नं० २ । पत्र सं० ६-६३ । साइज-१०×४ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १५८ ।

६८४ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ४२३ । साइज-१२ $\frac{1}{2}$ ×५ इंच । लेखनकाल-सं० १६१४ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १३७६ ।

विशेष—बाई हठी के पठनार्थ प्रतिलिपि की गयी थी ।

६८५ उत्तरपुराण टिप्पण-आचार्य प्रभावचन्द्र । पत्र सं० ५३ । साइज-११×५ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-पुराण । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १५६ ।

विशेष—नहाकवि पुष्पदंत इसके मूलकर्त्ता हैं ।

६८६ उत्तरपुराण-गुणभद्राचार्य । पत्र सं० १२८ । साइज-११×६ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-पुराण । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६० ।

६८७ प्रति नं० २ । पत्र सं० २०७ । साइज-१२×५ इंच । लेखनकाल-सं० १६१० पाषाण बुदी ८ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १६१ ।

विशेष—केवल निम्न प्रशस्ति ही है—

संवत् १६१० वर्षे पौषमासे कृष्णपक्षे अष्टम्यां तिस्रो शुक्रवासरे देवरोद्रग्रामे शुभस्थाने लिखितं ।

६८८ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ३५४ । साइज-१२×६ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण-पत्र नहीं है । अशुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १६२ ।

६८९ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ३६३ । साइज-१० $\frac{1}{2}$ ×४ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६३ ।

६९० प्रति नं० ५ । पत्र सं० १७१ । साइज-८ $\frac{1}{2}$ ×४ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल-सं० १७४६ कार्तिक बुदी २ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६४ ।

विशेष—श्री लालबद्धनगणि ने प्रतिलिपि की थी ।

६९१ प्रति नं० ६ । पत्र सं० १७२ । साइज-१२×६ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६५ ।

६९२ प्रति नं० ७ । पत्र सं० २२१ । साइज-११ $\frac{1}{2}$ ×५ इंच । लेखनकाल-सं० १५६७ वैशाख सुदी १० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६६ ।

विशेष—७६ सर्ग तक है । प्रति अल्लावलपुर में अल्लावलखा के शासनकाल में धाना ने पुराण की प्रतिलिपि की बाई थी । संक्षिप्त प्रशस्ति निम्न प्रकार है—

संवत् १५६७ वर्षे वैशाख सुदी १० गुरुदिने अल्लावलपुरशुभस्थाने अल्लावलखानरायप्रवत्माने श्री काष्ठासंधे माधुरान्वये पुष्करगणे भट्टारकगुणकीर्तिदेवा.....श्री गुणभद्रदेवाः तदाम्नाये अमोतकान्वये मीतनगोत्रे.....साधु पद्मसिंहनामधेयान् पुत्रेण मध्ये यादुना नामधेयपुत्रेण पुस्तकं लिखायितं तत् श्री मन्त्र सारु तस्य पठनार्थं ।

६६३ प्रति नं० ८ । पत्र सं० २४६ । साइज-१२×६ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६७ ।

६६४ प्रति नं० ६ । पत्र सं० २२३ । साइज-१३×६ इंच । लेखनकाल-सं० १७६२ भाद्रवा सुदी ११ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६८ ।

६६५ प्रति नं० १० । पत्र सं० ३७३ । साइज-१३×५½ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६९ ।

६६६ प्रति नं० ११ । पत्र सं० २२७ । साइज-११½×५½ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १७० ।

विशेष—प्रति शुद्ध की हुई है ।

६६७ उत्तरपुराण टिप्पण..... । पत्र सं० ११५ । साइज-१०½×१ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-पुराण । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १५६६ कार्तिक सुदी २ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १७१ ।

विशेष—आ० गुणभद्र कृत उत्तरपुराण का टिप्पण है । प्रतिलिपि खगडेलवाल वंश में उत्पन्न नेमा ने करवाई थी । संक्षिप्त प्रशस्ति निम्न प्रकार है ।

संवत् १५६६ कार्तिक सुदी २ सोमवारे श्री मूलसंधे नद्याम्नाये श्री कुंदकुंदाचार्यान्वये बलात्कारगणे सरस्वतीगच्छे भट्टारक श्री पद्मनंदिदेवा तत्पट्टे भं० शुभचन्द्रदेवा.....तदाज्ञाप्रतिपालक मुनि विशालकीर्ति श्री खगडेलवालवंशे पापत्यागोत्रे सं० भोजा भार्या मेहू.....एतन्मध्ये सं० नेमाख्येन ज्ञानावरणाध्वष्टविधकर्मक्षयार्थं पंजिकारूपं शास्त्रमिदं दत्तं । लिखितं तिवारी इलू तस्य पुत्र पं० रतनू ।

६६८ उत्तरपुराण-भ० सकलकीर्ति । पत्र सं० २३४ । साइज-१२×५½ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-पुराण । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १७६६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १७२ ।

विशेष—पं० सुखराम ने देहली में प्रतिलिपि की थी ।

६६९ उत्तरपुराण भाषा-पंडित खुशालचन्द । पत्र सं० २६२ । साइज-१३×७½ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-पुराण । रचनाकाल-सं० १७६६ । लेखनकाल-सं० १८६६ । अपूर्ण-प्रारम्भ के ३६ पत्र नहीं हैं । सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १७५ ।

१००० प्रति नं० २ । पत्र सं० १६१ । साइज-१२×७½ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण-स्फुट पत्रों का संग्रह है । अशुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १७४ ।

१००१ प्रति नं० ३ । पत्र सं० २३५ । साइज-१४×६½ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण-अन्तिम पत्र नहीं

है । सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १७३ ।

विशेष—दो प्रतियों का सम्मिश्रण है ।

१००२ नेमिनाथपुराण—ब्रह्म नेमिदत्त । पत्र सं० ४७६ । साइज-१०×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-पुराण । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १७८३ वैशाख सुदी ११ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६१७ ।

विशेष—हिन्दी टक्का टीका सहित है । उदयपुर नगर में ब्रह्मराम के शिष्य ब्रह्म हीरा के पठनार्थ पुराण की लिपि हुई थी । उस समय वहाँ महागज संधानसिंहजी राज्य करते थे । जगदि भागचन्द्र ने प्रतिलिपि की थी ।

१००३ प्रति नं० ८ । पत्र सं० १८१ । साइज-१२×१ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल-सं० १७५३ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६१८ ।

विशेष—दिवसा (दीसा) नगर में प्रतिलिपि की गयी थी ।

१००४ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १६८ । साइज-११ $\frac{१}{२}$ ×५ इञ्च । लेखनकाल-सं० १६४२ आसोज सुदी १० । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६१६ ।

विशेष—कुली (जयपुर) ग्राम में समस्त आक्कों ने प्रतिलिपि करवाकर सबलाचार्य नेमिचन्द्र को भेंट दिया था ।

१००५ प्रति नं० ४ । पत्र सं० १६१ । साइज-११×१ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल-सं० १६४८ भाद्रपदा सुदी ८ । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६२० ।

१००६ प्रति नं० ५ । पत्र सं० १६३ । साइज-११×७ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल-सं० १८०१ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६२१ ।

विशेष—प्रतिलिपि जयपुर में हुई थी ।

१००७ प्रति नं० ६ । पत्र सं० ३६० । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल-सं० १७५१ भाद्रपदा सुदी ६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६२२ ।

विशेष—हिन्दी टक्का टीका सहित है । उदयपुर में प्रतिलिपि की गयी थी । ब्रह्मराम के पठनार्थ टीका की गयी थी ।

१००८ नेमिनाथ पुराण—भागचन्द्र । पत्र सं० १३३ । साइज-१२ $\frac{१}{२}$ ×६ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा-हिन्दी-गद्य । विषय-चरित्र । रचनाकाल-सं० १६०७ । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६२३ ।

विशेष—प्रशस्ति दी हुई है । लेखक ने ६३ दिन में ही ग्रन्थ रचना समाप्त की थी ऐसा उल्लेख है ।

१००९ पद्मपुराण—रविशेखाचार्य । पत्र सं० ८३६ । साइज-१२×६ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-पुराण । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १८२२ वैशाख सुदी १४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० ६७४ ।

विशेष—अजमेर में छुरालचन्द्र ने प्रतिलिपि की थी ।

१०१० पद्मपुराण—भट्टारक श्री सोमसेन । पत्र सं० १७७ । साइज-६ $\frac{१}{२}$ ×६ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-पुराण । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १७१६ आसोज सुदी ५ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६७५ ।

विशेष—पानीपत में प्रतिलिपि हुई थी ।

१०११ प्रति नं० २ । पत्र सं० १६७-२२६ । साइज-१२×५ इंच । लेखनकाल-सं० १७४५ श्रावण सुदी ५ । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६७७ ।

विशेष—नेवरा (जयपुर) में लक्ष्मीसेन ने प्रतिलिपि की थी ।

१०१२ प्रति नं० ३ । पत्र सं० २६६ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×४ इंच । लेखनकाल-सं० १८=१ श्रावण सुदी ६ । पूर्ण । प्रारम्भ के ३१ पत्र नहीं हैं । सामान्य शुद्ध । जीर्ण । वेष्टन नं० ६७५ ।

विशेष—प्रारम्भ के ३२-११७ तक के पत्र किसी दूसरी प्राचीन प्रति के हैं ।

१०१३ पद्मपुराण भाषा—खुशालचंद । पत्र सं० २३५ । साइज-११ $\frac{१}{२}$ ×५ $\frac{१}{२}$ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-पुराण । रचनाकाल-सं० १७=३ । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६७८ ।

१०१४ प्रति नं० २ । पत्र सं० ३२४ । साइज-१२×४ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६७६ ।

१०१५ प्रति नं० ३ । पत्र सं० २२४ । साइज-१२×६ इंच । लेखनकाल-सं० १८=१५ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६८२ ।

विशेष—जिहानाबाद में मायाचन्द्र ने पद्मपुराण की प्रतिलिपि की थी ।

१०१६ पद्मपुराण भाषा-पंडित दौलतरामजी । पत्र सं० ४१५ । साइज-१४×७ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-पुराण । रचनाकाल-सं० १८=२३ । लेखनकाल-सं० १८=३२ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६८० ।

विशेष—जयपुर में श्वेताम्बर जैन श्री जयरामदास गोविन्दराम ने प्रतिलिपि की थी ।

१०१७ प्रति नं० २ । पत्र सं० ५२६ । साइज-१५×६ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल-सं० १८=५६ । अपूर्ण-प्रारम्भ के ५२ पत्र नहीं हैं । सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६८१ ।

१०१८ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ६५२ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×७ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण ५१६-६०२ तक का अन्तिम पत्र नहीं है । शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६८३ ।

१०१९ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ६८ । साइज-१२×७ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण-तीन प्रतियों का सम्मिश्रण है । आगे के पत्र नहीं हैं । सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६८४ ।

१०२० प्रति नं० ५ । पत्र सं० ६६७ । साइज-१२×५ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल-सं० १८=३० । अपूर्ण-प्रारम्भ के ४०१ पत्र नहीं हैं । सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० ६८५ ।

विशेष—जयपुर नगर में नंदराम नवलराम जाबड़ा ने प्रतिलिपि की थी ।

१०२१ प्रति नं० ६ । पत्र सं० ५४५ । साइज-१३ $\frac{१}{२}$ ×५ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६८६ ।

१०२२ प्रति नं० ७ । पत्र सं० २६०-३७० । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×१ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६०६ ।

१०२३ पद्मपुराण-मगवानदास । पत्र सं० १ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-पुराण । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १७५५ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० ६०७ ।

१०२४ पाण्डवपुराण-महारक शुनचन्द्र । पत्र सं० १४८ । साइज-१२×४ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-पुराण । रचनाकाल-सं० १६०८ । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १०६२ ।

१०२५ प्रति नं० २ । पत्र सं० २४६ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल-सं० १६७४ वैशाख सुदी ६ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १०६३ ।

विशेष—जहागिर के शासनकाल में साह पीथा काला ने मुनि श्री मूषण को प्रदान की थी ।

१०२६ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १०५ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×५ इंच । लेखनकाल-सं० १६३० ज्येष्ठ सुदी ३ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १०६५ ।

विशेष—मेलसा नगर में बाई दानां थारि ने प्रतिलिपि करवायी थी ।

१०२७ पाण्डवपुराण-बुलाकीदास । पत्र सं० ३०७ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×५ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-पुराण । रचनाकाल-सं० १०५४ । लेखनकाल-सं० १६०५ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १०६६ ।

१०२८ प्रति नं० २ । पत्र सं० २५० । साइज-१०×५ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण—आरम्भ के १४ तथा २५ से आगे के पत्र नहीं हैं । शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १०६७ ।

१०२९ पासणाहपुराण-पं० रईधू । पत्र सं० ६८ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इंच । भाषा-अपभ्रंश । विषय-पुराण । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १६५५ मंगसिर बुदी ५ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११०० ।
विशेष—लेखक प्रशस्ति अपूर्ण है ।

१०३० भागवत महापुराण..... । पत्र सं० १५० । साइज-१४×५ $\frac{१}{२}$ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-पुराण । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १२८८ ।

विशेष—११ वां स्कंध है ।

१०३१ भविष्योत्तर पुराण..... । पत्र सं० २-१५ । साइज-८×३ $\frac{१}{२}$ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-पुराण । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १३६४ ।

१०३२ महाभारत..... । पत्र सं० ११ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-पुराण । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण—शांति पर्व है । वेष्टन नं० १३८० ।

१०३३ वर्द्धमानपुराण सूचिनिका-पं० बुधजन । पत्र सं० १० । साइज-१०×५ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-पुराण । रचनाकाल-सं० १८६५ । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६१५ ।

१०३४ विमलनाथपुराण भाषा..... । पत्र सं० १३१ । साइज-१४×६ इंच । भाषा-हिन्दी-नव ।

विषय-पुराण । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १६६० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १६३१ ।

१०३५ विमलनाथपुराण-रत्नचन्द्र । पत्र सं० ६१ । साइज-१०X४ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-पुराण । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १६३२ ।

१०३६ बद्धमानपुराण भाषा..... पत्र सं० १६४ । साइज-१२ $\frac{1}{2}$ X५ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-पुराण । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १८८० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६३३ ।

विशेष—महाराज सकलकीर्ति इसके मूलकर्ता हैं ।

१०३७ शांतिपुराण-महाकवि अशग । पत्र सं० ६४ । साइज-१२ $\frac{1}{2}$ X६ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-पुराण । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १७०० ।

विशेष—अन्तिम पत्र फिर से लिखा गया है ।

१०३८ शालिग्रामपरीक्षा..... पत्र सं० १ । साइज-१० $\frac{1}{2}$ X६ इंच । विषय-पुराण । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १७०६ ।

विशेष—वामनपुराण में से लिया गया है ।

१०३९ हरिवंशपुराण-जिनसेनाचार्य । पत्र सं० २२२ । साइज-११X४ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-पुराण । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण-प्रारम्भ के ११० तथा २२२ से आगे पत्र नहीं हैं । शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २२२५ ।

१०४० प्रति नं० २ । पत्र सं० १५८ । साइज-११X४ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २२२५ ।

१०४१ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ३४२ । साइज-११X४ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । प्रति प्राचीन है । वेष्टन नं० २२२६ ।

१०४२ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ४७१ । साइज-११ $\frac{1}{2}$ X५ इंच । लेखनकाल-सं० १७६७ माघ शुक्ला ११ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २२२७ ।

१०४३ प्रति नं० ५ । पत्र सं० १४० । साइज-१२X६ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २२२८ ।

१०४४ प्रति नं० ६ । पत्र सं० २८७ । साइज-१४X७ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० २२२९ ।

१०४५ हरिवंशपुराण-महाकवि धवल । पत्र सं० ४७६ । साइज-१२X५ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा-अपभ्रंश । विषय-पुराण । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १५७६ कार्तिक सुदी ५ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २२३० ।

विशेष—मुनि माघनन्दि के लिये प्रतिलिपि की गयी थी ।

१०४६ हरिवंशपुराण-मुनि यशःकीर्ति । पत्र सं० १७४ । साइज-११X४ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा-अपभ्रंश । विषय-

पुराण । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २२३१ ।
विशेष—अन्तिम पत्र फिर से लिखा हुआ है ।

१०४७ प्रति नं० २ । पत्र सं० १२१ । साइज-११ $\frac{1}{2}$ X ५ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल-सं० १६१८ वैशाख सुदी
११ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २२३२ ।

विशेष—सम्राट् अकबर के शासनकाल में जलाल ने प्रतिलिपि की गयी थी ।

१०४८ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १४३ । साइज-१२ X ५ इंच । लेखनकाल-सं० १६४० वैशाख सुदी अमावस
पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २२३३ ।

विशेष—हिसार नगर में बहलोल साह के शासनकाल में प्रतिलिपि हुई थी । वैशाली गोत्र वाले श्री सर्वचन्द्र ने
प्रतिलिपि करवायी थी ।

१०४९ हरिवंशपुराण-महा जिनदास । पत्र सं० १४४ । साइज-१० X ६ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-
पुराण । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १६४३ पौष सुदी ३ शनिवार । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य
वेष्टन नं० २२३४ ।

१०५० प्रति नं० २ । पत्र सं० २१२ । साइज-१३ X ६ इंच । लेखनकाल-सं० १६१६ वैशाख सुदी ३ ।
पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २२३५ ।

विशेष—रामसेना-वर्ग ब्रह्मचारी श्री हेमराजाख्येन स्वयं लिखित ।

१०५१ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ६७ । साइज-१२ X ५ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २२३६ ।

१०५२ प्रति नं० ४ । पत्र सं० १७६ । साइज-११ X ६ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम ।
वेष्टन नं० २२३७ ।

१०५३ हरिवंशपुराण-महारक भी मूषण । पत्र सं० ३१७ । साइज-१० X ६ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-
पुराण । रचनाकाल-सं० १६७२ चैत्र शुक्ला १३ । लेखनकाल-सं० १७६८ ज्येष्ठ बुदी ४ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २२३८ (क)

विशेष—पंडित खेतसी ने प्रतिलिपि की थी ।

१०५४ हरिवंशपुराण-पं० दौलतरामजी । पत्र सं० ४४८ । साइज-१३ $\frac{1}{2}$ X ६ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-
पुराण । रचनाकाल-सं० १८२६ । लेखनकाल-सं० १८६६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २२३८ ।

१०५५ प्रति नं० २ । पत्र सं० ४७२ । साइज-१० $\frac{1}{2}$ X ७ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल-सं० १८७५ । अपूर्ण-
प्रारम्भ के ३०१ पत्र नहीं हैं । शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २२४० ।

विशेष—सवाईराम गोधा ने जयपुर में प्रतिलिपि की थी ।

१०५६ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ५०२ । साइज-१० $\frac{1}{2}$ X ७ इंच । लेखनकाल-सं० १८७४ । पूर्ण एवं
शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २२४१ ।

विशेष—जीर्णोद्धार हो रखा है। गुमानीराम के पुत्र भूराम ने प्रतिलिपि की थी।

१०५७ प्रति नं० ४। पत्र सं० ६२। साइज—१२×२ इंच। लेखनकाल X। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध।
भाषा—सामान्य। वेष्टन नं० २२४२।

विशेष—गुमानीराम के पुत्र भूराम ने प्रतिलिपि की थी।

१०५८ प्रति नं० ५। पत्र सं० ४६३-५१५ तक। साइज—१२×६ इंच। लेखनकाल—सं० १=७१।
पूर्ण एवं शुद्ध। भाषा—सामान्य। वेष्टन नं० २२४२।

१०५९ हरिवंशपुराण भाषा—खुशालचंद काला। पत्र सं० २३४। साइज—१२×६ इंच। भाषा—हिन्दी।
विषय—पुराण। रचनाकाल—सं० १७=०। लेखनकाल—सं० १=२४। पूर्ण एवं शुद्ध। भाषा—सामान्य। लिपि—सुन्दर।
वेष्टन नं० २२४३।

विशेष—कौली नगर में श्री फकीरदास पापडीवाल ने पुराण की प्रतिलिपि करवायी थी।

१०६० प्रति नं० २। पत्र सं० २५६। साइज—१२×६ इंच। लेखनकाल—सं० १=०६। पूर्ण एवं सामान्य
शुद्ध। भाषा—सामान्य। वेष्टन नं० २२४४।

विशेष—सूरतगढ़ में पुराण की प्रतिलिपि हुई थी।

१०६१ प्रति नं० ३। पत्र सं० २११। साइज—१२×६ इंच। लेखनकाल X। पूर्ण एवं शुद्ध। भाषा—
सामान्य। वेष्टन नं० २२४५।

१०६२ प्रति सं० ४। पत्र सं० १२१। साइज—६ इंच। लेखनकाल—सं० १=२६। पूर्ण एवं सामान्य
शुद्ध। भाषा—सामान्य। वेष्टन नं० २२४६।

१०६३ प्रति नं० ५। पत्र सं० २०१। साइज—११ इंच। लेखनकाल—सं० १=२८। पूर्ण एवं
सामान्य शुद्ध। भाषा—सामान्य। वेष्टन नं० २२४७।

१०६४ हरिवंशपुराण—श्री जैन। पत्र सं० २४२। साइज १०×६ इंच। भाषा—गुजराती—मिश्रित—हिन्दी
विषय—पुराण। रचनाकाल X। लेखनकाल—सं० १=२७ कागुण सुदी ११। पूर्ण एवं शुद्ध। भाषा—सामान्य। वेष्टन
नं० २२४८।

विशेष—पं० हरि ने प्रतिलिपि की थी।

१०६५ हरिवंशपुराण भाषा—.....। पत्र सं० ४६६। साइज—११×७ इंच। भाषा—हिन्दी। विषय—
पुराण। रचनाकाल X। लेखनकाल X। अपूर्ण—३५२-४६६ तक के पत्र नहीं हैं। वेष्टन नं० २२४९।

विषय—चरित्र

ग्रन्थ संख्या —

१०६६ करकण्डुचरित्र—म० शुभचन्द्र । पत्र सं० १६० । साइज—१०×४ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा—संस्कृत ।
विषय—चरित्र । रचनाकाल—सं० १६११ । लेखनकाल—सं० १६२१ माह बुदी २ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन
नं० २२१ ।

विशेष—शिवपुरी में राव श्री शत्रुसाल के शासनकाल में प्रतिलिपि हुई थी । बघेलालान्वय मोडागोत्र वाले श्री
नानू ने इस शास्त्र को लिखवाकर म० देवेन्द्रकीर्ति के शिष्य मुनि पद्मकीर्ति को प्रदान किया ।

१०६६ प्रति नं० २ । पत्र सं० ८६ । साइज—१० $\frac{1}{2}$ ×४ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल—सं० १६६३ । पूर्ण एवं शुद्ध ।
दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २२२ ।

विशेष—ग्रामेर में महाराजा मानसिंहजी के शासनकाल में प्रतिलिपि हुई थी । संघी डालू ने इस शास्त्र को पद्म
विधान उद्यापन के अवसर पर म० श्री देवेन्द्रकीर्ति को भेंट दिया था ।

१०६८ गौतमस्वामीचरित्र—मंडलाचार्य धर्मचन्द्र । पत्र सं० २० । साइज—१२×४ इंच । भाषा—संस्कृत ।
विषय—चरित्र । रचनाकाल X । लेखनकाल—सं० १६०६ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ३४६ ।

१०६९ चैनसुख लुहाडिया का जीवन—मास्टर मोतीलालजी संघी । पत्र सं० ६ । साइज—१२×८ इंच ।
भाषा—हिन्दी । विषय—जीवन चरित्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—उत्तम । वेष्टन नं० ४२४ ।

१०७० जम्बूस्वामि चरित्र—ब्रह्म जिनदास । पत्र सं० ४५ । साइज—१०×५ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—
चरित्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं अशुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० ४६२ ।

१०७१ जिनदत्तचरित्र—गुणमद्राचार्य । पत्र सं० ७८ । साइज—१२×५ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—
चरित्र । रचनाकाल X । लेखनकाल—सं० १७४६ ज्येष्ठ बुदी २ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ४६८ ।

विशेष—नंदावृत्ती नगर में चंद्रप्रम चैत्यालय में पं० भगवान् अग्रवाल ने स्वयं लिखा ।

१०७२ प्रति नं० २ । पत्र सं० २-३५ । साइज—१२×५ इंच । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—जीर्ण ।
वेष्टन नं० ४६६ ।

१०७३ प्रति नं० ३ । पत्र सं० २०-३० । साइज—१० $\frac{1}{2}$ ×५ $\frac{1}{2}$ इंच । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—
जीर्ण । वेष्टन नं० ४७० ।

१०७४ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ४३ । साइज—१०×४ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ४७१ ।

१०७५ प्रति नं० ५ । पत्र सं० ४४ । साइज—६×५ इंच । लेखनकाल—सं० १८१२ चैत्र बुदी ७ ।

पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ४७२ ।

१०७६ प्रति नं० ६ । पत्र सं० ४६ । साइज-११×५ इंच । लेखनकाल-सं० १७०५ भाद्रवा सुदी ११ ।

पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ४७३ ।

विशेष—दिवसान नगर में सुमतिनाथ चैत्यालय में प्रतिलिपि की गयी थी ।

१०७७ जीवंधरचरित्र-महाराज सुमचन्द्र । पत्र सं० १४० । साइज-१० $\frac{1}{2}$ ×४ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा-संस्कृत ।

विषय-चरित्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ४६८ ।

१०७८ जीवंधर चरित्र-नयमलविलास । पत्र सं० १२४ । साइज-१२×६ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-

चरित्र । रचनाकाल-सं० १८३४ । लेखनकाल-सं० १८७० । अपूर्ण-दो प्रतियों का सम्मिश्रण है-५१-१२४, १०१-१६१ हैं । शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ४६६ ।

१०७९ प्रति नं० २ । पत्र सं० १६३ । साइज-११ $\frac{1}{2}$ ×५ $\frac{1}{2}$ इंच । विषय-चरित्र । लेखनकाल-सं० १८६४ ।

पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ५०० ।

१०८० प्रति नं० ३ । पत्र सं० ६६ । साइज-१० $\frac{1}{2}$ ×७ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण-६६ से आगे के पत्र

नहीं हैं । सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ५०१ ।

१०८१ प्रति नं० ४ । पत्र सं० १६४ । साइज-११×५ इंच । लेखनकाल-सं० १८६२ । पूर्ण एवं सामान्य

शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ५०२ (क) ।

विशेष—इसी मन्दिर में पं० रूपचंदजी चांदवाड़ ने ग्रन्थ की प्रतिलिपि की ।

१०८२ जैतरामविलास-जैतराम बापना । पत्र सं० ७६ । साइज-१२×६ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-

चरित्र । रचनाकाल-सं० १६१६ । लेखनकाल-सं० १६७६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० ५०३ (क) ।

विशेष—मूलचंदजी डागा श्रीकानेर के आग्रह से ग्रन्थ रचना की गयी थी ।

१०८३ शोमिणाह चरित्र-महाकवि दामोदर । पत्र सं० ३-४४ । साइज-१० $\frac{1}{2}$ ×४ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा-अपभ्रंश ।

विषय-चरित्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० ५७७ ।

विशेष—३२-४३ पत्र भी नहीं हैं ।

१०८४ त्रिषष्टिस्मृतिशास्त्र-महार्पणित आशाधर । पत्र सं० २३ । साइज-१० $\frac{1}{2}$ ×४ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा-

संस्कृत । विषय-चरित्र । रचनाकाल-सं० १२६१ । लेखनकाल-सं० १६५७ चैत्र सुदी ८ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६८४ ।

विशेष—संक्षिप्त प्रशस्ति निम्न प्रकार है—

“खण्डेलवालांक्ये कुवारतिया गोत्रे श्रीपथ वास्तव्ये सा० कवरू हेम् गजा एतै शास्त्रमिदं लेखयित्वा मुनि
महाराज प्रदत्त ।”

१०८५ त्रिषष्टिशलाकापुरुषचरित्र-श्री० हेमचन्द्र । पत्र सं० २१-२०५ । साइज-११×३ $\frac{1}{2}$ इंच ।

भाषा—संस्कृत । विषय—चरित्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १०० ।
विशेष—कुटकर पत्र है ।

१०८६ धन्यकुमारचरित्र—आ० गुणभद्र ! पत्र सं० ४३ । साइज—११X५ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—चरित्र । रचनाकाल X । लेखनकाल—सं० १६५३ कार्तिक सुदी १३ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १०० ।
विशेष—खंडेलवाला नवग गंगवाल गोत्र वाले बड़ तेजा की स्त्री साध्वी तेजपाल ने मंडलाचार्य नेमिचन्द्र को प्रस्तुत किया था ।

१०८७ प्रति सं० २ । पत्र सं० ३७ । साइज—११X५ इञ्च । लेखनकाल—सं० १६६४ फागुण सुदी १० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ३०० ।

विशेष—मंडलाचार्य यशःकीर्ति के आन्नाय में ना० रूपसी भार्या साध्वी स्वरूपदे ने लिखवाया था ।

१०८८ प्रति सं० ३ । पत्र सं० २० । साइज—१०X४ इञ्च । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ३०० ।

१०८९ धन्यकुमारचरित्र—भट्टारक यशःकीर्ति । पत्र सं० १११ । साइज—११X५ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—चरित्र । रचनाकाल X । लेखनकाल—सं० १६८० । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ३०१ ।
विशेष—प्रतिलिपिकर्ता श्री कर्मसी है ।

१०९० धन्यकुमारचरित्र—सः सकलकीर्ति । पत्र सं० ४६ । साइज—१०X४ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—चरित्र । रचनाकाल X । लेखनकाल—सं० १६३१ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ३०४ ।
विशेष—प्रतिलिपि फागुई नगर में हुई थी ।

१०९१ प्रति सं० २ । पत्र सं० ४५ । साइज—१०X५ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ३०५ ।

१०९२ धन्यकुमारचरित्र—वज्र नेमिदत्त । पत्र सं० २० । साइज—१० $\frac{१}{२}$ X४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—चरित्र । रचनाकाल । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ३०७ ।

१०९३ प्रति सं० २ । पत्र सं० २० । साइज—१० $\frac{१}{२}$ X४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ३०६ ।

१०९४ प्रति सं० ३ । पत्र सं० २३ । साइज—११ $\frac{१}{२}$ X४ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ३०८ ।

१०९५ प्रति सं० ४ । पत्र सं० २० । साइज—११X४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ३०९ ।

१०९६ धन्यकुमारचरित्र—खुशालचंद । पत्र सं० ७६ । साइज—८X५ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा—हिन्दी । विषय—चरित्र । रचनाकाल X । लेखनकाल—सं० १८६२ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ७६० ।

विशेष—दयाचंद चांदवाड जयपुर ने बडे मन्दिर में प्रतिलिपि की थी । ग्रंथ के मूलकर्ता वरुण नेभिदत्त हैं ।

१०६७ प्रति नं० २ । पत्र सं० ६६ । साइज— $2\frac{1}{2} \times 3\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल—नं० १६०१ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ७६१ ।

विशेष—लेखनस्थान—जयपुर है ।

१०६८ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ८१ । साइज— 10×12 इंच । लेखनकाल—नं० १८४० । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ७६२ ।

विशेष—सवाई जयपुर में ग्रन्थ की प्रतिलिपि हुई थी ।

१०६९ धन्यकुमारचरित्र भाषा..... । पत्र सं० ४७ । साइज— 11×12 इंच । भाषा—हिन्दी । विषय—चरित्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण—अन्तिम पत्र नहीं है । शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ७६३ ।

११०० प्रति नं० २ । पत्र सं० ४० । साइज— 11×12 इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण—अन्तिम पत्र नहीं है । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ७६३ ।

११०१ नागकुमारचरित्र..... । पत्र सं० ३३ । साइज— $10\frac{1}{2} \times 4\frac{1}{2}$ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—चरित्र । रचनाकाल X । लेखनकाल—सं० १६६७ ज्येष्ठ वृद्धी ५ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ८६३ ।

विशेष—चंपावती में पं० डालू ने ग्रन्थ की प्रतिलिपि की थी ।

११०२ प्रति नं० २ । पत्र सं० २३ । साइज— $10\frac{1}{2} \times 4\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण—अन्तिम पत्र नहीं सामान्य शुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० ८७० ।

११०३ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ३५ । साइज— $3\frac{1}{2} \times 4\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ८७१ ।

११०४ प्रति नं० ४ । पत्र सं० २६ । साइज— $10 \times 4\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल—सं० १६६७ पौष सुदी ३ रविवार । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ८७२ ।

विशेष—आचार्य श्री अनन्तकीर्तिसूरि के शिष्य पंडित वस्तुपाल ने प्रतिलिपि की थी ।

११०५ नागकुमार चरित्र—पं० भर्मधर । पत्र सं० ६४ । साइज— $10\frac{1}{2} \times 4\frac{1}{2}$ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—चरित्र । रचनाकाल X । लेखनकाल—सं० १५६८ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ८७३ ।

विशेष—प्रशस्ति निम्न प्रकार है—

संवत् १५६८ वर्षे चैत्र मासे कृष्ण पक्षे षष्ठी दिवसे बुधवारै रात्रि श्री मालदे राज्यप्रवर्तमाने कवर श्री. मदेशप्रतापे नराणा नाम नगरे चन्द्रप्रभजिन चैत्यालये श्री मं० भर्मचन्द्राम्नाये खण्डेलवालान्वये..... ।

११०६ प्रति नं० २ । पत्र सं० ६१ । साइज— 11×12 इंच । लेखनकाल—सं० १५६६ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० ८७४ ।

विशेष—श्री कमलकीर्ति ने रामसर स्थान पर प्रतिलिपि करवायी थी ।

११०७ नागकुमार चरित्र भाषा—नयमल विलास । पत्र सं० ६२ । साइज—११×४ $\frac{1}{2}$ इंच । विषय—चरित्र । रचनाकाल—सं० १८१० । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० = ७५ ।

११०८ प्रति नं० २ । पत्र सं० ६२ । साइज—१२ $\frac{1}{2}$ ×४ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—उत्तम । वेष्टन नं० = ७६ ।

११०९ नागकुमार चरित्र भाषा..... । पत्र सं० २८ । साइज—१२ $\frac{1}{2}$ ×४ इंच । भाषा—हिन्दी गद्य । विषय—चरित्र । रचनाकाल X । लेखनकाल—सं० १८६४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—उत्तम । वेष्टन नं० = ७७ ।

१११० नेमिनाथरास—आचार्य जिनसेन । पत्र सं० ११ । साइज—१० $\frac{3}{4}$ ×४ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा—गुजराती मिश्रित हिन्दी । विषय—चरित्र । रचनाकाल—सं० १८१८ । लेखनकाल—सं० १६१३ पोष सुदी पूर्णिमा । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ६२४ ।

११११ पार्श्वनाथ चरित्र—पं० श्री पद्मसुन्दर । पत्र सं० ४० । साइज—१० $\frac{3}{4}$ ×४ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—चरित्र । रचनाकाल X । लेखनकाल—सं० १६१५ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १०७३ ।

विशेष—बादशाह अकबर के शासनकाल में मंडलाचार्य कुमारसेनदेव के आग्रहाय में अग्रवाल वंशीसूत्र गीयलगीध स्वदेशपरदेशविख्यात मातुचौधरी के ने प्रतिलिपि करवाई ।

१११२ पार्श्वनाथचरित्र—म० सकलकीर्ति । पत्र सं० १२४ । साइज—११×५ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—चरित्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण—प्रारम्भ के ८६ पत्र नहीं हैं । शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १००१ ।

१११३ प्रति नं० २ । पत्र सं० ७० । साइज—१२×५ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण—एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १००१ ।

१११४ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ४१-७७ । साइज—१३×५ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण । सामान्य शुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० १००६ ।

१११५ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ११७ । साइज—१०×४ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० १०७७ ।

१११६ प्रति नं० ५ । पत्र सं० ८८ । साइज—११×५ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—उत्तम । वेष्टन नं० १०७८ ।

१११७ पार्श्वनाथ चरित्र—पं० असवाल । पत्र सं० १०६ । साइज—१२×६ इंच । भाषा—अपभ्रंश । विषय—चरित्र । रचनाकाल X । लेखनकाल—सं० १८६६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—उत्तम । वेष्टन नं० १०७९ ।

१११८ प्रद्युम्नचरित्र—महाकवि सिंह । पत्र सं० १४४ । साइज—१०×४ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा—अपभ्रंश । विषय—चरित्र । रचनाकाल X । लेखनकाल—सं० १६४६ आश्विन बुदी ६ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ११०० ।

विशेष—मोजमाबाद में आदीश्वर चैत्यालय में जोशी ऊदा ने प्रतिलिपि की थी ।

१११९ प्रति नं० २ । पत्र सं० १४० । साइज—१२×५ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल—सं० १६०४ आषाढ बुदी १३ ।

पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११४६ ।

विशेष—लेखक प्रशस्ति विस्तृत है । संक्षिप्त निम्न प्रकार है—

रतिवासा वास्तव्य दौलतखानराज्य में खण्डेलवालाग्वय आवड़ा मोत्र वाले संधही रणमल के प्रथमपुत्र साहू ब्राह्मण तथा उसकी भार्या तिहुणधी ने इस शास्त्र को मुनि श्री जयकीर्ति को प्रदान किया था ।

११२० प्रति नं० ३ । पत्र सं० ३४-१०१ । साइज-११×५ इंच । लेखनकाल-सं० १६४६ पौष सुदी २२ । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११५० ।

११२१ प्रद्युम्नचरित्र-आचार्य सौमकीर्ति । पत्र सं० १७२ । साइज-११×५ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-चरित्र । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १७४६ माघ सुदी पूर्णिमा । अपूर्ण-प्रारम्भ के ५० पत्र नहीं हैं । सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११५१ ।

विशेष—बगरू (जयपुर) में सबलसिंह के शासनकाल में प्रतिलिपि हुई थी ।

११२२ प्रति नं० २ । पत्र सं० १७४-२६६ । साइज-१२×४½ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११५२ ।

११२३ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १०६-१३३ । साइज-१२×६ इंच । भाषा-संस्कृत । लेखनकाल-सं० १८८८ । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११५३ ।

विशेष—जयपुर में केसरीसिंह कासलीवाल ने प्रतिलिपि करवायी थी ।

११२४ प्रति नं० ४ । पत्र सं० १४० । साइज-१२×५½ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११५४ ।

११२५ प्रद्युम्नचरित्र..... । पत्र सं० १७३ । साइज-१२×४½ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-चरित्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११५५ ।

११२६ प्रद्युम्नचरित्र-भट्टारक सकलकीर्ति । पत्र सं० ३८६ । साइज-११½×५½ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-चरित्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण १३०० से पूर्व तथा आगे के पत्र नहीं हैं । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११५६ ।

११२७ प्रद्युम्नचरित्र भाषा-ज्वालाप्रसाद बख्तावरसिंह । पत्र सं० २४४ । साइज-१२½×८ इंच । भाषा-हिन्दी गद्य । विषय-चरित्र । रचनाकाल-सं० १६१४ । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११५७ ।

विशेष—विस्तृत प्रशस्ति दी हुई है ।

११२८ प्रद्युम्नचरित्र भाषा..... । पत्र सं० १७४ । साइज-११×८ इंच । भाषा-हिन्दी गद्य । विषय-चरित्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण-केवल १०१ से १७४ तक के पत्र हैं । शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११५८ ।

११२६ प्रद्युम्नप्रबन्ध—देवेन्द्रकीर्ति । पत्र सं० ५४ । साइज—६×४ $\frac{1}{2}$ इञ्च । भाषा—हिन्दी । विषय—चरित्र । रचनाकाल—सं० १७२२ । लेखनकाल—सं० १८४० । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ११५६ ।

विशेष—“महेश्वर नाहि रचना रची चंद्रनाथ गृहद्वार रे ।” गिरिपुर में नंदलाल ने प्रतिलिपि की थी ।

११३० प्रीतिकरचरित्र—ब्रह्मनेमिदत्त । पत्र सं० १७ । साइज—१०×५ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—चरित्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० १२३६ ।

११३१ प्रति नं० २ । पत्र सं० ७२ । साइज—६×४ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं जीर्ण । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १२३७ ।

११३२ भद्रबाहुचरित्र—आचार्य रत्ननंदि । पत्र सं० २३ । साइज—१० $\frac{1}{2}$ ×४ $\frac{1}{2}$ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—चरित्र । रचनाकाल X । लेखनकाल—सं० १६२७ ज्येष्ठ सुदी १४ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १३०१ ।

विशेष—सांगानेर में राजा भार्गव के शासनकाल में प्रतिलिपि हुई थी ।

११३३ प्रति नं० २ । पत्र सं० २३ । साइज—११×४ $\frac{1}{2}$ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १३०७ ।

११३४ प्रति नं० ३ । पत्र सं० २६ । साइज—१० $\frac{1}{2}$ ×५ इञ्च । लेखनकाल—सं० १६२६ वैशाख सुदी १ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १३०८ ।

११३५ प्रति नं० ४ । पत्र सं० २१ । साइज—१० $\frac{3}{4}$ ×४ $\frac{1}{2}$ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १३०९ ।

११३६ प्रति नं० ५ । पत्र सं० ६७ । साइज—११×४ $\frac{1}{2}$ इञ्च । लेखनकाल—सं० १६३४ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १३११ ।

११३७ प्रति नं० ६ । पत्र सं० ३३ । साइज—१२×८ $\frac{1}{2}$ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—उत्तम । वेष्टन नं० १३१३ ।

विशेष—रूपचंद्र विलाला कृत हिन्दी टीका सहित है ।

११३८ प्रति नं० ७ । पत्र सं० २५ । साइज—११ $\frac{1}{2}$ ×५ इञ्च । लेखनकाल—सं० १६४५ पौष सुदी ८ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १३१४ ।

विशेष—साह सहसा भार्या साहिबदे ने इस शास्त्र की प्रतिलिपि करवाकर श्री विनयसागर को प्रदान किया था ।

११३९ भद्रबाहु चरित्र..... । पत्र सं० ३५ । साइज—११×५ इञ्च । भाषा—हिन्दी । विषय—चरित्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १३१२ ।

११४० भद्रबाहु चरित्र..... । पत्र सं० ५६ । साइज—१२×५ $\frac{1}{2}$ इञ्च । भाषा—हिन्दी गद्य । विषय—चरित्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १३१० ।

विशेष—लेखक का नंदिमित्र की कथा वर्णन का प्रमुख लक्ष्य है ।

विधि।

११४१ भविष्यदत्त चरित्र-धनपाल । पत्र सं० ११६ । साइज-११×६ इञ्च । भाषा-अपभ्रंश । विषय-चरित्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १३२४ ।

विधि-

११४२ प्रति नं० २ । पत्र सं० १२० । साइज-११ $\frac{1}{2}$ ×६ इञ्च । लेखनकाल-सं० १६६४ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १३२५ ।

शा-

११४३ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ६१-११५ । साइज-१२×४ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १३२६ ।

य-

११४४ प्रति नं० ४ । पत्र सं० १६२ । साइज-११×४ इञ्च । लेखनकाल-सं० १४६४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १३२७ ।

१३०।

विशेष—गोपाचल नगर में श्री गैंगरैद के शासनकाल में ब्राह्मण जाति में उत्पन्न श्रावक ने प्रतिलिपि करवाई थी ।

विधि-

११४५ भविष्यदत्तचरित्र-पं० श्रीधर । पत्र सं० १,६०-००० । साइज-१० $\frac{1}{2}$ ×४ $\frac{1}{2}$ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-चरित्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण । सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १३२६ ।

विधि-

११४६ प्रति नं० २ । पत्र सं० ५-५० । साइज-१०×४ $\frac{1}{2}$ इञ्च । लेखनकाल-सं० १६४१ । अपूर्ण । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १३३० ।

विधि-

११४७ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ०० । साइज-१०×४ इञ्च । लेखनकाल-सं० १७२६ माघ शुक्ला पूर्णिमा । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १३२० ।

विधि-

११४८ महीपालचरित्र-चारित्र्य भूषण मुनि । पत्र सं० ३५ । साइज-१० $\frac{1}{2}$ ×४ $\frac{1}{2}$ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-चरित्र । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १६१२ माह सुदी १ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १३०२ ।

विधि-

११४९ महीपाल चरित्र भाषा..... । पत्र सं० ३५ । साइज-११ $\frac{1}{2}$ ×४ $\frac{1}{2}$ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-चरित्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १३०३ ।

विधि-

११५० महीपालचरित्र-नथमल । पत्र सं० ६१ । साइज-११ $\frac{1}{2}$ ×४ $\frac{1}{2}$ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-चरित्र । रचनाकाल-सं० १६१० । लेखनकाल-सं० १६२० । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १३०४ ।

विधि-

११५१ प्रति नं० २ । पत्र सं० ५० । साइज-११×० इञ्च । लेखनकाल-सं० १६३५ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १३०५ ।

विधि-

११५२ मेघेश्वरचरित्र-पं० रघू । पत्र सं० १३० । साइज-११ $\frac{1}{2}$ ×४ $\frac{1}{2}$ इञ्च । भाषा-अपभ्रंश । विषय-चरित्र । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १६१० चैत्र सुदी २ वृहस्पतिवार । अपूर्ण-प्रथम दो पत्र नहीं हैं । सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १४२० ।

विधि-

विशेष—अलवर नगर में बादशाह सलीम (जहाँगीर) के शासनकाल में प्रतिलिपि की गयी थी ।

विधि-

११५३ यशोधर चरित्र-भ० सकलकीर्ति । पत्र सं० ४५ । साइज-११×४ $\frac{1}{2}$ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-चरित्र । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १६६० । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १४४० ।

विशेष—मोजमाबाद में महाराजा मानसिंह के शासनकाल में श्री किसना पाटनी ने ग्रन्थ की प्रतिलिपि कम्पाई की।

११५४ प्रति नं० २। पत्र सं० ३८। साइज—१२ $\frac{३}{४}$ ×४ $\frac{३}{४}$ इंच। लेखनकाल—सं० १७२६ भाद्रपद बुदी २। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० १४४१।

११५५ प्रति नं० ३। पत्र सं० ५—३४। साइज—११ $\frac{३}{४}$ ×५ इंच। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० १४४२।

११५६ यशोधर चरित्र—सोमकीर्ति। पत्र सं० ३५। साइज—१० $\frac{३}{४}$ ×५ इंच। भाषा—संस्कृत। विषय—चरित्र। रचनाकाल—सं० १६३६। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० १४४३।

११५७ प्रति नं० ४। पत्र सं० ५५। साइज—१५×७ इंच। लेखनकाल—सं० १७७८ चैत्र बुदी १। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—उत्तम। वेष्टन नं० १४४४।

विशेष—प्रति सटीक है। टीका हिन्दी गद्य में है। प्रति के अन्त में निम्न शब्द लिखे हुये हैं—

पत्र का रुपया ३॥ दीया सूरत मध्ये पत्र ५५ का दिया। लिखावणी का रुपया ५॥ दिया। लिखायो श्री उदयपुर मध्ये भट्ट रुनजी हरजी मल्लेन लिखापित इदं पुस्तकं।

११५८ यशोधरचरित्र—भ० सकलकीर्ति। पत्र सं० ४८। साइज—११×५ इंच। भाषा—संस्कृत। विषय—चरित्र। रचनाकाल—सं० १६५२ माघ शुक्ला ६। लेखनकाल—सं० १६६१ मंगसिर सुदी ६। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० १४४५।

विशेष—मोजमाबाद वास्तव्य सं० वैसे ने लिखावा।

११५९ यशोधरचरित्र..... पत्र सं० १३। साइज—१० $\frac{३}{४}$ ×५ $\frac{३}{४}$ इंच। भाषा—संस्कृत। विषय—चरित्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल—सं० १८०१ द्वि० अषाढ बुदी ६। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० १४४६।

विशेष—संक्षिप्त रूप से कथा है।

११६० प्रति नं० २। पत्र सं० १३। साइज—११×४ $\frac{३}{४}$ इंच। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० १४४७।

११६१ यशोधरचरित्र..... पत्र सं० ६२। साइज—११ $\frac{३}{४}$ ×४ $\frac{३}{४}$ इंच। भाषा—संस्कृत। विषय—चरित्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० १४४८।

११६२ यशोधरचरित्र—श्री श्रुतसागर। पत्र सं० ५६। साइज—११ $\frac{३}{४}$ ×५ इंच। भाषा—संस्कृत। विषय—चरित्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० १४४९।

११६३ यशोधरचरित्र..... पत्र सं० २१। साइज—११×४ इंच। भाषा—संस्कृत। विषय—चरित्र। लेखनकाल—सं० १७१५ कार्तिक बुदी ३। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० १४५०।

११६४ यशोधरचरित्र—वादिराज सूरि। पत्र सं० २२। साइज—१० $\frac{३}{४}$ ×५ इंच। भाषा—संस्कृत। विषय—चरित्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—और्ध्व। वेष्टन नं० १४५१।

११६५ यशोधर चरित्र-कायस्थ श्री पद्मनाभ । पत्र सं० ८२ । साइज-१०×५ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-चरित्र । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १००६ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण शीर्ण । वेष्टन नं० १४५२ ।

विशेष—लेखक प्रशस्ति का संक्षिप्त भाग निम्न प्रकार है—

संवत् १७०६ वर्षे वैशाख सुदी षष्ठी दिवसे सोमवासरे वियोगे श्री द्रव्यपुरमध्ये राजा श्री अर्जुनगौड राज्ये श्री मूलसंघे नंदाम्नाये बलस्कार गणे सरस्वती गच्छे श्री कुन्दकुन्दाचार्यान्वये भट्टारक श्री चन्द्रकीर्ति देवास्तत्पट्टे श्री देवेन्द्रकीर्तिदेवा स्तत्पट्टे भट्टारक.....ब्रह्मजीतर तेनेदे स्वहस्तेन लिखितं ।

११६६ यशोधर चरित्र-पंडित लक्ष्मीदास । पत्र सं० ४८ । साइज-११×८ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-चरित्र । रचनाकाल-सं० १७०१ । लेखनकाल-सं० १८०२ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १४५३ ।

११६७ प्रति नं० २ । पत्र सं० ५२ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×७ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १४५४ ।

११६८ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ७४ । साइज-१२×५ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल-सं० १८८८ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १४५५ ।

११६९ यशोधर चरित्र भाषा..... । पत्र सं० ४४ । साइज-१२×५ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-चरित्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन सं० १४५६ ।

११७० बद्धमानकथा-नरसेन । पत्र सं० १७ । साइज-१०×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा-अपभ्रंश । विषय-चरित्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६७७ ।

११७१ बद्धमानचरित्र-भट्टारक सकलकीर्ति । पत्र सं० ५१ । साइज-११ $\frac{१}{२}$ ×५ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-चरित्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६०६ ।

११७२ प्रति नं० २ । पत्र सं० ५१-६७ । साइज-१२ $\frac{१}{२}$ ×५ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १६७६ ।

११७३ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १७६ । साइज-११ $\frac{१}{२}$ ×५ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण ३-६८, ६७, ११० १७६ तक पत्र हैं । सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६११ ।

११७४ प्रति नं० ४ । पत्र सं० १०७ । साइज-११×५ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६१२ ।

११७५ प्रति नं० ५ । पत्र सं० २-६१ । साइज-१२×५ इञ्च । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६१३ ।

११७६ प्रति नं० ६ । पत्र सं० १८५ । साइज-११×५ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं अशुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १६१४ ।

विशेष—ब्रह्म रायभस्त्र ने प्रतिलिपि की थी ।

११७७ प्रति नं० ७ पत्र सं० १६४ । साइज-१० $\frac{३}{४}$ ×५ इंच । लेखनकाल-सं० १८८४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६१० ।

विशेष—हिन्दी गद्य टीका सहित है ।

११७८ विक्रमचरित्ररास-श्री विमलेन्द्र । पत्र सं० ३४ साइज-१० $\frac{३}{४}$ ×४ $\frac{३}{४}$ इंच । भाषा-पुरानी हिन्दी । विषय-चरित्र । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १६६६ चैत्र सुदी १३ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १६१६ ।

११७९ विक्रमप्रबन्ध-समचन्द्र सूर । पत्र सं० ४६ । साइज-१०×४ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-वर्णन । रचनाकाल-सं० १४६० । लेखनकाल-सं० १६६४ ज्येष्ठ सुदी २ । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६२० ।

विशेष—१, २, ३, ४ के पत्र नहीं हैं ।

११८० शान्तिनाथचरित्र-भ० सकलकीर्ति । पत्र सं० २०७ । साइज-११ $\frac{३}{४}$ ×५ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-चरित्र । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १६२३ भाद्रपद सुदी १ रविवार । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६६४ ।

११८१ प्रति नं० २ । पत्र सं० १, १३३-३१ । साइज १० $\frac{३}{४}$ ×५ इंच । लेखनकाल-सं० १७६० चैत्र सुदी ३ । अपूर्ण । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६६६ ।

विशेष—पं० बिहारीदास ने, दयाराम लब्धनगस ने लिखवाया । कोटा में जोशी फलू ने प्रतिलिपि की थी ।

११८२ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १७-२१, १०७-१६२ । साइज-१०×६ इंच । लेखनकाल-सं० १८११ कार्तिक सुदी ६ । अपूर्ण-दुर्लभ पत्र । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६६६ ।

११८३ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ३२२ । साइज-१०×६ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६६७ ।

विशेष—हिन्दी टीका भी दी हुई है ।

११८४ शालिभद्र चरित्र-जिनसिंहसूर । पत्र सं० १६ । साइज-८ $\frac{३}{४}$ ×३ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-चरित्र । रचनाकाल-सं० १६७८ । लेखनकाल-सं० १७३८ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १७०५ ।

विशेष—लाङ्गू नगर में प्रतिलिपि की गयी थी ।

११८५ श्रीपाल चरित्र-पंडित रघु । पत्र सं० १०८ । साइज-११×५ इंच । भाषा-अपभ्रंश । विषय-काव्य । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १६०५ कार्तिक सुदी ६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १७३७ ।

विशेष—बादशाह जहांगीर के शासनकाल में हिसार पेरौजा कोट में सिंघल गोत्र वाले साधु कौसल जी ने लिखवाया था ।

११८६ प्रति नं० २ । पत्र सं० ७१ । साइज-१०×५ इंच । लेखनकाल-सं० १७२२ चैत्र सुदी ८ । पूर्ण शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १७३८ ।

११८७ श्रीपालचरित्र—सकलकीर्ति । पत्र सं० ५२ । साइज—११×४ $\frac{१}{२}$ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—चरित्र ।

रचनाकाल × । लेखनकाल—सं० १६७५ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १७३६ ।

११८८ प्रति नं० २ । पत्र सं० ४७ । साइज—१२×१ इंच । लेखनकाल—सं० १६४८ आसोज सुदी १३ ।

पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १७४० ।

११८९ श्रीपाल चरित्र—ब्रह्मनेमिदत्त । पत्र सं० ५३ । साइज—१० $\frac{१}{२}$ ×५ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—चरित्र ।

रचनाकाल—सं० १५८५ अषाढ शुक्ला ५ । लेखनकाल—सं० १६६८ कार्तिक सुदी ५ । पूर्ण एवं अशुद्ध । दशा—सामान्य ।

वेष्टन नं० १७४१ ।

११९० प्रति नं० २ । पत्र सं० ६२ । साइज—१२×१ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—

वेष्टन नं० १७४२ ।

११९१ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ७२ । साइज—१०×४ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल—सं० १६४० आश्विन सुदी ३ ।

पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १७४३ ।

विशेष—सांख्यशा ग्राम में प्रतिलिपि हुई थी । प्रशस्ति अपूर्ण है ।

११९२ श्रीपाल चरित्र—पंडित श्री नरदेव । पत्र सं० ३६ । साइज—११×४ $\frac{१}{२}$ इंच । भाषा—अपभ्रंश ।

विषय—चरित्र । रचनाकाल × । लेखनकाल—सं० १६२४ फाल्गुण सुदी ४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १७३६ ।

११९३ श्रीपालचरित्र—परिमल्ल । पत्र सं० ७० । साइज—१० $\frac{१}{२}$ ×६ इंच । भाषा—हिन्दी । विषय—चरित्र ।

रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण । अन्तिम पत्र नहीं है । शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १७४४ ।

११९४ प्रति नं० २ । पत्र सं० १४३ । साइज—१० $\frac{१}{२}$ ×७ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल—सं० १८८१ । पूर्ण एवं शुद्ध ।

दशा—उत्तम । वेष्टन नं० १७४५ ।

११९५ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ११४ । साइज—१०×७ इंच । लेखनकाल—सं० १८८२ । पूर्ण एवं शुद्ध ।

दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १७४६ ।

११९६ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ६६ । साइज—१३×६ इंच । लेखनकाल—सं० १८६१ । पूर्ण एवं शुद्ध ।

दशा—उत्तम । वेष्टन नं० १७४७ ।

विशेष—बुन्नीलाल सौगायी ने जयपुर में प्रतिलिपि की ।

११९७ प्रति नं० ५ । पत्र सं० १५८ । साइज—६×६ इंच । लेखनकाल—सं० १७७६ जेष्ठ सुदी ११ ।

पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—जीर्ण शीर्ण । वेष्टन नं० १७४८ ।

विशेष—गुटके रूप में है ।

११९८ श्रीपालचरित्र..... । पत्र सं० २०२ । साइज—१० $\frac{१}{२}$ ×७ $\frac{१}{२}$ इंच । भाषा—हिन्दी । विषय—चरित्र ।

रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण—आगे के पत्र नहीं हैं । सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १७४९ ।

११९९ श्रीपालचरित्र..... । पत्र सं० २१६ । साइज—१० $\frac{१}{२}$ ×५ इंच । भाषा—हिन्दी गद्य । विषय—

चरित्र । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १=१३ । अपूर्ण-प्रारम्भ के ६० पत्र नहीं हैं । शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन सं० १७६० ।

१२०० श्रीपालचरित्र..... पत्र सं० ६० । साइज- $8\frac{1}{2} \times 6\frac{1}{2}$ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-चरित्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण-आगे के पत्र नहीं हैं । शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन सं० १७५१ ।

१२०१ श्रीपालचरित्र..... पत्र सं० २-२० । साइज- $11 \times 10\frac{1}{2}$ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-चरित्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन सं० १७५२ ।

१२०२ श्रेणिकचरित्र-भट्टारक श्री यशःकीर्ति पत्र सं० ६४ । साइज- $11\frac{1}{2} \times 12\frac{1}{2}$ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-चरित्र । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १६६२ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन सं० १७५६ ।

१२०३ श्रेणिकचरित्र भट्टारक शुभचन्द्र । पत्र सं० १३० । साइज- 10×12 इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-चरित्र । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १७३१ अषाढ बुदी ४ । पूर्ण एवं अशुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन सं० १७६० ।

१२०४ प्रति सं० २ । पत्र सं० २२ । साइज- 12×12 इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन सं० १७६२ ।

१२०५ प्रति सं० ३ । पत्र सं० १०० । साइज- 11×12 इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन सं० १७६१ ।

१२०६ श्रेणिकचरित्र-भट्टारक विजयकीर्ति । पत्र सं० १४१ । साइज- $10\frac{1}{2} \times 12$ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-चरित्र । रचनाकाल-सं० १८२० । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन सं० १७६३ । पद्य संख्या २६८० ।

१२०७ प्रति सं० २ । पत्र सं० १२६ । साइज- $11\frac{1}{2} \times 11\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण-अन्तिम पत्र नहीं है । सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन सं० १७६४ ।

१२०८ प्रति सं० १ । पत्र सं० १० । साइज- 12×12 इंच । लेखनकाल-सं० १६२० । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन सं० १७६२ ।

१२०९ प्रति सं० १२ । पत्र सं० १२३ । साइज- $11 \times 10\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल-सं० १६१० । अपूर्ण-२-६१ तक के पत्र नहीं हैं । शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन सं० १७६५ ।

१२१० प्रति सं० ५ । पत्र सं० ८२ । साइज- $11 \times 10\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण-प्रथम तथा ८२ में आगे के पत्र नहीं हैं । सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन सं० १७६६ ।

१२११ प्रति सं० ६ । पत्र सं० २८-३६ । साइज- 12×12 इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन सं० १७६७ ।

१२१२ प्रति सं० ७ । पत्र सं० १८ । साइज- 11×11 इंच । लेखनकाल-सं० १६५७ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन सं० १७७१ ।

१२१३ श्रेणिकचरित्र..... पत्र सं० ३० । साइज- $11\frac{1}{2} \times 11$ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-चरित्र ।

रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण—१६ अधिकार तक । सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १७६८ ।

१२१४ श्रेणिकचरित्र । पत्र सं० २२ । साइज—१०×४ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा—हिन्दी । विषय—चरित्र ।

रचनाकाल—सं० १६६५ । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १७६९ ।

विशेष—वखतराम के पुत्र दुलीचंद चौधरी ने ग्रन्थ की प्रतिलिपि बनायी थी ।

१२१५ श्रेणिकचरित्र भाषा । पत्र सं० ११३ । साइज—१२×६ इंच । भाषा—हिन्दी । विषय—चरित्र ।

रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा—उत्तम । वेष्टन नं० १७७० ।

विशेष—प्रथम और अन्तिम पत्र नहीं है ।

१२१६ संभवनाथचरित्र—श्री तेजपाल । पत्र सं० ३४ । साइज—११×४ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा—अपभ्रंश । विषय—

चरित्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण—आगे के पत्र नहीं हैं । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १९३२ ।

१२१७ प्रति नं० २ । पत्र सं० ५०—५४ । साइज—१० $\frac{1}{2}$ ×४ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य

शुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० १९३२ ।

१२१८ सगरप्रबन्ध रास—नरेंद्रकीर्ति । पत्र सं० १३ । साइज—९ $\frac{1}{2}$ ×४ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा—हिन्दी । विषय—

चरित्र । रचनाकाल—सं० १६४३ । लेखनकाल—सं० १६६३ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १८१६ ।

१२१९ सीताचरित्र—रामचन्द्र । पत्र सं० १९६ । साइज—११×६ इंच । भाषा—हिन्दी । विषय—चरित्र ।

रचनाकाल—सं० १७७३ । लेखनकाल—सं० १७७८ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २०६५ ।

१२२० प्रति नं० २ । पत्र सं० १३६ । साइज—१० $\frac{1}{2}$ ×४ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।

दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० २०६६ ।

१२२१ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ८५ । साइज—१२×६ इंच । लेखनकाल—सं० १८१७ । पूर्ण एवं शुद्ध ।

दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २०६४ ।

१२२२ प्रति सं० ४ । पत्र सं० २१३ । साइज—८×६ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल—सं० १७६५ । पूर्ण एवं सामान्य

शुद्ध । दशा—जीर्ण शीर्ष । वेष्टन नं० २०६७ ।

विशेष—किसनदास सोनी, सवाईराम पाटनी, और वखतराम गोधा ने प्रतिलिपि की थी । दौलतराम ने लिखवायी थी ।

१२२३ सुकुमालचरित्र—पं० श्रीधर । पत्र सं० ३६ । साइज—११×४ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा—अपभ्रंश । विषय—

चरित्र । रचनाकाल—सं० १२०८ । लेखनकाल—सं० १४८६ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २०६८ ।

विशेष—श्री हजरसिंह के शासनकाल में गोपाचल दुर्ग में श्री यशःकीर्ति ने इसकी प्रतिलिपि की थी ।

१२२४ प्रति नं० २ । पत्र सं० ४७ । साइज—९ $\frac{1}{2}$ ×४ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल—सं० १६२६ चैत्र बुदी ४ ।

पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २०६९ ।

१२२५ सुकुमालचरित्र—सकलकीर्ति । पत्र सं० ४६ । साइज—११×४ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—

चरित्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २१०० ।

१२२६ सुकुमालचरित्र भाषा..... पत्र सं० ३४ । साइज— $10\frac{1}{2} \times 8\frac{1}{2}$ इञ्च । भाषा—हिन्दी गद्य । विषय—चरित्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २१०१ ।

१२२७ सुदर्शनचरित्र—म० सकलकीर्ति । पत्र सं० ४६ । साइज— 11×12 इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—चरित्र । रचनाकाल X । लेखनकाल—सं० १७१० श्रावण बुदी ४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० २१०२ ।

१२२८ सुदर्शनचरित्र—वज्रनेमिदत्त । पत्र सं० ७२ । साइज— $10\frac{1}{2} \times 8\frac{1}{2}$ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—चरित्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २१०६ ।

१२२९ सुभौमचरित्र—म० रत्नचन्द्र । पत्र सं० ५४ । साइज— $10\frac{1}{2} \times 12$ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—चरित्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २१३३ ।

१२३० स्थूलभद्रचरित्र..... पत्र सं० १७ । साइज— $10\frac{1}{2} \times 8\frac{1}{2}$ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—चरित्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं अशुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २१५८ ।

१२३१ हनुमच्चरित्र—ब्रह्म अजित । पत्र सं० ५८ । साइज— $12 \times 12\frac{1}{2}$ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—चरित्र । रचनाकाल X । लेखनकाल—सं० १५६७ । पूर्ण । सामान्य शुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० २२१६ ।

विशेष—नवसाल ग्राम में सा० देवा भागरी ने प्रतिलिपि की थी ।

१२३२ प्रति नं० २ । पत्र सं० ४४ । साइज— 12×12 इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २२२० ।

१२३३ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १०२ । साइज— $11 \times 8\frac{1}{2}$ इञ्च । लेखनकाल—सं० १६५३ कार्तिक बुदी ६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २२२१ ।

१२३४ हरिवलराजविचरित्र..... पत्र सं० २१ । साइज— $10 \times 8\frac{1}{2}$ इञ्च । भाषा—हिन्दी । विषय—चरित्र । रचनाकाल X । लेखनकाल—सं० १७८८ माघ सुदी १ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० २२२४ ।

१२३५ हरिषेणचरित्र..... पत्र सं० २-२४ । साइज— $8 \times 8\frac{1}{2}$ इञ्च । भाषा—अपभ्रंश । विषय—चरित्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २२४६ ।

१२३६ प्रति नं० २ । पत्र सं० १७ । साइज— $11 \times 8\frac{1}{2}$ इञ्च । लेखनकाल—सं० १५५१ मंगसिर बुदी = शुक्रवार । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २२५० ।

विशेष—यं० अचल ने प्रतिलिपि करवाई थी ।



विषय—कथा साहित्य

ग्रन्थ संख्या—११६

१२३७ अकलंकचरित्र—श्री मकमल । पत्र सं० २० । साइज—१२×७ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा—हिन्दी । विषय—अकलंक स्वामी का जीवन । रचनाकाल X । लेखनकाल—सं० १९६३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—उत्तम । वेष्टन नं० १ ।

विशेष—गोविन्दराम देहली वाले ने प्रतिलिपि की थी ।

१२३८ अनंतव्रतकथा—श्रुतसागर । पत्र सं० १० । साइज—१०×४ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—कथा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १२ ।

१२३९ अष्टाद्विकाकथा—श्री नयमल । पत्र सं० १४ । साइज—११×५ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा—हिन्दी । विषय—कथा । रचनाकाल—सं० १९२१ । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ५१ ।

१२४० प्रति नं० २ । पत्र सं० २७ । साइज—१२×४ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—उत्तम । वेष्टन नं० ५२ ।

१२४१ आकाशपंचमीव्रतकथा..... । पत्र सं० ६ । साइज—१० $\frac{1}{2}$ ×४ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—कथा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ६१ ।

१२४२ आदित्यव्रतकथा—केरावसेन । पत्र सं० ७ । साइज—१२×५ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—कथा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० ११३ ।

१२४३ आराधनाकथाकोष—ब्रह्मनेमिदत्त । पत्र सं० १६२ । साइज—१२×४ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—कथा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० १२४ ।

१२४४ प्रति नं० २ । पत्र सं० ७५ । साइज—१० $\frac{1}{2}$ ×४ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण । सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १२५ ।

१२४५ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १२६ । साइज—११×५ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण । १-६८ तक तथा अन्तिम पत्र नहीं है । सामान्य शुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० १२६ ।

१२४६ प्रति नं० ४ । पत्र सं० २०१ । साइज—१२×५ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं अशुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० १२७ ।

१२४७ प्रति नं० ५ । पत्र सं० १६५ । साइज—११ $\frac{1}{2}$ ×५ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २१७ ।

१२४८ आराधनाकथाकोश—पत्र सं० ५५ । साइज—१२×५ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा—हिन्दी मध्य । विषय—कथा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २१९ ।

१२४६ प्रति नं० २ । पत्र सं० १७ । साइज-११×१३ इंच । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २० ।

विशेष—पात्र केशरी वाइण, अकलंकदेव, समंतभद्र, सनत्कुमार चक्रवर्ति, नंद्यमुनि की कथाओं का संग्रह है ।

१२४७ आराधनाकथाकोश । पत्र सं० ४० । साइज-११×१३ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-कथा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण-सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १२३ ।

१२४८ कथाकोश-हरिवेणाचार्य । पत्र सं० ६७३ । साइज-१२×१३ इंच । विषय-कथा । रचनाकाल-सं० २०४ । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१६ ।

विशेष—१५० कथाओं का संग्रह है ।

१२४९ कथासंग्रह । पत्र सं० २१ । साइज-११×१३ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-संग्रह । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१० ।

१२५० कलिकापंचमी कथा-श्री भद्रसेन । पत्र सं० १० । साइज-१०×४ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-कथा । रचनाकाल × । लेखनकाल-सं० १७०० । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २५२ ।

विशेष—कथा श्रीतन्त्र सम्प्रदाय की मान्यता के अनुसार है । प्रारम्भ के १३ पत्रों तक राजा गजसिंह चरित्र है । इसकी रचनाकाल-सं० १५५३ है । कथा का दूसरा नाम चंदनमलयगिरि कथा है ।

१२५१ चतुर्दशीकथा-टीकम । पत्र सं० २२ । साइज-१०×४ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-कथा । रचनाकाल-सं० १७१२ । लेखनकाल-सं० १७६४ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३०५ ।

विशेष—देहली में व्यापार्य विमलकीर्ति ने प्रतिलिपि की थी । इसका दूसरा नाम चतुर्दशी चौपई भी है ।

१२५२ चन्द्रहंस की कथा-टीकम । पत्र सं० ४४ । साइज-७ इंच × ४ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-कथा । रचनाकाल-सं० १७०७ । लेखनकाल-सं० १७०६ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण वेष्टन नं० ३०६ ।

विशेष—बखतराम के पुत्र दुलीचंद चौधरी ने गाजी के याना में प्रतिलिपि की थी ।

१२५३ चन्द्रायणव्रतकथा । पत्र सं० ४ । साइज-१० इंच × ७ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-कथा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० ३६६ ।

१२५४ चारमित्रों की कथा-अजैराज । पत्र सं० ६ । साइज-७ इंच × ४ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-कथा । रचनाकाल-सं० १७०१ । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ४१२ ।

१२५५ जम्बूस्वामीचरित्र-पांडे जिनदास । पत्र सं० १८ । साइज-६ इंच × ६ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-कथा । रचनाकाल-सं० १६४९ । लेखनकाल-सं० १८२७ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ४६३ ।

१२५६ त्रिकालचौबीसी कथा-अन्नदेव । पत्र सं० ६३ । साइज-११×१५ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-कथा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६४२ ।

विशेष—मुनि ज्ञानभूषण ने प्रतिलिपि की थी ।

[

१२६० दर्शनकथा-भारमल्ल । पत्र सं० २३ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×७ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-कथा ।

रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण-अन्तिम पृष्ठ नहीं है । शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० ७०१ ।

१२६१ प्रति नं० २ । पत्र सं० ३१ । साइज-१×८ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य ।

वेष्टन नं० ७०२ ।

१२६२ प्रति नं० ३ । पत्र सं० २४ । साइज-१२×८ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम ।

वेष्टन नं० ७०३ ।

१२६३ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ३१ । साइज-१२×६ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल-सं० १६२६ । पूर्ण एवं शुद्ध ।

दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ७३ ।

१२६४ नंदीश्वरकथा-भ० शुभचन्द्र । पत्र सं० २ । साइज-१२×५ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-

कथा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८३७ ।

१२६५ नागकुमारकथा । पत्र सं० १८ । साइज-१५×६ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा-हिन्दी गद्य । विषय-कथा ।

रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । लिपि-विकृत । वेष्टन नं० ८७८ ।

१२६६ नागश्रीकथा-ब्रह्म नेमिदत्त । पत्र सं० १६ । साइज-१०×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-

कथा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८७६ ।

१२६७ प्रति नं० २ । पत्र सं० २-१५ । साइज-१०×५ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।

दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८८० ।

१२६८ प्रति नं० ३ । पत्र सं० २५ । साइज-१०×४ इञ्च । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य ।

वेष्टन नं० ८८१ ।

१२६९ निर्दोषसप्तमीकथा-ब्रह्मरायमल्ल । पत्र सं० ४ । साइज-११ $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-

कथा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ९११ ।

१२७० निशिभोजनकथा-भारमल्ल । पत्र सं० १२ । साइज-१२×८ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-कथा ।

रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ९१३ ।

१२७१ प्रति नं० २ । पत्र सं० १० । साइज-१२ $\frac{१}{२}$ ×८ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-कथा । रचनाकाल × ।

लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ९१४ ।

१२७२ नेमिकुमार की चूँदड़ो-मुनि हेमचन्द्र । पत्र सं० ६ । साइज-७ $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा-हिन्दी ।

विषय-कथा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ९१५ ।

१२७३ नेमिचंद्रिका-खुरालचंद पल्लीवाल । पत्र सं० १६ । साइज-८ $\frac{१}{२}$ ×६ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा-हिन्दी ।

विषय-कथा । रचनाकाल-सं० १८८० । लेखनकाल-सं० १८८३ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन

नं० ९१६ ।

विशेष—लेखक प्रशस्ति विस्तृत है। खुशालचंद के पूर्वज काठकुञ्ज देश के रहने वाले थे। मन्मथलाल थाकुर प्रतिनिधि की थी।

१२७४ निशल्याष्टमीकथा.....। पत्र सं० १। साइज-३५×३ इंच। भाषा-संस्कृत। विषय-कथा। रचना-काल X। लेखनकाल X। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ३३०।

विशेष—निशल्याष्टमी कथा पत्र ३ तक तथा आगे मोक्ष मन्मथी कथा पत्र ५ तक प्राकृत में लिखी हुई है।

१२७५ पंचपर्वकथा.....। पत्र सं० ८। साइज-७ $\frac{1}{2}$ ×४ इंच। भाषा-हिन्दी। विषय-कथा। रचनाकाल X। लेखनकाल-सं० १७८६। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ६६७।

विशेष—सांगानेर में दूलीचंद चौधरी ने प्रतिलिपि की थी।

१२७६ पल्यविधानव्रतकथा-श्री श्रुतसागर पुरि। पत्र सं० २। साइज-१० $\frac{1}{2}$ ×४ $\frac{1}{2}$ इंच। भाषा-संस्कृत। विषय-कथा। रचनाकाल X। लेखनकाल X। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० १०५६।

१२७७ पुण्याश्रवकथा-मुमुक्षु रामचन्द्र। पत्र सं० १५१। साइज-१०×४ $\frac{1}{2}$ इंच। भाषा-संस्कृत। विषय-कथा। रचनाकाल X। लेखनकाल-सं० १७०६ मंगसिर बुदी ६। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ११०८।

विशेष—श्री आर्यादजी के शिष्य पचाइण ने प्रतिलिपि की थी।

१२७८ प्रति नं० २। पत्र सं० १७४। साइज-११×५ $\frac{1}{2}$ इंच। लेखनकाल-सं० १७८२ कार्तिक बुदी १। अपूर्ण-प्रारम्भ के ६८ पत्र नहीं हैं। सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ११०७।

विशेष—संग्रामपुर में जगराम गोदीका ने प्रतिलिपि करवायी थी।

१२७९ प्रति नं० ३। पत्र सं० ६८। साइज-११ $\frac{1}{2}$ ×५ $\frac{1}{2}$ इंच। लेखनकाल X। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा-जीर्ण। वेष्टन नं० ११०६।

१२८० पुण्याश्रवकथाकोश-दीलतरामजी। पत्र सं० २२२। साइज-८ $\frac{1}{2}$ ×७ $\frac{1}{2}$ इंच। भाषा-हिन्दी। विषय-कथा। रचनाकाल-सं० १७७७। लेखनकाल-सं० १८०५ चैत्र बुदी ६ बुधवार। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० १११०।

विशेष—जमुतपुरा में प्रतिलिपि की गयी थी।

१२८१ प्रति नं० २। पत्र सं० २००। साइज-११ $\frac{1}{2}$ ×५ $\frac{1}{2}$ इंच। लेखनकाल-सं० १८३६। अपूर्ण-पाँच प्रतियों का संग्रह है। सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ११११।

विशेष—१-२६, ५१-१००, १०१-१८०, ४२-५८ तथा ४१ से २०० तक प्रत्येक प्रति के पत्र हैं।

१२८२ प्रति नं० ३। पत्र सं० १७६। साइज-१२ $\frac{1}{2}$ ×६ इंच। लेखनकाल-सं० १८८४। पूर्ण-तीन प्रतियों का मिश्रण है। शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० १११२।

१२८३ प्रति नं० ४। पत्र सं० ३२६। साइज-१२×५ $\frac{1}{2}$ इंच। लेखनकाल-सं० १७७६ मंगसिर बुदी ६ सोमवार। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-जीर्ण। वेष्टन नं० १११३।

विशेष—सांगानेर में प्रतिलिपि की गयी थी ।

१२८४ प्रति नं० ५ । पत्र सं० २६५ । साइज-११ $\frac{1}{2}$ ×५ इञ्च । लेखनकाल-सं० १७८४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १११७ ।

१२८५ प्रति नं० ६ । पत्र सं० २६४ । साइज-१२×६ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । प्रति प्राचीन है । वेष्टन नं० १११५ ।

१२८६ प्रति नं० ७ । पत्र सं० ५४ । साइज-१२×१२ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-कथा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १११६ ।

१२८७ प्रति नं० ८ । पत्र सं० २५७ । साइज-१२ $\frac{1}{2}$ ×६ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण । १६ से २० पत्र के पत्र नहीं हैं । शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १११७ ।

१२८८ प्रति नं० ९ । पत्र सं० १५६ । साइज-१२×६ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं अशुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १११८ ।

१२८९ प्रति नं० १० । पत्र सं० १२६-१२० । साइज-१० $\frac{1}{2}$ ×७ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १११९ ।

१२९० प्रति नं० ११ । पत्र सं० १२०-१२८ तक । साइज-१२×६ $\frac{1}{2}$ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १११९ ।

१२९१ पंचदंष्ट्रत्रयबंध-अमयचन्द्र सूरि । पत्र सं० ३-४६ । साइज-१०×४ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-कथा । रचनाकाल-सं० १४६० माघ सुदी १४ । लेखनकाल-सं० १६६४ । अपूर्ण । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १२३० ।

१२९२ भरटक द्वात्रिंशिका..... । पत्र सं० ११ । साइज-१०×४ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-कथा । रचनाकाल X । लेखनकाल । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १२३१ ।

विशेष—२२ कथाओं का संग्रह है ।

१२९३ भीमकेवलीकथा..... । पत्र सं० ११६ । साइज-६ $\frac{1}{2}$ ×७ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-कथा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १२५६ ।

१२९४ मधुपिगल मुनि की कथा..... । पत्र सं० १२ । साइज-६×७ $\frac{1}{2}$ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-कथा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १२७४ ।

१२९५ मुक्तावलीविधानकथा..... । पत्र सं० ५ । साइज-१० $\frac{1}{2}$ ×४ इञ्च । भाषा-प्राकृत । विषय-कथा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १२६६ ।

१२९६ मेघमालात्रतोपाख्यान-श्रुतसागर । पत्र सं० ३ । साइज-१२×६ $\frac{1}{2}$ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-कथा । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १७६३ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १४१८ ।

१२६७ मीक्षसप्तमीकथा-गुणमद्र । पत्र सं० १ । साइज-६ $\frac{१}{२}$ ×३ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा-प्राकृत । विषय-कथा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १३७१ ।

१२६८ मृगापुत्र कथा..... । पत्र सं० १३ । साइज-१०×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा-अपभ्रंश । विषय-कथा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । वेष्टन नं० १४२६ ।

विशेष—हिन्दी अर्थ भी दिया हुआ है ।

१२६९ रात्रिभोजनकथा-भ० मल्लिपूषण । पत्र सं० २७ । साइज-८×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-कथा । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १६७८ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १५३८ ।

विशेष—पं० सावलदास ने वणहटा ग्राम में ग्रन्थ की प्रति लिपि करवाई थी ।

१३०० रूपसेन लुजाणदे चरित्र-मीम । पत्र सं० २० । साइज-८×४ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-कथा । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १७१७ आसोज बुदी ? । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १५४० ।

१३०१ रैद्वत कथा-गणि देवेन्द्रकीर्ति । पत्र सं० ६ । साइज-१०×४ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-कथा । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १८०२ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १५४१ ।

१३०२ रोहिणीविधानकथा-मुनि देवनदि । पत्र सं० १३ । साइज-११×४ इञ्च । भाषा-अपभ्रंश । विषय-कथा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १५४२ ।

१३०३ रोहिणीव्रतकथा-था० भानकीर्ति । पत्र सं० १ । साइज-८ $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-कथा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १५४३ ।

विशेष—सिकंदरपुर निवासी पं० डालू विलासा के पुत्र गेलू ने इसको मेंट में दिया था ।

१३०४ लघुजातक..... । पत्र सं० १० । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-कथा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १५६२ ।

१३०५ प्रति नं० २ । पत्र सं० २-१३ । साइज-८×४ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १५६३ ।

१३०६ लब्धिविधान कथा..... । पत्र सं० १० । साइज-११×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-कथा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १५६७ ।

१३०६ प्रति नं० २ । पत्र सं० ३-१७ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-कथा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १५६७ ।

१३०८ लब्धिविधान कथा-पं० अन्नदेव । पत्र सं० १२ । साइज-११×४ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-कथा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १५६८ ।

१३०९ प्रति नं० २ । पत्र सं० १० । साइज-११ $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-अर्ध । वेष्टन नं० १५६८ ।

१३१० वैराग्यकल्प..... पत्र सं० २-१३५ । साइज-१०×४ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-कथा ।

रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६८० (ग) ।

विशेष—प्रति प्राचीन है ।

१३११ शत्रुंजयोद्धार-पं० भातुमेरू । पत्र सं० १४ । साइज-६½×५ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-कथा ।

रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १६८२ ।

१३१२ शिखरमहात्म्य-मनसुख । पत्र सं० १०३ । साइज-१५×६ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-कथा ।

रचनाकाल-सं० १८४५ । लेखनकाल-सं० १८५८ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १७०८ ।

१३१३ शीलकथा-भारमल्ल । पत्र सं० २१ । साइज-१२×८ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-कथा । रचना-

काल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १७१६ ।

१३१४ श्रीपालकथा..... पत्र सं० ३६ । साइज-६×६½ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-कथा । रचना-

काल X । लेखनकाल-सं० १८२७ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १७३६ ।

१३१५ सप्तपरमस्थानक कथा-श्रुतसागर । पत्र सं० ७ । साइज-१२×५½ इंच । रचनाकाल X । लेखन-

काल X । पूर्ण एवं अशुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १८३४ ।

१३१६ सप्तव्यसनकथा..... पत्र सं० १८ । साइज-१०×४½ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-कथा ।

रचनाकाल X । लेखनकाल । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १८३५ ।

१३१७ सप्तव्यसन कथा-आचार्य सोमकीर्ति । पत्र सं० ७४ । साइज-१४×५ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-

कथा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १८३६ ।

१३१८ प्रति नं० २ । पत्र सं० ११३ । साइज-१०½×५ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-

जीर्ण । वेष्टन नं० १८३७ ।

१३१९ सद्बुद्धसा लिगा की वार्त्ता..... पत्र सं० १७० । साइज-६×५ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-

कथा । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १८६० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १८२१ ।

१३२० सम्यक्त्वकौमुदी कथा..... पत्र सं० १२७ । साइज-६×३½ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-

कथा । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १४६० । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । लिपि-विकृत । वेष्टन नं० १९३३ ।

विशेष—राजा वीरम्मदेव के शासनकाल में गोपावल दुर्ग में मुनि धर्मचन्द्र के पढ़ने के लिये प्रतिलिपि की गयी थी ।

१३२१ सम्यक्त्वकौमुदी..... पत्र सं० ३१ । साइज-१०×४½ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-कथा ।

रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १९३४ ।

१३२२ प्रति नं० २ । पत्र सं० १४२ । साइज-११×५ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।

दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १९३४ ।

१३२३ सम्यक्त्वकौमुदी..... पत्र सं० ४७ । साइज-१०×४½ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-कथा ।

रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १६३५ ।

१३२४ सम्यक्त्वकौमुदी-गुणाक्षरि । पत्र सं० ४१ । साइज-१०X४ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-कथा । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १६६७ साख सुदी ५ । अपूर्ण-प्रथम पत्र नहीं है । सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १६३६ ।

विशेष-पं० श्रीचन्द ने प्रतिलिपि की थी ।

१३२५ सम्यक्त्वकौमुदी..... पत्र सं० ६४ । साइज-१०^३/_४X५ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-कथा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६३७ ।

१३२६ प्रति नं० २ । पत्र सं० ४१ । साइज-११X५ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६३८ ।

१३२७ सम्यक्त्वकौमुदी..... पत्र सं० १३० । साइज-१०^३/_४X४^३/_४ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-कथा । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १७६० वैशाख सुदी २ रविवार । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६३९ । विशेष-हम्ब्रगट में मुनि मेधविमल ने पंडित नगजी के पठनार्थ प्रतिलिपि की थी ।

१३२८ प्रति नं० २ । पत्र सं० ६८ । साइज-११^३/_४X५ इञ्च । लेखनकाल-सं० ११६७ वैशाख सुदी १५ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६४० ।

विशेष-सं० १७६८ में विजयपुर में सुंदरदास और उसकी भार्या ने पं० जयभदास को यह प्रति भेंट की थी ।

१३२९ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ६१ । साइज-१०^३/_४X४^३/_४ इञ्च । लेखनकाल-सं० १७५० मंगसिर सुदी ११ । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६४१ ।

१३३० प्रति नं० ४ । पत्र सं० १०३ । साइज-१२X५^३/_४ इञ्च । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण-प्रारम्भ के ५० पत्र नहीं हैं । सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६४२ ।

१३३१ सम्यक्त्वकौमुदीकथा..... पत्र सं० ४६ । साइज-१०X४ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-कथा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६४३ ।

१३३२ प्रति नं० २ । पत्र सं० ४६ । साइज-१०^३/_४X५ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६४४ ।

१३३३ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ५० । साइज-११X५ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६४५ ।

१३३४ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ५० । साइज-१०X४ इञ्च । अपूर्ण । सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६४६ ।

१३३५ सम्यक्त्वकौमुदी-जोधराज गोदोका । पत्र सं० ६८ । साइज-११X५ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-कथा । रचनाकाल-सं० १७२४ । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६४६ ।

१३३६ प्रति नं० २ । पत्र सं० २२ । साइज—१२ $\frac{१}{२}$ ×८ इंच । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—उत्तम ।
वेष्टन नं० १६४७ ।

१३३७ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ६६ । साइज—१२×५ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल—सं० १७४६ । पूर्ण एवं शुद्ध ।
दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० १६४८ ।

विशेष—दोसा (जयपुर) में साहू श्री भावसिंह ने प्रतिलिपि करवायी थी ।

१३३८ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ७२ । साइज—६×७ इंच । लेखनकाल—सं० १=३२ । पूर्ण एवं शुद्ध ।
दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १६४९ ।

१३३९ सम्यक्त्वकौमुदी—लालचंद विनोदीलाल । पत्र सं० १६६ । साइज—१० $\frac{१}{२}$ ×५ इंच । भाषा—हिन्दी ।
विषय—कथा । रचनाकाल—सं० १=७६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १६५० ।

१३४० प्रति नं० २ । पत्र सं० ११० । साइज—१० $\frac{१}{२}$ ×५ इंच । लेखनकाल × । अपूर्ण—आगे के पत्र नहीं
हैं । सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १६५१ ।

१३४१ प्रति नं० ५ । पत्र सं० ४० । साइज—१३×८ इंच । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—
उत्तम । वेष्टन नं० २१६६ ।

१३४२ सिंहासनवत्तीसी..... पत्र सं० ३० । साइज—१०×४ इंच । भाषा—हिन्दी । विषय—कथा ।
रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० २०६२ ।

विशेष—आगे के पत्र नहीं हैं ।

१३४३ सोलहकारणकथा..... पत्र सं० ४ । साइज—११ $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—कथा ।
रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २१६३ ।

१३४४ इनुमतकथा—ब्रजरायमल्ल । पत्र सं० ५६ । साइज—१२×६ इंच । भाषा—हिन्दी । विषय—चरित्र ।
रचनाकाल—सं० १६=१ । लेखनकाल—सं० १७२५ । पूर्ण एवं अशुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २२१६ ।

१३४५ प्रति नं० २ । पत्र सं० ५३ । साइज—११×६ इंच । भाषा—हिन्दी । विषय—चरित्र । रचनाकाल—
सं० १६५७ । लेखनकाल—सं० १६२६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २२१७ ।

१३४६ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ३६ । साइज—१२×७ इंच । लेखनकाल—सं० १६=६ । पूर्ण एवं शुद्ध ।
दशा—उत्तम । वेष्टन नं० २२१८ ।

१३४७ होलिकाचरित्र..... पत्र सं० ४ । साइज—११×५ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—कथा । रच-
नाकाल × । लेखनकाल—सं० १७६६ । पूर्ण एवं अशुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० २२५२ ।

१३४८ होलिरेणुका चरित्र—पं० जिनदास । पत्र सं० ६३ । साइज—६ $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इंच । भाषा—संस्कृत ।
विषय—कथा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २२५४ ।

१३४६ प्रति नं० २ । पत्र सं० ३५ । साइज-१२ $\frac{३}{४}$ ×५ $\frac{३}{४}$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २२५५ ।

१३५० प्रति नं० ३ । पत्र सं० २५ । साइज-११×५ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २२५६ ।

१३५१ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ६१ । साइज-१०×५ इंच । लेखनकाल-सं० १६१० कात्तिक बुदी १२ ।
पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २२५७ ।

विशेष—तत्त्वमसि में प्रतिलिपि हुई थी ।

१३५२ प्रति नं० ५ । पत्र सं० ५८ । साइज-८ $\frac{३}{४}$ ×४ $\frac{३}{४}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २२५३ ।

विशेष—अन्तिम पत्र नहीं है ।

विषय—काव्य

ग्रन्थ संख्या—१२०

१३५३ काव्यकल्पलता—धर्मचन्द्रमूरि । पत्र सं० २१४ । साइज-१०×४ $\frac{३}{४}$ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—
काव्य । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १७३३ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० २५६ ।

विशेष—चंपावती में प्रतिलिपि की गयी थी । प्रति संस्कृत टीका सहित है ।

१३५४ किरातार्जुनीय—महाकवि भारवि । पत्र सं० ७२ । साइज-१०×४ $\frac{३}{४}$ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—
काव्य । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० २६८ ।

विशेष—प्रति संस्कृत टीका सहित है । टीकाकार श्री विनय सुन्दर हैं ।

१३५५ प्रति नं० २ । पत्र सं० १६५ । साइज-१२×६ इंच । लेखनकाल-सं० १८४६ । पूर्ण एवं शुद्ध ।
दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २६६ ।

विशेष—प्रति संस्कृत टीका सहित है । टीकाकार श्री एकनाथ भट्ट हैं ।

१३५६ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ३७ । साइज-१२×५ $\frac{३}{४}$ इंच । अपूर्ण—नवम सर्ग तक । सामान्य शुद्ध ।
दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २७० ।

१३५७ कुमारसम्भव—महाकवि कालिदास । पत्र सं० ३४ । साइज-११ $\frac{३}{४}$ ×४ $\frac{३}{४}$ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—
काव्य । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १७३४ भाद्रपद बुदी १४ । पूर्ण—सप्तम सर्ग तक । सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य ।
वेष्टन नं० २८० ।

विशेष—नारायणा नगर में व्यास जड़ ने प्रतिलिपि की थी ।

१३५८ प्रति नं० २ । पत्र सं० १८ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल-सं० १७२१ फाल्गुण सुदी ११ पूर्ण-सात सर्ग तक । शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २८१ ।

विशेष—बूंदी में प्रतिलिपि की गयी थी ।

१३५९ गीतगोविन्द-महाकवि जयदेव । पत्र सं० ८ । साइज-८×६ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-काव्य । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३१४ ।

विशेष—८ वें पत्र पर धनंतासरायण गुजरेरी राग के दो गान हैं ।

१३६० गोवर्द्धन सप्तसती टीका-टीकाकार-आचार्य त्रिलोचन । पत्र सं० ८४ । साइज-११ $\frac{१}{२}$ ×२ इंच । विषय-काव्य । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १८३६ पौष सुदी २ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० ३४३ ।

१३६१ घटकर्पूर काव्य-घटकर्पूर । पत्र सं० ३ । साइज-१२×६ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-काव्य । रचनाकाल X । लेखनकाल । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३६१ ।

१३६२ प्रति सं० २ । पत्र सं० ३ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल-सं० १८४३ फाल्गुण सुदी ७ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० ३६१ ।

१३६३ चन्द्रप्रभचरित्र-वीरनंदि । पत्र सं० २८ । साइज-११×५ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-काव्य । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण-तृतीय सर्ग तक । सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३८७ ।

१३६४ प्रति नं० २ । पत्र सं० १२६ । साइज-११ $\frac{१}{२}$ ×५ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३८८ ।

विशेष—प्रति सटीक है । टीका संस्कृत में है ।

१३६५ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ८१ । साइज-११×५ इंच । लेखनकाल-सं० १८८३ आषाढ सुदी १० वृत्तिवार पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम वेष्टन नं० ३८९ ।

विशेष—महात्मा राधाकृष्ण ने जयपुर में प्रतिलिपि की थी ।

१३६६ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ८५ । साइज-१०×४ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३९० ।

१३६७ प्रति नं० ५ । पत्र सं० ८ । साइज-१०×४ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३९१ ।

विशेष—अथम सर्ग ही है ।

१३६८ प्रति नं० ६ । पत्र सं० २-४७ । साइज-११×४ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३९२ ।

१३६९ प्रति नं० ७ । पत्र सं० ५० । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×५ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण-तीसरे सर्ग तक ।

सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३६३ ।

१३७० प्रति नं० ८ । पत्र सं० १११ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×१ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३६४ ।

१३७१ प्रति नं० ६ । पत्र सं० १० । साइज-१०×१ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-
सामान्य । वेष्टन नं० ३६५ ।

१३७२ प्रति नं० १० । पत्र सं० ८ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×१ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा-उत्तम वेष्टन नं० ३६६ ।

विशेष—प्रथम सर्ग ही है ।

१३७३ चन्द्रप्रभचरित्र-श्री २शःकीर्ति । पत्र सं० ८२ । साइज-११×१ इंच । भाषा-अपभ्रंश । विषय-
काव्य । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० ३६७ ।

१३७४ चन्द्रप्रभकाव्य भाषा..... । पत्र सं० ११ । साइज-८×६ इंच । भाषा-संस्कृत-हिन्दी । विषय-
काव्य । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३६८ ।

विशेष—केवल द्वितीय सर्ग के ६० पद्य की ही भाषा है ।

राजा पद्मनाभ ने श्रीधर मुनि के पास तत्त्व का रूप कहा उसका वर्णन है ।

१३७५ जम्बूस्वामिचरित्र-महाकवि श्रीवीर । पत्र सं० १०६ । साइज-६ $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इंच । भाषा-अपभ्रंश ।
विषय-काव्य । रचनाकाल-सं० १०७६ । लेखनकाल-सं० ११४१ आसोज कुदी ७ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-
सामान्य जीर्ण । वेष्टन नं० ४१३ ।

विशेष—खण्डेलवालान्वय पाठशाी गोत्रे संघर्षी धनराज भार्या कीर्ती तथा उसके पुत्रों ने विशालकीर्ति मुनि के लिये
प्रतिलिपि करवायी थी ।

१३७६ प्रति नं० २ । पत्र सं० ६८ । साइज-११×१ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-
सामान्य । वेष्टन नं० ४६० ।

विशेष—५१ पत्र के आगे फिर १ से पत्र संख्या लगी हुई है ।

१३७७ जम्बूस्वामिचरित्र टिप्पण..... । पत्र सं० ३१ । साइज-११×१ $\frac{१}{२}$ इंच । भाषा-अपभ्रंश संस्कृत ।
विषय-चरित्र । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १५६५ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ४६१ ।

विशेष—वीर कवि कृत जम्बूस्वामिचरित्र का टिप्पण है । प्रशस्ति अपूर्ण है । खण्डेलवालान्वय दोग्धा गोत्र वाले सडन
ने प्रतिलिपि करवायी थी ।

१३७८ त्रिभुवनदीपक प्रबन्ध-जयशंकर सूरि । पत्र सं० २० । साइज-१०×४ $\frac{१}{२}$ इंच । भाषा-संस्कृत ।
विषय-काव्य । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १५५० । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६२८ ।

विशेष—भट्टारक सेमकीर्ति के शिष्य त्र० गुणराज के लिये मुर्यपुर में प्रतिलिपि की थी ।

१३७६ द्विसंधानकाव्य—महाकवि धनंजय । पत्र सं० ६६ । साइज—१० $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा—संस्कृत ।

विषय—काव्य । रचनाकाल X । लेखनकाल—सं० १=४७ अषाढ सुदी ६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ४४७ ।

विशेष—प्रति सटीक है । टीकाकर नेमिचन्द्र हैं ।

१३८० प्रति नं० २ । पत्र सं० २१-४० । साइज—११×१ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।

दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ७४७ ।

१३८१ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ४८ । साइज—११ $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।

दशा—सामान्य । तीन प्रतियों का मिश्रण है । वेष्टन नं० ७४८ ।

विशेष—प्रति सटीक है । टीकाकर नेमिचन्द्र हैं ।

१३८२ प्रति नं० ४ । पत्र सं० २३ । साइज—११×१ इञ्च । लेखनकाल—सं० १=३६ चैत्र सुदी ३ । पूर्ण

एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ७४६ ।

विशेष—श्री नेमिचन्द्र की टीका भी है । ब्राह्मण नारायणदास ने तेरहपायियों के मंदिर में प्रतिलिपि की थी ।

१३८३ प्रति नं० ५ । पत्र सं० ३०= । साइज—११×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—

उत्तम । वेष्टन नं० ७५० ।

विशेष—प्रति संस्कृत टीका सहित है ।

१३८४ प्रति नं० ६ । पत्र सं० १६ । साइज—११ $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल—सं० १=१ माघ सुदी ११ ।

अपूर्ण—२१-१६ तक पत्र है । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ७५१ ।

१३८५ प्रति नं० ७ । पत्र सं० १६३ । साइज—११×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण—२१ से १६३ तक

के पत्र हैं । सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ७५१ ।

विशेष—भीत सटीक है । टीकाकर नेमीचन्द्र हैं ।

१३८६ प्रति नं० ८ । पत्र सं० ३-३४ । साइज—११×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा—

सामान्य । वेष्टन नं० ७५२ ।

१३८७ धर्मशमीभ्युदय—महाकवि हरिचन्द्र । पत्र सं० १२२ । साइज—११×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा—संस्कृत ।

विषय—काव्य । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—उत्तम । वेष्टन नं० ८१७ ।

१३८८ नागकुमार चरित्र—महाकवि पुष्पदंत । पत्र सं० ७१ । साइज—११ $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा—अपभ्रंश ।

विषय—काव्य । रचनाकाल X । लेखनकाल—सं० १६०३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ८६१ ।

विशेष—राजाधिराज श्री रामचन्द्रराज्य तत्कपुरवास्तव्य खण्डेलवालान्वये बाकलीवाल गोत्रे सा. पाल्हा..... एतेषां मध्ये सा. नेता भार्गी लखमदे तथा इदं शास्त्रं लिखापितं धर्मचन्द्राय दत्तं । तत्कपुर ।

१३८९ प्रति नं० ९ । पत्र सं० ४६ । साइज—११×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल—सं० १५५८ । पूर्ण एवं शुद्ध ।

दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ८६६ ।

विशेष—संक्षिप्त प्रशस्ति निम्न प्रकार है—

संवत् १९५२= वर्षे श्रावण सुदी १२ बीजे श्री गोपाचलगढमें होमवंशे अश्वपतिगजपतिनरपति त्रयाधिपति महाराजाधिराज श्रीमानसिंह देवाः तद्राज्यप्रवर्तमाने महारक्ती चन्द्राम्नाये जैसवालान्वये साधु सा. चाटु भार्या करमा एतेषां मध्ये श्रीमा इदं नागकुमारं लिखापितं ।

१३६० प्रति नं० ३ । पत्र सं० ६६ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×८ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल-सं० १५५४ भाद्रपद सुदी ३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८६७ ।

विशेष—राहतपुर में प्रतिलिपि की गयी थी ।

१३६१ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ६६ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×८ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल-सं० १५१६ ज्येष्ठ सुदी १२ बृहस्पतिवार । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८६८ ।

विशेष—प्रति लिपि कुंभपुर में हुई थी । वहाँ आदीश्वर का नैत्यालय था । लंबे वंश में उत्पन्न चौधरी भीखम ने प्रतिलिपि करवायी थी ।

१३६२ नलोदय काव्य—महाकवि कालिदास । पत्र सं० ३२ । साइज-१०×४ $\frac{१}{२}$ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—काव्य । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १८४४ वैशाख सुदी २ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ८५९ । विशेष—प्रति सटीक है ।

१३६३ प्रति नं० २ । पत्र सं० १७ । साइज-८ $\frac{१}{२}$ ×८ इंच । लेखनकाल-सं० १७५६ । पूर्ण—प्रथम पत्र नहीं है । शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ८५३ ।

विशेष—समस्त कर्ता का नाम रविदेव दिया हुआ है ।

१३६४ नेमिनिर्वाण—श्री वाग्भट्ट । पत्र सं० ६६ । साइज-११×६ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—काव्य । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १८७५ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—उत्तम । वेष्टन नं० ८२६ ।

विशेष—नागर निवासी विजैराम प्रसीक ने प्रतिलिपि की थी ।

१३६५ नैपथ्यचारित्र—कविराज—हर्ष । पत्र सं० ११२ । साइज-१२ $\frac{१}{२}$ ×५ $\frac{१}{२}$ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—काव्य । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण । सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ८२६ ।

विशेष—काव्य सटीक है । नारायणी टीका है ।

१३६६ प्रति नं० २ । पत्र सं० १४१ । साइज-१२ $\frac{१}{२}$ ×४ इंच । लेखनकाल X । पूर्व खण्ड पूर्ण । शुद्ध । दशा—सामान्य । प्रति प्राचीन है । वेष्टन नं० ८२७ ।

विशेष—प्रति सटीक है । टीकाकार—चारित्र वर्द्धन है । टीका का नाम चारित्र वर्द्धनी है ।

१३६७ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ४६२ । साइज-१२×५ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण—१३ में सर्ग के ५१वें पद्य तक । शुद्ध । दशा—उत्तम । वेष्टन नं० ८२८ ।

विशेष—प्रति सटीक है । जिनराज सूरि टीकाकार हैं ।

१३६८ पञ्चमचरिय-महाकवि स्वयंभु त्रिभुवनस्वयंभु । पत्र सं० ४६३ । साइज-१२×११ इंच । भाषा-
विषय-महाकाव्य । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६४१ ।

१३६९ पञ्चमचरिय टिप्पण..... । पत्र सं० ५६ । साइज-११×४ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-काव्य ।
X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० ६४२ ।

विशेष-स्वयंभु कृत पञ्चमचरिय पर टिप्पण है ।

१४०० पार्थनाथपुराण-भूधरदासजी । पत्र सं० ६३ । साइज-१२×११ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-काव्य ।
पत्र-सं० १७=८ । लेखनकाल-सं० १=३६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १०=० ।

विशेष-महात्मा कौजूराम ने जोबनपुर में प्रतिलिपि की थी ।

१४०१ प्रति नं० २ । पत्र सं० ६६ । साइज-११×७ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण-आगे के पत्र नहीं हैं ।
शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १०=१ ।

१४०२ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ६७ । साइज-१०^३/_४×१ इंच । लेखनकाल-सं० १=३३ । अपूर्ण-पाँच अपूर्ण
का मिश्रण है । शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १०=२ ।

१४०३ प्रति नं० ४ । पत्र सं० १०१ । साइज-१०×६ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
सामान्य । वेष्टन नं० १०=३ ।

१४०४ प्रति नं० ५ । पत्र सं० ८६ । साइज-११^३/_४×१ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
सामान्य । वेष्टन नं० १०=४ ।

१४०५ प्रति नं० ६ । पत्र सं० ११६ । साइज-१२^३/_४×६ इंच । लेखनकाल-सं० १=७६ । पूर्ण एवं
सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १०=५ ।

विशेष-संगही भूषाराम ने लिखवाया तथा श्री लिङ्गमनराम बाकलीवाल ने लिखा था ।

१४०६ प्रति नं० ७ । पत्र सं० ३६ । साइज-१४^३/_४×७ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-
सामान्य । वेष्टन नं० १०=६ ।

१४०७ प्रति नं० ८ । पत्र सं० १७ । साइज-१४^३/_४×७ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
सामान्य । वेष्टन नं० १०=७ ।

१४०८ प्रति नं० ९ । पत्र सं० ७६ । साइज-११^३/_४×१ इंच । लेखनकाल-सं० १=४४ । पूर्ण एवं शुद्ध ।
सामान्य । वेष्टन नं० १०=८ ।

विशेष-जयपुर में दयाराम ने प्रतिलिपि की थी ।

१४०९ प्रति नं० १० । पत्र सं० ११० । साइज-१०^३/_४×१ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध ।
सामान्य । वेष्टन नं० १०=९ ।

विशेष-दो प्रतियों का मिश्रण है ।

१४१० प्रति नं० ११ । पत्र सं० १०३ । साइज-११ $\frac{1}{2}$ ×७ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १०६१ ।

विशेष—दो प्रतियों का सम्मिश्रण है । प्रथम १३ पत्र एक प्रति के हैं तथा फिर १५ से अन्य प्रति के पत्र हैं ।

१४११ प्रति नं० १२ । पत्र सं० ७३ । साइज-११×५ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल-सं० १=४६ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १०६२ ।

विशेष—दो प्रतियों का सम्मिश्रण है । प्रथम प्रति के ४० तथा दूसरी प्रति के ४० से आगे के पत्र हैं ।

१४१२ प्रति नं० १३ । पत्र सं० ११४ । साइज-११ $\frac{1}{2}$ ×११ इंच । लेखनकाल-सं० १=६४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १०६३ ।

विशेष—जयपुर में मन्नालाल व्यास ने प्रतिलिपि की थी ।

१४१३ प्रति नं० १४ । पत्र सं० ११७ । साइज-१० $\frac{1}{2}$ ×११ इंच । लेखनकाल-सं० १=६७ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १०६४ ।

विशेष—नवमन्दराम खिन्दूरा ने प्रतिलिपि की थी ।

१४१४ प्रति नं० १५ । पत्र सं० ६८ । साइज-११×६ इंच । लेखनकाल-सं० १=३१ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १०६५ ।

विशेष—जीवराज पांड्या दामणोली वाले ने जयपुर में प्रतिलिपि की थी ।

१४१५ प्रति नं० १६ । पत्र सं० =६ । साइज-१०×४ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल-सं० १=६० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १०६६ (क)

१४१६ प्रति नं० १७ । पत्र सं० १०४ । साइज-११×५ इंच । लेखनकाल-सं० १=६६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १०=६ ।

विशेष—दो प्रकार की प्रतियों का सम्मिश्रण है ।

१४१७ प्रति नं० १८ । पत्र सं० ६६-३० । साइज-१० $\frac{1}{2}$ ×७ इंच । लेखनकाल-सं० १=४५ कार्तिक शुदी ६ शुक्रवार । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १०६७ ।

१४१८ प्रति नं० १९ । पत्र सं० १-६७ । साइज-११ $\frac{1}{2}$ ×११ इंच । लेखनकाल-सं० १=११ । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १०६७ ।

विशेष—श्रावक नृशालचंद साहू ने प्रतिलिपि करवायी थी ।

१४१९ प्रति नं० २० । पत्र सं० १-३ । साइज-११ $\frac{1}{2}$ ×११ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १०६८ ।

१४२० प्रति नं० २१ । पत्र सं० ८४ । साइज-११×११ इंच । लेखनकाल-सं० १=५६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १०६९ ।

१४२१ प्रबोधचन्द्रिका-वैजयन्ति । पत्र सं० २६ । साइज-१०×५ $\frac{1}{2}$ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-काव्य । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १२६० ।

१४२२ भावशतक-नानराज । पत्र सं० १२ । साइज-१०×५ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-काव्य । रचना-काल X । लेखनकाल । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १३४१ ।

१४२३ भामिनीविलास-पंडितराज जगन्नाथ । पत्र सं० = । साइज-१२×५ $\frac{1}{2}$ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-काव्य । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १३३७ ।

१४२४ प्रति सं० २ । पत्र सं० ५ । साइज-१०×५ $\frac{1}{2}$ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १३३७ ।

१४२५ मेघदूत-महाकवि कालिदास । पत्र सं० १४ । साइज-१२×६ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-काव्य । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १८२२ पौष वृद्धी २ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १४११ ।

विशेष—प्रति सटीक है । प्रतिलिपि जयपुर में सवाई माधोसिंहजी के शासनकाल में हुई थी ।

१४२६ प्रति नं० २ । पत्र सं० १८ । साइज-१२×६ इञ्च । लेखनकाल-सं० १८२२ फागुण सुदी १६ । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १४१२ ।

विशेष—प्रति सटीक है ।

१४२७ प्रति नं० ३ । पत्र सं० २३ । साइज-१०×४ $\frac{1}{2}$ इञ्च । लेखनकाल-सं० १७७८ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १४१३ ।

१४२८ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ४६ । साइज-१०×४ $\frac{1}{2}$ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १४१४ ।

विशेष—प्रति सटीक है ।

१४२९ प्रति नं० ५ । पत्र सं० १४ । साइज-१०×४ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १४१५ ।

१४३० प्रति नं० ६ । पत्र सं० १८ । साइज-१२×६ इञ्च । लेखनकाल-सं० १७८१ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १४१६ ।

विशेष—प्रति सटीक है ।

१४३१ प्रति नं० ७ । पत्र सं० १० । साइज-११ $\frac{1}{2}$ ×५ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १४१७ ।

विशेष—प्रति सटीक है ।

१४३२ यशस्तिलक चम्पू-श्री सोमदेव सूरि । पत्र सं० ३४४ । साइज-१२×५ $\frac{1}{2}$ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-काव्य । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १७१६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १४३३ ।

विशेष—आमेर में महाराजाभिराज ने ग्रन्थ की प्रतिलिपि करवाई थी। जोशी टोडर ने प्रतिलिपि की थी।

१४३३ प्रति नं० २। पत्र सं० ४४१। साइज—११ $\frac{३}{४}$ ×५ $\frac{३}{४}$ इंच। लेखनकाल X। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० १४३४।

१४३४ यशोधरचरित्र—महाकवि पुष्पदन्त। पत्र सं० ६३। साइज—१० $\frac{३}{४}$ ×४ $\frac{३}{४}$ इंच। भाषा—अपभ्रंश। विषय—काव्य। रचनाकाल X। लेखनकाल X। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० १४३५।

१४३५ प्रति नं० २। पत्र सं० ६७। साइज—१०×४ $\frac{३}{४}$ इंच। लेखनकाल—सं० १७२० आसोज सुदी १। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० १४३६।

१४३६ प्रति नं० ३। पत्र सं० १७१। साइज—१० $\frac{३}{४}$ ×५ $\frac{३}{४}$ इंच। भाषा—अपभ्रंश। विषय—काव्य। रचना—काल X। लेखनकाल—सं० १६१३ भाद्रपद सुदी ८। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० १४३७।

विशेष—प्रति ऊँचा टीका सहित है। प्रत्येक शब्द का संस्कृत में पर्यायवाची शब्द दिया हुआ है। जयपुर नगर में प्रतिलिपि हुई थी।

१४३७ प्रति नं० ४। पत्र सं० ४१—८३। साइज—१०×४ $\frac{३}{४}$ इंच। लेखनकाल X। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा—जीर्ण। वेष्टन नं० १४३८।

१४३८ प्रति नं० ५। पत्र सं० ६६। साइज—१०×४ $\frac{३}{४}$ इंच। लेखनकाल—सं० १६३६ सुदी ७। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० १४३९।

विशेष—हिसार जिले में पेरोजानगर में कुतुबखाना के शासनकाल में अमोतकाग्रय गोयल गोत्र वाली साध्वी नात्की ने आत्मकर्मसंयार्थ ग्रन्थ की प्रतिलिपि करवाई थी।

१४३९ रघुवंश—महाकवि कालिदास। पत्र सं० ११८। साइज—११×६ इंच। भाषा—संस्कृत। विषय—काव्य। रचनाकाल X। लेखनकाल X। १८ सर्ग तक पूर्ण। सामान्य शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० १४४०।

१४४० प्रति नं० २। पत्र सं० २३। साइज—१०×६ इंच। लेखनकाल X। ३ सर्ग तक पूर्ण। वेष्टन नं० १४४१।

१४४१ प्रति नं० ३। पत्र सं० १२८। साइज—११×६ इंच। लेखनकाल X। १२ सर्ग तक पूर्ण। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० १४४२।

विशेष—प्रति संस्कृत टीका सहित है।

१४४२ प्रति नं० ४। पत्र सं० १३७। साइज—११ $\frac{३}{४}$ ×४ $\frac{३}{४}$ इंच। लेखनकाल—सं० १७२८ काश्या सुदी ७ शनिवार। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य जीर्ण। वेष्टन नं० १४४३।

विशेष—सीलोरख्य ग्राम में पं० लिखमा ने प्रतिलिपि की थी।

१४४३ प्रति नं० ५। पत्र सं० ७६। साइज—१० $\frac{३}{४}$ ×४ $\frac{३}{४}$ इंच। लेखनकाल X। १३ सर्ग तक पूर्ण। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० १४४४।

१४४४ प्रति नं० ६। पत्र सं० ६२। साइज—१२×५ $\frac{३}{४}$ इंच। लेखनकाल X। चार सर्ग तक। शुद्ध।

दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १४=१ ।

विशेष—संस्कृत टीका सहित है । टीकाकार समयसुन्दर गणि है ।

१४४५ प्रति नं० ७ । पत्र सं० १५३ । साइज-१०×४ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल-सं० १८४८ चैत्र शुक्ला १२ ।

अपूर्ण-प्रारम्भ के १८ पत्र नहीं हैं । शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १४=२ ।

१४४६ प्रति नं० ८ । पत्र सं० ८५ । साइज-१० $\frac{1}{2}$ ×५ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल-सं० १६०८ । अपूर्ण-प्रारम्भ के १० पत्र नहीं हैं । शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १४=३ ।

१४४७ प्रति नं० ९ । पत्र सं० १६४ । साइज-११×४ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल-सं० १६५१ । अपूर्ण । २ पत्र नहीं हैं । टीका पांचवें सर्ग से है । सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १४=४ ।

विशेष—संस्कृत टीका सहित है । टीकाकार चारित्रवर्द्धन गणि हैं ।

१४४८ प्रति नं० १० । पत्र सं० ५१ । साइज-१०×४ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १४=५ ।

१४४९ प्रति नं० ११ । पत्र सं० ३० । साइज-१०×५ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं अशुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १४=६ ।

१४५० प्रति नं० १२ । पत्र सं० १७ । साइज-११ $\frac{1}{2}$ ×४ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १४=७ ।

१४५१ प्रति नं० १३ । पत्र सं० १३२ । साइज-१०×४ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १४=८ ।

१४५२ वरांगचरित्र-भट्टारक वर्द्धमानदेव । पत्र सं० ४३ । साइज-१० $\frac{1}{2}$ ×४ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-काव्य । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६०१ ।

१४५३ प्रति नं० २ । पत्र सं० ६२-१०० । साइज-१२×४ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६०२ ।

१४५४ प्रति नं० ३ । पत्र सं० = ६ । साइज-११ $\frac{1}{2}$ ×४ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल-सं० १५६४ कार्तिक बुदी = । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६०३ ।

१४५५ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ३६ । साइज १३ $\frac{1}{2}$ ×६ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण-तेरह सर्ग तक । शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६०४ ।

१४५६ प्रति नं० ५ । पत्र सं० ६६ । साइज-११×६ इंच । लेखनकाल-सं० १७५६ भाद्रवा बुदी ६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६०५ ।

१४५७ वर्द्धमानकाव्य-जयमित्रहल । पत्र सं० ७१ । साइज-१० $\frac{1}{2}$ ×४ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा-अपभ्रंश । विषय-काव्य । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १६७४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६०६ ।

विशेष—बादशाह सलीम के शासनकाल में मेकरी (सीकरी) में जैसवाल जाति में उत्पन्न गुणमाला ने प्रतिक्रिया करवायी थी ।

१४५८ विदग्धमुखमंडन-बौध्दाचार्य धर्मदास । पत्र सं० २० । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×४ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-काव्य । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६०२ ।

१४५९ प्रति नं० २ । पत्र सं० २१ । साइज-१०×४ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल-सं० १७३० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६०३ ।

१४६० प्रति नं० ३ । पत्र सं० ११ । साइज-१०×४ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल-सं० १५११ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १६०४ ।

१४६१ प्रति नं० ४ । पत्र सं० २-३७ । साइज-११×४ इंच । लेखनकाल-सं० १६७४ माघ सुदी ७ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १६०५ ।

१४६२ बिहारीसतसई-महाकवि बिहारी । पत्र सं० ५२ । साइज-११ $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-शृंगार रस । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १=३४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६४३ ।

१४६३ बिहारकाव्य-कालदास । पत्र सं० ५ । साइज-६×४ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-काव्य । रचना-काल X । लेखनकाल-सं० १=४४ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६३५ ।

१४६४ शिशुपालवध-महाकवि माघ । पत्र सं० २२-१४३ । साइज-६×४ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-काव्य । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १४६५ माघ सुदी १३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १७११ ।

विशेष—दो प्रकार की लिपि है । माघ के पिता का नाम 'दत्तक' लिखा हुआ है ।

१४६५ प्रति नं० २ । पत्र सं० ७२ । साइज-११×४ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण-२ सग है । शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १७१२ ।

विशेष—प्रति सटीक है । टीकाकार मल्लिनाथ सूरि हैं ।

१४६७ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ३५ । साइज-११×४ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १७१३ ।

विशेष—प्रति सटीक है ।

१४६८ प्रति नं० ४ । पत्र सं० २= । साइज-१०×४ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १७१४ ।

१४६९ प्रति नं० ५ । पत्र सं० १= । साइज-१०×४ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण-२० सर्ग तक । सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १७१५ ।

१४७० प्रति नं० ६ । पत्र सं० १६ । साइज-१०×४ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १७७३ ।

१४७१ षट्कर्मोपदेशरत्नमाला—महाकवि अमरकीर्ति । पत्र सं० १०० । साइज—१०×४ $\frac{1}{2}$ इञ्च । भाषा—अपभ्रंश । विषय—काव्य । रचनाकाल X । लेखनकाल—सं० १५=२ मंगसिर बुद्धी ६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १७=६ ।

विशेष—प्रशस्ति अपूर्ण है और वह निम्न प्रकार है—

रणस्थंमगद वास्तव्ये राणा संग्रामराज्ये पार्श्वनाथ चैत्यालये खंडेलवालान्वये वैदगोत्रे.....।

१४७२ प्रति नं० २ । पत्र सं० ७-१०७ । साइज—१२×४ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० १७=७ ।

विषय—इतिहास

ग्रन्थ संख्या—६

१४७३ खंडप्रशस्ति.....। पत्र सं० ३ । साइज—११×४ $\frac{1}{2}$ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—इतिहास । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं अशुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० ३०२ ।

१४७४ राजवंशवर्णन.....। पत्र सं० २-६ । साइज—६×४ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—इतिहास । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १५३७ ।

विशेष—भारत में होने वाले प्रायः सभी राज वंशों के नाम व शासनकाल दिये हुये हैं ।

१४७५ श्रुतस्कंध—हेमचन्द्राचार्य । पत्र सं० ६ । साइज—१२×६ इञ्च । भाषा—प्राकृत । विषय—इतिहास । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १७५६ ।

१४७६ प्रति नं० २ । पत्र सं० ६ । साइज—१३×६ इञ्च । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—उत्तम । वेष्टन नं० १७५६ ।

१४७७ श्रुतावतार—पं० श्रीधर । पत्र सं० ५ । साइज—१० $\frac{3}{4}$ ×४ $\frac{1}{2}$ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—इतिहास । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १७५८ ।

१४७८ संघपट्ट—जिनवल्लभसूरि । पत्र सं० १२ । साइज—१२×४ $\frac{1}{2}$ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—धर्म । रचनाकाल—सं० १०=० । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १८२७ ।

विशेष—प्रति सटीक है । लेखक प्रशस्ति है ।

विषय—नाटक

ग्रन्थ संख्या—६

१४७६ ज्ञानसूर्योदय नाटक—वादिचन्द्र । पत्र सं० ४२ । साइज—१०×१ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—नाटक । रचनाकाल—सं० १६४८ । लेखनकाल—सं० १८३५ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । बेष्टन नं० ५३५ । विशेष—मालवदेश में सुसनेर नगर में प्रतिलिपि हुई थी ।

१४८० ज्ञानसूर्योदय नाटक भाषा—पाश्वर्दास निगोत्या । पत्र सं० १८ । साइज—१२×७ इञ्च । भाषा—हिन्दी । विषय—नाटक । रचनाकाल—सं० १६१७ । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । बेष्टन नं० ५३६ ।

१४८१ प्रति नं० २ । पत्र सं० ४० । साइज—१२×६ इञ्च । लेखनकाल—सं० १६३६ ज्येष्ठ शुक्ला १० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—उत्तम । बेष्टन नं० ५३७ ।

विशेष—श्री हीरालाल व्याख्या ने लिखवा कर इस प्रति को बड़े मन्दिर चढ़ायी थी ।

१४८२ ज्ञानसूर्योदय नाटक—जिनवरदास । पत्र सं० ५६ । साइज—११½×५ इञ्च । भाषा—हिन्दी । विषय—नाटक । रचनाकाल—सं० १८१४ । लेखनकाल—सं० १८१८ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—उत्तम । बेष्टन नं० ५३८ । विशेष—दयाचन्द चांदवाड ने इसी मन्दिर में प्रतिलिपि की थी ।

१४८३ लटकमेलक नाटक—कविराज शंखधर । पत्र सं० १५ । साइज—८½×४½ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—नाटक । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—जीर्ण । बेष्टन नं० १५६६ ।

१४८४ सभासार नाटक—कवि रघुराम । पत्र सं० १८ । साइज—६½×४ इञ्च । भाषा—हिन्दी । विषय—नाटक । रचनाकाल X । लेखनकाल—सं० १८४५ भाद्रपद शुद्ध ८ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । बेष्टन नं० १८३८ ।

विषय—व्याकरण

ग्रन्थ संख्या—१११

१४८५ अष्टाध्यायीसूत्र—आ० पाणिनी । पत्र सं० ३६ । साइज—१२×२½ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—व्याकरण । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अष्टम अध्याय के चतुर्थ पाद तक । सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । बेष्टन नं० ५४ ।

१४८६ प्रति नं० २ । पत्र सं० २१ । साइज—११×४½ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । बेष्टन नं० ५५ ।

१४८७ कातन्त्र व्याकरण महावृत्ति—मूलकर्ता—शिववर्मा । टीकाकार—दुर्गासिंह । पत्र सं० ५२१ ।

१४६० कारकप्रकरण पत्र सं० १५ । साइज-११×११ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-व्याकरण । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २५५ ।

१४६१ कारकप्रकरण पत्र सं० १५ । साइज-११×११ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-व्याकरण । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २५७ ।

१४६२ कारकवाद-श्रीमज्जयराम मट्टाचार्य । पत्र सं० १६ । साइज-१०×११ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-व्याकरण । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १७६० । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २५८ ।

१४६३ काशिकावृत्ति-वामनानार्य । पत्र सं० ३१२ । साइज-१०×४ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-व्याकरण । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण-१०२ से पत्र है । सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २६१ ।

विशेष-अष्टाध्यायी की एक टीका का नाम काशिका वृत्ति है ।

१४६४ प्रति नं० २ । पत्र सं० ३२६ । साइज-१०×३ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० २६६ ।

१४६५ क्रियाकलाप-विजयानंद । पत्र सं० ६ । साइज-१०×४ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-व्याकरण । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २७४ । प्रथम पत्र नहीं है ।

१४६६ गुणरत्नमहोदधि पत्र सं० ११० । साइज-१०×४ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-व्याकरण । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० ३१५ ।

विशेष-गोविन्दसूरि के शिष्य पं० वर्धमान कृत वृत्ति दी हुई है । सारस्वत की टीका है ।

१४६७ जैनेन्द्रव्याकरण-देवनन्दि । पत्र सं० ३२७ । साइज-१०×३ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-व्याकरण । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १७६६ कार्तिक बुदी ७ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ५१५ ।

विशेष-प्रति अमयनन्दि कृत संस्कृत टीका सहित है ।

१४६८ प्रति नं० २ । पत्र सं० २७३ । साइज-१०×४ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ५१६ ।

१४६९ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ५७७ । साइज-१०×८ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० ५१७ ।

विशेष-अमयनन्दि कृत संस्कृत टीका सहित है ।

१४७० प्रति नं० ४ । पत्र सं० ४३-६० । साइज-११×३ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० ५१८ ।

१४७१ प्रति नं० ५ । पत्र सं० २६-४६ । साइज-११×३ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० ५१९ ।

विशेष-प्रति सटीक है । टीकाकार श्री मेघविजय है ।

१४६६ प्रति नं० ६ । पत्र सं० १० । साइज-१२X६ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १२० ।

१४७० प्रति नं० ७ । पत्र सं० १६ । साइज-१६X७ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण-पंचमाध्याय तक । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ५२१ ।

विशेष—प्रति सटीक है ।

१४७१ जैनेन्द्रप्रक्रिया पत्र सं० ३६ । साइज-२०^३/_४X४ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-व्याकरण । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ४२२ ।

१४७२ धातुपाठ पत्र सं० ११ । साइज-२०X४^३/_४ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-व्याकरण । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २२५ ।

विशेष—कातन्त्र व्याकरण के आधार पर धातु पाठ की रचना हुई है ।

१४७३ धातुपाठ पत्र सं० ६ । साइज-१०^३/_४X६ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-व्याकरण । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २२६ ।

१४७४ धातुपाठावली-बोपदेय । पत्र सं० ३० । साइज-२०^३/_४X४^३/_४ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-व्याकरण । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २२७ ।

१४७५ धातुसंजरी-काशीनाथ । पत्र सं० ४७ । साइज-१०^३/_४X४^३/_४ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-व्याकरण । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २२८ ।

१४७६ पंचसंधि पत्र सं० १८ । साइज-६X४^३/_४ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-व्याकरण । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १८०३ आसोज बुदी ११ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १००८ ।

१४७७ परिभाषेन्दुशेखर-नमोजी भट्ट । पत्र सं० ७२ । साइज-६X६ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-व्याकरण । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १८६६ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । अक्षर मिट गये हैं । वेष्टन नं० १०५५ ।

१४७८ पाणिनीयभाष्य वैद्य । पत्र सं० २०४ । साइज-१०^३/_४X५^३/_४ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-व्याकरण । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १०६१ ।

विशेष—पातंजलि कृत पाणिनी व्याकरण पर भाष्य है ।

१४७९ पातंजलिमहाभाष्य-श्री पातंजलि । पत्र सं० ४५४ । साइज-१६X७ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-व्याकरण । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १७५७ आसोज बुदी ११ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण शीर्ष । दीमक ने सा रक्ता है । वेष्टन नं० १०६६ ।

१४८० प्रति नं० २ । पत्र सं० १०५ । साइज-१२X५ इंच । लेखनकाल X । प्रथम अध्याय का द्वितीय पद तक पूर्ण । जीर्ण-शीर्ष । पत्र चिपके हुए हैं । वेष्टन नं० १०६३ ।

१५११ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ६६८ । साइज-११×२ इञ्च । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं०

१०७० ।

१५१२ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ४२ । साइज-११×२ इञ्च । लेखनकाल X । प्रथम अध्याय के द्वितीय पत्र तक । सामान्य शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १०७० (क) ।

१५१३ प्रक्रियाकौमुदी-आचार्य समचन्द्र । पत्र सं० ६० । साइज-१०×४^३ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-व्याकरण । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११३८ ।

१५१४ प्रक्रियाकौमुदी-नृसिंहचार्प । पत्र सं० ३१४ । साइज-१२×४ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-व्याकरण । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १६६५ ज्येष्ठ शुक्ला २ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११३६ ।

विशेष—पत्र सं० ४०३ से प्रारम्भ की गयी है ।

१५१५ प्राकृतदीपिका..... । पत्र सं० १६४ । साइज-११×६^३ इञ्च । भाषा-प्राकृत । विषय-व्याकरण । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १८७२ कार्गुण सुदी १० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १२२४ ।

विशेष—प्रति संस्कृत टीका सहित है । टीकाकार सौभाग्यगणि है । सवाई राम गोधा ने प्रतिलिपि की थी ।

१५१६ प्रति नं० २ । पत्र सं० १००-१६३ । साइज-१०^३×८ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १२२५ ।

विशेष—संस्कृत टीका सहित है ।

१५१७ प्राकृतप्रकाश-वरुचि । पत्र सं० १३ । साइज-१०×६ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-व्याकरण । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १८४३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १२२६ ।

१५१८ प्रति नं० २ । पत्र सं० ३६ । साइज-६×४^३ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण-संक्षिप्त पत्र नहीं है । सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १२२७ ।

१५१९ प्राकृतव्याकरण-चंडकवि । पत्र सं० १६ । साइज-११×१ इञ्च । भाषा-प्राकृत । विषय-व्याकरण । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १८८२ चैत्र बुद्धी ११ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १२२८ ।

१५२० प्रति नं० २ । पत्र सं० १८ । साइज-१२×६ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १२२९ ।

१५२१ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ३५ । साइज-१०×४ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जोड़े । वेष्टन नं० १२३० ।

१५२२ प्रति नं० ४ । पत्र सं० १५ । साइज-११×४ इञ्च । लेखनकाल-सं० १८५२ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १२३१ ।

१५२३ प्रति नं० ५ । पत्र सं० ३१-४३ । साइज-१०×४^३ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १२३२ ।

१५२१ माधवीयधातुवृत्ति-सायणाचार्य । पत्र सं० १६४ । साइज-१०×४ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-व्याकरण । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १३८७ ।

विशेष—यह ग्रन्थ रत्नविशाल नणि के वाचनार्थ लिखा गया था । इसकी अंतिम पुष्पिका इस प्रकार है ।

इति श्री पूर्वदक्षिणपश्चिमसमुद्राधीश्वरकंपराजसुतसंगममहाराजसंविद्या मायणसुतेन माधवमहोदरेण सायणाचार्येण विरचितायां माधवीयां धातु वृत्तौ चुरादयः संपूर्णाः ।

१५२५ लघुसिद्धान्त कौमुदी-वरदराज । पत्र सं० १५८ । साइज-८×५ १/२ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-व्याकरण । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १५६१ ।

विशेष—समाप्त पर्यन्त है । वरदराज भट्टोजीदीक्षित के शिष्य थे । लघुसिद्धान्त कौमुदी सिद्धान्तकौमुदी का संचित भाग है ।

१५२६ वाक्यप्रकाश..... । पत्र सं० ११ । साइज-१०×४ १/२ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-व्याकरण । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६५२ ।

विशेष—प्रति सटिक है । टीका संस्कृत है ।

१५२६ (क) प्रति नं० २ । पत्र सं० ११ । साइज-१०×४ १/२ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६५३ ।

१५२७ वैयाकरण भूषणसार-श्री कोंडभट्ट । पत्र सं० ४२ । साइज-११×६ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-व्याकरण । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १३६२ ।

विशेष—केवल स्फोट तत्त्व का निरूपण किया गया है ।

१५२८ प्रति नं० २ । पत्र सं०-२२-८५ । साइज-११×४ १/२ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६६८ ।

१५२९ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ३८ । साइज-११×४ १/२ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । दो प्रतियों का मिश्रण है । वेष्टन नं० १६६९ ।

१५३० व्याकरणसूत्र । पत्र सं० ४ । साइज-१२×६ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-व्याकरण । रचना-काल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६८० (ख) ।

१५३१ शब्दशोभा-कवि नीलकण्ठ । पत्र सं० ३३ । साइज-६×४ १/२ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-व्याकरण । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १८२४ श्रावण कुदी अमावस । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६८५

१५३२ शब्दसंग्रह..... । पत्र सं० ७ । साइज-१०×४ १/२ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-व्याकरण । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६८६ ।

१५३३ शब्दानुशासन-हेमचन्द्राचार्य । पत्र सं० १०० । साइज-१०×४ १/२ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-व्याकरण । रचनाकाल X । लेखनकाल X । सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६८७ ।

[संस्करण]

१५३४ प्रति नं० २ । पत्र सं० ३५ । साइज-१०×४ इंच । भाषा-संस्कृत । रचनाकाल × । लेखन-
काल × । अपूर्ण-मन्त्रम अध्याय तक । शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६८८ ।

विशेष-लघु वृत्ति सहित है ।

१५३५ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ५६ । साइज-१०×४ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-व्याकरण । रचना-
काल × । लेखनकाल-सं० १=६० वैशाख सुदी ५ । अष्टम अध्याय तक । शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १६८९ ।

१५३६ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ६ । साइज-१२×४ इंच । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-
सामान्य । वेष्टन नं० १५८० ।

१५३७ सारस्वतचन्द्रिका पत्र सं० ३४-६० । साइज-१२×६ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-
व्याकरण । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २०४८ ।

१५३८ प्रति नं० २ । पत्र सं० ८ । साइज-१२×४ इंच । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-
सामान्य । वेष्टन नं० २०४८ ।

१५३९ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ३३-६० । साइज-१२×६ इंच । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं अशुद्ध ।
दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २०४८ ।

१५४० प्रति नं० ४ । पत्र सं० ३१ । साइज-१०×४ इंच । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २०४८ ।

१५४१ सारस्वतदीपिका-टीकाकार-श्री चन्द्रकोटिसूरि । पत्र सं० १६२ । साइज-१०×४ इंच । भाषा-
संस्कृत । विषय-व्याकरण । रचनाकाल × । लेखनकाल-सं० १८४८ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २०२८ ।

विशेष-तत्त्वपुर में श्री माणिक्यचन्द्रजी ने प्रतिलिपि की थी ।

१५४२ प्रति नं० २ । पत्र सं० १३२ । साइज-१०×४ इंच । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-
सामान्य । वेष्टन नं० २०२८ ।

१५४३ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ७८-२१६ । साइज-१०×४ इंच । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध ।
दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २०३० ।

१५४४ सारस्वतप्रक्रिया-अनुभूतिस्वरूपाचार्य । पत्र सं० ८३ । साइज-८ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-
व्याकरण । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २०३६ ।

१५४५ प्रति नं० २ । पत्र सं० १०८ । साइज-१०×४ इंच । लेखनकाल × । अपूर्ण-प्रथम पत्र नहीं है ।
सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २०३६ ।

१५४६ प्रति नं० ३ । पत्र सं० २८-८३ । साइज-१० इंच । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा-उत्तम । वेष्टन नं० २०३६ ।

१५४७ प्रति सं० ४ । पत्र सं० १०४ । साइज-११ $\frac{१}{२}$ ×१ इंच । लेखनकाल-सं० ३७७६ जेष्ठ शुक्ल ।
अपूर्ण-प्रारम्भ के ११ पत्र नहीं हैं । दशा-सामान्य । वेष्टन सं० २०३४ ।

१५४८ प्रति सं० ५ । पत्र सं० १ । साइज-११×१ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण-पंचसंधि मात्र है । दशा-सामान्य । वेष्टन सं० २०३४ ।

१५४९ प्रति सं० ६ । पत्र सं० २२ । साइज-१२×१ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल-सं० १=७६ । अपूर्ण एवं अशुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन सं० २०३३ ।

१५५० प्रति सं० ७ । पत्र सं० ३८ । साइज-११×४ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन सं० २०३२ ।

विशेष—केवल सूत्र ही हैं ।

१५५१ प्रति सं० ८ । पत्र सं० ७८ । साइज-८×२ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल-सं० १=६० । पूर्ण वृद्धत प्रक्रिया तक । अशुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन सं० २०३६ ।

१५५२ प्रति सं० ९ । पत्र सं० १६-११ । साइज-११×४ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन सं० २०३६ ।

१५५३ प्रति सं० १० । पत्र सं० २-३० । साइज-१०×४ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन सं० २०३६ ।

१५५४ प्रति सं० ११ । पत्र सं० १-३२ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन सं० २०३६ ।

१५५५ प्रति सं० १२ । पत्र सं० १-३६ । साइज-११×५ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन सं० २०३६ ।

१५५६ प्रति सं० १३ । पत्र सं० २६ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×५ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन सं० २०३७ ।

१५५७ प्रति सं० १४ । पत्र सं० २७ । साइज-८×६ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन सं० २०३७ ।

१५५८ प्रति सं० १५ । पत्र सं० १३ । साइज-१०×४ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन सं० २०३८ ।

१५५९ प्रति सं० १६ । पत्र सं० ६५ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×५ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन सं० २०४३ ।

१५६० प्रति सं० १७ । पत्र सं० ७ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×५ इंच । लेखनकाल-सं० १=६२ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन सं० २०४७ ।

विशेष—केवल सूत्र हैं ।

१५६१ प्रति नं० १८ । पत्र सं० २१ । साइज—६×४ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल—सं० १६६३ आसोज सुदी १ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २०५० ।

१५६२ प्रति नं० १९ । पत्र सं० ३७ । साइज—१०×६ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा—उत्तर । वेष्टन नं० २०४६ ।

१५६३ प्रति नं० २० । पत्र सं० ८ । साइज—३ $\frac{1}{2}$ ×४ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण—प्रथमसंधि पर्यन्त । सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २०४० ।

१५६४ प्रति नं० २१ । पत्र सं० ३३—८३ । साइज—१२×६ इंच । लेखनकाल—सं० १६३३ आषाढ सुदी ६ । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २२०४ ।

विशेष—लिपिकार गौरीलाल चाकलीवाल है ।

१५६५ प्रति नं० २२ । पत्र सं० ३४—८६ । साइज—१२×५ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल—सं० १६३३ आषाढ सुदी ६ । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २०३१ ।

१५६६ प्रति नं० २३ । पत्र सं० ६३ । साइज—१० $\frac{1}{2}$ ×४ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल—सं० १६४५ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २०४१ ।

१५६७ प्रति नं० २४ । पत्र सं० ४६ । साइज—१०×४ इंच । लेखनकाल—सं० १७४३ मंगसिर सुदी १३ । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० २०४२ ।

१५६८ प्रति नं० २५ । पत्र सं० ८ । साइज—८ $\frac{1}{2}$ ×५ इंच । लेखनकाल—सं० १८४८ । पंचसंधि पूर्ण । शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २०४२ ।

१५६९ प्रति नं० २६ । पत्र सं० ६ । साइज—८ $\frac{1}{2}$ ×५ इंच । लेखनकाल X । पंचसंधि तक । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २०४२ ।

१५७० प्रति नं० २७ । पत्र सं० ५६ । साइज—८×४ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २०४२ ।

१५७१ सारस्वतप्रदीप—महेश्वर । पत्र सं० ६ । साइज—१०×४ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—व्याकरण कोश । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० २०४६ ।

विशेष—धातुओं के रूप हैं ।

१५७२ सारस्वतरूपमाला..... । पत्र सं० ४ । साइज—१०×४ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—व्याकरण । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २०४५ ।

१५७३ सारस्वतटीका—टीकाकार—पुंजराज । पत्र सं० २—६३ । साइज—१०× इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—व्याकरण । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० २०४४ ।

१५७४ सिद्धान्तकौमुदी-भट्टोजीदीक्षित । पत्र सं० १४६ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×५ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-व्याकरण । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्वाद्ध पूर्ण । सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २०५६ ।

१५७५ प्रति नं० २ । पत्र सं० १२० । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×६ इंच । लेखनकाल X । उत्तरार्द्ध । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० २०६० ।

१५७६ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १४० । साइज-१०×६ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण पूर्वाद्ध तक । सामान्य शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० २०६१ ।

१५७७ प्रति नं० ४ । पत्र सं० १४० । साइज-१०×६ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २०६२ ।

१५७८ प्रति नं० ५ । पत्र सं० १६७ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं अशुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २०६३ ।

१५७९ प्रति नं० ६ । पत्र सं० ११६ । साइज-१०×४ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल-सं० १७६३ । अर्णो-प्रारम्भ के ४५ पत्र नहीं हैं । शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २०६४ ।

विशेष—संस्कृत टीका सहित है । टीकाकार ज्ञानेन्द्र सरस्वती है ।

टीका का नाम तत्त्वबोधिनी टीका है ।

१५८० प्रति नं० ७ । पत्र सं० १६० । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल-सं० १७६२ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २०६५ ।

१५८१ प्रति नं० ८ । पत्र सं० ६७ । साइज-१०×४ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । तिङन्त स्वर प्रकरण तक । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० २०६६ ।

विशेष—संस्कृत टीका सहित है । टीकाकार जयकृष्ण है ।

१५८२ प्रति नं० ९ । पत्र सं० ६८ । साइज-१०×४ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २०६७ ।

१५८३ प्रति नं० १० । पत्र सं० २२ । साइज-१०×४ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २०६८ ।

१५८४ प्रति नं० ११ । पत्र सं० १५५ । साइज-१०×६ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २२०१ ।

१५८५ प्रति नं० १२ । पत्र सं० १८२ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २२०२ ।

विशेष—प्रति संस्कृत टीका सहित है । टीकाकार ज्ञानेन्द्र सरस्वती है ।

१५८६ सिद्धान्तचन्द्रिका-श्री रामचन्द्र । पत्र सं० १३८ । साइज-१०×५ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-

साधारण । रचनाकाल X । लेखनकाल X । तृतीय वृत्ति तक पूर्ण । शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० २०६६ ।

१५८७ प्रति नं० २ । पत्र सं० ८६ । साइज-१०X४ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण-प्रारम्भ के १० पत्र भी हैं । सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २०७१ ।

१५८८ प्रति नं० ३ । पत्र सं० २७ । साइज-१० $\frac{1}{2}$ X४ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल-सं० १८४३ अष्टादशुक्ला ४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २०७२ ।

१५८९ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ५२ । साइज-११X५ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण-पूर्वार्द्ध । शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २०७२ ।

१५९० प्रति सं० ५ । पत्र सं० ७० । साइज-१० $\frac{1}{2}$ X४ $\frac{1}{2}$ इंच । पूर्ण-पूर्वार्द्ध । शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २०७३ ।

१५९१ प्रति नं० ६ । पत्र सं० १० । साइज-१२X५ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जोर्था शीर्ष । वेष्टन सं० २०७४ ।

१५९२ सिद्धान्तचन्द्रिका टीका-टीकाकार-सदानंद । पत्र सं० १२४ । साइज-१० $\frac{1}{2}$ X६ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-व्याकरण । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २०७० ।

१५९३ स्वरोद्देश । पत्र सं० ३१ । साइज-११X४ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-व्याकरण । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १८४२ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१६८ ।

विशेष—हिन्दी टीका भी है ।

१५९४ हेमलघुन्यास । पत्र सं० ४०१ । साइज १०X४ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-व्याकरण । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १५०१ आवण वृद्धी २ । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २२१८ ।

विशेष—लिपि बहुत बारीक है । २६६ से पूर्व के पत्र नहीं हैं ।

१५९५ हेमन्यास टीका । पत्र सं० ४६ । साइज-११X५ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-व्याकरण । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० २२५६ ।

विषय—कोश

ग्रन्थ संख्या—३०

१५९६ अनेकार्थसंग्रह—हेमचन्द्राचार्य । टीकाकार श्री सहेन्द्र सार । पत्र सं० १६३ । साइज-१० $\frac{1}{2}$ X४ $\frac{1}{2}$ इंच ।

भाषा-संस्कृत । विषय-कोश । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १७६२ माघ शुक्ला सप्तमी । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १ = ।

विशेष—विक्रमपुर में पं० मुनि सुजानसिंह ने अपने पढ़ने के लिये प्रतिलिपि की थी ।

१५६७ अनेकार्थध्वनि संजरी.....। पत्र सं० ७ । साइज—१२×५ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—कोश । रचनाकाल X । लेखनकाल—सं० १=१२ भाष जुदी १ । तृतीय अध्याय तक पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १७ ।

विशेष—जयपुर में प्रतिलिपि की गयी थी ।

१५६८ प्रति नं० २ । पत्र सं० १= । साइज—८ $\frac{1}{2}$ ×८ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—कोश । रचनाकाल X । लेखनकाल X । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १८ ।

१५६९ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १४ । साइज—१०×४ इंच । भाषा—संस्कृत । रचनाकाल X । लेखकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १४ ।

१६०० अभिधानचिंतामणिनाममाला—आचार्य देवचन्द्र । पत्र सं० १०१ । साइज—१०×४ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—कोश । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण—६ कांड तक । सामान्य शुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० ३० ।

विशेष—प्रति संस्कृत टीका सहित है ।

१६०१ प्रति नं० २ । पत्र सं० ८६ । साइज—१०×४ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । तीसरे कांड तक पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २१ ।

१६०२ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १० । साइज—१०×४ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २२ ।

१६०३ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ६७ । साइज—१०×८ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० ३२ ।

विशेष—श्री हंगरसा ने प्रतिलिपि की थी ।

१६०४ अमरकोश—अमरसिंह । पत्र सं० ६० । साइज—८×४ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—कोश । रचनाकाल X । लेखनकाल—सं० १०४१ कालिक सुदी २ । तीसरे कांड तक पूर्ण । शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २३ ।

विशेष—खीमसी ऋषि के छोटे भाई नेतसी ने कोटा नगर में प्रतिलिपि की थी ।

१६०५ प्रति नं० २ । पत्र सं० १३ । साइज—११ $\frac{1}{2}$ ×११ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २४ ।

१६०६ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ४= । साइज—१२×५ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल—सं० १=१२ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २५ ।

विशेष—जयपुर में जयनन्दजी ने प्रतिलिपि की थी ।

१६०७ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ३६ । साइज—१२ $\frac{1}{2}$ ×६ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २६ ।

विशेष—प्रति संस्कृत टीका सहित है।

१६०८ प्रति नं० ५। पत्र सं० ३३। साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×२ इंच। भाषा—संस्कृत। विषय—कोश। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० ६०।

१६०९ प्रति नं० ६। पत्र सं० ५१-११६। साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×२ इंच। भाषा—संस्कृत। विषय—कोश। रचनाकाल ×। लेखनकाल—सं० १=६५ चैत्र सुदी ११। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० ६०।

१६१० प्रति नं० ७। पत्र सं० २३। साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×२ इंच। भाषा—संस्कृत। विषय—कोश। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० ६०।

१६११ प्रति नं० ८। पत्र सं० ३०-४३। साइज-१२ $\frac{१}{२}$ ×२ इंच। भाषा—संस्कृत। विषय—कोश। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० ६०।

१६१२ प्रति नं० ९। पत्र सं० १३। साइज-१०×४ $\frac{१}{२}$ इंच। भाषा—संस्कृत। विषय—कोश। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० ६०।

१६१३ अमरकोश सटीक—रचयिता श्री अमरसिंह। टीकाकार—श्री भानुजीदीक्षित। पत्र सं० ४४२। साइज-११×१२ $\frac{१}{२}$ इंच। भाषा—संस्कृत। विषय—कोश। रचनाकाल ×। लेखनकाल—सं० १=६० माघ शुक्ला १। तीसरे अंश तक पूर्ण। सामान्य शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० २७।

विशेष—लेखक लक्ष्मीनाथ। कोश की एक पुष्पिका निम्न प्रकार है।

इति श्री बघेरालबंशोदभव श्री महीपरत्रिपद्याधिपकीर्तिसिंहदेवाक्षया श्री ५ भट्टोजिदीक्षितात्मज श्री भानुजीदीक्षित विचितायां अमरटीकायां व्याख्या सुधारुणाय द्वितीयकांडे त्रयोपधि वर्गः विवरणं समाप्तं।

१६१४ एकाक्षरीनाममाला। पत्र सं० ३। साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×४ इंच। भाषा—संस्कृत। विषय—कोश। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० २०७।

१६१५ एकाक्षरनाममालिका—मुनि विश्वशंभु। पत्र सं० ११। साइज-१०×४ $\frac{१}{२}$ इंच। भाषा—संस्कृत। विषय—कोश। रचनाकाल ×। लेखनकाल—सं० १=५२१ माघ सुदी ५। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० २०८।

विशेष—यह पुस्तक जोधराज मोदीका ने पढ़ने के लिये लिखी थी।

१६१६ नाममाला—धनंजय। पत्र सं० १३। साइज-११×२ इंच। भाषा—संस्कृत। विषय—कोश। रचनाकाल ×। लेखनकाल—सं० १=२७। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० ७२४।

१६१७ प्रति नं० १०। पत्र सं० १६। साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इंच। भाषा—संस्कृत। विषय—कोश। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० ८८२।

१६१८ प्रति नं० ११। पत्र सं० १७। साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×४ इंच। भाषा—संस्कृत। विषय—कोश। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० ८८३।

१६१९ प्रति नं० १२। पत्र सं० १८। साइज-१०×४ $\frac{१}{२}$ इंच। भाषा—संस्कृत। विषय—कोश। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० ८८४।

१६२० प्रति नं० ५ । पत्र सं० १६ । साइज-११×५ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० ६१० ।

१६२१ नानार्थकोश..... पत्र सं० ४० । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-कोश । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण-प्रथम तथा अन्तिम पत्र नहीं हैं । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६२५ ।

१६२२ मानमंजरी-नन्ददास । पत्र सं० १२ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-कोश । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १७५४ सात्र सुदी २ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १३६० ।

१६२३ विश्वलोचन-पंडित धर्मसेन । पत्र सं० ५१-८२ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-कोश । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १६२२ अषाढ शुक्ला १ अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६४५ ।

१६२४ शब्दकौस्तुभ-महोजीभट्ट । पत्र सं० २०६ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-कोश । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण-प्रथम अध्याय के प्रथम पाद तक । सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६८४ ।

१६२५ हैर्मानाममाला सूची..... पत्र सं० ५ । साइज-१०×४ $\frac{१}{२}$ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-कोश । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २०६१ । विशेष-केवल सूची मात्र है ।

विषय—आयुर्वेद

ग्रन्थ सख्या—११

१६२६ जगसुंदरीप्रयोगमाला-मनि यशःकीर्ति । पत्र सं० १०० । साइज-११ $\frac{१}{२}$ ×५ $\frac{१}{२}$ इंच । भाषा-अपभ्रंश । विषय-आयुर्वेद । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण-अन्तिम पत्र नहीं है । शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १४८ ।

१६२७ पठ्यापठ्य..... पत्र सं० १३ । साइज-८×४ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-आयुर्वेद । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं अशुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० ६४३ ।

१६२८ मधुकोशल..... पत्र सं० ४१ । साइज-१२×५ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-आयुर्वेद । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १३७३ ।

१६२६ योगसार..... पत्र सं० ३४-२०३ । साइज-१२×४ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-आयुर्वेद । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १४६० ।

१६३० योगरत्नावली-परमशिवाचार्य पं० श्रीकृष्ण । पत्रसं० २ । साइज-११×५ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-आयुर्वेद । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १४६६ ।

विशेष—केवल रसायन विधि नामक छद्मा परिच्छेद है ।

१६३१ योगचिन्तामणि-वर्षकीर्ति । पत्र सं० ६० । साइज-१०×४ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-आयुर्वेद । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १६६३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १४७२ ।

१६३२ शतश्लोकवैद्यक-व्योपदेव । पत्र सं० ६ । साइज-१०½×४½ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-आयुर्वेद । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६२२ ।

१६३३ शार्ङ्गधर संहिता-शार्ङ्गधर । पत्र सं० ५६ । साइज-१०×४ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-आयुर्वेद । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १७०४ ।

१६३४ शार्ङ्गधरदोषिका-श्री भावसिंहात्मज "नाटमल्ल" । पत्र सं० १५१ । साइज-१२×६ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-आयुर्वेद । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १७०४ ।

१६३५ सुश्रुतसंहिता-श्री सुश्रुत । पत्र सं० २२०-२३२ । साइज-१२×५ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-आयुर्वेद । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २१३७ ।

१६३६ प्रति नं० २ । पत्र सं० २-४३ । साइज-१२×५ इञ्च । लेखनकाल-सं० १६४४ कायस्थ सुदी ७ । शरीराध्याय तक सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१३६ ।

विशेष—प्रति संस्कृत टीका सहित है । टीकाकार श्री जयदास है ।

विषय—ज्योतिषादि निमित्त-ज्ञान साहित्य

ग्रन्थ संख्या—६६

१६३७ अबजदकेवली..... पत्र सं० २ । साइज-१०½×५ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-ज्योतिष । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६ ।

१६३८ अरिष्टाध्याय..... पत्र सं० २४ । साइज-१२×८ इञ्च । भाषा-प्राकृत । विषय-ज्योतिष शास्त्र । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १६८० माघ कृष्ण ३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० ३० ।

विशेष—हिन्दी में शब्दार्थ दिया हुआ है ।

१६३६ प्रति नं० २ । पत्र सं० २२ । साइज-१२X८ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३० ।

१६४० प्रति नं० ३ । पत्र सं० ११ । साइज-२१X१२ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३१ ।

१६४१ गणपाठ..... । पत्र सं० २४ । साइज-१०X५ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-ज्योतिष । रचनाकाल X ।
लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३०८ ।

१६४२ गर्भपङ्कटारचक-देवनंदि । पत्र सं० ६ । साइज-१० $\frac{1}{2}$ X५ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-ज्योतिष ।
रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३१२ ।

१६४३ गृहलाघव-गणेश दैवज्ञ । पत्र सं० ३१ । साइज-१०X४ $\frac{1}{2}$ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-
ज्योतिष । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । प्रथम पत्र नहीं है । वेष्टन नं० ३४७ ।

१६४४ प्रति नं० २ । पत्र सं० २२ । साइज-१०X४ इञ्च । लेखनकाल-सं० १७६० । पूर्ण एवं शुद्ध ।
दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० ३४८ ।

विशेष—प्रति संस्कृत टीका सहित है ।

१६४५ गृहदृष्टिकल..... । पत्र सं० ६ । साइज-११X५ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-ज्योतिष । रचना-
काल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३४६ ।

१६४६ गृहगोचरफल..... । पत्र सं० २ । साइज-१२X४ $\frac{1}{2}$ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-ज्योतिष ।
रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३५० ।

१६४७ चन्द्रोन्मीलन..... । पत्र सं० २७ । साइज-११X२ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-ज्योतिष ।
रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १८५२ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ४०२ ।

१६४८ चन्द्रोन्मीलन टीका..... । पत्र सं० ६६ । साइज-११X२ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-ज्योतिष ।
रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १७५४ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ४०३ ।

विशेष—संग्रामपुर में भट्टारक जगत्कीर्ति ने टीका लिखवायी थी ।

१६४९ चमत्कारचिंतामणि-श्री नारायण भट्ट । पत्र सं० ५ । साइज-१०X४ इञ्च । भाषा-संस्कृत ।
विषय-ज्योतिष । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ४०४ ।

१६५० चमत्कारचिंतामणि-कल्याणवर्मा । पत्र सं० १३ । साइज-८X४ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-
ज्योतिष । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ४०५ ।

१६५१ जातकपद्धति-श्री गणक केशव । पत्र सं० ६ । साइज-१० $\frac{1}{2}$ X४ $\frac{1}{2}$ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-
ज्योतिष । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ४६४ ।

१६५२ जातकपद्धति-श्रीपति भट्ट । पत्र सं० १३ । साइज-१० $\frac{1}{2}$ X४ $\frac{1}{2}$ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-

ज्योतिष । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—उत्तम । वेष्टन नं० ४६५ ।

१६५३ जातकालंकार—गणेश दैवज्ञ । पत्र सं० १७ । साइज—१० $\frac{१}{२}$ X ४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—ज्योतिष । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ४६६ ।

विशेष—लेखक श्री गोपाल के पुत्र थे ऐसा स्वयं लेखक ने लिखा है ।

१६५४ ज्योतिष खंड । पत्र सं० ४ । साइज—१० X ५ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—ज्योतिष । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—उत्तम । वेष्टन नं० ५२४ ।

विशेष—दूसरे पत्र से इसी छन्द शास्त्र का विषय वर्णित है ।

१६५५ ज्योतिषरत्नमाला—श्रीपति । पत्र सं० ११ । साइज—१० $\frac{१}{२}$ X ४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—ज्योतिष । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण—आगे के पत्र नहीं हैं । सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ५२५ ।

१६५६ प्रति नं० २ । पत्र सं० २५ । साइज—१२ X ५ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल—सं० १८०३ वैशाख बुदी १३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ५२६ ।

विशेष—रामचन्द्र ने प्रतिलिपि की थी ।

१६५७ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १६ । साइज—१० X ५ इञ्च । लेखनकाल—सं० ११५६ श्रावण पंचमी । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० ५२६ ।

विशेष—निदानपुर में भारमल्ल के शासनकाल में ग्रन्थ की प्रतिलिपि की गयी थी ।

१६५८ ज्योतिषशास्त्र । पत्र सं० १६ । साइज—११ X ४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—ज्योतिष । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ५२७ ।

१६५९ ज्योतिषकरण्ड । पत्र सं० ५—६७ । साइज—१० $\frac{१}{२}$ X ४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा—प्राकृत । विषय—ज्योतिष । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ५२८ ।

विशेष—संस्कृत में टीका दी हुई है । टीकाकार श्री मलयगिरि हैं ।

१६६० ताजिकशास्त्र—श्री विश्वनाथ । पत्र सं० ५१ । साइज—११ X ५ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—ज्योतिष । रचनाकाल X । टीकाकाल—सं० १५५९ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ६३२ ।

विशेष—प्रति संस्कृत टीका सहित है । टीकाकार श्री नीलकण्ठ हैं ।

१६६१ प्रति नं० २ । पत्र सं० ७४ । साइज—११ X ५ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—उत्तम । वेष्टन नं० ६३२ ।

१६६२ प्रति नं० ३ । पत्र सं० २६ । साइज—१० $\frac{१}{२}$ X ४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ६३३ ।

१६६३ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ८ । साइज—१० X ४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ६३३ ।

१६६४ प्रति नं० ५ । पत्र सं० २७ । साइज-१० $\frac{३}{४}$ ×५ इञ्च । लेखनकाल-सं० १६६७ । पूर्ण एवं शुद्ध ।
दशा-उत्तम । वेष्टन नं० ६३४ ।

विशेष—प्रति संस्कृत टीका सहित है । टीकाकार श्री हर्षरत्न है ।

१६६५ दशाचक्र..... । पत्र सं० २६ । साइज-११×४ $\frac{३}{४}$ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-ज्योतिष ।
रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ७१२ ।

१६६६ दिवाकरपद्धति-दिवाकर । पत्र सं० ६ । साइज-१० $\frac{३}{४}$ ×४ $\frac{३}{४}$ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-ज्योतिष ।
रचनाकाल-सं० १६४७ (शक) । लेखनकाल-सं० १८३० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ७४० ।

१६६७ दिशाफल..... । पत्र सं० ६ । साइज-१० $\frac{३}{४}$ ×४ $\frac{३}{४}$ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-ज्योतिष ।
रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ७४१ ।
विशेष—अन्तिम पत्र पर विपता का चक्र भी है ।

१६६८ नवग्रह विचार..... । पत्र सं० ५ । साइज-९×४ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-ज्योतिष ।
रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ७५७ ।

१६६९ नृपतिजयचर्या-नरपति । पत्र सं० ४६ । साइज-१० $\frac{३}{४}$ ×४ $\frac{३}{४}$ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-ज्योतिष ।
रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १८३० । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ९२६ ।

१६७० नारचन्द्र ज्योतिषशास्त्र-नारचन्द्र । पत्र सं० १६ । साइज-१०×४ $\frac{३}{४}$ इञ्च । भाषा-संस्कृत ।
विषय-ज्योतिष । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण-प्रथम पत्र नहीं है । शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८८६ ।

१६७१ निमित्त शास्त्र..... । पत्र सं० १० । साइज-१० $\frac{३}{४}$ ×४ $\frac{३}{४}$ इञ्च । भाषा-हिन्दी (पुरानी) । विषय-
ज्योतिष । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १६०० । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ९०७ ।

१६७२ पद्मकोश-नगिन्द्रि । पत्र सं० ७ । साइज-१० $\frac{३}{४}$ ×४ $\frac{३}{४}$ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-ज्योतिष ।
रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ९४० ।

१६७३ पाशाकेवली..... । पत्र सं० १० । साइज-८ $\frac{३}{४}$ ×४ $\frac{३}{४}$ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-ज्योतिष ।
रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १६४० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११०३ ।

१६७४ पाशाकेवली-गर्गज्योतिष । पत्र सं० ११ । साइज-१० $\frac{३}{४}$ ×४ $\frac{३}{४}$ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-ज्योतिष ।
रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११०४ ।

१६७५ प्रश्नदीपिका..... । पत्र सं० ४ । साइज-१० $\frac{३}{४}$ ×४ $\frac{३}{४}$ इञ्च । विषय-ज्योतिष । रचनाकाल X ।
लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११६६ ।

१६७६ प्रति नं० २ । पत्र सं० ४ । साइज-११×४ $\frac{३}{४}$ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११६७ ।

१६७७ भद्रबाहु संहिता-भद्रबाहु । पत्र सं० ८० । साइज-९×४ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-स्वप्न-

रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १६७१ मंगसिर सुदी ६ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १३१५ । विशेष—मुनि पद्मनाब्दि ने गोपाचल में प्रतिलिपि की थी ।

१६७८ प्रति नं० २ । पत्र सं० ६८ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ X५ इंच । लेखनकाल-सं० १६०७ मादवा सुदी ७ ।

पूर्ण-२२-६० तक । सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १३१६ ।

१६७९ भुवनदीपक-श्री पद्मप्रभसूरि । पत्र सं० १६ । साइज-११X५ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-ज्योतिष । रचनाकाल-सं० ११३४ । लेखनकाल-सं० ११३२ ? (१०३२) । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १३१७ ।

१६८० भुवनदीपक-हेमप्रभसूरि । पत्र सं० ३६ । साइज-१३X६ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-ज्योतिष । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १३१८ ।

१६८१ मानसागरीपद्धति..... । पत्र सं० १७१ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ X४ $\frac{१}{२}$ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-ज्योतिष । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १८३० चैत्र शुक्ला १४ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १३१९ ।

१६८२ मासेश्वरफल..... । पत्र सं० १ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ X४ $\frac{१}{२}$ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-ज्योतिष । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १३२० ।

१६८३ मुहूर्त्तमुक्तावली-परमहंसपद्मिजाजकाचार्य । पत्र सं० ६ । साइज-१२X५ $\frac{१}{२}$ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-ज्योतिष । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १८७५ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १४०४ ।

१६८४ मुहूर्त्तवितामणि..... । पत्र सं० २५ । साइज-११X४ $\frac{१}{२}$ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-ज्योतिष । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १४०३ ।

१६८५ रत्नदीपक..... । पत्र सं० ८ । साइज-१०X४ $\frac{१}{२}$ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-ज्योतिष । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १४१६ ।

१६८६ रत्नमञ्जूषा..... । पत्र सं० १७ । साइज-१०X४ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-ज्योतिष । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण-प्रारम्भ के १२ पत्र नहीं हैं । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १४२० ।

१६८७ राजयोगवर्णन..... । पत्र सं० ३ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ X४ $\frac{१}{२}$ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-ज्योतिष । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १४३६ ।

१६८८ वर्षतन्त्र-श्री नीलकण्ठ । पत्र सं० ३५ । साइज-११X४ $\frac{१}{२}$ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-ज्योतिष । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६१६ ।

१६८९ वर्षविनोद-शमविनोद । पत्र सं० १३ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ X४ $\frac{१}{२}$ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-ज्योतिष । रचनाकाल-सं० १४६० । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६१७ ।

१६९० बृहज्जातक-श्री वराहमिहिर । पत्र सं० ३७ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ X५ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-ज्योतिष । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १६६४ ।

विशेष—प्रति ११ पत्र सं० १ ।

१६६१ वराहसंहिता पत्र सं० ६ । साइज—१० $\frac{१}{२}$ ×४ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—ज्योतिष ।
रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १६५२ ।

विशेष—केवल स्त्रीभाव फल है ।

१६६२ शकुनशास्त्र पत्र सं० २३ । साइज—१० $\frac{१}{२}$ ×५ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—ज्योतिष ।
रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १६०१ ।

१६६३ पट्पंचासिका वृत्ति—महोत्पल ! पत्र सं० १० । साइज—११×१० $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—
ज्योतिष । रचनाकाल X । लेखनकाल—सं० १०२० वैशाख सुदी १० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १५९० ।
विशेष—महाचन्द्र ने नवपठनाथ लिखी थी ।

१६६४ प्रति नं० २ । पत्र सं० ८ । साइज—११×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल—सं० १०८२ । पूर्ण एवं शुद्ध ।
दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १७६० ।

१६६५ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १४ । साइज—८ $\frac{१}{२}$ ×५ इञ्च । लेखनकाल—सं० १०२५ पौष सुदी ५ । पूर्ण
एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १७८६ ।

विशेष—हिन्दी कथें ली दिला गया है ।

१६६६ सर्वतोमद्रचक्र पत्र सं० ५ । साइज—११×५ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—ज्योतिष ।
रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ११५३ ।

१६६७ सानुद्रिक पत्र सं० १४ । साइज—८×६ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—ज्योतिष । रचना-
काल X । लेखनकाल—सं० १०३३ फागुण सुदी १३ । पूर्ण एवं अशुद्ध । दशा—जीर्ण । पत्र एक दूसरे से चिपे हुये हैं ।
वेष्टन नं० २०२२ ।

१६६८ स्वप्नाविचार पत्र सं० ५ । साइज—११×५ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—ज्योतिष ।
रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २१६१ ।

१६६९ स्वप्नाध्याय पत्र सं० २ । साइज—१० $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—ज्योतिष ।
रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २१६२ ।

१७०० होराष्टपंचासिका टीका पत्र सं० २७ । साइज—८×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल—सं० १८७० ।
पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २२६० ।

१७०१ प्रति नं० २ । पत्र सं० ५ । साइज—१०×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल—सं० १८६० वैशाख सुदी १० ।
पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २२६० ।

१७०२ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ८ । साइज—१० $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल—सं० १८२८ । पूर्ण एवं शुद्ध ।
दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २२६० ।

विषय—मंत्र तंत्रादि

ग्रन्थ संख्या—१२

१७०३ उन्मत्तभैरवो..... पत्र सं० ३७ । साइज—१२×४ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—मंत्रशास्त्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० १७८ ।

१७०४ गणधरवल्लभ मंत्र..... पत्र सं० २-३६ । साइज—११×५ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—मंत्रशास्त्र । रचनाकाल X । लेखनकाल—सं० १६१३ भाद्र शुदी २ । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ३०६ ।

विशेष—अन्य मंत्र भी हैं ।

१७०५ ज्वालामालिनीकल्प—मूलकर्ता—इन्द्रनंदि योगीन्द्र । भाषाकार—चंद्रशेखर शास्त्री । पत्र सं० ५३ । साइज—१०×८ इंच । भाषा—संस्कृत हिन्दी । विषय—मंत्रशास्त्र । रचनाकाल X । लेखनकाल—सं० १६८१ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—उत्तम । वेष्टन नं० ५२३ ।

विशेष—विषय सूची अतिरिक्त पत्रों में दे रखी है । श्री जमनालाल शर्मा ने ३ तिलिपि की थी ।

१७०६ एमोकारकल्प..... पत्र सं० १ । साइज—११ $\frac{1}{2}$ ×८ इंच । भाषा—प्राकृत । विषय—मंत्रशास्त्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—उत्तम । वेष्टन नं० ५७४ ।

१७०७ प्रति नं० २ । पत्र सं० ३ । साइज—२×२ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ५७४ ।

विशेष—१०८ बार एमोकार मंत्र लिखा हुआ है । दूसरे पत्र पर एमोकार सन्त्र विद्या सिद्धि के लिये लिखा हुआ है ।

१७०८ एमोकारकल्प—सहायक सिंहनंदि । पत्र सं० ४७ । साइज—११×५ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—मंत्रशास्त्र । रचनाकाल—सं० १६६७ । लेखनकाल—सं० १६८६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—उत्तम । वेष्टन नं० ५७५ ।

१७०९ भक्तामरस्तोत्र । पत्र सं० ६६ । साइज—११ $\frac{1}{2}$ ×८ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—मंत्रशास्त्र । रचनाकाल X । लेखनकाल—सं० १६३६ वैशाख शुक्ला १२ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १२६८ ।

विशेष—प्रति मंत्र सहित है ।

१७१० प्रति नं० २ । पत्र सं० ३२-४८ । साइज—८ $\frac{1}{2}$ ×६ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १२६७ ।

विशेष—प्रति मंत्र सहित है । मंत्रों के मंत्रों के खाके भी दिये हुये हैं ।

१७११ भक्तामरस्तोत्र..... पत्र सं० २ । साइज—१० $\frac{1}{2}$ ×५ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—मंत्रशास्त्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० १२६३ ।

१७१० मन्त्रमहोदधि—श्री महीधर । पत्र सं० १०५ । साइज—१० $\frac{1}{2}$ ×६ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—मन्त्रशास्त्र । रचनाकाल X । लेखनकाल—सं० १८५९ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १३७५ ।

१७१३ विद्यानुशासन—मत्तिसागर । पत्र सं० १७८ । साइज—१२×६ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—मन्त्रशास्त्र । रचनाकाल X । लेखनकाल—सं० १४३२ पौष सुदी १४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १६३० । विशेष—प्रति वंशों सहित है । मत्तिसागर संग्रहकर्ता है । उन्होंने भिन्न भिन्न आचार्यों द्वारा निर्मित ग्रन्थों का संग्रह करके विद्यानुशासन नाम दिया है । इसका दूसरा नाम विद्यानुवाद भी है । आयुर्वेद का भी विद्यानुशासन में समावेश है ।

१७१४ सौभाग्यरत्नाकर—श्री विद्यानंदनाथ । पत्र सं० १०—१४८ । साइज—१२ $\frac{1}{2}$ ×६ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—मन्त्रशास्त्र । रचनाकाल X । लेखनकाल—सं० १७३६ । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १५७ ।

विशेष—हृदयराम ने प्रतिलिपि की थी ।

विषय—छन्दशास्त्र

ग्रन्थ संख्या—१७

१७१५ छंद कोश..... । पत्र सं० ७ । साइज—१० $\frac{1}{2}$ ×४ $\frac{1}{2}$ इञ्च । भाषा—प्राकृत । विषय—छन्दशास्त्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ४६१ ।

१७१६ प्रति नं० २ । पत्र सं० ६ । साइज—१२×६ इञ्च । लेखनकाल—सं० १७६३ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ४५२ ।

१७१७ द्वात्रिंशद्गुण भेद..... । पत्र सं० २ । साइज—१० $\frac{1}{2}$ ×६ इञ्च । भाषा—प्राकृत । विषय—छन्दशास्त्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ७४२ ।

१७१८ पिंगलछन्दशास्त्र—श्री नागूराम । पत्र सं० ६६ । साइज—६×६ इञ्च । भाषा—हिन्दी । विषय—छन्दशास्त्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण—अन्तिम पत्र नहीं है । शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ११०५ । विशेष—प्रति के मध्य में से दो तीन स्थानों के पत्र फटे हुए हैं । पत्र सं० १०५८ है ।

१७१९ पिंगलशास्त्र..... । पत्र सं० ३७ । साइज—१२×५ $\frac{1}{2}$ इञ्च । भाषा—प्राकृत । रचनाकाल X । लेखनकाल—सं० १७६६ कार्तिक बुदी ६ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ११०६ । विशेष—प्रति हिन्दी टीका सहित है ।

१७२० वृत्तरत्नाकर-भट्टकेदार । पत्र सं० ६ । साइज-१०×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-छन्दशास्त्र ।
लेखनकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६६६ ।

१७२१ प्रति नं० २ । पत्र सं० ८ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल-सं० १६४४ साह सुदी २ ।
पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६७३ ।

१७२२ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ९ । साइज-१०×४ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य ।
वेष्टन नं० १६७४ ।

१७२३ प्रति नं० ४ । पत्र सं० १८ । साइज-१०×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६७४ ।

१७२४ प्रति नं० ५ । पत्र सं० १० । साइज-११×४ इञ्च । लेखनकाल-सं० १८२३ आश्विन सुदी ८ ।
पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६७५ ।

विशेष—प्रति संस्कृत टीका सहित है ।

१७२५ प्रति नं० ६ । पत्र सं० १२ । साइज-११×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य ।
वेष्टन नं० १६७५ ।

१७२६ प्रति नं० ७ । पत्र सं० २० । साइज-११ $\frac{१}{२}$ ×४ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १६७५ ।

१७२७ प्रति नं० ८ । पत्र सं० ११ । साइज-११×४ इञ्च । लेखनकाल-सं० १८३७ कार्तिक सुदी ४ ।
पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६८० ।

१७२८ प्रति नं० ९ । पत्र सं० ५ । साइज-१२×६ इञ्च । लेखनकाल-सं० १८२३ । पूर्ण एवं सामान्य
शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६८० ।

१७२९ प्रति नं० १० । पत्र सं० १४ । साइज-११×६ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६८० ।

१७३० श्रुतबोध-कालिदास । पत्र सं० ४ । साइज-११×५ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-छन्दशास्त्र ।
लेखनकाल X । लेखनकाल-सं० १८६५ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १७५४ ।

१७३१ प्रति नं० २ । पत्र सं० ३ । साइज-१२×६ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं अशुद्ध । दशा-
जीर्ण । वेष्टन नं० १७५५ ।



विषय—रस एवं अलंकार

ग्रन्थ संख्या—३०

१७३२ अमरकशतक—मूलकर्त्ता—अमरक । पत्र सं० ५६ । साइज—११×११ इंच । भाषा—संस्कृत ।
विषय—अलंकारशास्त्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २८ ।

विशेष—प्रति संस्कृत टीका सहित है । टीकाकार श्री चतुर्भुज हैं ।

१७३३ कविकल्पलता—वाग्भट्ट सुत श्री देवेश्वर । पत्र सं० २६ । साइज—१०×४ इंच । भाषा—संस्कृत ।
विषय—अलंकारशास्त्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २५३ ।

विशेष—प्रथम पद्य—इस प्रकार है ।

मालवेंद्रमहामात्यः श्रीमद्वाग्भट्टनन्दनः ।

देवेश्वरः प्रतनुते कविकल्पलतामिमाम् ॥

१७३४ कविमुखमंडन—पं० ज्ञानमेरुमुनि । पत्र सं० १० । साइज—६×४ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—
अलंकारशास्त्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण—प्रथम पत्र नहीं है । सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २५४ ।
विशेष—दौलतखा के लिये शास्त्र रचना की गयी थी ऐसा कवि ने उल्लेख किया है । फतहपुर में इसकी
प्रतिलिपि हुई थी ।

१७३५ काव्यप्रकाश—मम्मट । पत्र सं० १४६ । साइज—१०×५ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—अलंकार
शास्त्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—उत्तम । वेष्टन नं० २६१ ।

विशेष—प्रति संस्कृत टीका सहित है । टीकाकार श्री वैद्यनाथ हैं । टीका का नाम उदाहरण चन्द्रिका है ।

१७३६ प्रति नं० २ । पत्र सं० ७ । साइज—१०×५ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—
सामान्य । वेष्टन नं० २६२ ।

विशेष—मूल कारिकाओं का संग्रह है ।

१७३७ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ४१-६६ । साइज—११×११ इंच । लेखनकाल—सं० १८२४ फाल्गुण
शुक्ला प्रतिपदा । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—उत्तम । वेष्टन नं० २६० ।

विशेष—जयचन्द्रजी ने नन्दलाल के पठनार्थ प्रतिलिपि की थी ।

१७३८ काव्यप्रदीप—महामहोपाध्याय श्री गोविन्द । पत्र सं० ११० । साइज—१३×६ इंच । भाषा—संस्कृत ।
विषय—अलंकारशास्त्र । रचनाकाल X । लेखनकाल—सं० १८४० वैशाख सुदी १० । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—उत्तम ।
वेष्टन नं० २६३ ।

विशेष—गोविन्दराम दधीचि ने जयपुर में प्रतिलिपि की थी । प्रति संस्कृत टीका सहित है । टीकाकार श्री वैद्यनाथ
हैं । टीकाकार विठ्ठलसूरि के पौत्र एवं रामभट्ट के पुत्र थे ।

१७३६ काव्यादर्श-महाकवि दण्डी । पत्र सं० ४२ । साइज-१०×४ $\frac{1}{2}$ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-अलंकारशास्त्र । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १५७३ मंगसिर बुधो १ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २६४ । विशेष—प्रति संस्कृत टीका सहित है ।

खण्डेलवालान्वय पापल्यागोत्रे सा० घडसी ने इसकी प्रतिलिपि करवाकर मुनि धर्मचन्द्र को प्रदान की थी ।

१७४० कुवलयानन्द-अप्यदीक्षित । पत्र सं० ६६ । साइज-११×५ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-अलंकारशास्त्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण-१-१५ तक के पत्र नहीं हैं । सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २०२ ।

१७४१ प्रति नं० २ । पत्र सं० १-२४ । साइज-११×५ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २०२ ।

१७४२ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १-२५ । साइज-१० $\frac{1}{2}$ ×४ $\frac{1}{2}$ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २०२ ।

१७४३ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ६ । साइज-१०×४ $\frac{1}{2}$ इञ्च । लेखनकाल-सं० १०१६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २०३ ।

विशेष—सवाई जयनगर में पं० सुखराम ने प्रतिलिपि की थी ।

१७४४ प्रति नं० ५ । पत्र सं० ७ । साइज-६×६ इञ्च । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २०४ ।

१७४५ प्रति नं० ६ । पत्र सं० ६ । साइज-१० $\frac{1}{2}$ ×४ $\frac{1}{2}$ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २०५ ।

१७४६ प्रति नं० ७ । पत्र सं० ६ । साइज-१० $\frac{1}{2}$ ×४ $\frac{1}{2}$ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २०५ ।

१७४७ रसगंगाधर टिप्पण..... । पत्र सं० ३३ । साइज-६×४ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-अलंकारशास्त्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १५२४ ।

विशेष—रसगंगाधर के कठिन स्थलों का टिप्पण है ।

१७४८ रसतरंगिणी-श्री भानुदत्त । पत्र सं० ३६ । साइज-१० $\frac{1}{2}$ ×६ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-अलंकारशास्त्र । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १०३५ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १५२५ ।

१७४९ प्रति नं० २ । पत्र सं० २२ । साइज-११×५ $\frac{1}{2}$ इञ्च । लेखनकाल-सं० १०५३ वैशाख शुक्ला १० । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १५२६ ।

१७५० प्रति नं० ३ । पत्र सं० १-२६ । साइज-१० $\frac{1}{2}$ ×५ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १५२७ ।

१७५१ रसमंजरी-भानुदत्त । पत्र सं० २५ । साइज-११ $\frac{1}{2}$ ×५ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-अलंकार

शास्त्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १५२२ ।

१७५२ प्रति नं० २ । पत्र सं० २२ । साइज-१०X४ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल-सं० १=५३ पौष सुदी १२ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १५२३ ।

१७५३ रसतरंगिणी-नट्टाचार्य वेणीदत्त शर्मा । पत्र सं० ६६ । साइज-१३X४ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-रस । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १५३० ।

१७५४ रसमंजरी भाषा-भी रघुनाथ । पत्र सं० २३ । साइज-११ $\frac{1}{2}$ X४ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-अलंकारशास्त्र । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १७७१ पौष सुदी १३ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १५३१ ।

विशेष—लाहौर नगर में प्रतिलिपि हुई थी ।

१७५५ रसमंजरी..... । पत्र सं० १= । साइज-८ $\frac{1}{2}$ X६ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-रस । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १५३२ ।

१७५६ रसरहस्य-श्री कृष्णपति मिश्र । पत्र सं० ८= । साइज-१० $\frac{1}{2}$ X६ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-अलंकारशास्त्र । रचनाकाल-सं० १७२७ । लेखनकाल-सं० १८=८ । अपूर्ण-प्रारम्भ के पत्र नहीं हैं । सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १५३३ ।

विशेष—लालजीमलजी कायस्थ के पठनाथ प्रतिलिपि की गयी थी ।

१७५७ वाग्भट्टालंकार-वाग्भट्ट । पत्र सं० १६ । साइज-१२X४ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-अलंकारशास्त्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १६५४ ।

१७५८ प्रति नं० २ । पत्र सं० १० । साइज-१० $\frac{1}{2}$ X४ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १६६० ।

विशेष—प्रति संस्कृत टीका सहित है ।

१७५९ शृंगारचैराम्य तरंगिणी-सोमप्रसाचार्य । पत्र सं० १२ । साइज-१० $\frac{1}{2}$ X५ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-रस । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १७२० ।

१७६० शृंगार शतक..... । पत्र सं० ४ । साइज-१० $\frac{1}{2}$ X४ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-शृंगारसप्त । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १७२२ चैत सुदी १ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १७२१ ।

१७६१ संदेशरासक-अदहमाण । (अब्दुल रहमान) । पत्र सं० ३१ । साइज-११X४ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा-प्राकृत । विषय-शृंगाररस । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १६०८ वैशाख सुदी १४ । अपूर्ण-प्रारम्भ के ३ पत्र नहीं हैं । शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १=२= ।

विशेष—सरस्वती पत्तन में बादशाह सलीम के शासनकाल में वाचनाचार्य भाणिक्यराज ने लिखा । संस्कृत में टीका दी हुई है । संस्कृत अर्थ स्पष्ट है ।

विषय—गणित शास्त्र

ग्रन्थ संख्या—१४

१७६२ बीजगणित..... पत्र सं० २६ । साइज— 2×8 इंच । विषय—गणित । रचनाकाल X । लेखन—
काल X । अपूर्ण एवं अशुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० १२६८ ।

१७६३ बीजगणित सटीक टीकाकार—श्री कृष्ण गणक । पत्र सं० १०७ । साइज— $10 \frac{1}{2} \times 12 \frac{1}{2}$ इंच ।
भाषा—संस्कृत । विषय—गणित । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १२६९ ।

१७६४ लीलावती सूत्र—भास्कराचार्य । पत्र सं० १६ । साइज— $10 \times 12 \frac{1}{2}$ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—
गणित । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १२७१ ।

१७६५ प्रति नं० २ । पत्र सं० २४ । साइज— $12 \times 12 \frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल—सं० १८४४ आसोज बुदी ६ ।
पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १२८५ ।

१७६६ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १०८ । साइज— $11 \frac{1}{2} \times 15$ इंच । लेखनकाल—सं० १६३४ वैशाख सुदी ७ ।
पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—उत्तम । वेष्टन नं० १२८८ ।

१७६७ प्रति नं० ४ । पत्र सं० १३० । साइज— $12 \frac{1}{2} \times 12 \frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—
सामान्य । वेष्टन नं० १२८९ ।

१७६८ प्रति नं० ५ । पत्र सं० ६ । साइज— $8 \times 8 \frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—
सामान्य । वेष्टन नं० १२९० ।

१७६९ प्रति नं० ६ । पत्र सं० १ । साइज— $10 \frac{1}{2} \times 8 \frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा—उत्तम । वेष्टन नं० १२९० ।

१७७० प्रति नं० ७ । पत्र सं० १०० । साइज— $8 \frac{1}{2} \times 12$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १२९१ ।

१७७१ प्रति नं० ८ । पत्र सं० ७८ । साइज— 11×12 इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १२९२ ।

१७७२ प्रति नं० ९ । पत्र सं० ३४ । साइज— $12 \times 12 \frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण—प्रारम्भ के तथा
अन्त के पत्र नहीं हैं । सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १२९३ ।

१७७३ लीलावती भाषा..... पत्र सं० २८ । साइज— 12×15 इंच । भाषा—हिन्दी । विषय—गणित ।
रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० १२९४ ।

१७७४ प्रति नं० २ । पत्र सं० १८ । साइज— $11 \frac{1}{2} \times 12$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा—

सामान्य । वेष्टन नं० १५६६ ।

विशेष—प्रति प्राचीन है ।

१७७५ लीलावती भाषा—लालचंद । पत्र सं० २१ । साइज—१२×१६ इंच । भाषा—हिन्दी । विषय—गणित ।
रचनाकाल—सं० १७३० । लेखनकाल—सं० १७४६ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १५६६ ।
विशेष—प्रशस्ति सुन्दर एवं महत्त्वपूर्ण है ।

विषय—कामशास्त्र

ग्रन्थ संख्या—४

१७७६ कोक प्रबन्ध..... । पत्र सं० २० । साइज—६×६ इंच । भाषा—हिन्दी । विषय—कामशास्त्र ।
रचनाकाल X । लेखनकाल—सं० १७६५ श्रावण सुदी ८ । पूर्ण एवं अशुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० २८७ ।

१७७७ कोकसार—आनंदकवि । पत्र सं० १७ । साइज—६×६ इंच । भाषा—हिन्दी । विषय—कामशास्त्र ।
रचनाकाल X । लेखनकाल—सं० १७६५ श्रावण सुदी १३ । पूर्ण एवं अशुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० २८८ ।

१७७८ रतिरहस्य टीका..... । पत्र सं० ५ । साइज—१०×८ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—कामशास्त्र ।
रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १४८७ ।
विशेष—हिन्दी अर्थ सहित है ।

१७७९ सामुद्रिकशास्त्र..... । पत्र सं० ४२ । साइज—६×६ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—कामशास्त्र ।
रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० २०२१ ।
विशेष—प्रति सटीक है । टीका हिन्दी गद्य में है ।

विषय—लोकविज्ञान

ग्रन्थ संख्या—३३

१७८० अकृत्रिम चैत्यालय वर्णन—बाबा दुलीचंद पत्र सं० ४ । साइज—१०×६ इंच । भाषा—हिन्दी ।
विषय—लोकविज्ञान । रचनाकाल—सं० १६५१ । लेखनकाल—सं० १६५१ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य ।
वेष्टन नं० ६ ।

विशेष—त्रिलोकसार ग्रन्थ में से लिया गया है।

१७८१ जैन यात्रा दर्पण—बाबा दुलीचंद पत्र सं० २७। साइज—११×७½ इंच। भाषा—हिन्दी।

विषय—भूगोल। रचनाकाल X। लेखनकाल। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० ६८६।

विशेष—प्रथम भाग है।

१७८२ प्रति नं० २। पत्र सं० ४३। साइज—१०½×७ इंच। लेखनकाल—सं० १६५८। पूर्ण एवं

शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० ५०६।

विशेष—षष्ठ भाग तक पूर्ण है।

१७८३ जैनयात्रा दर्पण—बाबा दुलीचंद। पत्र सं० ७०। साइज—१०×६ इंच। भाषा—हिन्दी। विषय—भूगोल।

रचनाकाल X। लेखनकाल X। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० ५०७।

विशेष—जैन तीर्थों की यात्रा का पूर्ण विवरण दिया हुआ है।

१७८४ त्रिलोकदीपक—इन्द्रकामदेव। पत्र सं० ८६। भाषा—संस्कृत। विषय—लोकविज्ञान। रचनाकाल X।

लेखनकाल X। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० ६५६।

१७८५ प्रति नं० ३। पत्र सं० ८१। साइज—१३½×७½ इंच। लेखनकाल। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध।

दशा जीर्ण। वेष्टन नं० ६६०।

१७८६ त्रिलोकदीपक.....। पत्र सं० १६-६७। साइज—१२×५ इंच। भाषा—संस्कृत। विषय—लोकविज्ञान।

रचनाकाल X। लेखनकाल X। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० ६६१।

१७८७ त्रिलोक प्रज्ञप्ति.....। पत्र सं० १०२। साइज—१२×५½ इंच। भाषा—संस्कृत। विषय—लोकविज्ञान।

रचनाकाल X। लेखनकाल X। अपूर्ण—प्रारम्भ के ३ तथा अन्तिम पत्र नहीं हैं। शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० ६६२।

१७८८ त्रिलोक प्रज्ञप्ति.....। पत्र सं० २६५। साइज—१२×५½ इंच। भाषा—प्राकृत। विषय—लोकविज्ञान।

रचनाकाल X। लेखनकाल—सं० १७६८। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० ६६३।

१७८९ त्रिलोक प्रज्ञप्ति.....। पत्र सं० ४२४। साइज—१०×५ इंच। भाषा—प्राकृत। विषय—लोकविज्ञान।

रचनाकाल X। लेखनकाल—सं० १७८७। ज्येष्ठ शुक्ला १४। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० ६६४।

विशेष—वृंदावती नगरी में रावराजा बुधसिंहजी के राज्य में मुनि रामविमल ने प्रतिलिपि की थी।

१७९० त्रिलोकसार—आचार्यनेमिचन्द्र। पत्र सं० ७१। साइज—११×५ इंच। भाषा—प्राकृत। विषय—लोक-

विज्ञान। रचनाकाल X। लेखनकाल X। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा—जीर्ण। वेष्टन नं० ६६६।

१७९१ प्रति नं० २। पत्र सं० १३३। साइज—१०½×५ इंच। लेखनकाल—सं० १८८४। पौष शुक्ला ३।

पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० ६६७।

१७९२ प्रति नं० ३। पत्र सं० २१४। साइज—१२×५½ इंच। लेखनकाल—सं० १८७३ भाद्रपद बुदी ७।

अपूर्ण प्रारम्भ के २५ पत्र नहीं हैं। शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० ६६८।

१७६३ प्रति नं० ४ । पत्र सं० २६ । साइज-१०×४ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल-सं० १६४२ चैत्र शुदी ११ ।
अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६६६ ।

विशेष—मुनि विशालकीर्ति के निमित्त व्याघ्ररेवालाभव्य देवराया गोत्र वाले सं० तीकम के पुत्र शंकर एवं उसकी
भार्या धानी ने शास्त्र की प्रतिलिपि करवायी थी ।

१७६४ प्रति नं० ५ । पत्र सं० ६४ । साइज-१६×७ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६७० ।

१७६५ प्रति नं० ६ । पत्र सं० ५७ । साइज-१२×५ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण-प्रारम्भ का १ पत्र नहीं
है । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० ६७१ ।

विशेष—सागरसेन कृत संस्कृत टीका सहित है ।

१७६६ प्रति नं० ७ । पत्र सं० २६ । साइज-१०×४ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल-सं० १७६६ वैशाख शुदी ६ ।
पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६७२ ।

विशेष—नरसिंह अग्रवाल ने प्रतिलिपि की थी ।

१७६७ प्रति नं० ८ । पत्र सं० ६१ । साइज-१०×५ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-
सामान्य । वेष्टन नं० ६७३ ।

विशेष—प्रति संस्कृत टीका सहित है । टीकाकार श्री सहस्रकीर्ति हैं ।

१७६८ प्रति नं० ९ । पत्र सं० ६३ । साइज-१०×४ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल-सं० १६२६ । पूर्ण एवं सामान्य
शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६७४ ।

विशेष—प्रति सागरसेन कृत संस्कृत टीका सहित है ।

१७६९ त्रिलोकसंहिता । पत्र सं० १४ । साइज-१६ $\frac{1}{2}$ ×८ इंच । भाषा-प्राकृत । विषय-लोकविज्ञान ।
रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६६५ ।

विशेष—लेखाओं द्वारा विषय को समझाया गया है ।

१८०० त्रिलोकसार भाषा । पत्र सं० २७६ । साइज-१२×६ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-
लोकविज्ञान । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० ६७४ ।

१८०१ त्रिलोकसार भाषा-पंडित टोडरमलजी । पत्र सं० ३०३ । साइज-११ $\frac{1}{2}$ ×६ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा-हिन्दी ।
विषय-लोकविज्ञान । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १८३६ । अपूर्ण-प्रारम्भ के १०८ पत्र नहीं हैं । सामान्य शुद्ध । दशा-
सामान्य । वेष्टन नं० ६७८ ।

१८०२ त्रिलोकसार भाषा-स्वरूपचंद बिलाला । पत्र सं० १८ । साइज-१०×४ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा-हिन्दी ।
विषय-लोकविज्ञान । रचनाकाल-सं० १६०१ । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० ६७६ ।

विशेष—संवत् १६३७ में सुमतिकीर्ति सूरि कृत त्रिलोक्यसार की गुजराती भाषा के आधार पर उक्त ग्रंथ की

रचना की गयी । पत्र सं० २३२ ।

१८०३ प्रति नं० २ । पत्र सं० १५ । साइज-११×५ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६७७ ।

१८०४ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १८ । साइज-१० $\frac{3}{4}$ ×५ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६७५ ।

१८०५ त्रिलोकसार भाषा..... । पत्र सं० ३६ । साइज-१४ $\frac{1}{2}$ ×७ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-लोकविज्ञान । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण-एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६७६ (क) ।

१८०६ त्रिलोकसार दर्पण कथा-श्री खड़गसेन । पत्र सं० १२० । साइज-१३×६ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-लोकविज्ञान । रचनाकाल-सं० १७०८ । लेखनकाल-१८०४ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । लिपि-विकृत । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६७६ ।

१८०७ प्रति नं० २ । पत्र सं० १६५ । साइज-११×५ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल-सं० १७३८ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६८० ।

१८०८ त्रिलोकदीपक-इन्द्रवामदेव । पत्र सं० ८६ । साइज-१०×४ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-लोकविज्ञान । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६८६ ।

१८०९ त्रिलोकदीपक-गुणभूषण । पत्र सं० ८१ । साइज-१५×१० इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-लोक-विज्ञान । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १८६३ बैशाख सुदी ६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० ६९० ।

विशेष—विषय को रेखाचित्रों द्वारा समझाया गया है । रेखाचित्र रंगीन हैं ।

१८१० त्रिलोकस्थिति..... । पत्र सं० ६ । साइज-१०×४ इंच । भाषा-संस्कृत-प्राकृत । विषय-लोकविज्ञान । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६९१ ।

१८११ मजलसराय पानीपत वाले का पत्र..... । पत्र सं० १ । साइज-१२×७ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-यात्रावर्णन । रचनाकाल-सं० १८२२ । लेखनकाल-सं० १८२२ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १३७२ ।

विशेष—श्री मजलसराय गोमट स्वामी की यात्रा करने गये थे । यात्रा से लौटने के पश्चात् हैदराबाद (दक्षिण) से उन्होंने भा० उमसेन पानीपतवालों को अपनी यात्रा का वर्णन लिखा है । पत्र महत्वपूर्ण है ।

१८१२ सूर्यप्रज्ञप्ति टीका..... । पत्र सं० १३६ । साइज-१०×४ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-लोक-विज्ञान । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण-एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २१५२ ।

विषय—सुभाषित

ग्रन्थ संख्या—३०

१८१३ उपदेशशतक—यानतरायजी । पत्र सं० २२ । साइज—११×५ $\frac{३}{४}$ इंच । भाषा—हिन्दी । विषय—सुभाषित । रचनाकाल—सं० १७५८ । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १६१ ।

१८१४ प्रति नं० २ । पत्र सं० १६ । साइज—११×५ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १६१ ।

१८१५ दुर्घटकाव्य—कवि कालिदास । पत्र सं० २२ । साइज—१० $\frac{३}{४}$ ×५ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—सुभाषित । रचनाकाल X । लेखनकाल—सं० १८६४ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ७५४ ।

१८१६ प्रति नं० २ । पत्र सं० ६ । साइज—११×५ इंच । लेखनकाल—सं० १६०० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ७५५ ।

१८१७ बुधजन संतसई—बुधजन । पत्र सं० ८ । साइज—८×६ इंच । भाषा—हिन्दी । विषय—सुभाषित । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण—नीति अधिकार तक । सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १२७० ।

१८१८ बावनी—किशनदास । पत्र सं० १८ । साइज—११×५ इंच । भाषा—हिन्दी । विषय—सुभाषित । रचनाकाल—सं० १७६३ । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १२६७ ।

विशेष—वनारसीदास कृत बावनी भी इसी में है ।

१८१९ भर्तृहरिशतक—भर्तृहरि । पत्र सं० १६ । साइज—१० $\frac{३}{४}$ ×४ $\frac{३}{४}$ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—सुभाषित । रचनाकाल X । लेखनकाल—सं० १८२३ द्वितीय चैत्र शुक्ला ११ । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १३१८ ।

१८२० प्रति नं० २ । पत्र सं० ३४ । साइज—१० $\frac{३}{४}$ ×६ इंच । लेखनकाल—सं० १६३० चैत्र बुदी ६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—उत्तम । वेष्टन नं० १३१७ ।

१८२१ मान बावनी—मनराज । पत्र सं० १२ । साइज—६×४ इंच । भाषा—हिन्दी । विषय—सुभाषित । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १३८८ ।

१८२२ विवेकविलास—श्री जिनदत्त सूरि । पत्र सं० ८६ । साइज—८×३ $\frac{३}{४}$ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—सुभाषित । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य जीर्ण । वेष्टन नं० १६३८ ।

१८२३ प्रति नं० २ । पत्र सं० ४३ । साइज—१० $\frac{३}{४}$ ×४ $\frac{३}{४}$ इंच । लेखनकाल X । प्रथम पत्र नहीं है । सामान्य शुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० १६३६ ।

१८२४ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १२ से १७ तक । साइज—१० $\frac{३}{४}$ ×४ $\frac{३}{४}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० १६४० ।

१८२५ वारकखरी दोहा—(बारहखड़ी दोहा) श्री महचंद । पत्र सं० १२ । साइज—१०×४ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा—अवध । विषय—सुभाषित । रचनाकाल X । लेखनकाल—सं० १५६१ वैशाख सुदी १२ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १६५२ ।

विशेष—श्री चाहड सौगाणी ने प्रतिलिपि करवाई थी ।

१८२६ षष्ठशतप्रकरण—भंडारी नेमिचन्द्र । पत्र सं० ७ । साइज—१०×४ इंच । भाषा—प्राकृत । विषय—सुभाषित । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १८०६ ।

१८२७ सज्जनचित्तवल्लभ..... । पत्र सं० ४ । साइज—१० $\frac{1}{2}$ ×५ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—सुभाषित । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १८१७ ।

१८२८ प्रति नं० २ । पत्र सं० ४ । साइज—१० $\frac{1}{2}$ ×५ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—उत्तम । वेष्टन नं० १८१७ ।

१८२९ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ४ । साइज—१० $\frac{1}{2}$ ×४ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १८१८ ।

१८३० प्रति नं० ४ । पत्र सं० ४ । साइज—८ $\frac{1}{2}$ ×५ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—उत्तम । वेष्टन नं० १८१८ ।

१८३१ सद्भाषितावली—पद्मलाल चौधरी । पत्र सं० ६० । साइज—१२×७ इंच । भाषा—हिन्दी । विषय—सुभाषित । रचनाकाल—सं० १९१० । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—उत्तम । वेष्टन नं० २१२८ ।

१८३२ संबोधपंचाशिका—गौतमस्वामी । पत्र सं० १७ । साइज—१० $\frac{1}{2}$ ×४ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा—प्राकृत । विषय—आत्मबोध सम्बन्धी गायत्री । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १९३० ।

विशेष—प्रति सटीक है । टीका संस्कृत में है ।

१८३३ प्रति नं० २ । पत्र सं० ५ । साइज—११×४ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १९३० ।

१८३४ सिंदूरप्रकरण—कीरपाल बनारसीदास । पत्र सं० १६ । साइज—१० $\frac{1}{2}$ ×४ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा—हिन्दी । विषय—सुभाषित । रचनाकाल—सं० १९६६ । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २०८६ ।

१८३५ प्रति नं० २ । पत्र सं० २६ । साइज—६×५ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल—सं० १८१८ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० २०६० ।

१८३६ प्रति नं० ३ । पत्र सं० २३ । साइज—६×५ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २०६१ ।

१८३७ सुभाषितकोश..... । पत्र सं० ४ । साइज—१०×४ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—सुभाषित । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० २१३५ ।

१८३८ सुभाषितरत्नमाला.....। पत्र सं० १२ । साइज-१३×५ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-सुभाषित । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २१२६ ।

१८३९ सुभाषितरत्नसंदोह-यमितिगति । पत्र सं० ३१-७५ । साइज-१०×५ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-सुभाषित । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १८६३ फाल्गुण १ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० २१२७ ।

१८४० सुभाषिताणव-भ० शुभचन्द्र । पत्र सं० ६५ । साइज-११ $\frac{१}{२}$ ×४ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-सुभाषित । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १७७४ ज्येष्ठ सुदी ८ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१२८ ।

१८४१ प्रति नं० २ । पत्र सं० ६७ । साइज-११×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २१२९ ।

१८४२ सुभाषितसंग्रह.....। पत्र सं० ३८ । साइज-१२×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-सुभाषित । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१३० ।

१८४३ सुभाषितसंग्रह.....। पत्र सं० ८ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-सुभाषित । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१३१ ।

१८४४ सुभाषितावली-भट्टारक सकलकीर्ति । पत्र सं० २४ । साइज-१०×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-सुभाषित । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २१३२ ।

१८४५ प्रति नं० २ । पत्र सं० ३४ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×५ इञ्च । लेखनकाल-सं० १९२३ भाष शुक्ला १३ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१३३ ।

१८४६ प्रति नं० ३ । पत्र सं० २६ । साइज-१०×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल-सं० १८४७ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१३४ ।

१८४७ प्रति नं० ४ । पत्र सं० २२ । साइज-१०×५ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१३५ ।

१८४८ प्रति नं० ५ । पत्र सं० २१ । साइज-१२×५ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २१३६ ।

१८४९ प्रति नं० ६ । पत्र सं० २० । साइज-११×५ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० २१३७ ।

१८५० प्रति नं० ७ । पत्र सं० २० । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×६ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० २१३८ ।

१८५१ प्रति नं० ८ । पत्र सं० २६ । साइज-११×५ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २१३९ ।

१८५२ प्रति नं० ६ । पत्र सं० ३० । साइज-१५×६ इंच । लेखनकाल-सं० १८३८ । पूर्ण एवं अशुद्ध ।
दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २११४ ।

१८५३ प्रति नं० १० । पत्र सं० ५० । साइज-११ $\frac{३}{४}$ ×५ इंच । लेखनकाल-सं० १८३२ अषाढ शुक्ला २ ।
पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २११५ ।

विशेष—जयसिंहपुरा में हीरानन्द ने प्रतिलिपि की थी ।

१८५४ प्रति नं० ११ । पत्र सं० ६० । साइज-११×५ इंच । लेखनकाल-सं० १७२६ कार्तिक सुदी १ ।
पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २११५ ।

१८५५ प्रति नं० १२ । पत्र सं० ४४ । साइज-१२×५ इंच । लेखनकाल-सं० १८२० मंगसिर सुदी १० ।
पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २११६ ।

१८५६ प्रति नं० १३ । पत्र सं० ६५ । साइज-१२×४ इंच । लेखनकाल-सं० १७७४ । पूर्ण एवं शुद्ध ।
दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २११७ ।

१८५७ प्रति नं० १४ । पत्र सं० ३२ । साइज-१२×६ इंच । लेखनकाल-सं० १८१० वैशाख सुदी ६ ।
पूर्ण एवं शुद्ध । वेष्टन नं० २११७ ।

१८५८ प्रति नं० १५ । पत्र सं० २२ । साइज-११ $\frac{३}{४}$ ×४ $\frac{३}{४}$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २११८ ।

१८५९ प्रति नं० १६ । पत्र सं० ३२ । साइज-१०×४ $\frac{३}{४}$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-
जीर्ण । वेष्टन नं० २११९ ।

१८६० प्रति नं० १७ । पत्र सं० १६ । साइज-१० $\frac{३}{४}$ ×४ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-
सामान्य । वेष्टन नं० २१२० ।

१८६१ प्रति नं० १८ । पत्र सं० १६ । साइज-११×४ इंच । लेखनकाल-सं० १७७१ । पूर्ण एवं सामान्य
शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१२१ ।

१८६२ प्रति नं० १९ । पत्र सं० २१ । साइज-१० $\frac{३}{४}$ ×४ $\frac{३}{४}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१२२ ।

१८६३ प्रति नं० २० । पत्र सं० २६ । साइज-१० $\frac{३}{४}$ ×४ $\frac{३}{४}$ इंच । लेखनकाल-सं० १८११ फाल्गुण सुदी ६ ।
अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१२१ ।

१८६४ प्रति नं० २१ । पत्र सं० ३७ । साइज-१५×४ $\frac{३}{४}$ इंच । लेखनकाल-सं० १६८६ चैत्र सुदी २ ।
अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१२४ ।

विशेष—महात्मा नारायण ने साह भीखा के पठनार्थ तदकपुर में प्रतिलिपि की थी ।

१८६५ प्रति नं० २२ । पत्र सं० ३७ । साइज-६X४ $\frac{1}{2}$ इञ्च । लेखनकाल-सं० १५६२ फाल्गुण सुदी १ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१२५ ।

विशेष—हुमायुँ बादशाह के शासन काल में सिंहनंदन रथान पर गणित विनयसुन्दर ने प्रतिलिपि की थी ।

१८६६ प्रति नं० २३ । पत्र सं० २१-११३ । साइज-८X४ इञ्च । लेखनकाल-सं० १६२७ फाल्गुण शुक्ल ११ । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१२६ ।

१८६७ प्रति नं० २४ । पत्र सं० ५३ । साइज-१० $\frac{3}{4}$ X२ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१२७ ।

१८६८ सूक्तिमुक्तावली-आ० सोमप्रभ । पत्र सं० ६ । साइज-१०X८ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-सुभाषित । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १७५६ कार्तिक सुदी १४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१२८ ।

१८६९ प्रति नं० २ । पत्र सं० २० । साइज-११ $\frac{3}{4}$ X२ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २१२९ ।

१८७० प्रति नं० ३ । पत्र सं० १७ । साइज-८X४ $\frac{1}{2}$ इञ्च । लेखनकाल-सं० १६१४ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१३० ।

१८७१ प्रति नं० ४ । पत्र सं० १० । साइज-१० $\frac{1}{2}$ X२ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१३१ ।

विशेष—प्रति हर्षकीर्ति कृत संस्कृत टीका सहित है ।

१८७२ प्रति नं० ५ । पत्र सं० १ । साइज-१२X२ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१३२ ।

१८७३ प्रति नं० ६ । पत्र सं० १३ । साइज-१०X४ $\frac{1}{2}$ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१३३ ।

१८७४ प्रति नं० ७ । पत्र सं० १८ । साइज-६X२ इञ्च । लेखनकाल-सं० १७१६ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१३४ ।

१८७५ प्रति नं० ८ । पत्र सं० २३ । साइज-८X२ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१३५ ।

१८७६ प्रति नं० ९ । पत्र सं० ११ । साइज-६X४ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं अशुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २१३६ ।

१८७७ प्रति नं० १० । पत्र सं० ३२ । साइज-१२X२ $\frac{1}{2}$ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१३७ ।

विशेष—प्रति संस्कृत टीका सहित है ।

१८७८ प्रति नं० ११ । पत्र सं० ३२-४० । साइज-१०×२ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० २१४६ ।

विशेष—प्रति संस्कृत टीका सहित है ।

१८७९ प्रति नं० १२ । पत्र सं० २-१० । साइज-६ $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल-सं० १७६४ आसोज सुदी पूर्णिमा । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१४७ ।

१८८० प्रति नं० १३ । पत्र सं० २-१४ । साइज-६×४ इंच । लेखनकाल-सं० १८८३ आश्विन सुदी १२ । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१४७ ।

१८८१ प्रति नं० १४ । पत्र सं० १२ । साइज-६ $\frac{१}{२}$ ×५ इंच । लेखनकाल-सं० १७८६ ज्येष्ठ सुदी १२ । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१४८ ।

१८८२ प्रति नं० १५ । पत्र सं० १० । साइज-६×५ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१४९ ।

१८८३ प्रति नं० १६ । पत्र सं० १३ । साइज-१२×४ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २१५० ।

विशेष—प्रति संस्कृत टीका सहित है । टीकाकार वाचनाचार्य चारित्रवर्द्धनसूरी हैं ।

१८८४ प्रति नं० १७ । पत्र सं० १२ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×५ इंच । लेखनकाल-सं० १८६४ चैत्र शुक्ला प्रतिपदा । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१५१ ।

१८८५ प्रति नं० १८ । पत्र सं० ५८ । साइज-१०×६ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण-प्रथम पत्र नहीं है । शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २२०० ।

विशेष—प्रति हर्षकीर्ति कृत संस्कृत एवं कौरपाल बनारसीदास कृत हिन्दी टीका सहित है ।

१८८६ हितोपदेश आवली-हेमराज । पत्र सं० १२ । साइज-१०×४ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-सुभाषित । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १७५७ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २२२२ ।

विशेष—इसका दूसरा नाम अक्षर आवली भी है ।

विषय—नीतिशास्त्र

ग्रन्थ सख्या—१५

१८८७ कामन्दकी नीतिसार—कामन्दक । पत्र सं० २२८ । साइज—११×५ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—नीतिशास्त्र । रचनाकाल X । लेखनकाल—सं० १८८१ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २५६ ।

१८८८ प्रति नं० २ । पत्र सं० ६५ । साइज—१०^१/_२×५ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण—प्रारम्भ के ४० पत्र नहीं हैं । सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ६०१ ।

१८८९ सत्रचूडामणि—श्री वादीमसिंह । पत्र सं० ४३ । साइज—११×५ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—नीतिशास्त्र । रचनाकाल X । लेखनकाल—सं० १६१५ अषाढ सुदी ८ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २८६ ।

विशेष—तत्कालमहादुर्ग में महाराजाधिराज श्री कल्याण के शासनकाल में पांडे मेधा खण्डेलवाल सोनी के वंशजों ने प्रतिलिपि करवायी थी ।

१८९० प्रति नं० २ । पत्र सं० ३५ । साइज—१२×५^१/_२ इंच । लेखनकाल—सं० १८०७ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २६० ।

१८९१ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ३५ । साइज—१०×४^१/_२ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २६१ ।

१८९२ नीतिशतक—भर्तृहरि । पत्र सं० ११ । साइज—११×४^१/_२ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—नीतिशास्त्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ८६८ ।

१८९३ नीतिसार—इन्द्रनन्दि । पत्र सं० ७ । साइज—११×५ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—नीतिशास्त्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ८६६ ।

१८९४ प्रति नं० २ । पत्र सं० ४ । साइज—६×४ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण—प्रथम पत्र नहीं है । शुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० ६०० ।

१८९५ पंचाख्यान—विष्णुशर्मा । पत्र सं० १०६ । साइज—१२×५^१/_२ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—नीतिशास्त्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १००६ ।

१८९६ भर्तृहरिशतक—भर्तृहरि । पत्र सं० ३० । साइज—१२×५ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—नीति एवं शृंगार । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १३१६ ।

१८९७ प्रति नं० २ । पत्र सं० ३४ । साइज—१२×५ इंच । लेखनकाल—सं० १८२४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १३२० ।

विशेष—प्रति संस्कृत टीका सहित है ।

१८६८ राजनीतिशास्त्र-चाणक्य । पत्र सं० १० । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा-संस्कृत । रचना-
काल X । लेखनकाल-सं० १७६१ काष्ठसुदी ११ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १५३४ ।

विशेष—सांगानेर में पंडित लक्ष्मीदास ने प्रतिलिपि कौ थी ।

१८६९ प्रति नं० २ । पत्र सं० ६ । साइज-६×५ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण—तीन अध्याय तक ।
शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १५३५ ।

१८७० प्रति नं० ३ । पत्र सं० २० । साइज-६×५ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १५३५ ।

१८७१ प्रति नं० ४ । पत्र सं० १७ । साइज-११×४ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-
सामान्य । वेष्टन नं० १५३५ ।

विषय—स्तोत्र

ग्रन्थ संख्या—२६३

१८७२ अकलंकाष्टक..... । पत्र सं० ६ । साइज-१०×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-स्तोत्र ।
रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २ ।

१८७३ प्रति नं० २ । पत्र सं० ५ । साइज-६ $\frac{१}{२}$ ×४ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-
सामान्य । वेष्टन नं० २ ।

१८७४ अकलंकाष्टक भाषा-सदासुल कासलीवाल । पत्र सं० १६ । साइज-११×५ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा-
हिन्दी । विषय-स्तोत्र । रचनाकाल-सं० १८१२ । लेखनकाल-सं० १८४६ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य ।
वेष्टन नं० ३ ।

१८७५ अध्यात्मस्तोत्र-श्रीकेशव । पत्र सं० ३ । साइज-११ $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-स्तोत्र ।
रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १० ।

विशेष—यंत्र विधि सहित है । इसका नाम नामिकमल अध्यात्म प्रकाश भी है ।

१८७६ अष्टमहाभय स्तोत्र..... । पत्र सं० २ । साइज-६×४ इञ्च । भाषा-प्राकृत । विषय-स्तोत्र ।
रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ५७ ।

१८७७ अर्हन्नाम सहस्र-हेमाचार्य । पत्र सं० ७ । साइज-१२×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-स्तोत्र ।
रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १७२६ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० ५८ ।

विशेष—रामचन्द्र ने प्रतिलिपि की थी ।

१६०८ अरहंतचौपई-गणि महिमासागर । पत्र सं० ४ । साइज-१०×४ इंच । भाषा-अपभ्रंश (मार्चर हिन्दी) । विषय-स्तोत्र । रचनाकाल-सं० १७०४ । लेखनकाल-सं० १७३३ आश्विन सुदी ६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० ५६ ।

विशेष—आमरा में दीपा नामक महात्मा ने इस स्तोत्र की प्रतिलिपि की थी ।

१६०९ इष्टोपदेश सटीक । टीकाकार-आराधर । पत्र सं० १५ । साइज-१० $\frac{1}{2}$ ×४ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-स्तोत्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १५१ ।

१६१० प्रति नं० २ । पत्र सं० ४ । साइज-१२×४ $\frac{1}{2}$ इंच । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १५१ ।

१६११ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ८ । साइज-२ $\frac{1}{2}$ ×४ इंच । लेखनकाल-सं० १८१७ भाद्रपद सुदी ६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १५२ ।

१६१२ इष्टोपदेश भाषा-शीतलप्रसाद । पत्र सं० ११६ । साइज-१३×७ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-स्तोत्र । रचनाकाल-सं० १६३५ । लेखनकाल-सं० १६६३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १५० ।

१६१३ एकीभावस्तोत्र-वादिराज । पत्र सं० ३ । साइज-११×४ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-स्तोत्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २०६ ।

१६१४ प्रति नं० २ । पत्र सं० १० । साइज-६×५ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१० ।

१६१५ एकीभावस्तोत्र भाषा-भूधरदासजी । पत्र सं० ४ । साइज-८×६ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-स्तोत्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २११ ।

१६१६ प्रति नं० २ । पत्र सं० ५ । साइज-८ $\frac{1}{2}$ ×४ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१२ ।

१६१७ कल्याणमन्दिरस्तोत्र-कुमुदचन्द्र । पत्र सं० १४ । साइज-१० $\frac{1}{2}$ ×४ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-स्तोत्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४८ ।

विशेष—प्रति संस्कृत टीका सहित है ।

१६१८ प्रति नं० २ । पत्र सं० ६ । साइज-११×५ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २४६ ।

विशेष—प्रति संस्कृत टीका सहित है ।

१६१९ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ८ । साइज-१०×५ इंच । लेखनकाल-सं० १८६६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २५० ।

१६२० प्रति नं० ४ । पत्र सं० २१ । साइज-११ $\frac{१}{२}$ ×५ इंच । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २५१ ।

विशेष—अख्यराज श्रीमाल कृत हिन्दी टीका सहित है ।

१६२१ गायत्रीमंत्र..... । पत्र सं० १० । साइज-११×५ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-स्तोत्र ।
रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० ३१३ ।

१६२२ चतुर्विंशतिजिनस्तुति-श्री शोभन । पत्र सं० १० । साइज-१०×४ $\frac{१}{२}$ इंच । भाषा-संस्कृत ।
विषय-स्तोत्र । रचनाकाल × । लेखनकाल-सं० १६२४ कार्तिक सुदी १० । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य ।
वेष्टन नं० ३७६ ।

१६२३ चतुर्विंशतिजिनस्तुति-पुण्यशीलगणि । पत्र सं० १४ । साइज-८ $\frac{३}{४}$ ×६ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-
स्तवन । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३७७ ।

१६२४ चतुर्विंशतिजिनस्तुति-श्री कृष्णमठ । पत्र सं० ४ । साइज-१०×४ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-
स्तोत्र । रचनाकाल × । लेखनकाल-सं० १५१४ पौष सुदी ८ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३७८ ।

विशेष—प्रति संस्कृत टीका सहित है । मुंजिकपुर में तिलककलशगणि ने प्रतिलिपि की थी ।

१६२५ चतुर्विंशतिजिनस्तुति-जिनलामसूरि । पत्र सं० ३ । साइज-११ $\frac{१}{२}$ ×५ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-
स्तोत्र । रचनाकाल × । लेखनकाल-सं० १८३३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३७९ ।

विशेष—श्री घासोराम ने प्रतिलिपि की थी ।

१६२६ चतुर्विंशतितीर्थकरस्तोत्र-सकलकीर्ति । पत्र सं० ६३ । साइज-१२×६ इंच । भाषा-संस्कृत ।
विषय-स्तोत्र । रचनाकाल × । लेखनकाल-सं० १८६३ श्रावण शुक्ला ३ सोमवार । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य ।
वेष्टन नं० ३८० ।

१६२७ चतुर्विंशति तीर्थकर स्तोत्र..... । पत्र सं० ६ । साइज-६×४ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-
स्तोत्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३८१ ।

१६२८ चतुःषष्टियोगिनीस्तोत्र..... । पत्र सं० ११ । साइज-८×४ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-
स्तोत्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३८२ ।

१६२९ जिनत्रिभुवनस्तोत्र..... । पत्र सं० ३ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इंच । भाषा-प्राकृत । विषय-
स्तोत्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० ५६४ ।

१६३० जिनपंजरस्तोत्र-श्री कमलप्रभ । पत्र सं० १ । साइज-१०×६ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-
स्तोत्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ४७५ ।

१६३१ प्रति नं० २ । पत्र सं० ५ । साइज-६ $\frac{१}{२}$ ×३ इंच । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य ।
वेष्टन नं० ४७५ ।

१६३२ जिनवरदर्शन स्तोत्र—आचार्य पद्मनंदि । पत्र सं० ६ । साइज—५×५ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—स्तोत्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ४७६ ।

१६३३ जिनशतक—आचार्य समन्तमद्र । पत्र सं० ३६ । साइज—११×५ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—स्तोत्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ४८० ।
विशेष—प्रति संस्कृत टीका सहित है ।

१६३४ प्रति नं० २ । पत्र सं० ४३ । साइज—१० $\frac{१}{२}$ ×५ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ४८१ ।

१६३५ जिनशतकपंजिका—जम्बू कवि । पत्र सं० ४६ । साइज—१०×४ $\frac{१}{२}$ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—स्तोत्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० ४८२ ।

विशेष—शत्रु कवि कृत संस्कृत टीका सहित है ।

१६३६ प्रति नं० २ । पत्र सं० १० । साइज—१० $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ४८३ ।

विशेष—शत्रु कवि कृत संस्कृत टीका सहित है ।

१६३७ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ६ । साइज—१० $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० ४८३ ।

१६३८ जिनसहस्रनाम—जिनसेनावाग्दे । पत्र सं० १८ । साइज—८ $\frac{१}{२}$ ×६ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—स्तोत्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ४८४ ।

१६३९ प्रति नं० २ । पत्र सं० १० । साइज—१२×५ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं अशुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० १६७३ ।

१६४० प्रति नं० ३ । पत्र सं० ६ । साइज—१० $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० १६७५ ।

१६४१ प्रति नं० ४ । पत्र सं० २८ । साइज—७ $\frac{१}{२}$ ×६ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १६७२ ।

विशेष—स्वयम्भू स्तोत्र और है ।

१६४२ प्रति नं० ५ । पत्र सं० १३ । साइज—१२×५ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २१६८ ।

विशेष—संस्कृत में श्लोकों के ऊपर टीका दी हुई है ।

१६४३ जिनसहस्रनामस्तोत्र—पं० आशाधर । पत्र सं० १४ । साइज—१०×४ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—स्तोत्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० ४८५ ।

१६४४ प्रति नं० २ । पत्र सं० ११७ । साइज-११×११ इंच । लेखनकाल-सं० १८५८ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ४८६ ।

विशेष—श्रुतसागर कृत संस्कृत टीका सहित है ।

१६४५ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ४६ । साइज-१२×११ इंच । लेखनकाल-सं० १७८६ चैत्र शुक्ला = । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६७४ ।

१६४६ जिनसहस्रनामस्तोत्र टीका-टीकाकार-अमरकीर्ति । पत्र सं० ७२ । साइज-११×११ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-स्तोत्र । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १८५८ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८८५ ।

विशेष—अमरकीर्ति मल्लिभूषण के शिष्य थे ।

१६४७ प्रति नं० २ । पत्र सं० ४३ । साइज-११×११ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य वेष्टन नं० ४८७ ।

१६४८ प्रति नं० २ । पत्र सं० ३३ । साइज-१०×४ इंच । लेखनकाल-सं० १७३६ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ४८६ ।

१६४९ जिनसहस्रनामभाषा-बनासीदाम । पत्र सं० ६ । साइज-१०×११ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-स्तोत्र । रचनाकाल-सं० १६६० । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ४६२ ।

१६५० प्रति नं० २ । पत्र सं० २० । साइज-६×११ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ४६३ ।

१६५१ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ६ । साइज-१०×११ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१६७ ।

१६५२ जिनस्तवन्-जयानंद सूरि । पत्र सं० ५ । साइज-११×११ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-स्तोत्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ४८६ ।

विशेष—कनककुराल कृत संस्कृत टीका सहित है ।

१६५३ जिनस्तवन..... । पत्र सं० ६ । साइज-१०×४ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-स्तोत्र । रचना-काल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६८८ ।

विशेष—प्रति सटीक है । टीका संस्कृत में है ।

१६५४ एमोकार नियुक्त..... । पत्र सं० ६ । साइज-१०×४ इंच । भाषा-प्राकृत । विषय-स्तोत्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ५७६ ।

१६५५ तित्थागालीय..... । पत्र सं० ३६ । साइज-१०×४ इंच । भाषा-प्राकृत । विषय-स्तवन । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १६७४ श्रावण सुदी ६ भौमवार । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६३६ ।

विशेष—जैसलमेर नगर के साह जीवा ने ग्रन्थ की प्रतिलिपि करवायी थी ।

१६२६ तीर्थराजस्तोत्र..... पत्र सं० १० । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×६ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-स्तोत्र ।
रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६३६ ।

विशेष—जैन गायत्री स्तोत्र का दूसरा नाम है ।

१६२७ निर्वाणकाण्ड गाथा..... पत्र सं० ३ । साइज-११×८ इंच । भाषा-प्राकृत । विषय-स्तवन ।
रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १६२१ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० ६१२ ।

१६२८ पदसंग्रह-नेमीचन्दजी बखशी । पत्र सं० १४ । साइज-१२×८ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-
भजन एवं पद । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० ६४४ ।

१६२९ प्रति नं० २ । पत्र सं० ४५ । साइज-१२×१० इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-
उत्तम । वेष्टन नं० १२८६ ।

१६३० पदसंग्रह-हीराचंद पत्र सं० १५ । साइज-११×९ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-भजन संग्रह ।
रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १६३७ वैशाख सुदी ३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० ६४५ ।

१६३१ पद व भजनसंग्रह..... पत्र सं० २०० । साइज-१२×६ $\frac{१}{२}$ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-
भजन व स्तुति । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १६८७ पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० ६४६ ।

विशेष—२६ जैन कवियों के ६१० पद व भजनों का संग्रह है ।

१६३२ पद संग्रह-जयचंदजी व्याज । पत्र सं० ५३ । साइज-१२×७ $\frac{१}{२}$ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-भजन ।
रचनाकाल-सं० १८०४ । लेखनकाल X । अपूर्ण-प्रारम्भ के ४० पत्र नहीं हैं । शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० ६४७ ।

१६३३ पदसंग्रह..... पत्र सं० ५ । साइज-११×७ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-स्तोत्र । रचना-
काल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६४८ ।

१६३४ पदसंग्रह-उदयलाल । पत्र सं० ३०-६० । साइज-६ $\frac{१}{२}$ ×६ $\frac{१}{२}$ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-भजन
संग्रह । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६४९ ।

विशेष—अन्त में द्रव्य संग्रह भाषा भी दिया हुआ है ।

१६३५ पद संग्रह..... पत्र सं० ३१७ । साइज-११×५ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-भजन व स्तुति ।
रचनाकाल X । लेखनकाल-१८६६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १७६१ ।

विशेष—१८ प्रकार की रागों के पद व भजनों का संग्रह । इसका दूसरा नाम पट्ट पाठ भी है ।

१६३६ पंचपरमेष्ठी स्तवन..... पत्र सं० ७ । साइज-१२×६ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-स्तोत्र ।
रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० ६६६ ।

१६३७ पंचमंगल-भी रूपचंद । पत्र सं० १० । साइज-८×६ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-स्तुति ।
रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १८६६ । पूर्ण एवं अशुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६६८ ।

१६३८ प्रति नं० २ । पत्र सं० ५ । साइज-११×५ इंच । लेखनकाल-सं० १७२० । पूर्ण एवं शुद्ध ।
दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६६९ ।

१६६६ परमानन्दस्तोत्र—पत्र सं० २ । साइज—११×४ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—स्तोत्र । रचना—
काल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १०३३ ।

१६७० पार्श्वनाथस्तोत्र—पद्मप्रभ । पत्र सं० १ । साइज—१०×४ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—स्तोत्र ।
रचनाकाल × । लेखनकाल—सं० १७२५ काश्या सुदी १० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ११०१ ।

विशेष—यह स्तोत्र साह जोधराज गोदीका का था ।

१६७१ पार्श्वमहिम्नस्तोत्र—मुनि राजसिंह । पत्र सं० ४ । साइज—१२×६ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—
स्तोत्र । रचनाकाल × । लेखनकाल—सं० १६८७ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—उत्तम । वेष्टन नं० १०६६ ।

१६७२ पार्श्वनाथस्तोत्र—पद्मप्रभदेव । पत्र सं० ५ । साइज—१२×५ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—
स्तोत्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ११०२ ।

१६७३ भक्तामरस्तोत्र—आ० मानतुंग । पत्र सं० ३ । साइज—१०×४ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—
स्तोत्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १२६० ।

१६७४ प्रति नं० २ । पत्र सं० २-२१ । साइज—११×४ इंच । लेखनकाल—सं० १७०६ । अपूर्ण एवं
सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १२६० ।

विशेष—हर्षकीर्ति सूरि कृत संस्कृत टीका सहित है ।

१६७५ प्रति नं० ३ । पत्र सं० २-१५ । साइज—६ इंच । लेखनकाल—सं० १८१२ पौष सुदी १० ।
अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १२६१ ।

विशेष—प्रति मंत्र सहित है । मंत्रों का फल हिन्दी में दिया हुआ है ।

१६७६ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ७ । साइज—१०×४ इंच । लेखनकाल—सं० १६३६ । पूर्ण एवं सामान्य
शुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० १२६२ ।

विशेष—हिन्दी में अर्थ दिया हुआ है ।

१६७७ प्रति नं० ५ । पत्र सं० २ । साइज—१०×४ इंच । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य ।
वेष्टन नं० १२६२ ।

विशेष—हेमराज कृत हिन्दी अर्थ भी है ।

१६७८ प्रति नं० ६ । पत्र सं० ६ । साइज—१०×५ इंच । लेखनकाल—सं० १६४७ कार्तिक सुदी ६ ।
पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १२६४ ।

विशेष—प्रति सटीक है टीका संस्कृत में है । लेखनकाल—सं० १५३७ कार्तिक सुदी १२ भी दिया हुआ है ।
पारां (कोटा) में प्रतिलिपि हुई थी ।

१६७९ प्रति नं० ७ । पत्र सं० ६ । साइज—१०×५ इंच । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—
सामान्य । वेष्टन नं० १२६४ ।

१६८० प्रति नं० ८ । पत्र सं० ५ । साइज-११ $\frac{१}{२}$ ×५ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १२६४ ।

विशेष—मंत्र मी है ।

१६८१ प्रति नं० ९ । पत्र सं० ६ । साइज-८×६ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १२६६ ।

१६८२ प्रति नं० १० । पत्र सं० ५ । साइज-१२×५ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १२६३ ।

विशेष—प्रति मंत्र सहित है ।

१६८३ प्रति नं० ११ । पत्र सं० ४ । साइज-८ $\frac{१}{२}$ ×६ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १२६३ ।

१६८४ प्रति नं० १२ । पत्र सं० ६ । साइज-१२ $\frac{१}{२}$ ×५ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १२६३ ।

१६८५ प्रति नं० १३ । पत्र सं० १६ । साइज-१२ $\frac{१}{२}$ ×५ इंच । लेखनकाल-सं० १६११ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १२६३ ।

विशेष—तत्त्वार्थ सूत्र मी दिया हुआ है ।

१६८६ प्रति नं० १४ । पत्र सं० १६ । साइज-१०×५ इंच । लेखनकाल-सं० १६११ भावण सुदी । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १२६८ ।

विशेष—ग्रन्थ में तत्त्वार्थ सूत्र मी है ।

१६८७ प्रति नं० १५ । पत्र सं० ६ । साइज-१३ $\frac{१}{२}$ ×५ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १२६८ ।

१६८८ प्रति नं० १६ । पत्र सं० ४ । साइज-६×८ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १२६८ ।

१६८९ प्रति नं० १७ । पत्र सं० २४ । साइज-६×५ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १२६८ ।

विशेष—प्रति सटीक है । टीका संस्कृत में है ।

१६९० प्रति नं० १८ । पत्र सं० १३ । साइज-८ $\frac{१}{२}$ ×४ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १२६७ ।

विशेष—प्रति सटीक है । टीका संस्कृत में है ।

१६९१ प्रति नं० १९ । पत्र सं० ४१ । साइज-६ $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १२६७ ।

[

विशेष—ब्रह्मरायमल कृत संस्कृत टीका सहित है।

१६६२ प्रति नं० २०। पत्र सं० ७। साइज-६×११ इंच। लेखनकाल X। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-उत्तम।
वेष्टन नं० १२६७।

विशेष—कल्याणमन्दिरस्तोत्र भी इसी में है।

१६६३ प्रति नं० २१। पत्र सं० १४। साइज-१२×६ इंच। लेखनकाल X। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध।
भाषा-सामान्य। वेष्टन नं० १२६५।

विशेष—प्रति संस्कृत टीका सहित है।

१६६४ प्रति नं० २२। पत्र सं० ४०। साइज-११×५ इंच। लेखनकाल-सं० १७५० कार्तिक सुदी ११।
पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० १३००।

विशेष—ब्रह्मरायमल कृत संस्कृत टीका सहित है।

१६६५ भक्तामरस्तोत्र वृत्ति-ब्रह्मरायमल। पत्र सं० ४३। साइज-११×५ इंच। भाषा-संस्कृत। विषय-
स्तोत्र। रचनाकाल-सं० १६६७ आषाढ सुदी ५। लेखनकाल-सं० १७४६ वैशाख सुदी १। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य।
वेष्टन नं० १२६६।

१६६६ भक्तामरस्तोत्र भाषा-अखयराजश्रीमाल। पत्र सं० २५। साइज-१२×६ इंच। भाषा-हिन्दी गद्य।
विषय-स्तोत्र। रचनाकाल X। लेखनकाल X। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० १३०३।

१६६७ प्रति नं० २३। पत्र सं० २२। साइज-११×५ इंच। लेखनकाल X। अपूर्ण-अन्तिम पत्र नहीं है।
शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० १३०१।

१६६८ भक्तामरस्तोत्र भाषा-पं० जयचन्द्रजी छाबडा। पत्र सं० २६। साइज-१०×५ इंच। भाषा-
हिन्दी। विषय-स्तोत्र। रचनाकाल-सं० १८७०। लेखनकाल-सं० १६१५। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन
नं० १३०३।

१६६९ भक्तामरस्तोत्र भाषा-.....। पत्र सं० २१। साइज-६×५ इंच। भाषा-हिन्दी। विषय-स्तोत्र।
रचनाकाल X। लेखनकाल-सं० १८०४। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० १३०४।

२००० भक्तामरस्तोत्र कथा-नधमल लालचन्द। पत्र सं० ६२। साइज-८×५ इंच। भाषा-हिन्दी। विषय-
स्तोत्र। रचनाकाल-सं० १८२६। लेखनकाल-सं० १८२६। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० १३०५।

२००१ भूपालचतुर्विंशति-भूपालकवि। पत्र सं० २०। साइज-१०×५ इंच। भाषा-संस्कृत। विषय-
स्तोत्र। रचनाकाल X। लेखनकाल X। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० १३६०।

२००२ प्रति नं० २। पत्र सं० ७। साइज-१०×५ इंच। लेखनकाल X। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-
सामान्य। वेष्टन नं० १३६५।

विशेष—सिद्धिप्रियस्तोत्र (देवनन्द) एवं कल्याणमालास्तोत्र भी भूदिये दिये हैं।

२००३ भूपालचतुर्विंशति भाषा-जिनदास । पत्र सं० ३ । साइज-१२×१२ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-स्तोत्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १३६१ ।

२००४ मालास्तोत्र-..... । पत्र सं० ४ । साइज-१०×१२ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-स्तोत्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १३६२ ।

विशेष—हिन्दी में अर्थ दिया हुआ है । स्तोत्र की समाप्ति के पश्चात् परमानन्द स्तोत्र हिन्दी अर्थ सहित दिया हुआ है ।

२००५ ऋषिमंडलस्तोत्र-गौतमस्वामी । पत्र सं० ११ । साइज-११×१२ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-स्तोत्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १५४७ ।

२००६ प्रति नं० २ । पत्र सं० १६ । साइज-५×४ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १५४७ ।

२००७ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ३ । साइज-११×५ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १५४८ ।

२००८ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ३ । साइज-११×५ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १५५० ।

२००९ ऋषिऋद्धि शतक-स्वरूपचन्द बिलाला । पत्र सं० १० । साइज-६×५ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-स्तोत्र । रचनाकाल-सं० १६०२ । लेखनकाल-सं० १६०३ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १५५१ ।

२०१० लघुस्तवन टीका-गोमतिलकमूरि । पत्र सं० १४ । साइज-१०×४ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-स्तोत्र । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १७१६ माघ बुदी ६ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १५५२ ।

२०११ लक्ष्मीस्तोत्र-पद्मप्रभादेव । पत्र सं० २ । साइज-११×५ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-स्तोत्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १५७७ ।

२०१२ विषापहारस्तोत्र-अनंजय । पत्र सं० ६ । साइज-१०×४ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-स्तोत्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६३६ ।

२०१३ प्रति नं० २ । पत्र सं० ५ । साइज-८×४ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६३६ ।

२०१४ विषापहारस्तोत्र-अवलकीर्ति । पत्र सं० ३ । साइज-१२×५ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-स्तोत्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १६३७ ।

२०१५ वीरस्तवन-जिनवल्लभाधरि । पत्र सं० ३ । साइज-११×५ इंच । भाषा-प्राकृत । विषय-स्तोत्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६४६ ।

२०१६ विनतीसंग्रह-वसुदेव । पत्र सं० ४५ । साइज-१५×६ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-स्तवन । रचना-काल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १६४८ ।

२०१७ वीरभक्ति..... । पत्र सं० १ । साइज-१३×५ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-स्तोत्र । रचना-काल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६५० ।

विशेष—निर्वाणभक्ति भी इसी में है ।

२०१८ शांतिनाथस्तवन-पद्मसुन्दर । पत्र सं० ६ । साइज-११×५ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-स्तोत्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६६८ ।

२०१९ प्रति नं० २ । पत्र सं० ३ । साइज-१५×४ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६६९ ।

२०२० समवशरणस्तोत्र-विष्णुसेन गण्ण । पत्र सं० ६ । साइज-१०×४½ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-स्तोत्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६६८ ।

२०२१ समवशरणस्तोत्र-पंडित हीरानन्द । पत्र सं० १६ । साइज-१०½×५ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-स्तोत्र । रचनाकाल-सं० १७०१ । लेखनकाल-सं० १७०४ । पूर्ण एवं शुद्ध । पत्र-सं० ३०१ । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६६९ ।

विशेष—कर्मविधानविशेषावचूरि २५ पद्यों में और है । लामपुर नगर में विजयसूरि ने ग्रन्थ की प्रतिलिपि की थी ।

२०२२ सामायिकपाठ..... । पत्र सं० १७ । साइज-८×४½ इञ्च । भाषा-प्राकृत । विषय-स्तोत्र । रचना-काल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६६७ ।

२०२३ प्रति नं० २ । पत्र सं० ४४ । साइज-१२×६ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६६८ ।

२०२४ प्रति नं० ३ । पत्र सं० २८ । साइज-१५×६½ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६६९ ।

विशेष—हिन्दी में अर्थ दिया हुआ है ।

२०२५ प्रति नं० ४ । पत्र सं० १५ । साइज-११×५½ इञ्च । लेखनकाल-सं० १८६६ जेठ सुदी ७ मंगलवार । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २००० ।

२०२६ प्रति नं० ५ । पत्र सं० ३१ । साइज-११×६½ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २००१ ।

विशेष—संस्कृत टिप्पण भी है ।

२०२७ प्रति नं० ६ । पत्र सं० ३० । साइज-१५×४½ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६६४ ।

विशेष—हिन्दी अर्थ भी दिया हुआ है।

२०२८ प्रति नं० ७। पत्र सं० ६४। साइज-११ $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इंच। लेखनकाल-सं० १७६३। पूर्ण एवं शुद्ध।
दशा-सामान्य। वेष्टन नं० १६६६।

विशेष—मारोठ में उदयराम ने प्रतिलिपि बनायी। प्रति संस्कृत एवं हिन्दी अर्थ सहित है।

२०२९ प्रति नं० ८। पत्र सं० १५। साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इंच। लेखनकाल। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध।
दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २००२।

२०३० प्रति नं० ९। पत्र सं० १५। साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इंच। लेखनकाल X। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध।
दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २००३।

विशेष—संस्कृत में अर्थ दिया हुआ है।

२०३१ प्रति नं० १०। पत्र सं० २८। साइज-११×४ इंच। लेखनकाल X। अपूर्ण-फुटकर पत्र है।
दशा-जीर्ण। वेष्टन नं० २००४।

२०३२ प्रति नं० ११। पत्र सं० २६। साइज-११×४ $\frac{१}{२}$ इंच। लेखनकाल-सं० १६६८ आश्विन सुदी १३।
पूर्णा एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २००५।

विशेष—आमेर नगर में प्रतिलिपि हुई थी। संस्कृत टीका सहित है।

२०३३ प्रति नं० १२। पत्र सं० ६३। साइज-१०×४ $\frac{१}{२}$ इंच। लेखनकाल-सं० १७२१ मंगसिर सुदी १४।
पूर्णा एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २००६।

विशेष—प्रति सटीक है। टीका संस्कृत में है। जोधराज गोदीका के पढ़ने के लिये प्रतिलिपि की गयी थी।

२०३४ प्रति नं० १३। पत्र सं० ७३। साइज-९×५ इंच। लेखनकाल-सं० १७८०। पूर्ण एवं सामान्य
शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २००८।

विशेष—विस्तृत हिन्दी अर्थ है। अजबगढ़ (राजस्थान) में पांडे विहारीदास ने प्रतिलिपि करवायी थी।

२०३५ प्रति नं० १४। पत्र सं० २६। साइज-११×५ इंच। लेखनकाल X। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-
सामान्य। वेष्टन नं० २००९।

२०३६ प्रति नं० १५। पत्र सं० ५६। साइज-१३×५ $\frac{१}{२}$ इंच। लेखनकाल X। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध।
दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २०१०।

२०३७ प्रति नं० १६। पत्र सं० ४४। साइज-१०×४ इंच। लेखनकाल X। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-
सामान्य। वेष्टन नं० २०११।

विशेष—प्रति संस्कृत टीका सहित है।

२०३८ प्रति नं० १७। पत्र सं० ३-१४०। साइज-११ $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इंच। लेखनकाल X। अपूर्ण-अन्तिम पत्र
नहीं है। सामान्य शुद्ध। दशा-जीर्ण। वेष्टन नं० १६६५।

विशेष—प्रति संस्कृत टीका सहित है।

२०३६ सामायिक पाठ..... पत्र सं० ४। साइज-११×१ इंच। भाषा-संस्कृत। विषय-स्तोत्र। रचनाकाल X। लेखनकाल X। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २०१०।

विशेष—हिन्दी अर्थ भी दिया हुआ है।

२०४० सामायिक पाठ-श्री बहुमुनि। पत्र सं० १४। साइज-११×१ इंच। भाषा-संस्कृत। विषय-स्तोत्र। रचनाकाल X। लेखनकाल X। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २०१३।

२०४१ प्रति नं० २। पत्र सं० २०। साइज-१० १/२×४ १/२ इंच। लेखनकाल X। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २०१३।

२०४२ सामायिक पाठ भाषा..... पत्र सं० १४। साइज-१२ १/२×७ इंच। भाषा-हिन्दी। विषय-स्तवन। रचनाकाल X। लेखनकाल-सं० १८०४। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २०१४।

२०४३ सामायिक पाठ भाषा-जयचंदजी छाबड़ा। पत्र सं० १२। साइज-१०×४ १/२ इंच। भाषा-हिन्दी। विषय-स्तोत्र। रचनाकाल X। लेखनकाल-सं० १८६६। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २०१६।

२०४४ प्रति नं० २। पत्र सं० ५८। साइज-१० १/२×४ १/२ इंच। लेखनकाल X। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २०२०।

२०४५ प्रति नं० ३। पत्र सं० ५४। साइज-१२×८ इंच। लेखनकाल-सं० १८०६। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य जोर। वेष्टन नं० २०१७।

२०४६ प्रति नं० ४। पत्र सं० ४२। साइज-११ १/२×६ इंच। लेखनकाल X। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २०१८।

२०४७ सामायिक पाठ-पं० सुखलाल। पत्र सं० ६। साइज-८×५ इंच। भाषा-हिन्दी। विषय-स्तोत्र। रचनाकाल-सं० १८५१। लेखनकाल X। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २०१६।

विशेष—पं० सुखलालजी के समय जयपुर के दीवान पद पर बालचंदजी छाबड़ा थे। उनके पुत्र रामचंदजी छाबड़ा भी कवि ने उल्लेख किया है।

२०४८ सुरुशतक-जिनदास। पत्र सं० ६। साइज-११×५ १/२ इंच। भाषा-हिन्दी। विषय-स्तोत्र। रचनाकाल-सं० १८६२। लेखनकाल X। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-उत्तम। वेष्टन नं० २१०४।

२०४९ स्वयंभूस्तोत्र-समन्तमदाचार्ये। पत्र सं० १७। साइज-९ १/२×४ इंच। भाषा-संस्कृत। विषय-स्तोत्र। रचनाकाल X। लेखनकाल X। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २१६३।

२०५० प्रति नं० २। पत्र सं० ६। साइज-१०×५ इंच। लेखनकाल X। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-उत्तम। वेष्टन नं० २१६३।

२०५१ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ७४ । साइज-११×५ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य ।
वेष्टन नं० २१६४ ।

विशेष—अन्य पाठों का भी संग्रह है ।

२०५२ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ५० । साइज-११×५ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-
उत्तम । वेष्टन नं० २१६४ ।

विशेष—प्रति संस्कृत टीका सहित है ।

२०५३ प्रति नं० ५ । पत्र सं० १२० । साइज-१२×५ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१६५ ।

विशेष—प्रति संस्कृत टीका सहित है ।

२०५४ प्रति नं० ६ । पत्र सं० ६१-६१ । साइज-१०×५ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य
शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१६५ ।

विशेष—प्रति संस्कृत टीका सहित है ।

२०५५ प्रति नं० ७ । पत्र सं० ३१-१०१ । साइज-१०×५ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य
शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २१६५ ।

विशेष—प्रति संस्कृत टीका सहित है ।

२०५६ प्रति नं० ८ । पत्र सं० ४ । साइज-११×५ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-
सामान्य । वेष्टन नं० २१६५ ।

२०५७ प्रति नं० ९ । पत्र सं० २०-३६ । साइज-१२×५ इञ्च । लेखनकाल-सं० १०६४ कार्तिक शुक्ला ४
अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१६६ ।

विशेष—पंडित प्रभाकर कृत संस्कृत टीका सहित है ।

२०५८ प्रति नं० १० । पत्र सं० १० । साइज-१२×५ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१६७ ।

२०५९ स्तोत्र टीका-मूलकर्ता-श्री विद्यानन्द । टीकाकार-पं० आशाधर । भाषा-संस्कृत । विषय-स्तोत्र ।
रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १५७० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१६० ।

२०६० स्तोत्र व नीति के पद्य-शुलाम मुहम्मद । पत्र सं० ४६ । साइज-१२×५ इञ्च । भाषा-हिन्दी ।
विषय-स्तोत्र व नीति । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१६१ ।

विशेष—२१६ पद्य हैं । रचना उत्तम है ।

२०६१ स्तोत्रसंग्रह..... पत्र सं० ११-१४ । साइज-१०×५ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-स्तोत्र ।
रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० २१६२ ।

२०६२ स्तोत्र-पात्रकेशरी । पत्र सं० २ । साइज-१३×७ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-स्तोत्र । रचना-
X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१६३ ।

२०६३ प्रति नं० २ । पत्र सं० ५ । साइज-११×४½ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
भाषा-सामान्य । वेष्टन नं० २१६४ ।

२०६४ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १ । साइज-१०½×४½ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-
सामान्य । वेष्टन नं० २१६५ ।

विषय—पूजा साहित्य

ग्रन्थ संख्या—१५५

२०६५ अकृत्रिमचैत्यालयपूजा-चैनसुख । पत्र सं० ५६ । साइज-१२½×७½ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-
पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १६=५ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० ४ ।

२०६६ अकृत्रिमचैत्यालय वर्णन-बाबा दुलीचंद । पत्र सं० २३ । साइज-१०½×२½ इंच । भाषा-
संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ५ ।

विशेष—इसी में बाबा दुलीचंद कृत मृत्युमहोत्सव (हिन्दी) भी है ।

२०६७ अढाईद्वोपपूजा-भी डालूराम । पत्र सं० १४४ । साइज-१२½×८½ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-
पूजा । रचनाकाल-सं० १८७६ । लेखनकाल-सं० १६६५ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० ७ ।

विशेष—महाराजा जयसिंह के शासनकाल में दीवान अमरचन्द्रजी के आग्रह से उस पूजा की रचना की गयी ।

रचनास्थान-माधोराजपुरा (जयपुर) लिपिस्थान-जयपुर । ईश्वरलाल चांदवाड ने जयपुर के बड़े मन्दिर में प्रतिलिपि करवायी थी ।

२०६८ अनन्तनाथ पूजा-शांतिदास । पत्र सं० १२ । साइज-१०½×४½ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-
पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १३ ।

२०६९ अष्टाहिका पूजा..... । पत्र सं० ४ । साइज-८½×५ इंच । भाषा-प्राकृत । विषय-पूजा । रचना-
काल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ५३ ।

विशेष—अन्त में अष्टाहिका मत जाप्य विधि तथा अकृत्रिम चैत्यालयों के नाम दिये हुए हैं ।

२०७० अष्टाहिका जयमाल..... । पत्र सं० ४ । साइज-१०½×५ इंच । भाषा-प्राकृत । विषय-पूजा ।
रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६० (ख) ।

२०७१ अक्षयनिधि व्रत पूजा..... । पत्र सं० १४ । साइज-११×५ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा ।
रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६५ ।

२०७२ इन्द्रवज्रपूजा-भट्टारक विश्वभूषण । पत्र सं० ८२ । साइज-१२×६ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १८२४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १४६ । विशेष-सवाई जयपुर में माधोसिंहजी महाराज के शासनकाल में प्रतिलिपि हुई थी ।

२०७३ प्रति नं० २ । पत्र सं० ४५ । साइज-१२×५^३/_४ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १४७ ।

२०७४ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १६-११-१२५ तक । साइज-११^३/_४×५ इंच । लेखनकाल-सं० १८२६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १४८ ।

२०७५ कर्मचूरधतोद्योतनपूजा..... पत्र सं० ८ । साइज-१०^३/_४×५ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २३० ।

२०७६ कर्मदहनपूजा-शुभचन्द्र । पत्र सं० २० । साइज-८×५^३/_४ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १७६५ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २३१ ।

२०७७ प्रति नं० २ । पत्र सं० १४ । साइज-१२×५ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २३२ ।

२०७८ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १६ । साइज-११^३/_४×५ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २३३ ।

२०७९ प्रति नं० ४ । पत्र सं० २८ । साइज-१६×५^३/_४ इंच । लेखनकाल-सं० १६३० । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २३४ ।

२०८० कर्मदहनपूजा-देवचंद । पत्र सं० १६ । साइज-१०×७ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १८७४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २३५ । विशेष-लिपिकर्ता-लालचंद महात्मा । जयपुर में बड़े मंदिर में प्रतिलिपि हुई थी ।

२०८१ क्षेत्रपालपूजा..... पत्र सं० २२ । साइज-१२×६ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २६४ । विशेष-अन्य पूजायें भी हैं ।

२०८२ गुरावली पूजा..... पत्र सं० ३ । साइज-१०×५ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १८२० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३१६ । विशेष-एक पत्र पर गुरु पूजा और है ।

२०८३ चतुर्विंशतितीर्थकरपूजा-रामचन्द्र । पत्र सं० ६५ । साइज-१२^३/_४×५^३/_४ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १६४५ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३६७ ।

२०८४ प्रति नं० २ । पत्र सं० ७४ । साइज-१२×५^३/_४ इंच । लेखनकाल-सं० १६०१ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३६८ ।

[

२०८५ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ७३ । साइज-१० $\frac{३}{४}$ ×५ $\frac{३}{४}$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-
वर्ष । वेष्टन नं० ३६६ ।

२०८६ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ३८ । साइज-१२×५ $\frac{३}{४}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं अशुद्ध । दशा-
वर्ष । वेष्टन नं० ३७० ।

२०८७ प्रति नं० ५ । पत्र सं० १४ । साइज-११×५ $\frac{३}{४}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण-अजितनाथ की पूजा
ही है । शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३७० ।

२०८८ प्रति नं० ६ । पत्र सं० ६६ । साइज-११×५ $\frac{३}{४}$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-
वर्ष । वेष्टन नं० ३७२ ।

२०८९ प्रति नं० ७ । पत्र सं० ८२ । साइज-८×६ इंच । लेखनकाल-सं० १८८० आवण बुदी १ । पूर्ण
एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३७३ ।

२०९० प्रति नं० ८ । पत्र सं० ७० । साइज-११ $\frac{३}{४}$ ×५ $\frac{३}{४}$ इंच । लेखनकाल-सं० १६१३ । पूर्ण एवं शुद्ध ।
दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३७४ ।

२०९१ चतुर्विंशतितीर्थकरपूजा-वृन्दावन । पत्र सं० ८५ । साइज-१२×५ $\frac{३}{४}$ इंच । भाषा-हिन्दी
विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १६५२ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० ३७१ ।

२०९२ प्रति नं० ९ । पत्र सं० ५८ । साइज-११×६ $\frac{३}{४}$ इंच । लेखनकाल-सं० १६२४ । पूर्ण एवं शुद्ध ।
दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३७५ ।

विशेष — हीरासाल गंगबाई ने प्रतिलिपि की थी ।

२०९३ चन्द्रायणव्रतपूजा-देवेन्द्रकीर्ति । पत्र सं० ४ । साइज-१० $\frac{३}{४}$ ×८ । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा ।
रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० ४०० ।

२०९४ चौसठऋद्धिपूजा-स्वरूपचंद । पत्र सं० ३१ । साइज-१२×८ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-
पूजा । रचनाकाल-सं० १६१० । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ४३७ ।

२०९५ जिनगुणसंपत्तिपूजा-श्री केशव वर्मा । पत्र सं० ८ । साइज-१०×४ $\frac{३}{४}$ इंच । भाषा-संस्कृत ।
विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ४६७ ।

२०९६ जिनस्नपन-महार्पणित आशाधर । पत्र सं० १५ । साइज-८×६ $\frac{३}{४}$ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-
पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ४८५ ।

विशेष—अन्य पूजायें भी हैं ।

२०९७ जिनसहस्रनाम पूजा-सुनिधमेचन्द्र । पत्र सं० ६६ । साइज-११ $\frac{३}{४}$ ×६ इंच । भाषा-संस्कृत ।
विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १७६३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ४८६ ।

विशेष—जिहानाबाद में प्रतिलिपि की गयी थी ।

२०६८ प्रति नं० २ । पत्र सं० ७५ । साइज-११×५ इंच । लेखनकाल-सं० १६२६ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ४६० ।

२०६९ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ६६ । साइज-११×५ इंच । लेखनकाल-सं० १६२६ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० ४६१ ।

२१०० जिनसहस्रनामपूजा-पं० चैनसुखजी । पत्र सं० १७ । साइज-१२×७ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६७१ ।

२१०१ तीनलोकपूजा-टेकचन्द । पत्र सं० ६०० । साइज-१२×८ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-पूजा । रचनाकाल-सं० १८२८ । लेखनकाल-सं० १६६२ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० ६३७ ।

२१०२ तेरहद्वीपपूजा-..... । पत्र सं० ४२ । साइज-११×५ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६३८ ।

२१०३ तेरहद्वीपपूजा-..... । पत्र सं० १६२ । साइज-११×५ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १६२१ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६३९ ।

विशेष—विजयलाल काशलीवाल ने प्रतिलिपि की थी ।

२१०४ त्रिंशच्चतुर्विंशतिपूजा-शुभाचन्द्र । पत्र सं० ८४ । साइज-१०×५ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १६८० । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६४३ ।

विशेष—पं० भावशर्मा भी अन्य रचना में सहायक थे ।

२१०५ प्रति नं० २ । पत्र सं० ८२ । साइज-१०×४ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० ६४४ ।

२१०६ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ७७ । साइज-१०×४ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १७६४ मादवा बुध्नी = । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६४५ ।

विशेष—नि० लूणकर्ण के पढ़ने के लिये जिहानाबाद नगर में पं० खीवसीजी ने प्रतिलिपि की थी ।

२१०७ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ७५ । साइज-१०×५ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६४६ ।

२१०८ त्रिपंचाशत्क्रियाव्रतपूजा-..... । पत्र सं० ६ । साइज-१०×५ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६४७ ।

२१०९ तीनचौबीसी पूजा-..... । पत्र सं० १२ । साइज-१२×६ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६४८ ।

२११० दशलक्षण पूजा-..... । पत्र सं० १० । साइज-१२×६ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ७०६ ।

२१११ दशलक्षपूजा..... पत्र सं० १५ । साइज-११ $\frac{१}{२}$ ×११ $\frac{१}{२}$ इंच । भाषा-प्राकृत । विषय-पूजा ।

रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ७०७ ।

विशेष—प्रारम्भ में सोलहकारण जयमाल है ।

२११२ दशलक्षपूजा-पं० भावशर्मा । पत्र सं० १५ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इंच । भाषा-प्राकृत । विषय-

पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल-सं० १७२४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ७०८ ।

२११३ दशलक्षपूजा-रघू । पत्र सं० ६ । साइज-१०×४ $\frac{१}{२}$ इंच । भाषा-अपभ्रंश । रचनाकाल × ।

लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० ७०९ ।

२११४ प्रति नं० २ । पत्र सं० ३ । साइज-११ $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल-सं० १७५८ । पूर्ण एवं शुद्ध ।

दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ७०९ ।

२११५ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ७ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×५ इंच । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-

सामान्य । वेष्टन नं० ७०९ ।

२११६ द्वादशव्रतमंडलोद्यापन पूजा-श्री मटारक देवेन्द्रकीर्ति । पत्र सं० १६ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×५ इंच ।

भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल-सं० १७७२ भाष सुदी ११ । लेखनकाल-सं० १८६३ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।

दशा-उत्तम । वेष्टन नं० ७४३ ।

२११७ द्वादशांगपूजा-डालूराम । पत्र सं० १७ । साइज-१४×४ $\frac{१}{२}$ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-पूजा ।

रचनाकाल × । लेखनकाल-सं० १८७६ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ७४४ ।

२११८ प्रति नं० २ । पत्र सं० ७ । साइज-१२×५ इंच । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम ।

वेष्टन नं० ७४४ ।

२११९ देवपूजा..... पत्र सं० २१ । साइज-१०×४ $\frac{१}{२}$ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचना-

काल × । लेखनकाल-सं० १८२३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ७५६ ।

विशेष—संस्कृत के साथ हिन्दी भी दी हुई है ।

२१२० देवपूजा..... पत्र सं० ६ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचना-

काल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ७५७ ।

विशेष—प्रति संस्कृत टीका सहित है ।

२१२१ देवपूजा..... पत्र सं० ३६ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×५ $\frac{१}{२}$ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचना-

काल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० ७५८ ।

२१२२ देवसिद्धपूजा..... पत्र सं० २० । साइज-१२×५ इंच । भाषा-संस्कृत-हिन्दी । विषय-पूजा ।

रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ७५९ ।

विशेष—= प्रतियों का एक संग्रह है ।

२१२३ देवसिद्धपूजा—सदासुखजी कसलीवाल । पत्र सं० ४७ । साइज— $2\frac{1}{2} \times 6$ इंच । भाषा—हिन्दी ।
विषय—पूजा । रचनाकाल—सं० १६२१ । लेखनकाल—सं० १६२२ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ७६० ।
विशेष—नित्य नियम पूजा भी इस पूजा का नाम है ।

२१२४ प्रति नं० २ । पत्र सं० ८१ । साइज— $10 \times 8\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल—सं० १६४३ । पूर्ण एवं शुद्ध ।
दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ६०३ ।

विशेष—पूजाओं का हिन्दी गद्य में अर्थ दिया हुआ है ।

२१२५ देवसिद्ध पूजा..... । पत्र सं० ८ । साइज— $8\frac{1}{2} \times 5\frac{1}{2}$ इंच । भाषा—संस्कृत—हिन्दी । विषय—पूजा ।
रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ७६१ ।

२१२६ देवसिद्ध पूजा..... । पत्र सं० १५ । साइज— $10\frac{1}{2} \times 6\frac{1}{2}$ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—पूजा ।
रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ७६२ ।

२१२७ प्रति नं० २ । पत्र सं० ३० । साइज— 10×5 इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ७६३ ।

विशेष—हिन्दी अर्थ भी दिया हुआ है ।

२१२८ धर्मचक्रपूजा—यशोनंदि सूरि । पत्र सं० २२ । साइज— $10\frac{1}{2} \times 7\frac{1}{2}$ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—
पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ७६४ ।

२१२९ धर्मचक्रपूजा—महाकवि वीर । पत्र सं० ३६ । साइज— $11\frac{1}{2} \times 5$ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—
पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल—सं० १५८६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ७६६ ।
विशेष—प्रशस्ति दी हुई है ।

२१३० धर्मचक्रपूजा..... । पत्र सं० १८ । साइज— $8\frac{1}{2} \times 4\frac{1}{2}$ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—पूजा ।
रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० ७६७ ।

विशेष—मंजुमाबाद में प्रतिलिपि हुई थी ।

२१३१ धर्मचक्रपूजा—धर्मभूषण । पत्र सं० २३ । साइज— $10\frac{1}{2} \times 5$ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—पूजा ।
रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ७६८ ।

२१३२ धर्मचक्रपूजा..... । पत्र सं० ६० । साइज— 12×6 इंच । भाषा—प्राकृत—संस्कृत । विषय—पूजा ।
रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ७६९ ।

विशेष—पूजाओं का संग्रह है । जिनसहस्रनामस्तोत्र भी है ।

२१३३ धर्मचक्रपूजाविधान..... । पत्र सं० १२ । साइज— $11\frac{1}{2} \times 4\frac{1}{2}$ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—
पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ८०० ।

२१३४ नन्दीश्वरपूजा पत्र सं० १८ । साइज-८×६ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचना-काल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन सं० ८३८ ।

२१३५ नन्दीश्वरपूजा पत्र सं० ३७ । साइज-१२ $\frac{१}{२}$ ×६ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन सं० ८३९ ।

२१३६ नन्दीश्वरपंक्तिपूजा पत्र सं० ६ । साइज-१३ $\frac{१}{२}$ ×४ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन सं० ८४१ ।

२१३७ प्रति सं० २ । पत्र सं० ८ । साइज-१०×४ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन सं० ८४२ ।

२१३८ नन्दीश्वरपूजा पत्र सं० १० । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×४ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन सं० ८४० ।

२००६ प्रति सं० २ । पत्र सं० १० । साइज-११×५ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन सं० ८४० ।

२१४० नन्दीश्वरजयमाला पत्र सं० ७ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×४ इंच । भाषा-प्राकृत । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन सं० ८४३ ।

विशेष—हिन्दी में अर्थ लिखा हुआ है ।

२१४१ नवकारपंचत्रिंशतिका-अक्षयराम । पत्र सं० १० । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×६ $\frac{१}{२}$ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल-सं० १८०८ । लेखनकाल X । पूर्ण एवं अशुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन सं० ८४४ ।

२१४२ नवग्रहपूजा पत्र सं० ६ । साइज-११×५ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन सं० ८४५ ।

२१४३ नवग्रहपूजा पत्र सं० १० । साइज-१२×४ $\frac{१}{२}$ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन सं० ८४६ ।

२१४४ नित्यनियमपूजा पत्र सं० ३० । साइज-१२ $\frac{३}{४}$ ×४ $\frac{३}{४}$ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन सं० ८०४ ।

२१४५ नित्यनियमपूजा पत्र सं० १२ । साइज-१२×५ $\frac{१}{२}$ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १८१० । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन सं० ८०५ ।

विशेष—५ पत्र तक हिन्दी में अर्थ भी दिया हुआ है ।

२१४६ प्रति सं० २ । पत्र सं० १३ । साइज-१२×७ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन सं० ८०६ ।

२१४७ पंचकल्याणपूजा पत्र सं० २८ । साइज-८×४ $\frac{१}{२}$ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा ।

रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १८५१ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६८८ ।
विशेष—जयपुर में आचार्य-विजयकीर्ति ने लिपि बनवायी थी ।

२१४८ पंचकल्याणपूजा पत्र सं० १२ । साइज-११ १/२ X ८ १/२ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा ।
रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १८८० । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६८९ ।

२१४९ पंचपरमेष्ठीपूजा-यशोनादि । पत्र सं० ६३ । साइज-८ १/२ X ४ १/२ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा ।
रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६९० ।

२१५० पंचपरमेष्ठी पूजा-जयमाल-शुभचन्द्र । पत्र सं० ३८ । साइज-१२ X ४ १/२ इंच । भाषा-संस्कृत ।
विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण-प्रथम पत्र नहीं है । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६९१ ।

२१५१ पंचपरमेष्ठीपूजा-डालूराम । पत्र सं० ३० । साइज-१२ X ४ १/२ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-पूजा ।
रचनाकाल-सं० १८८० । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० ६९२ ।

२१५२ पंचपरमेष्ठीपूजा-श्री टेकचन्द्र । पत्र सं० २१ । साइज-१० X ७ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-पूजा ।
रचनाकाल-सं० १८८० । लेखनकाल-सं० १८८० । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६९३ ।

२१५३ पंचमेरुपूजा पत्र सं० ३६ । साइज-१० १/२ X ७ १/२ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-पूजा ।
रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १९०० । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १००० ।

२१५४ पंचमेरुपूजा पत्र सं० ५६ । साइज-११ X ६ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा ।
रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १८८० X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १००१ ।

२१५५ पंचमेरु जयमाल पत्र सं० ४३ । साइज-१२ X ६ १/२ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा ।
रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १००२ ।

२१५६ पत्न्यविधान-शुभचन्द्र । पत्र सं० १०० । साइज-१० X ४ १/२ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा ।
रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १००३ ।

२१५७ पत्न्यविधान पत्र सं० X । साइज-१० १/२ X ४ १/२ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा ।
पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १००४ ।

२१५८ पूजा संग्रह पत्र सं० ५२ । साइज-११ १/२ X ५ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-पूजा ।
रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११३० ।

विशेष—कुछ स्तोत्र भी हैं ।

२१५९ पूजा संग्रह पत्र सं० १३० । साइज-६ X ७ इंच । भाषा-संस्कृत-हिन्दी । विषय-पूजा ।
रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११३१ ।

विशेष—कुछ स्तोत्र संग्रह भी है ।

२१६० पूजा संग्रह पत्र सं० १०-६३ । साइज-१२ X ५ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा ।

स्वनाकाल । X लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११३२ ।

२१६१ पूजा संग्रह..... पत्र सं० २७ । साइज-६X६ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचना-

काल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११३३ ।

२१६२ पूजा संग्रह..... पत्र सं० २८ । साइज-१०X१३ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-पूजा ।

स्वनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० ११३४ ।

२१६३ पूजा संग्रह..... पत्र सं० २९ । साइज-११X१३ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा ।

स्वनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण-शीर्ण । वेष्टन नं० ११३५ ।

२१६४ पूजा संग्रह..... पत्र सं० ३० । साइज-१०X१३ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचना-

काल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११३६ ।

२१६५ पूजा संग्रह..... पत्र सं० ३१ । साइज-११X१३ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचना-

काल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११३७ ।

विशेष—१६ पूजायें तथा जिनसहस्रनामस्तोत्र, निर्वोणकांड तथा रूपचन्द्र इत जखदी भी हैं ।

२१६६ पूजा संग्रह..... पत्र सं० ३२ । साइज-११X१३ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचना-

काल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११३८ ।

२१६७ मेघमालाव्रतपूजा संग्रह..... पत्र सं० ३३ । साइज-११X१३ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा ।

स्वनाकाल X । लेखनकाल-सं० १७६६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११३९ ।

२१६८ रत्नत्रयपूजा संग्रह..... पत्र सं० ३४ । साइज-१२X१३ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा ।

स्वनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११४० ।

२१६९ रत्नत्रयपूजा संग्रह..... पत्र सं० ३५ । साइज-१२X१३ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचना-

काल X । लेखनकाल-सं० १७६६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११४१ ।

विशेष—मगवतीदास गोदीकाने प्रतिलिपि करवायी थी ।

२१७० रत्नत्रयपूजा संग्रह..... पत्र सं० ३६ । साइज-१२X१३ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-पूजा । रचना-

काल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० ११४२ ।

२१७१ रत्नत्रयपूजा संग्रह..... पत्र सं० ३७ । साइज-१२X१३ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचना-

काल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११४३ ।

२१७२ रत्नत्रयपूजा संग्रह..... पत्र सं० ३८ । साइज-१२X१३ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचना-

काल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११४४ ।

२१७३ रत्नत्रयपूजा संग्रह..... पत्र सं० ३९ । साइज-१२X१३ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचना-

काल X । लेखनकाल-सं० १७६६ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११४५ ।

२१७४ रत्नत्रयपूजा पत्र सं० २-३ । साइज-१०X१ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचना-काल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६१७ ।

२१७५ रत्नत्रयपूजा पत्र सं० २४ । साइज-१२X४^१/_२ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचना-काल X । लेखनकाल-सं० १-१४ भादवा कुदी १३ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १५१८ ।

२१७६ रोहिणीव्रतपूजा-संज्ञाचार्य श्री केशव तथा कृष्णसेन । पत्र सं० १६ । साइज-१०^३/_४X५ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १६४४ ।

२१७७ प्रति नं० २ । पत्र सं० १२ । साइज-११X५ इञ्च । लेखनकाल-सं० १-७५ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १५४६ ।

विशेष — अन्त में हिन्दी भाषा में व्रताविधान लिखा हुआ है ।

२१७८ रत्नत्रयजयमाल पत्र सं० ४ । साइज-१२X५^३/_४ इञ्च । भाषा-अपभ्रंश । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १५६२ ।

विशेष — संग्रामपुर निवासी गंगाविशन ने प्रतिलिपि की थी ।

२१७९ ऋषिमंडलपूजा-मुनि गुणनंदि । पत्र सं० १६ । साइज-११X५ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १५४९ ।

२१८० लब्धिविधानपूजा-हर्षहोर्ति । पत्र सं० ३ । साइज-११X५ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १५६९ ।

२१८१ लब्धिविधानपूजा पत्र सं० ६ । साइज-१२X८ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १५७० ।

२१८२ विदेहक्षेत्र के बीस तीर्थंकरों की पूजा-प० जौहरीलाल । पत्र सं० ७८ । साइज-१२X८ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-पूजा । रचनाकाल-सं० १६४६ । लेखनकाल-सं० १६४६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १६२६ ।

२१८३ प्रति नं० २ । पत्र सं० ६८ । साइज-१२X४^३/_४ इञ्च । लेखनकाल-सं० १४९ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १६२७ ।

२१८४ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ६६ । साइज-१२X८ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १६२८ ।

२१८५ विद्यमानवीसतीर्थंकरपूजा पत्र सं० १६ । साइज-७^३/_४X५^३/_४ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६२९ ।

२१८६ बृहत्पुरावली पूजा-स्वरूपचंद । पत्र सं० ५६ । साइज-१०^३/_४X५ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-पूजा । रचनाकाल-सं० १६१० । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६६३ ।

२१८७ बृहत्सिद्धचक्रपूजा-पं० २५५ । पत्र सं० ५ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६७६ ।

२१८८ प्रति नं० २ । पत्र सं० ६ । साइज-१०×४ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६७६ ।

२१८९ शांतिचक्रपूजा..... । पत्र सं० ५ । साइज-११ $\frac{१}{२}$ ×२ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६८३ ।

२१९० तृप्तज्ञानपूजा..... । पत्र सं० १७ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×२ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १७५३ ।

२१९१ श्रुतस्कन्धपूजा-श्रुतसागर । पत्र सं० ११ । साइज-१२×६ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १७५७ ।

२१९२ प्रति नं० २ । पत्र सं० ६ । साइज-११×५ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १७५७ ।

२१९३ षोडशकारणजयमाला..... । पत्र सं० १० । साइज-११ $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा-प्राकृत । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १७५२ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १८०७ ।

विशेष—प्रति सटीक है । अमेर में पं० लक्ष्मीदास ने प्रतिलिपि की भी ।

२१९४ षोडशकरणपूजा..... । पत्र सं० ६ । साइज-११×५ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १८०८ ।

२१९५ षोडशकारणपूजा..... । पत्र सं० २१ । साइज-११×५ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १८०८ ।

२१९६ षोडशकारणविधानपूजा..... । पत्र सं० ३८ । साइज-१२ $\frac{१}{२}$ ×८ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १८४२ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १८१० ।

२१९७ सम्मोदशिखरपूजा..... । पत्र सं० ४० । साइज-८ $\frac{१}{२}$ ×६ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १८२६ ।

२१९८ समवश्रुतपूजा..... । पत्र सं० ३१ । साइज-११×५ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १८८३ वैशाख शुद्ध ११ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १८०० ।

२१९९ समवशरण पूजा-लाललालजी । पत्र सं० ६५ । साइज-१२×६ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-पूजा । रचनाकाल-सं० १८३४ । लेखनकाल-सं० १८८१ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १८६७ ।

विशेष—ग्रन्थकार की विस्तृत प्रशस्ति है । श्री लालजी सकूराबाद निवासी पञ्जावती पूर्ववत् गुलाबरायजी के पुत्र थे । उणियारा में प्रतिलिपि हुई भी ।

२२०० समवशरणपूजा—जवाहरलाल । पत्र सं० ५७ । साइज—११×७ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा—हिन्दी । विषय—पूजा । रचनाकाल—सं० १६२१ । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १८६६ ।

२२०१ सहस्रगुणीपूजा—भट्टारक शुभचन्द्र । पत्र सं० ३८ । साइज—१२×५ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १६६६ ।

२२०२ प्रति नं० २ । पत्र सं० ५७ । साइज—१२×५ इञ्च । लेखनकाल—सं० १७५८ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १६६७ ।

२२०३ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ४३ । साइज—१० $\frac{१}{२}$ ×५ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल—सं० १७५८ माघ सुदी १ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १६६८ ।

विशेष—पं० भौवरी के पठनार्थ गुरुजी कैसोदास ने आमेर में प्रतिलिपि की थी ।

२२०४ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ६२ । साइज—१२×६ $\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल—सं० १८१४ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १६६९ ।

२२०५ सहस्रनामपूजा—स्वरूपचंद बिलाला । पत्र सं० ६२ । साइज—१२ $\frac{१}{२}$ ×६ इञ्च । भाषा—हिन्दी । विषय—पूजा । रचनाकाल—सं० १६१६ । लेखनकाल—सं० १६१७ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १६७० ।

२२०६ सार्द्धद्वयद्वीपपूजा—शुभचन्द्र । पत्र सं० ६४ । साइज—१० $\frac{१}{२}$ ×५ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २०५२ ।

२२०७ सिद्धकूटपूजा—विश्वभूषण । पत्र सं० १३ । साइज—१०×६ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं अशुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २०५३ ।

२२०८ सिद्धपूजा..... । पत्र सं० ३ । साइज—१० $\frac{१}{२}$ ×८ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २०५४ ।

२२०९ सिद्धक्षेत्रपूजा..... । पत्र सं० २१ । साइज—१२×७ इञ्च । भाषा—हिन्दी । विषय—पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २०५५ ।

२२१० सिद्धजयमाल—चन्द्रकीर्ति । पत्र सं० २ । साइज—८ $\frac{१}{२}$ ×५ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—उत्तम । वेष्टन नं० २०५७ ।

२२११ सुखसंपत्तिपूजा..... । पत्र सं० ३ । साइज—११×५ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा—संस्कृत—हिन्दी । विषय—पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २१०२ ।

२२१२ सहस्रगुणितपूजा—पं० खड्गसेन कवि । पत्र सं० ६३ । साइज—१२×५ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल—सं० १७६३ वैशाख सुदी ४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १६६४ ।

विशेष—श्री साहिमल ने लक्षण ग्राम में प्रतिलिपि की थी । वहां उस समय उदैराम का राज्य था ।

२२१३ प्रति नं० २ । पत्र सं० ८३ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×५ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध तथा सुन्दर ।
दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १६६५ ।

२२१४ सायश्रीटीका-भट्ट बोसरी । पत्र सं० ४३ । साइज-११×५ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-
पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० २०२३ ।

विशेष—प्रति की एक पुष्पिका इस प्रकार है— इति दिगम्बराचार्य पं० श्री दामनन्दि शिष्य भट्ट बोसरी विरचिते
सायश्री टीका यज्ञान्तिलके आयचक्रपूजाप्रकरणं पंचविंशतितमं समाप्तं ।

२२१५ सोलहकारणपूजा । पत्र सं० १६ । साइज-६×४ $\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा-प्राकृत । विषय-पूजा । रचना-
काल X । लेखनकाल X । अपूर्ण-आगे के पत्र नहीं हैं । सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१५४ ।

२२१६ सोलहकारणमंडलविधानपूजा..... । पत्र सं० ५६ । साइज-११×७ इञ्च । भाषा-हिन्दी ।
विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १६३६ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २१५५ ।

२२१७ सौख्यलद्यापनपूजा-पं० अक्षयराज । पत्र सं० २० । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×५ इञ्च । भाषा-संस्कृत ।
विषय-पूजा । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० २१५६ ।

विषय—प्राचीन लेख संग्रह

ग्रन्थ संख्या—५

२२१८ आबू मन्दिर के शिलालेखों की भाषा-बाबा दुर्लालचंद । पत्र सं० १२ । साइज-८×६ $\frac{१}{२}$ इञ्च ।
भाषा-हिन्दी । विषय-प्राचीन लेख संग्रह । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं०
१२२ ।

२२१९ हरसुखराय के मन्दिर देहली की ग्रन्थ सूची-बाबादुर्लालचंद । पत्र सं० १५ । साइज-८ $\frac{१}{२}$ ×६
इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-प्राचीन लेख संग्रह । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन
नं० ७४५ ।

२२२० प्रति नं० २ । पत्र सं० ११ । साइज-५ $\frac{१}{२}$ ×६ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-
सामान्य । वेष्टन नं० १७७६ ।

२२२१ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ११ । साइज-५ $\frac{१}{२}$ ×६ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-
सामान्य । वेष्टन नं० १७७६ ।

२२२२ शिलालेखसंग्रह..... पत्र सं० १३ । साइज-१२ $\frac{३}{४}$ ×६ $\frac{३}{४}$ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-प्राचीन लेख संग्रह । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १७०६ ।

विशेष—निम्न शिलालेखों का संग्रह है ।

चालुक्यवंशीय श्री पुलकेशिन का शिलालेख । खालियर नगरोपकरण स्थित गिरदुर्गे पञ्चनाथ देवालय समुत्कीर्ण प्रमाण । भद्रबाहु प्रशस्ति । मल्लिकार्जुन प्रशस्ति ।

विषय—संगीत एवं नृत्य कला

ग्रन्थ संख्या—५

२२२३ नर्तनविचार-पुंडरीक विहल । पत्र सं० ३६३ । साइज-६×६ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-नृत्य कला । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८५१ ।

२२२४ राधागोविन्द संगीत सार-महाराजा सवाई प्रतापसिंहजी । पत्र सं० ६७ । साइज-१४ $\frac{३}{४}$ ×१० $\frac{३}{४}$ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-संगीत । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११३६ ।

विशेष—इसके आगे रागाध्याय है । उसके पूरे पृष्ठ २२२ तक है ।

२२२५ संगीतरत्नाकर-लक्ष्मणाचार्य पुत्र श्री केलिनाथ । पत्र सं० १६६ । साइज-११×६ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-संगीत शास्त्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १८२२ ।

२२२६ संगीतशास्त्रसार-श्री दामोदर । पत्र सं० ६३ । साइज-११×५ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-संगीत । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण-एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १८२३ ।

२२२७ संगीतरत्नाकर-श्री शङ्करदेव । पत्र सं० २२८ । साइज-११×६ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-संगीत शास्त्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १८२४ ।

२२२८ संगीतसार-महाराजा प्रतापसिंह । पत्र सं० २२२ । साइज-१२×१५ इंच । भाषा-हिन्दी । लेखनकाल X । अपूर्ण-६७ पत्र के आगे रागाध्याय है । वेष्टन नं० १८२५ ।

विषय—लक्षण एवं समीक्षा साहित्य

ग्रन्थ संख्या—१५

२२२६ चौसठकृद्धि स्वरूप.....। पत्र सं० १३। साइज-१० $\frac{३}{४}$ ×७ इंच। भाषा—प्राकृत। विषय—लक्षण साहित्य। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। अपूर्ण—५४ गाथायें हैं। शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० ४३८।

२२३० प्रति नं० २। पत्र सं० ५। साइज-१० $\frac{३}{४}$ ×४ $\frac{३}{४}$ इंच। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा—सामान्य। गाथा संख्या १२३। वेष्टन नं० ४३९।

२२३१ प्रति नं० ३। पत्र सं० १३। साइज-११×५ इंच। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—उत्तम। वेष्टन नं० १५४६।

विशेष—एक पत्र में चार २ पंक्तियां हैं। अक्षर सुन्दर व मोटे हैं।

२२३२ पंचरत्नपरीक्षा.....। पत्र सं० १३। साइज-१०×४ $\frac{३}{४}$ इंच। भाषा—अपभ्रंश। विषय—समीक्षा। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० १००३।

२२३३ सर्वरत्नपरीक्षा.....। पत्र सं० १३×३६। साइज-१३×५ इंच। भाषा—संस्कृत। विषय—लक्षण ग्रंथ। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० १६५४।

२२३४ प्रति नं० २। पत्र सं० ४। साइज-१०×५ इंच। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० १६५४।

२२३५ धर्मपरीक्षा-अमितिगति। पत्र सं० ६३। साइज-११ $\frac{३}{४}$ ×५ इंच। भाषा—संस्कृत। विषय—समीक्षा साहित्य। रचनाकाल—सं० १०७०। लेखनकाल—सं० १६००। अपूर्ण—प्रारम्भ के ५३ पत्र नहीं हैं। सामान्य शुद्ध। दशा—मोर्छा। वेष्टन नं० ८०१।

विशेष—सा० मल्ला पाटनी ने प्रतिलिपि करवाई थी।

२२३६ प्रति नं० २। पत्र सं० ६६। साइज-११×५ इंच। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० ८०१।

२२३७ धर्मपरीक्षा भाषा—मनोहरलाल। पत्र सं० ६५। साइज-१२×६ इंच। भाषा—हिन्दी। विषय—समीक्षा। रचनाकाल—सं० १६४०। लेखनकाल—सं० १८७१। अपूर्ण—प्रारम्भ के ३१ पत्र नहीं हैं। शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० ८०२।

२२३८ प्रति नं० २। पत्र सं० १०४। साइज-११×५ इंच। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० ८०३।

विशेष—दो प्रतियों का सम्मिश्रण है।

२२३६ प्रति नं० ३ । पत्र सं० २२ । साइज-११×७ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८०४ ।

२२४० प्रति नं० ४ । पत्र सं० ६१ । साइज-१२ $\frac{3}{4}$ ×६ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल-सं० १=०२ । पूर्ण एवं शुद्ध ।
दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८०५ ।

विशेष—जिहानाबाद नगर में रूपचंदजी के शिष्य पं० दयाराम ने प्रतिलिपि की थी ।

२२४१ प्रति नं० ५ । पत्र सं० १५८ । साइज-१२×५ इंच । लेखनकाल-सं० १७७८ । पूर्ण एवं सामान्य
शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८०६ ।

२२४२ धर्मपरीक्षा भाषा—श्री दशरथ निगोष्ठा । पत्र सं० ४७ । साइज-११ $\frac{1}{2}$ ×५ इंच । भाषा—हिन्दी ।
विषय—समीक्षा । रचनाकाल-सं० १७१८ । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८०७ ।

२२४३ धर्मपरीक्षा भाषा—पन्नालाल चौधरी । पत्र सं० १६६ । साइज-१२×८ इंच । भाषा—हिन्दी—गद्य ।
विषय—परीक्षा । रचनाकाल-सं० १६३२ । लेखनकाल-सं० १६४७ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८०८ ।

विशेष—पत्र सं० १६८ का १६७ की ही दूसरी प्रति है । प्रथम आठ पत्र नहीं हैं । लक्ष्मीचंदजी आवड़ा
पंसारि ने प्रतिलिपि करवायी थी ।

२२४४ धर्मपरीक्षा—मुनिरामचन्द्र । पत्र सं० ३४ । साइज-१२×५ इंच । भाषा—संस्कृत । विषय—परीक्षा ।
रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १७२१ मंगसिर सुदी ५ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८०९ ।

विशेष—सरोजपुर नगर में पं० कामराज के शिष्य देवराज सुखदेव के पठनार्थ प्रतिलिपि की गयी थी ।

विषय—स्फुट एवं अवशिष्ट साहित्य

ग्रन्थ संख्या—५८

२२४५ अतरवाच्य । पत्र सं० ३, १६-४६ । साइज-१०×४ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा—हिन्दी । विषय—पुराण ।
रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १५८३ भाद्रपद सुदी ४ । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६० (क)
विशेष—नेमिनाथ, पार्श्वनाथ तथा महावीर स्वामी की जीवनी श्वेतान्तर सम्प्रदाय के सिद्धान्तों के अनुसार है ।

२२४६ अनुभवविलास । पत्र सं० ५० । साइज-१२×६ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा—हिन्दी । विषय—पूजा-भजन
व पद संग्रह । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा—उत्तम । वेष्टन नं० १६ ।

विशेष—प्रारम्भ के २२ पत्रों में पूजा संग्रह है ।

२४७ आगम वाक्य संग्रह..... पत्र सं० २२१ । साइज-१२×५ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा-प्राकृत-संस्कृत । विषय-धर्म । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १५७७ भाद्रपद सुदी ७ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० ६३ ।

विशेष — संग्रह ग्रन्थ है । लेखक प्रशस्ति संक्षिप्त में निम्न प्रकार है । संवत् १५७७ वर्षे भाद्रपद सुदी ७ चंद्रदिने कुरुजांगलदेशे श्री स्वर्णपद्महास्थाने श्री सिकंदरसाहिपुत्र सुलतान विशहिपुराज्यप्रवर्तमाने..... पांडे ईच्छराज..... अमोत-कान्धवे गर्गगोत्रे फतिहपुरु पुंडरीया कर्पस्यलि (दैयलि) वास्तव्य..... एतेषां मध्ये सर्वज्ञध्वनिनिर्गतजोवादिन्द्रार्थषट्द्रव्य पर्यायश्रद्धापरः शास्त्रदाननिरतः परोपकारी ब्रह्मचारी चाहउ सुत पांडे ईच्छा तेन इदं कर्मकांड-त्रिमंजी चून्डी का टीका अपर प्रचुण्ड शास्त्रं लिखापितं ।

संवत् १५८४ तुहतांग ब्रह्मचारि सीद्ध जोशुदत्त पांडे ईच्छे । संवत् १६०५ वर्षे वैशाख बुदा २ चौः मदनसिंह भोजराज का नो व० सी है प्रदत्तं पठनार्थ ।

२२४८ आगमवाक्य संग्रह..... पत्र सं० १२ । साइज-१२×५ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा-विन्दी-संस्कृत । विषय-धर्म । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६२ ।

२२४९ जखडी-भुधरदास । पत्र सं० ६ । साइज-८ $\frac{1}{2}$ ×५ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-भजन । रचना-काल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ५६२ ।

२२५० डाढसी..... पत्र सं० ४ । साइज-१०×४ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा-प्राकृत । विषय-स्मृत । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १७१ ।

२२५१ डोलामारुणी..... पत्र सं० ३७ । साइज-१०×४ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-कथा । रचना-काल-सं० १६७७ । लेखनकाल-सं० १७६२ । पूर्ण एवं शुद्ध । २-३७ तक पत्र है । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १७२ ।

२२५२ दानविलास-कविवर दानजी अजमेरा । पत्र सं० २२ । साइज-१२×७ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-कविता संग्रह । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० ७०० ।

२२५३ त्रिशतचतुर्विंशतिनाम..... पत्र सं० ८ । साइज-१२×४ $\frac{1}{2}$ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-स्कृत । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० ६८२ ।

२२५४ द्रव्यपूजास्थापक सिद्धान्त..... पत्र सं० ३१ । साइज-८ $\frac{1}{2}$ ×८ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-खंडनमंडन । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ७१३ ।

विशेष — श्वेताम्बर सम्प्रदाय में पूजा की स्थापना है । यही ३२ सूत्रों में सिद्ध किया गया है ।

२२५५ दानतविलास-दानतराय । पत्र सं० ४०३ । साइज-८ $\frac{1}{2}$ ×६ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-संग्रह । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १६०३ । ७६ अधिकार तक पूर्ण । शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ७६८ ।

२२५६ प्रति नं० २ । पत्र सं० १५३ । साइज-११×८ इंच । लेखनकाल-सं० १८७७ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ७६६ ।

विशेष — महात्मा रामाकृष्ण ने जयपुर में प्रतिलिपि की थी ।

२२५७ प्रति नं० ६ । पत्र सं० १४० । साइज-११×७^१/_२ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण-प्रारम्भ के ११० तथा अन्तिम पत्र नहीं है । शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० ७७० ।

२२५८ प्रति नं० ४ । पत्र सं० १८१ । साइज-८×६ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण-२०-२१ तक तथा आगे के पत्र नहीं है । शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ७७१ ।

२२५९ धर्मविलास-धानतराय । पत्र सं० १-५० । साइज-१२×६ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-संगृह ग्रन्थ । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८१६ ।

२२६० प्रति नं० २ । पत्र सं० १२०-१६६ । साइज-१२×६ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० ८१६ ।

२२६१ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १२०-१६६ । साइज-१२×६ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८१६ ।

२२६२ प्रति नं० ४ । पत्र सं० २८ । साइज-१२×५^१/_२ इंच । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८१६ ।

२२६३ नवत्रमालाव्रतविवरण..... । पत्र सं० ४ । साइज-११^१/_२×५^१/_२ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-व्रतों का वर्णन । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८३६ ।

२२६४ नवतत्त्वनिदान..... । पत्र सं० २१ । साइज-८^१/_२×४ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-दर्शन । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८६८ । विशेष—हिन्दी भाषा में अर्थ दिया हुआ है ।

२२६५ नवरत्नकाव्य..... । पत्र सं० १ । साइज-११×४^१/_२ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-स्फुट । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८६४ । विशेष—त्रिकम राजा के ६ रत्नों का एक २ पद्य में परिचय है ।

२२६६ पंचपरमेश्वरगुणस्तवन-डालूराम । पत्र सं० २६ । साइज-११×६ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-स्तवन । रचनाकाल-सं० १८६४ । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ९१० । विशेष—स्तवन की समाप्ति के पश्चात् डालूराम कृत द्वादशानुप्रेक्षा तथा चौरासी लाख जखड़ी मी है । जखड़ी पूर्ण नहीं है ।

२२६७ पंचपरमेश्वरजाव्य..... । पत्र सं० १० । साइज-१०^१/_२×५ इंच । भाषा-प्राकृत । विषय-स्तवन । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६११ । नोट—१०८ बार यमोकार मंत्र लिखा हुआ है ।

२२६८ प्रबोधसार-पं० यशःकीर्ति । पत्र सं० १८ । साइज-१२×६ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-ओप-देशिक । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १८११ माघ शुक्ला ७ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६६१ ।

२२६६ प्रति नं० २ । पत्र सं० १७ । साइज-१३×८ इंच । लेखनकाल-सं० १६८० फाल्गुण कृष्ण ५ ।

पूर्ण सामान्य शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० ११६२ ।

२२७० प्रति नं० ३ । पत्र सं० १२-१६ । साइज-१२×५ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल-सं० १८१२ । अपूर्ण एवं

शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११६३ ।

२२७१ बनारसीविलास-बनारसीदास । पत्र सं० १५६ । साइज-८ $\frac{१}{२}$ ×६ $\frac{१}{२}$ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-

शुद्ध । रचनाकाल-सं० १७०१ । लेखनकाल-सं० १६०३ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १२६२ ।

विशेष—बनारसीदासजी की स्फुट रचनाओं का संग्रह है ।

२२७२ प्रति नं० २ । पत्र सं० ८८ । साइज-१०×७ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल-सं० १८७० । पूर्ण एवं शुद्ध ।

शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १२६१ ।

२२७३ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १२ । साइज-८ $\frac{१}{२}$ ×५ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।

शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १२७३ ।

२२७४ प्रति नं० ४ । पत्र सं० १३० । साइज-११×६ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-

सामान्य । वेष्टन नं० १२६३ ।

२२७५ प्रति नं० ५ । पत्र सं० ८४ । साइज-१०×७ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण—आगे के पत्र नहीं

। सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १२६४ ।

२२७६ प्रति नं० ६ । पत्र सं० ५१-१४५ । साइज-६×४ इंच । लेखनकाल-सं० १८१४ श्रावण बुदी ५ ।

पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १२६५ ।

२२७७ भववैराग्यशतक..... । पत्र सं० १६ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इंच । भाषा-प्राकृत । विषय-

रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १३२१ ।

२२७८ प्रति नं० २ । पत्र सं० ७ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×४ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-

सामान्य । वेष्टन नं० १३२२ ।

विशेष—संस्कृत में पर्यायवाची शब्द दिये हुये हैं ।

२२७९ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ११ । साइज-१०×४ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-

सामान्य । वेष्टन नं० १३२३ ।

विशेष—हिन्दी टब्बा टीका सहित है ।

२२८० बृहदारण्यक सटीक-टीकाकार-आचार्य शंकर । पत्र सं० २६४ । साइज-१२×४ इंच । भाषा-

संस्कृत । विषय-सिद्धान्त । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १७८१ चैत्र शुक्ला पंचमी । अपूर्ण-१३०-१३६ तक पत्र नहीं

। सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६६८ ।

२२८१ बिम्बनिर्माण..... पत्र सं० ४ । साइज-१०×४^३/_४ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-शिल्पशास्त्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६४६ ।

विशेष—विषय मत्स्यादिपुराण में से लिया गया है ।

२२८२ बिम्बनिर्माण..... पत्र सं० ४ । साइज-१२×६ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-शिल्पशास्त्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १२७१ ।

२२८३ मन्दिरनिर्माण विधि-वाका हुलीचंद । पत्र सं० ८ । साइज-११×७ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-शिल्पशास्त्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १३७६ ।

२२८४ नहीभट्टी-कवि भट्टी । पत्र सं० ६८ । साइज-११×५ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-व्याकरण । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १३८६ ।

२२८५ प्रति नं० २ । पत्र सं० २१-४० तक । साइज-११×५ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १३८६ ।

२२८६ मानमंजरी-संग्रहकर्ता-सागरगणि । पत्र सं० ४० । साइज-११×५^३/_४ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-संग्रह । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १३८६ ।

२२८७ वस्तुविज्ञानरत्नकोश..... पत्र सं० ६ । साइज-१०×४^३/_४ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-कोश । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६०७ ।

२२८८ शास्त्रदीपिका..... पत्र सं० ५६ । साइज-१०×४ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-संग्रह । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १७०७ ।

२२८९ शांतिकपाठ-धर्मदेव । पत्र सं० ६८ । साइज-५^३/_४×५ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-स्तोत्र । रचनाकाल-सं० १६८२ । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १७७२ ।

२२९० शिवतांडवीय-नीलकंठ । पत्र सं० १६ । साइज-१२×४^३/_४ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-स्फुट । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १८६० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १७१० ।

विशेष—प्रति संस्कृत टीका सहित है ।

२२९१ श्वेताम्बर पराजय..... पत्र सं० ७ । साइज-११×५^३/_४ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-धर्म । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १७७१ ।

२२९२ पट्प्रश्नी..... पत्र सं० ७२ । साइज-८×४ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-संग्रह । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण-स्फुट पत्र है । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १८०५ ।

२२९३ संस्कृतमंजरी-हरिनाम मिश्र । पत्र सं० ६ । साइज-११^३/_४×५^३/_४ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-संग्रह किये हुये लेख । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १८३० ।

२२६४ सम्बन्धोद्योत-रमसानंद । पत्र सं० १४ । साइज-२०×४ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-व्याकरण । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६३३ ।

विशेष—प्रति सटीक है । टीका संस्कृत में है ।

२२६५ संग्रह..... । पत्र सं० २४४ । साइज-२१×३ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-संग्रह । रचना-काल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १५२६ ।

विशेष—इस संग्रह में तत्त्वार्थ सूत्र, पुरुषार्थसिद्धि-शुपाय, आप्तपरीक्षा, आत्मतुलासन, प्रतिष्ठा पाठ, जिनसहस्रनाम स्तोत्र, सामायिक, श्रुतमक्ति आदि का संग्रह है ।

२२६६ साधुवन्दना-बनारसीदास । पत्र सं० २ । साइज-६×३ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-स्तवन । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६६० ।

२२६७ सारवावली..... । पत्र सं० ८ । साइज-१०×४ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-सुभाषित । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १७४१ पौष बुदी १० शुक्रवार । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २२०३ ।

विशेष—बासवड में कनक सागर ने लिपि की थी ।

२२६८ सारस्वत व्याकरण-शुभ्रभूति स्वरूपाचार्य । पत्र सं० ४३ । साइज-११ इंच×५ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-व्याकरण । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २०५१ ।

विशेष—प्रति संस्कृत टीका सहित है ।

२२६९ सिद्धहेमशब्दानुशासन वृत्ति..... । पत्र सं० २५२ । साइज-१०×३ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-व्याकरण । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण-१-२ तथा २५० से २५१ तक पत्र नहीं हैं । सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २०५८ ।

२३०० सिद्धान्तमुक्तावली-विश्वनाथ पंचानन । पत्र सं० ६७ । साइज-६×४ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-न्याय शास्त्र । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १८४६ माघ शुक्ला पंचमी । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २०७५ ।

२३०१ सुगढांकदीपक..... । पत्र सं० ११४ । साइज-११×४ इंच । भाषा-प्राकृत । विषय-स्फुट । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण-केवल मध्य के ३७ पत्र हैं । सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१०३ ।

२३०२ सिद्धिप्रियस्तोत्र-देवनन्दि । पत्र सं० ७ । साइज-६ इंच×४ इंच । भाषा-संस्कृत । विषय-स्तोत्र । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २०५६ ।

विशेष—प्रति टीका सहित है । टीका संस्कृत में है ।

२३०३ सुमति कुमति की जखड़ी-विनोदीलाल । पत्र सं० ३ । साइज-७ इंच×४ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय-उपदेशात्मकवर्णन । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १७८६ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१३४ ।

२३०४ हितोपदेशी..... । पत्र सं० १३ । साइज-१० इंच×५ इंच । भाषा-हिन्दी-संस्कृत । विषय-जैन धर्म का वैदिक ग्रन्थों में उल्लेख । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २२५१ ।

विषय—संग्रह

गुटका संख्या—१५

२३०५ गुटका नं० १ । पत्र सं० ६ । साइज—१०×६ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० २४०४ ।

विशेष—उल्लेखनीय सामग्री नहीं है ।

२३०६ गुटका नं० २ । पत्र सं० २० । साइज—१०×६ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २४०७ ।

विशेष—कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है ।

२३०७ गुटका नं० ३ । पत्र सं० १५ । साइज—१०×६ इञ्च । लेखनकाल—सं० १७४६ मादवा सुदी १६ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २४०६ ।

विषय—सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
अक्षर बान्नी	—	हिन्दी	
सुदामाजी का कवका	—	"	

२३०८ गुटका नं० ४ । पत्र सं० १४ । साइज—१०×६ इञ्च । लेखनकाल—सं० १६६४ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २४०६ ।

विशेष—भक्तानर स्तोत्र तथा सुकीर्ति स्तोत्र है ।

२३०९ गुटका नं० ५ । पत्र सं० २० । साइज—१०×६ इञ्च । भाषा—हिन्दी । लेखनकाल X । पूर्ण एवं अशुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २४०६ ।

विशेष—हिन्दी के पदों का संग्रह है ।

२३१० गुटका नं० ६ । पत्र सं० २० । साइज—१०×६ इञ्च । लेखनकाल—सं० १७६६ माघ सुदी ३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २४१३ ।

विशेष—चंद कवि कृत हिन्दी में रामायण है । पद्यों की संख्या १४७ पद्य हैं ।

२३११ गुटका नं० ७ । पत्र सं० २५ । साइज—१०×६ इञ्च । भाषा—हिन्दी । लेखनकाल X । पूर्ण एवं अशुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २४१४ ।

विशेष—कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है ।

२३१२ गुटका नं० ८ । पत्र सं० २० । साइज—१०×६ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० २४१४ ।

विशेष—कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है।

२३१३ गुटका नं० ६। पत्र सं० २०। साइज—२×४ इंच। लेखनकाल X। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध।

दशा—सामान्य। वेष्टन नं० २४१४।

विशेष—कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है।

२३१४ गुटका नं० १०। पत्र सं० १३। साइज—६×४ इंच। लेखनकाल X। अपूर्ण एवं सामान्य

शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० २४१६।

विशेष—हिन्दी पदों का संग्रह है।

२३१५ गुटका नं० ११। पत्र सं० ३५। साइज—६×६ इंच। लेखनकाल—सं० १५=४ चैत्र सुदी ६।

पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० २४१६।

विशेष—कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है। सामान्य पाठों का संग्रह है।

२३१६ गुटका नं० १२। पत्र सं० २०। साइज—६×६ इंच। लेखनकाल X। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध।

दशा—सामान्य। वेष्टन नं० २४२३।

विशेष—गुटके में कोई विशेष उल्लेखनीय सामग्री नहीं है।

२३१७ गुटका नं० १३। पत्र सं० ७। साइज—६×५ इंच। लेखनकाल X। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध।

दशा—सामान्य। वेष्टन नं० २४०३।

विशेष—हिन्दी पदों का संग्रह है।

२३१८ गुटका नं० १४। पत्र सं० २०। साइज—६×५ इंच। लेखनकाल X। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध।

दशा—सामान्य। वेष्टन नं० २४१०।

विशेष—पंच स्तोत्रों का संग्रह है।

२३१९ गुटका नं० १५। पत्र सं० २३। साइज—७×५ इंच। लेखनकाल X। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध।

दशा—सामान्य। वेष्टन नं० २४२४।

विशेष—स्तोत्रों का संग्रह है।

२३२० गुटका नं० १६। पत्र सं० २०। साइज—६×५ इंच। लेखनकाल X। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध।

दशा—सामान्य। वेष्टन नं० २४०८।

विशेष—उल्लेखनीय सामग्री नहीं है।

२३२१ गुटका नं० १७। पत्र सं० २७। साइज—६×५ इंच। भाषा—हिन्दी। लेखनकाल X। अपूर्ण एवं

सामान्य शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० २४२६।

विषय—सूची

कर्ता का नाम

भाषा

विशेष

संविधानात्मिका

पं० बुधजन

हिन्दी

२३२२ गुटका नं० १८ । पत्र सं० १२ । साइज-११ $\frac{1}{2}$ X ४ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४१७ ।

विशेष—गुटके में बनारसीदास कृत मोहवित्रेक कथा दी हुई है ।

२३२३ गुटका नं० १९ । पत्र सं० २१ । साइज-१२ X ६ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४२७ ।

विशेष—गुटके में बनारसीदास कृत नाटक समयसार है ।

२३२४ गुटका नं० २० । पत्र सं० १७ । साइज-८ X ६ इंच । लेखनकाल-सं० १७२१ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४२७ ।

विशेष—गुटके में संस्कृत में स्तनत्रय पूजा है ।

२३२५ गुटका नं० २१ । पत्र सं० २१ । साइज-७ X ७ इंच । लेखनकाल-सं० १७६६ । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४२८ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
शनिधर की कथा	—	हिन्दी	
मत्तामर स्तोत्र भाषा	हेमराज	"	
कल्याणमन्दिर स्तोत्र भाषा	बनारसीदास	"	
पंचमंगल	रूपचंद	"	

२३२६ गुटका नं० २२ । पत्र सं० १८ । साइज-५ $\frac{1}{2}$ X ४ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० २४१६ ।

विशेष—पूजा संग्रह है ।

२३२७ गुटका नं० २३ । पत्र सं० २३ । साइज-७ X ६ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४२९ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
मत्तामर स्तोत्र मंत्र सहित	—	संस्कृत	
पद संग्रह	—	हिन्दी	

२३२८ गुटका नं० २४ । पत्र सं० २५ । साइज-६ X ६ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २४३१ ।

विशेष—गुटके में ज्योतिष से सम्बन्धित साहित्य है ।

२३२६ गुटका नं० २५ । पत्र सं० ५२ । साइज-७×५ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।

दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४३३ ।

विशेष—धार्मिक चर्चाओं का संग्रह है ।

२३३० गुटका नं० २६ । पत्र सं० ३० । साइज-७×५ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।

दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४३३ ।

विशेष—उल्लेखनीय सामग्री नहीं है ।

२३३१ गुटका नं० २७ । पत्र सं० ६४ । साइज-७×५ इञ्च । लेखनकाल-सं० १८१५ भाव बुद्धि = ।

पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २४३४ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
स्तुति संग्रह	—	हिन्दी	
ज्ञानपञ्चीसी	बनारसीदास	"	
बोधकाव्य (प्राणिका गीत)	—	"	

२३३२ गुटका नं० २८ । पत्र सं० ६ । साइज-६×६ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।

दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४०२ ।

विशेष—गुटके में हिन्दी पदसंग्रह है ।

२३३३ गुटका नं० २९ । पत्र सं० ३५ । साइज-६×५ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।

दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४४३ ।

विशेष—कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है ।

२३३४ गुटका नं० ३० । पत्र सं० ४० । साइज-६×६ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।

दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४४४ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
पार्वतीस्तुति	—	हिन्दी	
चित्तामणिपार्वतीस्तवन	—	"	
योगीशसो	—	"	
नेमिनाथस्तवन	जिनदास	"	
मेघकुमारस्तवन	—	"	

२३३५ गुटका नं० ३१ । पत्र सं० ३३ । साइज-१०×६ इञ्च । लेखनकाल-सं० १८१२ । पूर्ण एवं शुद्ध ।

दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४४५ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
आनंदश्रावक संघ	हेमनंदन	हिन्दी	

अनादि साधु संघ.

स्तवनसंग्रह

विमलकीर्ति

”

”

२३३६ गुटका नं० ३२ । पत्र सं० ६६ । साइज-१०×६ इंच । लेखनकाल-सं० १७१८ भाष बुदी १ ।
पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जोय । वेष्टन नं०

विषय-सूची

कर्ता का नाम

भाषा

विशेष

षट्पाहुड

कुन्दकुन्दाचार्य

प्राकृत

स्वरोदय

संस्कृत

द्रव्यसंग्रह भाषा

हीरानंद

हिन्दी

२३३७ गुटका नं० ३३ । पत्र सं० ४० । साइज-४×४ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४४६ ।

विशेष—कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है ।

२३३८ गुटका नं० ३४ । पत्र सं० ४४ । साइज-८×६ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४४६ ।

विषय-सूची

कर्ता का नाम

भाषा

विशेष

षोडशकारण जयमाल

भावशर्मा

प्राकृत

दशलक्षण पूजा

६

”

”

सामायिक पाठ

”

संस्कृत

हिन्दी अर्थ सहित

२३३९ गुटका नं० ३५ । पत्र सं० १० । साइज-६×५ इंच । लेखनकाल-सं० १६८५ आसोज बुदी १३ ।
पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४५७ ।

विषय-सूची

कर्ता का नाम

भाषा

विशेष

अभिषेक पाठ

अभयनंदि

संस्कृत

सिद्धप्रियस्तोत्र

देवनंदि

”

२३४० गुटका नं० ३६ । पत्र सं० ३५ । साइज-५ १/२×५ १/२ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य
शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४५७ ।

विषय-सूची

कर्ता का नाम

भाषा

विशेष

नंदीश्वर जयमाल

—

संस्कृत

गणधर जयमाल

—

”

शांतिनाथ जयमाल

—

”

मुनीश्वरों की जयमाल

—

”

संग्रह]

विष्णुदुर्गा	ब्रह्मजिनदास	हिन्दी
नवकार गीत	—	"
सुदसणसार	—	प्राकृत
मुक्तमाली गीत	सफलकीर्ति	हिन्दी
मुक्तानुप्रेक्षा	मुनि विषयसेन	प्राकृत

२३४१ गुटका नं० ३७ । पत्र सं० १० । साइज-६×४½ इंच । लेखनकाल-सं० १७०४ । पूर्ण एवं

सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४५६ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
नाममाला	धनंजय	संस्कृत	
शिवसाधन नाम	जगन्नाथ	"	अपूर्ण
जिनस्तीत्र	वादिराज	"	
हिन्दी पद	—	हिन्दी	
पंचकल्याण	ठक्कुर	"	१५ पद्य

२३४२ गुटका नं० ३८ । पत्र सं० ४४ । साइज-७×४ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।

दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४६० ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
दादशानुप्रेक्षा	धालूकवि	हिन्दी	
धाम्यात्मपैडी	बनारसीदास	"	
बनारसी विलास के अंश	"	"	
स्फुट पद	—	"	

२३४३ गुटका नं० ३९ । पत्र सं० ४५ । साइज-६½×६½ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-

जीर्ण । वेष्टन नं० २४६२ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
स्वामीकार्तिकेयानुप्रेक्षा	स्वामी कार्तिकेय	प्राकृत	
तत्त्वसार	देवसेन	संस्कृत	

२३४४ गुटका नं० ४० । पत्र सं० २० । साइज-८×५ इंच । लेखनकाल-सं० १७५३ । अपूर्ण एवं

सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २४६० ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
जोगीरासो	—	हिन्दी	
हाता की किया कथन	—	"	

ध्यानवतीसी

प्राचीन राजाओं का समय

"

"

२३४५ गुटका नं० ४१ । पत्र सं० ४४ । साइज-६X८ इंच । लेखनकाल-सं० १७२२ मंगसिर सुदी १० ।
अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४६३ ।

विषय-सूची

कर्ता का नाम

भाषा

विशेष

शालिभद्र चौपई

जिनसिंह सूरि

हिन्दी

बीसविरहमान गीत

"

२३४६ गुटका नं० ४२ । पत्र सं० ४३ । साइज-७X५ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-
सामान्य । वेष्टन नं० २४६५ ।

विषय-सूची

कर्ता का नाम

भाषा

विशेष

चरचारातक

पं० बुधजन

हिन्दी

द्रव्यसंग्रह भाषा

"

२३४७ गुटका नं० ४३ । पत्र सं० ५० । साइज-१० $\frac{1}{2}$ X६ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य
शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २४६८ ।

विशेष—गुटके में पूजाओं का संग्रह है ।

२३४८ गुटका नं० ४४ । पत्र सं० ४८ । साइज-८X५ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल-सं० १८५० । पूर्ण एवं
सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४६९ ।

विषय-सूची

कर्ता का नाम

भाषा

विशेष

जिनसहस्रनाम

आशाधर

संस्कृत

रत्नत्रयपूजा

—

"

शक्तिचक्रपूजा

—

"

दशलक्षणपूजा

पं० रङ्गू

अपभ्रंश

लेखनकाल सं० १८०५

पद्मावतीस्तोत्र

—

संस्कृत

अनंतव्रतपूजा

—

"

"

१८०६

२३४९ गुटका नं० ४५ । पत्र सं० ४० । साइज-५ $\frac{1}{2}$ X५ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल-सं० १८२० । अपूर्ण एवं
अशुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४७३ ।

विषय-सूची

कर्ता का नाम

भाषा

विशेष

विनोद सतसई

कवि वृद्ध

हिन्दी

माहिरा

—

"

२३५० गुटका नं० ४६ । पत्र सं० ३८ । साइज-११/४ इंच । लेखनकाल-सं० १६०३ कार्तिक सुदी ४ ।

पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४५३ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
सत्समीस्तोत्र	पद्मप्रभदेव	संस्कृत	
सत्समीस्तोत्र	माननुंगाचार्य	"	

२३५१ गुटका नं० ४७ । पत्र सं० ४२ । साइज-६X१ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं अशुद्ध ।

दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४७० । लिपि विकृत है ।

विशेष—हिन्दी में सुकुमाल मुनि की कथा है ।

२३५२ गुटका नं० ४८ । पत्र सं० ५० । साइज-८X६ १/२ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।

दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २४७४ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
फोकमंजरी	कवि आनंद	हिन्दी	२७१ पद्य
वैद्यमनोत्सव	केशवदास नयनसुख	"	
राजलपञ्चीसी	लालचंद विनोदीलाल	"	
नवकारमंत्र केवली	—	"	

२३५३ गुटका नं० ४९ । पत्र सं० ७ । साइज-८X६ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।

दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४७४ ।

विशेष—तीर्थारों के पूर्व भवों के नाम दिये हुये हैं ।

२३५४ गुटका नं० ५० । पत्र सं० २२ । साइज-६X६ १/२ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।

दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४५६ ।

विशेष—समयसार नाटक का कुछ भाग है ।

२३५५ गुटका नं० ५१ । पत्र सं० ४२ । साइज-६X६ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।

दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २४७५ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
कोकसार	आनन्दकवि	हिन्दी	
सामुद्रिकशास्त्र	—	"	

२३५६ गुटका नं० ५२ । पत्र सं० २-४६ । साइज-६X१ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध ।

दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २४७६ ।

विशेष—उल्लेखनीय सामग्री नहीं है ।

२३५७ गुटका नं० ५३ । पत्र सं० ६० । साइज-५X५ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २४७७ ।

विशेष—उल्लेखनीय सामग्री नहीं है ।

२३५८ गुटका नं० ५४ । पत्र सं० १० । साइज-५X४ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २ ।

विशेष—कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है ।

२३५९ गुटका नं० ५५ । पत्र सं० १२ । साइज-६X४½ इंच । लेखनकाल-सं० १८२८ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४७७ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
जयपुर के मन्दिर चैत्यालयों की वंदना	—	हिन्दी	
आदिनाथस्तोत्र	—	"	
बाईस अमृत्य	—	"	
सरस्वतीस्तवन	—	"	

२३६० प्रति नं० ५६ । पत्र सं० ३८-५५ । साइज-६X५ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध ।
दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४८१ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
पंचपरमेष्ठीपूजा	—	संस्कृत	
सरस्वतीपूजा	—	"	
चतुर्विंशतिजिनपूजा	—	"	

२३६१ गुटका नं० ५७ । पत्र सं० २० । साइज-५X५ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४१५ ।

विशेष—पूजाओं का संग्रह है ।

२३६२ गुटका नं० ५८ । पत्र सं० २५ । साइज-६X५ इंच । लेखनकाल-सं० १८६६ मादवा सुदी ५ ।
पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २४२५ ।

विशेष—पूजाओं का संग्रह है ।

२३६३ गुटका नं० ५९ । पत्र सं० ६० । साइज-६X४ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४८२ ।

विशेष—गुटके में शनिश्वरजी की कथा है ।

२३६४ गुटका नं० ६० । पत्र सं० ५५ । साइज-५½X५½ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४८३ ।

विशेष—कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है।

२३६५ गुटका नं० ६१। पत्र सं० ५६। साइज— $2\frac{1}{2} \times 4\frac{1}{2}$ इंच। लेखनकाल X। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० २४८४।

विशेष—स्तोत्रों का संग्रह है।

२३६६ गुटका नं० ६२। पत्र सं० ४२। साइज— $3 \times 4\frac{1}{2}$ इंच। लेखनकाल X। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा—जीर्ण। वेष्टन नं० २४६१।

विषय—सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
योगसार	योगीन्द्रदेव	अपभ्रंश	१०८ गाथा। हिन्दी में अर्धे
प्रश्नदोहा	सुप्रभाचार्य	संस्कृत—	दिया हुआ है।

२३६७ गुटका नं० ६३। पत्र सं० ५०। साइज— 4×5 इंच। लेखनकाल X। पूर्ण एवं अशुद्ध। दशा—जीर्ण। वेष्टन नं० २४५८।

विशेष—गुटका वर्षा में भीगा हुआ मालूम होता है। स्तुति संग्रह है।

२३६८ गुटका नं० ६४। पत्र सं० ५१। साइज— $4 \times 4\frac{1}{2}$ इंच। लेखनकाल X। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० २४८५।

विशेष—नवल कवि कृत हिन्दी में चौबीस तीर्थंकरों की स्तुति है।

२३६९ गुटका नं० ६५। पत्र सं० ५६। साइज— 5×7 इंच। लेखनकाल X। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० २४८६।

विषय—सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
अनन्तपूजा तथा विधान	—	संस्कृत	
अनन्तव्रतरास	—	हिन्दी	
भक्तामरस्तोत्र	मानदुर्गाचार्य	संस्कृत	
पार्श्वनाथस्तवन	सिद्धसेन	"	

२३७० गुटका नं० ६६। पत्र सं० २-५३। साइज— 5×7 इंच। लेखनकाल—सं० १५६६। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा—जीर्ण। वेष्टन नं० २४८७।

विषय—सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
भट्टारक गुरावली	—	संस्कृत	
पोषहरास	मानभूषण	हिन्दी	
गीत	चतुर	"	
कोथ गीत	—	"	

२३७१ गुटका नं० ६७ । पत्र सं० १६ । साइज-११ $\frac{१}{२}$ ×७ इंच । लेखनकाल-सं० १७०४ पौष शुक्ला
अष्टमी । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २४८६ ।

विशेष—गुटके में चौबीस ठाणा चर्चा है ।

२३७२ गुटका नं० ६८ । पत्र सं० ६ । साइज-६×४ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४०१ ।

विशेष—गुटके में हिन्दी में वज्रनामि की स्तुति है ।

२३७३ गुटका नं० ६९ । पत्र सं० ४० । साइज-६×४ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४०१ ।

विशेष—स्तोत्र पदसंग्रह है ।

२३७४ गुटका नं० ७० । पत्र सं० ४८ । साइज-८×७ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४७३ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
समाधिमरण स्वरूप	—	हिन्दी	
पूजा संग्रह	—	"	
नरकों के दोहे	—	"	
चौबीस दंडक	दौलतराम	"	

२३७५ गुटका नं० ७१ । पत्र सं० १७ । साइज-१० $\frac{१}{२}$ ×११ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य
शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४६० ।

विशेष—गुटके में चौबीस ठाणा चर्चा है ।

२३७६ गुटका नं० ७२ । पत्र सं० ६० । साइज-७×६ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४६२ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
महाभार स्तोत्र	मानवुक्त	संस्कृत	
एकीभावस्तोत्र	वादिसाज	"	
कल्याणमन्दिर स्तोत्र	कुमुदचन्द्र	"	
विषाहस्तोत्र	धनंजय	"	
सिद्धिप्रियस्तोत्र	देवनंदी	"	
लक्ष्मीस्तोत्र	पद्मप्रभदेव	"	
सामायिकपाठ	—	"	
योगसारदोहा	—	हिन्दी	

२३७७ गुटका नं० ७३ । पत्र सं० २८ । साइज-६×४ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४३६ ।

विशेष—मजनों का संग्रह है ।

२३७८ गुटका नं० ७४ । पत्र सं० ६० । साइज-६×४ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं अशुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४६४ ।

विशेष—कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है ।

२३७९ गुटका नं० ७५ । पत्र सं० २२ । साइज-६×४ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४३७ ।

विशेष—पूजाओं का संग्रह है ।

२३८० गुटका नं० ७६ । पत्र सं० २७ । साइज-६×६ इञ्च । लेखनकाल-सं० १६१३ चैत्र बुदी अष्टमी । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० २४३२ ।

विशेष—गुटके में पिंगल शास्त्र है ।

२३८१ गुटका नं० ७७ । पत्र सं० ७० । साइज-७×४½ इञ्च । लेखनकाल-सं० १८१५ फागुण बुदी १४ पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४६५ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
मोक्षपैडी	बनारसीदास	हिन्दी	
गीत	पं० अख्यराम	"	
पद संग्रह	—	"	
बनारसी विलास का कुछ अंश	बनारसीदास	"	

२३८२ गुटका नं० ७८ । पत्र सं० ६४ । साइज-४½×४½ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४६७ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
पंचांगुली मंत्र	—	संस्कृत	
नवग्रहस्तोत्र	—	"	
केवली	—	हिन्दी	
ज्वालाभालिनी स्तोत्र	—	संस्कृत	
श्रीपाल दर्शन	—	हिन्दी	
आमेर के राजाओं की पट्टावली	—	"	

२३८३ गुटका नं० ७९ । पत्र सं० ७० । साइज-६½×६½ इञ्च । लेखनकाल-सं० १७८५ आषाढ बुदी १३ पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४६८ ।

विशेष—गुटके में बनारसीदास कृत समयसार नाटक है ।

२३८४ गुटका नं० ८० । पत्र सं० ६८ । साइज—६×६ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा—जीर्ण । वेन्टन नं० २४६६ ।

विषय—सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
सुदर्शन श्रीष्टी छप्पय	जयसागर	हिन्दी	रचनाकाल सं० १७३३
पंचवर्णतेईसा	पूनमचंद	"	
जखडी	बिहारीदास	"	
आराधना प्रतिबोधसार	सकलकीर्ति	"	१७५६
सुमति कुसति का भगड़ा	—	"	
पूजासंग्रह	—	"	
पंचमंगल	रूपचंद	"	

२३८५ गुटका नं० ८१ । पत्र सं० ७० । साइज—७×६ इंच । लेखनकाल—सं० १७६३ अथाद सुदी १२ ।
अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेन्टन नं० २५०० ।

विशेष—उल्लेखनीय सामग्री नहीं है ।

२३८६ गुटका नं० ८२ । पत्र सं० ६० । साइज—६×६ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा—
जीर्ण । वेन्टन नं० २५०१ ।

विशेष—पूजा एवं स्तोत्र संग्रह है ।

२३८७ गुटका नं० ८३ । पत्र सं० ३० । साइज—६×५½ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा—जीर्ण । वेन्टन नं० २४३५ ।

विशेष—गुटके में कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है । हरिवंश पुराण सम्बन्धी कथार्ये हैं ।

२३८८ गुटका नं० ८४ । पत्र सं० ७६ । साइज—७½×५½ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य
शुद्ध । दशा—सामान्य । वेन्टन नं० २५०५ ।

विषय—सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
ज्ञानपञ्चीसी	बनारसीदास	हिन्दी	
दोहा संग्रह	—	"	
नवरत्न कवित्त	—	"	
उपदेश पञ्चीसी	—	"	
बाईसपरीषद	—	"	

२३८९ गुटका नं० ८५ । पत्र सं० ३८ । साइज—८×६ इंच । लेखनकाल—सं० १६३४ । पूर्ण एवं शुद्ध ।
दशा—सामान्य । वेन्टन नं० २४४७ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
जिनसहस्रनाम	आशाधर	संस्कृत	
देविनाथ की बेलि	कवि धेनु	हिन्दी	
नाममाला	धनंजय	संस्कृत	

२३६० गुटका नं० ८६ । पत्र सं० ७६ । साइज-६×६ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं अशुद्ध । दशा-जीर्ण । लिपि-विकृत । वेष्टन नं० २५०६ ।

विशेष—कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है ।

२३६१ गुटका नं० ८७ । पत्र सं० ४० । साइज-६½×५½ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं अशुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २४५५ ।

विशेष—मुनि भानुकीर्ति कृत आदित्यवार कथा है ।

२३६२ गुटका नं० ८८ । पत्र सं० ७२ । साइज-६×६ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं अशुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २५०७ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
शनिश्चरजी की कथा	—	हिन्दी	
संबोध पंचासिका भाषा	—	"	
पंचमंगल	रूपचंद	"	
आदित्यवार कथा	—	"	

२३६३ गुटका नं० ८९ । पत्र सं० ७४ । साइज-४×४ इंच । भाषा-हिन्दी । लेखनकाल-सं० १७३५ । पूर्ण एवं अशुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २५०८ । लिपि विकृत है ।

विशेष—गुटके में श्रीपालरास है लेकिन अक्षर घसीट होने से अपाठ्य है ।

२३६४ गुटका नं० ९० । पत्र सं० ४६ । साइज-४×४ इंच । लेखनकाल-सं० १७४६ । पूर्ण एवं अशुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २४७२ । लिपि विकृत है ।

विशेष—कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है ।

२३६५ गुटका नं० ९१ । पत्र सं० ७४ । साइज-४½×४½ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २५०९ ।

विशेष—कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है ।

२३६६ गुटका नं० ९२ । पत्र सं० ८० । साइज-६½×४½ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २५१२ ।

विशेष—कोई उल्लेखनीय विषय नहीं है ।

२३६७ गुटका नं० ६३ । पत्र सं० ८७ । साइज-१०×६ १/२ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २६१३ ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
क्रियाकलाप टीका	प्रमाचन्द	संस्कृत	
गुरावली	—	"	
श्रावकप्रतिक्रमण	—	"	
संबोध पंचासिका	—	"	
आराधनासार	देवसेन	प्राकृत	
गर्भपटारचक	देवनेदि	"	
थाणपिंडपायडी	—	संस्कृत	
नेमिराजमति बेलि	ठक्कुरसी	प्राकृत	
एकीभावस्तोत्र	वादिराज	हिन्दी	
हंसा भावना	महा अजित	संस्कृत	
		हिन्दी	

२३६८ गुटका नं० ६४ । पत्र सं० ७६ । साइज-७ १/२×५ १/२ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २५१४ ।

विशेष—गुटके में पूजाओं का संग्रह है ।

२३६९ गुटका नं० ६५ । पत्र सं० ७८ । साइज-६ १/२×६ इंच । लेखनकाल-सं० १८०४-१८१२ तक । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २५१५ ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
भक्तभरस्तोत्र सटीक	—	संस्कृत	लेखनकाल १७६७ मत्तारोर्ष
" भाषा	हेमराज	हिन्दी	शुद्धी १३ ।
धर्मरासो	—	"	" १८०६
एकीभावस्तोत्र	हीरानंद	"	" १८१०
आदिनाथस्तोत्र	नाथू	"	"
पंचपरमेशी स्तवन	—	"	"
पदसंग्रह	नवल	"	"
साता-कामी का विवाद	—	"	"
एकीभावस्तोत्र टीका	—	"	"
योगसास्त्रोद्घा	योगचंद्र	संस्कृत	" १८०६
सामायिकपाठ	—	हिन्दी	"
		संस्कृत	"

२४०० गुटका नं० ६६ । पत्र सं० ६-९६ । साइज-६×४ $\frac{३}{४}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध ।
दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २५१६ ।

विशेष—गुटके में मुख्यतः हिन्दी पदों का संग्रह है ।

२४०१ गुटका नं० ६७ । पत्र सं० ५० । साइज-५×३ $\frac{३}{४}$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-
जीर्ण । वेष्टन नं० २५२० ।

विशेष—गुटके में कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है ।

२४०२ गुटका नं० ६८ । पत्र सं० ४४ । साइज-८×३ $\frac{३}{४}$ इंच । लेखनकाल-सं० १८२३ । पूर्ण एवं
अशुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २४६४ ।

विशेष—गुटके में धर्म संवाद वर्णन है ।

२४०३ गुटका नं० ६९ । पत्र सं० ८७ । साइज-६×३ $\frac{३}{४}$ इंच । लेखनकाल-सं० १७४२ । पूर्ण एवं
शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २५२१ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
सामायिक पाठ वचनिका	—	हिन्दी	
आदित्यवार कथा	भाउ	"	
जोगीरासो	—	"	

२४०४ गुटका नं० १०० । पत्र सं० ३६ । साइज-६×५ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४४२ ।

विशेष—कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है ।

२४०५ गुटका नं० १०१ । पत्र सं० ४० । साइज-६ $\frac{३}{४}$ ×५ इंच । लेखनकाल-सं० १७८३ आसोज सुदी ११
अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २४५० ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
गुणविवेक वार	केशवदास	हिन्दी	
हरिस	—	"	लेखक ज्ञानकुशल

२४०६ गुटका नं० १०२ । पत्र सं० ८४ । साइज-५×५ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २५२२ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
समयसार नाटक	बनारसीदास	हिन्दी	
पंचमी कथा	—	"	
स्नपनविधि	—	संस्कृत	
राहुलपञ्चीसी	लालचन्द विनोदीलाल	हिन्दी	

२४०७ गुटका नं० १०३ । पत्र सं० ६४ । साइज-६×४ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४६८ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
मेघकुमार गीत	—	हिन्दी	२० पृष्ठ
मैत्रवस्तोत्र	—	संस्कृत	
गीत	ब्रह्म जिनदास	हिन्दी	

विशेष—इनके अतिरिक्त पूजा व स्तोत्रों का संग्रह है ।

२४०८ गुटका नं० १०४ । पत्र सं० ६० । साइज-६×४ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४२३ ।

विशेष—गुटके में पूजा संग्रह है ।

२४०९ गुटका नं० १०५ । पत्र सं० ८५ । साइज-८×६ इञ्च । लेखनकाल-सं० १७६३ मंगसिर सुदी १६ ।
पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४२४ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
धर्मरासो	—	हिन्दी	
मार्गीतुंगी स्तवन	अभयचन्द्रसूरि	"	
पार्श्वनाथजी की निसाणी	—	"	
श्रीपालरास	ब्रह्मरायमल्ल	"	

२४१० गुटका नं० १०६ । पत्र सं० २० । साइज-५×४ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २४२२ ।

विशेष—शृंगार रस के हिन्दी पद्यों का संग्रह है ।

२४११ गुटका नं० १०७ । पत्र सं० ८२ । साइज-८×६ इञ्च । लेखनकाल-सं० १७४३ वैशाख सुदी ८ ।
पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४२५ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
सिन्दूरप्रकरण	बनारसीदास	हिन्दी	
परमात्मप्रकाश	योगीन्द्रदेव	अपभ्रंश	
योगसार	"	"	
सब्जनचिघवस्तम	—	संस्कृत	
सिद्धिप्रियस्तोत्र	देवनंदि	"	
सन्तोष पंचासिका	—	प्राकृत	श्रीधिरामजी कृत हिन्दी अर्थ सहित
तत्त्वसार	देवसेन	"	

२४१२ गुटका नं० १०८ । पत्र सं० ६० । साइज-६×६ इंच । लेखनकाल-सं० १८३५ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २५२७ ।

विशेष—कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है ।

२४१३ गुटका नं० १०९ । पत्र सं० २६ । साइज-६×६ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २४०६ ।

विशेष—उल्लेखनीय सामग्री नहीं है ।

२४१४ गुटका नं० ११० । पत्र सं० ६० । साइज-११×६ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण शीर्ष । वेष्टन नं० २५२८ ।

विशेष—उल्लेखनीय सामग्री नहीं है ।

२४१५ गुटका नं० १११ । पत्र सं० ८७ । साइज-५×४ इंच । लेखनकाल-सं० १७२१ माघ सुदी १० । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण शीर्ष । वेष्टन नं० २५२६ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
स्वतन्त्रिकृत्यारस	—	हिन्दी	
साधुबंदणा	वासुदेव	"	
भावकप्रतिक्रमण	—	प्राकृत	लेखनकाल सं० १७२१

२४१६ गुटका नं० ११२ । पत्र सं० ६७ । साइज-८×६ इंच । लेखनकाल-सं० १७२४ फागुण सुदी १० । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २५३२ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
मत्तामरस्तोत्र भाषा	हेमराज	हिन्दी	
प्रोत्तिकरचरित्र	जोधराज	"	
मनविकार विलास कथा	"	"	

२४१७ गुटका नं० ११३ । पत्र सं० ७७ । साइज-६×७ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २५१० ।

विशेष—गुटके में कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है । केवल पूजाओं का संग्रह है । तथा अन्त में शीघ्रबोध है ।

२४१८ गुटका नं० ११४ । पत्र सं० ६४ । साइज-८×५ इंच । लेखनकाल-सं० १७८८ वैशाख सुदी ८ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० २५३३ ।

विशेष—गुटके में महाकवि बनारसीदास कृत समयसार नाटक है ।

२४१९ गुटका नं० ११५ । पत्र सं० ७७ । साइज-६×६ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २५१६ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा
गर्भपञ्चक	देवनन्द	संस्कृत
शान्तिनाथस्तोत्र	—	—
पार्श्वनाथस्तोत्र	—	—
दर्शनसार	देवसेन	—
अनुप्रेषा	लक्ष्मीचन्द्र	प्राकृत
पञ्चमक्ति	—	—
गुरावली	—	—

२४२० गुटका नं० ११६। पत्र सं० ६७। साइज-१०×६ इंच। लेखनकाल-सं० १७२३ मंगलिका
बुद्धी = तथा १८४१ काव्युत्त बुद्धी १। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-जीर्ण। वेष्टन नं० २५३४।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
समयसार	बनारसीदास	हिन्दी	लेखनकाल सं० १७२६
शालिभद्र चौपई	—	—	—

२४२१ गुटका नं० ११७। पत्र सं० ६८। साइज-१०×६ इंच। लेखनकाल X। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध।
दशा-जीर्ण। वेष्टन नं० २५२६।

विशेष—गुटके में बनारसीदास कृत समयसार नाटक है।

२४२२ गुटका नं० ११८। पत्र सं० ६९। साइज-१०×६ इंच। लेखनकाल X। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध।
दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २५३५।

विशेष—पूजाओं का संग्रह है।

२४२३ गुटका नं० ११९। पत्र सं० ७०। साइज-१०×६ इंच। लेखनकाल X। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-
जीर्ण शीर्ष। वेष्टन नं० २५३६।

विशेष—कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है।

२४२४ गुटका नं० १२०। पत्र सं० ७१। साइज-१०×६ इंच। लेखनकाल X। पूर्ण एवं सामान्य
शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २५४०।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
पाखंडपंचासिका	दुर्गरदास	हिन्दी	—
मन्यप्रतिबोध	—	—	—
मोहविनेक	बनारसीदास	—	—

२४२५ गुटका नं० १२१। पत्र सं० ७२। साइज-१०×६ इंच। लेखनकाल-सं० १७२८ मात्र बुद्धी ६।
पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २५४१।

विशेष—गुटका संगानेर में पांडे सुखराम ने लिखवाया था ।

विषय—सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
दोहा संग्रह	—	हिन्दी	
नवरत्नकवित्त	—	"	
बनारसीविलास	बनारसीदास	"	

२४२६ गुटका नं० १२२ । पत्र सं० ११ । साइज— $2 \times 6 \frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २५४२ ।

विशेष—गुटके में पूजा स्तोत्र आदि पाठों का संग्रह है ।

२४२७ गुटका नं० १२३ । पत्र सं० १०० । साइज— $2 \times 6 \frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल—सं० १७७२ फाल्गुण सुदी ६ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २५४३ ।

विशेष—गुटके में नेमिचन्द्र कृत हिन्दी भाषा में हरिवंशपुराण है । हरिवंशपुराण का रचनाकाल—सं० १७६६ है ।

२४२८ गुटका नं० १२४ । पत्र सं० १०० । साइज— $2 \times 6 \frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २५४४ ।

विषय—सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
केवलीपुष्पा	—	हिन्दी	अपूर्ण
समाभूषण	गंगाराम	"	पूर्ण
सुमाधित बावनी	उदयराम	"	"
मन प्रशंसा दोहा	"	"	"
पार्श्वस्तुति	—	"	"
बारहसखड़ी	सूरत	"	"
पार्श्वनाथपुराण	—	"	अपूर्ण
अष्टपाहुड	आ० कुन्दकुन्द	प्राकृत	" हिन्दी अर्थ सहित

२४२९ गुटका नं० १२५ । पत्र सं० १०० । साइज— $2 \times 6 \frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० २५४५ ।

विषय—सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
नेमिश्चररास	—	हिन्दी	
चेतनपुद्गलधम्मालि	कवि कृपा	"	
जखड़ी	भौवंद	"	
आषाढभूतिमुनिचौपई	कनकसोम	"	रचनाकाल १६२८
साधु बंदना	—	"	

आदित्यवार लघुकथा	यशःकीर्ति	अपभ्रंश
समाधि	म० धर्मदास	हिन्दी
पद	रूपचंद	"
कर्महिंडोला	हर्षकीर्ति	"
श्रीपाल की स्तुति	—	"
श्रुतपंचमी कथा	—	"
पदसंग्रह	—	"

२४३० गुटका नं० १२६ । पत्र सं० ६६ । साइज—७×५ इंच । लेखनकाल—सं० १७८७ चैत्र बुदी ४ ।
पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २५४६ ।

विषय—सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
मत्तामरस्तोत्र	मानतुंगाचार्य	संस्कृत	
कल्याणमन्दिर स्तोत्र	कुमुदचन्द्र	"	
सिद्धिप्रियस्तोत्र	देवनदि	"	
विषाखहारस्तोत्र	धर्मजय	"	
एकीभावस्तोत्र	वादिराज	"	
परमानंदस्तोत्र	—	"	सं० १७५२
लक्ष्मीस्तोत्र	पद्मप्रसन्न देव	"	
सिद्धपूजा	—	"	
निर्वाणकांड भाषा	मगवतीदास	"	
पद संग्रह	—	हिन्दी	
सोहस्रस्वप्न फल	रूपचंद	"	

२४३१ गुटका नं० १२७ । पत्र सं० १०८ । साइज—८×६ इंच । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० २५४८ ।

विषय—सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
मविष्णुचर चौरई	बलरायमल्ल	हिन्दी	
प्रीतिकर चरित्र	—	"	

२४३२ गुटका नं० १२८ । पत्र सं० १०० । साइज—८×५ इंच । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य ।
शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २५४९ ।

विशेष—बनारसीदासजी कृत समयसार नाटक है ।

२४३३ गुटका नं० १२६ । पत्र सं० २७-१७ । साइज-५ $\frac{३}{४}$ ×६ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २५४६ ।

विशेष—गुटके में पूजा और स्तोत्रों का संग्रह है ।

२४३४ गुटका नं० १२६ (क) । पत्र सं० ६५ । साइज-६×४ $\frac{३}{४}$ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २५५० ।

विशेष—गुटके में पूजा व स्तोत्र संग्रह है ।

२४३५ गुटका नं० १३० । पत्र सं० १०५ । साइज-८×६ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २५५१ ।

विशेष—बनारसीविलास के कुछ पाठों का संग्रह है ।

२४३६ गुटका नं० १३१ । पत्र सं० १०६ । साइज-८×५ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २५५३ ।

विशेष—गुटके में शुभचन्द्र कृत त्रिलोकपूजा है ।

२४३७ गुटका नं० १३२ । पत्र सं० १०५ । साइज-१०×७ $\frac{३}{४}$ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २५५४ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
कर्मकांडगाथा	आ० नेमिचन्द्र	प्राकृत	
विशेषसत्तात्रिभंगी	—	"	
भावत्रिभंगी	—	"	
ज्ञानार्णव	आ० शुभचन्द्र	संस्कृत	
प्रेमनक्रिया	—	हिन्दी	
गोमट्टसारगाथा टीका (गुणस्थान)	—	प्राकृत	
स्वामीकार्तिकेयानुप्रेक्षा	कार्तिकेय	"	
उपासकाचार	पूज्यपाद	संस्कृत	

२४३८ गुटका नं० १३३ । पत्र सं० २६-१०४ । साइज-६×६ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २५५५ ।

विशेष—विभिन्न कवियों के पदों का संग्रह है ।

२४३९ गुटका नं० १३४ । पत्र सं० ११२ । साइज-८×६ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २५५८ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
सामायिक पाठ	—	संस्कृत	

२४५४ गुटका नं० १४६ । पत्र सं० १२० । साइज-६×६ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४७० ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
पंचसंधि	—	संस्कृत	
कर्मप्रकृतिविधान	बनारसीदास	हिन्दी	रचनाकाल सं० १७००
बनारसी पद	"	"	

२४५५ गुटका नं० १५० । पत्र सं० १६ । साइज-६×४ इंच । लेखनकाल-सं० १७८२ । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४७६ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
सूक्तिमुक्तावली	बनारसीदास	हिन्दी	
नवरत्नकविता	—	"	

२४५६ गुटका नं० १५१ । पत्र सं० २५ । साइज-६×५ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४३६ ।

विशेष—कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है ।

२४५७ गुटका नं० १५२ । पत्र सं० १११ । साइज-७×७ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं अशुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २५७१ ।

विशेष—पूजा और हिन्दी पदों का संग्रह है ।

२४५८ गुटका नं० १५३ । पत्र सं० ११६ । साइज-६×६ इंच । लेखनकाल-सं० १६६६ फागुण सुदी ८ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २५७२ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
स्वामीकार्तिकेयानुप्रेक्षा	कार्तिकेय	प्राकृत	
अनस्तमितिप्रताख्यान	पं० हरिचन्द्र	"	
नीतिसार	इन्द्रनंदि	संस्कृत	
पञ्चयग्ररूपण	—	प्राकृत	
सञ्जनचित्तवक्त्रम्	—	संस्कृत	

२४५९ गुटका नं० १५४ । पत्र सं० १२७ । साइज-७×५ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २५७४ ।

विशेष—गुटके में कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है ।

२४६० गुटका नं० १५५ । पत्र सं० १२८ । साइज-८×६ इंच । लेखनकाल-सं० १७८८ सावन सुदी ५ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २५७५ ।

विशेष—टोडामीन में रामचन्द्र बजने दीपचन्द्र कासर्लावाल के पठनार्थ गुटका लिखा था ।

विषय—सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
रत्नकरण्डश्रावकाचार	—	हिन्दी	रचना—१७७०
समाधितंत्रमाषा	—	"	"
रथशास्त्र	—	"	१७७२
उपदेशरत्नमाला	—	"	१७७०
दर्शनशुद्धि प्रकाश	—	"	
अष्टाद्विचउसठिभेद	—	"	
कर्मबंधविधान	—	"	
ध्यानभेद	—	"	
विवेकचौतौसी	—	"	
नमस्कारस्तोत्र	—	"	
दर्शनस्तोत्र	—	"	
सुगतवादिजयाष्टक	—	"	
चौरासी आख्यादन चैत्यालव	—	"	
सामायिक बचीसी	—	"	
कषायजयमावना	—	"	
प्रश्नोत्तररत्नमाला	—	"	
धर्मसाधनमंत्र	—	"	
परमार्थविशतिका	—	"	
कलिकालचरितिका	—	"	
फुटकर कविता	—	"	
कर्मविपाक	—	"	
धर्मरत्नप्रकरण	—	"	
विवेकविलास	—	"	

२४६१ गुटका नं० १५६ । पत्र सं० १५२ । साइज—१५६ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । बेष्टन नं० २५७६ ।

विशेष—पूजा संग्रह है ।

२४६२ गुटका नं० १५७ । पत्र सं० १०० । साइज—१५६ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । बेष्टन नं० २५३० ।

विषय-सूची
निर्वाणकांड भाषा
स्तुतिसंग्रह

कर्त्ता का नाम
भगवतीदास

भाषा
हिन्दी

विशेष

२४६३ गुटका नं० १५८ । पत्र सं० १३० । साइज- 2×5 इंच । लेखनकाल-सं० १७४१ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २२७७ ।

विशेष—गुटके में बनारसीदासजी कृत समयसार नाटक है ।

गुटके को संवत् १७४१ माघ शुक्ला ११ के दिन साह भूधरादास ने रामचन्द्र के पास लिखाया था ।

२४६४ गुटका नं० १५९ । पत्र सं० १२४ । साइज- $4 \frac{1}{2} \times 3$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २५७८ ।

विशेष—कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है । अधिकांश पत्र बिना लिखे हुये हैं ।

२४६५ गुटका नं० १६० । पत्र सं० १३० । साइज- $4 \times 4 \frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २५७९ ।

विषय-सूची

कर्त्ता का नाम

भाषा

विशेष

रामोकारमहात्म्य

शीलरास

बारहमासना

विशेष—गुटके में अन्य पाठ बंगला भाषा में लिखे हुये हैं ।

२४६६ गुटका नं० १६१ । पत्र सं० १२५ । साइज- $4 \frac{1}{2} \times 5$ इंच । भाषा-प्राकृत । लेखनकाल-सं० १६७२ मंगसिर बुदी ६ । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २५८० ।

विशेष—टोंक नगर में महात्मा नारायण ने प्रतिलिपि की थी ।

विषय-सूची

कर्त्ता का नाम

भाषा

विशेष

योगसार

शील बर्त्तासी

मानवाधनी

हिन्दी

१०७ पद्य

अपूर्ण

"

३२ "

"

५२ "

२४६७ गुटका नं० १६२ । पत्र सं० १२७ । साइज- $4 \frac{1}{2} \times 3$ इंच । लेखनकाल-सं० १७७१ माह सुदी १० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २५८१ ।

विशेष—गुटके में महाकवि बनारसीदासजी कृत समयसार नाटक है ।

२४६८ गुटका नं० १६३ । पत्र सं० ४७ । साइज- $4 \times 4 \frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल-सं० १७०४ कार्तिक सुदी १० । पूर्ण एवं अशुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २५८२ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
प्रतिकमण्डप	—	प्राकृत	
भगवद्गोपार्थनाथस्तोत्र	—	"	
चतुर्थस्मरण	—	प्राकृत	
चतुर्विंशतिजितस्तुति	—	"	

२४६६ गुटका नं० १६४ । पत्र सं० ११५ । साइज-६×११ इंच । लेखनकाल-सं० १६६८ चैत्र सुदी २ ।

अपूर्ण-प्रारम्भ के १७ पत्र नहीं हैं । सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २५७३ ।

विशेष—गुटके में बनारसीदासजी कृत नाटक समयसार है ।

२४७० गुटका नं० १६५ । पत्र सं० १२२ । साइज-६×११ इंच । लेखनकाल-सं० १६७६ अषाढ सुदी ४ ।

पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २५८२ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
रत्नत्रयपूजा	आचार्य नरेन्द्रसेन	संस्कृत	
पार्श्वनाथ कथा	भाऊ कवि	हिन्दी	
गुरुश्लाघ्य	—	"	
पूजासंग्रह	—	संस्कृत-प्राकृत	

२४७१ गुटका नं० १६६ । पत्र सं० ११२ । साइज-८×६ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।

दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २५६८ ।

विशेष—गुटके में कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है । हिन्दी पदों का संग्रह है ।

२४७२ गुटका नं० १६७ । पत्र सं० १३६ । साइज-६×११ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।

दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २५८३ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
महाभिषेक विधि	—	संस्कृत	
सिद्धचक्रपूजा	—	"	

२४७३ गुटका नं० १६८ । पत्र सं० ६० । साइज-७×४ इंच । लेखनकाल-सं० १८२१ मंगीसर

सुदी ६ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४८६ (क)

विशेष—हिन्दी पदों तथा पूजाओं का संग्रह है ।

२४७४ गुटका नं० १६९ । पत्र सं० १६ । साइज-६×११ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।

दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४६३ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
सिन्दूरप्रकरण	बनारसीदास	हिन्दी	

कृपणकवित्ता

पंचस्तोत्र

मानवावनी

सुप्पवदोहा

११

११

११

प्राकृत

२४७५ गुटका नं० १७० । पत्र सं० १३५ । साइज-६×५ इंच । लेखनकाल-सं० १७२० । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २५८४ ।

विषय-सूची

कर्ता का नाम

भाषा

विशेष

समयसार

बनारसीदास

हिन्दी

सं० १७२० फागुण सुदी ६

मानवावनी

॥ देवगिरि मध्य जगन्नाथ ने लिखवाया था ।

२४७६ गुटका नं० १७१ । पत्र सं० ६४ । साइज-६×५ इंच । लेखनकाल-सं० १६२० पौष सुदी २ । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २६३८ ।

विषय-सूची

कर्ता का नाम

भाषा

विशेष

अणस्तमितसंधि

हरिचन्द्र

अपभ्रंश

चून्डीरास

विनयचन्द्र

११

सद्गुरुनामावलि

—

संस्कृत

वीरचरित्र भांति

—

११

कर्मप्रकृति

नेमिचन्द्राचार्य

प्राकृत

२४७७ गुटका नं० १७२ । पत्र सं० १३५ । साइज-७×७ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २६८५ ।

विषय-सूची

कर्ता का नाम

भाषा

विशेष

देवागमस्तोत्र

समन्तभद्राचार्य

संस्कृत

चतुर्विंशतिजिनस्तवन

११

परीक्षामुख

भाणिक्यनंदि

११

जिनशतक

समन्तभद्राचार्य

११

समाधितन्त्र

पूज्यपाद

११

११

२४७८ गुटका नं० १७३ । पत्र सं० १३१ । साइज-८×४ इंच । लेखनकाल-सं० १७८० पौष सुदी ११ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २६८६ ।

विषय-सूची

कर्ता का नाम

भाषा

विशेष

नामश्री कथा

—

हिन्दी

रचनाकाल सं० १७७० पृष्ठ ४१७

एकावलीवत कथा

—

११

पृष्ठ ७६

पद	—	११	
नवकार रासो	—	११	लेखनकाल सं० १७८४ पृष्ठ ६३
गुरुभक्तिगीत	—	११	

२४७६ गुटका नं० १७४ । पत्र सं० १७ । साइज-१०×७ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध ।
दशा-उत्तम । वेष्टन नं० २४०५ ।

विशेष — कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है ।

२४८० गुटका नं० १७५ । पत्र सं० १३२ । साइज-८×६½ इंच । लेखनकाल-सं० १७७६ कार्तिक
सुदी १० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४८७ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
नियमसार सटीक	टीकाकार पद्मप्रममलधारिदेव	प्राकृत-संस्कृत	
जम्बूस्वामी चौपई	पांडे जिनदास	हिन्दी	

२४८१ गुटका नं० १७६ । पत्र सं० ४० । साइज-७×५ इंच । लेखनकाल-सं० १७३७ मादवा सुदी १५
पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २४६१ ।

विशेष—स्तोत्र संग्रह है ।

२४८२ गुटका नं० १७७ । पत्र सं० १३२ । साइज-६×५½ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य
शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २४८८ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
सामायिक पाठ	—	प्राकृत	
स्वयंभूस्तोत्र	समन्तमद्राचार्य	संस्कृत	
चतुर्विंशतितीर्थकर जयमाल	नरदेव	अपभ्रंश	
सिद्धिप्रियस्तोत्र	देवनन्दि	संस्कृत	
भावनाद्वाविंशिका	—	११	
आराधनासार	देवसेन	प्राकृत	
तत्त्वसार	—	११	
परमानन्द स्तोत्र	—	संस्कृत	
दादसीभाषा	—	प्राकृत	

२४८३ गुटका नं० १७८ । पत्र सं० १४६ । साइज-६½×५ इंच । लेखनकाल-सं० १७२६ । अपूर्ण एवं
अशुद्ध । दशा-जीर्ण शीर्ण । लिपि विकृत है । वेष्टन नं० २५८६ ।

विशेष—हिन्दी पद्यों का संग्रह है ।

२४८४ गुटका नं० १७९ । पत्र सं० १०४ । साइज-७×५½ इंच । लेखनकाल-सं० १७६३ द्वितीय अषाढ
सुदी २ मंगलवार । पूर्ण एवं अशुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २५६२ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
नागदमन की कथा	किशन	हिन्दी	
खंडेलवालों के चौरासी गोत्र	—	"	
सांगानेर की जखड़ी	—	"	
आदिश्रवार कथा	—	"	सं० १७६८ में सहस्रगुणित पूजा हुई उसका वर्णन है।

विशेष—इनके अतिरिक्त पूजा व स्तुति संग्रह है।

२४८५ गुटका नं० १८०। पत्र सं० ६२। साइज-६X५ इंच। लेखनकाल X। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध।
दशा-जीर्ण। वेष्टन नं० २५३६।

विशेष—पूजा व स्तोत्रों का संग्रह है।

२४८६ गुटका नं० १८१। पत्र सं० १४३। साइज-७X५ इंच। लेखनकाल X। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध।
दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २५६१।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
गोमटसार चर्चा	आचार्य नेमिचन्द्र	प्राकृत	
संबोधपंचासिका	—	"	
परमानंदस्तोत्र	—	संस्कृत	
अनुप्रेक्षा	—	"	
आशंदा	आनन्द कवि	हिन्दी	४२ पत्र

२४८७ गुटका नं० १८२। पत्र सं० १४६। साइज-८X६ इंच। भाषा-हिन्दी। लेखनकाल-सं० १८२५
चैत्र शुदी १४। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-उत्तम। वेष्टन नं० २५६३।

विशेष—गुटके में चौथे काल में होने वाले १६६ महापुरुषों का विशेष वर्णन दिया हुआ है।

२४८८ गुटका नं० १८३। पत्र सं० १४८। साइज-६X५ इंच। लेखनकाल-सं० १५७० वैशाख सुदी ७
अपूर्ण-प्रारम्भ के १० पत्र नहीं हैं। शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २५६४।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
इष्टोपदेश	पूज्यपाद	संस्कृत	
द्वादशानुप्रेक्षा	मुनि लक्ष्मीचंद्र	अपभ्रंश	
अष्टुषानुप्रेक्षा	—	हिन्दी	
सूतक गाथा	—	संस्कृत	
दुर्लभाष्टुप्रेक्षा (मूलाचार का एक भाग)	—	"	
सामायिक पाठ	—	"	

वडभक्ति	—	”
स्वयंभूस्तोत्र	समन्तभद्राचार्य	”
सिद्धिप्रियस्तोत्र	देवनन्दि	”
पार्श्वनाथस्तवन	पद्मप्रमदेव	”
शक्तिनाथस्तवन	गुणमद्र	”
हस्त्वसार	मुनि देवसेन	प्राकृत
संबोधपंचासिका	—	”
आराधनासार	देवसेन	प्राकृत
परमात्मराजस्तोत्र	पद्मनन्दि	संस्कृत
चूनी	मुनि विनयचंद	प्राकृत
कल्याणक कथा	—	”

२४८६ गुटका नं० १८४ । पत्र सं० १४३ । साइज-१०×६ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २५६५ ।

विशेष—लिपि विकृत है । कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है ।

२४६० गुटका नं० १८५ । पत्र सं० १४८ । साइज-७×५ इंच । लेखनकाल सं०-१७७६ चैत्र बुदी ७ सोमवार । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २५६६ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
निर्वाणकांड	—	प्राकृत	
स्तुति	रूपचंद	हिन्दी	
”	दीपचंद	”	
स्तोत्रत्रय	—	संस्कृत	
नेमिनाथगीत	—	हिन्दी	
पद्मवलि	—	”	
पदसंग्रह	—	”	
शुद्धिनिनामावलि	—	संस्कृत	
पदसंग्रह	—	हिन्दी	

२४६१ गुटका नं० १८६ । पत्र सं० १५० । साइज-८×५ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २५६७ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
दशमस्तुति	—	हिन्दी	
परीषदवचन	—	”	

पूजा संग्रह	—	११
अकृत्रिम चैत्यवन्दना	—	संस्कृत
जिनपञ्चीसी	नवरत्न	हिन्दी
जिनसहस्रनाम	आशाधर	संस्कृत
अहदासा	बुधजन	हिन्दी
चैराग्यपञ्चीसी	मगवतीदास	११
गुणस्थानपीठिका	—	११
त्रिलोकसारपूजा	—	११

२४६२ गुटका नं० १८७ । पत्र सं० २४-१२० । साइज-६×२ १/२ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २५६८ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
ज्ञानसारगाथा	—	प्राकृत	अपूर्ण
सावयधम्मदोहा	—	अपभ्रंश	पूर्ण
द्वादशातुप्रेक्षा	आ० कुन्दकुन्द	प्राकृत	११
श्रावकाचार	पद्मनंदि	संस्कृत	११
स्यणसार	—	प्राकृत	११
चौदहभूमल	—	११	११
अंतरायचत्तीसी	—	११	११
चौरासीबोल	हेमकवि	हिन्दी	११
दोहा परमार्थी	रूपचंद	११	११
राष्ट्रलपञ्चीसी	लालचन्द विनोदीलाल	११	११
मनरामविलास	बिहारीदास	११	११
सूक्तिरसंग्रह	—	संस्कृत	११

२४६३ गुटका नं० १८८ । पत्र सं० ११-१४६ । साइज-६ १/२×६ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण शीर्ण । वेष्टन नं० २५६९ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
कर्मप्रकृति	आ० नेमिचन्द्र	प्राकृत	११
श्रुतस्कंध	महम हेम	११	११
एकीभावस्तोत्र	वादिराज	संस्कृत	११
सज्जनचित्तचरित्र	मल्लिखेय	११	११

जिनवरदर्शन	पञ्चनंदि	संस्कृत
ग्रालोचना पाठ	—	प्राकृत
भावनामसीसी	अमितिगति	संस्कृत
दोहापाहुड	—	अपभ्रंश
स्वप्नावली	—	संस्कृत
बद्धमानस्तवन	—	"
जिनकल्पमाला	आशाधर	"
ज्ञानसार	—	प्राकृत
अनस्तमिति व्रतारुचान	पं० हरिवंद	"
रामचन्द्र चरित्र	—	"

२४६४ गुटका नं० १८६ । पत्र सं० १२१ । साइज-६×६ इंच । लेखनकाल-सं० १७५८ । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २६०० ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
कनका बतीसी	—	हिन्दी	
मेषकुमार गीत	—	"	
मुक्तावलिगीत	—	"	
धुनिसुवत चरित्र	—	"	

२४६५ गुटका नं० १६० । पत्र सं० १५४ । साइज-६×५ इंच । लेखनकाल-सं० १५५६ वैशाख सुदी १३ पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २६०१ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
पार्श्वनाथस्तोत्र	—	प्राकृत	
महावीरस्तुति	—	संस्कृत	
वन्दनकसूत्र	—	प्राकृत	
आभिलषत्याख्यान	—	"	
उपवासप्रत्याख्यान	—	"	
प्रतिकमण्य नमस्कार	—	"	
आनक प्रतिकमण्य	—	"	
पार्श्वनाथस्तोत्र	अमयदेवपुरि	"	
अजितरातिजिनस्तोत्र	—	"	
अजितरातिलघुस्तोत्र	—	"	

भयहरपार्श्वनाथस्तोत्र	मानतुंग	
स्मरणानि	—	"
मंगलीछंद	—	"
लावुमात्र विधि	—	"
महावीर कलश	—	संस्कृत
आदिनाथ कलश	—	प्राकृत
पंचपरमेष्ठि नमस्कार महामंत्र	—	"
गौतम पृच्छा	—	"
गुरावली	—	"
गौतमस्वामी गणधर रास	—	"
नेमिनाथ वत्तीसी	—	"
महावीर वत्तीसी	—	"
महावीरस्तवन	—	"
सत्तामरस्तोत्र	मानतुंग	संस्कृत
जीवविचारप्रकरण	—	" (४४ पद्य)
सीलोपदेशमाला	जयकीर्ति	"
साठिसया	नेमिचन्द्र मंडारी	प्राकृत
संबोधसत्तरी	जयशेखर	"
जीवविचारस्तोत्र	विजय तिलक	"
शत्रुजयस्तवन	—	"
पुष्पमाला सूत्र	—	"
उपदेशमाला	—	"
महर्षिकुलक	—	"
केसी गौतम संवाद	—	"
जिनमवनस्तोत्र	—	"

२४६६ गुटका नं० १६१ । पत्र सं० २३ । साइज-६×४ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल-सं० १६३४ आसोज सुदी १ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४३४ ।

विशेष—गुटके में कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है ।

२४६७ गुटका नं० १६२ । पत्र सं० १६२ । साइज-८ $\frac{1}{2}$ ×४ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २६०२ ।

विषय—सूची

कर्ता का नाम

भाषा

मन-ज्ञान संगम

हिन्दी

जरीफ

६४ पद्य

आदित्यचर की कथा

—

११

१५२ पृष्ठ

सद्वलपञ्चीसी

—

११

२४६८ गुटका नं० १६३ । पत्र सं० १५८ । साइज-६×५ इंच । लेखनकाल-सं० १८०० फागुण बुदी १३ पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २६०३ ।

विशेष—गुटके में हिन्दी पदों का संग्रह है ।

२४६९ गुटका नं० १६४ । पत्र सं० ४० । साइज-५×४ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं अशुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २४४१ ।

विशेष—कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है ।

२४७० गुटका नं० १६५ । पत्र सं० १६२ । साइज-६×५ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २६०४ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
जिनसहस्रनामस्तोत्र	आशाधर	संस्कृत	
सकलौकरणविधान	—	"	
जिनपूजाविधान	—	"	
विधिविधानसंग्रह	—	"	
महाशांतिकविधि	अर्हदेव	"	
रत्नत्रयपूजा	—	"	
विशुद्धतुविशुद्धिपूजा	पं० भावशर्मा	"	

२४७१ गुटका नं० १६६ । पत्र सं० १६५ । साइज-५×५ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २६०५ ।

विशेष—कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है ।

२४७२ गुटका नं० १६७ । पत्र सं० १६३ । साइज-१०×८ इंच । लेखनकाल-सं० १७६६ । पूर्ण एवं शुद्ध दशा सामान्य । वेष्टन नं० २६०६ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
बनारसीविलास	भैरव्या भगवतीदास	हिन्दी	रचनाकाल १७६५
बनारसीविलास	बनारसीदास	"	१७७१

२४७३ गुटका नं० १६८ । पत्र सं० १४८ । साइज-६×५ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २७०६ ।

विशेष—बनारसीविलास के मुख्य २ पाठ हैं ।

२५०४ गुटका नं० १६६ । पत्र सं० १७० । साइज-६×२ इंच । लेखनकाल-सं० १७६० चैत्र शुदी ५ ।
पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २६०७ ।

विशेष—खड्गसेन कृत त्रिलोकदर्पण कथा है ।

२५०५ गुटका नं० २०० । पत्र सं० १६६ । साइज-५×२ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य
शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २६०८ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
जिनसहस्रनाम	जिनसेनाचार्य	संस्कृत	
सकलीकरण विधान	—	"	
रत्नत्रयपूजा	ब्रह्मसेन	"	
मालारोहण	—	"	
दशलक्षपूजा	—	"	
अष्टाद्विकपूजा	—	"	
षोडशकरणविधान	धर्म पंडित	"	
इष्टोपदेश	पूज्यपाद	"	
जिनसहस्रनाम	आशाधर	"	
सिन्दूर प्रकरण	बनारसीदास	"	
कल्याणमन्दिर भाषा	अक्षयराज	हिन्दी	
		"	

२५०६ गुटका नं० २०१ । पत्र सं० १७७ । साइज-८×६ इंच । लेखनकाल-सं० १७२३ । पूर्ण एवं
सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २६०९ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
पंचस्तोत्र	—	संस्कृत	
अकलकाष्टक	—	"	
कल्याणमाला	आशाधर	"	
सज्जनचित्तवल्लभ	—	"	३५ पद्य
इष्टोपदेश	पूज्यपाद	"	
षट्पातुड	आ० कुन्दकुन्द	"	
परमात्मप्रकाश दोहा	योगीन्द्रदेव	प्राकृत	सं० १७२३ वैशाख शुदी १३
श्रीपालरासो	अक्षरायमल्ल	अपभ्रंश	"
सुदर्शनरासो	"	हिन्दी	१७२४ मंगसिर शुदी ३
		"	१७२७ चैत्र शुदी ११

२५०७ गुटका नं० २०२ । पत्र सं० १७४ । साइज-६×२ इंच । लेखनकाल-सं० १७६६ भाद्रपद शुदी १३
पूर्ण एवं अशुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २६१० ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
भावनी	—	हिन्दी	
ज्ञानपञ्चीसी	बनारसीदास	"	
द्वादशप्रत्याख्यान	—	"	
पदसंग्रह	रूपचंद	"	लेखनकाल सं० १७५२
ज्ञानभावनी	—	"	सं० १७५०
जखडी	रूपचंद	"	
ध्यात्मपैडी	बनारसीदास	"	
पंचमंगल	रूपचंद	"	
विवेक युद्ध	बनारसीदास	"	
दोहावली	रूपचंद	"	
पंचेन्द्रिय की बेलि	—	"	
जोगीरासी	—	"	

२५०८ गुटका नं० २०३ । पत्र सं० १८० । साइज-६X५ इंच । लेखनकाल-सं० १५७० चैत्र बुदी ६ ।
पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेस्टन नं० २६११ ।

विशेष—पं० राम चन्द्र ने स्वयं पठनार्थ प्रतिलिपि की थी ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
जिनसहस्रनाम	आशाधर	संस्कृत	
शतिष्टापाठ	"	"	
देवशास्त्रगुरुपूजा	आ० पद्मनंदि	"	
आदित्यवार कथा	—	प्राकृत	

इनके अतिरिक्त पूजाओं का संग्रह है ।

२५०९ गुटका नं० २०४ । पत्र सं० १७८ । साइज-११X६ १/२ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध ।
दशा-सामान्य । वेस्टन नं० २६१२ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
जिनसहस्रनामपूजा	सुमतिसागर	संस्कृत	रचनाकाल सं० १८००
द्वादशव्रतपूजा	—	"	
त्रेपनक्रियापूजा	—	"	
पंचपरमेष्ठीव्रत पूजा	शुभचन्द्र	"	
पंचकल्याणकमाला	आशाधर	"	

पंचकल्याणक पूजा	सुधासागर	संस्कृत
अष्टाहिकापूजा	—	"
पार्श्वनाथपूजा	—	"
पंचमीप्रतोद्यापनपूजा	—	"
रत्नत्रयपूजा	—	"
जिनगुणसंपत्तिपूजा	—	"
मुक्तावलीपूजा	—	"
कांजीवारसप्ततपूजा	—	संस्कृत
चौबीसतीर्थकरजयमाल	—	प्राकृत
पुष्पांजलिप्रतपूजा	—	"

२५१० गुटका नं० २०५ । पत्र सं० १७२ । साइज-८×६ इंच । लेखनकाल-सं० १६११ ज्येष्ठ बुदी ६ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २६१३ ।

विशेष—लाडणू नगर में ब्र० डालू ने प्रतिलिपि करवायी थी ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
आदिपुराणजयमाल	—	हिन्दी	
पुष्पांजलिप्रतकथा	—	अपभ्रंश	
चतुर्विंशतिजिनस्तुति	—	"	
होलीपर्वकथा	—	संस्कृत	
नेमिनाथसंतु	वीरह	हिन्दी	
सुगंधदशमीकथा	सकलकीर्ति	संस्कृत	
योगसार	योगीन्द्रदेव	अपभ्रंश	
अनुप्रेक्षा	विसयसेण	"	
नेमिनाथवेलि	—	हिन्दी	
रयणसार	—	प्राकृत	
आदिजिनस्तवन	—	"	

२५११ गुटका नं० २०६ । पत्र सं० १७२ । साइज-६×४½ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २६१५ ।

विशेष—विभिन्न कवियों के पदों का संग्रह है ।

२५१२ गुटका नं० २०७ । पत्र सं० ११२ । साइज-६×४½ इंच । लेखनकाल-सं० १७६४ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २६६७ ।

विशेष—ब्रह्मरायमस्त कृत हिन्दी में भविष्यदत्त चौपई है ।

२५१३ गुटका नं० २०८ । पत्र सं० ८० । साइज-६×६ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २५१७ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
समयसार नाटक	बनारसीदास	हिन्दी	अपूर्ण
जैनशतक	भूधरदास	"	"

२५१४ गुटका नं० २०९ । पत्र सं० ३८ । साइज-६×६ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २६१६ ।

विशेष—भक्तामरस्तोत्र मंत्र सहित है ।

२५१५ गुटका नं० २१० । पत्र सं० १८३ । साइज-६×६ इंच । लेखनकाल-सं० १८१७ आषाढ शुदी १२
पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २६१७ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
यशोधरचरित्र	खुरालचंद	हिन्दी	रचनाकाल १७८१
अन्यकुमार चरित्र	"	"	"
श्रेणिकचरित्र	लक्ष्मीदास	"	" १७३३

२५१६ गुटका नं० २११ । पत्र सं० १६० । साइज-११×११ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध ।
दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २६१८ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
सनत्रयकथा	म० रत्नकीर्ति	संस्कृत	
पूजासंग्रह	—	"	
द्रव्यसंग्रह	था० नेमिचन्द्र	प्राकृत	
द्रव्यसंग्रह भाषा	—	हिन्दी	
फुटकर पद	—	"	

२५१७ गुटका नं० २१२ । पत्र सं० १६४ । साइज-६×६ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २६१९ ।

विशेष—पूजार्थों का संग्रह है ।

२५१८ गुटका नं० २१३ । पत्र सं० १८२ । साइज-७×५ इंच । लेखनकाल-सं० १५४३ चैत्र सुदी ५ ।
पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २६२० ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
द्वादशांगधृतपूजा	—	संस्कृत	
साम्प्रतिकपाठ	—	"	

तत्त्वार्थसूत्र	उमास्वाति	संस्कृत
देवागमस्तोत्र	समन्तभद्राचार्य	"
सप्तभक्ति	—	"
थावकप्रतिक्रमण	—	"
आराधनासार	देवसेन	प्राकृत
जिनसहस्रनाम	आशाधर	"
शांतिनाथस्तुति	—	संस्कृत
स्तवनविधि	—	"
पंचास्तिकाय	आ० कुन्दकुन्द	"
		प्राकृत

२५१६ गुटका नं० २१४ । पत्र सं० १५-२=१ । साइज-७×५ इंच । लेखनकाल-सं० १६६० वीष
सदी ८ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । केप्लन नं० २६२१ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
स्नत्रयपूजा	पद्मनन्दिदेव	संस्कृत	
कलिकुण्डपूजा	—	"	
सोलहकारणपूजा	—	"	
जिनसहस्रनाम	आशाधर	"	
स्तोत्रत्रय	—	"	
दशलक्षण पूजा	—	"	
परमात्मप्रकाश	—	"	
पंचस्तोत्र	—	प्राकृत	
द्रव्यसंग्रह	आ० नेमिचन्द्र	संस्कृत	
संबोध पंचासिका	—	प्राकृत	
गुणस्थान चर्चा	—	"	
तत्त्वार्थसूत्र	उमास्वाति	"	
सिद्धिमित्रस्तोत्र	देवनन्दि	संस्कृत	
गोरक्ष शतक (अपूर्ण)	—	"	
		"	

२५२० गुटका नं० २१५ । पत्र सं० १-१=६ । साइज-८×६ इंच । भाषा-हिन्दी । रचनाकाल X ।
लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । केप्लन नं० २६२२ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
शांतिपाठ	—	संस्कृत	

पदसंग्रह	—	हिन्दी
विद्यमान बीसतीर्थकर पूजा	—	"
सिद्धपूजा	दीलतराम	"
अनंतमतपूजा	—	"
पूजासंग्रह	—	"
तत्त्वार्थसूत्र	उमास्वाति	संस्कृत
बीबीसदंडक	दीलतराम	हिन्दी
आत्मबचीसी	"	"
विषापहारस्तोत्र	अचलकीर्ति	"
एकीभावस्तोत्र	हीरानंद	"
संबोधपंचासिका	धानतराय	"
ज्ञानप्रतिमा	—	"
वपदेशपञ्चोसी	—	"
बारहभाबना	—	"
एकीभावस्तोत्र	भूधरदास	"
सूरत की बारहखड़ी	—	"
हस्तीसंयम	—	"
ओगीरासो	जिनदास	"
ज्ञानपद	—	"
ब्रह्मदाला	बुधजन	"
जैनशतक	भूधरदास	"
बाईस परिषह	—	"
द्वादशानुप्रेक्षा	बालूराम	"
मानिबचीसी	भगवतीदास	"
दर्शनबचीसी	—	"
दर्शनइकचीसी	—	"
द्वादशानुप्रेक्षा	—	"
तीर्थकरपरिचय	—	"
जखंडी	भूधरदास	"
नेमिनाथ के दशभव	—	"
राखतपञ्चोसी	लालचन्द	"

पंचमंगल	रूपचंद	हिन्दी
पदसंग्रह	चान्तराय	"
कर्मप्रकृतिवर्णन	बनारसीदास	"
कर्मवृत्तांसी	—	"
ध्यानवृत्तांसी	—	"
उपशूननअंग कथा	—	"
नेमिपार्श्वनाथपूजा	डालूराम	"

२५२१ गुटका नं० २१६ । पत्र सं० १८३ । साइज— 2×2 इंच । रचनाकाल X । लेखनकाल—सं० १७४६ भाद्रपद सुदी ८ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० २६२३ ।

विशेष—पूजा पाठ संग्रह है ।

२५२२ गुटका नं० २१७ । पत्र सं० १८३ । साइज— $3 \frac{1}{2} \times 2$ इंच । लेखनकाल—सं० १६३७ ज्येष्ठ सुदी ७ अर्ध एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २६२४ ।

विशेष—कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है ।

२५२३ गुटका नं० २१८ । पत्र सं० १८४ । साइज— $2 \frac{1}{2} \times 3$ इंच । लेखनकाल—सं० १८४३ आषाढ सुदी १० । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २६२५ ।

विशेष—खुशालचंद कृत कथाकोश है । प्रथम ४४ पत्र सं० १८४२ में लिखे हुये हैं ।

२५२४ गुटका नं० २१९ । पत्र सं० २०० । साइज— $2 \times 2 \frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल—सं० १८४५ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २६२६ ।

विशेष—गुटके में रामचन्द्र कृत सीताचरित्र है । पत्र संख्या २५४६ है । रचनाकाल सं० १७६३ है ।

२५२५ गुटका नं० २२० । पत्र सं० १९२ । साइज— $2 \frac{1}{2} \times 2 \frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल—सं० १८०७ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २६२७ ।

विषय—सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
अनुभवप्रकाश	दीपचन्द्र कासलीवाल	हिन्दी	
समयसार नाटक	बनारसीदास	"	
समावितावली भाषा	खुशालचंद	"	

२५२६ गुटका नं० २२१ । पत्र सं० १९४ । साइज— 2×2 इंच । लेखनकाल—सं० १६०१ भाद्रपद सुदी ६ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० २६२८ ।

विषय—सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
कथाकोश	—	अपभ्रंश	

(विभिन्न कवियों कृत कथाओं का संग्रह)

चौबीसठाणा	—	प्रकृत
चौबीस तीर्थकरों के ६२ स्थान	—	संस्कृत
तीर्थकर आशु परिचय	—	अपभ्रंश
संसार सुख दुख पद	—	"

२५२७ गुटका नं० २२२ । पत्र सं० १८३ । साइज-१०X६ इंच । लेखनकाल-सं० १७१७ । पूर्ण एवं

सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २६२६ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
तेरहकाठिया	—	हिन्दी	
समयसार	बनारसीदास	"	
सिन्दूरप्रकरण	—	"	

२५२८ गुटका नं० २२३ । पत्र सं० २०० । साइज-७X६ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य

शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २६३० ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
वैराग्य सडाइ	मुनि देवराज	हिन्दी	
समवशरण	—	"	
बनजारगीत	मगौतीदास	"	
टंढाणारास	—	"	
मरत की वेलि	—	"	
द्वादशानुप्रेक्षा	—	"	
मरतबाहुबलि संवाद	—	अपभ्रंश	
मुक्तिपैडी	बनारसीदास	हिन्दी	
साभाविक	—	संस्कृत	
समन्तभद्रस्तुति	—	"	
गर्मपडारचक	देवनंदि	"	
संबोधपंचासिका	—	"	
द्वादशानुप्रेक्षा	योगीन्द्रदेव लक्ष्मीचन्द्र	अपभ्रंश	
नेमीश्वर की वंश	कन्हव	हिन्दी	
पंचनमस्कार स्तोत्र	उमास्वाति	संस्कृत	
पदसंग्रह	—	हिन्दी	

२५२९ गुटका नं० २२४ । पत्र सं० १९८ । साइज-११X७ इंच । लेखनकाल सं०- १६३४ । पूर्ण एवं

शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २६३१ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा
आत्मसंनोध	पं० रघु	अपभ्रंश
आवकाचार	—	"
महर्षिस्तवन	—	संस्कृत
चउबीसी	देह	हिन्दी
द्वादशानुप्रेता	विजयसेन	प्राकृत
भावना चौतीसी	रघुनंदि	संस्कृत
आसंधनासार	देवसेन	प्राकृत
तत्त्वार्थसूत्र	उमास्वामि	संस्कृत
पंचपरमेष्ठीसाटक	—	प्राकृत
संनोधपंचासिका	—	"
तत्त्वसार	—	"
ज्ञानसार	—	"
परमानंदस्तोत्र	—	संस्कृत
साटक	पद्मनंदि	"
श्रुतस्कंध	—	प्राकृत
आत्मगुणसंपत्ति	—	संस्कृत
पद्मावतीस्तोत्र	—	"
सोलहकारणपूजा	—	"
दशसंज्ञपूजा	—	"
आलोचना सक्ति	—	प्राकृत
लघु प्रतिक्रमण	—	"
जिनसहस्रनाम	आशाधर	संस्कृत
त्रिलोकसार	आ० नेमिचन्द्र	प्राकृत
भूपाल चौबीसी	भूपाल	संस्कृत
भक्तामरस्तोत्र	भानुगार्ग्य	"
पार्श्वनाथजयमाला	—	हिन्दी
कल्याणक	—	प्राकृत
चून्नी रास	—	हिन्दी पुरानी
मुक्तावलीकथा	शीलभद्र	संस्कृत (गद्य)
श्रुतस्कंधविधान कथा	—	"

रचनाकाश १३७१

संग्रह]

सिद्धचक्रविधान	—	प्राकृत
दशलक्षणविद्यालय	लोकसेनाचार्य	संस्कृत
भित्तिप्रतीकषा	—	प्राकृत
अनस्तमितिप्रताख्यान	पं० हरिचन्द्र	"
रत्नावलीप्रतफषा	—	संस्कृत
कनकावली विधान	—	"
नेमिदूत	—	"
सज्जनचित्तवस्त्रम	मल्लिषेण	"
योगिनीचक्र	—	"
मेघमाला अर्घकाण्ड	—	"
सुप्रभातचतुर्विंशतिका	—	"

२५३० गुटका नं० २२५ । पत्र सं० ११-२९४ । साइज-११/२ × ११/२ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २६३२ ।

विशेष—गुटके में पद्मपुराण (हिन्दी) है ।

२५३१ गुटका नं० २२६ । पत्र सं० ११२ । साइज-६ × ५ इंच । लेखनकाल-सं० १८३८ । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २५६६ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
पद	—	हिन्दी	
शनिश्चर कथा	—	"	
स्वरोदय	—	"	
पद संग्रह	—	"	

२५३२ गुटका नं० २२७ । पत्र सं० ६१ । साइज-१ × ५ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४४० ।

विशेष—हिन्दी पदों का संग्रह है ।

२५३३ गुटका नं० २२८ । पत्र सं० १०० । साइज-६ × ५ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २६३३ ।

विशेष—पूजा, पदों व सजनों का संग्रह है ।

२५३४ गुटका नं० २२९ । पत्र सं० १७४ । साइज-१ × ४ इंच । लेखनकाल-सं० १७७० वैशाख शुदी १३ पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४३० ।

विषय—सूची
लेखकानाम

कर्ता का नाम
सुमतिकीर्ति

भाषा

विशेष

हिन्दी रचनाकाल सं० १६२७, १६२८ पक्ष

२५३५ गुटका नं० २३० । पत्र सं० २०४ । साइज—१६×२ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—जीर्ण । बीच के बहुत से पत्र नहीं हैं । वेष्टन नं० २६३४ ।

विशेष—कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है ।

२५३६ गुटका नं० २३१ । पत्र सं० १४ । साइज—७×६ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २३०५ ।

विशेष—कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है ।

२५३७ गुटका नं० २३२ । पत्र सं० २० । साइज—८×७ इंच । लेखनकाल—सं० १७३६ आसोज सुदी १२ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० २४१२ ।

विशेष—कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है ।

२५३८ गुटका नं० २३३ । पत्र सं० २०३ । साइज—७×२ इंच । लेखनकाल—सं० १७८२ फागुण सुदी २ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० २४३४ ।

विशेष—गुटके में पूजा व स्तोत्र संग्रह भी है । हिन्दी अर्थ सहित तत्त्वार्थसूत्र है ।

२५३९ गुटका नं० २३४ । पत्र सं० ७० । साइज—६×४ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० २४३६ ।

विशेष—कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है ।

२५४० गुटका नं० २३५ । पत्र सं० २२० । साइज—१५×६ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २६३६ ।

विषय—सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
परमात्मप्रकाश	आ० कुन्दकुन्द	प्राकृत	
जिनस्तुति	ज्ञानभूषण	हिन्दी	
पंचेन्द्रियत्रेलि	—	—	
कर्मप्रकृति	आ० नेमिचन्द्र	प्राकृत	
पदसंग्रह	—	हिन्दी	
पंचपरावर्तनविवरण	पूज्यपाद	संस्कृत	
टाटसीगाथा	—	प्राकृत	
संबोध पंचासिका	—	—	
गुणस्थान गाथा	आ० नेमिचन्द्र	—	
पंथीगीत	आहिल	हिन्दी	

जगज्जः	जिनदास	हिन्दी
आध्यात्मगीत	"	"
मेवकुमार गीत	"	"
दशानुप्रेतः	—	"
जोगीरासो	जिनदास	"

२५४१ गुटका नं० २३६ । पत्र सं० २१३ । साइज— $2 \times 2\frac{1}{2}$ इंच । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २६३७ ।

विशेष—गुटके में अनेक पद, व भजनों का संग्रह है । गुटका महत्त्वपूर्ण है ।

२५४२ गुटका नं० २३७ । पत्र सं० २१२ । साइज— $10 \times 6\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल सं० १७१८ वैशाख बुदी १३ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २६३८ ।

विशेष—प्रतिलिपि बिलासपुर नगर में हुई थी । ६६ पत्र सं० १७१४ तक लिखे गये हैं । पूजा और स्तोत्रों का संग्रह है । कोई नवीन रचना नहीं है ।

२५४३ गुटका नं० २३८ । पत्र सं० २१३ । साइज— $8\frac{1}{2} \times 6\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २६३९ ।

विशेष—समयसार संस्कृत एवं हिन्दी टीका सहित है ।

२५४४ गुटका नं० २३९ । पत्र सं० ३४ । साइज— $6\frac{1}{2} \times 4\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४५२ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
महामिथेकविधि	अर्द्धदेव	संस्कृत	

२५४५ गुटका नं० २४० । पत्र सं० २२५ । साइज— 3×4 इंच । लेखनकाल-सं० १७६० आसोज बुदी ८ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २६४० ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
समयसार नाटक	बनारसीदास	हिन्दी	
ज्ञानपञ्चीसी	—	"	
संघपञ्चीसी	—	"	
जोगणीस्तोत्र	—	"	
पद्मावतीस्तोत्र	—	संस्कृत	
चित्रसरफल	—	हिन्दी	

२५४६ गुटका नं० २४१ । पत्र सं० २८० । साइज— $5 \times 4\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल-सं० १७१० । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण शीर्ण । वेष्टन नं० २६४१ ।

विशेष—दो तीन गुटकों के पत्र को एक जिल्द में बांध दिया गया है। गुटके में कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है।

२५४७ गुटका नं० २४२। पत्र सं० २३६। साइज-२×२ इंच। लेखनकाल-सं० १७०२ मंगसिर सुदी ३।
अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-जीर्ण। वेष्टन नं० २६४२।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
समाधितंत्रभाषा	पद्मेश्वरमार्थी	हिन्दी	
मदनसुभा	गुचराज	"	लेखनकाल १५८६
चतुर्दशसूत्र	—	"	"

२५४८ गुटका नं० २४३। पत्र सं० १००। साइज-२×२ इंच। लेखनकाल-सं० १७७३ ज्येष्ठ सुदी २।
पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २६४७।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
म. विष्णुदत्त कथा	ब्रह्मरायनल्ल	हिन्दी	
प्रोतिकर कथा	—	"	

२५४९ गुटका नं० २४४। पत्र सं० २५५। साइज-७/८×२ इंच। लेखनकाल X। पूर्ण एवं शुद्ध।
दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २६४३।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
पुराणाश्रवकथाकोश	मुमुक्षु रामचन्द्र	संस्कृत	
रविमतीपाख्यान	चन्द्रकीर्ति	"	

२५५० गुटका नं० २४५। पत्र सं० २४८। साइज-६×६ इंच। लेखनकाल सं०-१७५८। पूर्ण एवं
सामान्य शुद्ध। दशा-जीर्ण। वेष्टन नं० २६४४।

विशेष—गूजा, स्तोत्र एवं पद संग्रह है।

२५५१ गुटका नं० २४६। पत्र सं० १४८। साइज-६×२ इंच। लेखनकाल X। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-
जीर्ण शीर्ण। वेष्टन नं० २५४२।

विशेष—गुटके में बनारसीदास कृत बनारसीविलास है।

२५५२ गुटका नं० २४७। पत्र सं० २६४। साइज-२ १/२×६ १/२ इंच। लेखनकाल-सं० १७५८। पूर्ण एवं
सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २६४५।

विशेष—गुटके में मुख्यतः हिन्दी में विलोकदपण कथा है।

२५५३ गुटका नं० २४८। पत्र सं० १६। साइज-७×७ इंच। लेखनकाल X। अपूर्ण एवं सामान्य
शुद्ध। दशा-जीर्ण। वेष्टन नं० २४८०।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
भावकप्रतिक्रमण	—	प्राकृत	
स्याद्वादकमन	—	हिन्दी	
राजलपञ्चमी	लालचन्द विनोदीलाल	"	

२५५४ गुटका नं० २४६ । पत्र सं० (२२-६५, २१०-२५३) । साइज-६X६ इंच । लेखनकाल-सं० १८४८ । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २६४६ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
मुनि विहार वर्णन	—	हिन्दी	
धर्म प्रकृति वर्णन	—	"	
पद संग्रह	—	"	
पंच वसन्ती गुण वर्णन	—	"	
पद संग्रह	—	"	

२५५५ गुटका नं० २५० । पत्र सं० ४६४ । साइज-६X६ इंच । लेखनकाल-सं० १७१६ आसोज सुदी १२ पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २६४७ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
यशोधरचौपई	—	हिन्दी (अशुद्ध)	
सोलहकारणरास	—	"	
केवलोपृच्छा	—	"	
पदसंग्रह	महेन्द्रकीर्ति आदि	"	
सोलहस्वप्न	ब्रह्मरायमल्ल	"	
श्रीपालरास	"	"	लेखनकाल १६५६
हनुमत् रास	"	"	
जम्बूस्वामीरास	"	"	
भावकाचार की विनती	—	"	
भविष्यदत्त चौपई	ब्रह्मरायमल्ल	"	१७१७

२५५६ गुटका नं० २५१ । पत्र सं० २४३ । साइज-८X६ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २६४८ ।

विशेष—गुटके में त्रिलोकसार दर्पण खडगसेन वृत्त है । पत्र संख्या २०६ है । -

२५५७ गुटका नं० २५२ । पत्र सं० २६० । साइज-५X४ इंच । लेखनकाल-सं० १७२५ । अपूर्ण एवं अशुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २६४९ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
दातार सूर संवाद	—	हिन्दी	
मालीरासो	—	"	
भक्तामरस्तोत्र भाषा	—	"	
सिन्दूरप्रकरण	बनारसीदास	"	
सामुद्रिक	—	"	
नेमीश्वर की सोदामा	—	"	
नेमीश्वर का वारहमासा	—	"	

२५५८ गुटका नं० २५३ । पृष्ठ सं० २६० । साइज-६×४ $\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल-सं० १८२४ । अक्षर एवं शब्द । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २६१० ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
कबीरवाणी	कर्नलदास	हिन्दी	
सेशसमन की प्रचरी	—	"	
ब्रह्मध्यान	सन्तदासजी	"	
वारहमासा	—	"	
पदसंग्रह (कबीर, मीरा आदि कवियों के)	—	"	
ज्ञानस्वरोदय	चरनदास	"	
सबद	कबीरदास	"	
पद	बनारसीदास	"	

२५५८ गुटका नं० २५४ । पृष्ठ सं० २६७ । साइज-७×६ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २६११ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
स्वस्तिमंगलविधान	आशाधर	संस्कृत	
दुष्पांजलिविधान	—	"	
जिनसहस्रनाम	जिनसेनाचार्य	"	
सकलीकरणविधि	—	"	
पूजा संग्रह	—	"	
दशलक्षणिक पूजा	—	"	
रत्नत्रयपूजा	नरेंद्रसेनाचार्य	प्राकृत	
नंदीश्वरपूजा	चन्द्रकीर्ति	संस्कृत	

संग्रह]

पंचमेरूपूजा	॥	संस्कृत	
समवशास्यस्तोत्र	विष्णुसेन	॥	
द्रव्यसंग्रह	—	॥	
अहर्प्रवचन	—	॥	
सप्ततत्त्वपीठिकात्रय	—	॥	
आश्रमनासार	देवसेन	प्राकृत	
भावना बर्त्तासी	—	संस्कृत	
राति अष्टक	—	॥	हिन्दी अर्थ सहित
सांख्यिक पाठ	—	॥	॥

२५६० गुटका सं० २५५ । पत्र सं० २७० । साइज-६X५ इंच । लेखनकाल-सं० १६६१ वैशाख सुदी १२

पूर्णा एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २६५२ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	वर्णन
यशोधरास	सीमकीर्ति	हिन्दी	
वेपनक्रियाविधि	प्रतापकीर्ति	॥	
सप्तव्यसनभ्रास	मुनि वीरचन्द्र	॥	रचनाकाल १६००
मिथ्यात्वचौपई	—	॥	
भवदेवचरित	मुनि श्रीजयकीर्ति	॥	
प्रदूकर्मरास	ज्ञानभूषण	॥	
होलीरास	महाजिनदास	॥	
सुकौरालरास	—	॥	
सम्यक्द्वारास	—	॥	
ज्योतिरास	—	॥	
सारसीखोमथरास	संवेगसुंदर	॥	॥ १६४८
मविष्यदत्तरास	विद्याभूषण	॥	॥ १६००
जीवधररास	सुवनकीर्ति	॥	॥ १६०६
			लेखनकाल १६४३ पौष सुदी ११
रात्रिभोजनवर्जनरास	॥	॥	
जम्बूस्वामिरास	॥	॥	रचनाकाल १६२५
			लेखनकाल १६२६
धर्मपरीक्षारास	महाजिनदास	॥	

त्रिभुवननीतिनती	गंगदास	हिन्दी	
हनुमतरास	ब्रह्म ज्ञानसागर	"	रचनाकाल १६३०
व्येष्टजिनवरारास	ब्रह्म जिनदास	"	
पूजामंजूकथा	—	"	

२५६१ गुटका नं० २५६ । पत्र सं० २६२ । साइज— 2×६ इंच । लेखनकाल—सं० १६२२ आसोज बुदी = पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० २६५३ ।

विशेष—गुटका—जीर्णवस्था में है । अनेक पाठों का संग्रह है । लेकिन कोई विशेष उल्लेखनीय सामग्री नहीं है ।

२५६२ गुटका नं० २५७ । पत्र सं० २६४ । साइज— $४ \frac{१}{२} \times ३$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २६५४ ।

विषय—सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
गोरखनाथजी के सबद	गोरखनाथ	हिन्दी	
चर्पटजी के सबद	चर्पटनाथ	"	
भरथरी के सबद	मनूहरि	"	
जलंधरी पावजी की सबद	—	"	
टालीपावजी की सबद	—	"	
मोंडकीपावजी की सबद	—	"	
सती कणोरीजी के सबद	—	"	
जतीहणवंत की सबदी	—	"	
नागाछूँन के सबद	—	"	
महादेवजी के सबद	—	"	
पार्जतीजी के सबद	—	"	
चौरंगीनाथजी के सबद	—	"	
चुणकरनाथजी के सबद	—	"	
सिद्ध गरीबनाथजी के सबद	—	"	
सिद्ध हरितालजी के सबद	—	"	
सिद्धघोड़ा चोलीजी के सबद	—	"	
सिद्ध धूँधलसलजी के सबद	—	"	
अजयपालजी के सबद	—	"	
श्रीदत्तजी की सबद	—	"	
देवलनाथजी के सबद	—	"	
चन्द्रनाथजी के सबद	—	"	

चतुरनाथजी के सबद	—	हिन्दी
सोमनाथजी के सबद	—	"
कुमारी पावजी के सबद	—	"
पृथ्वीनाथजी के सबद	पृथ्वीनाथ	"
नृबाण योग पट	—	"
नृपञ्च नृबाणयोगग्रंथ	—	"
प्राण कुब्जलनी जोग ग्रंथ	—	"
पंचमात्रा योग	—	"
पंचाग्नि योग	—	"
चौबीस सिद्ध	—	"
रोमावलि योग	—	"
महादेवगौरख संवाद	—	"
गोरखनाथजी का ज्ञान	—	"
श्रीनाथजी की ग्रंथ प्राण सांकली	—	"

२५६३ गुटका नं० २५८ । पत्र सं० ४२-२८८ । साहज-२×५ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २६५५ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
इष्टोपदेश	पूज्यपाद	संस्कृत	
संबोध पंचासिका	—	प्राकृत	
छिद्रप्रियस्तोत्र	देवनन्दि	संस्कृत	
चतुर्विंशतितीर्थकरस्तुति	—	प्राकृत	
त्रिपंचाशक्तिया	—	संस्कृत	
महाचर्य उपदेशमाला	मुनि जयकीर्ति	अपभ्रंश	
दोहावली	सुप्रभाचार्य	"	
संसार स्वरूपवर्णन	—	संस्कृत	
चतुर्विंशतितीर्थकर जयमाल	—	"	

२५६४ गुटका नं० २५९ । पत्र सं० २६४ । साहज-२×६ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २६५६ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
श्रीपालचरित्र	परिमल्ल	हिन्दी	रचनाकाल सं० १७६२

१६६ जीवों का वर्णन

यशोधर चरित्र

हिन्दी

”

अपूर्ण

२५६५ गुटका नं० २६० । पत्र सं० ३०० । साइज— $7\frac{1}{2} \times 5$ इंच । भाषा—हिन्दी । लेखनकाल—सं० १७०५
 आवण बुदी २ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २६५७ ।

विषय—सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
वनारसीविलास	वनारसीदास	हिन्दी	रचनाकाल सं० १७०१
समयसारनाटक	”	”	
तत्त्वसार	देवसेन	प्राकृत	
ग्रहपाहुड	आ० कुन्दकुन्द	”	
मात्रचिम्बंगी	—	”	

२५६६ गुटका नं० २६१ । पत्र सं० ४३ । साइज— $6 \times 4\frac{1}{2}$ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
 दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २४६६ ।

विशेष—उल्लेखनीय सामग्री नहीं है ।

२५६७ गुटका नं० २६२ । पत्र सं० १३—४४८ । साइज— 7×5 इंच । लेखनकाल—सं० १६३६ भादवा
 बुदी १० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० २६५८ ।

विषय—सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
देवराजवच्छराज रस	—	हिन्दी	
शीलरास	—	”	
धन्ना चउपई	कक्कसूरि	”	रचनाकाल सं० १५७४
विक्रमादित्यचरित्र	—	”	१५८०
नलदमयंती चरित्र	माणिकराज	”	
रायदे हम्मीरदे चौपई	—	”	१६३८
मृगाकलेस्त्रा चरित्र	—	”	
चित्रसेन पद्मावती चौपई	—	”	लेखनकाल सं० १६४८
प्रद्युम्नचरित्र	—	”	आसोज बुदी १२

२५६८ गुटका नं० २६३ । पत्र सं० ५२१ । साइज— 7×5 इंच । (फुटकर पत्र) लेखनकाल X । अपूर्ण
 एवं शुद्ध । दशा—जीर्ण शीर्ण । वेष्टन नं० २६५९ ।

विषय—सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
स्तोत्रसंग्रह	—	संस्कृत	

सीता चरित्र	—	प्राकृत
भानवावनी	—	हिन्दी
अनुप्रेक्षा	—	प्राकृत
श्रुतों के पालन के दिन	—	हिन्दी

२५६६ गुटका नं० २६४ । पत्र सं० ४३७ । साइज-६×६ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । बेस्टन नं० २६६० ।

विशेष—पूजा व स्तोत्रों का संग्रह है ।

२५७० गुटका नं० २६५ । पत्र सं० ३५६ । साइज-३४×४ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-पूर्ण रूप से जीर्ण । बेस्टन नं० २६६१ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
श्रावकप्रतिक्रमण	—	संस्कृत	
सामायिक पाठ	—	"	
विविध भक्ति	—	प्राकृत-संस्कृत	
स्वयम्भूस्तोत्र	समन्तभद्राचार्य	संस्कृत	
तत्त्वार्थसूत्र	—	"	
पंचस्तोत्र	—	"	
सिद्धप्रियस्तोत्र	देवनंदि	"	
पार्श्वनाथस्तोत्र	पद्मप्रभदेव	"	
सुप्रभातिक स्तोत्र	—	"	
यतिभावनाष्टक	पंकजनंदि	"	
महाण के लक्षण	—	"	
पंचदशस्कारस्तोत्र	—	"	
अनुप्रेक्षा	—	प्राकृत	
भानाकुश	—	संस्कृत	
इष्टोपदेश	पूज्यपाद	"	
जिनस्तवन	—	"	
भावनाचतुर्विंशतिका	पद्मनंदि	"	
ज्ञानसार	—	प्राकृत	
चारित्र्यसार	—	"	
सर्वज्ञशासनद्वान्विशतिका	भदनकीर्ति	संस्कृत	
नीतिसार	माधनंदि	"	

परमानंदस्तोत्र	—	संस्कृत
लघुहसनामस्तोत्र	—	"
सहस्रनामस्तोत्र	आशाधर	"
सुष्यदोहा	—	प्राकृत
ध्यानन्दा	—	हिन्दी
योगसार	सुनि योगचन्द्र	अपभ्रंश
तत्त्वसार	देवसेन	प्राकृत
योगज्ञान	—	संस्कृत
दादसीगाथा	—	प्राकृत
संबोधनचालिका	—	"
आराधनासार	—	"
आराधनासार टीका	—	संस्कृत
पट् प्राप्त	श्री० कुन्दकुन्द	प्राकृत
ध्यानसार	—	संस्कृत
सारसमुच्चय	—	"
सिन्दूरप्रकरण	सोमप्रभाचार्य	"
श्रुतस्कंध	ब्रह्म हेमचन्द्र	प्राकृत
पूजासंग्रह	—	"
कर्म निरूपण	—	हिन्दी
त्रिलोकस्थिति	—	"
लघु कस्यायक	—	"
सुमाधितावली	—	संस्कृत
सुमाधितार्णव	—	"

२५७१ गुटका नं० २६६ । पत्र सं० १२८२ । सादृज १३६६×६६ इंच । लेखनकाल-सं०, १८६६ कार्तिक - बुदी ६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० २६६२ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
आत्मानुशासन	गुणभद्राचार्य	संस्कृत	
प्रायश्चित्तसमुच्चय	नंदिगुरु	"	
पुरुषार्थसिद्धयुपाय	अमृतचन्द्र	"	
उपासकाध्ययन	समन्तभद्र	"	
देवागमस्तोत्र	"	"	

जैनेन्द्रव्याकरणसूत्र	पूज्यपाद	संस्कृत
समाधितन्त्र	समन्तमद्राचार्य	"
समयसार कलशा	अमृतचन्द्र	"
परीक्षासूत्र	माणिक्यनंदि	"
वीतरागस्तोत्र	पद्मनंदि	"
शान्तिनाथस्तवन	श्रुतसागर	"
पार्श्वनाथस्तोत्र	—	"
पार्श्वीष्टक	नंदाचार्य	"
करुणाष्टक	पद्मनंदि	"
लक्ष्मीस्तोत्र	"	"
गुर्वावली	"	"
अकलंकाष्टक	—	"
पंचनमस्कारस्तोत्र	—	"
जिनेन्द्रभवन स्तुति	सकलचन्द्रमुनि	"
समवशरण स्तोत्र	दिग्विसेन	"
सुप्रभातिक स्तवन	—	"
वदेतानजयमाल	माघनंदि	"
कल्याणमाला	आशाधर	"
भवांतरस्तुति	—	"
जिनस्तुतिशतक	—	"
भूपालचतुर्विंशतिका	—	"
सिद्धप्रियस्तोत्र	देवनंद	"
विषादहारस्तोत्र	धनंजय	"
एकीभावस्तोत्र	वादिराज	"
कल्याणमन्दिरस्तोत्र	कुमुदचन्द्र	"
सक्तामरस्तोत्र	मानतुंगाचार्य	"
योगमक्ति	—	प्राकृत
निर्वाणमक्ति	—	"
आचार्यमक्ति	—	"
चारित्र्य मक्ति	—	"
श्रुतमक्ति	—	"

सिद्धभक्ति	—	प्राकृत	
श्रावकप्रतिक्रमण	—		
सामायिक पाठ	—		
जिनसहस्रनाम	जिनसेनाचार्य	"	
देवसिद्धपूजा	—	संस्कृत	
दर्शनपाठ	—	"	
प्रतिष्ठासार संग्रह	वसुनंदि सैद्धान्तिक	"	
मंगलाष्टक	—	"	
यतिभावनाष्टक	पद्मनंदि	"	
द्वाविंशदभावना	अमितिगति	"	
सज्जनचित्तवल्लभ	मस्तिषेण	"	
इष्टोपदेश	पूज्यपाद	"	
गोमट्टसार गाथा	आ० नेमिचन्द्र	"	
त्रिलोकसार		प्राकृत	
तन्त्रिसार	"	"	
मूलाचार	"	"	
श्रावकाचार	आ० बट्टकेर स्वामी	"	
समयसार	वसुनंदि	"	
प्रवचनसार	आ० कुन्दकुन्द	"	(संस्कृत टीका सहित)
पंचास्तिकाय	"	"	"
षट् प्राकृत	"	"	"
भगवती आराधना	शिवाचार्य	"	
स्वामीकार्तिकेयानुप्रेक्षा	स्वामी कार्तिकेय	"	
नयचक्र	देवसेन	"	
नियमसार	आ० कुन्दकुन्द	"	संस्कृत टीका सहित
स्ययसार	"	"	
दर्शनसार	देवसेन	"	
ज्ञानसार	पद्मसिंह	"	
चारित्रसार	—	"	
आराधनासार	देवसेन	"	
तत्त्वसार	—	"	संस्कृत टीका सहित
		"	

योगसार	योगचन्द्र	११
परमात्मप्रकाश	योगीन्द्रदेव	११
द्रव्यसंग्रह	आ० नेमिचन्द्र	११
चउसठश्रद्धि	—	११
संबोधपंचासिका	—	११
सम्यक्त्वमावना	रङ्गभू	अपभ्रंश
धम्मरसायण	पद्मनन्दि	११
खंडकोश	—	प्राकृत
निर्वाणकांड	—	११
प्रापश्चित्तप्र'थ	इन्द्रनन्दि	११
वारसअणुवेक्खा	—	११
दर्शनस्तवन	—	११
राजवार्त्तिकसूत्र	महाकलदेव	संस्कृत
श्लोकवार्त्तिक	विशानन्दि	११
आप्तमीमांसा भाष्य	—	११
पञ्चाध्यायी	राजमल्ल	११
योगशास्त्र	पातंजल	११
सांख्यसप्तति	—	११
कुवलयानंद कारिका	—	११
योगव्यवच्छेदद्वैतशिक्षिका	—	११
वैय्याकरण भूषण	—	११
बीजगणितसूत्र	—	११
लीलावतीसूत्र	—	११
लघुज्ञातक	—	११
वृत्तरत्नाकर	कालिदास	११
काव्यप्रकाश सूत्र	—	११
अष्टाध्यायी सूत्र	पाणिनी	११
हेमाचलकथाय	हेमचन्द्र	११
महाभारत	—	११
सारस्वतसूत्र	—	११
यस्याचार	वसुनन्दि	प्राकृत

२५७२ गुटका नं० २६७ । पत्र सं० १०८ । साइज-६×४ इंच । लेखनकाल-सं० १७२६ । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २५६६ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
सुंदर शृंगार	—	हिन्दी	३५३ पद्य
नारहमासा	रामचन्द्र	"	
वृद्धचाणक्य राजनीतिशास्त्र	वृद्धचाणक्य	संस्कृत	ले० सं० १८३१

२५७३ गुटका नं० २६८ । पत्र सं० ७८ । साइज-७×४ १/२ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २५१८ ।

विशेष—कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है ।

२५७४ गुटका नं० २६९ । पत्र सं० २८३ । साइज-६ १/२×५ १/२ इंच । लेखनकाल-सं० १८२६ चैत्र सुदी ३ अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २६६२ (क) ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
मिथ्यात्वखंडन	वस्तराम	हिन्दी	रचनाकाल १८२०
बुद्धिविलास	नवलकवि	"	१८२७
पदसंग्रह	—	"	

२५७५ गुटका नं० २७० । पत्र सं० ६७-२५१ । साइज-८×४ १/२ इंच । लेखनकाल-सं० १७६६ मादवा सुदी ७ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २६६३ ।

विशेष—श्री पचाइन दास ने लिखा था ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
पदसंग्रह	—	हिन्दी	
समयसार	ननारसीदास	"	

२५७६ गुटका नं० २७१ । पत्र सं० २८२ । साइज-७ १/२×७ १/२ इंच । लेखनकाल-सं० १८०० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २६६४ ।

विशेष—ग्रामेर नगर में सहारमा भानजी ने प्रतिलिपि की थी ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
त्रिगुणसम्पत्तिपूजा	—	संस्कृत	
सत्यवलय पूजा	—	"	
सौख्योत्तर पूजा	—	शकृत	
सौख्यपूजा	—	संस्कृत	सं० १८००
सौख्योत्तीस विधान	विद्याभूषण	"	

शृङ्गविमजिनचैत्यालयपूजा	पं० जिनदास	संस्कृत
चतुर्विंशोडशकारणपूजा	सुमतिसागर	"
दशलक्षणप्रतीक्षापनपूजा	पं० रामराणि	"
अष्टाहिकापूजा	—	"
तनत्रयपूजा	—	"
त्रिशन्चतुर्विंशतिपूजा	शुभचन्द्र	"
धर्मचक्रपूजा	—	"

२५७७ गुटका नं० २७२ । पत्र सं० २६३ । साइज-२५×६ इंच । लेखनकाल-सं० १७१७ पौष शुक्ला ६ ।

पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० २६६४ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
कृष्णरुक्मणि विवाह वेलि	पीथल	हिन्दी	रचनाकाल सं० १६४४ लेखनकाल सं० १७२६ पौष सुदी ७
श्रीपाल स्तुति	—	"	
आत्मशिक्षाशतक	यति रामचन्द्र	संस्कृत	
द्रव्यसंग्रह	श्री० नेमिचन्द्र	प्राकृत	
समाधितंत्र भाषा	पर्वतधर्मार्थी	गुजराती	

२५७८ गुटका नं० २७३ । पत्र सं० ६७ । साइज-२५×६ इंच । लेखनकाल-सं० १७१८ साह सुदी ६ ।

पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २६६५ ।

विशेष—स्वामी गोविन्ददास ने प्रतिलिपि करवाई थी ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
षट् पाहुड	श्री० कुन्दकुन्द	प्राकृत	
स्वरोदय	—	संस्कृत	
द्रव्यसंग्रह भाषा	—	हिन्दी	

२५७९ गुटका नं० २७४ । पत्र सं० १७६ । साइज-७×४ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २६६७ ।

विशेष—श्रेणिक चरित्र भाषा है ।

२५८० गुटका नं० २७५ । पत्र सं० १७४ । साइज-६×६ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं अशुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २६६८ ।

विशेष—कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है ।

२५८१ गुटका नं० २७६। पत्र सं० १३४। साइज-६×६ इंच। लेखनकाल-सं० १७७७ भाद्र सुदी १३।
पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २६६६।

विषय-सूची

कर्ता का नाम

भाषा

विशेष

समयसार

चनारसीदास

हिन्दी

मदनमोहन

गुपराज

१

२५८२ गुटका नं० २७७। पत्र सं० १३५। साइज-६×६ इंच। लेखनकाल-सं० १८०३ चैत्र सुदी २।
पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २६७०।

विशेष—कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है।

२५८३ गुटका नं० २७८। पत्र सं० १३६। साइज-६×६ इंच। लेखनकाल X। अपूर्ण एवं अशुद्ध।
दशा-जीर्ण। वेष्टन नं० २६७१।

विशेष—आधुनिक नुसखे हैं।

२५८४ गुटका नं० २७९। पत्र सं० १३७। साइज-६×६ इंच। लेखनकाल X। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध।
दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २६७२।

२५८५ गुटका नं० २८०। पत्र सं० १३८। साइज-६×६ इंच। लेखनकाल X। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-
सामान्य। वेष्टन नं० २४७३।

विशेष—पूजा संग्रह है।

२५८६ गुटका नं० २८१। पत्र सं० ७०-१७६। साइज-६×६ इंच। लेखनकाल X। पूर्ण एवं सामान्य
शुद्ध। दशा-जीर्ण। वेष्टन नं० २६७४।

२५८७ गुटका नं० २८२। पत्र सं० १३९। साइज-६×६ इंच। लेखनकाल X। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध।
दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २६७५।

विशेष—गुटके में सीता चरित्र है।

२५८८ गुटका नं० २८३। पत्र सं० १४०। साइज-६×६ इंच। लेखनकाल X। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध।
दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २६७६।

२५८९ गुटका नं० २८४। पत्र सं० २१२। साइज-६×६ इंच। लेखनकाल X। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध।
दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २६७७।

विशेष—पूजा पाठ संग्रह है।

२५९० गुटका नं० २८५। पत्र सं० १४०। साइज-६×६ इंच। लेखनकाल X। पूर्ण एवं शुद्ध।
दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २६७८।

विशेष—अधिकांश पत्र खाली हैं।

२५६१ गुटका नं० २८३ । पत्र सं० ३४ । साइज-६X३ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २६०६ ।

विशेष—पूजाओं का संग्रह है ।

२५६२ गुटका नं० २८७ । पत्र सं० ६० । साइज-६½X३ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २६०९ ।

विशेष—पूजाओं का संग्रह है ।

२५६३ गुटका नं० २८८ । पत्र सं० १६ । साइज-१२X१½ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २६०० ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
सरस्वतीतंत्र	—	संस्कृत	
पंडितजयमाल	गाल	अपभ्रंश	
अभयरुचिअभयमति की जयमाल	—	"	
सुदर्शनसार	—	"	
शारदाष्टक	बनारसीदास	हिन्दी	
मुनीश्वरों की जयमाल	—	"	
विभिन्न कवियों के पद	—	"	

विशेष—इनमें ३ पद श्री मुहम्मद द्वारा रचित हैं ।

२५६४ गुटका नं० २८९ । पत्र सं० २३ । साइज-६X१½ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २६०२ ।

विशेष—संवत्सरफल दिया हुआ है ।

२५६५ गुटका नं० २९० । पत्र सं० ६४ । साइज-५½X४ इंच । भाषा-हिन्दी । रचनाकाल X । लेखन-काल-सं० १८१५ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २६०३ ।

२५६६ गुटका नं० २९१ । पत्र सं० ७८ । साइज-६X६ इंच । लेखनकाल-सं० १५७८ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २६०४ ।

२५६७ गुटका नं० २९२ । पत्र सं० १६४ । साइज-६X४ इंच । लेखनकाल-सं० १७८२ भाद्रपद सुदी १२ पूर्ण एवं अशुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २६०६ ।

विशेष—उल्लेखनीय सामग्री नहीं है ।

२५६८ गुटका नं० २९३ । पत्र सं० ५२ । साइज-७X५ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २६०७ ।

विशेष—मार्गगात्रों के भेद प्रभेद दिये हुये हैं ।

२५६६ गुटका नं० २६४ । पत्र सं० ६६ । साइज—६×६ इंच । लेखनकाल—सं० १८५८ ज्येष्ठ सुदी ७ गुरुवार । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २६८५ ।

विषय—सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
हठप्रदीप	स्वात्माराम योगीन्द्र	संस्कृत	
गोरक्षशत	—	"	
परोक्षानुभाव	शंकाचार्य	"	

२६०० गुटका नं० २६५ । पत्र सं० १०३ । साइज—७×७ इंच । लेखनकाल सं० १७३६ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २६८८ ।

विषय—सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
तन्त्रदीपिका	—	संस्कृत	
ब्रह्मधारा	—	"	
पार्श्वनाथस्तोत्र	अम्बदेव	प्राकृत	
रात्रिजयतीर्थमहारम्य	—	हिन्दी	१७१२ आसोज सुदी १२
आदीश्वरस्तवन	—	"	
आलोचनास्तवन	विजयसेन सूरि	—	
धर्मपरीक्षा	—	"	रचनाकाल १६६०
दंडकनांकोल	—	"	१७३६ आसोज सुदी २
नृकतत्वप्रकरण	—	"	
		प्राकृत	हिन्दी धर्म सहित १७३५

२६००१ गुटका नं० २६६ । पत्र सं० ८० । साइज—६×६ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २६८९ ।

विषय—सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
परमात्मप्रकाश	योगीन्द्रदेव	अपभ्रंश	
द्रव्यसंग्रह	आ० नेमिचन्द्र	प्राकृत	
सुषोदोधक	—	"	

२६०२ गुटका नं० २६७ । पत्र सं० १०७-१६० । साइज—६×६ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २६८६ ।

विशेष—कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है ।

२६०३ गुटका नं० २६८ । पत्र सं० ४० । साइज—६×६ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २६९० ।

२६०४ गुटका नं० २६६ । पत्र सं० १०० । साइज—१५×१० इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २४२१ ।

विशेष—पूजाओं तथा हिन्दी पदों का संग्रह है ।

२६०५ गुटका नं० ३०० । पत्र सं० २० । साइज—१५×१० इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २४२१ ।

विशेष—विभिन्न कवियों के पदों का संग्रह है ।

२६०६ गुटका नं० ३०१ । पत्र सं० ३१ । साइज—१५×१० इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं अशुद्ध ।
दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० २६६१ ।

विशेष—समयसार नाटक तथा अन्य पाठ है ।

२६०७ गुटका नं० ३०२ । पत्र सं० ३२ । साइज—१०×१५ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २४२० ।

विशेष—हिन्दी में जिनस्तवन है ।

२६०८ गुटका नं० ३०३ । पत्र सं० ४० । साइज—११×१५ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध ।
दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २६६२ ।

विशेष—भिन्न २ कवियों के पदों का संग्रह है ।

२६०९ गुटका नं० ३०४ । पत्र सं० ५२ । साइज—१३×१५ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २४६१ ।

विशेष—पूजा व स्तोत्रों का संग्रह है ।

२६१० गुटका नं० ३०५ । पत्र सं० ७२ । साइज—१०×१५ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २६६३ ।

विशेष—भगवद् गीता है लेकिन अपूर्ण है ।

२६११ गुटका नं० ३०६ । पत्र सं० ६० । साइज—१५×१० इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं अशुद्ध ।
दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० २६६४ ।

२६१२ गुटका नं० ३०७ । पत्र सं० ८४ । साइज—१५×१५ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।
दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २६६५ । प्रद्युम्न चरित्र भाषा तथा अन्य पाठ है ।

२६१३ गुटका नं० ३०८ । पत्र सं० ९२ । साइज—१५×१० इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा—
सामान्य । वेष्टन नं० २६६६ ।

२६१४ गुटका नं० ३०९ । पत्र सं० १० । साइज—१५×१० इंच । लेखनकाल X । लेखनकाल X ।
अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० २६६८ ।

विशेष—योगीश्वरी एवं कुछ ऐतिहासिक तथ्यों का उल्लेख है।

२६१५ गुटका नं० ३१०। पत्र सं० ७७। साइज—२×७ इंच। लेखनकाल X। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० २५०३।

विशेष—गुटके में अपूर्ण भगवद्गीता है।

२६१६ गुटका नं० ३११। पत्र सं० ४०। साइज—२×४ इंच। लेखनकाल—सं० १८३२। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा—जीर्ण। वेष्टन नं० २६६६।

विशेष—गुटके में आदित्यवार कथा तथा पंचमंगल है।

२६१७ गुटका नं० ३१२। पत्र सं० १६। साइज—२×२ इंच। लेखनकाल X। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० २४११।

विशेष—भाषा भूषण का कुछ अंश है।

२६१८ गुटका नं० ३१३। पत्र सं० १८२। साइज—२×२ इंच। रचनाकाल X। लेखनकाल X। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा—जीर्ण। वेष्टन नं० २७००।

विशेष—उल्लेखनीय सामग्री नहीं है। विभिन्न पाठों का संग्रह है।

२६१९ गुटका नं० ३१४। पत्र सं० ३६। साइज—४×३ इंच। रचनाकाल X। लेखनकाल X। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा—उत्तम। वेष्टन नं० २७०१।

२६२० गुटका नं० ३१५। पत्र सं० ६०। साइज—६×२ इंच। लेखनकाल—सं० १५८५ आसोज बुदी १३ शुक्रवार। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा—जीर्ण। वेष्टन नं० २७०१।

विशेष—आमेर में प्रतिलिपि की गयी थी।

२६२१ गुटका नं० ३१६। पत्र सं० ५२। साइज—६×४ इंच। लेखनकाल X। अपूर्ण एवं अशुद्ध। दशा—जीर्ण। वेष्टन नं० २७०३।

विषय—सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
दशलक्षपूजा	—	संस्कृत	
दशलक्षस्तोत्र	—	"	
आण्णदा गीत	—	हिन्दी	
सन्तोष पंचासिका	—	प्राकृत	
सुष्यदोहा	—	"	

२६२२ गुटका नं० ३१७। पत्र सं० ५३। साइज—४ इंच। लेखनकाल X। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० २७०२।

विशेष—पूजा संग्रह है।

२६२३ गुटका नं० ३१८ । पत्र सं० ४-१०६ । साइज-२ १/४ × ४ १/४ इंच । लेखनकाल-सं० १६२५ मंगलिर सुदी २ । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २६६७ ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
पद्मनदिपंचविंशति	पद्मनदि	संस्कृत	
पञ्चास्तिकाय	कुन्दकुन्दाचार्य	प्राकृत	

२६२४ गुटका नं० ३१९ । पत्र सं० ४-४८ । साइज-६ × ७ १/४ इंच । रचनाकाल X । लेखनकाल-सं० १७२२ मंगलिर सुदी १ । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २७०४ ।

विशेष—सांगानेर में पं० कनकचन्द्र ने कोठ्यारी लालचन्द्र के पठनार्थ लिपि की ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
सालिभद्र धन्ना चौपई	जिनसिंह सूरि		रचनाकाल १६७८
बीस विरहमान गीत	जिनराज सूरि		
जन्मकुण्डलिया	—		

२६२५ गुटका नं० ३२० । पत्र सं० १२० । साइज-८ १/४ × ५ १/४ इंच । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २५६१ ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
जिनसहस्रनाम स्तोत्र	जिनसेनाचार्य	संस्कृत	
दशलक्षणिकविशेष पूजा	पं० रघू	अपभ्रंश	
स्त्रियपूजा	—	"	
आत्मप्रतिबोध जयमाल	आहिल	"	
आत्मसंबोध जयमाल	—	"	
संबोध पंचास्तिका	पं० रघू	"	
आत्मापुट	—	हिन्दी	
लब्धि पंचको व्यौरों	—	"	
सिद्धमक्ति	—	प्राकृत	
नंदीश्वर पूजा	—	"	
एकीभावस्तोत्र भाषा	पांडे हीराबंद	हिन्दी	
चतुर्विंशति स्तोत्र	—	संस्कृत	
लब्धिविधान पूजा	—	हिन्दी	
पंचसंग्रह भाषा	—	"	
पदसंग्रह	—	"	

२६२६ गुटका नं० ३२१ । पत्र सं० १७२ । साइज-७X६ इंच । लेखनकाल--सं० १६६८ सावण
तुदी ११ । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २६१४ ।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
श्रीपालरास	ब्रह्मरायमल्ल	हिन्दी	रचनाकाल १६३०

२६२७ गुटका नं० ३२२ । पत्र सं० ८३ । साइज-६ $\frac{१}{२}$ X४ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल-सं० १८५४ । पूर्ण एवं
सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २६२६ ।

२६२८ गुटका नं० ३२३ । पत्र सं० ७५ । साइज-१०X४ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं अशुद्ध ।
दशा-जीर्ण शीर्ष । वेष्टन नं० २५१० ।

विशेष—कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है ।

२६२९ गुटका नं० ३२४ । पत्र सं० १४६ । साइज-८X४ $\frac{१}{२}$ इंच । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य
शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २५६० ।

विशेष—गुटके में मज्जन व पूजा संग्रह है ।



ग्रन्थकार सूची

अकलंकदेव—

तत्त्वार्थराजवार्तिक १३३, ३८७

श्रावकप्रायश्चित्त १७२

अष्टशती १६३

अखयराज श्रीमाल—

विषापहारस्तोत्र भाषा ६२

एकीभाव स्तोत्र भाषा ४६

कल्याणमन्दिरस्तोत्र भाषा ४७, २६१,
३६४

चतुर्दश गुणस्थान भाषा १३१

सक्तामरस्तोत्र भाषा ३७१

अक्षयराम—

शीलतरंगिणी २३

प्रतिमासान्तचतुर्दशीव्रतोद्यापन पूजा ६२

सौख्यकारणव्रतोद्यापनमंडलविधान ७०

नवकारपंचविंशतिका ३१३

सौख्य उद्यापन पूजा ११८

गीत ३३६

अचलकीर्ति—

विषापहारस्तोत्र भाषा ५२, ७४, ८६, ११४,
२०२, ३६६

अजयराज—

आदिपुराण भाषा २११

चारमित्रों की कथा २३६

अजित ब्रह्म—

हतुमच्चरित्र २०, २३४,

हंसा भावना ३४२,

अहहमाण (अब्दुल रहमान)—

संदेशरासक २८०

अनन्तमहात्मा—

संस्कृत मञ्जरी ७२

अनन्तवीर्य—

प्रमेयरत्नमाला १६८

अन्नभट्ट—

तर्कसंग्रह १६१

अनुभूतिस्वरूपाचार्य—

सारस्वतसूत्र २८

सारस्वतप्रक्रिया २८, २६१, ३२७

अपरादित्यदेव—

याज्ञवल्कीय धर्मशास्त्र ग्रंथ १६७

अप्यय दीक्षित—

कुवलयानन्द २७६

अभयचन्द्र—

पार्श्वनाथपूजा ६२

गोमटसार जीवकाण्ड टीका १२६

अभयचन्द्रसूरि—

पंचदंडछत्रबंध २३६

अभयदेव—

पार्श्वनाथस्तोत्र ८, ३६१, ३६२

अभयनन्दि—

अभिवेकविधि ५५, १२२, ३३२

जैनेन्द्रव्याकरण टीका २५७

अभ्रदेव—

- व्रतोद्योतनश्रावकाचार ६
त्रिकालचौबीसी कथा २३६
लब्धिविधान कथा २४०
षोडशकारणविधान ३६४

अमर कवि—

- वेणी कृपाण २०७

अमरकीर्ति—

- यमकाष्टक १०७
षट्कर्मोपदेशरत्नमाला २६६
जिनसहस्रनामस्तोत्र टीका २६७

अमरचन्द्रसूरि—

- काव्यकल्पलता २४४
सांगीतुंगी स्तवन् ३४४

अमरसिंह—

- अमरकोश ३०, २६६

अमरु—

- अमरुक शतक ०७०

अमृतचन्द्रसूरि—

- पुरुषार्थसिद्धयुपाय ८, १६६, ३८४
तत्त्वार्थसार १३३
पंचास्तिकायटीका १४२
समयसारकलशा ३८५, १८६

अमृतप्रभसूरि—

- योगशतक ३३

अमितिगति—

- धर्मपरीक्षा ७०, ३२२
प्रवचनसार टीका १८३
सुमाधितरुत संदीह २८८
भावना वलीसी, ३८६

अर्हद्देव—

- अभियेकविधि ५५, ३६० ३७५,
महाशांतिक विधि ३६३,

अशाग (महाकवि)

- शांतिपुराण २१७

अश्वनिकुमार—

- सन्निपातकलिका ३६

अश्वघोष—

- द्विजवदनचपेटा १३

असवाल—

- पार्श्वनाथ चरित्र २२४

आनन्द—

- आर्णदा ७८, ३५८

आनन्दकवि—

- कोकसार २८२, ३३५
कोकमंजरी ३३५

आनन्दनाथ—

- योगिनीहृदयदीपिका २०६

आलूकवि—

- द्वादशालुप्रेक्षा ३३३

आशाधर—

- अंकुरारोपण विधि १३
अभियेकविधि ६६, २०२
जिनसहस्रनाम ७५, १२२, २६६, ३३४, ३४१,
३६०, ३६३, ३६४, ३६५, ३६८, ३७२, ३८४
अनगारधर्माभृत १४८
इष्टोपदेश सटीक २६४
स्तोत्रटीका ३०६
जिनस्तपनः
त्रिषष्टिस्मृतिशास्त्र

जिनकल्पमाला ३६१

पंचकल्याणकमाला ३६४, ३६६, ३८६

स्वस्तिमंगलविधान ३७८

सागारधर्मामृत, ६, १७३

सिद्धिपूजा १६

दीक्षा पटल २०१

प्रतिष्ठासार २०१

इन्द्रनन्दि योगीन्द्र—

ज्वालामालिनीकल्प २७६

नीतिसार २६२, ३६२

प्रायश्चित्त ग्रन्थ ३८७

इन्द्रवामदेव—

- त्रिलोक दीपक २८३, २८६

उदयरज—

सुमाधित भावनी ३४७

मनप्रशंसा दोहा ३४७

उदयलाल—

पदसंग्रह २६८

समास्वाति—

तत्त्वार्थसूत्र २८, ८३, ८६, ६६, १०२, १०६,

११२, ११४, ११५, १३३, ३५०,

३६६, ३६८, ३७३

एकसंधि—

जिनसंहिता १४

प्रायश्चित्तविधि १४, १२३

कक्कसूरि—

धना चउपई ३८२

कनककोत्ति—

अष्टाहिकापूजा ५६

अष्टाहिकानतोद्यापनपूजा ५६

तत्त्वार्थसूत्र भाषा ३

खमोकार पैतीसी पूजा ६०

रत्नत्रय पूजा ६५

कनक कुशल—

जिनस्तवन टीका २६७

कनक सोम—

आषाढभूति मुनि चौपई ३४७

कबीरदास—

सरोदा ७२

कबीर के दोहे ६१,

कबीर वाणी ३७८

सबद ३७८

कमलप्रभसूरि—

जिनपंजरस्तोत्र ४७, १२३, २६५

कमलसंयमोपाध्याय—

उत्तरान्वयन टीका १

कल्याणकीर्ति—

पार्श्वनाथरासो ७४

जीरावलि पार्श्वनाथस्तवन १०६

कल्याणवर्मा—

चमत्कारचिंतामणि २७०

बालतन्त्र ३२

ब्रह्म कृष्णदास—

मुनिसुव्रतपुराण १७

कृष्णभट्ट—

वृत्ति द्वीपिका ११६

कामन्दक—

कामन्दकी नीतिसार २६२

कार्तिकेय (स्वामी)

स्वामीकार्तिकेयानुप्रेक्षा १६०, ३३३,

३४६, ३५२, ३८६,

कालिदास—

विहार काव्य २५४

कालिदास—

कुमारसंभव २४, २४४

मेघदूत २५, २५१

रघुवंश २५, २५२

श्रुतबोध ४२, ११५, २७७

नलोदय २४८

कुर्वट काव्य २८६

काशीराज—

अमृतमञ्जरी ३७

काशीनाथ—

धातुपाठ २७

धातु मञ्जरी २५८

शीघ्र बोध २८

किशन—

नागदमन की कथा ३५८

किशनसिंह—

प्रेमनक्षत्रा कोश ७, १५१

बावनी २८५

किशोरगोपाल—

कुंडलियां ७१

कुन्दकुन्दाचार्य—

दर्शन प्राश्न ४, १०८, १२३, १७६

नियमसार ४, १५७, ३८६

पंचास्तिकाव ४, १४२, ३८६, ३६५

लिंगपाहुड ४

सूत्र प्राश्न ६

चारित्र्य प्राश्न ६

शील प्राश्न १४६

रथसार १६१, ३८६,

अष्ट पाहुड ३८२, १७५, ३४७

प्रवचनसार १८२, ३८६

षट् पाहुड १८४, ३३२, ३६४, ३८४,

३८६, ३८६

समयसार १८६, ३८६,

द्वादशानुप्रेता ३६०

कुमारिल भट्ट—

मीमांसावार्तिक १६६

कुमुदचन्द्र—

कल्याणमन्दिर स्तोत्र ४६, ६७, १०६, ११२,

२६४, ३३८, ३४८, ३८५,

कुलपति मिश्र—

रसरहस्य २८०

कुशल कवि—

गुडी पार्श्वनाथ छंद ६१

केदार भट्ट—

वृत्तरत्नाकर ४२, २७७, ३८७

केशव—

रविप्रतकथा २२

अध्यात्म स्तोत्र २६३

श्रीगणक केशव—

जातक पद्धति २७०

केशवदास—

रसिकप्रिया १००, ११७

रामचन्द्रिका

केशवदास—

गुणविवेकवार ६४३

केशवदास नयनसुख—

वैद्य मनोत्सव १०१, १३५

केशवमिश्र —

तर्कभाषा १४५

केशव वर्णी—

जिनगुण संपत्ति पूजा ३०६

केशवसेन—

रोहिणीव्रतपूजा ६६, ३१६

रोहिणीव्रतोद्यापन ६६

षोडशकारणव्रतोद्यापन ६७

आदित्यव्रतकथा २३५

कैयट—

पाणिनीय भाष्य २५८

श्री कौंडभट्ट—

वैयाकरणभूषणसार २६०

समाहंस—

द्विपंचासिका ६१

खडगसेन—

त्रिलोकदर्पणकथा ४३, २८५, ३७७

सहस्रमुष्णित पूजा ३१८

खुशालचन्द्र काला—

उत्तरपुराण भाषा १५, २१३

पद्मपुराण भाषा १६, २१४

हरिवंशपुराण १७, २१६

धन्यकुमार चरित्र १८, २२२, ३६७

ज्येष्ठजिनवरव्रत कथा २१

मृतकथाकोश २२

यशोधर चरित्र ३६७

कथा कोश ३७०

सुभाषितावली भाषा ३७०

खुशालचन्द्र पल्लीवाल—

नेमिचन्द्रिका २३७

गणपति व्यास—

वैद्यकसारसंग्रह ३४

गणेश देवज्ञ—

गृहलाघव ३६, २१०

जातकालंकार २७१

महामुनि गर्ग—

गर्ग संहिता ३६

शकुनावलि ३८

पाशाकेवली २७२

गुणकीर्ति—

विचसेन पद्मावती चरित्र १७

गुणनन्दि—

पद संग्रह ८६

ऋषिमंडल पूजा ३१६

गुणभद्राचार्य—

आत्मानुशासन १०, १७६, ३८४

उत्तरपुराण २१२

जिनदत्त चरित्र २२०

धन्यकुमार चरित्र २२२

शान्तिनाथस्तवन ३६६

भ० गुणभद्र—

अनन्तव्रतोद्यापनपूजा ५५

मोक्षसप्तमी कथा २४०

गुणभूषण—

आनकाचार भाषा १७५

त्रिलोकदीपक २८५

गुणाकरसूरि—

सम्यक्त्व कोमुदी २४२

गुलाबचन्द्र—

अवकापैतीसी ४३

गुलाम मुहम्मद—

स्तोत्र व नीति के पद्य ३०६

ब्रह्म गुलाल—

वैपनकिया ७

समवशस्य स्तोत्र ६८

ब्रह्म गोपाल—

पंचकल्याणपूजा ६३

गोरखनाथ—

गोरखनाथजी के सबद ३७०

गोरख दोहावली ६६

आ० गोविन्द—

अजितशान्तिस्तोत्र टीका ३३

पं० गोविन्द—

पुरुषार्थानुशासन १६६

महामहोपाध्याय श्री गोविन्द—

काव्यप्रदीप २७८

गौतम मुनि—

न्यायसूत्र १६७

गौतमस्वामी—

कविमंडल ४६, १२२, ३०२

यति प्रतिक्रमण १६७

बृहत् प्रतिक्रमण १७२

संबोध पंचाशिका २८५,

गंग कवि—

अथय १०६

गंगदास—

त्रिभुवननी विनती ३८०

पं० गंगदास—

पुष्पाञ्जलिगत पूजा ६३

सम्मोदाचलपूजा ६८

गंगाराम—

संगमपूजा ३४७

गंगेन्द्र—

पञ्चकोश ३७३

घटकपर्पर—

घटकपर्पर काव्य ७१, २४५

चण्ड कवि—

प्राकृत व्याकरण २६६

चतुर्भुज—

अमरुक शतक टीका २७८

चतुरु—

कौष गीत ३३७

चन्द्रकवि—

रामायण ३२८

चन्द्रकीर्ति—

सिद्धस्तवन ५३

सिद्ध जयमाल ३१८

रविमहोपाख्यान ३७६

नंदीश्वरपूजा ३७८

पंचमेरूपूजा ३७६

चन्द्रकीर्ति सूरि—

सारस्वत दीपिका २६१

चन्द्रमौलि—

कात्तवीर्यकवच ३८

चन्द्रशेखर शास्त्री—

ज्वालामौलिनी कल्प भाषा २७५

चर्पटनाथ—

चर्पटजी के सबद ३८०

चरनदास—

ज्ञानखरोदय ३६, ३६१, ३७६

चाणक्य—

नीतिशास्त्र ४५

वृद्ध चाणक्य नीति शास्त्र ८३, ३८८,

राजनीति शास्त्र ६७, २६३

लघुचाणक्य ११८

चामुण्डराय—

चारित्रसार ७, १५२

अवर्तिमिरमास्कार ३१

भावना संग्रह ८३

मुनि चारित्र भूषण—

महीपाल चरित्र २२७

चारित्रवर्धन मुनि—

कल्याणमन्दिर स्तोत्र टीका ४७

नैषध चरित्र टीका २४८

रघुवंश टीका २५२

शक्तिमुक्तावली टीका २६१

चेतनदास—

तत्त्वार्थसूत्र भाषा १२६

चैतनसुख—

अकृत्रिम चैत्यालयपूजा ३०७

जिनसहस्रनामपूजा ३१०

छीतर ठोलिया—

होली चरित्र ६०,

कवि छीहल—

पंथीगीत ६५, ३७४

बावनी १०५

आत्मप्रतिबोध जयमाला ३६५

जगन्नाथ—

सुखनिधान १६

केवलमुक्तिनिराकरण १५२

शिवसाधन नाम ३३३

जगन्नाथ (पंडितराज)

मामिनी विलास २५१

जगताराम—

पद संग्रह १०८

पञ्चनदि पंचविंशति भाषा १५३

जगदीश—

बारह भावना ११२

जगत शिरोमणि—

पद व मञ्जन ८६

जमाल कवि—

जमाल के दोहे १०४

जयकीर्ति—

शीलोपदेशमाला ३६२, ३८१

भवदेव चरित्र ३७६

जयकृष्ण—

सिद्धान्त कौमुदी टीका २६४

जयचन्द्र छाबडा—

तत्त्वार्थसूत्रभाषा १३५

द्रव्यसंग्रह भाषा १४१

सर्वार्थ सिद्धि भाषा १४६

अष्ट पाहुड भाषा १७६

समयसार भाषा १६०

स्वामी कार्तिकेयातुप्रेक्षा भाषा १६२

आप्तमीमांसा भाषा १६३

देवागम स्तोत्र भाषा १६६

प्रमेयरत्नमाला भाषा १६६

ज्ञानार्णव भाषा २०४
पदसंग्रह २१८
भक्तामरस्तोत्र भाषा ३०१
सामायिक पाठ भाषा ३०५

जयदेव—

गीतगोविन्द २४५

जयदास—

सुश्रुतसंहिता टीका २६६

जम्बूकवि—

जिनशतक पंजिका २६६

जयमित्रहल—

वर्द्धमान काव्य २५३

जयराम भट्टाचार्य—

कारकवाद २५७

जयशेखर सूरि—

त्रिभुवन दीपक प्रबंध २४६

संबोध सत्तरी ३६२

जय सागर—

सुदर्शन श्रेष्ठी छप्पय ३४०

जयसिंह सूरि—

प्रमाणनिर्णय ११८

जयानंद सूरि—

जिनस्तवन २६७

ज्वालाप्रसाद बख्तावरसिंह—

प्रभुम्न चरित्र भाषा २२५

जवाहरलाल—

समवसारण पूजा ३१८

जिनचन्द—

जिनस्तोत्र १०७

जिनदत्त सूरि—

विवेक विलास २८६

जिनदास—

पिषापहार स्तोत्र भाषा ११२

भूषालचतुर्विंशति भाषा ३०२

सुगुरु शतक ३०५

पांडे जिनदास—

जम्बूस्वामीचरित्र १७, ७३, ७४,

२३६, ३४७

होलिकाचरित्र २०, २४३

जखडी ८३, ३०५

जोगीरासो ८३, ६५, १०२, ३६६, ३७१

अकृत्रिम जिन चैत्यालय पूजा ३८६

ब्रह्मजिनदास—

गुरुपूजा ५८

जम्बूद्वीपपूजा ५६

हरिवंशपुराण २१८

जम्बू स्वामि चरित्र २२०

नेमिनाथस्तवन ३३१

मिथ्या दुकड ३३१

गीत ३४४

होलीरास ३७६

धर्मपरीक्षारास ३७६

ज्येष्ठजिनवररास ३८०

जिनदेव—

मदनपराजय २५

जिनप्रभ—

सरस्वतीस्तोत्र ४८

दोषापहारस्तोत्र ४८

जिनराज सूरि—

नैषध चरित्र टीका २४८

जिनवरदास—

ज्ञानसूर्योदय नाटक २५६

जिनल्लभसूरि—

चतुर्विंशति जिनस्तुति २६६

जिनवल्लभ सूरि—

संघ पट्ट २५५

वीरस्तवन ३०२

जिनसिंह सूरि—

शालिभद्र चौपई २३०, ३३४, ३६५

जिनसेनाचार्य—

हरिवंशपुराण २१७

जिनसेन—

नेमिनाथरास २२४

जिनसेनाचार्य (वीर सेन के शिष्य)

आदिपुराण १६, २०६

२६६

जिनसहस्रनाम ४७,

३६४, ६७८, ३८६

मायश्चित्त विधि १२३

जिन संहिता २०७

जिनहर्ष सूरि—

मंगल गीत ६४

जीवराज—

अजितस्तवन ४६

श्री जैन—

हरिवंशपुराण भाषा २१६

जैतराम बाकना—

जैतरामविलास २२१

जोधराजगोदीका—

सम्यक्त्व कौमुदी २३, ७४, २४२

चित्रबंध दोहा ११५

पञ्चनदिपंचविंशति १२६

भावदीपक १६४

ज्ञान समुद्र १७६

प्रवचनसार १८३

प्रीतिकर चरित्र ३४५

जौहरीलाल—

चेतन विलास १७६

निदेह क्षेत्र के बीस तीर्थक्षेत्रों की पूजा ३१६

ज्ञानमेरु मुनि—

कविमुखमंडन २७८

ज्ञानकीर्ति (भट्टारक)

यशोधर चरित्र १८

ज्ञानभूषण (भट्टारक)

तत्त्वज्ञानतरंगिणी २, १३२

ऋषिभंडलपूजा ५७

सरस्वतीपूजा ७४

पोषह रास ३३७

जिनस्तुति

षट्कर्मरास ३७६

ब्रह्म ज्ञानसागर—

हनुमतरास ३८०

ज्ञानेन्द्र सरस्वती—

सिद्धान्त कौमुदी टीका २६४

टीकस—

चतुर्दशी कथा २३६

चन्द्रहंस की कथा २१६

टेकचन्द्र—

पंचपरमेष्ठिपूजा ६४, ३१४

कर्मदहन पूजा ३०८

तीनलोक पूजा ३०६

संक्षिप्तसंग्रह ७२

महापंडित टोडरमलजी—

मोक्षमार्ग प्रकाश ८, ११६

गोमट्टसार भाषा १३०

गोमट्टसार संक्षिप्त १३०

संक्षिप्त लब्धिसार चपयासार १४६

ज्ञानानंद श्रावकाचार १५६

पुरुषार्थ सिद्धयुपाय भाषा १३०

लब्धिसार चपयासार १३०

श्रात्मानुशासन भाषा १३७

त्रिलोकसार भाषा १८४

ठक्कुरसी—

पार्वनाथशकुनसत्तावीसी ८०

गुण बेलि ६८

नेमिराजमति बेलि ३४२

हालूराम—

अदार्हद्वीपपूजा ३०७

द्वादशांग पूजा ३११

पंचपरमेष्ठी पूजा ३१४

पंचपरमेष्ठी गुणस्तवन ३१४

द्वादशानुप्रेक्षा ३६६

नेमिपार्वनाथ पूजा ३७०

गुरुह—

पंडित जयमाल ३१३

तिलोकचन्द्र—

पद ८६

तुलसी—

रोहिणी व्रत विधान १०८

तेजपाल—

संभवयाहचरित २३३

त्रिभुवनचन्द्र—

अनित्य पंचासिका ८४

त्रिमल्लक—

द्रव्यगुणशतश्लोक ३१

त्रिलोचनाचार्य—

गोवर्द्धन सप्तसती टीका २४५

थानजी अजमेरा—

थानविलास ३२३

दण्डी—

काव्यादर्श २७६

ब्रह्म दयाल—

पद ६७

दशरथ निगोत्या—

धर्मपरीक्षा भाषा ३२२

दामोदर—

संगीतशास्त्रसार ३२०

महाकवि दामोदर—

शेमियाहचरित २२१

दिवाकर—

दिवाकर पद्धति २७२

दिव्यादित्वाचार्य—

सप्तपदार्थी २००

ब्रह्म दीप—

नाम माला १०८

दीपचन्द्रकासलीवाल—

चौदह गुणस्थान चर्चा (हिन्दी)

अध्यात्मज्ञानदर्पण ७३

चिदविलास ७३, १५३

अनुभवप्रकाश ७३, १४८, ३७०

विनती ६६

आत्मावलोकन १७८

स्तुति ३५६

दुर्गसिंह—

कातन्त्र व्याकरण महावृत्ति २५६

दुलीचन्द—

उपदेशरत्नमाला १५०

जैनगार प्रक्रिया १५५

धर्मदास दुलीचन्द का पत्र व्यवहार १५५

बाईस अभक्ष्य १६३

ज्ञानप्रकाशविलास १७६

विवाह पद्धति २०८

अकृत्रिम चैत्यालय वर्णन २६२, ३०७

जैन यात्रा दर्पण २८३

आवू मंदिर के शिलालेखों की भाषा ३१६

हरमुखराय के मंदिर देहली की ग्रंथसूची

३१६

मंदिर निर्माण विधि ३२६

देल्ह—

चउचीसी ३७२

देवनन्दि—

सिद्धप्रियस्तीव्र ५३, ११०, ३३२, ३४४, ३४६

४५७, ३६६, ३६८, ३६९, ३६९, ३६९

जैनेन्द्र व्याकरण २५७

देवनन्दि—

लब्धिविधान उद्यापन ६६

रोहिणी विधान कथा २४०

गर्भपङ्कज चक्र २७०, ३४२, ३४६, ३७१

देवराज मुनि—

वैराग्यसङ्गाह ३६१

देवसुन्दर सूरि—

षट्दर्शनसमुच्चय वृत्ति २००

देवसेन—

दर्शनसार ४, १६५, ३४६, ३३६

आलापपद्धति १२, ८०, १६४

आराधनासार १४६, ३४२, ३४७, ३५६, ३६८

३७२, ३७६, ३८६

भावसंग्रह १६५

नयचक्र १६६, ३८६

तत्त्वसार ३३३, ३४४, ३५६, ३८२, ३८४

पं० देवीदास—

प्रवचनसार भाषा १८४

देवेन्द्रकीर्ति (भट्टारक)

चन्दनषट्किका २१

व्रतकथाकोश २२

कवलचन्द्रायणपूजा ५७

कल्याणशुभमाला ६७

जिनसम्पत्तिव्रतपूजा ५८

श्रेयसक्रियाविधान ६३

रविव्रतपूजा ६६

चन्द्रायणव्रत पूजा ३०६

द्वदशव्रतमंडलोद्यमन ३११

प्रद्युम्नप्रबन्ध २२६

गणि देवेन्द्रकीर्ति—

रैवव्रत कथा २४०

श्री देवेश्वर (वाग्भट्ट सुत)

कविकल्पलता २७८

पं० दौलतरामजी कासलीवाल—

तत्त्वार्थ सूत्र टिप्पणी टीका

(हिन्दी) ३

घोषीस दण्डक ७, ११८,

३३६, ३६६

विवेकविलास ११

पुण्याश्रवकमाकोश

२१, २३८

छहदाला १०१

नेपनक्रियाकोश १५६

अध्यात्मबारहखडी १७५

आदिपुराणभाव।

१५, २१

पञ्चपुराण भाषा

१६, २१५

हरिवंशपुराण १७, ०१८

आत्मबत्तीसी ३६६

सिद्धपूजा ३६६

संगही दौलतराम—

व्रतविधानरासी १७२

द्यानतराय—

विदेहसेनपूजा ६४

वैराग्य जखडी ११

पंचमेरूपूजा ६४

धर्मविलास १०, ४२४

भावना ७६

संनोधपंचातिका ८५, ३६६

पार्श्वनाथ स्तोत्र ८५, ४६

छहदाला ८८, १०१

समाधिभरण १०१

पद संग्रह १०४, ३७०

उपदेश शतक २८६

चरचा शतक १३१

द्यानत विलास ३२३

अष्टाङ्गिका पूजा ५६

धनंजय—

विषापहारस्तोत्र ५१, ६६, १०७, ११२, ३०६

३३६, ३४६, ३८५

द्विसंधान काव्य २४७

नाममाला २६७, ३३३, ३४१, ३०

धनपाल—

अभिषेकचरित्र २२७

धनेश्वर भट्ट—

सारस्वतप्रदीप २६३

धर्मचन्द्र (मंडलाचार्य)

गौतमस्वामी चरित्र १७, २२०

धर्मचन्द्र मुनि—

जिनसहस्रनाम पूजा १०६

धर्मदास—

विद्याधमुखसंढन २५४

पं० धर्मदास—

समाधि ३४८

धर्मदेव—

शांतिक पाठ ३२६

पं० धर्मधर—

नागकुमार चरित्र २२३

धर्मभूषण—

सहस्रनाम पूजा ६६

धर्मचक्रपूजा ३१२

धर्मभूषण (अभिनव)

सहस्रनामपूजा ६६

न्यायदोषिका १६७

धर्मचक्र पूजा ३१२

पं० धर्मसेन—

विश्वलोचन २६८

धवल महाकवि—

हरिवंश पुराण २१७

कवि धेरूह—

नेमिनाथ की बेलि ३४१

धामा—

शांतिक समस्तविधि ६७

धीर्यराम—

चिकित्सासार ३१

पं० नकुल—

सालिहोत्र ३५

नथमल—

अष्टाहिका कथा २०, २३६

स्तोत्र महत्स्य ८६

महीपाल चरित्र भाषा २१७

नथमल लालधन्व—

भक्तामर स्तोत्र कथा ३०१

सिद्धान्तसार दीपक १४७

जीवन्धर चरित्र भाषा ३२१

नागकुमार चरित्र भाषा २२४

नन्ददास—

अनेकार्थमञ्जरी २६

मानमंजरी २६८,

नन्दलाल—

गूढविनोद ७६

नंदाचार्य—

पार्श्वोष्ठक ३८५

नन्दिगुरु—

प्रायश्चित्तविनिश्चयवृत्ति १४, १६२, ३८४

नन्दिपेण—

अजितशान्तिस्तवन ४६

नरपति—

नृपतिजयचर्या २७२

नरेन्द्रकीर्ति—

सागर प्रबंध रास २३३

नरेन्द्रसेन—

प्रमाण प्रमेय कलिका १६८

रत्नत्रय पूजा ३५५, ३५८

नयनसुख—

वैद्यमनोत्सव ३४

पं० नरदेव—

श्रीपाल चरित्र २३१

चतुर्विंशति तीर्थंकर जयमाल ३५७

नरसेनदेव—

सिद्धचक्रकथा २३

वर्द्धमान कथा २२६

नवरत्न—

नवरत्न कवित्त ८७

जिनपञ्चीसी ३६०

नवल—

जयपञ्चीसी ६३

स्तुति संग्रह

पद संग्रह ३४२

बुद्धि विलास ३८८

नागचन्द्रसूरि—

पंचस्तोत्रटीका ४६

नागोजी भट्ट—

परिभाषेन्दु शेखर २५८

श्री नानूराम—

पिंगलछन्द शास्त्र २७६

नागराज—

भावशतक २

नाटमल्ल—

शास्त्रधर दीपिका २६३

नाथू—

आदिनाथ स्तोत्र भाषा ३४२

नारचन्द्र—

नारचन्द्र ज्योतिष शास्त्र २७२

श्री नारायण भट्ट—

चनत्कारचिन्तामणि २७०

नेमिचन्द्र—

द्विसंस्थान काव्य (टीका) २४७

नेमिचन्द्रजी बख्शी—

पदसंग्रह २६८

नेमिचन्द्र भण्डारी—

सिद्धान्तसार १४७

सिद्धान्त धर्मोपदेश स्तनमाला १७४

षष्ठशत प्रकरण २८७

साहित्यया ३६२

नेमिचन्द्राचार्य—

गोमट्टसार कर्मकाण्ड १, १२६, ३४६,
३६०, ३८६,

जीवकाण्ड १२८

कर्म प्रकृति २, १२६, ३५६, ३६०, ३७४

द्रव्यसंग्रह ३, ७४, ११६, ३५०, ३६७,
३६८, ३८६, ३८२

भावत्रिभंगी ६, १४४

चौबीसठाणा चर्चा ६, १६३

त्रिलोकसार ४२, २८३, ३७२, ३८६,

भावसंग्रह ८०

आसवत्रिभंगी १२५

लपणासार १२८

त्रिभंगीसार १३६

पंचसंग्रह १४१

लक्ष्मणसार १४७, ३८६

गोमट्टसार चर्चा ३५८

गुणस्थानगाथा ३७४

ब्रह्म नेमिदत्त—

धर्मोपदेश आवकाचार ८

नेमिनाथपुराण १५, २१४

श्रीपालचरित्र १६, २३१

धर्मोपदेश पीयूष १५६

सुदर्शन चरित्र २३४

आराधना कथा कौष २३५, २३६

नागश्री कथा २३७

धन्यकुमार चरित्र २२२

प्रीतिकर चरित्र २२६

निरुपनाथसिद्ध—

रसरत्नाकर ३३

नील कण्ठ—

शब्दशोभा २६०

ताजिक शास्त्र टीका २७१

वर्ण तन्त्र २७३

शिवताण्डवीय ३२६

नृसिंहाचार्य—

प्रक्रिया कौमुदी २५६

श्री पतंजलि—

पातंजलि महा भाष्य २५८

योगशास्त्र ३८७

पंकजनन्दि—

यतिभावनाष्टक ३८१

पंचानन भट्टाचार्य—

भाषा परिच्छेद १६६

पद्मनन्दि (आचार्य)

धर्मसायन ७, १५५, ३०७

जिनवरदर्शन स्तोत्र २६५

पद्मनन्दि (मुनि)

पद्मनन्दि श्रावकाचार ८, १७२, ३६०

देवशास्त्रगुरुपूजा ३६५

रत्नत्रयपूजा ३६५

भावना चौतीसी ३७२

साटक ३७२

पद्मनन्दि—

पद्मनन्दिपंचविंशति ७१, १५७, ३६५,

करुणाष्टक १०७, ३०६

पुण्यव सप्तति १५०

परमात्मराज स्तोत्र ३६६

जिनवर दर्शने ३६१

भावनाचतुर्विंशतिका ३०३

लक्ष्मीस्तोत्र ३०५

गुर्वीश्वरी ३०५

वीतराग स्तोत्र ३०५

यतिभावनाष्टक ३०६

कायस्थ पद्मनाभ—

यशोधर चरित्र २२६

पद्मसिंह—

ज्ञानसार ३०६,

पद्मसुन्दर—

शान्तिनाथस्तवन ३०३

पार्श्वनाथ चरित्र २२४

पद्मप्रभदेव—

लक्ष्मीस्तोत्र ५१, ३०२, ३३५, ३३८, ३४०

पार्श्वनाथ स्तोत्र २६६, ३५६, ३०३

पद्मप्रभ सूरि—

मुक्तादीपक २७३

पद्मप्रभमल धारिदेव—

नियमसार टीका ३५७

पद्माकर कवि—

द्रव्य १०६

पद्मलाल चौधरी—

योगसार १५

तेरह पंथ खंडन १५५

सदमावितावली २०७,

धम परीक्षा भाषा ३२२

परिमल—

जीपाञ्चरित्र १६, २३१, ३०१

परमहंस परिव्राजकाचार्य—

मुद्रार्त्त मुक्तावली २७३

पर्वतधर्मार्थी—

द्रव्यसंग्रह भाषा १४१

सनाधितन्त्र माया २०६, ३७६, ३०६

पांडव—

पांडव गीता १२०

पाणिनी—

अष्टाध्यायी सूत्र २५६, ३०७

पात्र केशरी—

स्तोत्र ३०७

पार्श्वचन्द्र सूरि—

दीहे ६१

पारसदास निगोत्या—

पार्श्वविलास १०

ज्ञानसूर्योदयनाटक भाषा २५६

पासचन्द्र—

साधुबंदणा ३४५

प्रीथल—

कृष्णरूपमणि विवाह वेलि ३८६

पुंजराज—

सास्वत टीका २६३

पुण्यराजगणि—

होलीपर्वकथा २४

पुण्यशीलगणि—

चतुर्विंशति जिनस्तुति २६१

पुष्पदन्त—

आदिपुराण २०८

उत्तरपुराण २११

नागकुमार चरित्र २४७

यशोधर चरित्र २११

पूज्यपाद—

सर्वार्थसिद्धि ५

समाधिशतक १२, १०७, १४६, २०७

जैनेन्द्रव्याकरण २७, ३८५

उपासकाचार १५०, ३४६

समाधितन्त्र ३५६

इष्टोपदेश ३६८, ३६४, ३८१, ३८३, ३८६

पंचपरावर्तन प्रकरण ३७४

पूर्णचन्द्राचार्य—

उपसर्गहरणस्तोत्र ४६

पूनमचन्द्र—

पंचवर्णतेईसा ३४०

पूनो—

मेघकुमार गीत ८३

पृथ्वीनाथ—

पृथ्वीनाथजी के सचद ३८१

प्रतापकीर्ति—

श्रेयनक्रियाविधि

सवाई प्रतापसिंह—

शृंगार संजरी १००

वैराग्य संजरी १०८

जातकसार १११

राधागोविन्द संगीतसार ३२०

प्रभाचन्द्र—

सुपाएवंस्तवन १०६

तत्त्वार्थरत्नप्रमाकर १३२

तत्त्वार्थसूत्र १३६

द्रव्यसंग्रह टीका १३६

क्रियाकलाप १६१, ३३२

प्रमेयकमल मार्तण्ड १६८

आदिपुराण टीका २०६

उत्तरपुराण टिप्पण २१२

रात्रयपार्श्वनाथस्तवन १०६

पं० प्रभाचन्द्र—

स्वयंभूस्तोत्र टीका ३०६

भ० प्रभाचन्द्र—

कलिकुंडपूजा ५७

गणधरवल्लयपूजा ६८

सिद्धचक्रपूजा ६६

प्रम सोनी—

प्राणीडा गीत १२४

फतेहराम लुहाडिया—

स्तोत्रसंग्रह ५४

वखतराम—

बुद्धिविलास ७२

मिथ्यात्व खंडन १९५, ३८८

बंशीधर—

द्रव्यसंग्रह टीका १३८

बनारसीदास—

अध्यात्मबत्तीसी १०, ६१

बनारसीसंग्रह ११

समयसार ११, ७५, ६२, १०२

३४६, ३५६, ३७१, ३८६

३६०

सिन्दूरप्रकरण ४४, ३४४, ३५२

३५५, ३६४, ३७८

बनारसीविलास ७३, ३२५, ३३३

३३६, ३४७, ३४६

३६३, ३७६, ३८२

कर्मप्रकृतिविधान ८०, ३५२, ३७०

साधुवन्दना ८३

कल्याणसंदिरस्तोत्र ८४, ८६, ८७

८६, १०६, ११२, ११४, ३३०

शिव पञ्चीसी ६१

ध्यान बत्तीसी ६१

बनारसी दोहावली ६१

कर्म छत्तीसी ६१

धर्मधमाल ६१

अध्यात्म पैडी ६१, ३३३, ३६५

मोक्षपैडी ११०, ३३६, ३७१

मवसिंधु चतुर्दशी ११०

मोहविवेक १८४, ३३०, ३४६,

३६५,

समयसार नाटक १८३, १६०

३३०, ३८३, ३८५,

३४८, ३५०, ३५३,

३६७, ३७०, ३७५,

३८२

बावनी २८६

जिनसहस्रनाम भाषा २६७

सारबावनी ३२७

ज्ञानपञ्चीसी ३३१, ३४०, ३६३

बनारसी पद ३५२

शारदाष्टक ३६१

बलराम—

जयपुर के मंदिरों की वंदना ६६

बसन्तराज—

मधुमालती कथा ३५१

बसन्तराज—

बसन्तराजशकुनावलि ३७

बहुमुनि—

सामायिकपाठ ५३, ३०५

बालचन्द्र सूरि—

गुरु गीत ६१

बिहारीदास—

जखड़ी ३४०

सनसमविलास ३६०

बिहारीलाल—

बिहारीसतसई २५, १०३, २५४

बोहल्ल—

पंच सहेली ६१

बुधजन—

वंदनाजखड़ी ५२

भक्तमरस्तीव्रोत्पत्ति कथा ८७,
संक्षेप अक्षर बावर्नी ६३
बृहद्वाला १०१, १२४, ३६०, ३६१
पद संग्रह १०४
इष्ट अक्षरी १४६
योगसार भाषा २०७
ब्रह्ममानपुराण सूचनिका २१६
बुद्धजन सतसई २८६
संक्षेप पंचासिका ३२१
चरचाशतक ३३८

बुलाकीदास—

प्रश्नोत्तरोपासकाचार ८, १६२
वचनकोश १४२
पाण्डव पुराण २१६

कवि वृत्त—

चेतन प्रदग्गल धनालि ३४०

ब्रह्मदेव—

द्रव्यसंग्रह टीका १४०
विनती संग्रह ३०३

ब्रह्मसेन—

रत्नत्रय पूजा ३६८

भगवदानंद—

शारीरिक भाष्य २००

भैरवा भगवतीदास—

चिंतनकर्मचरित्र १७
निर्वाणकांड भाषा ४८, ७४, ११२
सुबुद्धिचौबीसी ८०
वैराग्यपञ्चीसी ३६०
ब्रह्मविलास ३६३
मानवचौबीसी ३६८
बनजारा गीत ३७१

भगवानदास—

पद्मपुराण २१६

कवि भट्टी—

महीभट्टी ३२६

भट्टोजीदीक्षित—

सिद्धान्त कौमुदी २६४

भट्टोजीभट्ट—

शब्दकौस्तुभ २६८

भट्टोत्पल—

षट्पंचासिका वृत्ति २७४

भद्रबाहु मुनि—

नवप्रहरस्तोत्र ६१
ग्रहशान्तिस्तोत्र १२३
भद्रबाहुसंहिता २७०

श्री भद्रसेन—

कलिका पंचमी कथा २३६

भट्टहरि—

शृंगारशतक २३
नीतिशतक ४३, ८१, २६२
भट्टहरि शतक १००, २८६, २९२
सबद ३८०

भाऊ कवि—

रविवार कथा ६१, ३४३
पार्श्वनाथ कथा ३५५

भागचन्द—

शिखर विलास ३२
उपदेश सिद्धान्त रत्नमाला १६०
प्रमाण परीक्षा भाषा १६८
नेमिनाथपुराण २१४

भानुकीर्ति—

रत्नव्रतकथा ७५

रोहिणी व्रत कथा २४०

भानुजी दीक्षित—

धर्मकोश टीका २६७

भानुदत्त—

रसतरंगिणी २७६

रसमंजरी २७६

पं० भानुमेरू—

रात्रोज्जयोद्धार

ऋषि भारद्वाज—

अद्भुतसागर ३१

भारमल्ल—

दर्शनकथा २३७

निशिभोजन कथा २३७

शीलकथा २४१

भारवि—

किराताछ नीय २४, २४४

भाबशर्मा—

स्नपनटीका १४

न्यायसार १६७

दशलक्षण पूजा ३११, ३३२

षोडशकाण्ड जयमाल ३३२

सामायिक पाठ ३३२

त्रिंशच्चतुर्विंशति पूजा ३६३

भास्कराचार्य—

लीलावती सूत्र २६१

भीम—

रूपसेन सुजाणदे चरित्र २४०

भुवनकीर्ति—

जीवंधररास ३७६

रात्रिभोजनवर्जनरास ३७६

जम्बूस्वामिरास ३७६

भूधरदास—

धर्चा समाधान २, १३१

जैनशतक १०, २१, १७६, ३६६

पार्श्वपुराण २४, २४६

एकीभावस्तोत्र भाषा ४६, २६४, ३६६

पंचमेरूपूजा ८५

पद संग्रह १०४

भूपाल चौबीसी भाषा ११२

जखडी ३२३, ३६६

भूपालकवि—

भूपालचतुर्विंशतिस्तोत्र ५१, १०७, ११२,
३०१, ३७२

भूषण—

अनन्तव्रतोद्योषणपूजा ५५

भट्टारक श्री भूषण—

हरिवंशपुराण २१८

मुनि भूषण—

लक्ष्मीस्तोत्र टीका ५१

मकखन—

अकलंक चरित्र २३५

मतिसागर—

विद्यानुशासन २७६

मदनकीर्ति—

सर्वज्ञशासन द्विंशतिका ३८३

मदनराज—

मानवावली २८६

मनसुख—

शिलरमहात्म्य २४१

पन्नालाल—

चारित्रसार भाषा १५३

पद्मनंदि पंचविंशति भाषा १५७

मनोहरदास—

धर्मपरीक्षा भाषा ७७

ज्ञानचिंतामणि ७५, ७८, ११७, १२४, १७६

ज्ञानपद ६६

मम्मट—

काव्यप्रकाश २७८

मकुहर सूरि—

लघु संग्रहणी सूत्र १७०

मल्लिनाथ सूरि—

शिशुपाल वध टीका २५४,

भ० मल्लिभूषण—

रात्रि भोजन कथा २४०

मल्लिषेणाचार्य—

भैरवपद्मावतीकल्प ४०

विद्यानुवाद ४१

स्याद्वाद मंजरी २०१

मल्लिषेणसूरि—

नागकुमार चरित्र १८

सज्जनचित्तवत्सल ३६०, ३७३, ३८६

महचन्द्र—

बाख्तरी दोहा २८७

गणेश महिमासागर—

आर्हत चौपई २६४

महीधर—

मन्त्र महोदधि २४६

महेन्द्रकीर्ति—

पदसंग्रह

श्री महेन्द्रसूरि—

विचार सत्तरी १७२

अनेकाय संग्रह टीका २६५

माध—

शिशुपालवध २१, २५४

माघनन्दि—

चतुर्विंशतिजिनस्तुति ४७

नीतिसार ३८३

वन्देत्तान जयभात ३८४

माणिक्यनन्दि—

परीक्षामुख १६८, ३१६, ३८५

माणिक्यराज—

नलदमयन्ती चरित्र ३८२

माणिक्यसूरि—

शक्रराजहंसराजकथा २३

शकुन सारोद्धार १११

माधवाचार्य—

माधवनिदान ३२

मानतुंग—

भयहर पार्श्वनाथ स्तोत्र ३६२

मानतुंगाचार्य—

मत्तामस्तोत्र ४६, ८२, ६५, ६४, ६६, १०७

११२, २६६, ३३५, ३३७, ३३८, ३४८

३६२, ३७२, ३८४

मुंजादित्य—

ज्योतिषशास्त्र ३६

मेघ विजय—

जैनेन्द्र व्याकरण टीका २५७

मेधावी—

धर्मसंग्रहश्रावकाचार ७, ११६

भा० मोतीशालजी संघी—

चैनमुख लुहाडिया का जीवन

२२०

मोहन—

भावनी ११७

मोहनदास—

स्वरोदय ७८

यशोनन्दि—

धर्मचक्रपूजा ३१२

पंचपरनेत्रिपूजा ६४, ३१४

मुनि यशःकीर्ति—

हरिशंशपुराण २१७

चन्द्रप्रसन्नचरित्र २४६

जगन्मुन्दरी प्रयोग माला २६८

प्रबोधसार ३२४

आदित्यवार लघु कथा ३४८

धन्यकुमार चरित्र २२२

श्रेणिक चरित्र २३२

दुवराज प्रल्हाद—

पार्ष्णीपराक्रमव्यायोग २७

योगदेव—

तत्त्वार्थसूत्र टीका १३१

योगीन्द्रदेव—

परमात्मप्रकाश १०, ६६, १०८, १८०,

१८२, ३४४, ३६४, ३८७, ३६२

योगसार २०५, ३३७, ३४४, ३४२, ३८४

३८७

रङ्गधू—

दशलक्षणपूजा ६०, ३११, ३३४

सिद्धान्तार्थसार १४७

आत्मसंबोध काव्य १५८, ३७२

पासणाह पुराण २१६

वृहत् सिद्धचक्र पूजा ३१७

मेघेश्वर चरित्र २२८

श्रीपाल चरित्र २३८

सम्यक्त्व भावना ३८७

दशलक्षणिक विशेष पूजा ३६५

संबोधपंचासिका ३६६

रघुकवि—

रत्नावन्धन पूजा ६५

रघुनाथ—

समंजसी भाषा २८०

रघुराम—

सामसार नाटक २६६

रत्नकीर्ति (भ०)

रत्नत्रयकथा ३६७

रत्नचन्द्र—

विमलनाथपुराण २१७

सुमौल चरित्र २३४

रत्ननन्दि—

भद्रबाहुचरित्र १८, २२६

रत्ननन्दि—

पत्न्यविधानपूजा ६२, ६३

रत्नभूषण—

तीर्थक्षेत्रजयमाल ७६

धर्मोपदेश श्रावकाचार १५५

रत्नसिंहसूरि—

खंडवट्टिशिकावृत्ति १२८

संवेगामृतभावना १६०

रत्नप्रभाचार्य—

रत्नकरावतारिका १६९

रभसानन्द—

सम्बन्धोद्योत ३२७

रविषेणाचार्य—

पद्मपुराण १५, २१४

सज्जनचित्तवस्त्रम स्तोत्र १०७

राज—

उपदेश बत्तीसी ८६

राजऋष्य भट्ट—

चमत्कारचिंतामणि ३६

राजमल्ल—

लारीसंहिता (थावकाधार) १७०

समयसार १२, १८८

पंचाव्यायी १४२, ३८७

राजसिंह—

पार्श्वमहिम्न स्तोत्र २६६

राजसेन—

पार्श्वनाथ स्तवन १०६

रामकृष्ण—

महानन्द १८४

तृप्तिदीपिका (टीका) १६२

द्वैतविवेक पद योजना १६६

पं० रामराणि—

दशलक्षणव्रतोद्योपन पूजा ३८६

रामचन्द्र—

रामविनोद भाषा ३३

रामचन्द्र—

सीता चरित्र २३३, ३७०

रामचन्द्र—

चौबीसतीर्थकरपूजा ५६, ६८, ३६०

कर्मचरित्र बाईसी ८६

हनुमताष्टक ११२

बारहमासा ३८८

रामचन्द्र—

प्रक्रिया कौमुदी २५४

सुमुक्त रामचन्द्र—

पुण्याश्रव कथाकोश २३८, ३७६

धर्मपरीक्षा ३२२

यति रामचन्द्र—

आत्मशिक्षाशतक ३८६

रामचन्द्रशर्मा—

सिद्धान्तचन्द्रिका २६, २६४

रामचन्द्र सूरि—

विक्रम प्रबन्ध

रामविनोद—

वर्षविनोद २७३

रामसेन—

तत्त्वानुशासन १३६

ब्रह्म रायमल्ल—

प्रद्युम्नरासो ७३, ७४, ६३

श्रीपाल रासो ७४, ३४४, ३६४, ३६५

सुदर्शनरासो ७४, ६७, ३६४

नेमीश्वररासो ७४

मविष्यदत्त चौपई ७४, ३४८, ३७६, ३७७

हनुमत कथा ७४, २४३

सौलह स्वप्न ३७७

भविष्यदत्त चरित्र १८

निर्दोष सप्तमी कथा २३७

रैयमल्ल—

भक्तार्मस्तोत्र टीका ३, १६०, ३०१

रूपचन्द्र—

पंचमंगल ८०, ८६, ८४, ८६, ८६, १०२,

१०४, १०६, ११४, १६६, ३३०, ३४०

३४१, ३६६, ३७०

दोहाशतक ८१

जखडी ६३, १६५

दोहा परमार्थी ६१, ३६०

छंद ६१

गीत ६८

पद ३४८, ३६६

सौलह स्वप्न फल ३४८

स्तुति ३२६

दोहावलि ३६५

परमार्थ दोहा शतक १८०

रूपचन्द्र—

समवशरणपूजा ६८

पाण्डे रूपचन्द्र—

विशेषसत्तायंत्र १४६

रूपचन्द्र—

समयसार टीका १८६

रूपचन्द्र बिलाला—

भद्रबाहु चरित्र टीका २२६

लक्ष्मीचन्द्र—

द्वादशानुप्रेक्षा १८०, ३४६, ३५८

लक्ष्मीचरणार्थ—

सगीतसंज्ञाकर ३२०

लक्ष्मीदास—

यशोधर चरित्र २२६

श्रीशिकचरित्र ३६७

लक्ष्मीवल्लभ राशि—

चौवीसदण्डक १५४

भट्टारक लक्ष्मीसेन—

कर्मचूत्रतोषापन ५७

श्रावकाचार १७२

लक्ष्मीसेन—

सप्तविंशतपूजा ६८

ललितकीर्ति—

कंजिकाव्रतोषापनपूजा ६७

लालचन्द्र—

षट्कर्मोपदेशतन्माला ५

मन ज्ञान का समाम ११६

लीलावती भाषा २८२

राजुलपञ्चीसी ३६०, ३६६, ३७७

लालचन्द्र विनोदीलाल—

राजुलपञ्चीसी ७२, ३३२, ३४३

सम्यक्त्वकौमुदी २४३

लाललालजी—

समवशरण पूजा ३१७

लोकसेनाचार्य—

दशलक्षणविधान ३७३

लोलिम्बराज—

वैद्यजीवन ३४

लोहट—

१८ नातों का चौदाला ८३

वज्रकीर्ति—

रत्नावलि व्रतोषापन ६६

वट्टकेरस्वामी —

मूलःचार १३६, ३८६

वप्पभट्ट—

चतुर्विंशतिजिनस्तुति २६४

वरदराज—

सारसंग्रह २०१

लघुसिद्धांत कौमुदी २६०

वररुचि—

षोडशभास २६५

प्राकृत प्रकाश २५६

श्री बराह मिह्र—

बृहज्जातक २७३

वस्तुभ—

शिशुपालवध टीका २५

वसुनंदि—

आचारसार वृत्ति १४८

उपासकाध्ययन १५०

यत्याचार १६७, ३८७

वसुनंदिश्रावकाचार १७०, ३८६,

देवागमस्तोत्र टीका १६६

प्रतिष्ठासार संग्रह २०१, ३८६

वर्द्धमान उपाध्याय—

किरणावली प्रकाश १६४

वर्द्धमान—

गुणरत्नमहोदधि (वृत्ति) २५७

भट्टारक वर्द्धमान देव—

वरांग चरित्र २५३

वाग्भट्ट—

वाग्भट्टालंकार ४२, २८०

नेमिनिर्वाण २४८

वाचस्पति मिश्र—

सांख्य तत्व कौमुदी २०१

वादिचन्द्र—

ज्ञानसूर्योदय २७, २५६

वादिराज—

एकीभाव स्तोत्र ४६, १०७, ११२, २६४,

३३८, ३४२, ३४८, ३६०, ३८६

प्रमाण निर्णय १६८

जिनस्तोत्र ३३३

यशोधर चरित्र २२८

वादीभसिंह—

क्षत्रचूडामणि २६२

वामदेव—

भावसंग्रह १६४

वामनाचार्य—

काशिका वृत्ति २६७

विजयकीर्त्ति—

चन्दनषष्टिजन्तोद्यापन पूजा ६६

श्रेणिक चरित्र २३२

विजय तिलक—

जीवविचार स्तोत्र ३६२

विजयदेवसूरि—

शीलरास २३

विजयानन्द—

क्रियाकलाप २६७

विजयसेन (सूरि)

द्वादशानुप्रेक्षा ३७२

आलोचना स्तवन ३६२

पुण्डरीक विठ्ठल—

नर्तन विचार ३२०

विद्यानन्दनाथ—

सौभाग्य रत्नाकर २७३

विद्यानन्दि—

श्लोकवार्तिक १४५, ३०७

अष्टसहस्री १६३

आतपरीक्षा १६३

प्रमाखपरीक्षा १६०

स्तोत्रटीका ३०६

विद्याभूषण—

भविष्यदत्तरास ३७६

बारह सौ चौतीस विधान, ३००

विनयचन्द्र—

चून्डीरास ३५६

विनोदीलाल—

बारहमासा ७३, ७०

राष्ट्रलपचीसी ७५, ८८

नौका बंध १०३

समति कुमति की जलजी ३२७

भक्ताभारस्तोत्र माथा २६

विमलेन्द्र—

विक्रमचरित्र रास २३०

विमलकीर्ति—

स्तवनसंग्रह ३३२

विष्णुशर्मा—

पंचोपाख्यान ४५, २६२

विष्णुसेन—

समवशरणस्तोत्र ५२, ३०२, ३७६, ३८५

विषयसेन—

सुकृतानुप्रेक्षा ३३३, ३६६

विश्वनाथ—

ताजिकशास्त्र २७१

विश्वनाथ पंचानन—

सिद्धान्तसंज्ञावली ३२७

विश्वनाथ योगी—

तर्कदीपिका १६५

विश्वभूषण—

पंचकल्याणक पूजा ६३

मानुषोत्तर चैत्याख्य पूजा ६४

मौनव्रतउत्थापन पूजा ६५

निर्वाण मंगल ११२

इन्द्रध्वजपूजा ३०६

सिद्धकूटपूजा ६६, ३१०

कलशविधि १३

इन्द्रध्वजपूजा ५७

मुनिविश्वशंभु—

एकाक्षर नाम मालिका २६७

विश्वसेन—

क्षेत्रपालपूजा ५८

जिनशासनदेवपूजा ५६

वीर—

जम्बूस्वामि चरित्र २४६

धर्मचक्रपूजा ३१२

वीर देवगणि—

महीपालकथा २०

वीरनन्दि—

चन्द्रप्रमचरित्र २४६

वीरचन्द्र मुनि—

सप्तव्यसनरास ३७८

वीरसेन (मुनि)

प्रायश्चित्त शास्त्र १४

वीरह (वलह)

नेमिनाथसंतु ३६६

नेमीश्वर को वंश ३७१

बुचराज—

मदनखुम्ब ३७६, ३८०

वेणीदत्त शर्मा—

सुसतरंगिणी २६०

वेदव्यास—

अन्नपूर्णस्तोत्र ३३४

पार्जन्य योग शास्त्र २०४

वैजलभूपति—

प्रबोधचन्द्रिका २११

वैद्यनाथ—

काव्यप्रकाश टीका २७८

काव्यप्रदीप टीका २७८

व्योपदेव—

धातुपाठावली २५८

वोसरी—

सायथी टीका ३१६

वृन्द—

वृन्दसतसई ११०, १११, ११४

विनोद सतसई ३३४

वृन्दावन—

चौबीस तीर्थकर पूजा ६६, ३०४

शांतिनाथ पूजा ६७

व्योपदेव—

शतश्लोक वैद्यक २६६

शंकराचार्य—

आनन्दलहरी १२०

विप्रपराध स्तोत्र १२०

गंगाष्टक १२०

प्रश्नोत्तरस्तोत्रमाला १२०

परोक्षानुभाव ३६२

आचार्य शंकर—

बृहदारण्यक टीका ३२५

भगवान शंकर—

शारीरिक मीमांसा २००

शंखधर—

लटकमेलक नाटक ३३६

शंकर स्वामी—

मीमांसा भाष्य १६६

शंख कवि—

जिनशतक पंजिका टीका २६६

शर्मदेव—

चन्दनचण्डिकास्तोत्रावली १६६

शांतिदास—

विष्णुपहारस्तोत्र भाषा १२२

अनन्तनाथपूजा ३०७

श्री शाङ्गदेव—

संगीतरत्नाकर ३२०

शाङ्गधर—

शाङ्गधर संहिता ३५, २६६

शालिनाथ—

रसमेञ्जरी ३३

शिरोमणि—

धर्मसार १६६

शिवकोटि—

भगवतो आरार्थना १६६, १६६

शिवकीर्ति—

मूलाचार ८

शिवकुमार—
कांजीचौसठपूजा १८
शिवदास—
वेतालपंचविंशति २२
शिवधर्मा—
काव्य व्याकरण महावृत्ति २५६
शिवानन्दभट्ट—
वैद्यरत्न ३४
शिवादित्य—
सप्तपदार्थी (टीका) २५०
श्री शीतलप्रसादजी—
समाधिशतक भाषा ३०८
इष्टोपदेश भाषा २६४
शीलभद्र—
मुक्तावली कथा ३७२
शुभचन्द्राचार्य—
ज्ञानार्णव १६, २०३, २४६
शुभचन्द्र (भट्टारक)
पाण्डवपुराण १६, २१६
श्रौणिक चरित्र १६, २११
अष्टादिका कथा ४८
सुभाषितार्णव ४४, २८८
स्वामी कार्तिकेयानुप्रेता टीका १६१
करकंडु चरित्र २२०
नंदीश्वर कथा २३७
सहस्रगुणी पूजा ६६, २१८
जीवधर चरित्र २२१
पंचपरमेष्ठिपूजा ६४, ३१४, ३६५
कर्मदहन पूजा ३०८
त्रिंशच्चतुर्विंशति पूजा ३१०, ३८६

पल्पविधान ३१४
साङ्गद्वयदीप पूजा ३१८
त्रिलोक पूजा ३४४
शेखर—
मंत्रौषध १११
कुंवर शेरसिंह—
वीरमदे की बात २२
श्री शोभन—
चतुर्विंशति जिनस्तुति ३६५
श्रवण पंडित—
चेतन चत्तीसी ८६
श्रीकृष्ण—
ब्रह्मदाला १०१
श्रीकृष्ण—
योगरत्नावली २६६
श्रीकृष्ण गणक—
बीजगणित टीका २६१
श्रीचन्द्र—
रत्नकरण शास्त्र १६७
श्रीधर—
श्रुतावतार २६, ३६५
श्रीधराचार्य—
चक्रसूची उपनिषत् ७६
पं० श्रीधर—
सुकुमारी चरित्र २३५
भविष्यदत्त चरित्र २३५
श्रीपति भट्ट—
जातक पद्धति २७०
व्योतिषरत्नमाला २७१

श्रुतकीर्ति—

योगसार २०५

श्रुतमुनि—

भावसंग्रह १६५

त्रिभंगीसार १३७

भावत्रिभंगी १४८

श्रुतसागर सूरि—

तत्त्वार्थसूत्र टीका (संस्कृत)

व्रतकथाकोश २२, १३५

ज्ञानार्णव गद्य टीका २०४

अनन्तव्रत कथा २०, २३१

पल्यविधान व्रतकथा २३८

नेधमाला व्रतोपाख्यान २६६

अष्टपरमस्थानक कथा २४१

यशोधर चरित्र २२८

शान्तिनाथ स्तवन ३८५

जिनसहस्र श्लोक टीका २६७

श्रुतस्कंध पूजा ३९७

सकलकीर्ति—

प्रश्नोत्तरश्रावकाचार ६, १६०

आदिपुराण १५, २१०

पार्श्वपुराण १६

मल्लिनाथपुराण १६

धन्यकृष्णचरित्र १८, २२३

यशोधर चरित्र १८, २२७, २२८

शान्तिनाथचरित्र १८, २३०

सुकुमाल चरित्र १६, २३३

श्रीमालचरित्र १६, २३१

भावनापंचविंशतिकथा २२

सुभाषितावलि ४४, ७४, २८८

आराधनापतिबोधसार ४६, ३४०

नेमीश्वर गीत ६६

सिद्धान्तसार १४७

सिद्धान्तसारदीपक १४५

मूलाचार प्रदीप १६६

उत्तर पुराण २१३

सुदर्शन चरित्र २३४

चतुर्विंशति तीर्थकरतोत्र २६४

मुक्तावली गीत ३३३

पार्श्वनाथ चरित्र २२४

प्रद्युम्नचरित्र २२१

वर्द्धमान चरित्र २२६

सुगन्ध दशमीकथा ३६६

मुनि सकलचन्द्र—

जिनेन्द्रभवन स्तुति ३८५

सकलभूषण—

उपदेश स्तनमाला १६६

सदानन्द—

सिद्धान्तचन्द्रिका वृत्ति २३, २६५

परमहंस परिव्राजकाचार्य सदानन्द—

वेदान्तसार १६६

सदासुखजी कासलीवाल—

तत्त्वार्थसूत्रभाषा १३६

भगवती आराधना भाषा १६४

स्तनकरण्ड श्रावकाचार भाषा

१६६

समयसार भाषा १६०

अकलकाष्टक भाषा २६३

देवसिद्ध पूजा ३१२

सन्तदास—

ब्रह्मसूत्र ३७८

समन्तभद्राचार्य—

देवागमस्तोत्र १३, १२३, १६६, ३५६
३६६, ३८४

स्वर्यभूस्तोत्र ५३, ७७, ८४, ६६, ११५
३०५, ३२०, ३५६, ३८७,
३६४, ३८३

रत्नकरण्डश्रावकाचार १६७

जिनशतक २६६, ३५६

उपासकाध्ययन ३८४

समय सुन्दर—

दानशीलतप भावना संवाद ६४

समाजतीसी ६४

रघुवंश टीका २५२

समयसुन्दरोपाध्याय—

भक्तामरस्तोत्रटीका ५०

संवेगसुन्दर—

सारसीखामणारास ३७६

सहस्रकीर्ति—

त्रिलोकसार टीका २८४

सागरगण्—

मानमंजरी ३२६

सागरचन्द्रसूरि—

इलापुत्रश्रुतिगीत ८२

सागरसेन—

त्रिलोकसार टीका २८४

सायणाचार्य—

माधवीयधनुवृत्ति २६०

सार कवि—

चौबीसी जिन स्तवन ८४

सिद्धसेन—

सन्मार्तितर्क २००

पार्श्वनाथस्तवन ३३७

महाकवि सिंह—

प्रद्युम्न चरित्र २२४

सिंहनन्दि—

जिनमंगलाष्टक १२३

शमोकार कल्प २७५

पं० सुखलाल—

सामायिक पाठ ३०५

सुखानन्द—

पंचमेक पूजा ६६

सुन्दरदास—

सुन्दर शृंगार १०३

पाल्खंड पंचासिका ३४६

सुधासागर—

पञ्चकल्याणक पूजा ३६६

सुप्रभाचार्य—

सुष्यदीहा ४३

प्रश्नदीहा ३३७

दीहावली ३८१

सुमतिकीर्ति—

धर्मपरीक्षा ७०

कर्मकाण्डटीका १२६

त्रैलोक्यसार टीका ३७४

रघुवंशटीका २६

सुमतिसागर—

दशलक्षपत्रतोषापन पूजा ६०

समस्ततीर्थ जयमाल ६७

जिनसहस्रनामपूजा ३६५

बृहन्षोडशकारण पूजा ३८३

सुमन कवि—

दूतांगद २७

भ० सुरेन्द्रकीर्ति—

अष्टाद्विक कथा २०

कल्याणमन्दिर पूजा १७

नेमिनाथपूजा ६१

पुरंदरप्रतपूजा ६२

पंचकल्याणपूजा ६३

पंचमासचतुर्दशी प्रत पूजा ६४

श्री सुश्रुत—

सुश्रुत संहिता २६६

सूरत—

बारहसब्जी ११, ३४७

सेवारास साह—

चौबीसतीर्थकरपूजा ५६

मानज्ञान संग्राम ८५

धर्मोपदेश संग्रह ८

सोमकीर्ति—

यशोधररास ३७६

आचार्य सोमकीर्ति—

सप्तव्यसन कथा २४१

प्रद्युम्न चरित्र २२५

यशोधर चरित्र २२८

सोमतिलकसूरि—

लघुस्तवन टीका ३०२

सोमदत्त—

कर्मदहनपूजा ६७

सोमदेव सूरि—

यशस्तिलक चम्पू २६१

सोमनाथ —

रसपीयूष ४२

सोमप्रभाचाये—

सूक्तिमुक्तावलि, २६

शृंगारवैराग्य तरंगिणी २८०

सिद्धर प्रकरण ३६४

सोमसुन्दर—

समवधारणस्तवन ८१

सोमसूरि—

आराधना कुलक ८२

सोमसेन—

पुरंदरप्रतोषापनपूजा ६२

पार्श्वनाथ स्तवन १०६

सोमसेन (भट्टारक)

त्रिवर्णाचार ७, १५५

पञ्चपुराण १५, २१४

सौभाग्यगणि—

प्राकृत दीपिका (टीका) २५६

स्योजीराम—

कवित्त ६५

महाकवि स्वयंभु त्रिभुवन स्वयंभु—

पडमचरित्र २४६

स्वरूपचन्द्र—

सिद्धपूजा ६६

चौसठ ऋद्धि पूजा ५६, ३०६

त्रिलोकसार भाषा २८४

ऋषि ऋद्धिशक्तिके ३०२

बृहद्गुरावली पूजा ३१६

सहस्रनाम पूजा ३१८

स्वात्माराम योगीन्द्र—

हठ प्रदीप ३६२

स्वामिकुमार—

द्वादशानुप्रेक्षा १०

हृदयराम—

बाईसपरीषद् ७५

हयग्रीव—

प्रश्नावलि ३६

हर्ष—

नैषध चरित्र २४८

हर्षकीर्ति—

ज्योतिषसार ३६, १२४

मूर्ति मुक्तावली टीका २६०

भक्तान्तरस्तोत्र टीका २६६

लब्धिविधान पूजा ३१६

कर्म हिंदोला ३४८

हर्षकीर्ति—

धातुपाठ २७

योगचिंतामणि ३२, २६६

चतुर्गतित्रैलि ७३, ७६

अहलेश्याकवित्त ७६

भजन व पदसंग्रह ७६

पंचम गति की बेलि ८३, ६०

हर्षचन्द्र—

पंचमीव्रतोद्यापनपूजा ६४

खण्ड सूत्र १६५

हर्षरत्न—

ताजिकशास्त्र टीका २७२

हर्षवर्धन—

अध्यात्म बिन्दु १७८

पं० हरिचन्द्र—

अनस्तमितिब्रताख्यान ३५२, ३५६,

३६१, ३७३

महाकवि हरिचन्द्र—

धर्मशर्माभ्युदय २४७

हरिनाथ—

वैद्यजीवन भाषा ३४

हरिनाभ मिश्र—

संस्कृतमंजरी ३२६

हरिभद्रसूरि—

षड्दर्शनसमुच्चय १३

योगदृष्टि २०५

हरिप्रेणाचार्य—

कथाकोश २३६

दानभान—

भारह अनुप्रेक्षा ६५

हिङ्गनाथ—

योगरत्नावलि ३३

हीराचन्द्र—

पदसंग्रह २६८

पं० हीरानन्द—

पंचास्तिकाय भाषा १४४

समवशरण स्तोत्र ३०३

द्रव्य संग्रह भाषा ३३२

एकोभाव स्तोत्र ३४२, ३६६, ३६६

हेमाचार्य—

अर्हनाम सहस्र २६३

ब्रह्मदेव—

श्रुतस्कंध ३६०, ३८४